

## यातना रोकथामकालागि ऐच्छिक आलेख निर्देशिका

यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्र संघीय महासन्धिको ऐच्छिक आलेख: कार्यान्वयन निर्देशिका एशोसियसन फर द प्रिभेन्सन अफ टर्चर (एपिटि) र the Inter-American Institute of Human Rights (आइआइएचआर) को संयुक्त प्रकाशन हो। यो निर्देशिका एपिटि र आइआइएचआरले यातना विरुद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख—२००४ को शीघ्र कार्यान्वयन गराउनका लागि आवश्यक बकालत गर्न २२ जुन २००६ मा तयार गरिएको निर्देशिकाको संशोधित संस्करण हो। प्रस्तुत नयाँ निर्देशिकाको प्रत्येक अध्यायलाई छुट्टाछुट्टै पढ्न सकिने गरी ५ ओटा अध्यायहरूमा विभाजन गरिएको छ :

१. यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासन्धिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष
२. ऐच्छिक आलेखका धाराहरू माथि टिप्पणी
३. संयुक्त राष्ट्रसंघीय यातना रोकथाम उपसमिति
४. ऐच्छिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन: राष्ट्रिय चुनौतीहरू
५. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य सञ्चालन

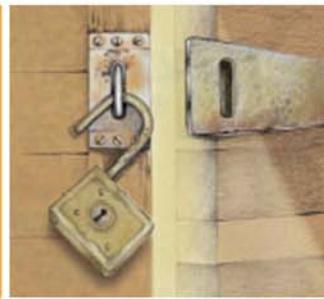
यस प्रकाशनले आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनमा संलग्न अन्तर्राष्ट्रिय, क्षेत्रीय, र राष्ट्रिय कर्ताहरूका कार्यालाई सबल बनाउने उद्देश्य लिएको छ। यसले एपिटिले संसारभरबाट संकलन गरेको असल अभ्यासको उदाहरणहरू प्रस्तुत गरेको छ। विश्वभर विभिन्न क्षेत्रहरूमा भएका नवीनतम विकासलाई समेट्नुको अलावा यो संशोधित संस्करणले आलेखको कार्यान्वयनमा देखा पर्न सक्ने चुनौतीहरू र यसको कार्यान्वयन प्रक्रियाको बारेमा पनि जोड दिएको छ।

एशोसियसन फर द  
प्रिभेन्सन अफ टर्चर

पो. ब. नं: २२६७  
१२११ जेनेभा २ -स्वीटजरल्याण्ड  
फोन नं: +४१२२९१९२९७०  
फ्याक्स: +४१२२९१९२९८०  
इमेल: apt@apt.ch  
वेबसाइट: www.apt.ch

आइआइएचआर

Apartado Postal 10.081  
9000-सेन जोस-कोष्टा रिका  
फोन नं: +५०६२२३४०४०४  
फ्याक्स: +५०६२२३४०९५५  
इमेल: s.especiales@iidh.ed.cr  
वेबसाइट: www.iidh.ed.cr



यातनाविरुद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख



IIDH  
Instituto Interamericano  
de Derechos Humanos

# यातनाविरुद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख कार्यान्वयन निर्देशिका



एड्भोकेसी फोरम

संशोधित संस्करण

97899371236317

यातनाविस्कृतको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख  
कार्यान्वयन निर्देशिका

एङ्गभोकेसी फोरम मानवअधिकार र कानुनी शासनको क्षेत्रमा काम गर्ने गैरसरकारी संस्था हो । आफ्नो स्थापनाकाल सन् २००१ देखिनै यस संस्थाले सरकारी हिरासतहरूको भ्रमण गर्दै बन्दीका अधिकारहरूको व्यवहारिक कार्यान्यवनको अवस्था अनुगमन गर्दै आइरहेको छ । संस्थाले हाल नेपालका २० जिल्लाका ६७ ओटा हिरासतको नियमित भ्रमण गरी यातना पीडितहरूका लागि निःशुल्क कानुनी सहयता दिँदै यातनाको विरुद्धमा निरन्तर वकालत गर्दै आएको छ । नेपालमा यातनाको रोकथामको लागि प्रभावकारी र स्वतन्त्र राष्ट्रिय संयन्त्रको स्थापना गर्न सरकारले यातनाविरुद्धको महासचिको ऐच्छिक आलेखको अनुमोदन गर्नुपर्ने भनी वकालत गर्दै विभिन्न सरोकारवालाहरू समक्ष परामर्श बैठकहरूको आयोजना तथा सरकारसँग लबिङ् गर्ने कार्यसमेत यस संस्थाले गर्दै आएको छ ।

# यातनाविरुद्धको महासम्बिको ऐच्छिक आलेख कार्यान्वयन निर्देशिका

यस निर्देशिकाको नेपाली संस्करण प्रकाशनमा  
सहयोग गर्नु भएकोमा एपिटिलाई धन्यवाद । निर्देशिकालाई नेपालीमा अनुवाद गर्नुहुने  
ध्रुबकुमार श्रेष्ठ र विन्देश दहाललाई हार्दिक धन्यवाद । साथै, पाण्डुलिपीको सम्पादन  
गर्नुहुने धिरजकुमार पोखरेलप्रति साधुवाद छ ।



एड्मीकेरी फोरम, नेपाल

# यातनाविस्तृद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

पहिलो संस्करण २०६८ (सन् २०११)

## प्रकाशक

एड्भोकेसी फोरम

शान्ति निकेतन मार्ग, गैरिधारा

काठमाडौँ, नेपाल

पो.ब.नं. २९७८९

फोन नं. ०१-४००४००७/८

फ्याक्स नं. ०१-४४२२६९८

इमेल: [info@advocacyforum.org.np](mailto:info@advocacyforum.org.np)

वेब: [www.advocacyforum.org](http://www.advocacyforum.org)

प्रतिलिपि अधिकार © एड्भोकेसी फोरम

ISBN: 978-9937-2-3631-7

ले-आवट र आवरण डिजाइन

किशोर प्रधान

काठमाडौँ नेपालमा मुद्रित

# विषयसूची

विषयसूची

|   |    |
|---|----|
| प्राक्कथन   | १  |
| आभार  | ४  |
| प्रयोगकर्ताहरूका लागि परिचय                                     | ५  |
| अध्याय एक   |    |
| यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासंघिको                   | ७  |
| ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष  |    |
| १. परिचय  | ८  |
| २. यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासंघिको                | ९  |
| ऐच्छिक आलेख भनेको के हो ?                                       |    |
| २.१ यसले रोकथाममा जोर दिन्छ                                     | १० |
| २.२ यसले राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय परिपूरक प्रयासलाई जोड्दछ | ११ |
| २.३ यसले भर्तनामा होइन, सहयोगमा जोड दिन्छ                       | १२ |
| २.४ यसले आलेखका निकाय र पक्षराष्ट्रबीच त्रिकोणात्मक             | १२ |
| सम्बन्ध स्थापना गर्दछ   |    |
| ३. आलेखको आवश्यकता किन ?  | १३ |
| ४. आलेखको अवधारणाको विकास कसरी भयो ?                            | १४ |
| ५. आलेखले कसरी यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार                       | १७ |
| रोकन मदत गरिरहेको छ ?   |    |
| ५.१ रोकथामको साधनको रूपमा हिरासत अनुगमनको प्रभावकारिता          | १७ |
| ५.२ रोकथामको एक संगठित पद्धति                                   | १८ |
| ६. आलेखअन्तर्गतका पक्षराष्ट्रका दायित्व के हुन्छन् ?            | २२ |
| ७. आलेखका निकायले कसरी कार्य गर्दछन् ?                          | २३ |
| ७.१ यातना रोकथाम उपसमिति (एसापिटि)                              | २३ |

|   |    |
|---|----|
| ७.२ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र   | २४ |
| ७.३ रोकथाम उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रबीच सहयोग                                 | २६ |
| ८. यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारलाई कसरी व्याख्या गरिएको छ ?                     | २६ |
| ९. आलेखका निकायहरूको अनुगमन अधिकारहरू के हुन् ?                               | २९ |
| १०. आलेखअन्तर्गत कस्ता किसिमका हिरासत अनुगमन गर्न सकिन्छ ?                    | २९ |
| ११. अनुगमनका अधिकार   | २९ |
| १२. अनुगमनको नियमितता र अनुगमनको कार्यक्रम                                    | ३० |
| १३. अनुगमनपश्चात् के हुन्छ ?  | ३१ |
| १४. यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको मूल कारणलाई सम्बोधन गर्ने                    | ३३ |
| <b>अध्याय दुई</b>   |    |
| <b>यातनाविस्तृको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी</b>                       | ३५ |
| १. परिचय  | ३६ |
| २. आलेखको प्रस्तावना  | ३६ |
| ३. आलेख भाग १ : सामान्य सिद्धान्त   | ४१ |
| धारा १ : रोकथाममूलक भ्रमण   | ४१ |
| धारा १ : नियमित भ्रमण   | ४३ |
| धारा १ : स्वतन्त्र निकायले गर्ने भ्रमण प्रणाली                                | ४४ |
| धारा २(२) : रोकथाम उपसमितिको कार्यादेशको क्षेत्र                              | ४५ |
| धारा २(३) : निर्देशक सिद्धान्त  | ४६ |
| धारा २(४) : सहकार्य   | ४६ |
| धारा ३ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको थप मूल्य                                 | ४७ |
| धारा ३ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पसम्बन्धी परामर्शी | ४८ |
| धारा ३ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सांगठनिक रूप                             | ४८ |
| धारा ४(१) : भ्रमण अनुमतिको बाध्यता  | ४९ |
| धारा ४ : थुनास्थलको परिभाषा   | ५० |
| धारा ४(१) विस्तृ ४(२) : स्वतन्त्रताबाट विमुखताको परिभाषा                      | ५५ |
| ४. आलेख भाग २ : यातना रोकथाम उपसमिति  | ५६ |

## विषयसूची

|  |           |          |
|--|-----------|----------|
| धारा ५(१) : सदस्यको संख्या   | ५७        | विषयसूची |
| धारा ५(२) : सदस्यको दक्षता   | ५८        |          |
| धारा ५(३) : बनावट  | ५९        |          |
| धारा ५(६) : स्वतन्त्रता  | ६०        |          |
| <b>५. आलेख भाग ३ : रोकथाम उपसमितिको कार्यादेश</b>                              | <b>६८</b> |          |
| धारा ११(क) : थुनास्थलको भ्रमण  | ७०        |          |
| धारा ११(क) : स्वतन्त्रताबाट वर्जित व्यक्तिको सुरक्षालाई सुदूढ गर्न दिइने सुभाव | ७०        |          |
| धारा ११(ख) : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सल्लाह दिने भूमिका                   | ७२        |          |
| धारा ११(ग) : सहकार्य   | ७३        |          |
| धारा १३(१) : भ्रमण कार्यक्रम   | ७६        |          |
| धारा १३(३) : भ्रमणकारी टोलीका सदस्यको बनावट                                    | ७७        |          |
| धारा १३(४) : अनुगमन भ्रमण  | ७८        |          |
| धारा १४(१) : सूचनासम्म पहुँच   | ७९        |          |
| धारा १४(ग) : थुनास्थलसम्म पहुँच  | ८०        |          |
| धारा १४(घ) र १४(ड) : व्यक्तिगत अन्तर्वार्ता                                    | ८१        |          |
| धारा १४(२) : भ्रमणको अस्थायी स्थगन   | ८२        |          |
| धारा १६(१) : सिफारिसको सम्प्रेषण   | ८५        |          |
| धारा १६(२) : रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन प्रकाशन                                | ८६        |          |
| धारा १६(२) र धारा १६(४) : असहयोग गरेकोमा हुने कारबाही                          | ८७        |          |
| धारा १६(३) : वार्षिक प्रतिवेदन   | ८८        |          |
| <b>६. आलेख भाग ४ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र</b>                               | <b>८९</b> |          |
| धारा १७ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको व्यवस्था, नियुक्ति वा स्थापना            | ९०        |          |
| धारा १७ : लचकता  | ९१        |          |
| धारा १८(१) : कार्यगत स्वतन्त्रता   | ९४        |          |
| धारा १८(२) : स्वतन्त्र विज्ञ   | ९५        |          |
| धारा १८(३) : आर्थिक स्वतन्त्रता  | ९६        |          |
| धारा १८(४) : पेरिस सिद्धान्त   | ९६        |          |
| धारा १९(क) : नियमित भ्रमण  | ९७        |          |
| धारा १९(ख) र १९(ग) : सिफारिसका क्षेत्र   | ९८        |          |

## यातनाविष्ट्वको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

विष्ट्व  
महासन्धि

|  |            |
|--|------------|
| धारा २०(क) र २०(ख) : सूचनामा पहुँच                                       | १००        |
| धारा २० (ग) : थुनास्थलसम्भको पहुँच                                       | १०१        |
| धारा २०(ग) : व्यक्तिगत अन्तर्वार्ता गर्ने                                | १०२        |
| धारा २०(ड) : अन्तर्वार्ता गरिने व्यक्तिको छनोट                           | १०३        |
| धारा २०(च) : रोकथाम उपसमितिसँग सम्पर्क                                   | १०३        |
| धारा २२ : सक्षम अधिकारी  | १०७        |
| धारा २२ : सिफारिसउपर विचार   | १०८        |
| <b>७. आलेख भाग ५ : घोषणा</b>   | <b>११०</b> |
| धारा २४(१) : घोषणाको समय   | १११        |
| धारा २४ : ढिलाइले रोकथाम उपसमितिमा पार्ने असर                            | ११२        |
| धारा २४ : ढिलाइले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा पार्ने असर                 | ११३        |
| <b>८. आलेख भाग ६ : आर्थिक व्यवस्था</b>                                   | <b>११३</b> |
| धारा २६(१) : रोकथाम उपसमितिको भ्रमणपछिको सिफारिसको कार्यान्वयन           | ११६        |
| धारा २६(१) : शैक्षिक कार्यक्रम   | ११८        |
| धारा २६(२) : आलेखको रोकथाम कौशलाई योगदान                                 | ११८        |
| <b>९. आलेख भाग ७ : अन्तिम प्रावधान</b>                                   | <b>११९</b> |
| धारा २९ : धाराको प्रभावक्षेत्र   | १२३        |
| धारा २९ : संघीय राज्यमा आलेख कार्यान्वयन गर्ने जिम्मेवारी                | १२३        |
| धारा २९ : संघीय राज्यमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना तथा नियुक्ति | १२४        |
| धारा ३५ : रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई प्राप्त विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति    | १३२        |
| धारा ३५ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति | १३४        |
| <b>अध्याय तीन</b>  |            |
| <b>यातना रोकथाम उपसमिति</b>  | <b>१३७</b> |
| <b>१. परिचय</b>  | <b>१३८</b> |
| २. यातना रोकथाम उपसमितिको संक्षिप्त विवरण                                | १३९        |

## विषयसूची

|   |     |          |
|---|-----|----------|
| २.१ रोकथाममुलक कार्यादेश  | १३९ | विषयसूची |
| २.२ उपसमितिको सदस्यता   | १४० |          |
| २.३ उपसमितिको संगठनात्मक र प्रशासनिक कार्य  | १४६ |          |
| ३. सुझाव दिने कार्य : आलेख कार्यान्वयन र नीति विकास                               | १५० |          |
| ३.२ आलेखउपर सुभाव र यातना तथा अन्य प्रकारको दुर्व्यवहारमा सामान्य राय सल्लाह दिने | १५० |          |
| ३.३ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकासको सन्दर्भमा सुभाव दिने                      | १५२ |          |
| ४. सञ्चालनसम्बन्धी कार्य : हिरासत अनुगमन गर्ने                                    | १६० |          |
| ४.१ रोकथाम उपसमितिको मिसन पाउने राष्ट्रहरूको छनोट                                 | १६० |          |
| ४.२ पहुँच : सहमति र सूचना   | १६१ |          |
| ४.३ रोकथाम उपसमितिको भ्रमण गर्ने प्रतिनिधि मण्डल                                  | १६२ |          |
| ४.४ भ्रमणको तयारी   | १६५ |          |
| ४.५ देशभ्रमण मिसन सञ्चालन गर्ने   | १६७ |          |
| ४.६ हिरासत भ्रमणको अस्थायी स्थगन  | १७२ |          |
| ४.७ देशभ्रमणपश्चात्   | १७३ |          |
| ४.८ भ्रमण अनुगमन सञ्चालन गर्ने  | १७८ |          |
| ५. बाह्य निकायहरूसँग सहकार्य  | १७८ |          |
| ५.१ यातनाविरुद्धको समितिसँग सहकार्य   | १७९ |          |
| ५.२ राष्ट्रसंघीय अन्य निकाय र संयन्त्रहरूसँग सहकार्य                              | १८४ |          |
| ५.३ क्षेत्रीय निकायसँग सहकार्य  | १८९ |          |
| ५.४ अन्तर्राष्ट्रिय रेडक्रस समिति (आइसिआरसि) सँग सहकार्य                          | १९२ |          |
| ६. उपसमितिसँग नागरिक समाजको संलग्नता  | १९३ |          |
| ६.१ रोकथाम उपसमितिको देशभ्रमणको सन्दर्भमा सहकार्य                                 | १९४ |          |
| ६.२ रोकथाम उपसमितिको परामर्शसम्बन्धी कार्यको सन्दर्भमा सहकार्य                    | १९६ |          |
| ६.३ थप मुद्दा: रोकथाम उपसमितिको गठन   | १९८ |          |
| <b>अध्याय ४</b>   |     |          |
| ऐच्छिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन : राष्ट्रिय चुनौतीहरू       | २०१ |          |
| १. परिचय  | २०२ |          |

|   |     |
|---|-----|
| २. ऐच्छिक आलेखको अनुमोदन किन गर्ने ?  | २०३ |
| ३. आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनको समयावधि   | २०६ |
| ४. आलेखलाई राजनैतिक एजेन्डामा राख्ने  | २०९ |
| ५. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र छनोटका लागि पूर्वाधारहरू                             | २११ |
| ५.१ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाका लागि आलेखले<br>निर्दिष्ट गरेका आवश्यकता | २१२ |
| ५.२ विद्यमान अनुगमन निकायको मूल्यांकन र थुनास्थलको पहिचान                         | २१८ |
| ६. निरन्तर संवादलाई प्रवर्द्धन गर्ने  | २२१ |
| ६.१ यातना रोकथाम गर्ने निकाय  | २२२ |
| ६.२ सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्रको विकल्पका लागि परामर्श                         | २२५ |
| ७. रोकथाम संयन्त्रको विकल्प   | २२८ |
| ७.१ विशेष ज्ञानयुक्त नयाँ निकायहरू  | २२९ |
| ७.२ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था   | २३० |
| ७.३ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाका र नागरिक समाजका संघसंस्था                       | २३६ |
| ७.४ बहुमुखी निकाय   | २३८ |
| ७.५ अन्य निकाय  | २४१ |
| ८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको अधिकारलाई कानुनमा प्रतिष्ठापित गर्ने               | २४५ |
| ९. ऐच्छिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको<br>गठनतर्फको कदम             | २४८ |

## अध्याय पाँच

|   |     |
|---|-----|
| राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य सञ्चालन       | २५१ |
| १. परिचय  | २५२ |
| २. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना : सुरुआत | २५४ |
| ३. कार्यशैली                                    | २५५ |
| ३.१ रोकथाममूलक पद्धति                           | २५६ |
| ३.२ भ्रमण पद्धति                                | २५७ |
| ३.३ थुनास्थल भ्रमणभन्दा अघि                     | २५९ |
| ४. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्रियाकलाप       | २६२ |
| ४.१ भ्रमण                                       | २६२ |

## विषयसूची

|   |            |          |
|---|------------|----------|
| ४.२ भ्रमण प्रतिवेदन तथा सिफारिस                         | २६८        | विषयसूची |
| ४.३ वार्षिक प्रतिवेदन                                   | २७१        |          |
| ४.४ कानुनउपर अवलोकन                                     | २७३        |          |
| <b>५. स्रोतसाधन</b>                                     | <b>२७४</b> |          |
| ५.१ आर्थिक स्रोतसाधन                                    | २७४        |          |
| ५.२ मानव स्रोतसाधन                                      | २७६        |          |
| ५.३ व्यवस्थापकीयका स्रोतसाधन                            | २७९        |          |
| <b>६. आन्तरिक संस्था</b>                                | <b>२८०</b> |          |
| ६.१ प्रस्त ढाँचा  | २८१        |          |
| ६.२ आन्तरिक कार्यविधि तथा कार्यविभाजन                   | २८२        |          |
| <b>७. बाहिरी कर्ताहरुसँगको सम्बन्ध</b>                  | <b>२८५</b> |          |
| ७.१ अधिकारीसँगको सम्बन्ध                                | २८५        |          |
| ७.२ अन्य राष्ट्रिय सरोकारवालासँगको सम्बन्ध              | २८६        |          |
| ७.३ नागरिक समाजसँगको सम्बन्ध                            | २८७        |          |
| ७.४ सञ्चारमाध्यमसँगको सम्बन्ध                           | २८७        |          |
| ७.५ रोकथाम उपसमितिसँग सम्बन्ध                           | २८८        |          |
| ७.६ क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय कर्ताहरुसँगको सम्बन्ध | २८९        |          |
| ७.७ अन्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरुसँगको सम्बन्ध      | २९०        |          |
| <b>८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामको प्रभाव</b>      | <b>२९१</b> |          |
| <b>अनुसूची १</b>  | <b>२९३</b> |          |
| <b>अनुसूची २</b>  | <b>३१०</b> |          |
| <b>अनुसूची ३</b>  | <b>३१३</b> |          |
| <b>अनुसूची ४</b>  | <b>३२५</b> |          |
| <b>अनुसूची ५</b>  | <b>३२६</b> |          |



## प्राक्कथन

यो निर्देशिका मानवअधिकार संरक्षणमा हालसालै भएको एक आधारभूत विकासको बारेमा केन्द्रित रहेको छ । मानवअधिकारको यो आधारभूत विकास प्रक्रियाको फलस्वरूप यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायाविरुद्धको महासम्प्रिको ऐच्छिक आलेख (ओपिक्याट) तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिएको छ । २९औं शताब्दीको पहिले दशकले यातना रोकथामको क्षेत्रमा एउटा नयाँ युगको उद्घोष गन्यो । यस आलेखलाई महासभाले सन् २००२ डिसेम्बरमा पारित गरेपश्चात् सन् २००६ जूनदेखि यसलाई लागू गरिएको छ । त्यतिबेलादेखि नै यातना रोकथामको क्षेत्रमा आलेखद्वारा स्थापित यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम उपसमिति (एसपिटि) र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (एनपिएम) जस्ता दुई नयाँ निकायको उदय भएको छ । जसअनुरूप आलेखको प्रत्येक पक्ष राष्ट्रले राष्ट्रिय स्तरमा यातना रोकथामका कार्यलाई सञ्चालन गर्न त्यस्ता संयन्त्रको गठन वा स्थापना गर्न बाध्य हुन्छन् । आलेखमा उल्लेख गरिएको तर अझै सञ्चालनमा आउन नसकेको तेस्रो पक्ष भनेको विशेष कोष (Special Fund) हो । औपचारिक रूपमा अझै स्थापना हुन बाँकी रहेको यस विशेष कोषले उपसमितिको सिफारिस तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको शिक्षा र तालिम कार्यान्वयनका लागि आर्थिक सहयोग प्रदान गर्ने भनिएको छ ।

स्थलगत कार्यमा केन्द्रित रहेको संयुक्त राष्ट्रसंघको सम्बिधानिकायमध्ये पहिलो यस उपसमितिले सन् २००७ फेब्रुअरीदेखि १० सदस्य सहित आफ्नो कार्य प्रारम्भ गन्यो । सन् २०१० को उत्तरार्धमा उपसमितिको सदस्य संख्या २५ पुग्ने अपेक्षा राखिएको छ । जसअनुरूप यो संयुक्त राष्ट्रसंघको सबैभन्दा विशाल मानवअधिकार सम्बिधानिकाय बन्नेछ । स्थापनाकालदेखि नै उपसमितिले यातना रोकथामका लागि अनुगमन गर्ने कार्यको विकासदेखि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र अन्य निकायसँगको आफ्नो सम्बन्धलाई फराकिलो पार्दै आइरहेको छ ।

आलेखको सबैभन्दा नवीन स्वरूप राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई ५७ ओटा चालु पक्ष राष्ट्रमा विविध पद्धतिद्वारा स्थापना गरिएको छ । हालसम्म आधाभन्दा बढीले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (एनपिएम) भनी किटान गरी निकायहरूको स्थापना वा गठन गरिसकेका छन् भने अन्य केही राष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई वहन गर्नसक्ने विद्यमान निकायको पहिचान गरेको भएता पनि केही अवस्थामा नगण्य रूपमा संगठनात्मक रूपान्तरण र सोही मात्रामा रोकथाम पद्धतिहरूमा परिवर्तन ल्याएका छन् । यस्ता नगण्य मात्रामा अवलम्बित नीतिलाई यस निर्देशिकामार्फत प्रश्न गरिएको छ । अन्य केही पक्षराष्ट्रले भने यस्तो भूमिका निर्वाह गर्नसक्ने नयाँ निकायको स्थापना गरेका छन् । पक्षराष्ट्रहरूमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको उदय भिन्न भिन्न गतिमा भएको छ । केही संयन्त्र विगत दुई वर्षभन्दा बढीदेखि सञ्चालनमा छन् भने अन्य केहीले अझै आफ्ना कार्य सुरु गरेका छैनन् । अर्कोतरफ केही पक्षराष्ट्र एक वा धेरै संयन्त्रको स्थापना गर्ने प्रक्रियामा तल्लीन रहेका छन् ।

पक्षराष्ट्रको संख्याजत्तिकै संयन्त्रको भिन्नाभिन्नै स्वरूप रहेको यथार्थ आश्चर्यलाग्दो भने छैन । प्रत्येक संयन्त्रले आफ्नो देशको सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, कानुनी, सामाजिक र आर्थिक परम्परालाई प्रतिबिम्बित गर्दछ । यस्तो विविधताका कारण आफ्नै माटोअनुरूप हुर्केका प्रत्येक निकाय आलेखमा उल्लिखित आन्तरिक सिद्धान्तप्रति कठिबद्ध रहँदै आफ्नै परिवेशअनुरूप समृद्ध हुन्छन् भन्ने आशा गरिएको छ ।

आफ्नो भूमिका पूर्ण दक्षताका साथ निर्वाह गर्न तयार नहुँजेल संयन्त्र अस्तित्वमा आउँदैन । थोरै मात्र संयन्त्रहरूले आलेखले अपेक्षा गरेअनुसारको दक्षता, सीप र विविधताको पृष्ठभूमिसहितको एक बहुविषयक समूहका रूपमा कार्य गर्दछन् भने थोरबहुत यस्ता संयन्त्रहरूसँग आलेखले निर्देशित गरेअनुसारको स्रोत र प्रबल कानुनी कार्यादेश निहित रहेको हुन्छ । जटिल प्रकृतिका रोकथामका कार्यादेश सम्पादनको प्रयास गर्दा प्रत्येक संयन्त्रले निरन्तर चुनौतीको सामना गर्नु पर्दछ । त्यस्ता जटिल रोकथामका कार्यादेशमा १) आफ्नो देशभित्र स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका सम्पूर्ण स्थानको अनुगमन गर्ने; २) आलेखको अन्तर्राष्ट्रिय संरचनाभित्रको अन्य रोकथामका निकायसँग आबद्ध हुने; ३) विद्यमान राष्ट्रिय कानुन वा मस्यौदाको समीक्षा गर्ने; ४) स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिको पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित गर्नका लागि सम्बन्धित राष्ट्रिय अधिकारीलाई यससम्बन्धी प्रणालीमा हुनुपर्ने परिवर्तनका बारे सिफारिस गर्ने । तसर्थ रोकथाम संयन्त्रको विकासलाई एक अनवरत रूपमा चलिरहने प्रक्रियाको रूपमा हेरिनु पर्दछ ।

कुनै विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार निकायले रोकथाम संयन्त्रको रूपमा आफ्नो अतिरिक्त भूमिका निर्वाह गर्न चाहेको छ भनेम उसले पूर्ण रूपमा रोकथाममूलक पद्धतिलाई अंगीकार गर्न गरी आफूलाई त्यसको अनुकूल बनाउनु पर्दछ । त्यस्ता निकायले भर्खेरै स्थापना गरिएका रोकथाममूलक संयन्त्रभन्दा बढी जटिल चुनौतीको सामना गर्नुपर्ने हुन्छ । यद्यपि केही संयन्त्रले आम जनताको विश्वास जित्न सक्छन् किनकि तिनीहरू त्यस्ता विद्यमान मानवअधिकार संस्थाबाट उत्पन्न भएका वा त्यसको एक अभिन्न अङ्गको रूपमा रहेका हुन्छन् जसको विश्वसनीयता र स्वतन्त्रता पहिलैै प्रमाणित भइसकेको हुन्छ । सरकारी निकायको पूर्ण मातहतमा चल्ने संस्थालाई नागरिक समाजले शंकाको दृष्टिकोणबाट हेर्ने भएकाले उक्त संस्थाहरू त्यस्तो शंकाको घेराबाट माथि उठनु आवश्यक हुन्छ । प्रत्येक संयन्त्रले राष्ट्रिय सन्दर्भभित्र र आलेखको अन्तर्राष्ट्रिय संरचनाको एक अभिन्न अङ्ग हुनेगरी रोकथाम निकायको रूपमा आफ्नो एउटा छुट्टै पहिचान स्थापना गर्नुपर्ने हुन्छ ।

हाल थुप्रै निकाय रोकथामका कार्य वा कार्यसँग आबद्ध छन् । यस्तो कार्यमा लाग्ने केही निकायमा यातना रोकथाम उपसमिति (एसपिटि), राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (एनपिएम), क्षेत्रीय वा विश्वव्यापी तहका अन्य अन्तर्राष्ट्रिय निकाय, पक्षराष्ट्र र नागरिक समाजलगायत राष्ट्रिय तथा स्थानीय तहका अन्य निकाय पर्दछन् । समयमा नै अद्यावधिक गरिएको आलेखको निर्देशिकाबाट सबैले फाइदा लिनसक्दछन् । यस निर्देशिकाले स्पष्ट रूपमा आलेखको थुप्रै तत्त्वको व्याख्या गर्नुका साथै आफ्ना प्रावधानको क्रमिक कार्यान्वयनका विकल्पको पहिचान गर्दछ ।

उपसमितिको प्रथम दुई अध्यक्षका हैसियतले हामी दुवैजना एशोसियसन फर द प्रिभेन्सन अफ टर्चर (एपिटि)को यो नवीन कदमको स्वागत गर्दछौं । आलेखको उद्देश्य सिद्ध भएको हेन चाहनेहरूका लागि एपिटिले गरेको बहुमूल्य योगदानको पनि हामी स्वागत गर्दछौं । आलेखले यस्तो संसारको परिकल्पना गरेको छ जहाँ रोकथाम संयन्त्रहरूले स्वतन्त्रताबाट वज्चित पारिएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्ध सुरक्षा सुनिश्चित गर्दछ ।

भिक्टर रोडरीग्युज रेस्सिय  
अध्यक्ष, एसपिटि

सिल्भिया कास्ले  
प्रथम अध्यक्ष, एसपिटि

## आभार

आभार  
का

आलेखको यो प्रकाशन एपिटि र the Inter-American Institute of Human Rights (आइआइएचआर)द्वारा सन् २००४ मा प्रकाशित पूर्ववर्ती संस्करणमा आधारित छ । यसको मूल संस्करणको मस्यौदा डेब्रा लङ्ग र निकोलस नौमोभिकले तयार पार्नुभएको हो ।

एपिटि र आइआइएचआर निम्नलिखित व्यक्तिहरू प्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछ :

- यस निर्देशिकाको दोस्रो संस्करणको लागि योगदान दिने व्यक्तिहरू बारबरा वरनाथ (Chief of Operations, APT), अड्रे ओलिभियर (आलेख संयोजक, एपिटि), र ओलिभिया स्ट्रिटर (परामर्शदाता, एपिटि)
  - बारबरा वरनाथ, अड्रे ओलिभियर र मार्क थोम्सन (एपिटि महासचिव) सम्मिलित सम्पादन समिति
  - विभिन्न मस्यौदामा समीक्षा र टिप्पणी गर्ने एपिटि र आइआइएचआरका कर्मचारी
- यस निर्देशिकाको सम्पादक डा. इमा एलेजिय कास्ले काट्जमन सहित एपिटिका प्रकाशन अधिकृत अन्जा हार्टविगप्रति एपिटि र आइआइएचआर संयुक्त रूपमा हार्दिक आभार प्रकट गर्दछ । अन्तमा यस निर्देशिकाको मस्यौदा तयार गर्न र प्रकाशन कार्यका समन्वय गर्नुहुने अड्रे ओलिभियर, मेलिन कोरडेरो र मरियालिना भीलाफँकाप्रति एपिटि र आइआइएचआर हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त गर्दछ ।

## प्रयोगकर्ताहरूका लागि परिचय

एपिटि र आइआइएचआर आफ्नो २००४ को निर्देशिका यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासंघिको ऐच्छिक आलेखका लागि एक नयाँ संस्करणको आवश्यकता भएको कुरामा सहमत थिए ।

यस निर्देशिकाको पहिलो संस्करण आलेखको २२ जून २००६ मा शीघ्र कार्यान्वयन होस भनी सुनिश्चित गर्नका लागि आवश्यक वकालत गर्ने साधनको रूपमा तयार गरिएको थियो । यस निर्देशिकाको पहिलो संस्करणलाई सातओटा भाषामा प्रकाशित गरी संसारभर संप्रेषित गरिएको थियो । उक्त संस्करणको पूरकको रूपमा एपिटिले रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठन निर्देशिका (एनपिएम गाइड) नामक एक निर्देशिका सन् २००६ मा प्रकाशित गरेको थियो । ६ वर्ष पश्चात् आलेखमा ५७ पक्ष राष्ट्र छन् जसमध्ये ३३ ओटा पक्ष राष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गरिसकेका छन् भने अरु थप २१ राष्ट्र आलेखको हस्ताक्षरकर्ता हुन् जसले राष्ट्रिय स्तरमा सञ्चिलाई कसरी लागू गर्ने भन्ने विषयमा आन्तरिक संवाद सुरु गरिसकेका छन् ।

संसारभरका सम्पूर्ण क्षेत्रमा भएको पछिलो विकासको लेखाजोखाको अतिरिक्त यस निर्देशिकाको संशोधित संस्करणले आलेख कार्यान्वयनको प्रक्रिया र चुनौतीमा थप जोड दिएको छ । यस कुराको पुष्टि यो नयाँ निर्देशिकाको शीर्षक यातना विरुद्धको महासंघिको ऐच्छिक आलेखः कार्यान्वयन निर्देशिकामा प्रतिबिम्बित हुन्छ ।

यो नयाँ निर्देशिकाले आलेखको अनुमोदन र कार्यान्वयनमा संलग्न अन्तर्राष्ट्रिय, राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय निकायको कार्यलाई समर्थन र सुदृढ गर्न उद्देश्य लिएको छ । यसले आलेख अनुमोदनका सन्दर्भमा संसारभरि अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासको ठोस उदाहरण प्रस्तुत गरेको छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमिति आफ्नो विकासको प्रारम्भिक चरणमा छन् । उपसमिति र संयन्त्रको रोकथाम कार्यादेशको कार्यान्वयनमा प्रकाश पार्नका निमित्त यस निर्देशिकाले थुप्रै व्यवहारिक उपायहरू प्रस्तावित गरेको छ ।

यो निर्देशिकालाई पाँचओटा अध्यायमा विभाजन गरिएको छ । प्रत्येक अध्यायलाई छुट्टाछुट्टे पढ्न सकिन्छ । प्रथम अध्यायमा आलेखको सामान्य परिचय दिइएको छ । यस अध्यायले निर्देशिकाको मूल संस्करणको प्रारम्भमा उल्लेख गरिएको आलेखको इतिहासलाई हटाएको छ (इच्छुक व्यक्तिले मूल परिचय एपिटि र आइआइएचआरको वेबसाइटमा पढ्न सक्नुहुन्छ) । निर्देशिकाको पहिलो संस्करणमा जस्तै यसको संशोधित संस्करणको दोस्रो अध्यायले आलेखको प्रत्येक धारामा धाराकै आधारमा रही कानुनी विश्लेषण गरेको छ । तेस्रो अध्याय भने नितान्त नयाँ हो । यसले उपसमितिको एक वर्षको कार्यको विस्तृत विश्लेषण गर्दछ । चौथो अध्याय पनि नयाँ नै हो । यो अध्याय संयन्त्रको गठन र स्थापनामा विशेष केन्द्रित रहँदै आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयन प्रक्रियालाई मार्गदर्शन गर्दछ । पाचौं अध्याय एपिटिले संयन्त्रसँग गरेको सहकार्यको अनुभवमा आधारित रहेको छ । यस अध्यायले संयन्त्रको कार्यसँग सम्बद्ध कुराको व्यवहारिक चुनौती तथा सञ्चालनसम्बन्धी मुद्दाको छानबिन गर्दछ ।

आलेखको अवधारणा र मस्यौदा निर्माणमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्नुहुने संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार आयोगको ओपन वोर्किङ् ग्रुपको अध्यक्ष एलिजावेथ ओडियो बेनिटोलाई यस अवसरमा हामी स्मरण गर्न चाहन्छौ । यातना रोकथाममा एउटा नयाँ प्रभावकारी प्रणालीको सिर्जना गर्न उहाँले अवलम्बन गर्नुभएको आलेखको मस्यौदालाई सन् २००२ मा संयुक्त राष्ट्रसंघका सम्बन्धित निकायले अनुमोदन गन्यो ।

एपिटि र आइआइएचआर यो नयाँ निर्देशिका सबै इच्छुक निकायको मार्गदर्शनका लागि उपयोगी एवं व्यवहारिक हुनेछ भन्ने आशा व्यक्त गर्दछ । साथै विश्वभर गरिने यातना र दुर्घटवहार जस्ता अपराधलाई रोक्न कोशेढुङ्गा साबित हुनेछ भन्ने पनि आशा गर्दछ ।

मार्क सिए. थोमसन  
महासचिव, एपिटि

रोबर्टो सिउलर एम  
कार्यकारी निर्देशक, आइआइएचआर

## अध्याय एक

### यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासंघिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

#### विषयसूची

१. परिचय
२. यातनाविरुद्धको महासंघिको ऐच्छिक आलेख के हो ?
३. ऐच्छिक आलेखको आवश्यकता किन ?
४. ऐच्छिक आलेखको प्रादुर्भाव कसरी भयो ?
५. आलेखले यातना तथा अन्य दुर्घटनाको रोकथाम गर्न कसरी मद्दत गरिरहेको छ ?
६. आलेखअन्तर्गतका पक्षराष्ट्रका कर्तव्य के हुन् ?
७. आलेखका निकायले कसरी कार्य गर्दछन् ?
८. यातना र अन्य दुर्घटनाको व्याख्या गरिएको छ ?
९. आलेखका निकायको अनुगमनका अधित्यार के हुन् ?
१०. यातना र अन्य दुर्घटनाको मूल कारणलाई सम्बोधन गर्ने ।

## १. परिचय

अन्तर्राष्ट्रिय समुदायले यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहारलाई मानवको आत्मसम्मानमा सबैभन्दा पाश्विक र अमान्य आक्रमण भनी आधिकारिक रूपमा स्वीकार गरिसकेको छ<sup>१</sup> दोस्रो विश्व युद्धमा भएको क्रूरताको प्रतिउत्तरमा संयुक्त राष्ट्रसंघको महासभाले सन् १९४८ मा मानवअधिकारको विश्वव्यापी घोषणापत्रलाई ग्रहण गर्न्यो । उक्त घोषणापत्रको धारा ५ ले “कुनै पनि व्यक्तिलाई यातना वा क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय गर्न नपाइने कुरा उल्लेख गरेको छ”<sup>२</sup> घोषणापत्र अनुमोदनपश्चात् नै यस्ता निषेधलाई अनेक राष्ट्रिय, अन्तर्राष्ट्रिय, र क्षेत्रीय कानूनी दस्तावेजले बारम्बार पुष्टि गरिसकेका छन्<sup>३</sup> यस्ता दस्तावेजका अनुसार यातना र अन्य दुर्व्यवहारको निषेध निरपेक्ष छ । अन्तर्राष्ट्रिय कानुनअन्तर्गत यातनाको औचित्य पुष्टि गर्न सशस्त्र द्वन्द्व, संकटकाल अथवा राष्ट्रिय सुरक्षामाथिको खतराका विषय जस्ता कुनै पनि परिस्थितिको जिकिर लेख्न मिल्दैन । अझ भन्नुपर्दा यातना र अन्य दुर्व्यवहारको निरपेक्ष निषेधलाई अन्तर्राष्ट्रिय प्रथागत कानुनको एक महत्वपूर्ण भागको रूपमा मानिएको छ । अर्का शब्दमा भन्नुपर्दा यसले सम्पूर्ण राष्ट्रलाई एकसूत्रमा बाँधेको छ चाहे ती राष्ट्रले कुनै मानवअधिकारको दस्तावेजलाई अनुमोदन गरेको होस् वा नहोस् ।

<sup>1</sup> For ease of reading, we will refer to cruel, inhuman or degrading treatment or punishment as ‘other ill-treatment’ in this manual.

<sup>2</sup> Universal Declaration of Human Rights, UN Doc. GA Res. 217A(III), UN Doc. A/810, at 71, 10 December 1948.

<sup>3</sup> See the International Covenant on Civil and Political Rights, Article 7, 16 December 1966; the Geneva Conventions of 1949 on the protection of victims of armed conflicts, Articles 3(1)(a) and 3(1)(c), which are common to all of the 1949 Geneva Conventions, Article 147 of the Convention on Civilians, Articles 49-51 of the Convention on the Wounded in the Field, and Articles 51-53 of the Convention on the Wounded at Sea, 12 August 1949; the UN Convention against Torture, 10 December 1984; the UN Convention on the Rights of the Child, Articles 37 and 39, 20 November 1989; the American Convention on Human Rights, Article 5, 22 November 1969; the Inter-American Convention to Prevent and Punish Torture, 9 December 1985; the European Convention for the Protection of Human Rights and Fundamental Freedoms, Article 3, 4 November 1950; the Final Act of Helsinki of 1975, Principle VII, 1 August 1975; the European Convention for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, 26 November 1987, along with Protocols I and II, 4 November 1993; and the African Charter on Human and Peoples’ Rights, Article 5, 26 June 1981.

तर, विडम्बना के छ भने, लामो समयदेखि यातना र अन्य दुर्व्यवहारलाई पूर्ण रूपमा प्रतिबन्धित गरिएको भएता पनि हालसम्म संसारको कुनै पनि क्षेत्र यस्तो निकृष्ट दुर्व्यवहारबाट मुक्त हुनसकेको छैन । १९७० को दशकमा जब यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको महासन्धिको छलफल गरिएको थियो<sup>४</sup> त्यतिबेला विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूले त्यस्तो दुर्व्यवहार रोक्न थप व्यवहारिक तरिका पत्ता लगाउनका निमित्त हातेमाले गरेका थिए । अन्तर्राष्ट्रिय रेडक्रस संस्था (आइसिआरसि)ले युद्धको समयमा गरेको हिरासत अनुगमनको नतिजाबाट अभिप्रेरित भई स्वीट्जरल्याण्डका परोपकारी व्यक्ति जाँ ज्याक गौसिअरले संसारभर नियमित हिरासत अनुगमन गर्ने प्रणालीको विकास गरे । अति लामो र पट्यारलाग्दो छलफल प्रक्रियापश्चात् जब यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको राष्ट्रसंघीय महासन्धिको ऐच्छिक आलेखलाई संयुक्त राष्ट्रसंघको महासभाले पारित गन्यो तब मात्र १८ डिसेम्बर २००२ मा एउटा रोकथाम प्रणालीको आवश्यकता महसुस गरियो<sup>५</sup> यो अध्यायले आलेखको मौलिक पक्षको छानबिन गर्दछ र यही पक्षले नै यस आलेखलाई संयुक्त राष्ट्रसंघको मानवअधिकार पद्धतिभित्रको नवीन सन्धि बनाएको छ ।

## २. यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासन्धिको ऐच्छिक आलेख भनेको के हो ?

पक्षराष्ट्रको नियन्त्रण र क्षेत्राधिकारभित्र रहेका हिरासतको नियमित अनुगमन पद्धतिको स्थापना गरी आलेखले यातना र अन्य दुर्व्यवहार रोक्ने उद्देश्य लिएको छ । यस्तो अनुगमनको आधारमा विभिन्न राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय विज्ञले देशभित्र रोकथामका उपाय सुधार गर्नका लागि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रका अधिकारीसमक्ष सिफारिस पेश गर्दछ । यस आलेखले आफ्नो मूल सन्धि यातनाविरुद्धको महासन्धिलाई प्रतिरक्षापित नगरी सहायोगी मात्र बनेको छ ।

मानवअधिकार सन्धिका अन्य ऐच्छिक आलेखभन्दा भिन्न यस आलेखलाई केवल स्तर मापन गर्ने दस्तावेजका रूपमा मात्र नलिई एक कार्यकारी सन्धिको (operational

<sup>4</sup> Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, UN Doc. A/RES/39/46, 10 December 1984.

<sup>5</sup> Optional Protocol to the Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, UN Doc. A/RES/57/199, 18 December 2002.

treaty) रूपमा हेरिएको छ । यातनाविरस्त्रको महासन्धिको धारा २२ मा नै व्यवस्था गरिएकाले आलेखले कुनै वैयक्तिक उजुरीलाई दाखेल गर्ने प्रणालीको स्थापना गरेको छैन । न त यसले सन्धि निकायमा पक्ष राष्ट्रले आवधिक प्रतिवेदन पेश गर्नु पर्दछ भन्ने माग राख्दछ । आलेखले त महासन्धिअन्तर्गत स्थापित भएको रोकथामका संरचनाको व्यवहारिक र परिपूरक पक्षसँग सम्बन्धित छ । महासन्धिले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको सामना र निषेध गर्नका लागि ठोस संरचना प्रदान गरेको छ । यसअन्तर्गत यातना र अन्य दुर्व्यवहार रोकनका निमित्त प्रभावकारी उपाय अवलम्बन गर्ने प्रत्येक पक्ष राष्ट्रलाई हुने सामान्य बाध्यता र यो उद्देश्य पूरा गर्नका लागि निश्चित व्यवस्था बनाउने कुरा पर्दछन्<sup>६</sup> । महासन्धिलाई अनुमोदन गरिसकेको जुनसुकै पक्षराष्ट्रले पनि आलेखलाई अनुमोदन गर्न सक्दछ र गर्नु पनि पर्दछ<sup>७</sup>

आलेखले संयुक्त राष्ट्रसंघभित्रको मानवअधिकार पद्धतिमा चारओटा कारणले गर्दा एक नयाँ दिशानिर्देश गरेको छ :

## २.१ यसले रोकथाममा जोर दिन्छ

मानवअधिकारको उल्लंघन भइसकेपछि क्रियाशील हुनुभन्दा पनि आलेखले त्यस्ता उल्लंघन हुनबाट रोकनका लागि अनुगमनको नवीन प्रणालीको स्थापना गर्दछ । पक्षराष्ट्रका यातना रोकथामसम्बन्धी प्रावधान महासमितिका प्रावधानसँग मेल खाने खालका छन् वा छैनन् भनी समीक्षा गर्ने सन्धि निकाय, यातनाविरस्त्रको समितिलगायतका यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाममा केन्द्रित अधिकांश विद्यमान मानवअधिकार संयन्त्रले पक्षराष्ट्रमा स्वतन्त्रताबाट वज्रित गरिने स्थलहरूको अनुगमन गर्दछन् । यस्तो अनुगमन यी निकायले प्रायः प्रतिवेदनको छानबिनपश्चात् वा दुर्व्यवहार भएको सूचना प्राप्त गरेपश्चात् मात्र सञ्चालन गर्दछन् । उदाहरणका लागि यातनाविरस्त्रको समितिमा कुनै पक्षराष्ट्रमा सुनियोजित तरिकाले यातना दिइएको छ भन्ने कुराको अभियोग परेमा

<sup>6</sup> UNCAT, Articles 2, 10, 11 and 16; and CAT, General Comment No 2, Implementation of article 2 by States Parties, UN Doc. CAT/C/GC/2, 24 January 2008.

<sup>7</sup> If a State has signed the UNCAT, it can also sign the OPCAT, but it cannot ratify the OPCAT until it has ratified the UNCAT. For the latest information on the status of ratification of the UNCAT and OPCAT, see the website of the Office of High Commissioner for Human Rights: <http://www2.ohchr.org/english/bodies/ratification/9.htm>.

उक्त समितिले त्यस्तो राष्ट्रमा अनुगमन गर्नसक्दछ । समितिले अनुगमनपूर्व उक्त पक्षराष्ट्रको स्वीकृति लिनुपर्ने हुन्छ । हुनत कुनै पक्षराष्ट्रले आलेखलाई अनुमोदन गरेपश्चात् नै उसले राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय विज्ञलाई व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराइएका सबै प्रकारका स्थानको नियमित र विना जानकारी अनुगमन गर्नसक्ने स्पष्ट स्वीकृति दिएको हुन्छ । अतः आलेखअन्तर्गत अनुगमन गर्न वा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार भएको उजुरी पेश गर्नका लागि अरू स्वीकृतिको आवश्यकता पर्दैन ।

यस्तो अनुगमनले आलेखका निकायलाई जोखिमका तत्व पहिचान गर्न सक्षम बनाउनुका सार्थै प्रणालीमा भएका त्रुटि र असफलताका स्वरूपको विश्लेषण गर्दै यातना र अन्य दुर्व्यवहारको मूल कारणलाई सम्बोधन गर्न सुभाव दिन मद्दत गर्दछ । आलेखको दीर्घकालीन उद्देश्य दुर्व्यवहारको जोखिमलाई कम गर्दै यस्तो समाजको स्थापना गर्नु हो जहाँ जुनै प्रकारको पनि यातना पनि निषेध गरिएको होस् ।

**२.२ यसले राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय परिपूरक प्रयासलाई जोड्दछ**

राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय परिपूरक प्रयासको प्रणालीलाई स्थापित गर्न आलेखले अग्रणी भूमिका निर्वाह गरिरहेको छ । आलेखले संयुक्त राष्ट्रसंघभित्र यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम उपसमिति (एसपिटि)<sup>८</sup> भनी एउटा अन्तर्राष्ट्रिय दक्ष निकायको स्थापना गरेको छ । यसले पक्षराष्ट्रबाट आलेखका प्रावधानमा विस्तार गरिएका मापदण्डमा आधारित राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना वा गठन गर्न अपेक्षा पनि राख्दछ<sup>९</sup> उपसमिति र संयन्त्रहस्तबाट देहायबमोजिमका कुराको अपेक्षा राखिएको हुन्छ :

- स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएको व्यक्तिको स्थिति सुधार गर्नका लागि हिरासतको नियमित अनुगमन गर्ने र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकनका निमित्त हिरासत प्रशासनको निरीक्षण गर्ने
- रोकथामका उपाय अवलम्बन गर्नका लागि सिफारिस गर्ने र स्वतन्त्रतावाट वज्चित गराइएका स्थानमा प्रणालीगत सुधार गर्ने

<sup>8</sup> See Article 2 in Chapter II of this manual.

<sup>9</sup> The mandate and functioning of the SPT and NPMs are explained in detail in Chapters III, IV and V of this manual. See discussion of Article 3 in Chapter II of this manual.

- यी सिफारिसको कार्यान्वयनका लागि पक्षराष्ट्रसँग रचनात्मकरूपले सहकार्य गर्ने<sup>10</sup> राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय तहमा यातना रोकथामका प्रयासका बीच परिपुरक सम्बन्धको निर्धारण गरेर आलेखले राष्ट्रिय तहमा अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्डको प्रभावकारी कार्यान्वयनको उद्देश्यलाई सुनिश्चित गर्दै मानवअधिकार संरक्षणमा नयाँ दिशानिर्देश गरेको छ ।

१

यातनाविस्तृद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासम्बिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

### २.३ यसले भर्त्सनामा होइन, सहयोगमा जोड दिन्छ

उल्लंघन भइसकेका घटनालाई सार्वजनिक रूपमा भर्त्सना गर्नुभन्दा आलेखका निकायको कार्यादेश हिरासतको स्थिति सुधार गर्न र उल्लंघनका घटनालाई रोकनका लागि पक्षराष्ट्रसँग सहकार्य गर्नमा केन्द्रित रहेको छ । यातनाविस्तृद्धको महासम्बिलगायतका अन्य मानवअधिकार संयन्त्रले पनि रचनात्मक संवादको स्थापना गर्न खोजे पनि तिनीहरूले खास पक्षराष्ट्रले आफ्नो दायित्वानुरूप कार्य गरे नगरेको सार्वजनिक निरीक्षण गर्दछन् । यस्तो निरीक्षण यी मानवअधिकार संयन्त्रले प्रतिवेदन प्रक्रिया र/अथवा व्यक्तिगत उजुरीमार्फत गर्दछन् । आलेखले स्थापना गरेको प्रणाली दिगो सहकार्य र संवादमा आधारित छ जसले पक्षराष्ट्रलाई दीर्घकालीन रूपमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकनका लागि आवश्यक पर्ने कुनै पनि परिवर्तनलाई कार्यान्वयन गर्न सहयोग पुऱ्याउँदछ ।<sup>11</sup>

### २.४ यसले आलेखका निकाय र पक्षराष्ट्रबीच त्रिकोणात्मक सम्बन्ध स्थापना गर्दछ

स्वतन्त्रताबाट बजिचत गरिएका व्यक्तिलाई अधिकतम् सुरक्षा प्रदान गर्ने हेतुले आलेखले पक्षराष्ट्र, उपसमिति र संयन्त्रका बीच त्रिकोणात्मक सम्बन्ध स्थापना गर्दछ । यो सम्बन्ध आलेखका विभिन्न व्यवस्थामा व्यक्त गरिएको छ जसले पक्षराष्ट्र, उपसमिति र संयन्त्रबीचको दायित्व, तदनुरूपको कर्तव्य र सम्पर्क स्थापित गर्दछ । आलेख यस प्रकारको त्रिकोणात्मक सम्बन्ध स्थापना गर्ने पहिलो अन्तर्राष्ट्रिय निकाय हो ।

निम्नलिखित परस्परमा सम्बन्ध रहेको अधिकार र दायित्वको आधारमा उक्त त्रिकोणात्मक सम्बन्धको स्थापना गरिन्छ :

<sup>10</sup> See commentary on Articles 11 and 19 in Chapter II of this manual.

<sup>11</sup> See commentary on Preamble and Article 2(4) in Chapter II of this manual.

- हिरासत अनुगमन गर्ने अधिकार उपसमिति र संयन्त्रहरूलाई छ
- पक्षराष्ट्रले उपसमिति र संयन्त्रले गर्ने अनुगमनलाई मञ्जुरी दिनुपर्ने हुन्छ
- उपसमिति र संयन्त्रसँग परिवर्तनका लागि सिफारिस गर्ने अधिकार रहेको हुन्छ
- उक्त सिफारिसलाई पक्षराष्ट्रले आत्मसात गर्नुपर्ने हुन्छ
- उपसमिति र संयन्त्रले सम्पर्क स्थापना गर्न सक्नु पर्दछ
- पक्षराष्ट्रले उपसमिति र संयन्त्रबीचको प्रत्यक्ष सम्पर्कलाई (आवश्यक परे गोप्य तरिकाले) सहज पार्नुपर्दछ ।

### ३. आलेखको आवश्यकता किन ?

मानवअधिकारका दस्तावेजले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारलाई निषेध गर्ने कुरालाई स्पष्ट रूपमा समावेश गरेको र यसलाई प्रथाजनित कानुनको एक अंशको रूपमा पनि स्वीकार गरिएको भएता पनि केही राष्ट्रले अैके यातनाका कार्यलाई रोक्ने, प्रतिबन्धित गर्ने र कारबाही गर्ने आफ्नो विद्यमान दायित्वलाई बेवास्ता गरिरहेका छन् । राष्ट्रिय स्तरमा त्यस्तो दुर्व्यवहारलाई रोक्ने प्रभावकारी र दीर्घकालीन उपायको व्यवस्थित कार्यान्वयन हुनसकेको छैन । फलस्वरूप यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार संसारको सबै क्षेत्रमा निरन्तर चलिरहेको छ । तसर्थ आलेखले प्रस्तावित गरेको नयाँ पद्धति अति आवश्यक रहेको छ ।

यो नयाँ पद्धति स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्ति यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको जोखिममा रहेका हुन्छन् भन्ने यथार्थको बोध भएर ल्याइएको हो । हिरासत बाहिरी संसारका लागि बन्द हुने भएकाले स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्ति यातना तथा अन्य प्रकारको दुर्व्यवहार वा अन्य मानवअधिकार उल्लंघनको जोखिममा रहेका हुन्छन् । बन्दीहरूको अधिकारको सम्मान हिरासतका लागि जिम्मेवार अधिकारीहरूमा पूर्ण रूपले अन्तरनिहित हुन्छ । वास्तवमा बन्दीहरू आफ्नो आधारभूत आवश्यकता पूर्तिको लागि पनि अरुमा आश्रित हुनु पर्दछ । विभिन्न कारणले गर्दा यस्ता दुर्व्यवहारका घटना अगाडि आउने गर्दछ । उदाहारणका लागि राज्यको दमनकारी नीतिबाट, हेलचेत्र्याईका कारण, स्रोत अभावका कारण, अनुपयुक्त वा अपर्याप्त कर्मचारी तालिमका कारण, अपर्याप्त सुपरीवेक्षणका कारण

दुर्व्यवहार हुनेगरेको छ । स्वतन्त्र र बाह्य अनुगमनविना यस्ता दुर्व्यवहारका घटनाहरू निर्विरोध रूपमा चल्न सक्दछ । अन्तमा जति बढी हिरासत पारदर्शी एवं खुल्ला हुन्छन् त्यति कम दुर्व्यवहारका घटना हुन्छन् भन्ने आशय आलेखको रहेको छ ।

## १

### ४. आलेखको प्रादुर्भाव कसरी भयो ?<sup>12</sup>

सुनियोजित रूपमा गरिएका यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारप्रति बढ्दो चिन्ताको फलस्वरूप १९७० को दशकमा यस्ता दुर्व्यवहार रोक्न र निषेध गर्न तथा राज्यहरूलाई यस प्रकारको उल्लंघनप्रति जवाफदेही बनाउने संयन्त्रको स्थापना गर्नका लागि यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारविरुद्धको सचिको आवश्यकता रहेको निर्णय गरियो । सन् १९७८ मा यातनाविरुद्धको महासचिको मर्यौदामा संयुक्त राष्ट्रसंघमा छलफल सुरु भयो ।

माथि छलफल भएअनुसार एक अन्तर्राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रको स्थापना गर्ने विचार स्विट्जरल्याण्डका परोपकारी व्यक्ति जाँ ज्याक गौशरको थियो । यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि विश्वभर अपनाइएका विद्यमान तरिकाको व्यापक अनुसन्धान गरेर गौशरले आइसिआरसिले युद्धका र राजनैतिक बन्दीलाई गरेको अनुगमन यातना रोकथामका लागि अत्यन्त प्रभावकारी रहेको नितिजा निकाले । तसर्थ गौशर पनि हिरासत अनुगमनको यस्तैखाले प्रणालीको स्थापनाका लागि समर्थन जुटाउनतर्फ लागे । यस अभियानअन्तर्गत गौशरले सन् १९७७ मा यातनाविरुद्धको स्विस समिति (the Swiss Committee against Torture), (एससिटी)को स्थापना गरे जसलाई आज एसोसिएसन फर द प्रिमेन्सन अफ टर्चर (एपिटि) भनेर चिनिन्छ ।<sup>13</sup> यो विचारले एम्स्ट्रिट इन्टरन्यास्नल र इन्टरन्यास्नल कमिसन अफ जुरिस्ट (आइसिजे) लगायतका अन्य अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाको ध्यानार्कषण गन्यो । यी संस्थाले एससिटीसँग सहकार्य गरी स्विट्जरल्याण्ड, स्विडेन र कोस्टारिकालगायतका अन्य थुप्रै राष्ट्रसँग आफ्नो सम्बन्ध विस्तार गरेका छन् ।

<sup>12</sup> The term ‘detainee’ is used in different ways in different countries and different international documents. For ease of reading, in this manual the term ‘detainee’ is used in its broadest sense to refer any person deprived of liberty as a result of arrest, administrative detention, pre-trial detention or conviction who is held in a place of detention as defined in Article 4(1) of the OPCAT.

<sup>13</sup> For information on the global work of the Association for the Prevention of Torture, see [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

## यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासन्धिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

सुरक्षा महासन्धिको मस्यौदामा अनुगमनका लागि एक अन्तर्राष्ट्रिय संयन्त्रको व्यवस्थालाई समावेश गर्ने विचार थियो । यद्यपि धेरै पक्षराष्ट्रले आफ्नो देशभित्रको हिरासतमा बेरोकटोक निरीक्षण गर्ने अनुमति दिनुपर्ने कुरालाई विरोध गर्न सक्दछन् भन्ने कुरालाई हृदयंगम गरी महासन्धिका प्रस्तावकले अनुगमन संयन्त्रको कुरालाई मस्यौदा सन्धिमा समावेश नगर्ने निधो गरे । यसको सद्वा अन्तर्राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रको स्थापना गर्नका लागि यातनाविरुद्धको महासन्धि अनुमोदन भएपछि मात्र महासन्धिका लागि एउटा निरिचित ऐच्छिक आलेखको वकालत गर्दा राष्ट्रो हुने कुरामा आइसिजेका महासचिव निअल म्याकडरमटले गौशरलाई सहमत गराए<sup>14</sup> १९८० मार्चमा कोस्टारिकाले उक्त कदमको सुरक्षात गरी महासन्धिको ऐच्छिक आलेखको मस्यौदा संयुक्त राष्ट्रसंघमा विधिवत् पेश गन्यो<sup>15</sup> यद्यपि उक्त मस्यौदालाई संयुक्त राष्ट्रसंघले यातनाविरुद्धको महासन्धिलाई अनुमोदन नगरेसम्म यसको स्वीकृतिमा हुनसक्ने ढिलाइलाई हटाउनका लागि आलेखको छानबिन स्थगित गर्ने भनी एउटा प्रस्तावसहित पेश गरिएको थियो ।

संयुक्त राष्ट्रसंघभित्र नै एउटा अन्तर्राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रको स्थापना गर्ने विचारलाई स्थगित गरिएको भएता पनि यस विचारले भने युरोपमा गति पायो । सन् १९८३ मा युरोपको संसदीय समाको परिषदले आफ्नो संरचनाभित्रको अनुगमन प्रणालीको निर्माण गर्न एससिटी र आइसिजेले तयार पारेको मस्यौदालाई अनुमोदन गन्यो । बृहत् छलफलपश्चात् युरोपको परिषदले २६ जून १९८७ मा यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथामको युरोपेली महासन्धि (इसिपिटि)<sup>16</sup> लाई पारित गन्यो । यो महासन्धिले यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथामको युरोपेली समिति (सिपिटि) को स्थापना गन्यो । यस समितिलाई इसिपिटिलाई अनुमोदन गरेका परिषदभित्रका सदस्य राष्ट्रमा रहेका हिरासतहरूको अनुगमन गर्ने कार्यादेश रहेको छ<sup>17</sup>

<sup>14</sup> Niall McDermott, How to enforce the Torture Convention: How to make the International Convention Effective, Swiss Committee against Torture and the International Commission of Jurists, Geneva, 1980, pp.18-26; and APT, Letting in the light, 30 years of Torture Prevention, APT, Geneva, 2007.

<sup>15</sup> Draft Optional Protocol to the Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman and Degrading Treatment, UN Doc. E/CN.4/1409, 8 March 1980.

<sup>16</sup> European Convention for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, CPT Doc. Inf/C (2002) Strasbourg, 26.XI.1987, amended according to Protocols No 1 (European Treaty Series No 151) and No 2 (European Treaty Series No 152).

<sup>17</sup> For more information on the CPT, see [www.cpt.coe.int](http://www.cpt.coe.int).

अमेरिकी महाद्वीपभित्र पनि यस्तैखाले प्रणालीको स्थापना गर्ने प्रयास गरिएको थियो । यद्यपि यातना रोकथाम तथा कारबाही गर्ने अन्तर अमेरिकी महासभाको १९८५ मा अनुमोदन भएपछि सन्धिभित्र नियमित निवारक अनुगमनको प्रणालीलाई समावेश गरिएन ।<sup>18</sup>

१

यातनाविरुद्धको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

सन् १९८७ मा यातनाविरुद्धको महासन्धि प्रयोगमा आएपछि संयुक्त राष्ट्रसंघभित्र अन्तर्राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रको स्थापना गर्ने विषयलाई अनुप्राणित गर्ने प्रयासहरू हुन थाले । सन् १९९२ मा संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार आयोगले यातनाविरुद्धको महासन्धिका लागि ऐच्छिक आलेखको मस्यौदा तयार गर्न एक खुल्ला कार्यदलको स्थापना गर्न संकल्प प्रस्ताव पारित गन्यो ।<sup>19</sup> यो कार्यदल संयुक्त राष्ट्रसंघका सम्पूर्ण पक्षराष्ट्रलगायत सम्बन्धित गैरसरकारी संरथा तथा अन्य विज्ञाका लागि खुल्ला गरिएको थियो । कार्यदलभित्रको छलफल सोचेअनुरूप अति कठिन र लामो समय लाग्ने हुनगयो । ८ वर्षसम्म छलफल केवल प्रभावकारी अन्तर्राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रको स्थापना गर्नका लागि सहमति जुटाउनमा मात्रै केन्द्रित रह्यो । धेरै पक्षराष्ट्र र गैससको अथक प्रयासका बाबजुद पनि अन्य केही राष्ट्रको विरोधका कारण छलफलको गतिरोध यथावत रह्यो ।

यद्यपि सन् २००१ मा अन्य ल्याटिन अमेरिकी राज्यबाट समर्थन पाएको मेकिसकोको प्रतिनिधि मण्डलले एक मस्यौदा पेश गन्यो जसले यस छलफललाई फेरि पुनःमजबूत गर्दै एक नयाँ प्रस्ताव प्रस्तुत गन्यो । यो मस्यौदाले अन्तर्राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रद्वारा हुने रोकथाम भ्रमणमा आधारित एक नियमित अनुगमन प्रणालीको प्रस्ताव पेश गन्यो । यस मस्यौदाले पक्षराष्ट्रलाई राष्ट्रिय अनुगमन निकायको स्थापना गर्ने दायित्व पनि व्यक्त गरेको थियो । यो प्रस्तावप्रति कार्यदलका सहभागीको मिश्रित प्रतिक्रिया थियो । मस्यौदा प्रक्रियालाई पूर्णता दिने प्रयासमा कार्यदलको अध्यक्षले सन् २००२ मा मेकिसकोको मस्यौदा र राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय तत्व सम्बिलित मूल मस्यौदाको एक मिश्रण गरिएको समझौतासहितको पाठ प्रस्तुत गरे । कार्यदलभित्र यस मस्यौदामा सहमति जुट्न नसके पनि अध्यक्षको मस्यौदालाई धेरै पक्षराष्ट्र र गैससले नियमित रोकथाम अनुगमन प्रणालीलाई प्राप्त गर्ने सर्वोत्तम आशाको रूपमा स्वीकार गरे । यसको फलस्वरूप सन्

<sup>18</sup> Inter-American Convention to Prevent and Punish Torture, A-51, Organization of American States, Treaty Series No 67, entered into force February 28, 1987, reprinted in Basic Documents Pertaining to Human Rights in the Inter-American System, OEA/Ser.L/V/II.82 doc.6 rev.1 at 83, 1992.

<sup>19</sup> Commission on Human Rights, Resolution 1992/43, 3 March 1992.

## यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासचिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

२००२ को मार्चमा उक्त मस्यौदालाई कोस्टारिकाले प्रस्तुत गरेको संकल्प प्रस्तावसहित संयुक्त राष्ट्रसंघको महासभामा अन्तिम अनुमोदनको लागि पेश गर्न राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार आयोगमा पेश गरियो । राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार आयोग र आर्थिक तथा सामाजिक परिषद्भित्रको व्यापक छलफल र मत अभिमतको शृंखलालाई पार गर्दै महासभाले आलेखलाई १८ डिसेम्बर २००२ मा बहुमतका साथ पारित गन्यो ।<sup>२०</sup> अन्ततोगत्वा २२ जून २००६ मा आलेख २०औं अनुमोदनलाई पार गर्दै कार्यान्वयनमा आयो ।<sup>२१</sup>

## ५. आलेखले कसरी यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्न मद्दत गरिरहेको छ ?

यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्न महासचिमा विस्तृत प्रावधान रहेका छन् । महासचिका पक्षराष्ट्रले यस्तो विस्तृत रोकथाम संरचनाको एक भागअन्तर्गत हिरासत अनुगमनलाई समावेश गरिनुपर्ने कुरालाई यातनाविरुद्धको समितिले जोड दिँदै आफ्नो धारा २ र ११ मा व्याख्या गरेको छ ।<sup>२२</sup>

यस ऐच्छिक आलेखलाई महासचिका पक्षराष्ट्रलाई यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्ने उनीहरूको विद्यमान दायित्वलाई प्रभावकारी बनाउन सहयोग गर्न एक व्यवहारिक साधनको रूपका तयार पारिएको हो ।

### ५.१ रोकथामको साधनको रूपमा हिरासत अनुगमनको प्रभावकारिता आइसिआरसि र सिपिटिजस्ता संस्थाको गहन अनुभवले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्नका निमित्त गरिने नियमित हिरासत अनुगमन अत्यधिक प्रभावकारी हुने कुरा

<sup>२०</sup> 127 States voted in favour of the OPCAT, 42 abstained and only 4 States voted against the OPCAT, namely Marshall Island, Nigeria, the United States of America, and Palau Island. For records of voting in connection with the OPCAT within the UN, see the first version of this manual, which is available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch). See Annex 3 of this manual for details of the final vote at the UN General Assembly.

<sup>२१</sup> At the time of the writing, there are 57 States Parties to the OPCAT. For details of the status of ratification, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/ratification/9.htm>.

<sup>२२</sup> See CAT, General Comment No 2; and APT, *Torture in International Law: A guide to Jurisprudence ('Jurisprudence Guide')*, APT, Geneva, 2008, pp.25-26.

दर्शाएको छ । अघोषित रूपमा हुनसक्ने बाह्य अनुगमनको प्रतिरोधक असर हुनसक्दछ । यसको अतिरिक्त यस्ता अनुगमनले स्वतन्त्र विज्ञलाई स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार र तिनीहरूलाई थुनामा राखिएको परिस्थितिबारे मध्यस्थकर्ताबाट भन्दा प्रत्यक्ष अवलोकन गर्न सक्षम बनाउँदछ । अवलोकनको ठोस परिस्थिति र स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएको व्यक्तिसँगको निजी अन्तर्वार्ताको आधारमा विज्ञले यथार्थपरक एवं व्यवहारिक सिफारिस गर्दै सम्बन्धित अधिकारीसँग स्थिति सुधारका लागि वार्ता गर्नसक्दछन् । यसबाहेक यस्ता अनुगमन स्वतन्त्रता हनन् भएका व्यक्तिका लागि एक महत्वपूर्ण ऐतिक समर्थनको स्रोत बन्नसक्दछ ।

उल्लंघनका घटनाका लागि पक्षराष्ट्रलाई लक्षित गर्ने वा दोष लगाउने आलेखको आशय होइन । बरु आलेखले त दीर्घकालीन सुधारका कार्यक्रमलाई कार्यान्वयन गराउन पक्षराष्ट्रसँग रचनात्मक तरिकाले सहकार्य गर्दछ । विश्वासको वातावरण सिर्जना गर्न र सकारात्मक सहयोगी सम्बन्ध स्थापना गर्ने पक्षराष्ट्रले चाहेको खण्डमा एसपिटिलाई पक्षराष्ट्रसँग गोप्य रूपका काम गर्ने कार्यादेश प्रदान गरिएको छ । पक्षराष्ट्रलाई एसपिटि र एनपिएमलाई सहयोग गर्ने दायित्वमात्र नभई यो तिनीहरूको आफ्नै बृहत्तर हितका लागि पनि आवश्यक हुन्छ । स्वतन्त्रता हननको आफ्नो प्रणालीमा गर्नुपर्ने केही निश्चित सुधारको पहिचानमा यस्ता संयन्त्रलाई सहयोग गरेर पक्षराष्ट्रले दीर्घकालीन रूपमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्न आफ्नो प्रतिबद्धता व्यक्त गर्नसक्दछ ।

## ५.२ रोकथामको एक संगठित पद्धति

रोकथाम प्रणालीको एक प्रमुख अंशको रूपमा हिरासत अनुगमनलाई राखिनु पर्दछ । यद्यपि अनुगमन आफैमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्न पर्याप्त भने हुँदैन । महासन्धिको धारा २ मा उल्लेख भएबमोजिम यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि कानुनी, प्रशासनिक, न्यायिक र अन्य उपायको आवश्यकता रहन्छ । रोकथामले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको प्रमुख कारणलाई सम्बोधन गर्ने उद्देश्य लिएको हुन्छ । आफ्नो उक्त उद्देश्य प्राप्तिका लागि यस्ता रोकथामका पद्धतिले पूर्ण रूपमा समाजप्रति लक्षित संगठित (holistic) पद्धति अवलम्बन गर्नु पर्दछ । रोकथामको उद्देश्य यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको जोखिमलाई कम गर्दै यातनाका घटना नहुने वातावरणको सिर्जना गर्नु हो ।

## यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासमिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

यातना तथा अन्य दुर्घटनाहार रोकने बृहत् रणनीतिको विकासका लागि तीनओटा विस्तृत र अन्तःसम्बन्धित तत्वको एक संगठित पद्धतिको आवश्यकता पर्दछ :

- एक कानुनी संरचना, सार्वजनिक नीति र यातना तथा अन्य दुर्घटनाहार नियन्त्रण र रोकथामका लागि साफेदारीमा आधारित अवधारणाको उत्तम अस्यास जसलाई,
- यातना रोकथामका सरोकारवाला, जस्तै प्रहरी र न्यायाधीशले कार्यान्वयन गराउने
- संयन्त्रहरूद्वारा सम्बन्धित कानुन र तिनको कार्यान्वयनको अनुगमन गर्ने

### ५.२.१ रोकथामको सम्मान गर्ने एक कानुनी र नीतिगत संरचना

यातना तथा अन्य दुर्घटनाहार प्रतिबन्धित गर्ने वा रोकथाम गर्ने कानुनी संरचनाको स्थापनाले कुनै पनि रोकथामको रणनीतिको आधार खडा गर्दछ । अन्तर्राष्ट्रिय कानुनअन्तर्गत यातना तथा अन्य दुर्घटनाहारलाई पूर्णतः प्रतिबन्धित गरिएको छ र राज्यले यस्तो प्रतिबन्धलाई आफ्नो संविधान र/वा कानुनमा समावेश गराउनु पर्दछ । महासभाको व्यवस्थाअनुसार यातनालाई देशभित्रको फौजदारी कानुनमा अपराध भनेर स्वीकार गरिनु पर्दछ र यस्तो प्रकृतिको अपराधमा उचित जरिवानासहित सजाय हुनु पर्दछ । यसका अतिरिक्त यातना तथा अन्य दुर्घटनाहारमार्फत जुटाइएका प्रमाण कानुनी कारबाहीमा अग्रहणीय बनाइनु पर्दछ किनकि यस्तो प्रमाणले यातना भएको कुरालाई नकार्दछ ।

मानवअधिकार कार्ययोजनाजस्ता आम सार्वजनिक नीति तथा स्वतन्त्रताबाट वञ्चित भएको अवस्थालाई प्रभाव पार्ने विशेष सार्वजनिक नीति यातना तथा अन्य दुर्घटनाहार रोकनका लागि कानुनी व्यवस्था स्थापना गर्न सान्दर्भिक हुन्छन् । उदाहरणका लागि शून्य सहिष्णुता नीति (zero tolerance policy) जस्ता अपराधविरुद्धका आम नीति, लागुपदार्थ दुर्घटन, बालन्याय र आप्रवासलगायत एचाइमिसँग सम्बन्धित मानसिक तथा जनस्वास्थ्य नीतिहरूको यातना रोकथाममा प्रत्यक्ष वा परोक्ष असर रहेको छ ।

### ५.२.२ रोकथामको कार्यान्वयन

दण्डहीनतालाई रोकन र कानुनी प्रतिबन्ध व्यवहारमा कार्यान्वयन भएको सुनिश्चित गर्न विभिन्न उपाय अवलम्बन गरिनुपर्ने हुन्छ । स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिका लागि व्यापक प्रक्रियात्मक सुरक्षा संयन्त्रको स्थापना गरिनु पर्दछ । उदाहरणका लागि स्वतन्त्रताबाट

वज्चित भएको प्रारम्भदेखि नै त्यस्ता व्यक्तिलाई तेस्रो पक्षलाई जानकारी गराउनसक्ने अवसर र माध्यम दिइनु पर्दछ । यसका साथै त्यस्ता व्यक्तिको कानुन व्यवसायीसम्मको पँहुच<sup>23</sup> र चिकित्सकलाई भेट्ने अवसर पनि दिइनु पर्दछ । यसबाहेक प्रक्रिया र नियमलाई नियमित रूपमा समीक्षा गरिनुका साथै आवश्यक परे सुधार पनि गरिनु पर्दछ । उचित कार्यान्वयनले स्वतन्त्रता हुनन् गरिएका क्षेत्रका संलग्न सम्पूर्ण अधिकारीले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार निषेधित गर्न र त्यस्ता दुर्व्यवहार रोकनका लागि वहन गर्नुपर्ने पेशागत जिम्मेवारीको उचित प्रशिक्षण लिनु पर्दछ भन्ने कुरालाई पनि इङ्गित गर्दछ । अन्तमा कानुनद्वारा प्रतिबन्धित कुराको कार्यान्वयन गर्ने भन्ने कुराले कुनै पनि प्रकारको उल्लंघन सहनीय नहुने र त्यस्तो उल्लंघन उचित रूपमा दण्डनीय हुने कुरालाई पनि इङ्गित गर्दछ । यस्तो अवस्था सिर्जना गर्न नसकिएमा दण्डहीनताको संस्कार बढ़ावै जाने र अन्ततोगत्वा त्यस्ता कानुनको प्रभाव र कार्यान्वयनमा शिथिलता आउने देखिन्छ ।

### **५.२.३ नियन्त्रण संयन्त्र : यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारबाट व्यक्तिको रक्षा गर्ने दायित्व**

कार्यान्वयन भएको कानुनी संरचना हुँदैमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारका घटनाहरू घट्दैनन् भन्ने कुरो पर्याप्त मात्रामा सुनिश्चित गर्ने भने सकिँदैन । दुर्व्यवहारको जोखिम सदैव रहने हुँदा निरन्तर सतर्क रहनु पर्दछ । अनुकूल समयमा पनि जोखिमका संकेत पहिचान गरी सुधारको कार्य गर्ने प्रस्ताव गर्नु पर्दछ । यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार साधारणतया गोप्य रूपमा हुनेगर्दछ तसर्थ यस्ता घटनाका सन्दर्भमा पारदर्शिता अभिवृद्धि गराउनु महत्वपूर्ण हुन्छ । प्रभावकारी रूपमा पारदर्शिता अभिवृद्धि गर्ने व्यापक सम्पूरक उपायहरू अवलम्बन गरिनु पर्दछ । उदाहरणका लागि स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका ठाँउको स्वतन्त्र अनुगमनको स्थापना, प्रभावकारी र सबैको पँहुँच हुने खालको उजुरी संयन्त्र, मिडिया रिपोर्टिङ र नागरिक समाजका अभियान र कार्य पर्दछन् ।<sup>24</sup>

यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाम गर्नु भनेको एक जटिल प्रक्रिया हो जसअन्तर्गत फरक तर अन्तःसम्बन्धित उपाय र रणनीति समाविष्ट हुन्छन् । अन्य सन्धि र सन्धि निकायले कार्यान्वयनको मार्गनिर्देशन नगरी पक्षराष्ट्रसँग केवल यस्ता दुर्व्यवहार रोकथामको

<sup>23</sup> For more information, see APT Legal Briefing, *Legal Safeguards to Prevent Torture: The Rights of Access to Lawyers for Persons Deprived of Liberty*, Legal Briefing Series, APT, Geneva, March 2010: available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>24</sup> For further information on the nature of States' obligations to prohibit and prevent torture and other ill-treatment under international law, see APT, *Jurisprudence Guide*.

## यातनाविरुद्धको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासचिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

माग गर्दछन् । तर यस्ता निकायभन्दा भिन्न आलेखले राष्ट्रिय स्तरमा परिवर्तन कार्यान्वयन गर्न उपाय प्रदान गर्दछ । अतः आलेखका निकायसँग केवल हिरासत अनुगमनको कार्यादेश नभई पक्षराष्ट्रलाई यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको मुख्य कारणउपर सम्बोधन गर्न सक्षम बनाउनका लागि विभिन्न खाले प्रशिक्षण दिने, परामर्श गर्ने वा अन्य सहयोग पनि प्रदान गर्ने कार्यादेश रहेको हुन्छ चाहे त्यो हालसालै भ्रमण गरिएको पक्षराष्ट्र होस् वा भ्रमणमा नै नपरेको राष्ट्र होस् ।<sup>25</sup>

यातना रोकथामका लागि संगठित पद्धतिको आवश्यकता रहेको कुरालाई एसपिटिले स्वीकार गर्दै आफूले अनुगमन गरेको हिरासतको स्थितिमा टिप्पणी गर्ने कुरामा मात्र आफ्नो कार्यादेश सीमित नरहेको स्पष्ट रूपमा व्यक्त गरेको छ । हिरासतको अवस्थो लगाएत अन्य विद्यमान अभ्यासको टिप्पणी गर्नुको साथै पक्षराष्ट्रभित्र सुरक्षा प्रदान गर्ने क्रममा रहेको अन्तरको पहिचान गर्न र कुन सुरक्षाउपायलाई मजबुत बनाउनुपर्ने हो भन्ने कुराको किटान गर्न “कानुनी र प्रणालीय स्वरूपहरू” हेनेसम्म आफ्नो कार्यादेश फैलिएको कुरा विस्तृत जानकारी एसपिटिले व्यक्त गरेको छ दिन्छ ।<sup>26</sup> यो विस्तृत पद्धतिलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले पनि अंगीकार गरेको कुरा सराहनीय छ । संयन्त्रको रोकथाम कार्यादेशको मौलिक पक्षका रूपमा अनुगमनद्वारा पत्ता लगाइएका मुद्दालाई सम्बोधन गर्न र सम्बन्धित राष्ट्रिय कानुनउपर टिप्पणी गर्न आलेखले रोकथाम संयन्त्रका लागि केही निश्चित आवश्यकता निर्दिष्ट गरेको छ ।<sup>27</sup>

यसको अतिरिक्त देशभित्र रोकथामका उपाय कार्यान्वयन गर्न चाहेका पक्षराष्ट्रका लागि थप सहयोगको रूपमा एक विशेष कोषको स्थापना गरिएको छ । यो कोषले रोकथाम संयन्त्रको शिक्षा तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमको लागि सहयोग गर्नुका साथै रोकथाम उपसमितिका सिफारिस पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गराउन व्यवहारिक सहायता प्रदान गर्दछ ।<sup>28</sup>

<sup>25</sup> See commentary on Articles 11 and 20 in Chapter II of this manual.

<sup>26</sup> SPT, First annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2007 to March 2008, UN Doc. CAT/C/40/2, 14 May 2008, §12.

<sup>27</sup> See commentary on Article 19(c) in Chapter II of this manual.

<sup>28</sup> See commentary on Article 26 in Chapter II of this manual.

## ६. आलेखअन्तर्गतका पक्षराष्ट्रका दायित्व के हुन्छन् ?

आलेखको पक्षराष्ट्रका रूपमा स्थापित भएपश्चात् उक्त राष्ट्रले न त अन्य थप रिपोर्ट गर्नुपर्ने आवश्यकता रहन्छ न त पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिमा आवधिक प्रतिवेदन पेश गर्नुपर्ने हुन्छ । वास्तवमा आलेखले केवल व्यवहारिक प्रकृतिका दायित्वहरूको स्थापना गर्दछ । आलेखअन्तर्गतका पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई सातओटा बृहत् समूहमा बाँड्न सकिन्छ :

१. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको स्थापना, गठन वा कायम गर्ने
२. आफ्नो क्षेत्राधिकार र नियन्त्रणभित्रका सबै हिरासत आफ्नो रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिको बाह्य अनुगमनका लागि खुल्ला गर्ने
३. रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिबीचको सम्पर्कलाई सहज पार्ने
४. आफ्नो रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिलाई देशभित्रको हिरासतको प्रक्रिया र रोकथामको उपायबारे जानकारी दिने
५. रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिका सिफारिसउपर विचार गर्ने
६. रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिसँग सहकार्य गर्ने
७. आफ्नो रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने

यी दायित्व ठोस कार्यान्वयनमा ल्याउन सकिने प्रकृतिका छन् । यिनले रोकथाम संयन्त्र र यातना रोकथाम उपसमितिको रोकथामको अधिकारलाई सहज बनाउँदछन् । यसका अतिरिक्त यी दायित्व पक्षराष्ट्र, यातना रोकथाम उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रको त्रिकोणात्मक सम्बन्ध र सहयोग स्थापना गर्ने उद्देश्यमा आधारित छ । यस्तो पद्धति स्थापना गरिनुको आधारभूत कारण प्रभावकारी रोकथामका लागि सम्पर्क र सहकार्यको आवश्यकता रहन्छ भन्ने कुरामा आधारित रहेर गरिएको हो । यस्तो सहकार्यको औचित्य स्वतन्त्रताबाट विच्छिन्न पारिएका अधिकांश व्यक्तिका लागि एउटा यस्तो प्रणालीको स्थापना गर्नु हो जसले तिनीहरूलाई सम्भव भएसम्मको सुरक्षा प्रदान गर्न सकोस् ।<sup>29</sup>

<sup>29</sup> For a more detailed discussion of this cooperative relationship, see Sections 2.2-2.4 of this chapter; and also Chapter III, especially Sections 3.3.2, 4.5.1 and 4.7.2. See also the commentary on Articles 1, 3, 11(b)(ii), 12(c), 16(1) and 20(f) in Chapter II of this manual.

## ७. आलेखका निकायले कसरी कार्य गर्दछन् ?

### ७.१ यातना रोकथाम उपसमिति (एसपिटि)<sup>30</sup>

दसओटा विज्ञ सदस्यको रूपमा कार्य गर्न पक्षराष्ट्रहरूद्वारा निर्वाचित भएपछि १८ डिसेम्बर २००६ मा उपसमितिको स्थापना भयो । आलेखको ५०औं अनुमोदन पश्चात् उपसमितिको सदस्य संख्या २५ पुग्ने आशा राखिएको छ ।<sup>31</sup>

उपसमितिको बृहत् रोकथामको अधिकार दुईओटा अन्तःसम्बन्धित कार्यमा केन्द्रित रहेको छ : (क) परामर्श कार्य (यसअन्तर्गत सामान्यतया उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित मुद्दा र देशभित्रको रोकथामका उपायमा परामर्श दिने कार्य पर्दछ) र (ख) सञ्चालनसम्बन्धी कार्य (जसअन्तर्गत देशभित्रको कार्य सम्पादन गर्नुका साथै हिरासत अनुगमन गर्ने कार्य पर्दछ) ।

रोकथाम उपसमितिलाई स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्तिको सुरक्षा सुधार गर्न सिफारिस र धारणा व्यक्त गर्ने अधिकार प्रत्यायोजन गरिनुका अलावा यससँग राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना, गठन र कार्यमा महत्वपूर्ण परामर्शदाताको भूमिका निर्वाह गर्ने कार्यदेश पनि रहेको छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सम्बन्धमा रोकथाम उपसमितिको भूमिकाका ५ प्रमुख आयाम छन् :

- रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठनमा पक्षराष्ट्रलाई सुझाव दिने
- रोकथाम संयन्त्रले गर्ने कार्यका सन्दर्भमा पक्षराष्ट्रलाई राय सल्लाह दिने
- रोकथाम संयन्त्रलाई उसको कार्यदेश र क्रियाकलापमा प्रत्यक्ष रूपले सल्लाह सुझाव दिने
- स्वतन्त्रताबाट विचित गरिएका व्यक्तिको संरक्षण गर्नका लागि अपनाइने उपायमा सुझाव प्रदान गर्ने
- संयन्त्रका सदस्यहरूका लागि प्रशिक्षण प्रदान गर्ने<sup>32</sup>

<sup>30</sup> See Chapter III of this manual, especially Section 2.1, for details of the SPT's preventive mandate.

<sup>31</sup> In accordance with Article 5.1 of the OPCAT, following the 50th ratification, in 2011 the number of SPT members will rise to 25. For a list of current SPT members, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm#membership>.

<sup>32</sup> See commentary on Article 11 in Chapter II of this manual.

आफ्नो अति महत्वपूर्ण कार्यादेशलाई सञ्चालन गर्ने पहिलो चरणका रूपमा उपसमितिले पक्षराष्ट्र र संयन्त्रको निर्णय प्रक्रियामा संलग्न अन्य निकायलाई सहयोग गर्ने हेतुले रोकथाम संयन्त्रको स्थापनामा उपसमितिले प्रारम्भिक निर्देशिकाका प्रकाशित गन्यो ।<sup>33</sup>

१

यातनाविस्तृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासम्भिको संयुक्त राष्ट्रसंघको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

माथि छलफल गरिएअनुरूप उपसमितिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका स्थानको अवस्थाबारे अनुगमन गर्न (हिरासत अनुगमनलगायत) र आलेख कार्यान्वयनमा सुझाव प्रदान गर्न (संयन्त्रसँग संलग्न रहनेलगायत) पक्षराष्ट्रहरूमा देशभ्रमण मिसन सञ्चालन गर्न सक्ने कार्यादेश रहेको छ । आफ्नो भ्रमणपश्चात् उपसमितिले आफूले पता लगाएका कुराको उल्लेख गर्दै एक प्रतिवेदन तयार गर्दछ । उपसमितिले यो प्रतिवेदन सम्बन्धित अधिकारीसमक्ष पेश गर्दछ । सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले प्रतिवेदनलाई प्रकाशन गर्ने सहमति नदिएसम्म वा उपसमितिलाई सहयोग नगरेको हदसम्म यो गोप्य रहन्छ ।<sup>34</sup> उपसमितिले आफ्नो नियमित र आवधिक देशभ्रमण मिसनका दौरान छोटो फलोअप भ्रमण पनि सञ्चालन गर्न सक्दछ ।<sup>35</sup>

## ७.२ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र

रोकथाम उपसमितिकै जस्तो कार्यादेश प्राप्त राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्थापना, गठन वा व्यवस्थापन गर्ने पक्षराष्ट्रको दायित्वकै सेरोफेरोमा आलेखले अपनाउने रोकथाममूलक दृष्टिकोणको राष्ट्रिय तत्व परिचालित हुन्छ । ऐच्छिक आलेखको धारा १७ अनुसार आलेखलाई अनुमोदन वा आलेखमा प्रवेश गरेको १ वर्षपछि पक्षराष्ट्रले कस्तीमा पनि एउटा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन गर्नु पर्दछ ।<sup>36</sup> संयन्त्रको प्रभावकारी र स्वतन्त्र कार्यको प्रत्याभूति गर्न आलेखले अन्तर्राष्ट्रिय दस्तावेजमा पहिलो पटक राष्ट्रिय अनुगमन

<sup>33</sup> See Chapter III of this manual, especially Section 3.3, for further details of the work of the SPT, and Annex 2 of this manual for the SPT's Preliminary guidelines on the on-going development of NPMs.

<sup>34</sup> See Sections 9.1.2 and 10 of this chapter for further details of the principle of confidentiality as applied in the work of the SPT. See also the commentary on Article 16(1) in Chapter II of this manual, and the explanation of the work of the SPT in Chapter III, especially sections 3.2 and 4.7.2-3, with regard to confidentiality.

<sup>35</sup> See Article 13(4), including commentary, in Chapter II of this manual.

<sup>36</sup> The first 20 States Parties to the OPCAT had until 22 June 2007 to establish or designate their NPMs. In practice, few met this deadline. For a list of designated NPMs, see <http://www.apt.ch/content/view/138/152/lang,en/>.

## यातनाविस्त्रको संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासचिको ऐच्छिक आलेखका मौलिक पक्ष

निकायका अनुसार केही विशेष सुरक्षा र जिम्मेवारी निर्दिष्ट गरेको छ जसलाई सबै पक्षराष्ट्रद्वारा सम्मान गरिनु पर्दछ ।<sup>37</sup> संयन्त्रको स्वतन्त्रता एउटा प्रमुख पक्ष हो जसले संयन्त्र अनुचित हस्तक्षेपबाट मुक्त हुने कुरालाई सुनिश्चित गर्दछ । यस्ता संयन्त्रको स्वरूप कस्तो हुने भन्ने विषयमा आलेखले निर्देशन दिँदैन । यसले पक्षराष्ट्रलाई उनीहरूको चाहनाअनुसार विशेष ज्ञानयुक्त, विद्यमान मानवअधिकार आयोग, सुपरीवेक्षकको कार्यालय, संसदीय आयोगसहितको एक वा धेरै निकायको गठन गर्नसक्ने लचकता प्रदान गर्दछ । यद्यपि आफूले जस्तोसुकै स्वरूप अंगीकार गरेको भएता पनि प्रत्येक राष्ट्रिय संयन्त्रले आलेखमा निर्दिष्ट गरिएको न्यूनतन सुरक्षा र अधिकारलाई भने मान्नैपर्ने हुन्छ ।<sup>38</sup>

माथि उल्लेख गरिएजस्तै पक्षराष्ट्रको रोकथाम संयन्त्रका केही स्वरूपलाई स्थापित गर्न दायित्व एक नवीन पद्धति हो जसले आलेखलाई रोकथामको एक साधनका रूपमा स्थापित हुन बल प्रदान गर्दछ ।<sup>39</sup> आलेखको रोकथाम संरचनाभित्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको समावेशले आलेखको मौलिक अवधारणामा (original concept) देखा परेको व्यवहारिक अवरोधलाई परास्त गरेको छ । आलेखको मौलिक अवधारणामा अनुगमन केवल रोकथाम उपसमितिले गर्न परिकल्पना गरिएको थियो । आफैमा प्रभावकारी हुनेगरी कुनै पनि अन्तर्राष्ट्रिय निकायले नियमित रूपमा हिरासत अनुगमन गर्नसक्ने तथ्यलाई मौलिक अवधारणाले सम्बोधन गर्न असफल भएको छ ।<sup>40</sup> यद्यपि रोकथाम संयन्त्र पक्षराष्ट्रभित्र नै अवस्थित रहने भएकाले तिनीहरूले क्रमिक रूपमा अनुगमन गर्दै स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिको सुरक्षा र हेरचाहमा खटिएका व्यक्तिसँग अफ बढी नियमित र अटुट वार्ता गर्न सक्दछन् । यसका साथै संयन्त्रले राष्ट्रिय सन्दर्भमा अनुकूल हुने खालको ठोस रोकथामका उपाय प्रस्ताव गर्न सक्नुका साथै उपसमितिलगायत अन्य निकायको सिफारिस कार्यान्वयन भए नभएको फलोअप गर्न सक्दछन् ।<sup>41</sup>

<sup>37</sup> See Articles 18-23, especially Article 18.

<sup>38</sup> For more information on how the SPT and NPMs function, see Chapters III and IV of this manual. For a detailed analysis of the establishment and designation of NPMs, see APT, *NPM Guide*.

<sup>39</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.923.

<sup>40</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.923.

<sup>41</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.923. See also commentary on Article 3 in Chapter II of this manual and chapter IV of this manual.

### ७.३ रोकथाम उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रबीच सहयोग

सहयोग र रचनात्मक संवादको सिद्धान्त नै ऐच्छिक आलेखको सारगर्भित कुरा हुन् । यो सिद्धान्तको मुख्य व्यवहारिक निष्कर्ष भनेको रोकथाम उपसमिति र रोकथाम संयन्त्र एक अर्काको परिपूरक भई कार्य गर्नु भन्ने हो । सहयोग र सहकार्यको वातावरणलाई सहज पार्न रोकथाम उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रले प्रत्यक्ष रूपमा सम्पर्क स्थापित गर्दै आवश्यक परेको खण्डमा गोप्य रूपले सूचना आदानप्रदान गर्नु पर्दछ<sup>४२</sup> यस्तो प्रकारको सहयोगको महत्वपूर्ण आयामका रूपमा उपसमितिले पक्षराष्ट्रलाई रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र तीनीहरूको प्रभावकारी कार्य सम्पादनका लागि पक्षराष्ट्रलाई प्रत्यक्ष रूपमा सुझाव र सहयोग प्रदान गर्ने र संयन्त्रलाई उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धिका लागि प्रत्यक्ष रूपमा प्रशिक्षण र प्राविधिक सहयोग प्रदान गर्ने कुराहरू रहेका छन्<sup>४३</sup>

### ८. यातना तथा अन्य दुर्ब्धवहारलाई कसरी व्याख्या गरिएको छ ?

आलेखको प्रमुख उद्देश्य यातना तथा अन्य प्रकारको क्रूर अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम गर्नु हो । महासम्भिको धारा १ ले अन्तर्राष्ट्रिय कानुनअन्तर्गत यातनालाई अपराध भनी व्याख्या गरेको छ । तसर्थ :

यातना भन्ने शब्दले कुनै सार्वजनिक पद धारणा गरेको वा सोको क्षमताको हैसियतले काम गर्ने कुनै व्यक्तिबाट वा निजको सहमति वा मौन सहमतिबाट कुनै व्यक्ति वा तेस्रो व्यक्तिबाट जानकारी वा साविती लिने वा तेस्रो व्यक्तिले गरेको भनी शंका गरिएको कार्यको लागि दण्ड दिने वा सो व्यक्ति वा तेस्रो व्यक्तिलाई त्रास देखाउने वा बलजफ्ती गर्ने जस्ता उद्देश्यहरूका लागि वा कुनै किसिमको भेदभावमा आधारित कुनै कारणका लागि सो व्यक्तिलाई जानी जानी दिइएको शारीरिक वा मानसिक कठोर पीडा वा कष्ट दिने कार्यलाई जनाउँछ । यसमा कानुनी स्वीकृतिमा अन्तरनिहित वा प्रसङ्गिक कष्ट वा पीडा मात्र समावेश छैन<sup>४४</sup>

<sup>42</sup> See commentary on Article 11 in Chapter II of this manual.

<sup>43</sup> For further details, see Sections 9.1-11 of this chapter; and also Section 3.3 of Chapter III.

<sup>44</sup> UNCAT, Article 1(1). It is important to note that an act cannot be justified as a lawful sanction merely because it is approved by national law; it must also conform to international standards.

यातनालाई अपराधको रूपमा व्याख्या गर्दा यस धाराले तीनओटा मौलिक तत्वको पहिचान गर्दछ :

- कठोर शरीरिक वा मानसिक पीडा वा कष्ट हुनुपर्ने
- उक्त पीडा वा कष्ट कुनै प्रकारको भेदभावमा आधारित कारण वा अभिप्रायको लागि दिइएको हुनुपर्ने
- सो पीडा वा कष्ट कुनै सार्वजनिक पद धारण गरेको व्यक्ति वा उक्त क्षमताको हैसियतले काम गर्ने कुनै व्यक्तिले वा निजको उक्साहटबाट वा निजको सहमति वा मौन सहमतिबाट दिइएको हुनुपर्ने

१

अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय तहका विभिन्न दस्तावेजहरूमा यातनाको वैकल्पिक परिभाषा गरिएको छ । यद्यपि माथि उल्लिखित यातनाका तीनओटा मौलिक तत्व यातनाका सबै खाले परिभाषाका लागि उपयुक्त छन् । अन्तर्राष्ट्रिय कानूनअन्तर्गतको सर्वमान्य पद्धति भनेको यातनाका कार्यको सूचीमात्र तयार पार्ने परिपाटीको त्याग गर्नु हो । यस्तो परिपाटीले यातनाको मात्रालाई बढाउँदछ किनकि यस्ता सूची आफ्नो दायरामा अति सीमित सिद्ध हुन सक्दछन् जसको फलस्वरूप यसले समाजमित्र हुने मूल्य र मान्यताका साथै प्राविधिक विकासलाई पर्याप्त मात्रामा प्रतिवाद गर्न असफल हुन सक्दछ ।<sup>45</sup>

यातनालाई जस्तै अन्य प्रकारको क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायलाई महासचिले स्पष्टरूपमा व्याख्या गरेको छैन । महासचिले यिनीहरूलाई यस्ता कार्य भनेको छ जुन धारा १ मा उल्लिखित यातनाको परिभाषाभित्र पर्दैन ।<sup>46</sup> विशेष उद्देश्यको लागि नगरिएको भए यस्ता प्रकृतिका कार्य यातनाको परिभाषाबाट भिन्न राखिन सक्दछन् भन्ने अन्तर्राष्ट्रिय विज्ञाहरूका बीच ठोस मत रहेको छ ।<sup>47</sup>

एक अर्थमा हेर्ने हो भने अन्य दुर्व्यवहारको परिभाषा नहुनु आफैमा उपयोगी छ किनकि महासचिले यातनालाई अपराधको रूपमा गरेको परिभाषाअन्तर्गत नपर्ने तर व्यक्तिलाई पीडा भने हुने भएकाले अन्य प्रकारको दुर्व्यवहारलाई पनि पूर्ण रूपमा प्रतिबन्धित गरिएको

<sup>45</sup> For further information on the definition of torture, see APT, *The Definition of Torture: Proceedings of an Expert Seminar*, APT, Geneva, 2003; and Nigel Rodley, *The Treatment of Prisoners under International Law*, Oxford University Press, Oxford, 1999, pp.75-107. See also APT, *Jurisprudence Guide*, pp.7-13.

<sup>46</sup> UNCAT, Article 16.

<sup>47</sup> APT, *The Definition of Torture: Proceedings of an Expert Seminar*, p.18 and pp.58-59.

छ । यसले व्यक्तिहरूको आत्मसम्मानमाथि हुने विभिन्न प्रकारको आक्रमणबाट सम्भव भएसम्मको सुरक्षा प्रदान गर्दछ । यत्तिका वर्षमा धेरै प्रकारका व्यवहार वा सजायलाई क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक भनी पहिचान गरिएको छ । यस्ता प्रकारका व्यवहार वा सजायलाई विशेष गरेर क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक भनी पहिचान गर्न अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय मानवअधिकार निकाय र विशेषज्ञहरूको विधिशास्त्र सहयोगी सिद्ध भएको छ । उदाहरणका लागि हिरासतको खराब स्थिति (जस्तै, अत्यधिक भिड), पर्याप्त सरसफाई व्यवस्थाको कमी, प्रकाशको कमी, व्यायाम गर्ने ठाँउको कमी, नियन्त्रण गर्न विशेष प्रकारको यन्त्रको प्रयोग, धार्मिक आस्थामा आँच पुन्याउने प्रतीक वा प्रकाशनको र दड्ङा नियन्त्रणको दौरान अत्यधिक बल प्रयोगजस्ता घटनालाई मानवअधिकार निकायले विशेष परिस्थितिमा क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय भनी स्वीकार गरेका छन् ।<sup>48</sup>

यद्यपि यो कुरा विचारणीय छ कि रोकथामको संरचनाभित्र काम गर्दा यातना र अन्य प्रकारको दुर्व्यवहारका कार्यमा भिन्नता राख्नु आवश्यक छैन किनकि दुवैलाई अन्तर्राष्ट्रिय कानुनअन्तर्गत पूर्ण रूपमा निषेध गरिएको छ । यसका अतिरिक्त कुनै पनि कार्यलाई यातना वा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय भनेर वर्गीकरण गर्दा सम्बन्धित अधिकारी र/वा हिरासतभित्रका कर्मचारीका बीच रचनात्मक वार्तामा अवरोध उत्पन्न हुनसक्छ । यसले छलफललाई समस्या समाधान गर्नभन्दा पनि परिभाषामा मात्र सीमित गर्दछ ।

रोकथाम उपसमितिले आफ्नो रोकथामको अधिकारलाई त्यस्ता कठोर परिभाषामा सीमित नगर्ने निश्चित गरिसकेको छ । उपसमितिका अनुसार रोकथामको कार्यको क्षेत्र बृहत् छ जसले स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्तिमाथि हुने कुनै पनि प्रकारको दुर्व्यवहारलाई समेटेको छ । उपसमितिका अनुसार यस्ता दुर्व्यवहारको अनुगमन नगरिएमा यसले यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायलाई वढावा दिनसकदछ ।<sup>49</sup> रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा पनि यो फराकिलो पद्धति भल्क्यियोस् भन्ने कुरा उपसमितिले सिफारिस गर्दछ ।

<sup>48</sup> For further information on the definition of torture and other forms of ill-treatment, see APT, *Jurisprudence Guide*, pp.7-13; and Nowak and McArthur, *The UNCAT*, pp.28-29.

<sup>49</sup> SPT, First annual report, §12.

## ९. आलेखका निकायहरूको अनुगमन अधिकारहरू के हुन् ?

### ९.१ आलेखअन्तर्गत कस्ता किसिमका हिरासत अनुगमन गर्न सकिन्छ ?

महासचिले “थुनास्थल” को परिभाषा अति विस्तृत रूपमा गरेको छ ।<sup>५०</sup> जस्तोसुकै परिस्थितिमा पनि स्वतन्त्रताबाट वजिचत व्यक्ति वा थुनुवाको सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्नेका लागि थुनास्थलको परिभाषा यस्तो फराकिलो रूपमा गरिएको हो । यसको मतलब उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रको अनुगमन केवल कारागार र प्रहरी चौकीमा सीमित नभई पूर्पक्षपूर्वको थुनागृह, बालकेन्द्र, प्रशासकीय थुनागृह, सुरक्षाफौजको चौकी, प्रवासी तथा शरणार्थीका थुनागृह, विमानस्थलमा भएको पारवहन क्षेत्र, सीमा क्षेत्रको चौकी, मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र, र सामाजिक स्थानहरू जस्ता स्थानसम्म फैलिएको छ । उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रको क्षेत्राधिकार मानिसलाई धेरै किसिमको दुर्व्यवहार गरिने अनधिकृत र गोप्य थुनागृहको अनुगमन गर्नेसम्म पनि फैलिएको छ । व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वजिचत गराई सार्वजनिक वा निजी नियन्त्रणमा राखिएको वा राखिएको हुनसक्ने सबै खाले स्थान आलेख निकायको अनुगमनभित्र पर्दछन् ।<sup>५१</sup>

### ९.२ अनुगमनका अधिकार

कुनै पक्षराष्ट्रले आलेखलाई अनुमोदन गरेपछि उसले दुवै प्रकारको निकायलाई पूर्व सहमति विना नै आफ्नो क्षेत्राधिकार र नियन्त्रणभित्रको हिरासतमा प्रवेश गर्नसक्ने सहमति दिएको हुन्छ ।<sup>५२</sup> उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रको आ-आफ्नो कार्यादेशले उनीहरूको भ्रमण विशेषज्ञहरूलाई स्वतन्त्रताबाट वजिचत गरिएका व्यक्ति, हिरासत भित्रका कर्मचारी, स्वास्थकर्मी, कानुन व्यवसायी, थुनुवाहरूको आफन्त र पूर्व थुनुवा सहित उनीहरूले नै छनोट गरेको व्यक्तिहरूको गोप्य र विना कुनै साक्षीको उपस्थितिमा अन्तर्वार्ता लिन सक्षम बनाउँदछ ।<sup>५३</sup>

<sup>५०</sup> For a more detailed analysis of these issues, see discussion of Article 4 in Chapter II of this manual.

<sup>५१</sup> For further information, see analysis of Article 4(2) in Chapter II of this manual.

<sup>५२</sup> See commentary on Articles 1 and 4 in Chapter II of this manual.

<sup>५३</sup> See commentary on Articles 14 and 20 in Chapter II of this manual.

अनुगमन विज्ञलाई सबै थुनुवाको रेकर्ड र अन्य सम्बन्धित कागजपत्रसम्म बेरोकटोक पँहुच दिइनु पर्दछ ।<sup>५४</sup> अनुगमन टोलीलाई हिरासतको सबै क्षेत्रको निरीक्षण गर्ने अनुमति दिइनु पर्दछ ।<sup>५५</sup>

आलेखअन्तर्गत उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रलाई उस्तै प्रकारको अनुगमनको अधिकार र दायित्व दिइएको भएता पनि उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रको अधिकारमा तिनीहरूको कार्यको अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय दायराअनुसार महत्वपूर्ण भिन्नता रहेको छ ।

### १.३ अनुगमनको नियमितता र अनुगमनको कार्यक्रम

एक अन्तर्राष्ट्रिय निकायको रूपमा उपसमितिलाई आलेखअन्तर्गतका सबै पक्षराष्ट्रमा हिरासत अनुगमन गर्न, रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र कार्य सम्पादनमा सुफाव दिन तथा रोकथामका अभ्यासलाई सुरक्षा नै समीक्षा गर्न देशभ्रमण मिसन सञ्चालन गर्ने अधिकार रहेको छ ।<sup>५६</sup> उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रजतिकै पक्षराष्ट्रभित्र रहेको हिरासतको नियमित अनुगमन गर्नसक्दैन । उदाहरणका लागि सञ्चालनमा आएको केही वर्षपछि आलेखमा आबद्ध रहेका पक्षराष्ट्रको संख्या ५० पुगेपश्चात् उपसमितिले प्रत्येक १२ महिनाको अवधिमा दसओटा देशभ्रमण मिसन सञ्चालन गर्ने योजना बनाएको थियो । संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासभाले उपयुक्त बजेट छुट्ट्याएको खण्डमा प्रत्येक ४ वा ५ वर्षमा प्रत्येक पक्षराष्ट्रको अनुगमन गर्न सक्षम हुने कुरा उपसमितिले बताएको थियो ।<sup>५७</sup> राष्ट्रिय स्तरका कार्यमा केन्द्रित रहने हुनाले रोकथाम संयन्त्रले आफ्नो क्षेत्राधिकारका पक्षराष्ट्रको हिरासतमा तुलनात्मक रूपमा अभ बढी अनुगमन गर्ने आशा राखिएको छ ।

तसर्थ रोकथाम संयन्त्रभन्दा भिन्न उपसमितिलाई धारा १३ द्वारा कुन पक्षराष्ट्रलाई देशभ्रमण मिसनको केन्द्र बनाउने भन्ने कुराको निर्णय गर्न अनुगमनको कार्यक्रम तयार गर्ने कार्यादेश रहेको छ । कुनै पनि किसिमिको पक्षपातको अभियोगबाट बच्नका लागि उपसमितिले आलेखको धारा १३(१) अनुसार गोलाप्रथामार्फत देशभ्रमण मिसन सञ्चालन

<sup>५४</sup> See commentary on Articles 14 and 20 in Chapter II of this manual.

<sup>५५</sup> See commentary on Articles 14 and 20 in Chapter II of this manual.

<sup>५६</sup> See commentary on Article 11 in Chapter II of this manual.

<sup>५७</sup> SPT, Third annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, April 2009 to March 2010, UN Doc. CAT/C/44/2, 25 March 2010, §21.

गर्ने पहिला पक्षराष्ट्रहरूको छनोट गर्नुपर्ने अभिभारा थियो<sup>५८</sup> त्यति बेलादेखि नै आलेख आफ्नो नियम र कार्यविधिमा देशभ्रमण मिसन निम्नलिखित कुरालाई ध्यानमा राख्दै विवेकको आधारमा निर्णय गर्ने कुरामा सहमत भएको छ : अनुमोदन मिति, पक्षराष्ट्रको रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको स्थापना, पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार र नियन्त्रणभित्रका हिरासतको भौगोलिक वितरण, पक्षराष्ट्रको आकार र जटिलता, क्षेत्रीय रोकथाम अनुगमन र सम्बन्धित मानवअधिकार निकाय वा संस्थामा कुनै अत्यावश्यक मुद्दा रिपोर्ट गरिएको वा नगरिएको भन्ने कुराको जानकारी<sup>५९</sup> उपसमितिले आफ्नो देशभ्रमण मिसनको कार्यक्रम तयार पारेपछि यसलाई सार्वजनिक गरिन्छ र सबै सम्बन्धित पक्षराष्ट्रमा जानकारी पठाइन्छ जसअनुरूप उनीहरूले उक्त मिसनका लागि आवश्यक व्यवहारिक तयारी गर्न सक्दछन्<sup>६०</sup>

## १.४ अनुगमनपश्चात् के हुन्छ ?

उपसमिति वा रोकथाम संयन्त्रले सञ्चालन गरेको अनुगमनको अन्त्यमा सम्बन्धित निकायले आफूले पत्ता लगाएका कुराहरूको एक प्रतिवेदन प्रेषित गर्दछ<sup>६१</sup> यो प्रतिवेदनमा सम्बन्धित निकायले गर्नुपर्ने सुधारको पनि सिफारिस गरिन्छ। सम्बन्धित पक्षराष्ट्रका अधिकारीबीच रचनात्मक संवादको वातावरणलाई सहज बनाउन र पक्षराष्ट्रभित्र स्वतन्त्रताबाट वज्रित गरिएका प्रणालीमा भएका सुधारको उचित मूल्यांकन गर्नका लागि पनि यो भ्रमण प्रतिवेदन अति उपयोगी साधन सिद्ध हुन सक्दछ। यस प्रतिवेदनको उद्देश्य आलेखका निकायको सिफारिसको कार्यान्वयनमा काम गर्न न्याय मन्त्रालय, आन्तरिक सुरक्षा र सुधारगृहका अधिकारीजस्ता सम्बन्धित अधिकारीसँग दीर्घकालीन रूपमा सहयोगात्मक सम्बन्ध स्थापना गर्नु हो। आलेखले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्न पक्षराष्ट्रमा व्यवहारिक र यथार्थपरक उपायको विकास गर्न सहयोग गर्ने हुँदा एक रोकथामको साधनको रूपमा आलेखको प्रभावकारिता निरन्तर चलिरहने रचनात्मक सहयोगमा आधारित हुन्छ। तसर्थ यस दस्तावेजले प्रस्तावित सिफारिस र सम्भावित

<sup>५८</sup> The first countries visited by the SPT were Mauritius, the Maldives, Benin, and Sweden. For further details, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>.

<sup>५९</sup> SPT, Third annual report, §20.

<sup>६०</sup> SPT, First annual report, §14. See also OPCAT, Article 1; and Section 4.4 of Chapter III of this manual.

<sup>६१</sup> See discussion of Article 16 in Chapter II of this manual.

कार्यान्वयनका उपायमा पक्षराष्ट्रलाई उनीहरूको रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिसँग वार्ता गर्न निर्दिष्ट अभिभारा सुन्धेको हुन्छ ।<sup>62</sup>

पारस्परिक सम्मान र सहयोगको वातावरण विकास गर्न उपसमितिको देशभ्रमण मिसनको प्रतिवेदन गोप्य रूपमा सम्बन्धित अधिकारीसमक्ष पेश गरिन्छ । यस्तो गोपनीयताले अन्तर्राष्ट्रिय रूपमा हुने सार्वजनिक भर्त्सनामा पक्षराष्ट्रको ध्यानार्कषण गर्दै समस्या सुधार गर्न र परिवर्तनलाई कार्यान्वयन गर्न पक्षराष्ट्रलाई अवसर प्रदान गर्दछ । यसको फलस्वरूप धेरै पक्षराष्ट्र उपसमिति र उनीहरूको सम्बन्धित रोकथाम संयन्त्रसँग वार्ता गर्न अफ बढी इच्छुक हुन्छन् । यद्यपि पक्षराष्ट्रले आफ्नो उपसमितिको अनुगमन प्रतिवेदनको प्रकाशनको आधिकारिकता प्रमाणित गर्न वा नगर्ने भन्ने कुराको छनोट गर्न सक्दछ ।<sup>63</sup> उदाहरणको लागि उपसमितिको देशभ्रमण मिसन प्राप्त गर्न एक पक्षराष्ट्र स्विडेनले उक्त प्रतिवेदनलाई सार्वजनिक गर्न स्वीकृति प्रदान गन्यो ।<sup>64</sup> उपसमितिले कुनै पक्षराष्ट्रले प्रतिवेदनको केही भाग प्रकाशन गर्न स्वीकृति दिएको कुरामा पनि प्रतिवेदन प्रकाशन गर्न सक्दछ । यसका अतिरिक्त कुनै पक्षराष्ट्रले उपसमितिलाई अनुगमनका दौरान वा अनुगमनपश्चात् असहयोग गरेको (अर्थात् उपसमितिले गरेको सिफारिसबमोजिम स्वतन्त्रताबाट विच्छिन्न गरिएका प्रणालीमा कुनै सुधार नगरेको) पाइएमा उपसमितिले यातनाविरुद्धको महासन्धिले सार्वजनिक वक्तव्य जारी गरोस् र/वा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसँगको परामर्शपश्चात् अनुगमन प्रतिवेदन प्रकाशित गरोस् भनी अनुरोध गर्न सक्दछ ।<sup>65</sup>

यसको विपरीत रोकथाम संयन्त्रको प्रतिवेदनले गोपनीयताको सिद्धान्तलाई पालना गर्नुपर्दैन । अतः रोकथाम संयन्त्रहरूले आफ्नो अनुगमन प्रतिवेदन सबै वा केही मात्र प्रकाशित गर्ने कुराको निर्णय आफैले लिन सक्दछन् । प्रतिवेदनको प्रकाशन र गोपनीयताको सम्बन्धमा रोकथाम संयन्त्रको यो रणनीति उसको काम गर्ने शैलीको एक महत्वपूर्ण पक्ष हो । यद्यपि पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो सम्बन्धित रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन र सम्प्रेषण गर्ने दायित्व भने रहेको छ ।<sup>66</sup> रोकथाम संयन्त्रसँग आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदन

<sup>62</sup> See commentary on Articles 12 and 22 in Chapter II of this manual.

<sup>63</sup> See discussion of Article 16 in Chapter II of this manual.

<sup>64</sup> SPT, Report on the visit of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment to Sweden, UN Doc. CAT/OP/SWE/1, 10 September 2008.

<sup>65</sup> OPCAT, Article 16(4).

<sup>66</sup> See commentary on Article 23 in Chapter II of this manual.

आफैले प्रकाशन गर्नसक्ने स्वतन्त्रता रहेको हुँदा यो व्यवस्थाले संयन्त्रको स्वतन्त्रतामाथि कुनै प्रकारको खलल पुऱ्याउँदैन । अपितु यो दायित्वले त केवल सबै संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित र सम्प्रेषित हुनेछ भन्ने कुराको सुनिश्चित गर्दछ । यसले रोकथाम संयन्त्रलाई पारदर्शी रूपमा काम गर्ने अभ्यासको लागि सक्षम बनाउँदछ । वार्षिक प्रतिवेदनको सम्प्रेषणले दीर्घकालीन रूपमा रोकथाम संयन्त्रको कार्यको राष्ट्रिय प्रभावलाई सुधार्ने आशा पनि राखिएको छ ।

## १०. यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको मूल कारणलाई सम्बोधन गर्ने

आलेखको पक्षराष्ट्र भइसकेपछि हिरासत अनुगमनको स्वीकृति दिनुको अलावा कुनै पनि पक्षराष्ट्रले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्नका लागि उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रबाट आएका सिफारिस वा राय सल्लाह ग्रहण गर्ने र त्यसउपर विचार गर्ने प्रतिबद्ध हुन्छ । यो व्यवस्थामा कानुनी, न्यायिक, प्रशासनिक र अन्य उपाय समाविष्ट भएका सुझाव रहने हुनाले यसलाई अति नै विस्तृत तरिकाले बुझिनु पर्दछ । यी सुझाव दफा ५.२ मा उल्लेख भएबमोजिम एक संगठित रोकथाम प्रणालीको स्थापनार्थ आवश्यक पर्दछन् ।

उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रलाई सामान्यतया रोकथामका उपायमा सुझाव प्रस्तुत गर्ने कार्यादेश रहेता पनि उपसमितिसँग एक विशेष कार्य गर्ने अिज्ञितार पनि रहेको छ । यसलाई रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित कुरामा पनि सुझाव दिने कार्यादेश रहेको छ ।<sup>67</sup> उपसमितिको कार्यादेशको यो अतिरिक्त पक्षले आलेखद्वारा स्थापित पक्षराष्ट्र, उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रबीचको त्रिकोणात्मक सम्बन्धलाई अभ मजबुत बनाउँछ । उपसमितिको भूमिकाको यो पक्ष यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकन राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय प्रयासको परिपूरक प्रणालीको स्थापना गर्ने आलेखको उद्देश्य पूर्तिका लागि अति महत्वपूर्ण रहेको छ ।

<sup>67</sup> For further information, see Sections 6.1 and 6.2 of this chapter. See also discussion of Article 11 in Chapter II of this manual.



## अध्याय दुई

### यातनाविरुद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

#### विषयसूची

१. परिचय
२. आलेखको प्रस्तावना
३. आलेख भाग १ : सामान्य सिद्धान्त
४. आलेख भाग २ : रोकथाम उपसमिति
५. आलेख भाग ३ : रोकथाम उपसमितिको कार्यादेश
६. आलेख भाग ४ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र
७. आलेख भाग ५ : घोषणा
८. आलेख ६ : आर्थिक व्यवस्था
९. आलेख ७ : अन्तिम प्रावधान

## १. परिचय

यो अध्यायमा यातनाविरुद्धको महासमिको ऐच्छिक आलेख<sup>१</sup>का प्रत्येक धाराको उल्लेख गर्दै तीमाथि विस्तृत टिप्पणी गरिएको छ । यो अध्यायलाई महासमिको व्याख्या गर्ने रूपमा वा महासमिकसम्बन्धी अन्य अध्ययनको पूरकका रूपमा लिन सकिन्छ । यो निर्देशिकाका अन्य अध्यायले उदाहरणका लागि रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बारेमा चर्चा गरे पनि यो अध्याय भने आलेखका व्यवहारिक उपयोगभन्दा पनि त्यसको व्यवस्थामाथि केन्द्रित रहन्छ ।

२

## २. आलेखको प्रस्तावना

### प्रस्तावना

#### यस आलेखका पक्षराष्ट्रहरू

यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय निषेधित छन् तथा यस्ता व्यवहारले मानवअधिकारको गम्भीर उल्लंघन गर्दै भन्ने पुनःनिश्चय गर्दै,

यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको महासम्मि (यसपछि महासम्मि भनिएको) ले निर्दिष्ट गरेका उद्देश्य हासिल गर्ने तथा स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहारबाट सुरक्षित राख्न अर्थै अन्य उपाय आवश्यक छन् भन्ने कुरामा विश्वस्त हुँदै,

महासमिको धारा २ तथा १६ ले प्रत्येक पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो क्षेत्राधिकारमा रहेको भू-भागमा यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथाम गर्न प्रभावकारी उपाय अवलम्बन गर्न बाध्य तुल्याएको छ भन्ने स्मरण गर्दै,

ती धारा कार्यान्वयन गर्ने प्रमुख जिम्मेवारी पक्षराष्ट्रमा नै रहेको साथै स्वतन्त्रताबाट वञ्चित भएका व्यक्तिको सुरक्षा सुदृढ पार्न एवं तिनीहरूको मानवअधिकारको पूर्ण आदर गर्नु सबैको साभा दायित्व भएको तथा अन्तर्राष्ट्रिय कार्यान्वयन निकायका कार्य राष्ट्रिय उपायका परिपूरक हुन्नन्, साथै तिनलाई सशक्त बनाउँछन् भन्ने निश्चित गर्दै,

<sup>१</sup> Optional Protocol to the Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, UN Doc. A/RES/57/199, 18 December 2002. The OPCAT entered into force on 22 June 2006.

## यातनाविस्त्रिको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको प्रभावकारी रोकथामको लागि शिक्षालगायत विधायिकी, प्रशासनिक, न्यायिक तथा अन्य उपायको समग्र जस्ततलाई स्मरण गर्दै,

मानवअधिकार विश्व सम्मेलनले यातना उन्मूलन गर्न सबैभन्दा पहिले यसको रोकथाममा ध्यान केन्द्रित गर्नुपर्छ भनी दृढतापूर्वक घोषणा गरेको तथा हिरासत/कारागारमा नियमित भ्रमण गर्न यातना रोकथाम प्रणालीको उद्देश्य बोकेको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखलाई अनुमोदन गर्न आवान गरेको समर्हँदै,

थुनुवा/कैदी राखिएका स्थानको नियमित भ्रमण गर्ने निरोधात्मक प्रकृतिको गैरन्यायिक संयन्त्रमार्फत् पनि स्वतन्त्रताबाट विच्छिन्न गरिएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविस्त्रिका सुरक्षा सुदृढ बनाउन सकिन्छ भन्नेमा विश्वस्त हुँदै,

देहायनुसार सहमत भएका छन् :

प्रस्तावनाले आलेखमा अन्तर्निहित आधारभूत सिद्धान्तलाई उल्लेख गर्छ र यसको अद्वितीय रोकथाममूलक अवधारणा पछाडिको मूल कारणलाई वर्णन गर्छ । अधिकार उल्लंघन हुनुअगावै हस्तक्षेप गर्ने कार्य मानवअधिकार रक्षाको क्षेत्रमा तुलनात्मक रूपमा नवीन अवधारणा हो । सामान्यतया उल्लंघन भइसकेपछि हस्तक्षेप हुने गर्दछन् । त्यसैले उल्लंघन रोक्नका लागि यातना तथा दुर्व्यवहारको मूल कारणलाई सम्बोधन गर्ने तथा साहर्यको सम्बन्धलाई प्रोत्साहन गर्न नयाँ तरिकालाई आलेखले प्रतिनिधित्व गर्दछ ।

यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय<sup>2</sup> (छोटकरीमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार)लाई अन्तर्राष्ट्रिय कानुनमा निषेध गरिएको छ र यस्ता प्रकारका दुर्व्यवहारलाई रोकथाम गर्नु राज्यको प्रमुख दायित्व हुन्छ भन्ने तथ्यलाई यो प्रस्तावनाले महत्व दिन्छ । यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाम गर्ने राज्यको दायित्वको प्रकृति मानवअधिकार सन्धिमा निहित व्यवस्था तथा प्रथाजनित अन्तर्राष्ट्रिय कानुन<sup>3</sup> बाट निर्देशित हुन्छ । त्यसैले सन्धिको पक्ष भए पनि नभए पनि प्रत्येक राज्यले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाम गर्नका लागि कदम चाल्नुपर्छ ।

<sup>2</sup> For the sake of brevity, this chapter uses the term ‘other ill-treatment’ to refer to ‘other cruel, inhuman or degrading treatment or punishment’.

<sup>3</sup> International Criminal Tribunal for the Former Yugoslavia, *Prosecutor v. Furundzija*, 10 December 1998, Case No IT-95-17/I-T, §148.

प्रस्तावनाले आलेखलाई यसको मूल सन्धि, संयुक्त राष्ट्रसंघीय यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको महासन्धि (यातनाविरुद्धको महासन्धि),<sup>4</sup> सँग सन्दर्भित गर्दछ । यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारलाई रोकथाम गर्न यातनाविरुद्धको महासन्धिमा धारा २ र १६ अन्तर्गत सामान्य दायित्वहरू समेटिएका छन् । राष्ट्रिय तहमा<sup>5</sup> यातनाको रोकथाममूलक ढाँचा बनाउँदा पक्षराष्ट्रले समेट्नुपर्ने (यातनाको अपराधीकरण, सोधपुछ प्रक्रियाका सुनियोजित समीक्षा र उजुरीको अनुसन्धानजस्ता) अन्य विशिष्ट उपायलाई समेत यो महासन्धिले समाहित गरेको छ । आलेखले यी रोकथाममूलक व्यवस्थालाई पूर्णता दिने लक्ष्य राख्दछ । यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा २(१) ले राज्यले यातनाका कार्य रोकथाम गर्नका लागि गर्नुपर्ने प्रयासका बारेमा चित्रित गर्दछ : प्रत्येक पक्षराष्ट्रले आफ्नो क्षेत्राधिकारअन्तर्गतको कुनै इलाकामा यातनाका कार्यहरूको रोकथाम गर्नको लागि प्रभावकारी व्यवस्थापकीय, न्यायिक वा अन्य उपाय अपनाउनेछ ।

यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा १६(१) ले यातनाको मात्र नभई धारा १ मा परिभाषा गरिएनुसार यातनाको तहमा नपुग्ने क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायका कार्यलाई समेत रोकथाम गर्नुपर्ने तथ्यलाई सुदृढ गर्दछ<sup>6</sup> :

प्रत्येक पक्षराष्ट्रले धारा १ मा परिभाषित यातनाको कार्यभित्र नपर्ने क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायका अन्य कार्य, त्यस्ता कार्य कुनै सार्वजनिक अधिकारी वा सार्वजनिक क्षमताको हैसियतमा कार्य गर्ने अन्य व्यक्तिबाट वा निजको प्रोत्साहन वा सहमतिमा वा मञ्जुरीबाट गरिएको भए त्यसलाई आफ्नो क्षेत्राधिकारअन्तर्गतका कुनै पनि क्षेत्रमा रोक लगाउने कुराको प्रतिज्ञा गर्नेछन् । खासगरी धारा १०, ११, १२

<sup>4</sup> Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, UN Doc. A/RES/39/46, 10 December 1984. The UNCAT entered into force on 26 June 1987.

<sup>5</sup> For further information see APT, *Torture in International law, A Guide to Jurisprudence*, APT, Geneva, 2008, pp.13-29.

<sup>6</sup> For further information on the definition of torture, see APT, *Definition of Torture: Proceedings of an expert seminar*, APT, Geneva, 2003; and APT, *Jurisprudence Guide*, pp.7-13, pp.56-63, pp.94-101 and pp.126-129.

## यातनाविरुद्धको महासम्बिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

र १३ मा उल्लिखित दायित्व क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायका अन्य स्वरूपको सम्बन्धमा फेरबदलसहित लागू हुनेछन् ।<sup>7</sup>

यातनाविरुद्धको महासम्बिलाई पक्षराष्ट्रले पालन गरे नगरेको अनुगमन गर्ने राष्ट्रसंघीय यातनाविरुद्धको समितिले धारा २ तथा १६ लाई व्याख्या गर्दै यातना रोकथाम गर्ने दायित्व तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहार रोकथाम गर्ने दायित्वलाई समान महत्व दिएको छ । यातनाविरुद्धको महासम्बिको सामान्य टिप्पणी नं. २ का अनुसार :

धारा २ मा उल्लिखित रोकथामको दायित्व व्यापक खालको छ । धारा १६ अन्तर्गत यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय (यसपछि दुर्व्यवहार भनी उल्लेख गरिने)लाई रोकथाम गर्ने राज्यको दायित्व अविभाज्य, अन्योन्यान्त्रित तथा अन्तःसम्बन्धित छ । दुर्व्यवहार रोकथाम गर्ने दायित्व यातना रोकथाम गर्ने दायित्वसँग अनुकूल छ । धारा १६ ले दुर्व्यवहार रोकथामका उपाय पत्ता लगाउँदै विशेषगरी धारा १० देखि धारा १२ सम्म उल्लेख गरिएका उपायमा जोड दिन्छ तर समितिले उदाहरणार्थ धारा १४ मा व्याख्या गरेजस्तो प्रभावकारी रोकथामको व्यवस्थालाई यी धारामा मात्र सीमित गर्दैन । दुर्व्यवहार र यातनाबीचको पारिभाषिक सीमा

२

यातनाविरुद्धको महासम्बिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

<sup>7</sup> The references to Articles 10, 11, 12 and 13 of the UNCAT relate to the following obligations:

Article 10: “1. Each State Party shall ensure that education and information regarding the prohibition against torture are fully included in the training of law enforcement personnel, civil or military, medical personnel, public officials and other persons who may be involved in the custody, interrogation or treatment of any individual subjected to any form of arrest, detention or imprisonment. 2. Each State Party shall include this prohibition in the rules or instructions issued in regard to the duties and functions of any such person.” Article 11: “Each State Party shall keep under systematic review interrogation rules, instructions, methods and practices as well as arrangements for the custody and treatment of persons subjected to any form of arrest, detention or imprisonment in any territory under its jurisdiction, with a view to preventing any cases of torture.” Article 12: “Each State Party shall ensure that its competent authorities proceed to a prompt and impartial investigation, wherever there is reasonable ground to believe that an act of torture has been committed in any territory under its jurisdiction.” Article 13: “Each State Party shall ensure that any individual who alleges he has been subjected to torture in any territory under its jurisdiction has the right to complain to, and to have his case promptly and impartially examined by, its competent authorities. Steps shall be taken to ensure that the complainant and witnesses are protected against all ill-treatment or intimidation as a consequence of his complaint or any evidence given.”

व्यवहारमा प्रायः प्रस्ट हुँदैन । दुर्व्यवहारलाई जन्म दिने स्थितिले नै अधिकांशतया यातनालाई प्रोत्साहन गर्न तथ्य अनुभवले देखाउँछ । त्यसैले यातना रोकथाम गर्न उपायलाई दुर्व्यवहार रोक्नसमेत उपयोग गर्नुपर्छ । यसैले गर्दा महासन्धिअन्तर्गत दुर्व्यवहारको निषेध यातनाकोजरतै अहरणीय हुने तथा यसको रोकथाम प्रभावकारी अनि अहरणीय हुनुपर्ने कुरालाई समितिले विचार गरेको छ ।<sup>8</sup>

राष्ट्रिय तहमा यातना तथा अन्य किसिमका दुर्व्यवहार रोकथाम गर्न उपाय अवलम्बन गर्नु पक्षराष्ट्रको दायित्व हुने कुरालाई यातनाविरुद्धको महासन्धिले प्रस्ट गरेको छ । तथापि, धारा २ अन्तर्गत रही पक्षराष्ट्रले यातना तथा दुर्व्यवहार रोकथाम गर्न लागू गर्नुपर्ने विधायिकी, प्रशासनिक, न्यायिक तथा अन्य उपायको प्रकृतिका बारेमा यातनाविरुद्धको महासन्धि मौन छ ।

२

यातनाविरुद्धको महासन्धिअन्तर्गत पक्षराष्ट्रले यातना रोकथाम गर्न दायित्वलाई पूरा गर्नलाई सहयोग गर्न आलेखको निर्माण गरिएको हो । सबै थुनाकेन्द्रको नियमित भ्रमण गरी थुनुवाको सुरक्षा सुदृढ गर्ने प्रभावकारी गैरन्यायिक तरिकालाई विस्तृत व्याख्या गरी आलेखले यातनाविरुद्धको महासन्धिको पूरकका रूपमा काम गर्छ । थुनाकेन्द्र भ्रमण गर्न दायित्व यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा २ बाट उत्प्रेरित छ भन्न सकिन्छ<sup>9</sup> आलेखले भ्रमणलाई जोड दिनु पछाडिको उद्देश्य भनेको यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार प्रायः थुनाकेन्द्रमा हुने गर्नन् किनकि ती सार्वजनिक नजरमा पर्दैनन् । त्यसैले यातना रोकथामको सर्वोत्तम उपायअन्तर्गत थुनाकेन्द्रमा स्वतन्त्र अनुगमनको वातावरण बनाउनु पनि एक हो ।<sup>10</sup>

प्रस्तावनाले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय प्रयत्नको पूरकतालाई पनि उजागर गर्दछ । यसले आलेखको अभिनव दृष्टिकोणलाई आधार दिन्छ जसअन्तर्गत यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय निकायसमिलित प्रणाली स्थापना गर्ने काम पर्दछ ।

<sup>8</sup> CAT, General Comment No 2, Implementation of Article 2 by States Parties, UN Doc. CAT/C/GC/2, 24 January 2008, §3.

<sup>9</sup> Manfred Nowak and Elizabeth McArthur, *The United Nations Convention against Torture: A Commentary*, Oxford Commentaries on International Law, Oxford University Press, Oxford, p.890; and CAT, General Comment No 2, §13.

<sup>10</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.890.

यातनाविरस्त्रको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

### ३ आलेख भाग १ : सामान्य सिद्धान्त

आलेखको वैचारिक ढाँचा बनाउने सामान्य सिद्धान्तको निर्माण गर्ने चारओटा धारा भाग १ मा समाविष्ट छन् । आलेखको प्रमुख उद्देश्य तथा अन्तर्राष्ट्रिय र राष्ट्रिय संयन्त्रमाफत् तिनलाई यसले व्याख्या गर्दछ ।

#### धारा १

यस आलेखको उद्देश्य स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्ति राखिएका स्थानमा यातनाविरस्त्रको महासन्धि तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथाम गर्न स्वतन्त्र अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय निकायको जिम्मेवारीमा हुने नियमित भ्रमणको प्रणाली स्थापना गर्नु रहेको छ ।

धारा १ ले आलेखको दुईओटा स्पष्ट र नवीन विशेषतालाई उल्लेख गरेको छ : यसको रोकथाममूलक उद्देश्य तथा रोकथाम गर्ने तरिका । आलेखको रोकथाममूलक दृष्टिकोणले अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय निकायसम्प्रिलित प्रणाली स्थापना गर्ने काम गर्दछ । संसारभरका थुनाकेन्द्रभित्र हुनसक्ने यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको रोकथाम गर्नका लागि यत्तिको विस्तृत, व्यवहारिक र अन्तर्राष्ट्रिय अनि राष्ट्रिय प्रयत्नको पूरकता बोकेको कुनै अन्य अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि छैन । आलेखले नयाँ कानुनी मान्यता स्थापित गर्दैन बरु यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्न विद्यमान अन्तर्राष्ट्रिय मान्यताको कार्यान्वयनमा आधारित प्रणाली स्थापना गर्नमा जोड दिन्छ । धारा १ ले अनेकौं अवधारणाको उल्लेख गर्दछ जसलाई देहायबमोजिम विस्तारमा हेरिएको छ । आलेखमा अन्त कर्तै यिनको प्रत्यक्ष व्याख्या गरिएको छैन ।

- रोकथाममूलक भ्रमण
- जुन नियमित रूपले गरिन्छन्
- जुन निरीक्षण भ्रमणको समग्र प्रणालीको अंग बन्दछन् ।

#### धारा १ : रोकथाममूलक भ्रमण

यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायलाई रोकथाम गर्ने उद्देश्यले थुनाकेन्द्र भ्रमणको प्रणाली आलेखले स्थापना गरेको हो । थुनाकेन्द्रको भ्रमण दुई तरिकाले रोकथाममूलक हुन्छन् :

- तिनको निरोधात्मक असर हुन्छ र
- तिनले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारका खतरालाई घटाउन योगदान दिन्छन् ।

स्वतन्त्र बाह्य विज्ञाले थुनास्थलमा प्रवेश पाउनुले नै महत्वपूर्ण निरोधात्मक असर पार्दछ । सबै पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा रहेका कुनै पनि थुनास्थलमा अघोषित भ्रमण गर्नका लागि आलेखका निकायलाई आवश्यक पर्ने अधिकार तथा प्रत्याभूति दिनु आलेखका मस्यौदाकारको उद्देश्य थियो ।<sup>11</sup> सार्थक निरोधात्मक असरका लागि आलेख निकायले अघोषित भ्रमण गर्नु परमावश्यक छ । आलेखले अघोषित भ्रमणको प्रस्त उल्लेख नगरे पनि यो शक्तिका बारेमा धारा १२(क), १४(ग) र २०(ग) मा संकेत गरिएको छ ।

२

यातनाविष्फूको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

जोखिमका तत्व पहिचान गर्न, प्रणालीगत त्रुटि तथा असफलताका ढाँचालाई विश्लेषण गर्न र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको मूल कारणलाई सम्बोधन गर्न आलेख निकायलाई रोकथाममूलक भ्रमणले बल प्रदान गर्दछ । यसको दीर्घकालीन उद्देश्य भनेको दुर्व्यवहारको खतरालाई घटाउनु हो र यातना नहुने वातावरणको सृजना गर्नु हो । थुनास्थलको भ्रमण गर्ने अन्य तरिका तथा अन्य निकायले गर्नसक्ने भ्रमणका उद्देश्य तथा पद्धतिभन्दा आलेखअन्तर्गतको भ्रमण पृथक् छ । आलेखअन्तर्गतको रोकथाममूलक भ्रमण स्वतन्त्रताको हरणको प्रणाली तथा यसका संरचनागत पक्षको सक्रिय, भविष्योन्मुखी तथा निरन्तर विश्लेषणको प्रक्रियाको अंगका रूपमा रहन्छन् । रोकथाममूलक भ्रमणले कुनै निश्चित थुनास्थलको अवस्थाको विश्लेषण गर्नेमात्र नभई संस्थागत, कानुनी तथा नीतिगत ढाँचाका जोखिम तत्वलाई सम्पूर्णतया हेर्दछन् ।<sup>12</sup> अभ, रोकथाममूलक भ्रमण संयुक्त प्रयासमा आधारित हुनाले यसको काम कुनै निश्चित थुनास्थलको अवस्थालाई निन्दा गर्न वा व्यक्तिगत उजुरीउपर अनुसन्धान गर्न उद्देश्यभन्दा पनि स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिप्रतिको व्यवहार र उनीहरूको अवस्था सुधार्ने तरिकाका लागि संवाद गर्ने हो ।

देशहरूको भ्रमणका क्रममा त्यहाँको थुनास्थल भ्रमण गर्ने यातनासम्बन्धी राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदकले रोकथाममूलक उपायका रूपमा अघोषित भ्रमणको महत्वलाई विस्तृत व्याख्या गरेका छन् :

<sup>11</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.906 and p.1011.

<sup>12</sup> See Section 3 of Chapter V of this manual for more information.

अघोषित भ्रमणको उद्देश्य भनेको सम्बव भएसम्म थुनास्थलको अवस्थाको निष्पक्ष तस्वीर बनाउनका लागि विशेष प्रतिवेदक सक्षम होऊन् भन्ने हो । उनले भ्रमणको बारेमा पूर्वघोषणा गरी रिट्रो नविराई कुन थुनास्थल जाने र कसलाई भेट्ने भनी जानकारी दिने हो भने विद्यमान परिस्थिति लुकाइने वा परिवर्तन गरिने वा थुनुवालाई सारिने, जोरजुलुम गरिने वा उनीहरूलाई भेट्नबाट वञ्चित गरिने खतरा हुनसक्छ ।<sup>13</sup>

### धारा १ : नियमित भ्रमण

प्रभावकारी रोकथाममूलक प्रणालीका लागि पुनरावृत्ति एक महत्वपूर्ण तत्व हो । निश्चित थुनास्थलको फेरिफेरि भ्रमण गर्नाले :

२

- थुनुवा तथा थुनास्थलका अधिकारीसँग सकारात्मक निरन्तर संवाद स्थापित गर्नका लागि भ्रमणकारी समूहलाई सक्षम बनाउँछ ।
- कालान्तरमा थुनास्थलको स्थिति र थुनुवाप्रतिको व्यवहारमा प्रगति वा अवनति भएको मापन गर्न सजिलो हुन्छ ।
- निरन्तर बाह्य निरीक्षणको सामान्यतया निरोधात्मक असर हुने हुनाले थुनुवाप्रति हुने दुर्व्यवहारबाट यसले बचाउँछ र
- पहिलेका भ्रमणमा भ्रमणकारी निकायलाई सहयोग गर्ने व्यक्तिमाथि थुनुवा तथा थुनास्थलका अधिकारीले प्रतिशोध लिनसक्ने सम्भावनाबाट बचाउँछ ।<sup>14</sup>
- त्यसैले सच्चा अर्थमा रोकथाममूलक हुनका लागि भ्रमणहरूमा सघनता हुनुपर्छ । भ्रमणको सघनतालाई आलेख निकायले निश्चित गर्दछन् ।<sup>15</sup>

<sup>13</sup> UN Special Rapporteur on Torture, *2006 Report to the Commission on Human Rights*, UN Doc. E/CN.4/2006/6, 23 December 2005, §24.

<sup>14</sup> APT, *Guide to the Establishment and Designation of NPMs*, APT, Geneva, 2006, p.16.

<sup>15</sup> Some categories of places of detention may, by their nature, place detainees at an inherently greater risk of torture or other ill-treatment; these include police stations, remand or pre-trial detention centres, and other places with high concentrations of particularly vulnerable categories of detainees. OPCAT bodies may decide to visit these types of institutions more frequently. See also the analysis of Article 4 in this chapter. For further information, see APT, *NPM Guide*, pp.30-35.

## धारा १ : स्वतन्त्र निकायले गर्न भ्रमण प्रणाली

आलेख निकायले गर्न भ्रमणले एउटा प्रणाली बनाउने लक्ष्य राख्छन् भन्ने तथ्यलाई आलेखको धारा १ ले प्रस्तु पार्छ । यी विविध संयन्त्रहरू स्वतन्त्र हुनुपर्छ र यिनले सौहार्दपूर्ण, संगठित तथा संयोजित तरिकाले काम गर्नुपर्छ । स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिको सम्भावित सुरक्षाका लागि आलेख निकायबीच प्रभावकारी सञ्चार, सूचना आदानप्रदान तथा संयोजनको महत्व रहन्छ ।<sup>१६</sup> यसैकारणले गर्दा सहयोगको सिद्धान्त आलेखको मूलभूत विषय हो । त्यसैले आलेखका विविध व्यवस्थाले राज्य, रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको त्रिकोणात्मक सम्बन्धको कल्पना गर्दछन् ।<sup>१७</sup>

## धारा २

१. यातनाविस्तृद्धको समितिको मातहतमा यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम हुनेगरी एक उपसमिति (यसपछि रोकथाम उपसमिति भनिएको) को स्थापना गरिनेछ र त्यस उपसमितिले यसै आलेखमा तोकिएबमोजिमका कार्य गर्नेछ ।
२. रोकथाम उपसमितिले संयुक्त राष्ट्रसंघीय बडापत्रको परिवृत्तभित्र रहेर आफ्ना कार्य गर्नुका साथै त्यहाँ उल्लिखित उद्देश्य एवं सिद्धान्तलगायत स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिलाई गरिने व्यवहारका संयुक्त राष्ट्रसंघीय मान्यताबाट उपसमिति निर्देशित हुनेछ ।
३. गोप्यता, निष्पक्षता, छनोट रहितता, विश्वव्यापकता तथा वस्तुप्रकताका सिद्धान्तबाट पनि रोकथाम उपसमिति निर्देशित हुनेछ ।
४. यो आलेख कार्यान्वयन गर्न रोकथाम उपसमिति र पक्षाराष्ट्रले एकआपसमा सहयोग गर्नेछन् ।

धारा २ ले नयाँ अन्तर्राष्ट्रिय निकाय रोकथाम उपसमितिको सृजनाका लागि मार्ग प्रशस्त गर्छ । आलेखले कल्पना गरेको यातना रोकथाम प्रणालीको अन्तर्राष्ट्रिय अंगअन्तर्गत यो

<sup>१६</sup> APT, NPM Guide, pp.16-17.

<sup>१७</sup> See also OPCAT, Articles 11, 12, 13, 14, 16, 19, 20, 22 and 23.

पर्दछ । यातनाविरुद्धको महासन्धिको ढाँचाभित्र रहेर आलेखलाई लिइएको हो भन्ने तथ्यलाई उजागर गर्ने प्रस्तावनालाई धारा २ ले प्रतिबिम्बित गर्दछ । रोकथाम उपसमिति तथा (यातनाविरुद्धको महासन्धिले स्थापना गरेको अन्तर्राष्ट्रिय निकाय) यातनाविरुद्धको समितिबीचको सम्बन्धलाई पछिका धाराले व्याख्या गर्दछन्<sup>18</sup> आलेखमा यातनाविरुद्धको समितिअन्तर्गतको उपसमितिका रूपमा रोकथाम उपसमितिलाई राखे पनि व्यवहारमा उपसमिति गौण निकाय होइन । यसको कार्य यातनाविरुद्धको समितिबाट स्वतन्त्र तर पूरकको रूपमा रहेको छ<sup>19</sup>

### **धारा २(२) : रोकथाम उपसमितिको कार्यदेशको क्षेत्र**

२

संयुक्त राष्ट्रसंघीय बडापत्रमा निहित उद्देश्य र सिद्धान्तलाई उल्लेख गर्दै धारा २(२) ले रोकथाम उपसमितिको सन्दर्भका लागि सामान्य ढाँचा बनाउँछ । मानवअधिकार तथा आधारभूत स्वतन्त्रताको सम्मानलाई प्रवर्द्धन गर्नका लागि सहकार्यको वाऽछनीयतालाई बडापत्रले प्रतिबिम्बित गर्दछ<sup>20</sup> पक्षराष्ट्र तथा आलेख निकायबीचको सहयोगात्मक प्रकृतिको सम्बन्धको महत्वलाई बडापत्रको सन्दर्भले महत्व दिन्छ ।

पक्षराष्ट्रलाई गरेको सिफारिसलगायतका आफ्ना क्रियाकलापमा सबै सान्दर्भिक अन्तर्राष्ट्रिय मान्यतालाई विचार गर्न तथा तिनको सन्दर्भ लिन धारा २(२) ले रोकथाम समितिलाई सक्षम बनाउँछ । राष्ट्रसंघीय यातनाविरुद्धको महासन्धिका विशिष्ट व्यवस्थाका साथसाथै अन्य मानवअधिकार सन्धि तथा अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार मापदण्डको सन्दर्भ लिन पनि यसले रोकथाम उपसमितिलाई अनुमति दिन्छ । त्यसैले रोकथाम उपसमितिले रोकथामको विस्तृत दृष्टिकोण अपनाउन सक्दछ जसअन्तर्गत यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको रोकथामलाई प्रभावित पार्न न्यायिक तथा कानुनी सुरक्षाउपाय र अन्य कानुनी व्यवस्थालगायतका विस्तृत मुद्दालाई समेट्ने दृष्टिकोण पर्दछ<sup>21</sup>

<sup>18</sup> OPCAT, Articles 10(3), 11(c), 16 and 24.

<sup>19</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.914. See also the discussion of Articles 16 and 24 in this chapter for more information on the relationship between the SPT and the CAT; and Chapter III of this manual, especially Sections 4.7.3 and 5.1.

<sup>20</sup> Charter of the United Nations, Articles 1 and 2.

<sup>21</sup> See the website of the OHCHR for relevant UN standards on detention and on the administration of justice: <http://www2.ohchr.org/english/law/>.

### धारा २(३) : निर्देशक सिद्धान्त

रोकथाम उपसमिति गोपनीयता, निष्पक्षता, छनोट रहितता, वस्तुनिष्ठता र विश्वव्यापकताका सिद्धान्तबाट निर्देशित हुने भनी धारा २(३) ले स्थापित गरेको छ । रोकथाम उपसमितिको कार्यपद्धति तथा नीतिको सामान्य ढाँचा निर्माण गर्न यी सिद्धान्तको तर्जुमा गरिएको हो ।

आफ्नो कार्यादेशा, दलगत राजनीति तथा सम्बन्धित विषयमा रोकथाम उपसमितिका सदस्यले पक्षरहित दृष्टिकोण अपनाउनुपर्ने कुरालाई निष्पक्षताको सिद्धान्तले समावेश गर्दछ । व्यक्तिगत, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, सञ्चारमाध्यमसँग सम्बन्धित वा अन्य स्वार्थबाट उनीहरू निर्देशित वा प्रभावित हुनुहुँदैन ।

वस्तुनिष्ठताको सिद्धान्तको निष्पक्षतासँग नजिकैको सम्बन्ध छ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यले आफ्नो कार्यादेशलाई व्यवसायिक, तथ्यपरक तथा पक्षरहित भएर पूरा गर्नुपर्छ । त्यसैगरी सरकार, नागरिक समाज, सञ्चारमाध्यम वा अन्य समूहले दिने कुनै किसिमको दबाबलाई उनीहरूले प्रतिरोध गर्न सक्नुपर्छ ।<sup>22</sup>

रोकथाम उपसमितिले सबै पक्षराष्ट्रसँग इमान्दार तथा पक्षरहित व्यवहार गर्छ भनी सुनिश्चित गर्नु विश्वव्यापकता तथा छनोट रहितताको सिद्धान्तको लक्ष्य हो ।<sup>23</sup> यही सिद्धान्तलाई धारा १३(१) मा उठाइएको छ जसअनुसार रोकथाम समितिले भ्रमण गर्ने राष्ट्र चिङ्गार्फत् चुनिनुपर्छ ।

### धारा २(४) : सहकार्य

आलेखले धारा २(४) मा सहकार्यको सिद्धान्तलाई विशेष जोड दिएको छ । यद्यपि यो सिद्धान्तलाई रोकथाम उपसमितिका अन्य निर्देशक सिद्धान्तसँगै तालिकाबद्द गरिएको छैन । यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको रोकथामका लागि काम गर्ने व्यक्तिका बीच सहकार्य तथा संवाद समग्रमा आलेखका मूलभूत तत्व हुन् भन्ने तथ्यले यो विभाजनलाई उजागर गर्दछ । पक्षराष्ट्रलाई रोकथाम उपसमिति निन्दा गर्ने भन्दा पनि उनीहरूसँग रचनात्मक सहकार्य गर्न चाहन्छ । सहकार्य पारस्परिक प्रयत्न हो र यो पक्षराष्ट्रलाई मात्र नभई रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई पनि बाध्यकारी रहन्छ ।<sup>24</sup>

<sup>22</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.918.

<sup>23</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.918.

<sup>24</sup> See Article 16(4) (including the discussion on the article in this chapter), which provides sanctions against States Parties that fail to cooperate fully with the SPT.

रोकथाम उपसमितिको कार्यादेशको सबै चरणमा कार्यान्वयन गर्दा सहकार्यलाई निर्देशक सिद्धान्तका रूपमा लिनुपर्छ । रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन तथा पक्षराष्ट्र अनि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँगको सञ्चारमा गोपनीयता कायम राख्ने प्रकृतिबाट यो सहकार्यको सहजीकरण हुन्छ ।

### धारा ३

प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथामको लागि राष्ट्रिय स्तरमा एक वा धेरै भ्रमणकारी निकाय (यसपछि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भनिएको) को स्थापना, नियुक्ति वा व्यवस्था गर्नेछन् ।

आलेखको रोकथाम प्रणालीको राष्ट्रिय तत्वलाई धारा ३ ले परिचय दिन्छ । थुनास्थलको रोकथाममूलक निरीक्षणका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्न पक्षराष्ट्रलाई यो धाराले निर्देशन दिन्छ । आलेखद्वारा स्थापित रोकथाममूलक ढाँचामा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई समावेश गर्ने काम राष्ट्रिय स्तरमा अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्डको प्रभावकारी तथा दिगो कार्यान्वयनका लागि सहयोग गर्न बनाइएको नवीन तथा व्यवहारिक उपाय हो ।<sup>25</sup>

### धारा ३ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको थप मूल्य

पहिलोचोटि आलेख तर्जुमाका बारेमा सोच्दा यसलाई नयाँ अन्तर्राष्ट्रिय भ्रमणकारी निकायका रूपमा मात्र लिइएको थियो । आलेखलाई अपनाउने सहमतिको बाटोमा रोकथामको प्रणालीमा राष्ट्रिय निकायलाई समावेश गर्ने काम प्रमुख उपलब्धि हो ।<sup>26</sup> आलेखलाई सुरक्षा विचार गरिए तो सुरक्षा तैरिएको तूलो व्यवहारिक कठिनाइबाट राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको अवधारणाले पार पायो । वास्तवमा प्रभावकारी हुनका लागि सबै थुनास्थलमा सघन भ्रमण गर्न अन्तर्राष्ट्रिय निकाय आफैले मात्र सम्भव नहुने भनी मस्यौदाकारले अनुमान गरे ।<sup>27</sup> तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र पक्षराष्ट्रमै स्थायी रूपमा रहने भएकाले तिनले अभ भ्रमण गर्नसक्छन् र स्वतन्त्रताबाट वज्रित व्यक्तिको हेरचाहमा खटिएकासँग निरन्तर संवाद कायम राख्न सक्दछन् ।

<sup>25</sup> For detailed advice on the establishment and designation of NPMs, see APT, *NPM Guide*; and Chapter IV of this manual, especially Sections 6 and 7.

<sup>26</sup> For further information on the drafting and development of the OPCAT, see Chapter I of this manual, especially Sections 1 and 3.

<sup>27</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.923.

पक्षराष्ट्रले आफ्ना राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई देशको मानवअधिकारसम्बन्धी वास्तविक स्थिति उजागर गर्नेभन्दा पनि लुकाउनका लागि प्रयोग गर्नसक्ने सम्भावना रहने भनी सहमतिको दौरान कुरा उठेका थिए । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सवालमा रोकथाम उपसमितिलाई सल्लाहकारको भूमिका प्रदान गरिएको थियो । रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बीच प्रत्यक्ष सम्पर्क तथा सहकार्यका क्षेत्रको महत्वलाई स्थापना गरी आलेखका विविध व्यवस्थाले यो भूमिकामा सहयोग पुऱ्याउँछन् ।

२

यातनाविष्फूक आलेखमाथि टिप्पणी  
ऐच्छिक महासचिको महासचिको

**धारा ३ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पसम्बन्धी परामर्श**  
राज्यका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसम्बन्धी सर्वाधिक उपयुक्त रूपमाथि निर्णय दिने जटिल काममा पक्षराष्ट्रका निर्णयकर्तालाई मदत गर्नका लागि रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियुक्तिका लागि केही प्रारम्भिक निर्देशन मस्यौदा गरेको छ । यी निर्देशनले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका केही महत्वपूर्ण व्यवस्थालाई उजागर गर्दछन् तथा आलेखको भाग ४ मा उल्लिखित आवश्यकतासँग यी संयन्त्र कसरी अनुकूल डुनुपर्छ भनी व्याख्या गरेका छन् ।<sup>28</sup> पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सम्बन्धमा निश्चित गर्न अपनाउने प्रक्रिया फरक हुनसक्छन् । तर रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको छनोट गर्दा पक्षराष्ट्रले पारदर्शी, समावेशी तथा सहभागीमूलक प्रक्रिया अपनाउनका लागि सिफारिस गर्दछ । आफ्नो देशको लागि सर्वाधिक उपयुक्त राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकल्पसम्बन्धी परामर्शका लागि सबै सरोकारवालालाई समावेश गर्नुपर्छ ।<sup>29</sup>

**धारा ३ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सांगठनिक रूप**

राष्ट्रिय स्तरमा नियमित तथा रोकथाममूलक भ्रमण प्रणाली बनाउने दायित्व पालना गर्ने सम्बन्धमा धारा ३ ले पक्षराष्ट्रलाई केही लचकता दिएको छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले लिनुपर्ने विशिष्ट सांगठनिक रूपका बारेमा आलेख मौन छ । राष्ट्रिय स्थिति, विद्यमान स्वतन्त्र राष्ट्रिय निरीक्षण निकायको उपस्थिति, देशको भौगोलिकता तथा देशको प्रशासनिक र आर्थिक संरचनाको<sup>30</sup> जटिलतामा आधारित रही पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय

<sup>28</sup> See Chapter IV of this manual, especially Section 7; and also Annex 2 of this manual.

<sup>29</sup> See Chapter IV of this manual, especially Section 6, for further information.

<sup>30</sup> SPT, Third annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, April 2009 to March 2010, UN Doc. CAT/C/44/2, 25 March 2010, §49.

रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश सम्पन्न गर्न एक वा अनेक नयाँ विशिष्ट निकाय निर्माण गर्ने, एक वा अनेक विद्यमान निकायको नियुक्ति गर्ने वा यी दुवै किसिमका निकाय चयन गर्ने विकल्प रोज्ज्ञ सक्छन् ।<sup>31</sup>

## धारा ४

- प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यस आलेखबमोजिम धारा २ तथा ३ मा उल्लिखित संयन्त्रलाई आफ्नो क्षेत्राधिकार वा नियन्त्रणमा रहेर सार्वजनिक अखिलयारी भएका निकाय वा व्यक्तिको आदेश वा उक्साहट वा सहमति वा मौजुदगीमा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका वा त्यसो गरिनसकिने व्यक्ति राखिने कुनै पनि स्थान (यसपछि हिरासत/कारागार भनिएको) को भ्रमण गर्न अनुमति दिनेछन् । यस्ता भ्रमण ती व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविस्कृ गरिने सुरक्षा आवश्यक परेमा सुदृढ पार्ने उद्देश्यले गरिनेछ ।
- यस आलेखको प्रयोजनका लागि स्वतन्त्रताबाट विमुखता भन्नाले कुनै पनि न्यायिक वा प्रशासनिक वा अन्य निकायको आवेशबाट कसैले आफ्नो इच्छाबमोजिम आफू थुनिएको वा बन्ची बनाइएको वा निजी वा सार्वजनिक प्रकृतिको स्थानमा हिरासतबाट मुक्त हुने अनुमति नपाएको अवस्थालाई बुक्फिन्छ ।

धारा ४ आलेखको सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यवस्था हो किनकि यसले व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएका वा राख्न सकिने स्थानमा रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले भ्रमण गर्नका लागि अनुमति दिन पक्षराष्ट्रलाई बाध्य बनाउँछ । आलेख निकायले गर्ने अघोषित भ्रमणलाई अनुमति दिन पक्षराष्ट्रमाथि हुने बाध्यतालाई सम्पूर्णतया उल्लेख गर्नुको अलावा धारा ४ ले थुनास्थल र स्वतन्त्रताबाट वज्चित गर्ने कार्यजस्ता शब्दको परिभाषा दिन्छ । रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र दुवैको कार्यादेशको व्यवहारिक कार्यान्वयनका क्षेत्रलाई समेत यसले निर्धारण गर्दछ ।

### धारा ४(१) : भ्रमण अनुमतिको दायित्व

धारा ४ का अनुसार पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्नो क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा रहेका सबै थुनास्थलमा भ्रमणको अनुमति दिनेछन् ।

<sup>31</sup> See analysis of Article 17 in this chapter; and also Section 7 of Chapter IV of this manual. For a list of designated NPMs, see [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

यो व्यवस्थाअनुसार अन्य राष्ट्रसंघीय संयन्त्रभन्दा फरक रोकथाम उपसमितिलाई देशको थुनास्थल भ्रमणका लागि पूर्व अनुमति लिनुपर्दैन । अर्को शब्दमा भन्नुपर्दा पक्षराष्ट्रको क्षेत्रमा पर्ने थुनास्थल भ्रमणका लागि रोकथाम उपसमितिलाई खुला निमन्त्रणा हुने गर्छ ।

#### **धारा ४ : थुनास्थलको परिभाषा**

स्वतन्त्रताबाट वजिचत व्यक्तिलाई सम्भव भएसम्मको सुरक्षा दिनका लागि आलेखको थुनास्थलसम्बन्धी परिभाषालाई अत्यन्त व्यापक बनाइएको हो । स्वतन्त्रताबाट वजिचत व्यक्तिले स्वेच्छापूर्वक थुनास्थल छोड्न नसकोस् र थुनास्थलको सम्पर्क प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमा सार्वजनिक अधिकारीसँग होस् भन्ने तथ्यसँग यस परिभाषाका प्रमुख तत्वले चासो राख्दछन् ।<sup>32</sup> आलेखको क्षेत्रभित्र पर्नका लागि चाहिने थुनास्थलको राज्यसँग हुने सम्पर्कको प्रकृतिलाई वर्णन गर्न देहायका दुई प्रमुख तत्वलाई पनि परिभाषाले समेटेको छ :

उक्त थुनास्थल पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा हुनुपर्छ, र

सार्वजनिक अधिकारीले दिएको आदेशमा, उसको उत्प्रेरणा वा अनुमति वा स्वीकृतिमा व्यक्तिलाई त्यो ठाउँमा बन्दी बनाइएको वा बनाउन सकिने हुनुपर्छ ।<sup>33</sup>

#### **थुनास्थलको वर्गीकरण**

थुनास्थलको पूर्ण तालिका बनाउनु अनुपयुक्त हुने भनी आलेखका मस्यौदाकारले विचार गरे । यसले गर्दा सन्धिको सुरक्षाबाट फाइदा लिने व्यक्तिका लागि अवाञ्छनीय सीमितता हुने अत्यन्त सँधुरो र सीमित तालिका बनाउनबाट बच्न उनीहरूलाई सजिलो भयो । विभिन्न पक्षराष्ट्रमा स्वतन्त्रताबाट विमुखताको राष्ट्रिय सन्दर्भलाई सम्बोधन गर्ने सुविधा यो व्यापक परिभाषाले दिन्छ । आखिर थुनास्थलको रूप तथा प्रकृति देशैपिच्छे वा क्षेत्रैपिच्छे फरक हुनसक्छ । तथापि, थुनास्थलका विशेष वर्ग धारा ४ को कार्यान्वयन क्षेत्रभित्र अनिवार्य रूपमा पर्दछन् । जस्तै :

- प्रहरी चौकी,
- पूर्व-पूर्पक्ष केन्द्र/अनुसन्धानका लागि राखिने कारागार,

<sup>32</sup> APT, NPM Guide, p.18.

<sup>33</sup> APT, NPM Guide, p.19.

- कैद तोकिएका व्यक्तिलाई राखिने कारागार,
- नाबालक थुनाकेन्द्र,
- सीमा क्षेत्रका प्रहरी चौकी तथा दसगजा क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रिय आश्रय क्षेत्र र विमानस्थल पारवहन क्षेत्र,
- आप्रवासी तथा शरणार्थीलाई राखिने केन्द्र,
- सार्वजनिक नगरिएका मनोचिकित्सासम्बन्धी संस्था,
- सामाजिक सेवा गृह,
- सुरक्षा तथा गुप्तचर सेवा केन्द्र,
- सैनिक क्षेत्राधिकारअन्तर्गतका थुनाकेन्द्र,
- प्रशासनिक थुनास्थल,
- थुनुवालाई सार्दा प्रयोग गरिने यातायातका साधन,
- सार्वजनिक नगरिएका लागुआौषधोपचार केन्द्र, र
- बालबालिका गृह ।

२

## क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रण

आलेख निकायको कार्यादेशमा पर्नका लागि थुनास्थल पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा हुनुपर्छ<sup>34</sup> यातनाविस्तृको महासम्भितथा आइसिसिपिआर लागू हुने क्षेत्रलाई उस्तै शब्दमा वर्णन गरिएको छ । राज्यको भू-भागमात्र नभई राज्यमा दर्ता गरिएको पानीजहाज वा विमान र सायद सम्बन्धित राज्य पक्षको महादेशअन्तर्गतको पाटोमा अवस्थित संरचनालाई यातनाविस्तृको प्रमुख महासम्भिको प्रयोजनका निन्ति

<sup>34</sup> For further information on the scope of application of the OPCAT, see APT, *Application of OPCAT to a State Party's places of military detention located overseas*, APT Legal Briefing Series, APT, Geneva, 2009. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

सामान्यतः राज्यको क्षेत्राधिकारअन्तर्गत मानिएको छ ।<sup>35</sup> यातनाविरुद्धको महासन्धिजरस्तै आलेखको क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणअन्तर्गत पक्षराष्ट्रको सामान्य भू-भागबाहिरका ती सबै क्षेत्र समेटिन्छन् जुन क्षेत्र वास्तवमा पक्षराष्ट्रको प्रभावकारी नियन्त्रणअन्तर्गत पर्दछन् चाहे त्यस प्रकारको नियन्त्रण जुनसुकै सैनिक वा नागरिक अस्तियारद्वारा कायम गरिएको किन नहोस् ।<sup>36</sup> उदाहरणका लागि यसमा पक्षराष्ट्रको विदेशमा रहेका सैनिक अखडा पर्दछन् । थुनास्थल र पक्षराष्ट्रको अधिकारका बीच आलेख निकायद्वारा सम्पर्क स्थापना गर्नु महत्वपूर्ण हुन्छ ।

२

**अनधिकृत तथा व्यक्तिगत थुनास्थल : उक्साहट, सम्मति र मञ्जुरी**  
 यातना प्रायः अनधिकृत तथा अर्ध गोप्य कार्य हो जसमा सम्बन्धित सरकारहरू जिम्मेवारीबाट पनिछन खोज्छन र/वा आफूलाई औपचारिक रूपले अलग राख्न चेष्टा गर्दछन् । आलेखको धारा ४(१) ले यातनाविरुद्धको महासन्धिको भाषालाई प्रतिबिञ्चित गर्दै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई पहुँचको आधार प्रदान गर्नका निम्ति यस्ता स्थललाई समेट्ने अभिप्राय राख्दछ जहाँ व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट विमुख गराउन औपचारिक आदेश वा उक्साहट, सम्मति वा मञ्जुरी भएको हुनसक्छ । यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा १ को शब्दावलीले सुनिश्चित गरेअनुसार जानाजान निजी वा गैरराज्य तहका

---

<sup>35</sup> UNCAT, Article 2. By way of explanation, see J. Burgess and Hans Danelius, *The United Nations Convention against Torture: A Handbook on the Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment*, Dordrecht, Martinus Nijhoff Publishers, 1988, pp.123-124; and Report of the UN Working Group to draft an Optional Protocol to the UN Convention against Torture, UN Doc. E/CN.4/1993/28, 2 December 1992, §41.

<sup>36</sup> CAT, Concluding Observations of the Committee against Torture on United States of America, UN Doc. CAT/C/USA/CO/2, 18 May 2006, §15; Concluding Observations of the Committee against Torture on United Kingdom, UN Doc. CAT/C/CR/33/3, 10 December 2004, §4(b); and Human Rights Committee, General Comment 31 on the Nature of the General Legal Obligation Imposed on States Parties to the Covenant, UN Doc. CCPR/C/21/Rev.1/Add.13, 26 May 2004. It is important to remember that Article 32 of the OPCAT specifically provides that its provisions do not affect obligations under the Geneva Conventions and Protocols, or under other international instruments, with regard to access to detainees; thus, the possibility of access by the SPT or NPMs cannot be used as an excuse to exclude visits by the ICRC (or other bodies) under the Geneva Conventions.

## यातनाविरुद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

कर्तालाई थुनुवामाथि कुनै अनधिकृत थुनास्थलमा यातना दिन लगाएर सरकार यातनाको जिम्मेवारीबाट पन्छिन नपाओस्<sup>37</sup> त्यसैले कसैलाई निजको इच्छाविरुद्ध सार्वजनिक अस्तियारद्वारा थुना गरिएको शंका भएमा आलेख निकायले त्यस्ता स्थलमा पुग्न पाउने अधिकार हुनुपर्छ ।

उक्साहटलाई यातनाविरुद्धको महासन्धिको आलोकमा व्याख्या गर्दै यसको अर्थ सार्वजनिक अधिकारीको प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष भागिदारी र संलग्नतामा भएको प्रोत्साहन, प्रलोभन वा लालचका रूपमा लिइएको छ<sup>38</sup>

सम्मति र मञ्जुरीजस्ता शब्दले व्यापक क्षेत्रलाई समावेश गर्दछन् । धारा ४(१) ले राज्यलाई प्रतिनिधित्व गर्नेलगायत आधिकारिक तहमा रहेका व्यक्तिले सञ्चालन गरेका थुनास्थललाई समेत समेट्दछ । सार्वजनिक अधिकारीको जानकारी र सम्मतिमा कुनै व्यक्तिलाई उसको इच्छाविपरीत निजी अस्पताल, सेवागृह वा बालबालिका राङ्गे गृहजस्ता निजी निवासलाई पनि यसले समेट्दछ<sup>39</sup>

यी शब्दले अन्य क्षेत्रलाई पनि समेट्छन् जस्तो कि निजी समूहले व्यक्तिलाई कुनै ठाउँमा थुनेका हुन्छन् र राज्यले यसका बारेमा थाहा पाए पनि यस्तो थुनाको रोकथाम गर्न पर्याप्त सक्रियता देखाएको हुँदैन<sup>40</sup> यस सम्बन्धमा यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा १ लाई सन्दर्भ बनाउन सकिन्छ जसमा सम्मति र मञ्जुरीजस्तै शब्द समावेश गरिएको छ ।

यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारलाई रोकथाम गर्न सवालमा यातनाविरुद्धको महासन्धिअन्तर्गत सम्मति र मञ्जुरी भन्ने शब्दले पर्याप्त सक्रियताको अवधारणालाई समेट्ने गरी व्याख्या गरिएको छ । निजी व्यक्ति वा गैरराज्य व्यक्ति वा समूहले गरेको दुर्व्यवहारलाई रोकथाम गर्न पर्याप्त कदम नचाल्ने र/वा दुर्व्यवहारको सिकायतमाथि अनुसन्धान नगर्ने र आवश्यक भएमा कसुरदारलाई गर्नुपर्ने सजाय नगर्ने काम गरेमा पक्षराष्ट्रलाई जिम्मेवार ठहन्याइने छ<sup>41</sup> त्यसैले आफ्ना अधिकारी वा अधिकार प्रयोग गर्ने तहमा बसेका

<sup>37</sup> APT, *NPM Guide*, p.21.

<sup>38</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.78.

<sup>39</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.931. See also APT, *NPM Guide*, p.23.

<sup>40</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.931.

<sup>41</sup> For more information on the nature of States Parties' obligations, see APT, *Jurisprudence Guide*, pp.13-29.

व्यक्तिले कुनै व्यक्तिमाथि यातना नदिने कर्तव्य पक्षराष्ट्रले पूरा गर्नु पर्दछ र निजी व्यक्ति वा समूहले गर्ने यस्ता कार्यबाट व्यक्तिलाई सुरक्षा दिने कर्तव्य पनि पूरा गर्नु पर्दछ ।<sup>42</sup> निजी व्यक्ति वा गैरराज्य तहका कर्ता वा समूहले गरेका यातना वा अन्य दुर्व्यवहारमा पक्षराष्ट्रको जिम्मेवारीको सीमालाई यातनाविरुद्धको महासन्धिले देहायबमोजिम प्रस्तुत गरेको छ :

१८. राज्यका अधिकारी वा अधिकारीको दायित्व निर्वाह गर्ने वा कानुनको आड लिने अन्य व्यक्तिले गैरराज्य अधिकारी वा निजी व्यक्तिले गरिरहेको यातना वा अन्य दुर्व्यवहारको बारेमा थाह पाएका वा यसो भएको भन्नेमा विश्वास गर्न सकिने पर्याप्त आधार पाएका र यातनाविरुद्धको महासन्धिअनुकूल हुनेगरी यस्ता गैरराज्य अधिकारी वा निजी व्यक्तिको कार्यलाई रोकथाम गर्ने, अनुसन्धान गर्ने, कारबाही गर्ने र सजाय दिने कार्यमा पर्याप्त तदास्कता देखाउनबाट चुकेका पाइएमा राज्यले यसको जिम्मेवारी वहन गर्नु पर्दछ र उसका अधिकारीले यस्ता अनुमतिविहीन कार्यका लागि सम्मति वा मञ्जुरी दिएको भनी ती अधिकारीलाई यस्ता कार्यको कर्ता, मतियार वा महासन्धिअन्तर्गतको कसुरदारका रूपमा हेस्तिनुपर्छ । यातनाका कार्यलाई हस्तक्षेप गर्न, रोकन, प्रतिबन्ध लगाउन अनि यातनापीडितलाई उपचार प्रदान गर्नलाई राज्यले पर्याप्त तदास्कता देखाउनबाट चुकदा गैरराज्य कर्ताले महासन्धिले अनुमतिविहीन भनी उल्लेख गरेका कार्य दण्डहीनतापूर्वक गर्नका लागि सुविधा दिने र सक्षम बनाउने हुनाले राज्यको उदासीनता वा अर्कमण्यताले एक किसिमको प्रोत्साहन र/वा वास्तविक अनुमति प्रदान गर्दछ । जबर्जस्ती करणी, घरेलु हिसा, महिलाको प्रजनन् अंगमा क्षति पुऱ्याउने कार्य र मानव शरीर बेचिखिनजस्ता लैडिक हिसा रोकथाम गर्ने र यस्ता हिसाका पीडितलाई सुरक्षा दिनबाट चुक्ने पक्षराष्ट्रमा समितिले यो सिद्धान्त अपनाएको छ ।<sup>43</sup>

यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारसँग सम्बन्धित पर्याप्त तदास्कताको अवधारणा यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा २ लाई विचार गरी धारा १ को साहचर्यमा विकसित गरिएको हो । आलेखको धारा ४(१) अन्तर्गतको स्वतन्त्रताबाट विमुखताको सन्दर्भमा आउने सम्मति र मञ्जुरीको अर्थलाई व्याख्या गर्न पर्याप्त तदास्कताको अवधारणा भिकाइएको हो । व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराई राखिएका विशुद्ध निजी स्थानका बारेमा राज्यलाई ज्ञान भएको वा उसलाई यस्तो कार्यको अस्तित्व रहेको भनी विश्वसनीय आधार रहेको

<sup>42</sup> APT, *Jurisprudence Guide*, p.13.

<sup>43</sup> CAT, General Comment No 2, §18.

## यातनाविरस्त्रको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

तथा ऊ यसलाई रोकथाम गर्नका लागि पर्याप्त तदारकता देखाउनबाट चुकेको पाएमा रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले त्यस्ता स्थानमा भ्रमण गर्नका लागि यो अवधारणाले मार्ग प्रशस्त गर्दछ ।

### **धारा ४(१) विरस्त्र ४(२) : स्वतन्त्रताबाट विमुखताको परिभाषा**

धारा ४(२) ले स्वतन्त्रताबाट विमुखताको परिभाषा दिन्छ । तर धारा ४(१) मा दिइएको थुनास्थलको विस्तृत परिभाषाको आलेखमा धारा ४(२) को परिभाषा प्रस्त खालको छैन । अभ्य, एउटा महत्वपूर्ण कुरामा धारा ४(२) को शब्दावली धारा ४(१) सँग बाहिएको छ । स्वेच्छाले थुनामुक्त हुन अनुमति नपाई कुनै पनि न्यायिक, प्रशासनिक वा अन्य निकायको आदेशमा थुनामा रहेको व्यक्ति स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्ति हो भनी धारा ४(२) ले बताएको छ । आलेख निकायको क्षेत्रमा पर्नका लागि कुनै व्यक्ति सार्वजनिक अधिकारीको ठाडो आदेशमा स्वतन्त्रताबाट वञ्चित भएको हुनुपर्न भनी यो शब्दावलीले शर्त राखेको जस्तो देखिन्छ । यो धारा ४(१) सँग ठाडै बाहिएको छ । यहाँ सार्वजनिक अधिकारीको सम्मति वा मञ्जुरीमात्र अपर्याप्त देखिन्छ ।<sup>44</sup>

बाहिएको वा द्विअर्थी शब्दावली आएको खण्डमा सचिको व्याख्या गर्नका लागि सचिका कानुनसम्बन्धी भियना महासचिले मद्दत गर्दछ । सचिको शब्दावलीलाई तिनीहरूको सन्दर्भमा विचार गर्दा तिनको साधारण अर्थलाई जोड दिनुपर्छ र सचिको लक्ष्य तथा उद्देश्यको आलोकमा पनि तिनलाई विचार गर्नुपर्छ<sup>45</sup> द्विअर्थी शब्द आएको खण्डमा सचिको तयारी गर्दाको कामलाई विचार गर्न सकिन्छ<sup>46</sup> धारा ४ लाई पूर्ण रूपमा अध्ययन गर्दा र आलेखको मस्यौदा तयार पार्न खटिएको कार्यदलको छलफल सुन्दा धारा ४(२) ले गर्ने स्वतन्त्रताबाट विमुखताको यस्तो साँघुरो परिभाषा असंगत देखिन्छ । अभ्य, माथि व्याख्या गरेजस्तो धारा ४(१) को शब्दावलीले यातनाविरस्त्रको महासचिको भाषालाई प्रतिबिम्बित गरेको तथ्यलाई हेर्दा त भन् असंगत देखिन्छ<sup>47</sup> यस्तो शब्दावलीलाई धारा ४(२) मा समावेश गर्नुको पछाडि आलेख बनाउने लामो सम्झौता हुँदा भएको राजनीतिक अभ्यासको भूमिका छ । मस्यौदा तयार गर्दाको बखत व्यक्तिलाई

<sup>44</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.932; and APT, *NPM Guide*, p.23.

<sup>45</sup> Vienna Convention on the Law of Treaties, UN Doc. A/CONF.39/27, 1969, Article 31.

<sup>46</sup> Vienna Convention on the Law of Treaties, Article 32.

<sup>47</sup> APT, *NPM Guide*, pp.23-24.

वास्तवमा कुनै औपचारिक आदेशविना नै स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराउने भन्दा पनि अधिकारीको मञ्जुरीमा गराउने कार्यसम्म आलेखको कार्यक्षेत्र कायम गर्नेतर्फ दहो प्राथमिकता थियो<sup>48</sup> धारा ४ तथा आलेख सम्पूर्णकै लक्ष्य र उद्देश्यलाई विचार गर्दा व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराउने काम ठाडो आदेशबाट भएको हो वा होइन भन्ने कुराले महत्त्व राख्दैन । त्यो व्यक्ति आफ्नो इच्छाले थुनामुक्त हुनसक्छ कि सकैन भन्ने तथ्य स्थापित गर्नु नै चुरो कुरो हो ।

२

#### ४. आलेख भाग २ : यातना रोकथाम उपसमिति

रोकथाम उपसमितिको स्थापना र यसका सदस्यको निर्वाचनका कार्यविधिलाई विस्तृत रूपमा राख्न बनाइएका ६ ओटा धारा भाग २ मा छन् ।

#### धारा ५

१. यो रोकथाम उपसमिति दस सदस्यीय हुनेछ । यस आलेखलाई अनुमोदन गर्न वा यसमा सम्मिलन गर्ने राष्ट्रको संख्या पचास पुगेपछि भने यस उपसमितिका सदस्यको संख्या २५ हुनेछ ।
२. यो रोकथाम उपसमितिका सदस्य उच्च नैतिक चरित्र भएका, न्याय प्रशासन विशेषगरी फौजदारी कानुन, कारागार वा प्रहरी प्रशासन वा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिप्रतिको व्यवहारसँग सम्बन्धित विविध क्षेत्रमा काम गरी उच्च व्यवसायिक दक्षता आर्जन गरेका व्यक्तिमध्येबाट चुनिनेछन् ।
३. यस रोकथाम उपसमितिको बनावटमा पक्षराष्ट्रको भौगोलिक हिसाबले समन्यायिक वितरण तथा विविध सम्भावना एवं कानुनी प्रणालीको प्रतिनिधित्वउपर उचित ध्यान पुऱ्याइनेछ ।
४. यस बनावटमा समानता एवं अविभेदका सिद्धान्तमा आधारित भई सन्तुलित लैडिक प्रतिनिधित्वलाई समेत ध्यान दिइनेछ ।

<sup>48</sup> Report of the UN Working Group to draft an Optional Protocol to the UN Convention against Torture, UN Doc. E/CN.4/1993/28, 2 December 1992, §39; Report of the UN Working Group, UN Doc. E/CN.4/2000/58, 2 December 1999, §30 and §78; and Report of the UN Working Group, UN Doc. E/CN.4/2001/67, 13 March 2001, §45.

५. यस उपसमितिमा एउटै पक्षराष्ट्रका दुई सदस्य (एकभन्दा बढी) रहने छैनन् ।
६. उपसमितिका सदस्यले व्यक्तिगत क्षमताका आधारमा काम गर्नेछन्, उनीहरू काममा स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष रहनेछन् तथा उपसमितिमा दक्षतापूर्वक काम गर्न उपलब्ध हुनेछन् ।

रोकथाम उपसमितिको आकार, यसका सदस्यको योग्यता, यसको बनावट र स्वतन्त्रतालाई स्थापित गर्ने धारा ५ एक प्रमुख व्यवस्था हो ।

#### **धारा ५(१) : सदस्यको संख्या**

धारा ५(१) अनुरूप रोकथाम उपसमितिमा सुरुमा दस सदस्य थिए र पक्षराष्ट्रको संख्या पचास<sup>49</sup> पुगेपछि सदस्य संख्या २५ पुग्यो । पक्षराष्ट्रको संख्या बढेपछि उत्पन्न कार्यभारलाई विचार गर्दै संख्यामा बढोत्तरी भएको हो । २५ सदस्यले युक्त रोकथाम उपसमिति संयुक्त राष्ट्रसंघको हालसम्मका सचिव निकायमध्येको सबैभन्दा ठूलो हो । रोकथाम उपसमितिको नवीन परामर्शदायक तथा कार्यमूलक कार्यादेशले पक्षराष्ट्र तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बीच रचनात्मक संवाद कायम गर्ने र सबै पक्षराष्ट्रमा नियमित भ्रमणको प्रणाली बनाउने आवश्यकता औल्याउँछ । त्यसैले रोकथाम उपसमितिको कामको महत्वपूर्ण हिस्सा प्रत्येक पक्षराष्ट्रसँग मिलेर गर्नुपर्ने हुन्छ । सदस्यको संख्यामा बढोत्तरीले महिलाविस्त्रको सबै किसिमका विभेदसम्बन्धी महासचिको उस्तै व्यवस्थालाई प्रतिबिम्बित गर्दछ<sup>50</sup> तर आलेखले सदस्यको संख्यामा अमै बढोत्तरी (२५ सदस्यभन्दा बढी)लाई व्यवस्था गरेको छैन । यसले भविष्यमा रोकथाम उपसमितिको काम र स्रोतसाधनका सम्बन्धमा केही संकेत गर्नसक्छ<sup>51</sup>

<sup>49</sup> The number of States Parties rose to 50 following Switzerland's ratification on 24 September 2009. The number of SPT members will rise to 25 in February 2011. For a list of serving SPT members, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>.

<sup>50</sup> Convention on the Elimination of all Forms of Discrimination against Women, Article 17; and Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.946. The majority of existing UN human rights treaty bodies have 18 members each. The CAT and the Committee on Migrant Workers, which have 10 members each, and the CEDAW, which has 23 members, are the key exceptions to this norm.

<sup>51</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, pp.946-947.

### धारा ५(२) : सदस्यको योग्यता

रोकथाम उपसमितिको रोकथाममूलक कार्यादेशलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि उपसमितिका सदस्यमा चाहिने आवश्यक योग्यता र व्यवसायिक ज्ञान धारा ५(२) ले उल्लेख गर्दछ । तर उनीहरूमा कस्तो विशेष क्षमता र योग्यता आवश्यक हुन्छ भन्ने बारेको थप जानकारी आलेखले दिँदैन ।

रोकथाम उपसमितिको सदस्य हुनका लागि न्याय प्रशासन विशेषगरी फौजदारी कानुन, कारागार वा प्रहरी प्रशासन वा स्वतन्त्रताबाट विचित गरिएका व्यक्तिप्रतिको व्यवहारसँग सम्बन्धित विविध क्षेत्रमा काम गरी उच्च व्यवसायिक दक्षता आर्जन गरेको हुनुपर्नेछ । उपसमितिको सदस्यको नियुक्ति र/वा निर्वाचन गर्दा पक्षराष्ट्रले अनेकौं क्षेत्रमा विचार पुन्याउनुपर्छ । सदस्यले :

- मानवअधिकारप्रति प्रतिबद्धता देखाएको हुनुपर्छ,
- बहुआयामी व्यवसायिक दक्षता हुनुपर्छ (उदाहरणका लागि सान्दर्भिक चिकीत्सकीय ज्ञान, कानुनी ज्ञान वा कारागारको नीति र प्रशासनका अलावा मानवअधिकारको ज्ञान),
- राष्ट्रिय स्तरमा थुनास्थल निरीक्षणसँग सम्बन्धित ज्ञान,
- मस्यौदा तयार गर्ने र अनुसन्धान, प्रतिवेदन लेखन तथा सम्पादनमा विश्लेषणात्मक दक्षता,
- राष्ट्रसंघीय भाषामा प्रवीणता, र
- अन्य व्यक्तिगत दक्षता (जस्तै, सम्झौता गराउने दक्षता, समूहमा काम गर्ने क्षमता, सांस्कृतिक सबैदनशीलता, समानुभूतिको क्षमता र तनावपूर्ण स्थिति तथा वातावरणलाई सहने क्षमता)<sup>52</sup>

यसका अलावा थुनास्थलमा विशेषगरी जोखिममा रहेका व्यक्तिको समूहलाई प्रतिनिधित्व गर्ने तहमा रहेका व्यक्तिलाई रोकथाम उपसमितिका सदस्यमा नियुक्त गर्नका लागि पक्षराष्ट्रले ध्यान पुन्याउनु पर्दछ । (जोखिममा रहेका व्यक्ति भन्नाले अपाङ्, ज्येष्ठ नागरिक, यातनापीडित र अल्पसंख्यक धार्मिक र/वा जनजातीय समूहका व्यक्ति)

<sup>52</sup> For further information, see Section 2.2 (especially 2.2.2) of Chapter III of this manual.

आलेखको परामर्शदायक तथा भ्रमणकारी कार्यले रोकथाम उपसमितिका सदस्यको भूमिका ठूलो हुने देखिन्छ । रोकथाम उपसमिति सदस्य :

- प्रत्येक वर्ष अनेकौं मिसनमा जाँदा अनुरोध आएपिच्छे उपलब्ध हुनुपर्छ र वार्षिक रूपमा जेनेभामा हुने तीनओटा रोकथाम उपसमिति बैठकमा भाग लिनुपर्छ,<sup>53</sup>
- आर्थिक रूपमा स्वतन्त्र हुनुपर्छ<sup>54</sup>
- स्वतन्त्र र निष्पक्ष हुनुपर्छ ।

### धारा ५(३) : बनावट

रोकथाम उपसमितिले आफ्नो कार्यादेश निष्पक्ष रूपमा पूरा गर्नुपर्छ र यसो गरेको देखिनुपर्छ भन्ने कुरालाई धारा ५(३) र ५(४) थप प्रस्त्राएको छ । पक्षराष्ट्र, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र अन्य यातना रोकथामकर्ताका बीच रचनात्मक संवाद विकास गर्न यो महत्वपूर्ण छ । धारा ५(३) र ५(४) ले रोकथाम उपसमितिको बनावटमा पक्षराष्ट्रको भौगोलिक हिसाबले समन्याधिक वितरण तथा विविध सम्भता एवं कानुनी प्रणालीको प्रतिनिधित्वउपर उचित ध्यान पुऱ्याउने र समानता एवं अविभेदका सिद्धान्तमा आधारित भई सन्तुलित लैडिक प्रतिनिधित्वलाई समेत ध्यान दिने कुरा उल्लेख गरेका छन् । यी व्यवस्थाहरू राष्ट्रसंघीय बडापत्रका सिद्धान्तसँग र आलेखका धारा २(२) र (३) का व्यवस्थासँग जोडिएका छन् । रोकथाम समितिमा काम गर्ने व्यक्ति नियुक्त गर्दा र अभ्यंशेषगरी छनोट गर्दा प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यी तत्त्वमा गम्भीर ध्यान पुऱ्याउनुपर्छ ।

भौगोलिक सन्तुलनको सन्दर्भ सन्धि निकाय गठन गर्न सम्भित्रिको आदर्श व्यवस्था हो । आफ्नो कार्यादेशमा कुनै एक क्षेत्रविशेष वा राष्ट्रविशेषप्रतिको लगाव हुने दृष्टिकोणबाट आलेख निकाय निर्देशित नहुन् र तिनीहरू सशक्त रूपमा निष्पक्ष रहन् भनी यो उपाय विकसित गरिएको हो ।<sup>55</sup> सन्धि निकाय गठन गर्ने अन्य सन्धिजस्तै धारा ५(५) ले रोकथाम उपसमितिमा एकपटक काम गर्नका लागि प्रत्येक पक्षराष्ट्रबाट एकजना नागरिक

<sup>53</sup> See Section 2.2.2 of Chapter III in this manual for further details.

<sup>54</sup> SPT members do not receive a fee for their participation in SPT sessions and in-country missions. However, they receive plane tickets and a UN daily subsistence allowance for their participation in the specific activities detailed above.

<sup>55</sup> The first SPT comprised three members from Western Europe, three from Eastern Europe, and four from Latin America.

पठाउने सीमा तोक्छ । एउटा कुनै पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिमा कब्जा नजमाओस् भन्ने कुरालाई यसले सुनिश्चित गर्दछ । पक्षपात वा कुनै राष्ट्रको आधिपत्य कायम गर्नबाट वा यस्तो धारणा बन्नबाट पनि यसले बचाउँछ । लैंड्रिक सञ्चुलनका लागि प्रयास गर्ने आवश्यकता आलेखको नवीन अवधारणा हो र मानवअधिकार संयन्त्रमा लैंड्रिक सवाललाई मूलधारमा ल्याउने लक्ष्य लिएको राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार संरक्षण ढाँचामा देखिएका नयाँ प्रगतिलाई यसले संकेत गर्दछ ।<sup>56</sup>

२

### धारा ५(६) : स्वतन्त्रता

पक्षराष्ट्रले नियुक्त गरेका भए पनि धारा ४ (६) अनुसार रोकथाम उपसमितिले आफ्ना काम स्वतन्त्र भएर गर्नुपर्छ । स्वतन्त्रताको आवश्यकता धेरै धाराहरूमा राखिएको छ र यसबाट आलेख निकायको प्रभावकारी सञ्चालनका लागि यो सिद्धान्तको चरम महत्व छ भन्ने कुरालाई यसले प्रस्त पार्दछ । स्वतन्त्रता नहुने हो भने रोकथाम उपसमितिका सदस्यले राज्यका अधिकारी, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र, स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्ति, थुनारथलका कर्मचारी र अन्य सरोकारवालासँग अधिकारपूर्ण तथा रचनात्मक तरिकाले काम गर्न सक्दैनन् । रोकथाम उपसमितिका सदस्यले पक्षराष्ट्रको हस्तक्षेप विना आफ्नो काम गर्नुपर्छ । त्यसअनुरूप सरकारबाट स्वतन्त्र हैसियत बनाएको व्यक्तिलाई नियुक्ति र/वा छनोट सुनिश्चित गर्न दायित्व पक्षराष्ट्रको हुन्छ । पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई आफ्नो कर्तव्य निर्वाह गर्ने सिलसिलामा प्रभाव पार्नबाट बच्नुपर्छ ।<sup>57</sup> आफ्नो कार्यादेश निष्पक्षतापूर्वक पूरा गर्ने कुराको सुनिश्चितता सदस्यहरूले गर्नुपर्छ ।

### धारा ६

- प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यस धाराको उपधारा (२) बमोजिम धारा ५ मा उल्लेख भए मुताबिकको योग्यता हासिल गरेका र आवश्यकतासँग मेल खाने दुईजनासम्मको नाम प्रस्तावित गर्न सक्नेछन् र त्यसो गर्दा त्यो राष्ट्रले प्रस्तावित व्यक्तिको योग्यताको विस्तृत विवरण उपलब्ध गराउनुपर्नेछ ।
- (क) प्रस्ताव गरिएका व्यक्ति यस आलेखको कुनै एक पक्षराष्ट्रका नागरिक हुनुपर्नेछ ।

<sup>56</sup> The first SPT comprised two women and eight men.

<sup>57</sup> OPCAT, Articles 2, 14, 15 and 35.

- (ख) नाम प्रस्ताव गरिएका दुई व्यक्तिमध्ये कुनै एकजना पक्षराष्ट्रको नागरिक हुनुपर्नेछ ।
  - (ग) एउटा पक्षराष्ट्रका दुईभन्दा बढी व्यक्ति प्रस्तावित हुने छैनन् ।
  - (घ) कुनै एक पक्षराष्ट्रले अर्को पक्षराष्ट्रको व्यक्तिलाई प्रस्तावित गर्नुपर्दा सम्भवित पक्षराष्ट्रको सहमति लिनुपर्नेछ ।
३. पक्षराष्ट्रको बैठक हुने मितिभन्दा पाँच महिना अगावै, जुन अवधिभित्र निर्वाचन सम्पन्न हुनेछ, संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले पक्षराष्ट्रलाई सम्बोधन गरी तीन महिनाभित्र नै आफ्ना उम्मेदवारको मनोनयन दाखिला गर्न एक पत्र पठाउनेछन् । यसरी मनोनयन गरिएका व्यक्तिको नामावली संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले मनोनयन गर्ने राष्ट्रको नामसहित वर्णनुक्रमअनुसार पेश गर्नेछन् ।

रोकथाम उपसमितिका सदस्यको नियुक्तिको कार्यविधि धारा ६ मा उल्लेख गरिएको छ । मानवअधिकार समितिलागायतका अन्य सम्भिका निकायकै जस्तो कार्यविधि यहाँ अपनाइएको छ । आलेखका पक्षराष्ट्रले मात्र रोकथाम उपसमितिका सदस्य नियुक्त गर्न पाउँछन् । रोकथाम उपसमितिको निर्वाचनका दौरान पक्षराष्ट्रबाहेका अन्य राष्ट्रले प्रतिनिधित्व गर्न पाउँदैनन् । रोकथाम उपसमितिको सदस्यतामा कुनै एक पक्षराष्ट्रको हालीमुहाली नहोस् भन्ने सुनिश्चित गर्न धारा ५(५) का व्यवस्थामा आधारित भएर धारा ६ को निर्माण गरिएको हो ।<sup>58</sup> नियुक्ति पेश गर्ने स्थादसमेत यसले बताएको छ ।

सम्भिका निकायका उम्मेदवारले प्रयोग गर्नका लागि एउटा बायोडाटा फारम विकसित गरिएको छ । प्रत्येक उम्मेदवारले निश्चित सूचना प्रदान गर्नुन् भन्ने सुनिश्चितता यसले दिन्छ । उम्मेदवारका फारमलाई राष्ट्रसंघीय भाषामा अनुवाद गरेर राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार उच्चायुक्तको कार्यालयको वेबसाइटमा राखिन्छ । यो एक सकारात्मक कदम हो र राष्ट्रसंघलाई उम्मेदवारको योग्यताको विस्तृत सूचना प्रदान गर्ने र यो सूचना सार्वजनिक रूपमा उपलब्ध गराउने सुनिश्चितता पक्षराष्ट्रले गर्नुपर्छ । बायोडाटाको अनुवाद भई तिनलाई सार्वजनिक गर्नका लागि सजिलो हुने गरी पक्षराष्ट्रले आफ्ना उम्मेदवार उपयुक्त समयमा प्रस्तुत गर्नुपर्छ र नियुक्तिको समयावधिलाई सम्मान गर्नुपर्छ । यसका बाबजुद रोकथाम उपसमितिका सुस्का सदस्यको चुनावले एउटा नजिर स्थापना गरेको थियो ।

<sup>58</sup> The OPCAT allows States Parties to nominate up to two candidates, mirroring Article 29 of the ICCPR.

निर्वाचनको अधिल्लो दिनसम्म पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिका उम्मेदवार नियुक्तिका लागि पठाउने विकल्प खुल्ला राखेका थिए तर नियुक्तिको समयावधि सकिएपछि पेश गरिएका उम्मेदवारका विवरणलाई अन्य भाषामा अनुवाद गर्ने वा तिनलाई प्रकाशित गर्ने सुनिश्चितता भने यसमा हुँदैन ।

कस्तो व्यक्तिलाई उपसमितिमा नियुक्त गर्ने हो भन्नेबारे पक्षराष्ट्रले अपनाउनुपर्ने कुनै विशेष कार्यविधिका बारेमा आलेखले विशेष रूपमा बोलेको छैन । तर धारा ५ मा उल्लेख गरिएका दक्षता भएका उम्मेदवार मात्र निर्वाचनका लागि विचार गरिजन् भन्ने सुनिश्चित गर्नका लागि राष्ट्रिय निर्वाचन प्रक्रिया महत्वपूर्ण हुन्छ । आदर्श अपनाएर भन्नुपर्दा पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिका सर्वाधिक उपयुक्त उम्मेदवार छनोट गर्नका लागि सार्वजनिक आह्वान गर्नुपर्छ । यस्तो सार्वजनिक आह्वानले देहायका मुद्दालाई सम्बोधन गर्नुपर्छ :

- नियुक्तिका लागि गरिएका सार्वजनिक आह्वानले माथि उल्लिखित मापदण्डलाई प्रस्तु पार्नुपर्छ,
- पक्षराष्ट्रले महिला उम्मेदवार, अल्पसंख्यक समूहका व्यक्ति र विविध व्यवसायिक पृष्ठभूमिका व्यक्तिलाई प्रोत्साहन गर्नुपर्छ ।
- पक्षराष्ट्रले नागरिक समाजलाई उम्मेदवार सिफारिस गर्न उत्प्रेरित गर्नुपर्छ ।
- राष्ट्रिय तहमा उम्मेदवार छनोट गर्ने प्रक्रियामा समानताको सिद्धान्त अपनाउनुपर्छ ।

यी चार प्रमुख सवालमाथिको सम्बोधनले सम्बन्धित सरोकारवालाबाट तर्कसम्मत निरीक्षणको प्रत्याभूति गर्दछ र सर्वाधिक योग्य उम्मेदवारको पहिचान हुन्छ भन्ने सुनिश्चित गर्दछ । यी परामर्शपछि पक्षराष्ट्रले एउटा छनोट समिति गठन गर्ने निर्णय लिनसक्छन् ८ र उक्त समितिमा छनोट प्रक्रियामा सामेल हुने सम्बन्धित मन्त्रालयका प्रतिनिधि<sup>59</sup> र नागरिक समाजका तरफबाट सम्बन्धित विषयमा विज्ञता हासिल गरेका प्रतिनिधि समावेश गरिन्छन् । छनोट समितिको निर्णयलाई पछि सार्वजनिक गर्नुपर्छ । परराष्ट्र मन्त्रालयले उम्मेदवारको नाम राष्ट्रसंघीय महासचिवसमक्ष पेश गर्नुपर्छ र निर्वाचनको बैठक हुनुअघि नै आफ्नो उम्मेदवार तथा आलेखको पक्षराष्ट्रका उम्मेदवारको विस्तृत जानकारी सार्वजनिक गर्न

<sup>59</sup> The ministries in charge of selecting SPT candidates are usually the ministry of foreign affairs and/or ministry of justice.

अनुरोध गर्नुपर्छ ।<sup>60</sup> उम्मेदवार नियुक्तिको प्रक्रियाले रोकथाम उपसमितिका सदस्यको कार्यादेश, विश्वसनीयता र वैधतालाई सशक्त बनाउनुपर्छ र यसले रोकथाम उपसमितिलाई नै पनि सशक्त बनाउनुपर्छ ।

## धारा ७

१. सो रोकथाम उपसमितिका सदस्य देहायबमोजिमको प्रक्रियाबाट निर्वाचित हुनेछन् :
- (क) प्रस्तावित व्यक्ति यस आलेखको धारा ५ मा उल्लेख भएअनुसारका आवश्यकता, सीमाभित्र परे-नपरेको विषयलाई प्रमुखताका साथ विचार गरिनेछ ।
  - (ख) प्रारम्भिक निर्वाचन यो आलेख कार्यान्वयनमा आएको ६ महिनाभित्र सम्पन्न भइसक्नेछ ।
  - (ग) पक्षराष्ट्रले गोप्य मतदानमार्फत रोकथाम उपसमितिका सदस्यको चयन गर्नेछन् ।
  - (घ) सो रोकथाम उपसमितिका सदस्यको निर्वाचन संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले द्विवार्षिक रूपमा आव्वान गरिने पक्षराष्ट्रको बैठकबाट गरिनेछ । त्यस्तो बैठक बस्न दुई तिहाइ पक्षराष्ट्रको उपसिथितिलाई गणपूरक संख्या मानिनेछ र बैठकमा उपस्थित भई मतदान गरेका राष्ट्रमध्येबाट सर्वाधिक मत एवं बहुमत प्राप्त गर्ने व्यक्ति उपसमितिको सदस्यमा निर्वाचित हुनेछन् ।
२. निर्वाचन प्रक्रियाको दौरान एउटै पक्षराष्ट्रका दुई नागरिक उपसमितिको सदस्य बन्न योग्य भएको अवस्थामा भने ती दुई व्यक्तिमध्ये बढी मत पाउने व्यक्ति उपसमितिको सदस्य भई काम गर्नेछ । ती दुई व्यक्तिले प्राप्त गरेको मत बराबर भएको अवस्थामा भने देहायानुसारको प्रक्रिया अपनाइनेछ :
- (क) उक्त पक्षराष्ट्रको तर्फबाट एकजनामात्रको मनोनयन परेको रहेछ भने त्यसरी मनोनयनमा परेको व्यक्ति रोकथाम उपसमितिको सदस्य भई काम गर्नेछ ।
  - (ख) ती दुवै उम्मेदवार एउटै पक्षराष्ट्रका नागरिक रहेछन् भने तीमध्येबाट एक सदस्य निर्वाचित गर्न छुट्टै गोप्य मतदानको प्रक्रिया लागू हुनेछ ।

<sup>60</sup> APT, *The Subcommittee on Prevention of Torture: Guidance on the selection of candidates and the elections of members*, OPCAT Briefing, APT, Geneva, February 2010. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

(ग) ती दुवै उम्मेदवार आफू नागरिक भएको पक्षराष्ट्रबाट मनोनयनमा परेका रहेछन् भने पनि तीमध्येबाट एक सदस्य निर्वाचित गर्ने छुट्टै गोप्य मतदानको प्रक्रिया लागू हुनेछ ।

धारा ७ ले रोकथाम उपसमितिका सदस्यको छनोट प्रक्रियाका बारेमा उल्लेख गरेको छ । यो यातनाविस्तृको महासचिलगायतका राष्ट्रसंघीय सचिन्तनका निकायसमान छ । धारा ५ मा उल्लिखित मापदण्ड पूरा गर्नुपर्ने तर्फको संकेतले रोकथाम उपसमितिको रोकथाममूलक जस्तो चुनौतीपूर्ण काम गर्नका लागि पर्याप्त अनुभव र क्षमता भएका सदस्य छनोट गर्नुपर्ने पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई सुदृढ गर्दछ । चुनावका बखत पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिको बनावट, लैंगिक तथा भौगोलिक सन्तुलनका साथै व्यवसायिक विज्ञताको विविधतामाथि उचित विचार पुन्याउनुपर्ने तथ्यलाई पनि यसले स्मरण गराउँछ । सबै सचिन्तनको समग्र बनावटमा विचार पुन्याउनुपर्ने आवश्यकतालाई राष्ट्रसंघीय महासभाले हालै दोहोन्याएको छ ।<sup>61</sup>

धारा ७(१)(ख) अनुसार पक्षराष्ट्रको पहिलो बैठक १८ डिसेम्बर २००६ मा सम्पन्न भयो र रोकथाम उपसमितिका प्रथम दस सदस्यको निर्वाचन यसैबेलामा भयो ।<sup>62</sup> पछिका निर्वाचन पक्षराष्ट्रको द्विवार्षिक बैठकका क्रममा भयो । निर्वाचन प्रक्रियाको निष्पक्षतालाई सुरक्षित पार्न गोप्य मतदानमार्फत चुनाव सम्पन्न गरिन्छ ।

धारा ७ ले पक्षराष्ट्रलाई एकमन्दा बढी उम्मेदवारको नियुक्ति गर्न अनुमति दिन्छ तर यो व्यवहारमा लागू हुने सम्भावना देखिँदैन । बैठकमा उपसमितिको निर्वाचन प्रक्रियाको सदस्यमा निर्वाचित हुनेछन् । प्रत्येक पक्षराष्ट्रले स्थानपूर्तिका लागि खडा भएका जाति उम्मेदवार छन् ती सबैलाई मत दिनसक्छन् । उदाहरणका लागि पाँचओटा स्थान खालि छन् भने प्रत्येक पक्षराष्ट्रले पाँचजना उम्मेदवारलाई मत दिनसक्छन् ।<sup>63</sup> यस्तो जटिल निर्वाचन प्रक्रियाको परिप्रेक्ष्यमा पहिलो चरणको मतदानका बखत आवश्यक संख्याका उम्मेदवारले निरपेक्ष

<sup>61</sup> UN General Assembly, Resolution on Equitable geographical distribution in the membership of the human rights treaty bodies, UN Doc. A/RES/63/167, 19 February 2009.

<sup>62</sup> For details of current SPT members, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>.

<sup>63</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.965.

## यातनाविस्कृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

बहुमत पाउने देखिँदैन । आवश्यक संख्याका सदस्यको निर्वाचनका लागि मतदानका अनेकौं चरण आवश्यक हुनसक्छन् ।

### धारा ८

रोकथाम उपसमितिको कुनै सदस्यको मृत्यु भएमा वा निजले पदबाट राजिनामा दिएमा वा अन्य कुनै कारणले उपसमितिको सदस्यको रूपमा कार्य गर्न असमर्थ भएमा उक्त सदस्यलाई मनोनयन गर्ने पक्षराष्ट्रले यस आलेखको धारा ५ मा उल्लिखित प्रावधान एवं उपसमितिमा विविध क्षेत्र र विधामा दक्षता आर्जन गरेका व्यक्तिको उचित सन्तुलनसमेतलाई विचार गरी अर्को योग्य व्यक्तिको मनोनयन गर्नेछ । त्यसरी मनोनयन गरिएको व्यक्ति पक्षराष्ट्रको अर्को बैठकसम्मका लागि उपसमितिको सदस्य भई काम गर्नेछ र निजको सदस्यता सो बैठकमा बहुमत पक्षराष्ट्रबाट अनुमोदनका लागि प्रस्तुत गरिनेछ । संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले प्रस्तावित नियुक्तिको सूचना दिएको ६ हप्ताभित्र पक्षराष्ट्रमध्ये आधा वा सोभन्दा बढीले सो प्रस्तावमा असहमति व्यक्त नगरेमा प्रस्ताव स्वीकृत भएको मानिनेछ ।

काम गरिरहेको सदस्यको मृत्यु भएमा वा उसले राजिनामा दिएमा नयाँ राष्ट्रसंघीय सम्भिनिकाय सदस्यको निर्वाचनका लागि प्रयुक्त सामान्य कार्यविधिलाई धारा ८ ले उल्लेख गर्दछ । स्थानापन्न सदस्यमाथि पक्षराष्ट्रले आपत्ति उठाउन सक्ने कारणका बारेमा विस्तार गरिएको छैन तर धारा ५ ले निर्धारण गरेको उम्मेदवारको योग्यताको अभावलगायतका विषयमा आपत्ति उठ्न सक्छन् । स्थानापन्न सदस्यलाई अस्वीकार गरेको खण्डमा नियुक्त गर्ने पक्षराष्ट्रले माथि बताइएको कार्यविधि अपनाएर अर्को उम्मेदवार प्रस्ताव गर्नसक्छ ।

### धारा ९

रोकथाम उपसमितिका सदस्य चार वर्ष अवधिका लागि निर्वाचित हुनेछन् । पुनः मनोनयन परेमा उनीहरू फेरि निर्वाचित हुन योग्य मानिने छन् । पहिलो निर्वाचनबाट छानिएका सदस्यमध्ये आधा सदस्यको पदावधि दुई वर्षपछि समाप्त हुनेछ । यसरी पदावधि समाप्त हुने सदस्यको नाम पहिलो निर्वाचन सम्पन्न भएलगतै धारा ७(१)(घ) बमोजिमका बैठकका अध्यक्षले गोलाप्रथाद्वारा तय गर्नेछन् ।

रोकथाम उपसमितिका सदस्य चार वर्षे अवधिका लागि निर्वाचित हुने र एकचोटी पुनर्निर्वाचित हुने व्यवस्था धारा ९ ले गर्दछ । रोकथाम उपसमितिका सुरक्षा सदस्यमध्ये आधाजसो प्रथम दुई वर्षे अवधि पूरा गर्न गोलाप्रथाद्वारा चुनिएका थिए र यसपछिका निर्वाचन यो धाराले निर्धारण गरेअनुसार भएको थियो । दुझ वर्षे अवधि पूरा गरेका सदस्य अर्को चार वर्षे अवधि पूरा गर्नका लागि योग्य थिए । राष्ट्रसंघीय सन्धि निकायको यो आदर्श व्यवहार हो र सबै सदस्यको एकचोटी पुनः निर्वाचनको स्थितिबाट बच्नका लागि यसको तर्जुमा गरिएको हो । रमाइलो कुरा भन्नुपर्दा आलेखको पक्षराष्ट्रको संख्या पचास पुगेपछि रोकथाम उपसमितिको पदावधिसँग सम्बन्धित यस्तो कुनै व्यवस्था गरिएको छैन ।

२४ सेप्टेम्बर २००९ मा स्विट्जरल्याण्ड आलेखको पक्षराष्ट्र भएपछि पक्षराष्ट्रको संख्या पचास पुग्यो । अक्टोबर २०१० मा हुने निर्वाचनमा रोकथाम उपसमितिको संख्या बढेर २५ पुग्नेछ<sup>६४</sup> त्यसपछि त्यही समयमा २० सदस्य नियुक्ति वा वर्तमान सदस्यको पुनर्निर्वाचनका लागि ठाउँ खुला हुनेछ । अक्टोबर २०१० मा पदावधि सकिएका सदस्यको स्थानपूर्ति गर्नका लागि पक्षराष्ट्रले प्रथमतः पाँच सदस्यको निर्वाचन गर्नेछन् । त्यसपछि उनीहरूले रोकथाम उपसमितिका कुल सदस्य संख्या २५ पुऱ्याउनका लागि थप १५ सदस्यको निर्वाचन गर्नेछन्<sup>६५</sup> । रोकथाम उपसमितिका नवनिर्वाचित १५ सदस्यमध्ये आधाले गोलाप्रथाद्वारा सुरक्षा दुई वर्षे पदावधि पाउनेछन् ।

### धारा १०

१. रोकथाम उपसमितिले दुई वर्षे कार्यकाल हुने गरी आफ्ना अधिकृतको चयन गर्नेछ । उनीहरू पुनः नियुक्त हुनसक्ने छन् ।
  २. उपसमितिले कार्य सम्पादन कार्यविधिका नियम आफै बनाउने छ । अन्य कुराका अतिरिक्त ती नियम देहायबमोजिम उल्लेख हुनेछ :
- (क) आधा सदस्य संख्यामा एक थपिएपछि गणपूरक संख्या पुग्नेछ,

<sup>६४</sup> The only other treaty body to provide for the election of additional members after a certain number of ratifications is the CEDAW.

<sup>६५</sup> Note verbale from the Secretary General of the United Nations, UN Doc CAT/OP/SP/10/1, 12 May 2010.

यातनाविरुद्धको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

- (ख) उपसमितिका निर्णय बैठकमा उपस्थित सदस्य संख्याको बहुमतबाट लिइनेछन्,
- (ग) उपसमितिको बैठक गोप्य रूपमा बस्नेछ ।
३. यस रोकथाम उपसमितिको प्रारम्भिक बैठक संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले आहवान गर्नेछन् । यसपछि भने उपसमिति आफैले तय गरेको कार्यविधिगत नियमबमोजिम बैठक बस्नेछ । यो उपसमिति तथा यातनाविरुद्धको समितिले सँगसँगै जसो वर्षको कम्तीमा एकपटक बैठक सत्र सम्पन्न गर्नेछन् ।

यातनाविरुद्धको महासचिको धारा १८ लाई प्रतिबिम्बित गर्ने आलेखको धारा १० ले रोकथाम उपसमितिको कार्यविधिगत नियम र कार्यपद्धतिमा नियन्त्रण हुने कुरालाई सुनिश्चित गर्दछ । बैठकको गणपूरक संख्या पुग्नका लागि उपस्थित हुनुपर्ने सदस्यको संख्या, निर्णय लिँदा चाहिने बहुमत संख्यासम्बन्धी व्यवस्थालाई धारा १०(२) ले उल्लेख गरेको छ र यसलाई नियममा समावेश गर्नु पर्दछ । यसका बाबजुद कैयौं कार्यविधिगत मामलाहरू रोकथाम उपसमितिका सदस्यले नै स्वीकृत गर्नुपर्नेछ ।<sup>66</sup> उदाहरणका लागि रोकथाम उपसमितिका सुरक्षा सदस्यले आफूमध्येबाट एउटा अधिकारी (रोकथाम उपसमिति सदस्य)लाई अध्यक्ष र दुईजनालाई उपाध्यक्ष बनाउने कार्यविधि अपनाएका थिए । अन्य सचिको निकायले अपनाएका कार्यविधिसँग यसले मेल खान्छ र निर्णय लिने काम, संस्था र समिति व्यवस्थापनमा सजिलोका लागि यसको निर्माण गरिएको हो ।

धारा १०(२)(ग) का अनुसार रोकथाम उपसमितिको बैठक गोप्य रूपमा गर्नुपर्छ । यो प्रक्रिया यातनाविरुद्धको समितिको भन्दा फरक छ । यातनाविरुद्धको समितिका सदस्यले अन्यथा निर्णय गरेबाहेक यसको बैठक सार्वजनिक रूपमै हुन्छ । दुई आलेख निकायका यी फरक दृष्टिकोणले तिनका विशिष्ट कार्यादेशलाई उजागर गर्दछन् । धारा १०(२)(ग) लाई धारा २ को परिप्रेक्ष्यमा हेर्नुपर्छ जसअनुसार रोकथाम उपसमिति रोकथाममूलक दृष्टिकोण र देशका थुनाख्थल भ्रमण गर्ने संवेदनशील प्रकृतिको कामका कारणले गर्दा गोपनीयताको सिद्धान्तले निर्देशित हुनु पर्दछ ।<sup>67</sup>

यातनाविरुद्धको समितिको बैठक हाल वर्षको दुईचोटी तीन हप्ताका लागि जेनेभामा हुन्छ भने रोकथाम उपसमितिको बैठक वर्षको तीनचोटी एक हप्ताका लागि बस्ने गर्दछ । धारा

<sup>66</sup> See the website of the SPT for details of its working practices: <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>.

<sup>67</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.981.

१०(३) ले सुनिश्चित गरेअनुसार रोकथाम उपसमितिको कम्तीमा एउटा वार्षिक बैठक यातनाविरुद्धको समितिको सत्रसँगै सम्पन्न हुन्छ र यो सामान्यतया नोभेम्बर महिनामा पर्छ । यो सँगसँगैको बैठकले रोकथाम उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिको सहकार्यका लागि सजिलो बनाउनका निम्ति गरिने प्रत्यक्ष संवादलाई अनुमति दिन्छ । सहकार्यलाई सजिलो बनाउनका लागि रोकथाम उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिका सदस्यले दुवै आलेख निकायका दुई दुई सदस्य रहनेगरी एउटा सम्पर्क समूह गठन गरेका छन् ।<sup>68</sup>

२

#### ५. आलेख भाग ३ : रोकथाम उपसमितिको कार्यादेश

रोकथाम उपसमितिको कार्यादेश र काम गर्ने तरिकाका महत्वपूर्ण तत्वलाई परिभाषित गर्ने ६ ओटा धारा भाग ३ ले समेटेको छ । रोकथाम उपसमितिको कार्यादेशलाई प्रभावकारी रूपमा सम्पन्न गर्नका लागि पक्षराष्ट्रले निर्वाह गर्नुपर्ने दायित्वलाई पनि यसले उल्लेख गर्दछ ।

#### धारा ११

यस उपसमितिले :

(क)धारा ४ मा उल्लेख भएअनुसारका स्थानको भ्रमण गरी स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई सुझाव दिनेछ,

(ख)राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सम्बन्धमा :

(अ) यी संयन्त्रको स्थापनार्थ पक्षराष्ट्रलाई सल्लाह प्रदान गर्ने एवं सहयोग गर्नेछ,

(आ) क्षमता अभिवृद्धि एवं सुदृढीकरण गर्ने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई प्रत्यक्ष एवं आवश्यक परेमा गोप्य तवरले समेत सम्पर्क गर्ने तथा तालिम एवं अन्य प्राविधिक सहयोग प्रदान गर्नेछ,

<sup>68</sup> SPT, *First annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment*, UN Doc. CAT/C/40/2, 25 April 2008, §33. For further information on cooperation between the CAT and the SPT, see Sections 4.7.3 and 5.1 of Chapter III of this manual.

- (इ) स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट सुरक्षा दिने उद्देश्यले ती संयन्त्रलाई सुदृढ पार्ने आवश्यकता स्रोतसाधनको मूल्यांकनमा सल्लाह तथा सहयोग प्रदान गर्नेछ,
- (ई) स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्षमता र कार्याधिकारलाई सशक्त बनाउन पक्षराष्ट्रसमक्ष सिफारिस प्रस्तुत गर्नेछ,
- (ग) सामान्यतः यातनाको रोकथामको लागि सम्पूर्ण व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन कार्यरत संयुक्त राष्ट्रसंघसम्बद्ध निकाय तथा संयन्त्रका साथै अन्य अन्तर्राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र राष्ट्रिय संघसंस्थालाई सहयोग गर्नेछ ।

धारा ११ ले रोकथाम उपसमितिको चुरोको रूपमा रहेको रोकथाममूलक कार्यादेशलाई उल्लेख गर्दछ । यसका दुई प्रमुख कार्य छन् : परामर्शदायी कार्य (भन्नाले, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन, पदनियुक्ति र कार्यमा सल्लाह दिने तथा राष्ट्रिय विधायिकी, प्रशासनिक, न्यायिक र अन्य रोकथाममूलक उपायको समीक्षा गर्ने) र सञ्चालनात्मक कार्य । यसअन्तर्गत व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराइएपछिको प्रणालीमा सुधार ल्याउनका लागि थुनास्थलको भ्रमण गरी सल्लाह र सुभाव दिने काम पर्दछन् । यातना तथा अन्य दुर्ब्यवहारको रोकथाम गर्न उद्यत कर्ताहरूसँग सहकार्य गर्न धारा ११ ले रोकथाम उपसमितिलाई लगाउँछ ।

धारा ११ ले रोकथाम उपसमितिको प्रमुख कर्तव्यलाई निर्धारित गर्दछ :

- थुनास्थलको भ्रमण गर्ने र रोकथाममूलक उपाय अपनाउनका लागि सम्बन्धित निकायलाई सल्लाह र सुभाव दिने,
- स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षासम्बन्धमा सल्लाह दिने,
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन गर्नका लागि पक्षराष्ट्रलाई प्रत्यक्ष सल्लाह दिने,
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सन्दर्भमा पक्षराष्ट्रलाई सल्लाह र सुभाव दिने,
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क राख्ने र उनीहरूलाई कामको सम्बन्धमा सल्लाह दिने,

- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई तालिम तथा अन्य प्राविधिक सहयोग प्रदान गर्ने ।

#### **धारा ११(क) : थुनास्थलको भ्रमण**

धारा ४ मा बताइएनुसार थुनास्थलको भ्रमण गर्ने रोकथाम उपसमितिको कर्तव्यलाई धारा ११(क) ले प्रस्तुत्याएको छ । पक्षराष्ट्रले यस्तो भ्रमणको अनुमति दिने र रोकथाम उपसमितिको सुभावमाथि विचार गर्ने कर्तव्यलाई पनि धारा ४ र १२ मा संलग्न गरिएको छ । थुनुवाको सुरक्षालाई सुदृढ गर्न पक्षराष्ट्रलाई सुभाव दिने रोकथाम उपसमितिको कर्तव्य पनि धारा ११(क) ले सृजना गर्दछ । रोकथाममूलक भ्रमणको आफैमा एक महत्वपूर्ण असर त छँदैछ । त्यसका अलावा तिनीहरूको दोस्रो महत्वपूर्ण कार्य छ । सुरक्षा उपायलाई बलियो बनाउने लक्ष्यसहित तिनीहरूले राष्ट्रिय कर्तासँग दिगो रूपमा सहकार्यको सुरुआत गर्दैन् ।<sup>69</sup>

२

यातनाविरुद्धको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

**धारा ११(क) : स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिको सुरक्षालाई सुदृढ गर्न दिइने सुभाव थुनुवालाई यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारबाट सुरक्षा दिन पक्षराष्ट्रलाई सुभाव दिने रोकथाम उपसमितिको कर्तव्यका बारेमा धारा ११(क) ले उल्लेख गरेको छ । यी सुभावउपर विचार गर्नुपर्ने पक्षराष्ट्रको कर्तव्य धारा १२(घ) मा अटाएको छ । धारा ११(क) को स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन भन्ने शब्दावली अत्यन्त महत्वपूर्ण हो । यसले देशका थुनास्थलको भ्रमणका क्रममा भेटिएका थुनाका अवस्था र थुनुवाप्रतिका व्यवहारमाथि टिप्पणी गर्ने रोकथाम उपसमितिलाई सक्षम बनाउने मात्र नभई थुनुवाको सुरक्षामा असर गर्ने प्रणालीगत कमजोरीमाथि पनि टिप्पणी गर्न सक्षम बनाउँछ । रोकथाम उपसमितिले (हालसम्म) भ्रमण नगरेका पक्षराष्ट्रलाई समेत रोकथाम उपसमितिले सुभाव दिनसक्छ ।**

धारा ११(क) लाई धारा २(२) सँग जोडेर हेर्नुपर्छ । धारा २(२) ले रोकथाम उपसमितिलाई आफ्नो क्रियाकलाप सञ्चालन गर्दा सबै सान्दर्भिक अन्तर्राष्ट्रिय अभ्यासमाथि विचार गर्न र तिनलाई सन्दर्भ बनाउन बाटो खुलाउँछ । यस्ता क्रियाकलापमा पक्षराष्ट्रलाई सुभाव दिने काम पनि पर्दैछ । सुभाव दिँदा यातनाविरुद्धको महासचिका रोकथाममूलक विशिष्ट व्यवस्थाभन्दा पर गएर हेर्ने रोकथाम उपसमितिलाई यसले अनुमति दिन्छ । यसै

<sup>69</sup> APT, *Monitoring Places of Detention: A Practical Guide*, APT, Geneva, 4 February 2004, p.86.

## यातनाविस्कृको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

कारणले गर्दा रोकथाम उपसमितिले अन्य मानवअधिकार सचिका अलावा न्यायसम्पादन र थुनुवाको सुरक्षाउपर विस्तृत व्याख्या गर्ने अन्य कैयौं अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्डलाई सन्दर्भ बनाउन सक्छ ।<sup>70</sup>

यी दुई धारालाई सँगसँगै राखेर हेर्दा यिनले रोकथाम उपसमितिलाई रोकथामका लागि विस्तृत दृष्टिकोण अपनाउन मद्दत गर्छन् । त्यसैले रोकथाम उपसमितिका सुभावले न्यायिक तथा कानुनी सुरक्षाउपाय र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको रोकथामसँग सम्बन्धित अन्य कानुनी व्यवस्थालगायतका विस्तृत विषय तथा व्यवस्थालाई समेटदछन् ।

स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्तिको सुरक्षा गर्ने आफ्नो कार्यादेशलाई मजबुत बनाउन रोकथाम उपसमितिले व्यापक दृष्टिकोण अङ्गालेको छ । यसको तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनले रोकथाममूलक कार्यलाई अभ व्याख्या गरेको छ । यसका सिफारिसले प्रणालीगत कमजोरीको पहिचान गर्नेसम्मका कदमलाई सुदृढ गर्छन् । रोकथाम उपसमितिले बतायो :

यातना र अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायलाई रोकथाम गर्ने प्रक्रियाले अन्तर्राष्ट्रिय संयन्त्रको विश्लेषणदेखि थुनास्थलको भौतिक अवस्थाको परीक्षणसम्मका कुरालाई विश्लेषण गर्छ र यो क्रममा सार्वजनिक नीति, बजेट, नियमावली, लिखित निर्देशन र सैद्धान्तिक अवधारणामाथि विचार गर्दै विश्वव्यापी मापदण्डलाई स्थानीय तहमा लागू गर्नबाट रोक्ने बअतक यस फष्ककष्यलक लाई व्याख्या गर्दछ ।<sup>71</sup>

रोकथाम उपसमितिले टिप्पणी गरेको छ :

रोकथाम उपसमितिको रोकथाममूलक कार्यादेशको क्षेत्र व्यापक छ र यसले कुनै देशमा स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्तिप्रतिको व्यवहार वा सजायको अवस्थाको सूचना लिने सम्बन्धमा धेरै तत्वलाई समेटदछ । केही तत्व हुन् : प्राथमिक वा वैकल्पिक कानुन र चालू अवस्थाका नियम वा नियमावलीका पक्ष वा तिनमा रहेका रिक्तता, त्यो देशका संस्थागत ढाँचा वा कार्यालय प्रणाली र यातना वा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको तहमा पुग्नसक्ने कुनै व्यवहार । रोकथाम उपसमितिको रोकथाममूलक कार्यशैली भविष्योन्मुखी देखिन्छ । असल र खराब दुवै शैलीका उदाहरणलाई परीक्षण गर्दै रोकथाम उपसमितिले विद्यमान सुरक्षाउपायलाई

<sup>70</sup> See the website of the OHCHR for details of relevant UN standards: <http://www2.ohchr.org/english/law>.

<sup>71</sup> SPT, Third annual report, §16.

अधि बढाउने, सिद्धान्त र व्यवहारबीचका खाडललाई पुर्ने र यातना वा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायलाई निर्मूल पार्ने वा न्यूनतममा ल्याउने लक्ष्य राख्दछ ।<sup>72</sup>

### धारा ११(ख) : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सल्लाह दिने भूमिका

धारा ११(ख) ले रोकथाम उपसमितिको एक महत्वपूर्ण तत्वलाई स्थापना गर्दछ : रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बीचको सम्बन्ध । धारा ११(ख)(अ) लाई पच्छाउँदै रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्न पक्षराष्ट्रलाई सल्लाह दिनुपर्छ । आफ्नो कार्यादेशको यो पक्ष चुरो तत्वका रूपमा रहेको र यसले प्रत्येक (थुनास्थल) भ्रमणमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ने भन्नेमा रोकथाम उपसमिति विश्वस्त छ ।<sup>73</sup> देशका थुनास्थल भ्रमणका क्रममा र/वा भ्रमणपछि पक्षराष्ट्रलाई रोकथाम उपसमितिले उपदेश दिने सल्लाह त छँदैछ, तर सल्लाहको व्यवस्थालाई भ्रमणसँग जोड्नु आवश्यक छैन ।

२

यातनाविष्फूक आलेखमाथि टिप्पणी ऐच्छिक महासचिको महासचिको

धारा ११(ख)(आ) ले रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको एकआपसमा प्रत्यक्ष सम्पर्क हुन्छ र यसमा पक्षराष्ट्रको हस्तक्षेप हुँदैन । आलेख निकायबीच प्रत्यक्ष सम्पर्क यातना रोकथाम गर्ने आलेख प्रणालीको महत्वपूर्ण तत्व हो । यो व्यवस्थाले आलेख निकायको स्वतन्त्रतालाई पनि सहयोग पुऱ्याउँछ ।<sup>74</sup> रोकथाममूलक भ्रमणजस्तो संवेदनशील प्रकृतिका परिप्रेक्ष्यमा यी दुई आलेख निकायबीचको सम्पर्क आवश्यक भएसम्म गोप्य हुनसक्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र वा यसका प्रणालीउपर निर्णय लिँदा सहकार्य वा र संयोजनमा पक्षराष्ट्रले गम्भीर विचार पुऱ्याउनुपर्ने कुरालाई रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबीचको सम्पर्क रहन्छ भन्ने सुनिश्चित गर्नुपर्ने पक्षराष्ट्रको दायित्वले उजागर गर्दछ । अनेकौं राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भएका पक्षराष्ट्रको हकमा यो मुद्दा अभ गम्भीर हुन्छ ।<sup>75</sup>

<sup>72</sup> SPT, Second annual report of the UN Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2008 to March 2009, UN Doc CAT/C/42/2, 7 April 2009, §13.

<sup>73</sup> SPT, First annual report, Annex VI.

<sup>74</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.997.

<sup>75</sup> For more details of the particular challenges posed by having multiple NPMs, see the commentary on Articles 3 and 17 in this chapter; Section 7.4 of Chapter IV of this manual; and APT, *NPM Guide*.

## यातनाविस्कृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्पर्क बनाउनुको अलावा उनीहरूलाई तालिम र प्राविधिक सहयोग दिनु पनि रोकथाम उपसमितिकै कार्यादेशमा पर्दछ । धारा ११(ख)(इ) मुताबिक थुनाको अवस्थामा सुधार त्याउन र यातना तथा अन्य किसिमका दुर्व्यवहारलाई रोकथाम गर्नका लागि उपायको मूल्यांकन गर्ने काम गर्नसक्छ । धारा ११(ख)(इ) अनुसार उपलब्ध गराउने तालिम र प्राविधिक सहयोगले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सम्बोधन गर्दछन् न कि पक्षराष्ट्रलाई । आलेखले स्थापना गरेको त्रिकोणात्मक सम्बन्धलाई यसले थप उजागर गर्दछ । तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रभावकारी कार्यसञ्चालनलाई सशक्त तुल्याउनका लागि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई सल्लाह तथा सुझाव दिने कार्यादेश पनि रोकथाम उपसमितिलाई धारा ११(ख)(इ) ले तोकेको छ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रभावकारी कार्यसञ्चालन र/वा स्थापनाको सन्दर्भलाई रोकथाम उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदनअन्तर्गत सल्लाह र सुझावको शीर्षकमा समावेश गर्ने गरेको छ । (तर माथि लेखिएबमोजिम यस्तो सल्लाहको व्यवस्था भ्रमण गरिएको पक्षराष्ट्रका हकमा मात्र सीमित छैन ।)<sup>76</sup> यो महत्वपूर्ण प्रगति हो किनकि कार्यान्वयनका लागि रकम धारा २६ को विशेष कोषमार्फत उपलब्ध गराउन सकिन्छ ।

### **धारा ११(ग) : सहकार्य**

स्वतन्त्रताबाट वजिचत गरिएका व्यक्तिको सुरक्षाका लागि कार्यरत सान्दर्भिक राष्ट्रसंघीय संयन्त्रका अलावा अन्य अन्तर्राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र राष्ट्रिय संघसंस्थासँग रोकथाम उपसमितिले सहयोग गर्नुपर्ने भनी धारा ११(ग) ले बताएको छ ।<sup>77</sup> यो व्यापक किसिमको व्यवस्थाले रोकथामको क्षेत्रमा कार्यरत विभिन्न कर्ताका बीच सहकार्यका प्रयासलाई उत्प्रेरित गर्दछ । यसले रोकथामको एकीकृत तथा अविचलित रणनीति अंगीकार गर्न समेत उत्प्रेरित गर्दछ । सहकार्यसम्बन्धी विशिष्ट धारा (धारा ३१ र ३२) यो व्यवस्थाका पूरकका रूपमा रहेका छन् ।

### **धारा १२**

रोकथाम उपसमितिलाई धारा ११ मुताबिक दिइएको कार्याधिकार सम्पन्न गर्न सबल तुल्याउनका लागि पक्षराष्ट्रले देहायबमोजिम गर्नेछन् :

<sup>76</sup> See, for example, the first SPT in-country mission report for Sweden (UN Doc. CAT/OP/SWE/1, 10 September 2008); and the first SPT in-country mission report for the Maldives (UN Doc. CAT/OP/MDV/1, 26 February 2009).

<sup>77</sup> For further information, see section 5 of chapter III of this manual.

- (क) रोकथाम उपसमितिलाई आफ्नो भू-भागमा स्वागत गर्ने र उसलाई यस आलेखको धारा ४ मा उल्लेख गरिएबमोजिमका हिरासत/कारागारसम्मको पहुँचलाई प्रत्याभूत गर्ने,
- (ख) स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविस्तृद्ध दिइने सुरक्षालाई सुदृढ तुल्याउने आवश्यकता एवं अवलम्बन गर्नुपर्ने उपायको मूल्यांकन गर्न रोकथाम उपसमितिले माग्न सक्ने सूचना उपलब्ध गराउने,
- (ग) रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबीच सम्बन्ध स्थापित गर्नका लागि उत्साहित गर्ने एवं त्यसलाई सहजीकरण गर्ने,
- (घ) रोकथाम उपसमितिले दिएका सिफारिस र सल्लाहको अध्ययन गरी यसको कार्यान्वयनका सम्भावित उपायका बारेमा उपसमितिसँग संवाद, परामर्श गर्ने ।

धारा ११ ले रोकथाम उपसमितिलाई दिएको अधिकारारसँग प्रत्यक्ष तादात्म्य राख्ने प्रत्येक पक्षराष्ट्रको कर्तव्यलाई धारा १२ ले उल्लेख गरेको छ । आलेखको रोकथाममूलक कार्यशैलीको आधारभूत पक्षका रूपमा सहकार्यको सिद्धान्त रहने तथ्यलाई दुवै धाराले जोड दिएका छन् ।<sup>78</sup>

पक्षराष्ट्रको भ्रमण गर्नका लागि रोकथाम उपसमितिलाई थप रूपमा पूर्वस्वीकृति नचाहिने तथ्यलाई धारा १२(क) ले सुनिश्चित गरेको छ । रोकथाम उपसमितिको यो कार्यादेशको पक्ष अद्वितीय छ । यातनाविस्तृद्धको समिति वा राष्ट्रसंघीय यातनासम्बन्धी विशेष प्रतिवेदकजस्ता राष्ट्रसंघीय संयन्त्रले पक्षराष्ट्रको भूमिमा प्रवेश गर्नुअघि सामान्यतया कुनै किसिमको पूर्वस्वीकृति वा निमन्त्रण आवश्यक हुन्छ ।<sup>79</sup> कार्यादेश भएकाहरूले थप स्वीकृतिविना नै भ्रमण सम्पन्न गर्नका लागि सक्षम बनाउने गरी सबै राज्यले सम्पूर्ण राष्ट्रसंघीय विशेष कार्यविधिलाई खुला निमन्त्रण गर्ने घोषणा गर्नसक्छन् । पूर्वस्वीकृतिविना रोकथाम

<sup>78</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1000.

<sup>79</sup> Under Article 20 of the UNCAT, the CAT may conduct a visit to a State Party as part of its inquiry procedure but it requires the prior consent of the State Party concerned. Similarly, the UN Special Rapporteur on Torture and other UN Special Procedures need to have invitations from the countries that they propose to visit before they can undertake fact-finding missions.

उपसमितिले भ्रमण गर्न पाउने भन्नुको अर्थ उपसमिति सूचनै नदिइकन आउँछ भन्ने होइन । धारा १३ मुताबिक आवश्यक व्यवस्थापकीयका सामान र व्यवहारिक कार्यक्रम मिलाउनका लागि सम्बन्धित अधिकारीलाई सजिलो बनाउन रोकथाम उपसमितिले पक्षराष्ट्रलाई भ्रमणको सूचना दिने गर्छ ।<sup>८०</sup> रोकथाम उपसमितिले आफ्नो भ्रमण, आफ्नो कार्यशैली र आफ्नो रोकथाममूलक कार्यादेशको सामान्य सूचना मात्र दिन्छ । तर आफूले गर्न विशिष्ट थुनारस्थल भ्रमणको कार्यक्रमका सम्बन्धमा रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय अधिकारीहरूलाई बताउँदैनन् ।

आफ्नो कार्यादेशलाई पूरा गर्न आवश्यक सबै सूचनामा रोकथाम उपसमितिलाई पहुँच दिनुपर्ने सुनिश्चितता पक्षराष्ट्रको हुने भनी धारा १२(ख) ले बताउँछ । स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षालाई सुदृढ गर्नका लागि पक्षराष्ट्रले अपनाउनुपर्ने विशिष्ट उपायको मूल्यांकन गर्न त्यो राष्ट्रको उपयुक्त ज्ञान भएको खण्डमा मात्र रोकथाम उपसमिति प्रभावकारी हुन्छ ।<sup>१</sup>

धारा १२(ग) धारा ११(ख) को पूरकका रूपमा काम गर्छ जसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष र स्वतन्त्र सम्पर्क राख्न रोकथाम उपसमितिलाई अधिकार दिन्छ । रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बीच प्रत्यक्ष सम्पर्कका लागि प्रोत्साहन र सहयोग गर्न पक्षराष्ट्रलाई दायित्व दिएर यो काम सम्पन्न गरिन्छ ।

धारा १२(घ) मुताबिक रोकथाम उपसमितिको सिफारिसलाई परीक्षण गर्ने र त्यो निकायसँग सम्भावित कार्यान्वयनको उपायसम्बन्धी संवाद गर्ने दायित्व पक्षराष्ट्रको हुन्छ । त्यसैले गर्दा पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिका सिफारिसलाई गम्भीरतापूर्वक विचार गर्नु पर्दछ । अन्यथा गरेमा समग्र आलेखको रोकथाममूलक उद्देश्य र धारा २(४) मा उल्लिखित सहकार्यको सिद्धान्त दुवैलाई दुर्बल बनाएको ठहरिन्छ । परिणामस्वरूप, रोकथाम उपसमितिसँग सहकार्य गर्ने र/वा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिको सुरक्षाका सम्बन्धमा उपयुक्त कदम चाल्न इन्कार गर्ने कुनै पनि पक्षराष्ट्रमाथि टिप्पणी उठन सक्छन् । आलेखको धारा १६(४) मुताबिक रोकथाम उपसमितिले प्रकाशित गर्ने देशभ्रमणको प्रतिवेदनमा यी टिप्पणी रहन सक्छन् ।

<sup>८०</sup> See commentary on Article 13(2) in this chapter; and Section 4.2 of Chapter III of this manual.

<sup>१</sup> As per Article 14 of the OPCAT.

## धारा १३

१. रोकथाम उपसमितिले धारा ११ मा स्थापित आफ्नो कार्यादेश सम्पन्न गर्न सुरुमा गोलाप्रथाद्वारा पक्षराष्ट्रको भ्रमणको कार्यक्रम निर्धारण गर्नेछ ।
२. परामर्शपछि उपसमितिले पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो भ्रमण कार्यक्रमबाटे सूचित गर्नेछ ताकि उपसमितिको भ्रमणको लागि आवश्यक व्यवहारिक व्यवस्थापन यथाशीघ्र हुन सकोस् ।
३. त्यस्तो भ्रमण उपसमितिका कम्तीमा पनि दुई सदस्यले गर्नेछन् । आवश्यक परेको बखत भने उपसमितिका भ्रमणकारी सदस्यलाई यस आलेखले समेटेको क्षेत्र एवं विषयमा अनुभव तथा गहिरो दखल राख्ने विशेषज्ञले साथ दिनेछन् जो पक्षराष्ट्र, संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार उच्चायुक्तको कार्यालय तथा संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार अपराध रोकथाम केन्द्रबाट प्रस्तावित गरेबमोजिम तयार पारिएको व्यक्तिको सूचीबाट छानिने छन् । त्यस्तो सूची तयार गर्दा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले बढीमा पाँचजना विशेषज्ञको नाम मात्र सिफारिस गर्न सक्नेछन् । भ्रमण गरिने पक्षराष्ट्रले भ्रमण दलमा कुनै विशिष्ट विशेषज्ञको समावेशउपर विरोध जनाउन सक्नेछ र त्यसो भएमा उपसमितिले अर्को विशेषज्ञलाई भ्रमण दलमा समावेश गर्नेछ ।
४. उपसमितिले उपयुक्त ठानेको खण्डमा उसले आफ्नो प्रत्येक नियमित भ्रमणपछि छोटो समयावधिको अनुगमन भ्रमणको प्रस्ताव गर्न सक्नेछ ।

### धारा १३(१) : भ्रमण कार्यक्रम

रोकथाम उपसमितिले देशभ्रमण गर्ने आफ्नो कार्यक्रम कसरी बनाउने र भ्रमणकर्ताको समूह कसरी चयन गर्ने भन्नेबारेमा धारा १३ ले विस्तृत व्याख्या गरेको छ ।

धारा १३(१) मुताबिक पहिलो भ्रमण कार्यक्रम गोलाप्रथाद्वारा तय भएको थियो<sup>८२</sup> यस्तो गोलाप्रथा धारा २(३) मा उल्लेख गरिएबमोजिम रोकथाम उपसमितिको कामलाई निर्देशित गर्ने विवव्यापकता, छनोट रहितता र निष्पक्षताको सिद्धान्तसँग संगत हुने मानिन्छ । पक्षराष्ट्रप्रतिको दृष्टिकोणमा पनि यो लागू हुन्छ । यसपछि रोकथाम उपसमितिले आफ्नै नियम तथा कार्यविधिमा तय गरेअनुरूप पछि हुने भ्रमणहरू तार्किक आधारमा

<sup>८२</sup> The first countries that received SPT in-country visits were Mauritius, the Maldives and Sweden. For further details, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>.

## यातनाविस्कृतको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

गर्नेछ र देहायबमोजिमका तत्वलाई विचार गर्नेछ : आलेखको पक्षराष्ट्र भएको र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना भएको मिति, राज्यको आकार र जटिलता, क्षेत्रीय रोकथाममूलक निरीक्षण र रिपोर्ट गरिएका अत्यावश्यक मुद्दाहरू । प्रत्येक वर्ष भ्रमण गरिने पक्षराष्ट्रका भौगोलिक विभाजनमाथि पनि विचार पुन्याइनुपर्छ ।<sup>83</sup>

प्रत्येक वर्षको भ्रमणका कार्यक्रम तय गरेपछि रोकथाम उपसमितिले भ्रमण गरिने देशका नाम सार्वजनिक गर्छ । यस क्रममा उसले कुनै पनि भ्रमणको मिति निश्चित गर्दैन र सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई धारा १३(२) मुताबिक सूचना दिन्छ ।<sup>84</sup> व्यवहारिक तथा व्यवस्थापकीय मिलाउने कारणका लागि भ्रमणको पूर्वसूचना दिनु आवश्यक छ । तर यसलाई पक्षराष्ट्रसँग सहमति लिनका लागि आवश्यक रहेको भन्ने हिसाबले व्याख्या गरिनुहुन्न ।

### **धारा १३(३) : भ्रमणकारी टोलीका सदस्यको बनावट**

भ्रमणकारी दलका सदस्यको बनावटका सम्बन्धमा पूरा गर्नुपर्ने आवश्यकताका सम्बन्धमा धारा १३(३) ले व्याख्या गरेको छ । यसका अनुसार रोकथाम उपसमितिका कम्तीमा पनि दुई सदस्यले भ्रमण गर्नु पर्दछ । व्यवहारमा रोकथाम उपसमितिका भ्रमणकर्ताको दलमा दुईदेखि चार सदस्यसम्म हुन्छन् । रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई थप विज्ञाले साथ दिन सक्छन् । धारा ५ ले खोजेअनुसारको व्यवसायिक विज्ञता भ्रमणकारी टोलीमा रहने कुरालाई यसले सुनिश्चित गर्दछ । धारा ५ ले बताएअनुसार रोकथाम उपसमितिको लैडिक र भौगोलिक सन्तुलनलाई कायम राख्नका लागि भ्रमणकारी टोलीमा थप विज्ञलाई समावेश गर्नु पनि प्रभावकारी हुन्छ ।

भ्रमणकारी टोलीमा रहने थप विज्ञका उम्मेदवारलाई पक्षराष्ट्रले मात्र नभई संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार उच्चायुक्तको कार्यालय तथा संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार अपराध रोकथाम केन्द्रले पनि सिफारिस गर्दछन् । थप विज्ञको संख्यामा सीमा तोकिएको छैन तर प्रत्येक पक्षराष्ट्रले पाँचजना आफ्ना नागरिकको नाम प्रस्ताव गर्न सक्छन् । यो व्यवस्था यातनाविस्कृतको समितिको कार्यविधि नियम<sup>85</sup> र यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथामसम्बन्धी युरोपेली महासचिको धारा ७(२)

<sup>83</sup> SPT, Third annual report, §20.

<sup>84</sup> SPT, First annual report, §14.

<sup>85</sup> CAT, Rules of procedure, UN Doc. CAT/C/3/Rev.4, Rule 82-1.

सँग मिल्दोजुल्दो छ ।<sup>४६</sup> तर कुन विज्ञले विशिष्ट भ्रमण टोलीलाई राज्यको भ्रमणमा साथ दिने भनी रोकथाम उपसमितिले तय गर्दछ ।

विज्ञहरूमा रोकथाम उपसमितिका सदस्यकै जस्तो व्यवसायिक विज्ञता र व्यक्तिगत दक्षता हुनु जस्ती छ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यकै जस्तो अधिकार तथा कर्तव्य विज्ञहरूको पनि हुने भएकाले उनीहरू राष्ट्रसंघीय मिसनका विज्ञले पाउने सेवा, सुविधा तथा उन्मुक्तिका हकदार हुन्छन् र यो तथ्य राष्ट्रसंघीय सुविधा तथा उन्मुक्तिसम्बन्धी महासचिका सान्दर्भिक दफाहरूमा उल्लेख गरिएको छ । विज्ञहरूले आफ्नो काम इमान्दार, विश्वसनीय, स्वतन्त्र र निष्पक्ष भई तथा गोपनीयताको सिद्धान्तलाई सम्मान गर्दै सम्पन्न गर्नुपर्छ । भ्रमणका तरिकामा सङ्गति कायम राख्नका लागि विज्ञहरूले रोकथाम उपसमितिको कार्यादेश र भ्रमण पद्धतिसम्बन्धी सूचना तथा तालिम प्राप्त गर्नु जस्ती छ ।

२

यातनाविष्वक्रमे महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

#### **धारा १३(४) : अनुगमन भ्रमण**

धारा १३(४) ले रोकथाम उपसमितिलाई नियमित देशभ्रमणका अलावा छोटो अनुगमन भ्रमण गर्ने प्रस्ताव राख्न, आफ्नो सिफारिस कार्यान्वयन भएको छ/छैन भन्ने परीक्षण गर्न र भ्रमण गरिएको देशमा थुनाको स्थितिमा भएको प्रगतिको मूल्यांकन गर्नका लागि सक्षम बनाउँछ । भविष्यमा रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियुक्ति, गठन वा कामलगायतका विशिष्ट मुद्दाहरूमा केन्द्रित हुनका लागि छोटा विषयगत भ्रमणमाथि विचार गर्नसक्छन् ।

#### **धारा १४**

१. यस आलेखका पक्षराष्ट्र उपसमितिलाई प्राप्त कार्यादेश सम्पन्न गर्न सबल बनाउने उद्देश्यले निम्नानुसार प्रत्याभूति दिनेछन् :

(क) धारा ४ ले परिभाषित गरेमुताबिक हिरासत/कारागारमा स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरी राखिएका व्यक्तिको संख्या साथै त्यस्ता ठाउँको संख्या तथा अवस्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच,

<sup>४६</sup> Article 7(2) of the ECPT states that "As a general rule, the visits shall be carried out by at least two members of the Committee. The Committee may, if it considers it necessary, be assisted by experts and interpreters".

- (ख) ती व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरुको बन्दी अवस्थासँग सरोकार रहेको सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच,
- (ग) देहायको उपधारा (२) सँग सम्बन्धित हुनेगरी बन्दी राखिने स्थान तथा सोसँग सम्बन्धित संरचना एवं सुविधासम्मको बेरोकटोक पहुँच,
- (घ) स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्ति तथा उपसमितिले आफूले खोजेको सूचना दिनसक्छ भनी विश्वास गरिएका व्यक्तिसँग दोभाषेको आवश्यकता परेबाहेक अन्य व्यक्तिको अनुपस्थितिमा गोप्य अन्तर्वार्ता लिने अवसर,
- (ङ) उपसमितिले आफूले भ्रमण गर्न तथा अन्तर्वार्ता लिन चाहेको स्थान तथा व्यक्ति छनोटको स्वतन्त्रता ।
२. राष्ट्रिय सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा, प्राकृतिक आपतविपत वा भ्रमण गर्ने भनिएको स्थानमा व्याप्त गम्भीर अव्यवस्थाको कारण अस्थायी रूपमा भ्रमण स्थगित गर्नुपर्ने तत्कालीन तथा बाध्यकारी अवस्थामा भने कुनै विशेष कारागार/हिरासतको भ्रमणमा असहमति जनाउन सकिनेछ । संकटकालको घोषणा गरी त्यस्तो अवस्था कायम रहेको बेला भने सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले प्रस्तावित भ्रमणमा असहमतिको आधार मान्न पाउने छैन ।

धारा १४ लाई धारा १२ को साहचर्यमा हेनुपर्छ किनकि यसले रोकथाम उपसमितिको सम्बन्धमा पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई व्याख्या गर्दछ । यी दायित्वले यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायसम्बन्धी युरोपेली समिति,<sup>87</sup> रेडक्रस अन्तर्राष्ट्रिय समिति र मानवअधिकारसम्बन्धी अन्तर अमेरिकी आयोगजस्ता अन्य भ्रमणकारी निकायको स्थापित व्यवहारलाई प्रतिबिम्बित गर्दछन् । यी दुई धाराले रोकथाम उपसमितिलाई ठीक मूल्यांकन र सम्बन्धित सिफारिस दिनका लागि सबल बनाउँछन् ।

### धारा १४(१) : सूचनासम्म पहुँच

धारा १२(ख) मा निहित रोकथाम उपसमितिलाई सम्बन्धित सूचना दिने पक्षराष्ट्रको कर्तव्यलाई धारा १४(१)(क) र १४(१)(ख) ले व्याख्या गर्दछन् । रोकथाम उपसमितिलाई कुन किसिमका सूचनासम्म पहुँच दिनुपर्छ भनी यी धाराले तोकेका छन् । रोकथाम

<sup>87</sup> The CPT is established by the ECPT.

उपसमितिले आफ्नो रोकथाममूलक कार्यादेश प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच पाउनु अत्यन्त आवश्यक छ । देशको भ्रमणका लागि उपसमितिले तयारी गर्दा थुनास्थलको संख्या र अवस्थितिका बारेमा सूचना पाउनु अत्यन्त आवश्यक छ । प्रभावकारी भ्रमण कार्यसूची बनाउँदा समेत यस्तो सूचनाको आवश्यकता रहन्छ । उदाहरणका लागि क्षमताभन्दा बढीका कैदी रहेको र कैदीको अनुपातमा कारागार कर्मचारी रहेको/नरहेको लगायतका विविध तत्वको सटीक मूल्यांकन गर्न रोकथाम उपसमिति सक्षम हुनुपर्छ । यसले कुन थुनास्थलको भ्रमण गर्ने भन्ने सम्बन्धमा निर्धारण गर्न उपसमितिलाई सजिलो पार्छ । थुनुवाप्रतिको व्यवहार र थुनाको अवस्था (उदाहरणका लागि, व्यक्तिगत कागजात, अनुशासनात्मक उपायका बहीखाता, स्वास्थ्यसम्बन्धी अभिलेख, खानपिनको व्यवस्था र आत्महत्या गर्न नदिनका लागि निगरानी) सँग सम्बन्धित सूचनासम्म पहुँच पनि महत्वपूर्ण हुन्छ किनकि भ्रमण टोलीका सदस्यले भ्रमणका दौरान यो सूचनालाई परीक्षण गर्नसक्छन् ।

#### **धारा १४(ग) : थुनास्थलसम्म पहुँच**

धारा १४(ग) ले धारा १, ४ र १२(१) सँग नजिकको साइनो राख्दछ । आफ्नो क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा रहेका सबै थुनास्थलमा रोकथाम उपसमितिलाई भ्रमणको अनुमति दिनुपर्ने पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई यी धाराले पुष्ट गर्दछन् ।<sup>४४</sup> धारा १४(ग) ले यसलाई विस्तार गर्दै सुनिश्चित गरेअनुसार रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई सबै थुनास्थलमा पहुँच दिने मात्र नभई थुनास्थलका कुनाकाज्चा कोठरी सबैमा दिनुपर्छ, जस्तै, बस्ने कोठा, गोप्य कोठरी, आँगन, व्यायाम गर्न स्थान, भान्सा, काम गर्ने ठाँ, पढलेख गर्ने कोठा, स्वास्थ्योपचारको कोठा, शौचालय र कारागार कर्मचारीको निवासस्थान । भ्रमणकारी टोलीले चाहेअनुसार थुनास्थलका कोठाचोटा तथा अन्य स्थानको भ्रमण गर्नलाई छुट पाउनुपर्ने मात्र नभई कारागार कर्मचारीको हस्तक्षेपविना नै यसो गर्न पाउनुपर्छ । थुनास्थलभित्र पहुँचको अधिकारलाई यसरी नियन्त्रणरहित गर्दा मात्र रोकथाम उपसमितिले सबै थुनुवासम्म आफ्नो पहुँच रहन्छ भन्ने कुरालाई जाँचसक्छ र यसैले गर्दा थुनास्थलको सटीक चित्र प्राप्त गर्ने स्थितिमा ऊ पुग्छ । यो व्यवस्थाले रोकथाम उपसमितिलाई थुनास्थलको बनावट, सुरक्षाव्यवस्था, भवनको ढाँचा र अन्य विशेषतालाई

<sup>४४</sup> See commentary on Article 4(1) in this chapter for more details on what is meant by “jurisdiction and control”.

निरीक्षण गर्न सबल बनाउँछ । यी सबैले स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको दैनिक जीवन र कारागार कर्मचारीको काम गर्ने वातावरणमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछन् ।<sup>89</sup>

धारा १४ ले प्रस्त गरी अधोषित भ्रमण<sup>90</sup> लाई सन्दर्भित नगरे पनि सम्भिको लक्ष्य र उद्देश्यसँग सङ्गत ठहरिने यो मात्र एउटा व्याख्या हो । त्यसैले अनियन्त्रित पहुँच भन्ने शब्दलाई अधोषित भ्रमण गर्नसक्ने शक्तिसमेत बोकेको भनी व्याख्या गरिनुपर्छ ।

#### धारा १४(घ) र १४(ङ) : व्यक्तिगत अन्तर्वार्ता

रोकथाम उपसमितिले स्वतन्त्रताबाट वज्चित भएका व्यक्तिसँग व्यक्तिगत अन्तर्वार्ता लिनसकोस् भन्ने सुनिश्चितता पक्षकाष्ठ्रले गर्नुपर्ने भनी धारा १४(घ) ले औल्याउँछ । यो रोकथामका लागि अत्यन्त महत्वपूर्ण तरिका हो किनकि यसले भ्रमणकारी टोलीलाई प्रमाण संकलन गर्न सबल बनाउँछ । उपसमितिलाई निश्चित थुनास्थलमा यातना तथा दुर्घटवहारका खतरा तथा यी दुर्घटवहार रोकथाम गर्नका लागि अपनाइएका उपायको प्रभावकारिता दुवैको सटीक चित्र बनाउनसमेत यसले सबल बनाउँछ । थुनुवासंगको अन्तर्वार्ता व्यक्तिगत हुनुपर्छ भन्नुको मतलब अन्तर्वार्ता सार्वजनिक अधिकारी, राज्यका अन्य एजेन्ट र अन्य थुनुवाले नसुन्ने गरी र सम्भव भएमा तिनीहरूले नदेख्ने गरी गर्नुपर्छ । त्यसैले अन्तर्वार्तास्थलको चयन महत्वपूर्ण हुन्छ । कारागार अधिकारीहरूले विशेष रूपमा चुनेका स्थानलाई ध्यानपूर्वक विचार पुऱ्याउनुपर्छ । उक्त स्थान चयन गर्ने र आवश्यक भएमा वैकल्पिक स्थान रोजे छुट रोकथाम उपसमितिले पाउँछ ।

धारा १४(ङ) ले जोड दिएनुसार अन्तर्वार्ता लिइने व्यक्तिको चयन गर्ने अधिकार रोकथाम उपसमितिको हुन्छ । कुनै विशिष्ट थुनास्थलको अवस्थिति र त्यहाँ हुने थुनुवाप्रतिको व्यवहारको व्यापक विश्लेषणलाई सुनिश्चित गर्न यो महत्वपूर्ण हुन्छ । अधिकारीहरूले सिफारिस गरेका थुनुवा र अन्तर्वार्ताका लागि अनुरोध गरेका थुनुवासंग रोकथाम उपसमितिले अन्तर्वार्ता लिनसक्ने भए पनि भ्रमण टोलीका सदस्यले अन्तर्वार्ता लिनका लागि प्रतिनिधिमूलक संख्याका थुनुवालाई अनियोजित रूपमा छनोट गर्न अस्यास रोकथाम उपसमितिले अपनाएको छ । रोकथाम उपसमितिले थुनुवा तथा थुनास्थलका कर्मचारीलाई मात्र अन्तर्वार्ता लिने नभएर थुनुवाका परिवार, सम्बन्धित नागरिक समाजका प्रतिनिधि, यातना वा अन्य दुर्घटवहारका पीडित भनिएका व्यक्ति र भूतपूर्व थुनुवालाई समेत अन्तर्वार्ता लिन सक्नुपर्नेछ ।

<sup>89</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1042.

<sup>90</sup> See the discussion of Articles 4 and 12 in this chapter.

धारा १४ लाई देहायबमोजिमको साहचर्यमा अध्ययन गर्नुपर्छ :

- धारा १५ सँग, यसले रोकथाम उपसमितिसँग संवाद गरेको हुनसक्ने व्यक्ति वा संस्थामाथि आक्रमण गर्न निषेध गर्दछ र
- धारा १६(२), सम्बन्धित व्यक्तिको लिखित सहमतिविना उसको व्यक्तिगत तथ्यांक प्रकाशित गर्न नहुने भनी यसले उल्लेख गर्दछ ।

थप विज्ञ र/वा अनुवादकहरू समेत यी व्यवस्थामा बाँधिएका हुन्छन् ।

२

### धारा १४(२) : भ्रमणको अस्थायी स्थगन

कुनै विशेष थुनास्थलको भ्रमणलाई अस्थायी रूपमा स्थगन गर्नुपर्ने असाधारण परिस्थितिका बारेमा धारा १४(२) ले बताएको छ । कुनै विशेष थुनास्थलको भ्रमणमा मात्र आपत्ति उठाउन सकिन्छ र देशभ्रमणको पूरै कार्यक्रमलाई रोक्न पाइन्न भन्ने कुरालाई जोड दिनु पर्दछ । रोकथाम उपसमितिले कहिले र कहाँ भ्रमण गर्ने भन्ने कुरामा पक्षराष्ट्रको हैकमलाई रोकथाम गर्ने लक्ष्य यस व्यवस्थाको छ । त्यसैले यसलाई धारा १, ४ र १२ को परिप्रेक्ष्यमा अध्ययन गर्नु पर्दछ । यी सबै धाराले सम्पूर्ण थुनास्थलमा रोकथाम उपसमितिलाई भ्रमण गर्ने दिनुपर्ने पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई स्थापित गर्दछन् । धारा १४(२) यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायसम्बन्धी युरोपेली समितिको धारा ९(१) मा आधारित भए पनि पक्षराष्ट्रको दायित्व आलेखमा बढी प्रस्तसँग परिभाषित गरिएको छ । यसैकारणले यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायसम्बन्धी युरोपेली समितिभन्दा आलेखले रोकथाममूलक भ्रमणमा राज्यको हस्तक्षेपबाट अभ धेरै सुरक्षाका उपाय दिन्छ ।<sup>91</sup>

धारा १४ ले असाधारण परिस्थिति भन्ने शब्दावली प्रयोग गर्दैन । तर तत्कालीन तथा बाध्यकारी आधार भन्ने शब्दावलीबाट यस्ता परिस्थिति असाधारण प्रकृतिका हुने भन्ने प्रस्त छ । संकटकालको अवस्थाको जिकिर लिन नपाइने भन्ने सन्दर्भलाई पक्षराष्ट्रले

<sup>91</sup> Article 9(1) of the ECPT states that “In exceptional circumstances, the competent authorities of the Party concerned may make representations to the Committee against a visit at the time or to the particular place proposed by the Committee. Such representations may only be made on grounds of national defence, public safety, serious disorder in places where persons are deprived of their liberty, the medical condition of a person or that an urgent interrogation relating to a serious crime is in progress.”

संकटकालको घोषणा गरिसकेको अवस्था भनी प्रस्तावित भ्रमणमा असहमतिको आधार मान्न पाउनबाट निषेध गरेको रूपमा व्याख्या गरिएको छ ।<sup>92</sup> वास्तवमा संकटकालकै बखत रोकथाममूलक भ्रमण विशेषगरी सान्दर्भिक ठहरिन्छन् किनकि यो बेला गैरन्यायिक थुना, यातना, अन्य दुर्व्यवहार र जीवनसम्बन्धी अधिकारको उल्लंघनविरस्त्रका सुरक्षाउपायलाई राज्यले भंग गर्न वा यसमा अन्य बाधा आउने सम्भावना रहनसक्छ ।

भ्रमण स्थगनका बखत रोकथाम उपसमितिका सदस्य र अधिकारीका बीच निकट सम्पर्क भइरहनु जस्ती हुन्छ जसले गर्दा समस्याको समाधान खोज्न र सकेसम्म छिटो भ्रमण सुचारू गर्न सकियोस् ।

२

## धारा १५

कुनै पनि निकाय वा पदाधिकारीले कुनै व्यक्ति विशेष वा संघसंस्थाले उपसमितिसँग सञ्चार सम्पर्क गरेको वा उसका प्रतिनिधिलाई सत्य वा असत्य कुनै सूचना उपलब्ध गराएको आधारमा मात्र कारबाही गर्न कुनै आदेश दिने छैनन्, त्यसको कार्यान्वयन गर्ने छैनन्, त्यसो गर्न अनुमति दिने छैनन् एवं त्यसो गरेमा सहने छैनन् साथै ती व्यक्ति वा संघसंस्थाप्रति कुनै पूर्वाग्रह राख्ने छैनन् ।

रोकथाम उपसमितिसँगको संवादका कारण व्यक्ति वा संस्थामाथि हुनसक्ने कारबाही र अन्य किसिमका आक्रमणबाट सुरक्षा दिने व्यवस्था यसले गर्दछ । रोकथाम उपसमितिको भ्रमणबाट कसैमाथि हुनसक्ने आक्रमण रोक्न सुनिश्चितता देखाउनुपर्ने राज्यको दायित्व हुने भनी यो धारालाई रोकथाम उपसमितिले व्याख्या गरेको छ । थप रूपमा रोकथाम उपसमितिले देशको भ्रमण गर्दा ऊसँग सहकार्य गरेको आधारमा व्यक्तिमाथि आक्रमण भएको छ/छैन भनी सुनिश्चित गर्ने र सबै सम्बन्धित व्यक्तिलाई रक्षा गर्नका लागि तत्काल काम गर्ने दायित्व राज्यका अधिकारीको हुने आशा रोकथाम उपसमितिले लिएको छ । यसै सन्दर्भमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको अस्तित्व अत्यन्त महत्वपूर्ण हुन्छ ।<sup>93</sup>

आलेखको कारबाही भन्ने शब्दले स्वतन्त्रताबाट वच्चित भएका व्यक्तिलगायत कुनै पनि व्यक्ति वा संस्थाविरस्त्र हुने सबै खालका आक्रमण, सजाय र थिचोमिचो (जस्तै, कुटपिट,

<sup>92</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1045.

<sup>93</sup> SPT, Third annual report, §35-36.

अनुशासनात्मक कारबाही, सुविधाहरू खोस्ने वा सर्वा गर्ने)लाई समेटदछ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यसँग संवाद गर्नबाट हतोत्साहित बनाउने उद्देश्यले थोपरिने देवानी दायित्व, फौजदारी कारबाही र चेतावनीलाई समेत यसले समेटदछ । थर्काइने, दुःख दिइने वा अन्य किसिमले थिचोमिचो गरिने डरले व्यक्ति वा संस्थालाई रोकथाम उपसमितिसमक्ष सूचना, विचार वा बयान दिनबाट रोक्नसक्छ । त्यसैले रोकथाम उपसमितिका सबै भ्रमणकारी सदस्य र/वा कुनै एक सदस्यसँग कुनै रूपमा संवाद गर्नबाट व्यक्तिहरू नडराऊन भन्ने सुनिश्चित गर्नका लागि कारबाहीलाई निषेध गर्नु आवश्यक छ ।

२

धारा १५ ले राष्ट्रसंघीय विशेष कार्यविधिले गर्ने खोजमूलक भ्रमणका लागि बनाइएका सेवा तथा शर्तलाई प्रतिबिम्बित गर्दछ । यसका अनुसार :

कार्यादेश पूरा गर्ने विशेष प्रतिवेदक/प्रतिनिधिसँगको सम्पर्कमा रहेका अधिकारी वा निजी व्यक्तिलाई सम्पर्क राखेकै कारण थर्काउने, दुःख दिने वा सजाय दिने वा न्यायिक कारबाही गर्ने काम गर्न पाइँदैन<sup>९४</sup>

यसले रेडक्रस अन्तर्राष्ट्रिय समिति, सिपिटि र आइएसिएचआरको वर्तमान अभ्यासलाई प्रतिबिम्बित गर्दछ ।

विशेषगरी स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिहरूमाथि आक्रमणको खतरा रहन्छ । त्यसैले भ्रमणकारी सदस्यले अन्तर्वार्ता लिएका व्यक्तिको कल्याणका सम्बन्धमा जानकारी लिनु कुनै पनि रोकथाम उपसमितिले गरेको देशभ्रमण पछिको अनुगमन भ्रमणको महत्वपूर्ण पाठो हो । यो व्यवस्थाले सत्य वा असत्य दुवै सूचनालाई समावेश गर्दछ भन्ने तथ्यलाई विचार गर्दै रोकथाम उपसमितिले तथ्यहरूको मूल्यांकन गर्दा, पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो सिफारिस पठाउँदा र आलेखको आवश्यकतामुताबिक आफ्ना प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्दा यातना वा अन्य दुर्व्यवहारको गलत आरोप लागेका व्यक्तिप्रतिको जिम्मेवारी पनि लिनुपर्छ । धारा २ मा निहित निर्देशक सिद्धान्तउपर यससम्बन्धमा उचित विचार गरिन्छ<sup>९५</sup>

<sup>९४</sup> Report of the meeting of Special Rapporteurs/Representatives, experts and chairpersons of working groups of the Special Procedures of the Commission on Human Rights and of the advisory service programme, UN Doc. E/CN.4/1998/45, 20 November 1997, Appendix V(c).

<sup>९५</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, pp.1050-1051.

## धारा १६

- रोकथाम उपसमितिले आफ्ना सुभाव एवं अवलोकन सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसमक्ष गोप्य रूपमा प्रस्तुत गर्नेछ र सान्दर्भिकता हेरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई समेत यो उपलब्ध गराइनेछ ।
- उपसमितिले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले अनुमोदन गरेबमोजिम त्यस पक्षराष्ट्रको कुनै टिप्पणी भए सो सहित आफ्नो कामको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्नेछ । सरोकारवाला पक्षराष्ट्रले सो प्रतिवेदन आंशिक प्रकाशन गरेमा उपसमितिले सो दस्ताबेजको बाँकी, आंशिक वा पूर्ण पाठ सार्वजनिक गर्नेछ । यद्यपि सम्बन्धित व्यक्तिको प्रस्त सहमतिबेगर कुनै पनि प्रकारका व्यक्तिगत विवरण भने सार्वजनिक गरिनेछैन ।
- रोकथाम उपसमितिले आफ्ना क्रियाकलापको सार्वजनिक वार्षिक प्रतिवेदन यातनाविरस्त्रको समितिसमक्ष प्रस्तुत गर्नेछ ।
- कुनै पक्षराष्ट्रले धारा १२ तथा १४ अनुसार रोकथाम उपसमितिलाई सहयोग गर्न अस्वीकार गरेमा वा उपसमितिले प्रस्तुत गरेको सुभावको आधारमा भौजुदा अवस्थामा सुधारका लागि आवश्यक पहल नगरेमा उपसमितिको अनुरोधमा आफ्ना सदस्यको बहुमत निर्णयले सरोकारवाला पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो दृष्टिकोण राख्ने अवसर दिई यातनाविरस्त्रको समितिले सम्बन्धित विषयवस्तुउपर सार्वजनिक मन्तव्य दिन वा रोकथाम उपसमितिको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्न सक्नेछ ।

धारा १६ ले आलेखमा निहित सहकार्यको सम्पूर्ण सिद्धान्तलाई समेट्दछ । समग्रमा अध्ययन गर्दा यसले गोपनीयताको अनुमानलाई सहकार्यको सहायकका रूपमा हेर्दै त्यसलाई पक्षराष्ट्रबाट भएको असहयोगको अवस्थामा कारबाही गरिने व्यवस्थासँग सन्तुलन गर्दछ ।

## धारा १६(१) : सिफारिस तथा अवलोकनको सञ्चार

धारा १६(१) मुताबिक रोकथाम उपसमितिले सुरूमा आफ्ना सुभाव एवं अवलोकन सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसमक्ष गोप्य रूपमा प्रस्तुत गर्नु पर्दछ । रोकथाम उपसमितिले गर्न देशभ्रमणको मिसनका सन्दर्भमा रोकथाम उपसमितिले मिसनको अन्त्यमा सम्बन्धित अधिकारीहरूलाई आफ्नो प्रारम्भिक अवलोकन सुम्पन्छन् । अफै विस्तृत भ्रमण प्रतिवेदन र अन्य गोप्य संवादका लागि यी अवलोकन आधारका रूपमा रहन्छन् । पक्षराष्ट्रका अधिकारीले पठाएका प्रतिक्रियालाई देशभ्रमणको प्रतिवेदन तयार पार्दा विचार गरिन्छ ।

त्यसपछि अधिकारीहरूलाई अन्तिम प्रतिवेदन पठाइन्छ र रोकथाम उपसमितिको सुभावमाथि उनीहरूलाई लिखित जवाफ पठाउनका लागि अनुरोध गरिन्छ । विचारणीय छ (माथि उल्लेख गरिएजस्तै), धारा १७(ख)(इ) मुताबिक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसम्बन्धी मुद्दा र/वा स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षालाई बलियो बनाउने उपायका सम्बन्धमा देशभ्रमणको सन्दर्भमन्दा बाहिर रहेर भए पनि रोकथाम उपसमितिले पक्षराष्ट्रका अधिकारीसँग संवाद गर्नसक्छ ।

२

यातनाविष्फूक आलेखमाथि टिप्पणी  
महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि

धारा १६(१) लाई धारा १२ को साहचर्यमा अध्ययन गर्नुपर्छ । रोकथाम उपसमितिको सिफारिसलाई परीक्षण गर्ने र ऊसँग यी सिफारिस कार्यान्वयन गर्नेसम्बन्धमा संवाद गर्ने कर्तव्य पक्षराष्ट्रको हुने भनी धारा १२ मा उल्लिखित छ । रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बीच सहकार्यको सिद्धान्तलाई धारा १६(१) ले पनि सुदृढ गर्दछ । सान्दर्भिक भएसम्म रोकथाम उपसमितिले आफ्ना सिफारिस र अवलोकन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई गोप्य रूपमा सीधै बताउने निर्णय गरी यो सहकार्यलाई सुनिश्चित गर्न सकिन्छ । धारा १६(१) मा उल्लिखित सान्दर्भिक भन्ने शब्दको अर्थलाई आलेखले प्रस्त नपारे पनि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसँग सल्लाह नगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्ना सिफारिस तथा अवलोकन सुन्धने निर्णय रोकथाम उपसमितिलाई यो धाराले सबल तुल्याउँछ ।<sup>96</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले स्वतन्त्रतापूर्वक रोकथाम उपसमितिको सिफारिसलाई अनुगमन गर्नका लागि सक्षम बनाउने र देशभ्रमणको प्रभावकारितालाई योगदान गर्ने यसको उद्देश्य हो ।<sup>97</sup>

#### **धारा १६(२) : रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन प्रकाशन**

धारा १६(२) ले देशभ्रमणपछि (सिफारिस, अवलोकन र अन्य सान्दर्भिक सूचनासहित) प्रतिवेदन बनाउन अनि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई यसमाथि विचार गर्नका लागि पठाउन रोकथाम उपसमितिको कार्यादेश तोकेको छ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यले देशविशेषको प्रतिवेदन तयार गरिसकेपछि पक्षराष्ट्रलाई उपसमितिले निश्चित समयावधिमा आफ्ना सिफारिसउपर प्रतिक्रिया र अन्य जानकारी आवश्यक भए त्यसका लागि अनुरोध गर्ने आग्रहका साथ उक्त प्रतिवेदन पठाउँदछन् ।<sup>98</sup> माथि चर्चा गरिएकै रोकथाम उपसमिति र पक्षराष्ट्रबीचको सञ्चार प्रायः गोप्य हुने भए पनि धारा १६(२) अनुसार सम्बन्धित

<sup>96</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1061.

<sup>97</sup> For further information, see Sections 4.7 and 8 of Chapter III of this manual.

<sup>98</sup> SPT, First annual report, Annex V.

## यातनाविस्त्रृको महासम्पिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

पक्षराष्ट्रले अनुरोध गरेमा रोकथाम उपसमितिको प्रतिवेदनलाई सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको प्रतिक्रिया वा अन्य कुनै टिप्पणी भए सो सहित प्रकाशित गर्न सकिन्छ । यो व्यवस्था इसिपिटिको धारा १२(२) समान छ र यसले गोप्यताको सिद्धान्तलाई सम्मान गर्ने सुनिश्चितताका साथसाथै पक्षराष्ट्रहरूले चाहेमा अझै बढी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाउन पनि अनुमति दिन्छ । रोकथाम उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदन र अधिकारीहरूको यसउपर प्रतिक्रियालाई प्रकाशित गर्ने अनुरोध गर्न पक्षराष्ट्रलाई उपसमितिले प्रोत्साहन गर्दछ ।<sup>१९</sup>

**धारा १६(२)** ले बताएअनुसार रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन उपसमितिका देशभ्रमणपश्चात् मात्रै आँच्छन् भन्ने होइन । आफ्नो कार्यादेशका अन्य पक्षसँग सम्बन्धित प्रतिवेदनको प्रारूपसमेत रोकथाम उपसमितिले तयार गर्नसक्छ । उदाहरणका लागि, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य वा स्वतन्त्रताबाट वज्रित व्यक्तिको सुरक्षालाई सुदृढ बनाउने विषयसँग सम्बन्धित मुद्दाका प्रतिवेदनको प्रारूपसमेत रोकथाम उपसमितिले तयार गर्नसक्छ ।

**धारा १६(२) र धारा १६(४) :** असहयोग गरेकोमा हुने कारबाही

रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन पक्षराष्ट्रलाई गोप्य रूपमा पठाए पनि दुईओटा परिस्थितिमा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको लिखित सहमतिविना नै प्रतिवेदन प्रकाशित गर्न सकिन्छ ।

पहिलो परिस्थितिका बारेमा धारा १६(२) मा उल्लेख गरिएअनुसार पक्षराष्ट्रले सो प्रतिवेदन आंशिक प्रकाशन गरेमा उपसमितिले सो दस्तावेजको बाँकी, आंशिक वा पूर्ण पाठ सार्वजनिक गर्नेछ । रोकथाम उपसमितिको गोपनीयताको सिद्धान्तका आडमा उसका निष्कर्षलाई पक्षराष्ट्रले बढ़चाएर प्रस्तुत गर्नबाट सुरक्षा दिने काम यसले गर्दछ । प्रतिवेदनको केही अंश प्रकाशित गरिदिएर रोकथाम उपसमितिले के सोच्छ भने प्रतिवेदनका अन्य अंशलाई गोप्य राख्ने आवश्यकतालाई पक्षराष्ट्रले नजरअन्दाज गर्नेछ ।

धारा १६(४) अन्तर्गत पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमितिसँग समग्रमा वा उपसमितिको विशिष्ट भ्रमणटोलीसँग सहकार्य गर्न चुकेमा यातनाविस्त्रृको समितिले सार्वजनिक वक्तव्य दिनसक्छ र/वा उपसमितिको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्नसक्छ । आलेखअन्तर्गतको दायित्वलाई पालना गर्नमा पक्षराष्ट्र चुकेमा गरिने कारबाही यीमात्र भनी लिइएको छ । यो कारबाही सम्पन्न गर्नका लागि सहकार्य गर्नबाट गम्भीर रूपमा चुकेको हुनुपर्छ । यस्तो चुकाइ भन्नाले – (क) धारा १२ र १४ अन्तर्गतको राज्यको दायित्वमा चुक्ने वा (ख) रोकथाम उपसमितिको सिफारिस कार्यान्वयन गर्नबाट चुक्ने ।

<sup>१९</sup> SPT, Third annual report, §30.

धारा ९६(४) अन्तर्गत रही प्रतिवेदनको प्रकाशनलाई मान्यता दिने र सार्वजनिक मन्तव्य दिने अधिकार रोकथाम उपसमितिमा नभई यातनाविरुद्धको समितिमा हुने कुरा महत्वपूर्ण छ । पक्षराष्ट्रले सहकार्य गर्नबाट चुकेको खण्डमा रोकथाम उपसमितिले यातनाविरुद्धको समितिलाई सूचना दिनसक्छ । सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो विचार राख्ने मौका यातनाविरुद्धको समितिले दिएपछि समितिका बहुसंख्यक सदस्यले रोकथाम उपसमितिको प्रतिवेदन प्रकाशन गर्न र/वा यस विषयमा सार्वजनिक मन्तव्य दिने निर्णय गर्नसक्छन् । सहकार्य गर्नुपर्ने आफ्नो दायित्वलाई पालना गर्न नचाहने पक्षराष्ट्रले गोपनीयताको सिद्धान्तबाट फाइदा नउठाउन् भन्नका लागि यो आवश्यक सुरक्षाउपाय हो । सहकार्य र रचनात्मक संवादको ढाँचा प्रदान गर्न एकमात्र उद्देश्य गोपनीयताको सिद्धान्तले लिएको हुन्छ । यस्ता परिस्थितिमा रोकथाम उपसमितिले आफ्नो काम प्रभावकारी तरिकाले सम्पन्न गर्न असमर्थ हुनु पक्षराष्ट्रको असहयोगका कारणले हो र आफ्नै कमीकमजोरीले गर्दा होइन भनी देखाउनका लागि सजिलो हुन्छ ।<sup>100</sup>

जेसुकै भए पनि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको लिखित सहमतिपश्चात् वा (धारा ९६(२) अन्तर्गत रही) प्रतिवेदनको अंश सार्वजनिक भएपछि वा (धारा ९६(४) अन्तर्गत रही) असहयोगविरुद्ध कारबाहीका रूपमा प्रतिवेदनलाई सार्वजनिक गर्दा धारा ९६(२) अन्तर्गत रही सम्बन्धित व्यक्ति (हरु) को लिखित सहमतिविना उसको व्यक्तिगत विवरण प्रकाशित नगर्न भन्ने तथ्यलाई रोकथाम उपसमिति र/वा यातनाविरुद्धको समितिले सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । त्यसैले धारा ९६(२) मा उल्लिखित लिखित सहमतिको सिद्धान्त धारा ९६(४) ले समेट्ने मुद्दाका हकमा समेत लागू हुन्छ ।

### धारा ९६(३) : वार्षिक प्रतिवेदन

धारा ९६(३) मुताबिक रोकथाम उपसमितिले पहिलेका वर्षमा आफूले गरेका क्रियाकलाप-उदाहरणका लागि, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँगको सम्बन्ध, भ्रमण गरिएका देश र आफूले भाग लिएका अन्य कार्यक्रम)लाई समेटेर यातनाविरुद्धको समितिसमक्ष सार्वजनिक वार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्नु पर्दछ । व्यवहारमा, रोकथाम उपसमितिले आफ्नो कार्यादेश तथा कार्यशैलीमाथिको टिप्पणीमा भएका विकासजस्ता अन्य सान्दर्भिक मुद्दासम्बन्धी सूचनालाई पनि प्रतिवेदनमा समावेश गर्ने गरेको छ । वार्षिक प्रतिवेदनमा समेटिएका

<sup>100</sup> For further explanation of this provision, see Ann-Marie Bolin Pennegard, ‘An Optional Protocol, Based on Prevention and Cooperation’, in Bertil Duner (ed.), *An End to Torture: Strategies for its Eradication*, Zed Books, London, 1998, p.48.

जुनसुकै सूचनाले व्यक्तिगत विवरणका सम्बन्धमा आलेखका धारा २(३), १६(१) र १६(२) मा व्याख्या गरिएको गोपनीयताको सिद्धान्तलाई पालना गर्नु पर्दछ ।

रोकथाम उपसमिति र यातनाविस्त्रृको समितिबीचको सहयोगात्मक सम्बन्धलाई सुदृढ गर्नका लागि धारा १६(३) का अनुसार रोकथाम उपसमितिले यातनाविस्त्रृको समितिसमक्ष वार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्नुपर्नेछ । यसका अलावा रोकथाम उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदन उपसमितिको अध्यक्षले यातनाविस्त्रृको समितिले आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदन अक्टोबरमा राष्ट्रसंघीय साधारणसभाको तृतीय समितिसमक्ष पेश गर्ने समयमै बुझाउने परिपाठी हाल विकसित भइरहेको छ ।

२

#### ६. आलेख भाग ४ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सम्बन्धमा पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई निर्धारण गर्ने सातओटा धारा भाग चारले समेट्दछ । आलेखले निर्धारण गरेको यातना तथा अन्य किसिमका दुव्यवहारको रोकथाम गर्ने प्रणालीमा राष्ट्रिय तत्वका सम्बन्धमा यो भागमा व्याख्या गरिएको छ । यो सम्बिले यातना तथा अन्य दुव्यवहारलाई रोकथाम गर्ने अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय दुवै प्रयत्नलाई एकत्रित गर्दछ र दुवैलाई उत्तिकै महत्व दिन्छ ।<sup>101</sup>

#### धारा १७

प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यो आलेख कार्यान्वयनमा आएपछि वा अनुमोदन वा सम्मिलन गरेपछि राष्ट्रिय स्तरमा यातनाको रोकथाम गर्न ढिलोमा पनि एक वर्षभित्र एक वा धेरै स्वतन्त्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको व्यवस्था, नियुक्ति वा स्थापना गर्नेछन् । विकेन्द्रित इकाइहरूले यस आलेखका प्रावधानसँग तादात्य रहने किसिमले स्थापना गरेका संयन्त्रलाई समेत यस दस्तावेजको प्रयोजनका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र मानिनेछ ।

<sup>101</sup> See commentary on Article 3 in this chapter; and also Chapters IV and V of this manual. For more detailed information on the establishment of NPMs, see also APT, *NPM Guide*, available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

### धारा १७ : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको व्यवस्था, गठन वा स्थापना

एक वा धेरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन गर्ने धारा ३ मा निर्धारण गरिएको पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई धारा १७ ले पुनर्पुष्टि गर्दछ । यो दायित्व पूरा गर्न पक्षराष्ट्रका लागि समयावधिसमेत यसले निर्धारण गर्दछ । यस धारामुताबिक आलेखलाई अनुमोदन वा समिलन गर्ने पहिला २० पक्षराष्ट्रले आलेख कार्यान्वयनमा आएको एक वर्षभित्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको व्यवस्था, नियुक्ति वा स्थापना गर्नुपर्ने थियो ।<sup>102</sup> आलेखका पक्षराष्ट्रले अनुमोदन वा समिलन गरी यो कार्यान्वयनमा आएको एक वर्षभित्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन गरिसक्नुपर्नेछ ।<sup>103</sup>

पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्नुपर्ने (एक वर्षको) समय तोक्नुको विचारका पछाडि छिटो अनुमोदनका लागि प्रोत्साहन गर्ने उद्देश्य थियो र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियुक्ति र स्थापनाका लागि समय लाग्छ भन्ने तथ्यलाई सम्बोधन गर्नु पनि थियो ।<sup>104</sup> धारा ११(ख)(अ) मुताबिक यो एक वर्ष समयमा पक्षराष्ट्र र रोकथाम उपसमितिका बीच सम्पर्क हुनुपर्छ भन्ने कुरा सम्झित नु पर्दछ । यसो गर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र नियुक्तिमा सल्लाह र सहयोग गर्ने रोकथाम उपसमिति समर्थ हुन्छ । आलेखको पक्ष भएको एक वर्षभित्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्नुपर्ने आफ्नो दायित्वलाई पूरा गर्नका लागि तयार हुन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू) को प्रारूपका सम्बन्धमा विचार गर्न थालिहाल्नुपर्ने आवश्यकता पक्षराष्ट्रको हुने भन्ने कुरालाई यसले जोड दिन्छ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सिर्जना गर्दा आउने व्यवस्था, गठन र स्थापनाजस्ता शब्दबीचको फरकलाई आलेखले व्याख्या गर्दैन । व्यवस्था भन्ने शब्दलाई समावेश गर्नुको उद्देश्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रकै जस्तो काम गरिरहेका विद्यमान निरीक्षण निकायलाई समेत समेट्ने हुनसक्छ र यस्ता निकायलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भन्ने नाम नविन्दिकै काम चाहिँ त्यस्तै लगाइएको हुनुपर्छ । गठन भन्ने शब्दले त्यस्ता अवस्थालाई समेट्दछ जब पक्षराष्ट्रले के इच्छा राख्छ भने विद्यमान निकायले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रकै जस्तो काम नगरिरहेको र/वा आलेखको आवश्यकता पूर्ति नगरेको तथ्यका बाबजुद राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश स्वीकार गर्नेछ । राष्ट्रिय रोकथाम

<sup>102</sup> For details of the current status of the designation of NPMs, see [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>103</sup> Subject to any declaration that may be made under Article 24 of the OPCAT.

<sup>104</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1069.

## यातनाविस्कृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

संयन्त्रको काम गर्नका लागि सर्वथा नयाँ निकायको गठन गर्ने उद्देश्य पक्षराष्ट्रले राखेको अवस्थालाई स्थापनाले सन्दर्भित गराउँछ । व्यवहारमा भने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रजस्तो निकाय व्यवस्थापन गर्ने र नियुक्त गर्ने बीचको फरक शायद प्राज्ञिक बहसमात्र हो । सबैमा नभए पनि धेरै परिस्थितिमा आलेखको मापदण्डमा खरो उत्रनका लागि विद्यमान निकायको कार्यादेश, स्रोतसाधन र/वा काममा कुनै किसिमको परिवर्तन आवश्यक हुन्छ ।

### **धारा १० : लचकता**

धारा ३ को चर्चा गर्दा उल्लेख गरिएअनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विशिष्ट रूपका सम्बन्धमा आलेखले बताएको छैन । त्यसैले आफ्नो देशको विशिष्ट सन्दर्भलाई सुहाउने खालको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र छनोट गर्न लचकता पक्षराष्ट्रलाई छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई पूरा गर्न पक्षराष्ट्रले एउटा वा धेरै निकाय स्थापना गर्नसक्छन् । यसको कुनै आदर्शी किसिमको हल छैन । त्यसैले देशविशेषका तत्वलाई विचार गर्दै सर्वाधिक उपयुक्त राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्र प्रणालीका सम्बन्धमा निश्चित गर्ने निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी, समावेशी तथा व्यापक गर्नु पक्षराष्ट्रका लागि अत्यन्त महत्वपूर्ण हुन्छ ।

आलेखले पक्षराष्ट्रलाई अनेकौं राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्ने अनुमति दिन्छ । यो व्यवस्था सुरुमा त संघीय राज्यका लागि महत्वपूर्ण ठानिएको थियो तर व्यवहारमा भने अन्य पक्षराष्ट्रले समेत धेरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र नियुक्त गरेका छन् । धारा ४(१) ले तोकेअनुरूप पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार र नियन्त्रणमा रहेका थुनास्थललाई समेट्ने सुनिश्चितताका लागि विषयगत, भौगोलिक र/वा क्षेत्राधिकारका विभाजनमा बहुविध राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र आधारित हुनसक्छन् । धेरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्ने विचार गरिरहेका पक्षराष्ट्रले जहाँसुकै पनि स्वतन्त्रताबाट वञ्चित भएको हुनसक्ने व्यक्तिलाई कस्तीमा पनि एउटा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले निरीक्षण गर्नुपर्ने कुरालाई विचार गर्नुपर्छ । धेरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमार्फत आफ्ना दायित्वलाई कार्यान्वयन गर्दा पक्षराष्ट्रले तिनको संयुक्त कार्यादेशले आफ्नो क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा रहेका सबै थुनास्थललाई समेट्दछन् भन्ने कुरालाई सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । धारा ४(१) अन्तर्गत कस्तीमा पनि एउटा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सामान्यतया थुनास्थलका रूपमा प्रयोग नभएका तर सरकारको संलग्नता वा मंजुरीमा व्यक्ति थुनिएका हुनसक्ने स्थानमा भ्रमण गर्ने अधिकार पाउनु पर्दछ ।<sup>105</sup>

---

<sup>105</sup> APT, NPM Guide, p.90.

पूर्णतया पृथक् वा आंशिक रूपमा एकअर्कासँग सम्बन्धित विषयगत कार्यादेशले युक्त धेरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गरी आफ्नो दायित्वलाई कार्यान्वयन गर्ने निर्णय गर्दा ती सबै निकाय (संयन्त्र) ले आलेखको आवश्यकता पूरा गर्नुपर्छ । उदाहरणका लागि, एउटा निकायले कार्यगत स्वतन्त्रताको मापदण्ड पूरा गर्दैन, अर्कोमा आवश्यक विज्ञको अभाव छ र भन् अर्कोमा थुनुवासँग गोप्यमा अन्तर्वार्ता गर्ने अधिकार छैन तर यी सबै निकायलाई समग्रमा हेर्दा भने आलेखको मापदण्ड पूरा हुन्छ भनी पक्षराष्ट्रले भन्न पाउँदैन । विद्यमान तत्वहरूलाई यसो जोडजाड गरेर त्यसैमा भर परी आलेखको मापदण्डमा उत्रन गाहो छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र एउटा प्रणालीअन्तर्गत हुन्छ भन्नेमा आलेखले विशेष रूपमा सोच्दा<sup>106</sup> (राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र एउटा भूमिका भनेको राष्ट्रिय कानुनउपर अवलोकन र प्रस्ताव गर्ने हो (धारा १९(ग)) । यसको मतलब राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रणालीगत वा क्षेत्रीय स्तरको विश्लेषण तथा सिफारिस जन्माउने कुनै माध्यम अपनाउनुपर्छ (कमसेकम उही क्षेत्राधिकार वा विषयगत क्षेत्रमा कार्यसञ्चालन गर्ने निरीक्षण निकायका सन्दर्भमा) । धारा १७ मा उल्लिखित विकेन्द्रित इकाइको सन्दर्भ संघीय राज्यको हकमा विशेषगरी सान्दर्भिक छ । यस्ता संघीय राज्यमा भएका विकेन्द्रित निकायलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्त गर्नसकिन्छ तर ती निकायले आलेखको भाग चारमा निर्धारण गरिएको मापदण्डलाई पूरा गर्नुपर्छ । यो व्यवस्थालाई धारा २९ को साहचर्यमा अध्ययन गर्नुपर्छ । उक्त धाराले सुनिश्चित गरेअनुसार आलेख निरपेक्ष रूपमा संघीय वा विकेन्द्रित राज्यका सबै भागमा लागू हुने सुनिश्चित गर्दछ ।<sup>108</sup>

निरीक्षणको विश्वव्यापी प्रणाली गठन गर्ने उद्देश्यका साथ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिलाई संयुक्त रूपमा हेरिएको हो । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू रोकथाम उपसमितिलाई सूचना प्रवाह गर्ने महत्वपूर्ण माध्यम हुन् र सबै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सापेक्षमा रोकथाम उपसमितिको निश्चित विश्वव्यापी कार्य हुन्छ । यी भूमिका निर्वाह गर्ने प्रत्येक देशमा रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बीच संयोजनपूर्ण सञ्चार आवश्यक हुन्छ ।

<sup>106</sup> See Section 7.4 of Chapter IV of this manual; APT, NPM Guide; and also SPT, Third annual report, §53.

<sup>107</sup> See OPCAT, Preamble and also Article 1.

<sup>108</sup> See also the analysis of Article 29 in this chapter.

## धारा १८

१. पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको कार्यगत स्वतन्त्रता तथा यिनका पदाधिकारीको स्वतन्त्रताको प्रत्याभूति प्रदान गर्नेछन् ।
२. पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूमा रही काम गर्ने विशेषज्ञमा आवश्यक क्षमता तथा व्यवसायिक ज्ञान भएको सुनिश्चित गर्न आवश्यक उपायको अवलम्बन गर्नेछन् । उनीहरूले लैडिक सन्तुलनका साथै मुलुकमा रहेका जातीय एवं अल्पसंख्यक समूहको पर्याप्त प्रतिनिधित्वको लागि प्रयास गर्नेछन् ।
३. पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यका लागि आवश्यक स्रोत साधन उपलब्ध गराउनेछन् ।
४. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्दा पक्षराष्ट्रले मानवअधिकारको प्रवर्द्धन तथा सुरक्षा गर्ने हैसियत राख्ने राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थासम्बद्ध सिद्धान्तउपर पनि उचित ध्यान दिनेछन् ।

धारा १७ ले पक्षराष्ट्रले गठन गर्ने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वरूपका सम्बन्धमा एक किसिमको छुट दिएकोमा धारा १८ ले चाहे जुनसुकै रूपमा रहेका भए पनि सबै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई दिनुपर्ने विशिष्ट प्रत्याभूतिहरूलाई निर्धारण गरेको छ । स्वतन्त्र नहुञ्जेलसम्म राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रभावकारी रूपमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाम गर्नसक्दैन । यसैअनुरूप धारा १८ का व्यवस्थाले सुनिश्चित गरेअनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू राज्यको हस्तक्षेपविना सञ्चालन हुनसक्छन् । धारा १८ का व्यवस्थाले पारस्परिक रूपमा एकअर्कालाई बहिष्करण गर्दैनन् । तिनीहरू परस्परमा सम्बन्धित छन् र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको पूर्ण स्वतन्त्रता सुनिश्चित गर्नका लागि ती दुईलाई संयुक्त रूपमा अध्ययन गर्नुपर्छ । अर्फ, मानवअधिकारको प्रवर्द्धन तथा संरक्षणका लागि गठित राष्ट्रिय संस्थानको अवस्थितिसँग सम्बन्धित सिद्धान्त (पेरिस सिद्धान्त) को विशिष्ट सन्दर्भ धारा १८ मा समावेश गरिएको छ ।<sup>109</sup> धारा १८ मा निहित राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको आवश्यकतालाई पेरिस सिद्धान्तमाथि विचार गरेर व्याख्या गर्नुपर्छ ।

<sup>109</sup> Paris Principles, UN Doc. GA Res 48/134, 20 December 1993.

### धारा १८(१) : कार्यगत स्वतन्त्रता

आलेखको १८(१) पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई कार्यगत स्वतन्त्रताको प्रत्याभूति दिनुपर्ने माग राख्ने प्राथमिक व्यवस्था हो । यो अत्यावश्यक सुरक्षाउपायले यी निकायको साझोपाइङ्गो प्रभावकारितालाई निर्धारण गर्दछन् । व्यवहारमा कार्यगत स्वतन्त्रता भन्नाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू स्वतन्त्रतापूर्वक तथा राज्यका अधिकारीको हस्तक्षेपविना काम गर्न सक्षम हुन् भन्ने बुझिन्छ । राज्यका अधिकारी भन्नाले कारागार, प्रहरी चौकी र अन्य थुनास्थल हेँहरूबाट, सरकारबाट, नागरिक प्रशासनबाट र दलगत राजनीतिबाट राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र प्रभावित हुनुहुँदैन । राज्यका अधिकारीबाट राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्वतन्त्र हुन्छ भन्ने कुरालाई मान्युसमेत महत्वपूर्ण हुन्छ । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई सार्वजनिक कार्यविधि अपनाएर सम्बन्धित सरोकारवालाको परामर्शमा नियुक्त गर्नुपर्छ ।<sup>110</sup>

स्वैधानिक वा कानुनी दस्तावेजमा महत्वपूर्ण तत्व राख्नेर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्नुपर्ने भनी रोकथाम समितिले सिफारिस गर्दछ । महत्वपूर्ण तत्वमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश तथा अधिकार, यसको कर्मचारी तथा सदस्य नियुक्ति प्रक्रिया, कर्मचारीको कार्यावधि, यसको आर्थिक लागत तथा यसको जवाफदेहिता पर्दछन् ।<sup>111</sup> अभ, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र बनाउने कानुनले यसलाई वा यसका सदस्यलाई सरकारी मन्त्रालय/मन्त्री, मन्त्रिपरिषद, कार्यकारी परिषद, राष्ट्रपति वा प्रभानमन्त्रीको अधीनमा राख्ने व्यवस्था गर्नुहुँदैन । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको अस्तित्व, कार्यादेश वा अधिकारलाई परिवर्तन गर्ने शक्ति विधायिकीमा मात्र हुनुपर्छ । आफ्ना सदस्यलाई नियुक्ति गर्ने अधिकार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा मात्र हुनुपर्छ ।<sup>112</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको साझोपाइङ्गो प्रभावकारिता सुनिश्चित गर्नका लागि प्रत्येक सदस्यको स्वतन्त्रता पनि महत्वपूर्ण हुन्छ । यसका प्रत्येक सदस्य वा कर्मचारी राज्यका अधिकारीबाट व्यक्तिगत तथा संस्थागत रूपमा स्वतन्त्र हुनुपर्छ । सामान्यतया सरकारमा, फौजदारी न्याय प्रणालीमा वा कानुन कार्यान्वयनको तहमा सक्रिय रहेका व्यक्तिलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले समावेश गर्नुहुँदैन ।

<sup>110</sup> APT, NPM Guide, p 41. See also discussion of the process of nominating SPT candidates in the commentary on Article 6 in this chapter.

<sup>111</sup> SPT, First annual report, §28(a).

<sup>112</sup> APT, NPM Guide, pp.39-40.

## यातनाविस्कृको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

### **धारा १८(२) : स्वतन्त्र विज्ञ**

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्य योग्यता पुरोका स्वतन्त्र विज्ञ हुनु आवश्यक रहेको भनी धारा १८(२) ले व्याख्या गर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यमा मानवअधिकार, स्वास्थ्य सेवा वा न्यायप्रशासनजस्ता सम्बन्धित विषयमा व्यवसायिक ज्ञान हुनुपर्छ । राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थामा बहुलवादी बनावट हुनुपर्ने भनी पेरिस सिद्धान्तहरूले वकालत गर्दछन् ।<sup>113</sup> यही कुरा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको हकमा समेत उपयुक्त हुन्छ ।<sup>114</sup> अभ, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यले लैडिक सन्तुलनका सवालमा व्यापक समाजलाई प्रतिनिधित्व गर्ने तथा अल्पसंख्यक जातीय वा धार्मिक समूहलाई प्रतिनिधित्व गर्ने हुनुपर्छ भन्ने आलेखको मान्यता छ । रोकथाम उपसमितिकै<sup>115</sup> जस्तो गरी थुनास्थलमा विशेषगरी जोखिममा परेका समूह (उदाहरणका लागि, विकलाङ्ग वा यातना पाएका व्यक्ति) मा रहेका विज्ञको सहभागितालाई प्रोत्साहन गर्नुपर्छ । व्यवहारमा, रोकथाम उपसमितिभै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले थुनास्थल भ्रमणमा सहयोग गर्नका लागि बाहिरका विज्ञहरूमाथि भर पर्नुपर्ने हुनसक्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यले नै जस्तै ती बाहिरबाट आउने विज्ञले स्वतन्त्रताको त्यही मापदण्ड पूरा गर्नुपर्छ र उनीहरूलाई उस्तै सुविधा तथा प्रतिशोधबाट बच्ने प्रत्याभूति दिनुपर्छ ।<sup>116</sup>

<sup>113</sup> Paris Principles, (Composition and guarantees of independence and pluralism Section): “1. The composition of the national institution and the appointment of its members, whether by means of an election or otherwise, shall be established in accordance with a procedure which affords all necessary guarantees to ensure the pluralist representation of the social forces (of civilian society) involved in the protection and promotion of human rights, particularly by powers which will enable effective cooperation to be established with, or through the presence of, representatives of: (a) Non-governmental organizations responsible for human rights and efforts to combat racial discrimination, trade unions, concerned social and professional organizations, for example, associations of lawyers, doctors, journalists and eminent scientists; (b) Trends in philosophical or religious thought; (c) Universities and qualified experts; (d) Parliament; (e) Government departments (if these are included, their representatives should participate in the deliberations only in an advisory capacity).”

<sup>114</sup> See commentary on Article 13 in this chapter; and also Section 8 of Chapter IV of this manual.

<sup>115</sup> See commentary on Article 5(2) in this chapter.

<sup>116</sup> As per Articles 21 and 35 of the OPCAT.

### धारा १८(३) : आर्थिक स्वतन्त्रता

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रभावकारी रूपमा काम गर्नका लागि आवश्यक स्रोतसाधन जुटाउने तथा पर्याप्त आर्थिक लगानी गर्ने दुवै दायित्व पक्षराष्ट्रको हुने कुरा धारा १८(३) ले बताउँछ । यो व्यवस्था महत्वपूर्ण छ किनकि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक कार्यादेशको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि पर्याप्त आर्थिक स्रोतका अलावा मानव तथा व्यवस्थापकीय स्रोत महत्वपूर्ण हुन्छन् । पेरिस सिद्धान्तलाई अनुशरण गर्दै भन्नुपर्दा स्वतन्त्रताका लागि आर्थिक स्वायत्तता आधारभूत आवश्यकता हो । यो विना राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले कार्यगत स्वायत्तता वा निर्णय लाई स्वतन्त्रताको अभ्यास गर्न सक्दैनन् ।<sup>117</sup> आर्थिक रूपमा स्वायत्त हुनका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफैनै वार्षिक बजेट बनाउन सक्नुपर्छ । आफैना सबै स्रोत स्वतन्त्रतापूर्वक कसरी प्रयोग गर्न सकिन्छ भनी निर्णय गर्नसमेत उनीहरू सक्षम हुनुपर्छ । सरकारी नियन्त्रण तथा सरकारको अनुज्ञा तथा सहमतिको आवश्यकताबाट स्वतन्त्र हुनुपर्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रतालाई कायम राख्ने अर्को सुरक्षाउपायका रूपमा उनीहरूको स्थापनाकालकै दस्तावेजमै उनीहरूको आर्थिक लगानीको स्रोत तथा प्रकृतिलाई विशेष रूपमा उल्लेख गर्नु पर्दछ । यसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आर्थिक रूपमा तथा स्वतन्त्र रूपमा आफैना स्वतन्त्र कर्मचारीलाई तलब दिनेलगायत आफैना आधारभूत काम गर्न सक्षम बनाउनु पर्दछ ।

### धारा १८(४) : पेरिस सिद्धान्त

धारा १८(४) मुताबिक पक्षराष्ट्रले पेरिस सिद्धान्तमाथि उचित विचार पुऱ्याउनुपर्ने भनी आलेखले बताउँछ । यद्यपि, विस्तृत कार्यादेश भएका साधारण उद्देश्यका मानवअधिकार संस्थालाई निर्देशन दिनका लागि पेरिस सिद्धान्त निर्माण गरिएका थिए । यसै कारणले गर्दा पेरिस सिद्धान्तका केही पक्ष आलेखको रोकथाममूलक ढाँचामा लागू गर्न सकिँदैन भने अन्य पक्षलाई आलेखभित्रकै अभ विस्तृत व्यवस्थाले काम गर्ने हुनाले प्रतिस्थापित गर्दछन् ।<sup>118</sup> राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थानले पेरिस सिद्धान्तको पालना गर्ने हुनाले

<sup>117</sup> Paris Principles, Composition and guarantees of independence and pluralism: “2. The national institution shall have an infrastructure which is suited to the smooth conduct of its activities, in particular adequate funding. The purpose of this funding should be to enable it to have its own staff and premises, in order to be independent of the Government and not be subject to financial control which might affect its independence.”

<sup>118</sup> APT, NPM Guide, p.38.

स्वतः आलेखको व्यवस्थाको पनि पालना गर्नेछ भन्ने प्रत्याभूति दिँदैन भन्ने कुरालाई विचार पुन्याउनु पर्दछ । यस सन्दर्भमा रोकथाम उपसमितिले विचार गरेअनुसार राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थानको मान्यता पूरक संयन्त्र हो तर यसलाई सामान्यतया राष्ट्रिय संयन्त्रहरूको मान्यता दिने प्रक्रियाका रूपमा प्रयोग गर्नुहुँदैन किनकि विशेष मुद्दामा यस्तो मूल्यांकन उपसमितिले गर्दछ ।<sup>119</sup> राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थानलाई स्वतः राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश दिने कारणका रूपमा यो व्यवस्थालाई व्याख्या गर्नुहुँदैन ।

## धारा १९

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई न्यूनतम पनि देहायका अधिकार प्रदान गरिनेछ :

२

(क) धारा ४ ले परिभाषित गरेअनुसार स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्ति राखिने स्थानमा उनीहरूलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविस्कृको सुरक्षालाई आवश्यकतानुसार सुदृढ तुल्याउने उद्देश्यले ती स्थानको नियमित परीक्षण/अध्ययन भ्रमण गर्ने,

(ख) संयुक्त राष्ट्रसंघका सान्दर्भिक मान्यतालाई समेत ध्यान दिँदै स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरूको अवस्थामा सुधार ल्याउने र यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथाम गर्ने उद्देश्यले सम्बन्धित निकायसमक्ष सुभाव प्रस्तुत गर्ने,

(ग) अस्तित्वमा रहेका तथा प्रस्तावित विधानको बारेमा प्रस्ताव तथा अवलोकन प्रस्तुत गर्ने ।

थुनास्थलको नियमित भ्रमण गर्ने र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि सिफारिस गर्ने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई धारा १९ ले व्यापक रूपमा निर्धारित गरेको छ । धारा १९(३)(ग) ले विद्यमान वा मस्यौदा कानुनउपर टिप्पणी गर्ने अधिकारसमेत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई दिएको छ र यसरी उनीहरूलाई रोकथाममूलक कानुनी प्रयत्नमा संलग्न हुनका लागि मार्ग प्रशस्त गरेको छ ।

### धारा १९(क) : नियमित भ्रमण

थुनास्थलको भ्रमण गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाममूलक निरीक्षणको प्रणालीलाई अधि ल्याउने विचारको उद्देश्य भनेको थुनास्थलमा नियमित भ्रमण गरियोस् भन्ने सुनिश्चित

<sup>119</sup> SPT, Third annual report, §61.

गर्नलाई हो । सामान्यतया भन्नुपर्दा जति छिटछिटो र नियमित भ्रमण हुन्छ, रोकथाममूलक हतियारका रूपमा निरीक्षण कार्यक्रम त्यतिनै प्रभावकारी हुन्छ ।

नियमित परीक्षण भन्ने शब्दले भ्रमणको पुनरावृत्तिलाई संकेत गर्छ भन्ने सम्बन्धमा धारा १९(क) विशेष रूपमा बोल्दैन । यसको मतलब राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले यससम्बन्धमा निश्चित गर्ने अधिकार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई नै छ । यसरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले राष्ट्रिय सन्दर्भका चुनौतीलाई सामना गर्न रोकथाममूलक निरीक्षणको कार्यक्रम बनाउन सक्षम हुन्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कार्यादेशको क्षेत्रमाथि विचार गर्दा अधिकांश राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएका सबै स्थानमा छिटछिटो नियमित भ्रमण गर्न अप्द्यारो हुन्छ । त्यसैले अधिकांश राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रत्येक वर्ष कुन स्थानको भ्रमण गर्ने भनी चुन्नु जस्ती हुन्छ । प्रत्येक थुनास्थलको भ्रमण गर्दा चाहिने न्यूनतम आवृत्तिको म्यादलाई समेत उनीहरूले प्रस्त पार्नुपर्छ । उदाहरणका लागि, पूर्वक पूर्वको थुना र प्रहरी हिरासतमा प्रायः थुनुवाहरुको छिटछिटो अदलाबदली हुने हुनाले कारागारमा भन्दा पनि यी स्थानमा छिटछिटो भ्रमण गर्नुपर्ने हुनसक्छ ।<sup>120</sup>

#### धारा १९(ख) र १९(ग) : सिफारिसका क्षेत्र

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले अधिकारीहरूलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिप्रतिको व्यवहार र उनीहरूको अवस्थालाई सुधार गर्ने र यातना, क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायलाई रोकथाम गर्ने लक्ष्य लिएको सिफारिस गनुपर्छ । राष्ट्रसंघीयको योसँग सम्बन्धित परिपाटीलाई पनि उनीहरूले विचार पुन्याउनु पर्दछ । थुनास्थलका कमीकमजोरीको पहिचान गर्ने मात्र नभई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिको सुरक्षालाई खतरामा पार्ने कुनै प्रणालीगत कमजोरी ना कानुनी अन्तरलाई पहिचान गर्ने कामलाई समेत यसले समेद्दछ भनी यसलाई बुझनुपर्छ ।<sup>121</sup> त्यसैले सिफारिसको व्यवस्था थुनास्थलको भ्रमणपश्यात्को अवलोकनमा मात्र सीमित छैन । रोकथाम उपसमिति भै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको रोकथामसँग सम्बन्धित अनेकौ मुद्दामा सिफारिस गर्ने अधिकार पाएका छन् । धारा १९(ख) मुताबिक

<sup>120</sup> See Sections 4.1.1-2 of Chapter V of this manual.

<sup>121</sup> OPCAT, Article 1. For further discussion of this issue, see APT, *NPM Guide*, p.26; and Section 3 of Chapter V of this manual.

## यातनाविस्कृको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफ्ना विश्लेषण सचिं तथा अन्य दस्तावेजमा राखिएका राष्ट्रसंघसँग सम्बन्धित परिपाठीलगायतका अनेकौ मापदण्डमा आधारित भई गर्नसक्छन् भन्ने कुरामा जोड दिनु महत्वपूर्ण हुन्छ ।<sup>122</sup>

थुनास्थल तथा स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिसँग सम्बन्धित विद्यमान तथा मस्यौदा कानुनलाई समीक्षा गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सक्षम बनाउने व्यापक रोकथाममूलक दृष्टिकोणलाई धारा १९(ग) ले अभ सुदृढ गर्दछ । उदाहरणका लागि, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले राष्ट्रिय कानुन अन्तराष्ट्रिय मान्यताअनुरूपको छ कि छैन भनी समीक्षा गर्नसक्छ । यसो गर्दा यो कानुनले स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षालाई पर्याप्त मात्रामा प्रवर्द्धन गर्न सक्छ कि सकदैन भनी निश्चित गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सजिलो हुन्छ ।<sup>123</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशको यो पक्षलाई पूरा गराउन पक्षराष्ट्रका सरकारले उनीहरूका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई मस्यौदा कानुन सक्रियतापूर्वक पठाउने बानी बसाल्नु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले नयाँ कानुनका लागि प्रस्ताव दिनसक्तुपर्छ र/वा विद्यमान कानुनमा संशोधनका लागि सुझाव दिनु पर्दछ ।<sup>124</sup>

### धारा २०

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई तोकिएको कार्यादेश निर्वाह गर्न सबल बनाउने उद्देश्यका साथ पक्षराष्ट्रले देहायबमोजिम गर्नेछन् :

- (क) हिरासत/कारागारमा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएका व्यक्तिको संख्या साथै त्यस्ता ठाउँको संख्या तथा अवस्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनासम्म पहुँच प्रदान गर्ने,
- (ख) ती व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरूको बन्दी अवस्थासँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनामा पहुँच दिने,
- (ग) थुनुवा राखिने सम्पूर्ण स्थान तथा सोसँग सम्बन्धित संरचना एवं सुविधासम्मको पहुँच प्रदान गर्ने,

<sup>122</sup> See also analysis of Article 2(2) in this chapter.

<sup>123</sup> APT, NPM Guide, p.26.

<sup>124</sup> APT, NPM Guide, p.26.

- (घ) स्वतन्त्रताबाट वजिचत गरिएका व्यक्ति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफूले खोजेका सूचना दिनसक्छ भनी विश्वास गरिएका व्यक्तिसँग दोभाषेको आवश्यकता परेमा बाहेक अन्य व्यक्तिको गैरमौजुदगीमा गोप्य अन्तर्वार्ता लिने अवसर प्रदान गर्ने,
- (ङ) आफूले भ्रमण गर्न तथा अन्तर्वार्ता लिन चाहेको स्थान तथा व्यक्ति छनोटको स्वतन्त्रता दिने,
- (च) रोकथाम उपसमितिसँग सम्पर्क राख्ने, यसलाई सूचना पठाउने र उपसमितिसँग भेटघाट गर्ने अधिकार प्रदान गर्ने ।

२

यातना रोकथामका लागि आलेखले अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय प्रयत्नलाई समान महत्व दिन्छ भनी धारा २० ले भन् पुष्टि गर्दछ । अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय आलेख निकायलाई समान कर्तव्य निर्धारण गरी साथै पक्षराष्ट्रका लागि यसैअनुरूपको दायित्व निर्धारण गरी यो पुष्टि हुन्छ ।<sup>125</sup> धारा २० ले धारा १४ लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ । धारा १४ ले रोकथाम उपसमितिको कार्यादेशलाई सम्बोधन गर्दछ र यस्तै दायित्व पक्षराष्ट्रमाथि पनि राखेर देहायबमोजिमका सुनिश्चितता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा हुनुपर्ने भनी निर्धारण गर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले :

- सूचना तथा थुनास्थलसम्म पहुँच पाउनुपर्छ,
- कुन स्थानको भ्रमण गर्ने र कसलाई अन्तर्वार्ता लिने भनी छनोट गर्ने अवसर पाउनुपर्छ, र
- व्यक्तिगत अन्तर्वार्ता लिन पाउनुपर्छ ।

धारा २० ले गरेका प्रत्याभूति राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रभावकारी कार्यसञ्चालनका लागि महत्वपूर्ण हुन्छन् । राज्यका अधिकारीबाट अवरोध नभई राष्ट्रिय रोकथाममूलक ढाँचाको व्यापक परीक्षण गर्न तथा स्वतन्त्रताबाट वजिचत व्यक्तिलाई उपलब्ध गराइएका सुरक्षाका तहको यथार्थ चित्रण गर्नका लागि पनि यी प्रत्याभूतिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सक्षम बनाउँछन् ।

**धारा २०(क) र २०(ख) : सूचनामा पहुँच**

हिरासत/कारागारमा स्वतन्त्रताबाट वजिचत गरी राखिएका व्यक्तिको संख्या साथै त्यस्ता ठाउँको संख्या तथा अवस्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनासम्म पहुँच पाउने सूचना

<sup>125</sup> OPCAT, Articles 12(c) and 14.

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई प्रभावकारी निरीक्षणको कार्यक्रमको योजना बनाउने सन्दर्भमा महत्वपूर्ण हुन्छ । धारा २०(ख) ले समेटेको थुनुवाप्रतिको व्यवहार र थुनाका अवस्थितिसँग सम्बन्धित सूचना अत्यन्त व्यापक छ । यसले धेरै दस्तावेज, अभिलेख, बहीखाता र फाइलहरूलाई समेट्दछ । यस्ता दस्तावेजअन्तर्गत आन्तरिक नियम, कर्मचारी नियमावली, समग्रमा थुनुवाको तथा प्रत्येक थुनुवाको स्वास्थ्य रेकर्ड, दैनिक कामका तालिका (कारागार कोठरीमा बिताएको समयको रेकर्ड, शारीरिक व्यायाम गर्दा बिताएको समय, भित्र र बाहिर बिताएको समय र काम गर्दा बिताएको समयलगायत), आत्महत्या निगरानी व्यवस्था र अनुशासनसम्बन्धी रेकर्ड पर्दछन् ।<sup>126</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको पहुँच हुने कुनै कुनै सूचना गोप्य प्रकृतिको हुनेछ, जस्तै स्वास्थ्यसम्बन्धी रेकर्ड । त्यसैले, सूचना प्रदान गर्नुपर्ने पक्षराष्ट्रको दायित्वलाई सूचनाको गोप्य प्रकृतिलाई सम्मान गर्नुपर्ने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको दायित्वसँग जोडेर अध्ययन गर्नुपर्छ । सम्बन्धित व्यक्तिको लिखित सहमतिविना उसको कुनै पनि व्यक्तिगत तथ्यांक प्रकाशित नगर्ने दायित्व उसको हुन्छ ।<sup>127</sup>

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गोप्य सूचनामा पहुँच पाउनुपर्ने आवश्यकतालाई आलेखले औत्याएकाले व्यक्तिगत तथ्यांकको सुरक्षाका लागि पक्षराष्ट्रले विद्यमान कानुनलाई समीक्षा गर्नुपर्छ र आवश्यक भएमा आलेखले बताएबमोजिम राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सम्बन्धित सूचनामा पहुँच र त्यसको प्रयोगलाई अनुमति पाउनेगरी कानुनी छुट दिनुपर्छ । सार्वजनिक संस्थाका लागि दिइने छुटले यसलाई समेटेको हुनसक्छ । अन्य मुद्दामा भने व्यक्तिगत तथ्यांकलाई संकलन, प्रयोग र सुरक्षा गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई अनुमति दिनका लागि नयाँ व्यवस्था आवश्यक हुन्छन् ।<sup>128</sup>

#### **धारा २०(ग) : थुनास्थलसम्मको पहुँच**

धारा ४ ले परिभाषित गरेका सबै थुनास्थलमा पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई पहुँच दिनुपर्ने भनी धारा १ ले निर्धारण गरेको दायित्वलाई धारा २०(ग) ले सुदृढ गर्दछ । धारा २०(ग) ले धारा १४(ग) को भाषालाई प्रत्यक्ष रूपमा प्रतिबिम्बित गर्दैन । धारा १४(ग) ले रोकथाम उपसमितिलाई अनियन्त्रित पहुँच प्रदान गर्दछ । तथापि, माथि धारा

<sup>126</sup> APT, NPM Guide, p.58.

<sup>127</sup> OPCAT, Article 21(2).

<sup>128</sup> APT, NPM Guide, p.58.

४ मा चर्चा गरिएसरि धारा २० लाई समग्र आलेखको सन्दर्भमा अध्ययन गर्दा राज्यका अधिकारीको अवरोधविना भ्रमण गर्ने रोकथाम उपसमिति भैं राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई समान अधिकार दिनुपर्छ भन्ने कुरा प्रस्त हुन्छ । अघोषित भ्रमण गर्ने काम पनि यसमा समावेश हुन्छ ।<sup>129</sup> आलेखको लक्ष्य तथा उद्देश्यसँग संगत ठहरिने यो मात्र एक निष्कर्ष हो र सच्चि कानुनसम्बन्धी भियना महासचिका लागि आवश्यक व्याख्या हो ।<sup>130</sup>

विशेष कुनै थुनास्थल भ्रमण गर्ने रोकथाम उपसमितिको कार्यक्रमलाई पक्षराष्ट्रले अस्थायी रूपमा स्थगन गर्नसक्ने विशेष तथा सीमित आधारलाई धारा १४(२) ले निर्धारण गरेको छ । धारा २० मा यसको समानान्तर भाषा छैन । कुनै पनि परिस्थितिमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्ने कुनै पनि भ्रमणलाई अस्थायी बन्देजसम्म गर्ने अनुमति सरकारलाई छैन भन्ने नै तर्कसम्मत निष्कर्ष हो ।<sup>131</sup>

#### **धारा २०(ग) : व्यक्तिगत अन्तर्वार्ता गर्ने**

धारा १४(घ) अन्तर्गत रोकथाम उपसमितिले गर्ने थुनुवालाई गर्ने व्यक्तिगत अन्तर्वार्ताको अधिकार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको पनि हुने प्रत्याभूति धारा २०(घ) ले गर्दछ । व्यक्तिलाई गोप्यमा अन्तर्वार्ता गर्ने सम्भावना महत्वपूर्ण हुन्छ किनकि यसले व्यक्तिलाई प्रतिशोधको डर नलिइकन खुला रूपमा बोल्ने अनुमति दिन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले थुनुवा र अन्यसँग अन्तर्वार्ता लिँदा अधिकारी, कैदी वा अन्यले कान नथापिकन वा अन्य किसिमको निगरानी नगरिकन लिन पाउनुपर्ने अधिकारलाई कार्यान्वयन हुने कानुनले प्रत्याभूत गर्नुपर्छ । यसमा एकमात्र छुट त्यतिबेला दिन सकिन्छ जब सुरक्षाको कारणले गर्दा भ्रमणकारी टोलीले अन्तर्वार्ता सुरक्षाकर्मीले नसुन्ने तर देखेगरी गर्नका लागि विशेष अनुरोध गर्दछ ।<sup>132</sup>

रोकथाम उपसमितिकै जस्तो गरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको निरीक्षण टोलीलाई पनि अधिकारीहरूले तोकेका स्थानमा अन्तर्वार्ता लिनुपर्ने बाध्यता तोकनुहुँदैन ।<sup>133</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्य आफैले उपयुक्त ठानेको पर्याप्त सुरक्षा रहेको स्थान चयन गर्ने

<sup>129</sup> APT, NPM Guide, p.57. See also Nowak and McArthur, *The UNCAT*, pp.1090-1091.

<sup>130</sup> Under Articles 31 and 32 of the Vienna Convention on the Law of Treaties. See also discussion of Articles 1 and 4 of the OPCAT in this chapter.

<sup>131</sup> APT, NPM Guide, p.57.

<sup>132</sup> APT, NPM Guide, p.60.

<sup>133</sup> See commentary on Article 14(d) in this chapter.

## यातनाविस्कृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

स्वतन्त्रता पाउनुपर्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको टोलीको व्यक्तिगत सुरक्षालाई जगेन्ना गर्नका लागि अन्तर्वार्ता नगर्नु भनी थुनास्थलका अधिकारीले प्रस्ताव गरेमा यस्तो सल्लाहमाथि विचारपूर्वक ध्यान पुऱ्याउनुपर्छ । तथापि, आफ्नो व्यक्तिगत सुरक्षामाथिको कुनै किसिमको खतरा छ भन्ने लागेमा त्यसैअनुसार अघि बढ्ने अधिकार अन्ततोगत्वा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रकै सदस्यमा हुनुपर्छ ।<sup>134</sup>

### **धारा २०(ङ) : अन्तर्वार्ता लिने व्यक्तिको छनोट**

आफूले चाहेको व्यक्तिसँग अन्तर्वार्ता गर्न अधिकार तथा स्वतन्त्रता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको हुने भनी धारा २०(ङ) ले निर्धारण गर्दछ ।<sup>135</sup> यो एक महत्वपूर्ण अधिकार हो किनकि थुनास्थलको प्रतिनिधिमूलक तथा यथार्थ चित्र प्राप्त गर्नका लागि विशिष्ट मापदण्ड वा क्रमरहित छनोट/प्रतिनिधिमूलक नमुना कार्यविधिमा आधारित भई स्वतन्त्रताबाट वजिचत व्यक्तिको छनोट गर्न यसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सक्षम बनाउँछ ।<sup>136</sup>

### **धारा २०(च) : रोकथाम उपसमितिसँग सम्पर्क**

धारा २०(च) ले धारा १२(ग) लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ जसअनुसार पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले रोकथाम उपसमितिसँग सञ्चार गर्न तथा सूचना पठाउन सकून् भनी सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र तथा रोकथाम उपसमितिबीचको प्रत्यक्ष सम्पर्क आलेखको नवीन वैशिष्ट्य हो । अभ, सम्भिले सोबैअनुरूपको रोकथामको प्रणाली स्थापना गर्न यो आवश्यक हुन्छ ।<sup>137</sup> आलेख निकायले एकअर्कासँग सहकार्य गर्ने तथा पूरक हुने सुनिश्चितताका लागि प्रत्यक्ष सम्पर्क अनिवार्य हुन्छ । यसैअनुरूप दुवै निकायमा प्रत्यक्ष तथा गोप्य सम्पर्कको अधिकार हुन्छ । धारा ११(ख)(आ) ले बताएअनुसार यससम्बन्धमा रोकथाम उपसमितिले सक्रिय भूमिका खेल्नुपर्ने हुन्छ किनकि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष र आवश्यक भएमा गोप्य सम्पर्क राख्ने जिम्मेवारी यसैको हुन्छ । धेरैओटा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भएको सन्दर्भमा रोकथाम उपसमिति तथा संयन्त्रका सबै इकाइका बीच सम्पर्क हुने सुनिश्चितता पक्षराष्ट्रले गर्नुपर्ने भनी रोकथाम

<sup>134</sup> APT, *NPM Guide*, p.60.

<sup>135</sup> See commentary on Article 14(e) in this chapter.

<sup>136</sup> APT, Detention Monitoring Briefing No 2, *The Selection of Persons to Interview in the Context of Preventive Detention Monitoring*, APT, Geneva, April 2009. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>137</sup> See OPCAT, Preamble and also Article 1.

उपसमितिले सिफारिस गर्दछ |<sup>138</sup> अभ, धारा १६(१) ले बताएअनुसार रोकथाम उपसमितिले आफ्ना सुभाव तथा अवलोकन गोप्य रूपमा पक्षराष्ट्रलाई र सान्दर्भिक भएमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई पठाउन सक्छ । धारा २०(च), १२(ग), १६(१) र ११(ख)(आ) लाई एकैचोटी अपनाउँदा यिनले यातना तथा अन्य किसिमका दुर्घटवहारलाई रोकथाम गर्ने रणनीति एकअर्कासँग तात्विक रूपमा आदानप्रदान गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र तथा रोकथाम उपसमितिलाई सक्षम बनाउँछन् । रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले भेटेर आवश्यक भएमा गोप्यतापूर्वक सूचना आदानप्रदान गर्नसक्छन् र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफ्ना प्रतिवेदन तथा अन्य सूचना रोकथाम उपसमितिलाई पठाउन सक्छन् ।

२

धारा ११(ख)(आ) र ११(ख)(इ) मुताबिक रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्षमता तथा क्रियाकलापलाई सशक्त बनाउनका लागि प्रत्यक्ष रूपमा संयन्त्रलाई तालिम दिन तथा प्राविधिक सहयोग गर्न सक्षम बनाउँछ ।

## धारा २१

- कुनै पनि निकाय वा पदाधिकारीले कुनै व्यक्तिविशेष वा संघसंस्थाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्पर्क गरेको वा उसका प्रतिनिधिलाई सत्य वा असत्य कुनै सूचना उपलब्ध गराएको आधारमा मात्र कारबाही गर्न कुनै आदेश दिनेछैनन्, त्यसो गर्न अनुमति दिनेछैनन् तथा त्यसो गरेमा सहन गर्नेछैनन् साथै यी व्यक्ति वा संस्थाप्रति कुनै पूर्वाग्रह राखेछैनन् ।
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबाट संकलित गोप्य सूचनालाई प्राथमिकता दिइनेछ । सम्बन्धित व्यक्तिको प्रस्त सहमतिबेगर कसैको पनि व्यक्तिगत विवरण सार्वजनिक गरिनेछैन ।

धारा २१(१) ले धारा १५ लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ र यसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग संवाद गरेकै कारण कुनै व्यक्ति वा संस्थाविरुद्ध कुनै किसिमको प्रतिशोध लिनबाट निषेध गर्दछ । व्यक्तिको आत्मसुरक्षा सुनिश्चित गर्न तथा व्यक्ति र संस्थाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रकहाँ पुगदा र ऊसँग संवाद गर्दा सुरक्षित महसुस गर्नु भन्ने सुनिश्चित गर्न यो

महत्वपूर्ण हुन्छ । तर धारा २१(१) प्रभावकारी हुनका लागि आफूले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सहकार्य गर्दा हुनसक्ने आक्रमणबाट आफूहरू सुरक्षित छौं भन्ने बारेमा व्यक्तिहरू सचेत हुनु आवश्यक छ । त्यसैले आलेखको कार्यान्वयनका लागि धारा २१ का व्यवस्थालाई राष्ट्रिय कानूनमा समावेश गर्नु जस्ती छ ।<sup>139</sup> थुनास्थल भ्रमणको सुरक्षातमा सम्बन्धित अधिकारीलाई यो व्यवस्थाका सम्बन्धमा सम्झाउने र व्यक्तिसँग अन्तर्वार्ता लिने क्रममा उनीहरूलाई यसमा सचेत बनाउने काम राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्नसक्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्थापी रूपमा देशभित्र नै बस्ने भएकाले यो सम्भावित प्रतिशोधका चिन्तालाई सजिलै जाँच गर्न तथा अनुगमन गर्न सक्षम हुन्छ (उदाहरणका लागि, अनुगमन भ्रमण गरेर र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले भेट गरेका थुनुवासँग अनुगमन अन्तर्वार्ता लिएर) ।

धारा २१ ले वर्णन गरेको सुरक्षाले त्यस्तो सूचनालाई समेट्नु पर्दछ जुन भूटो हो भनी राज्यका अधिकारी वा अन्यले दाबी गर्नसक्छन् किनकि यसो नगर्दा यो धाराले समेट्ने सुरक्षालाई बेकाम बनाउन सक्छ ।<sup>140</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई जानीजानी धोका दिन तथा यसका काममा व्यवधान ल्याउन राज्यका एजेन्टले गर्ने क्रियाकलापको जिम्मेवारीबाट राज्यलाई बचाउने उद्देश्य धारा २१ को छैन भन्ने कुरा प्रस्तु छ । उदाहरणका लागि, कुनै कारागारको सञ्चालकले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई जानीजानी गलत सूचना (जस्तै, कुनै थुनुवाको मृत्यु वा दुर्घटहारलाई लुकाउनको लागि) दियो भने यसमा राज्य दोषी ठहरिन्छ र राज्यले आलेखअन्तर्गतको अन्तर्राष्ट्रिय दायित्व तोडेको ठहरिन्छ । धारा २१ ले कारागार सञ्चालकलाई सम्भवतः दिएको व्यक्तिगत सुरक्षालाई यसले मतलब गर्दैन । सार्वजनिक अधिकारीको आचरणले यातना वा अन्य दुर्घटहारलाई ढाक्छोप गरेको भएमा त्यो राष्ट्रसंघीय यातनाविस्त्रको महासम्भिको व्यवस्थाअन्तर्गत अपराध ठहरिने (उदाहरणका लागि, मतियारका सवालमा) हदसम्म आलेखको धारा २१ ले स्वतन्त्र फौजदारी दायित्वबाट अधिकारीलाई उन्मुक्ति दिँदैन ।<sup>141</sup>

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबाट संकलित गोप्य सूचनालाई प्राथमिकता दिनुपर्छ भनी धारा २१(२) ले उल्लेख गर्दछ । रोकथाम उपसमितिका लागि यस्तै खालको कुनै धारा छैन किनकि धारा २(३) का सन्दर्भमा यो अनावश्यक छ । धारा २(३) ले रोकथाम

<sup>139</sup> APT, *NPM Guide*, pp.61-62.

<sup>140</sup> See also commentary on Article 15 in this chapter.

<sup>141</sup> APT, *NPM Guide*, pp.61-62.

उपसमितिलाई गोपनीयताको निर्देशक सिद्धान्तलाई पछ्याउने कार्यादेशा दिएको छ ।<sup>142</sup> धारा २० मुताबिकको सूचनामा पहुँचको अधिकारका प्रतिफलका रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफ्नो कामको सिलसिलामा थुनास्थल तथा थुनुवाको संवेदनशील सूचना (जस्तै, स्वास्थ्यसम्बन्धी सूचना) मा पहुँच अवश्य नै पाउँछ । थप रूपमा, कुनै थुनास्थलमा कारागार कर्मचारीजस्ता अन्य व्यक्तिका बारेमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले पाउने केही जानकारी व्यवसायिकभन्दा पनि व्यक्तिगत प्रकृतिको हुन्छ । धैरै देशमा व्यक्तिको गोपनीयताको सुरक्षासम्बन्धी कानुनमुताबिक यस्तो खालको सूचनालाई उजागर हुनबाट जोगाइएको हुन्छ ।<sup>143</sup>

तर व्यक्तिले लिखित सहमति दिएपछि उसका बारेमा विवरण उजागर गर्ने वा प्रकाशित गर्ने अनुमति राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई कार्यान्वयनमा आउने कानुनले दिनुपर्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र सम्बन्धित व्यक्ति(हरु) ले उजागर गर्नसक्ने वा सार्वजनिक गर्नसक्ने विवरणलाई व्यक्तिगत गोपनीयताको सुरक्षा गर्ने कानुन (वा शब्दाङ्कन) को आड लिई रोक्ने अनुमति पक्षराष्ट्रलाई दिनुहुँदैन । अन्तर्वर्ता लिइने व्यक्तिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्नो गुनासो सरकारी वकिल, मध्यस्थता गर्ने व्यक्ति, व्यवसायिक संस्था वा मानवअधिकार न्यायालयजस्ता संस्थामा सिफारिस गरिदिन प्रस्त रूपमा अनुरोध गरेमा उसको व्यक्तिगत विवरण उजागर हुनसक्दछ । व्यक्तिगत विवरणबाट निकालिएको तथ्यांक वा अन्य सूचना र व्यक्तिगत विवरणलाई गुमनाम राख्नेगरी अन्य कुनै तथ्यसँग सम्बन्धित सूचना प्रकाशित गर्ने अनियन्त्रित अधिकार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा हुनुपर्छ ।<sup>144</sup>

## धारा २२

सम्बन्धित पक्षराष्ट्रका सक्षम निकायले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबाट प्राप्त सुभावको अध्ययन गर्नेछन् र तिनको कार्यान्वयनका लागि अवलम्बन गर्नसकिने सम्भावित उपायका बारेमा संयन्त्रसँग परामर्श गर्नेछन् ।

धारा २२ ले रोकथाम उपसमितिसँग सम्बन्धित धारा १२ (घ) लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ र आलेखले यातना रोकथामका लागि अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय दुवै प्रयत्नलाई उत्तिकै

<sup>142</sup> See also OPCAT, Article 16(1).

<sup>143</sup> APT, NPM Guide, p.58.

<sup>144</sup> APT, NPM Guide, p.59.

महत्व दिन्छ भन्ने कुरालाई यसले जोड दिन्छ । धारा १२(घ) कै जस्तो धारा २२ ले पनि सहकार्यको सिद्धान्तलाई जोड दिँदै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सिफारिसलाई परीक्षण गर्ने र उनीहरूसँग कार्यान्वयनका उपायसम्बन्धी परामर्श गर्ने दुवै दायित्वलाई पक्षराष्ट्रले अपनाउनुपर्न बनाउँछ । रोकथाम उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदन र सिफारिसलाई गोप्य राख्ने व्यवस्था भए पनि आलेखले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रतिवेदन र सिफारिसलाई गोप्य राख्ने कुनै व्यवस्था गरेको छैन । कुनै एक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रणनीति र यसले राज्यका अधिकारीसँग गर्ने सहकार्यको मात्रामा आधारित भई संयन्त्रले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशित गर्ने निर्णय गर्नसक्छ तर यो धारा २१(२) लाई पालना गरेर मात्र हुन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले पाएको गोप्य सूचनालाई प्राथमिकता दिनुपर्छ र सम्बन्धित व्यक्तिको लिखित सहमतिपश्चात् मात्र व्यक्तिगत विवरण प्रकाशित गर्नुपर्छ ।

विद्यमान राष्ट्रिय निरीक्षण संयन्त्रमा सरकारलाई आफ्नो सिफारिसउपर विचार गराउने व्यवस्थाको अभाव छ भने धारा २२ का व्यवस्थाले उनीहरूमा विशेष चासो जगाउन सक्छ । यस्ता संयन्त्रलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्ति गर्दा यिनीहरूलाई विशेष फाइदा पुग्दछ ।

### धारा २२ : सक्षम अधिकारी

धारा २२ मा उल्लेख गरिएको सक्षम अधिकारी भन्नाले थुनास्थलको गतिविधि हेनै अधिकारी बुझिन्छ । यसमा थुनास्थलका व्यवस्थापक र ती मन्त्री पनि पर्दछन् जसको अधिकारमा यस्ता थुनास्थल आउँदछन् । तर आलेखले कुन अधिकारी कुनै विशेष सिफारिससँग सम्बन्धित छन् भनी निश्चित गर्ने कामको विवेक गर्ने जिम्मा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई नै छोडिदिएको छ ।<sup>145</sup> यसैभनुरूप कुनै मुद्दामा सिफारिस गर्ने र व्यवहारिक समाधान दिने अनि स्थानीय तहमा निर्णय गर्ने विषयको जिम्मा कुनै विशेष संस्थानको प्रशासनलाई छोडिदिनु सर्वाधिक उपयुक्त हुन्छ । कानुन नै संशोधन गर्नुपर्ने र/वा राष्ट्रिय स्तरमा निर्णय लिनुपर्ने प्रणालीसम्बन्धी विस्तृत मुद्दालाई सरकार वा विधायिकी संरचनाका माथिल्ला अधिकारीतर्फ पठाउनु अधिक उपयुक्त हुन्छ ताकि सिफारिसउपर कार्यान्वयनको तर्कसम्मत सम्भावना रहोस् ।<sup>146</sup>

<sup>145</sup> APT, NPM Guide, p.65.

<sup>146</sup> APT, NPM Guide, p.65.

धारा २२ लाई कार्यान्वयन गर्नका लागि आलेख कार्यान्वयन गर्ने राष्ट्रिय कानुनले लिखित रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गरेका विशेष सिफारिस कुन अधिकारीले प्राप्त गर्ने भनी निश्चित गर्ने कामको अनुमति संयन्त्रलाई नै दिनु पर्दछ । सिफारिस प्राप्त गर्ने अधिकारीको राष्ट्रिय कानुनमातहतको कर्तव्यमा यसउपर प्रतिक्रिया जनाउने वा ती सिफारिस कार्यान्वयन गर्ने आवश्यक क्षमता आफूमा नभएको भन्ने लागेमा यो सिफारिस सक्षम अधिकारी पहिचान गरी उसकहाँ पुऱ्याउने कर्तव्य हुन्छ । त्यसपछि उक्त अधिकारीको यसउपर प्रतिक्रिया जनाउने कर्तव्य हुन्छ<sup>147</sup> सक्षम अधिकारीले सिफारिसउपर प्रतिक्रिया जनाउने र/वा विशेष मामलमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग संवाद गर्ने उपयुक्त समयावधि तोक्ने अनुमति राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई राष्ट्रिय कानुनले दिनुपर्छ ।

आफूलाई यातना दिएको भनी आरोप लगाउने थुनुवालाई थुनास्थल भ्रमणको क्रममा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले भेट्नसक्छ र यसमा अभ अनुसन्धान, न्यायिक निर्णय र/वा कारबाही आवश्यक हुन्छ । यसो भएमा उपयुक्त अधिकारीले यसमाथि अनुसन्धान गर्नका लागि संयन्त्रले सिफारिस गर्नसक्छ । यस्ता परिस्थितिमा सक्षम अधिकारीअन्तर्गत सरकारी वकिलको कार्यालय, सुपरीवेक्षकको कार्यालय वा व्यक्तिगत गुनासोमाथि विचार गर्ने क्षेत्राधिकार प्राप्त राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था पर्नसक्छन् । तर यसमा पनि धारा २१(२) मा निहित व्यक्तिगत विवरणको उजागर गर्ने कामलाई नियन्त्रण गर्ने व्यवस्था लागू हुन्छ । फलस्वरूप, उपयुक्त सक्षम अधिकारीसमक्ष सिफारिस पठाउँदा कुनै अभियोजनकर्ताको लिखित सहमतिपश्चात् मात्र ऊसम्बन्धी सूचना समावेश गर्नसकिन्छ<sup>148</sup>

### धारा २२ : सिफारिसउपर विचार

अधिकारीले आफूना सिफारिस तथा अवलोकनउपर विचार गर्नलाई सहयोग होस् भन्ने हेतुले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले रोकथाम उपसमितिको उदाहरणलाई पछ्याउनु पर्दछ र भ्रमणको अन्त्यमा वा अलि पछि भए पनि सकेसम्म छिटो सम्बन्धित अधिकारीसँग बैठक गरी प्रारम्भिक सिफारिस र अवलोकनको सूचना उनीहरूलाई दिनु पर्दछ<sup>149</sup> यसमाथि औपचारिक लिखित प्रतिक्रिया सम्भव भएसम्म छिटो पठाउनु पर्दछ । सिफारिसको कार्यान्वयनका सम्बन्धमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र सम्बन्धित अधिकारीका बीच

<sup>147</sup> APT, NPM Guide, p.65.

<sup>148</sup> APT, NPM Guide, p.65. See also commentary on Article 21 in this chapter.

<sup>149</sup> SPT, First annual report, Annex V.

## यातनाविस्कृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

रचनात्मक संवादको आधार प्रतिवेदनले बनाउनु पर्दछ । आलेखलाई कार्यान्वयन गर्ने राष्ट्रिय कानूनले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सिफारिसउपर विचार गर्ने र ऊसँग संवाद गर्ने लिखित दायित्व सुन्म्पनु पर्दछ ।<sup>150</sup>

आफ्ना सिफारिसको कार्यान्वयन भए नभएको निरीक्षण गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले रोकथाम उपसमितिभन्दा अझ छिटछिटो मौका पाउनुपर्छ र तिनले यस्तो निरीक्षण अनेकौ माध्यमबाट गर्नसक्छन् । यस्ता माध्यमअन्तर्गत अनुगमन भ्रमण, अधिकारीहरूसँग संवाद र गैरसरकारी संस्था वा थुनास्थलमा उपस्थित धार्मिक संस्था वा समुदायमा आधारित आगन्तुकजस्ता अन्य समूह पर्दछन् । विशेषगरी पछिका भ्रमणले अधिल्ला सिफारिसको कार्यान्वयनलाई मूल्यांकन गर्न तथा कुनै नयाँ मुद्दाको पहिचान गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सक्षम बनाउँछ ।<sup>151</sup> कार्यान्वयनमा कुनै समस्या आए तिनलाई सम्बन्धित अधिकारीसमक्ष तत्काल उठाउन सकिन्छ ।

### धारा २३

यस आलेखका पक्षराष्ट्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित र वितरण गर्ने जिम्मा लिन्छन् ।

धारा २३ ले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनको प्रकाशन र वितरणका सम्बन्धमा चर्चा गर्दछ । वार्षिक प्रतिवेदनको विषयलाई भने आलेखले उल्लेख गरेको छैन । तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्ति गरिएको संस्था विद्यमान नै छ भने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन भिन्नै प्रतिवेदनका रूपमा प्रकाशित गर्नु पर्दछ वा कमसेकम यसका लागि संस्थाको वार्षिक प्रतिवेदनमा एउटा भिन्नै अध्याय छुट्ट्याउनु पर्दछ<sup>152</sup> र यो अध्यायले कुन क्रियाकलाप संस्थाको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र कार्यादेशअन्तर्गत गरिएको हो भनी प्रस्त पानुपर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका प्रतिवेदन गोप्य रहनुपर्ने भन्ने कुनै व्यवस्था<sup>153</sup> नभएकाले वार्षिक प्रतिवेदनहरू धारा २१(२) अन्तर्गत आउँछन् र यिनले भ्रमण प्रतिवेदन, अवलोकन र सिफारिसका नमुना

<sup>150</sup> APT, *NPM Guide*, p.64.

<sup>151</sup> APT, *NPM Guide*, p.65.

<sup>152</sup> See Section 4.3 of Chapter V of this manual.

<sup>153</sup> See Articles 2 and 16.

समावेश गर्नसक्छन् । विद्यमान वा मस्यौदा कानुनसँग सम्बन्धित प्रस्ताव तथा अवलोकन पेश गर्ने अवसर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई यो प्रतिवेदनले दिनसक्छ ।<sup>154</sup>

प्रकाशन तथा वितरणसँग सम्बन्धित कुनै विशेष आवश्यकता धारा २३ ले समावेश गरेको छैन । आफ्ना वार्षिक प्रतिवेदन आफै प्रकाशित गर्ने स्वतन्त्रता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको हुन्छ । पक्षराष्ट्रले ती प्रतिवेदन प्रकाशन तथा वितरण गर्नेछन् भन्ने प्रत्याभूति धारा २३ ले गर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका प्रतिवेदनको राष्ट्रव्यापी वितरणले थुनास्थलको पारदर्शिताका साथै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको जवाफदेहिताका लागि योगदान दिन्छ । त्यसैले क्रियाकलापमा पारदर्शिता अपनाउन तथा आफ्ना कामको दीर्घकालीन राष्ट्रिय प्रभावलाई सुधार गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सक्षम बनाउने उद्देश्य प्रकाशनले लिएको हुन्छ । वार्षिक प्रतिवेदन रोकथाम उपसमिति, यातनाविरुद्धको समिति, यातना रोकथाम समिति, अफ्रिकी यातना रोकथाम समिति र आइएसिएचआरजस्ता सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय निकायमा समेत पठाउने सुनिश्चितता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र तथा पक्षराष्ट्रले गर्नु पर्दछ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सूचना वितरण गर्नका लागि सहयोग गर्ने विविध विकल्पहरू उपलब्ध छन् । धारा २३ ले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई भ्रमण प्रतिवेदनलगायतका अन्य प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्नबाट रोक लगाउँदैन । अनेकौं संस्थानमा उठेका विषयले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई विषयगत प्रतिवेदन तयार गर्नतर्फ डोन्याउन सक्छ ।

## ७. भाग ५ : घोषणा

भाग ५ मा एउटामात्र धारा समावेश छ : धारा २४ ले आलेखअन्तर्गतका आफ्ना दायित्वलाई कसरी राम्रो रूपमा कार्यान्वयन गर्न सकिन्छ भन्नेमा विचार गर्न पक्षराष्ट्रलाई कही समय दिएको छ ।

### धारा २४

१. अनुमोदनपश्चात् पक्षराष्ट्रले एक घोषणा गरी यस आलेखको भाग ३ वा ४ का दायित्व ढिलो गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने जानकारी दिन सक्नेछन् ।

<sup>154</sup> For further information, see Section 4.4 of Chapter V of this manual.

## यातनाविरस्त्रको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

२. यस्तो ढिलाइ अधिकतम तीन वर्षसम्मको लागि मान्य हुनेछ । सरोकारवाला पक्षराष्ट्रले प्रतिनिधित्व जनाइसकेपश्चात तथा रोकथाम उपसमितिसँग परामर्शपश्चात् यातनाविरस्त्रको समितिले यो अवधिलाई अरु दुई वर्षसम्म लम्ब्याउन सक्नेछ ।

आलेखको पक्षराष्ट्र बन्न इच्छुक राज्यलाई थप समय प्रदान गर्ने व्यवस्था धारा २४ ले गर्दछ । ती राज्यले सम्भिमा निहित दायित्वलाई कसरी राप्रो रूपमा कार्यान्वयन गर्न सकिन्छ भन्ने विचार यो समयमा गर्दछन् । धारा २४ मुताबिक पक्षराष्ट्रले एक घोषणा गरी रोकथाम उपसमितिसँग सम्बन्धित (आलेखको भाग ३) को दायित्व वा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित (आलेखको भाग ४) को दायित्व ढिलो गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने जानकारी दिन सक्नेछन् । यसरी गरेको ढिलाइ सुरुआतको तीन वर्षको अवधिसम्म हुनसक्छ र यातनाविरस्त्रको समितिको सहमतिमा थप दुई वर्ष लम्बिन सक्दछ । दायित्वको सुरुआती ढिलाइलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठनसम्बन्धी दायित्वमा सुरुआती ढिलाइको चार वर्ष समयावधिका रूपमा व्याख्या गरिएको छ । यसो किनभने पक्षराष्ट्रले आलेखको अनुमोदन गरेको एक वर्षभित्र धारा १७ मुताबिक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्ने अवधि पाएका हुन्छन् ।<sup>155</sup>

### **धारा २४(१) : घोषणाको समय**

आलेखको धारा २४(१) मा विवाद उठेको थियो किनकि ढिलाइको घोषणा अनुमोदनका बखत मात्र गर्न पाइने हो कि पछिको जुनसुकै समयमा पाइने हो भन्ने कुरा प्रस्त थिएन । आलेखको प्रामाणिक अरबी, चिनियाँ, अंग्रेजी, फ्रान्सेली, स्ल्सी तथा स्पेनी<sup>156</sup> संस्करणमा अनुमोदनपश्चात् भन्ने शब्दावलीको विरोधाभाषपूर्ण अनुवाद तथा व्याख्यामा असहमतिको आधार खडा भयो ।<sup>157</sup> सन्धि कानुनसम्बन्धी भियना महासम्भिको धारा ३३ मुताबिक प्रत्येक प्रामाणिक संस्करणमा सन्धिका शब्दको उही अर्थ भएको भनी अनुमान गरियो । आलेखको धारा ३७(१) ले कुनै एक विशेष संस्करण हावी हुने कुरालाई लिखित रूपमा अनुमति दिँदैन । वार्ताका प्राथमिक आधारका रूपमा अंग्रेजी संस्करण रहेको थियो भन्ने तथ्यलाई यसले मतलब गर्दैन ।

<sup>155</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1108.

<sup>156</sup> That is the UN official languages.

<sup>157</sup> See OPCAT, Article 37(1): “The present Protocol, of which the Arabic, Chinese, English, French, Russian and Spanish texts are equally authentic, shall be deposited with the Secretary-General of the United Nations”. For further information, see the commentary on Article 37(1) in this chapter.

धारा २४(१) को अंग्रेजी र प्रान्तेली संस्करणले प्रस्त पारेअनुसार ढिलाइको घोषणा अनुमोदनकै समयमा गर्न पाइन्छ, पछि हैन। अर्कोतर्फ भने सुरुआती रूसी संस्करणले अनुमोदनपश्चात घोषणा गर्नुपर्ने संकेत गर्दछ। सुरुआती स्पेनी संस्करणले भने ढिलाइको सम्भावना अनुमोदनपछिसम्म कायम रहने संकेत दिएको भान हुन्छ।<sup>158</sup>

काजाकास्तान<sup>159</sup>ले पेश गरेको उदाहरणलाई पछ्याउँदै आलेखको धारा २४ ले उठाएका भाषिक मुद्दालाई संयुक्त राष्ट्र कानुनी मामिला मन्त्रालयमा विचारार्थ पठाइएको थियो र यसले धारा २४ का रूसी र स्पेनी संस्करणलाई अन्य आधिकारिक पाठकै अर्थसँग मिल्नेगरी सुधार गर्ने कार्यविधि अपनाएको थियो। यो सुधार कार्यविधिले अनुमोदनका बखत भन्ने अर्थसहितको शब्दावली रूसी र स्पेनी संस्करणमा समेत भल्किन्छ भन्ने सुनिश्चित गर्नेतर्फ केन्द्रित थियो।<sup>160</sup> आलेखको मूल पाठका संशोधन २९ अप्रिल २०१० बाट कार्यान्वयनमा आयो। धारा २४ लाई अब निन्नानुसार व्याख्या गर्नुपर्छ : धारा २४ अन्तर्गतको ढिलाइ अनुमोदनका बखतमात्र गर्न सकिन्छ।

#### धारा २४ : ढिलाइले रोकथाम उपसमितिमा पार्न असर

पक्षराष्ट्रले आलेखको भाग ३ लाई कार्यान्वयन गर्नबाट ढिलाइ गर्ने घोषणा गर्दा ढिलाइको अवधिमा रोकथाम उपसमितिले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसँग आइपर्ने सञ्चालनात्मक कार्यादेश कार्यान्वयन गर्दैन। व्यवहारमा यो भनेको पक्षराष्ट्रमा देशभ्रमण गर्नबाट रोकथाम उपसमितिलाई अस्थायी रूपमा रोक लाग्नु तथा उपसमिति राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाका लागि सल्लाह तथा सहयोग गर्न असमर्थ हुनु हो।<sup>161</sup>

<sup>158</sup> APT, 'Linguistic Issues in OPCAT Article 24', APT, Geneva, 27 March 2007, p.2.

<sup>159</sup> Kazakhstan ratified the OPCAT on 28 October 2008, invoking the Russian version to make a declaration under Article 24 postponing the establishment of its NPM. This declaration was made on 8 February 2010 and, in the absence of any objection on the part of States Parties to the OPCAT, the Secretary General of the United Nations received the declaration in question within a period of three months from the date of the notification. C.N.57.2010.TREATIES-2 (Depositary Notification of 22 February 2010).

<sup>160</sup> For further information, see SPT, Third annual report, §48; and Corrections to the original text of the Optional Protocol (authentic Russian and Spanish texts) and to the certified true copies, C.N.244.2010.TREATIES-3 (Depositary Notification, 22 February 2010), available at <http://treaties.un.org/doc/Publication/CN/2010/CN.244.2010-Eng.pdf>.

<sup>161</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1108.

तर ढिलाइका बखत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क महत्वपूर्ण हुन्छ । धारा ११(ख)(आ) अन्तर्गत रही रोकथाम उपसमितिले सम्बन्धित राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू) सँग सम्पर्क राख्ने कार्यादेशमा आएको ढिलाइले गर्दा असमर्थ भए पनि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू) ले यस्तो सम्पर्क राखी रोकथाम उपसमितिसँग धारा २०(च) बमोजिम संवाद गर्नसक्छन् ।

#### धारा २४ : ढिलाइले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा पार्न असर

व्यवहारमा धारा २४ लाई राज्यहरूले नयाँ निकायका रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र निर्माण गर्ने वा विद्यमान राष्ट्रिय कानुनमा उल्लेखनीय सुधार ल्याउने काम गर्नसक्छन् र यसो गर्दा उनीहरू आलेखको भाग ४ अन्तर्गतका दायित्वलाई पूर्ण रूपमा पालना गर्नसक्छन् । आलेखको भाग ४ अन्तर्गतको दायित्वलाई पूरा गर्न ढिलाइ गर्ने घोषणा गरी पक्षराष्ट्रले आलेखको अनुमोदन गर्नसक्छ र यसो गर्दा उसले रोकथाम उपसमितिको सल्लाहको फाइदा उठाउन सक्छ र साथसाथै राष्ट्रिय निरीक्षणको प्रभावकारी प्रणाली गठन गर्नका लागि काम गर्नसक्छ ।

पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठनसँग सम्बन्धित ढिलाइको विकल्प प्रयोग गर्दा रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय कर्ताहरू एकअर्काको सम्पर्कमा रहनु महत्वपूर्ण हुन्छ र यसो गर्दा रोकथाम उपसमिति राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियुक्ति प्रक्रिया र तिनीहरूको स्थापना तथा प्रभावकारी सञ्चालनसम्बन्धी सल्लाह दिन सक्षम हुन्छ । यो विषयमा रोकथाम उपसमितिसँग निरन्तर सम्पर्कमा रही पक्षराष्ट्रले ढिलाइ अवधिको समाप्तिमा आलेखलाई पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि प्रभावकारी तयारी गर्नसक्छन् । यस्तो स्थिति आएमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क गर्न रोकथाम उपसमितिलाई लिखित रूपमा अनुमति दिने (भाग ३ को) धारा ११(ख)(आ) का बलमा रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियुक्तिका लागि विचार गरिएको कुनै पनि संयन्त्रसँग सम्पर्क राख्न समर्थ हुनेछ ।

#### ८. भाग ६ : आर्थिक व्यवस्था

भाग ६ मा दुईओटा धारा छन् र तिनले रोकथाम उपसमितिका क्रियाकलापमा कसरी लगानी गरिन्छ र रोकथाम उपसमितिका सिफारिस कार्यान्वयन गर्न कसरी पक्षराष्ट्रले विशेष लगानी प्राप्त गर्नेन् भनी वर्णन गर्दछन् ।

## धारा २५

१. यो आलेख कार्यान्वयन गर्न रोकथाम उपसमितिले गर्न व्ययको भार संयुक्त राष्ट्रसंघले वहन गर्नेछ ।
२. यस आलेखअन्तर्गतको रोकथाम उपसमितिलाई आफ्नो कामकारबाही प्रभावकारी रूपमा सम्पन्न गर्न आवश्यक मानवस्रोत तथा सुविधा संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले उपलब्ध गराउने छन् ।

२

रोकथाम उपसमितिलाई संयुक्त राष्ट्रसंघको नियमित बजेटबाट लगानी गरिन्छ र पक्षराष्ट्रको योगदानबाट मात्र यो सञ्चालन हुँदैन भनी धारा २५ ले सुनिश्चित गर्दछ । नियमित बजेट सबै सदस्य राष्ट्रबाट प्राप्त योगदानले निर्मित हुन्छ । प्रत्येक सदस्य राष्ट्रबाट लिइने रकम उनीहरूको तिर्नसक्ने क्षमताको सिद्धान्तमा आधारित छ । यसरी हेर्दा सबभन्दा धनी देशले सर्वोच्च योगदान गर्दछन् । त्यसैले नियमित बजेटमार्फत् रोकथाम उपसमितिमा लगानी गर्न कार्य आलेख निकायप्रति चालू राष्ट्रसंघीय अभ्याससँग संगत ठहर्छ ।

आलेखसम्बन्धी वार्ता र अंगीकार प्रक्रियाका बेला बसेका बैठकमा यो व्यवस्थालाई समावेश गर्ने कदमलाई मुड्डीभरका सदस्य राष्ट्रले दमदार रूपमा विरोध गरेका थिए<sup>162</sup> केही सदस्य राष्ट्रको तर्कअनुसार आलेखको पक्षराष्ट्र नभएका राज्यले समेत रोकथाम उपसमितिको क्रियाकलाप सञ्चालनका लागि लगानी गर्नु उचित हुँदैन । रोकथाम उपसमितिमा लगानी गर्दा विद्यमान निकायका लागि छुट्ट्याइएका रकम त्यता पुग्छ भनी उनीहरूले दाबी गरे । यातना तथा अन्य दुव्यर्वहारको रोकथाममा आलेखले उल्लेखनीय प्रभाव पार्नसक्छ भन्नेमा उनीहरूलाई शंका थियो । तर रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रसंघीय नियमित बजेटबाट रकम पाउने सुनिश्चितता गर्नु महत्वपूर्ण छ किनकि उपसमितिको क्रियाकलाप प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्ने प्रत्याभूति यसले गर्दछ । अन्य राष्ट्रसंघीय आलेख निकायका पहिलेका अनुभवले पक्षराष्ट्रको लगानी अपर्याप्त हुने भनी देखाउँछन् । विगतमा रकमको यो अभावले व्यक्तिको मानवअधिकारलाई रक्षा गर्ने मामिलामा असंगतितर्फ

<sup>162</sup> Report of the UN Working Group to Draft an Optional Protocol to the Convention against Torture, UN Doc. E/CN.4/2002/78, §32-36; and APT, 'USA Putting a Price on the Prevention of Torture' (press release), 2 November 2002, available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch). See also the first version of this manual at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

डोन्याएको पाइयो ।<sup>163</sup> यसै कारणले गर्दा संयुक्त राष्ट्रसंघका सदस्य राष्ट्रले सन् १९९२ मा साधारणसभामा प्रस्ताव पारित गरी सबै सम्भिनिकायले नियमित बजेटबाट लगानी प्राप्त गर्ने प्रत्याभूति दिलाए ।<sup>164</sup>

आलेखका लागि नियमित बजेटबाट लगानी गर्नु विशेषगरी महत्वपूर्ण छ किनकि पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको खर्च बेहोरिहेका हुन्छन् । आलेख अनुमोदन गर्दा रोकथाम उपसमितिको खर्चसमेतका लागि दहो योगदान गर्नुपर्ने स्थितिमा पक्षराष्ट्रलाई धारा २५ ले सहयोग गर्दछ ।

व्यवहारमा रोकथाम उपसमितिलाई दिइने स्रोतसाधन अन्य राष्ट्रसंघीय सम्भिनिकायलाई दिइने स्रोतकै जस्तो ओएचसिएचआरको बजेटबाट खर्च गरिन्छ ।<sup>165</sup> रोकथाम उपसमितिका प्रारम्भिक गतिविधिका खर्च ओएचसिएचआरको साधारण बजेटबाट भन्दा पनि ओएचसिएचआरले प्रदान गरेको अतिरिक्त लगानीबाट उठाइएको थियो । यसको परिणामस्वरूप रोकथाम उपसमिति सुरुमा सञ्चालनमा आउँदा यसले चुनौतीपूर्ण स्थितिको सामना गरेको थियो किनकि यसले गर्ने देशप्रमाणलाई मात्र समेट्ने रकम योसँग थियो । त्यसैले यसको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित क्रियाकलापमाथि नियन्त्रण हुनगयो । आलेख अनुमोदन गर्ने राष्ट्रको संख्या पचास पुगेपछि तथा रोकथाम उपसमितिका सदस्यको संख्या १० बाट २५ पुगेपछि राष्ट्रसंघीय साधारणसभाले पहिचान गरेअनुसार रोकथाम उपसमितिको अद्वितीय रोकथाममूलक कार्यादेशलाई पूरा गर्नका लागि सक्षम बनाउन यसलाई पर्याप्त स्रोत प्रदान गर्नु आवश्यक हुन्छ ।<sup>166</sup>

२

यातनाविस्कृको महासम्प्रिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

## धारा २६

१. संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासभाका सान्दर्भिक कार्यविधिअनुसार संयुक्त राष्ट्रसंघकै आर्थिक प्रशासन नियमावली तथा अन्य निकायबाट शासित हुनेगरी रोकथाम उपसमितिका

<sup>163</sup> States Parties originally funded the CAT and the Committee on the Elimination of Racial Discrimination, but this led to resourcing problems.

<sup>164</sup> Resolution on effective implementation of international instruments on human rights, including reporting obligations under international instruments on human rights, UN Doc. UN GA Res. 47/111, 16 December 1992.

<sup>165</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1121.

<sup>166</sup> UN General Assembly, Resolution on torture and other cruel, inhuman or degrading treatment or punishment, UN Doc. A/RES/64/153, 18 December 2009, §36.

सिफारिस कार्यान्वयन गर्न तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई शैक्षिक कार्यक्रम आयोजना गर्न सहायता पुऱ्याउने उद्देश्यले एक यातना रोकथाम कोष स्थापना हुनेछ ।

२. रोकथाम कोष सरकार, अन्तरसरकारी एवं गैरसरकारी संघसंस्था र अन्य व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक निकायले पुऱ्याउने स्वेच्छिक योगदानबाट सञ्चालित हुनेछ ।

धारा २६ ले रोकथाम कोष स्थापना गरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई शैक्षिक कार्यक्रम आयोजना गर्नका लागि सहायता पुऱ्याउन तथा रोकथाम उपसमितिका सिफारिस कार्यान्वयन गर्न मार्ग प्रशस्त गर्दछ । आलेखको रोकथाम कोष रोकथाम उपसमितिको साधारण बजेटलाई यसको क्रियाकलापका सन्दर्भमा पूरकका रूपमा काम गर्न बनाइएको होइन । पक्षराष्ट्रको विद्यमान दायित्व कार्यान्वयन गर्नका लागि महत गर्नका लागि लगानी गर्ने लिखित व्यवस्था आलेखको अर्को नवीन पक्ष हो र यसले आलेखको विशिष्ट रोकथाममूलक दृष्टिकोणलाई प्रतिबिम्बित गर्दछ । यातना तथा अन्य दुर्व्यहार रोकथामका लागि उपाय अपनाउने पक्षराष्ट्रको विद्यमान दायित्व (यातना विरुद्धको महासन्धिअन्तर्गत लगायतको दायित्व)लाई कार्यान्वयन गर्न उनीहरूलाई महत गर्नलाई आवश्यक सहकार्यात्मक संवादको महत्वलाई यो धाराले सुदृढ गर्दछ ।

संयुक्त राष्ट्रसंघका सदस्य राष्ट्रले आलेखलाई स्वीकार गर्नुन् भन्ने सुनिश्चित गर्नका लागि यो धारा थनु अत्यन्त महत्वपूर्ण थियो । धेरै राष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्थापना गर्ने, नियुक्ति गर्ने वा व्यवस्थापन गर्ने तथा रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबाट प्राप्त सिफारिस कार्यान्वयनका आर्थिक सवालका बारेमा चिन्ता व्यक्त गरेका थिए । परिणामस्वरूप, यी प्रक्रियालाई सहायता पुऱ्याउने थप रकम प्रदान गर्नुलाई आवश्यक ढानियो ।

**धारा २६(१) :** रोकथाम उपसमितिको भ्रमणपछिको सिफारिसको कार्यान्वयन आलेखको धारा २६(१) ले रोकथाम उपसमितिले देखभ्रमणपछि दिने सिफारिसलाई कार्यान्वयन गर्नका लागि रकम सहयोग गर्दछ । रोकथाम उपसमितिका केही सिफारिसले थुनाका राष्ट्रिय प्रणालीलाई सुधार गर्ने लक्ष्य राख्दछन् जसमा रोकथाममूलक उपायसमेत सामेल हुन्छन् । उदाहरणका लागि, लगानी गरिने परियोजनामा थुनाका अवस्था, दुर्व्यवहारबाट थुनुवालाई सुरक्षा र/वा थुनाका बखत यातना तथा दुर्व्यवहार रोकथाम गर्ने उपाय पर्नसक्छन् । यसले पक्षराष्ट्रको फौजदारी न्याय र/वा कारागार प्रणालीमा सुधारसँग सम्बन्धित सबै कार्यक्रम समावेश हुन्छन्, जस्तै :

- कानुनी सुधार,
- न्यायाधीश, सरकारी वकिल, कानुन कार्यान्वयन अधिकारी तथा कारागार पहरेदारलाई तालिम,
- सोधपुछका तरिकाको समीक्षा,
- थुनुवाको फोरेन्सिक परीक्षण,
- यातनाविस्त्रद्धका गुनासा तथा अनुसन्धान संयन्त्र,
- फौजदारी न्याय सम्पादनका सन्दर्भमा भ्रष्टाचारविस्त्रद्धका कार्यक्रम,
- (राष्ट्रसंघीय) यातनाविस्त्रद्धको समिति तथा अन्य सान्दर्भिक राष्ट्रसंघीय तथा क्षेत्रीय दस्तावेजका सम्बन्धित व्यवस्थामुताबिक यातना रोकथामको लक्ष्य लिएका अन्य सबै उपाय ।<sup>167</sup>

२

अभ, धारा ११(ख)(घ) अन्तर्गत रोकथाम उपसमितिले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्षमता तथा कार्यादेशलाई बलियो बनाउने लक्ष्य लिएको सिफारिस तयार पार्ने कार्यादेश पाएको छ । तर आलेखको रोकथाम कोषले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियमित बजेटमा योगदान गर्ने लक्ष्य राख्दैन । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सञ्चालन गरेको शैक्षिक कार्यक्रम वा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्षमता र कार्यादेशलाई बलियो बनाउने लक्ष्य लिएको रोकथाम उपसमितिका सिफारिसको कार्यान्वयनलाई लगानी गर्नका लागि मात्र यसको प्रयोग गर्न सकिन्छ ।<sup>168</sup>

रोकथाम उपसमितिका सबै सिफारिसमा उल्लेखनीय आर्थिक पाटा हुनैपर्छ भन्ने छैन । वास्तवमा, कार्यविधिगत सुरक्षाउपाय जस्ता प्रमुख आर्थिक पाटा नभएका उपाय अपनाउन पक्षराष्ट्रलाई प्रेरित गरिन्छ । त्यसैले उल्लेखनीय आर्थिक पाटासमाहित सिफारिसलाई कार्यान्वयन गर्नका लागि सहयोग गर्ने परियोजनालाई प्राथमिकता दिने अपेक्षा आलेख रोकथाम कोषबाट गरिन्छ ।

<sup>167</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1129. See also Human Rights Council, Resolution on torture and other cruel, inhuman or degrading treatment or punishment: the role and responsibility of judges, prosecutors and lawyers, UN Doc. A/HRC/RES/13/19, §13, 26 March 2010.

<sup>168</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1129.

रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन गोपनीय राज्युपर्ने हुनाले यसको परिणामस्वरूप उपसमितिका प्रकाशित प्रतिवेदनमा उल्लिखित सिफारिसको कार्यान्वयनलाई आलेख रोकथाम कोषले प्राथमिकता दिनसक्ति । रोकथाम उपसमितिको देशभ्रमण प्रतिवेदनलाई प्रकाशित गर्ने अधिकार दिन पक्षराष्ट्रलाई प्रोत्साहन गर्नुको महत्वलाई यसले सुदृढ गर्दछ । अभी, रोकथाम उपसमितिको सुभावअनुसार जति भ्रमण प्रतिवेदन सार्वजनिक गरिन्छन् त्यति राज्यहरूले आलेखको रोकथाम कोषलाई योगदान पुन्याउँछन् ।<sup>169</sup>

२

### धारा २६(१) : शैक्षिक कार्यक्रम

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको शैक्षिक कार्यक्रमलाई रोकथाम कोषले सहायता गर्नेछ भन्ने आलेखको धारा २६ को दृष्टिकोण रहेको छ । यस्ता कार्यक्रमअन्तर्गत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रस्ताव (र/वा कार्यान्वयन) गरेका क्षमता अभिवृद्धिसम्बन्धी क्रियाकलाप, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने क्रियाकलाप (जस्तै, तालिमका सत्र) र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशसम्बन्धी सचेतना जगाउने र/वा यातना रोकथाम उपायप्रति लक्षित क्रियाकलाप (जस्तै, सुधारका सुभाव) पर्दछन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र सञ्चालनका लागि चाहिने नियमित खर्चलाई बेहोर्न उद्देश्य रोकथाम कोषको छैन । राष्ट्रिय रोकथाममूलक उपायको कार्यान्वयन गर्ने र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका पर्याप्त लगानीको सुनिश्चितता गर्ने प्राथमिक जिम्मेवारी पक्षराष्ट्रको हुन्छ ।<sup>170</sup>

### धारा २६(२) : आलेखको रोकथाम कोषलाई योगदान

आलेखको रोकथाम कोषलाई दिइने योगदान ओएचसिएचआरलाई पठाउनु पर्दछ किनकि उसले कोष व्यवस्थापन गर्दछ । सरकारका अलावा अन्य विविध कर्ता (नागरिक समाजका संस्था, शैक्षिक संस्थान, व्यक्ति, कम्पनी, निजी प्रतिष्ठान र अन्य निजी तथा सार्वजनिक संस्थालगायत) ले योगदान गर्नसक्छन् ।<sup>171</sup> आलेखको रोकथाम कोषले कुनै कुनै राज्यबाट पहिले नै योगदान प्राप्त गरिसकेको छ ।<sup>172</sup> तर आफ्नो कार्यादेश प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि आलेखको रोकथाम कोषलाई अभी बढी योगदान आवश्यक हुन्छन् ।

यातनाविष्ट्कारे महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

<sup>169</sup> SPT, Third annual report, §59.

<sup>170</sup> Under Article 18(3) of the OPCAT.

<sup>171</sup> OPCAT, Article 26(2).

<sup>172</sup> According to the third annual report of the SPT, the Czech Republic, the Maldives and Spain contributed to the OPCAT Special Fund. UN Doc. CAT/C/44/2, 25 March 2010, §59.

कोष उपयोग गर्ने सवालमा निर्णय गर्ने प्रक्रियाका सम्बन्धमा धारा २६ मौन छ । पक्षराष्ट्रले कोषका लागि अनुरोध गर्ने वा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले यस्तो अनुरोध गर्ने वा रोकथाम उपसमितिले यस्तो प्रयासको थालनी गर्नसक्ने वा गर्ने भन्ने सम्बन्धमा यो अस्पष्ट छ । अझ, रोकथाम कोषलाई संयुक्त राष्ट्रसंघको आर्थिक नियमावली र नियममुताबिक व्यवस्थापन गर्ने भन्ने सन्दर्भले व्यवस्थापन स्वतन्त्र संरक्षक बोर्डबाट हुनुपर्ने भन्ने आवश्यकता देखाउँछ । यी नियममुताबिक संरक्षक बोर्डका सदस्यलाई राष्ट्रसंघीय साधारणसभा वा सम्बन्धित सचिका पक्षराष्ट्रले नियुक्त गर्नसक्छन् ।<sup>173</sup> नियुक्तिका प्रक्रियाको बारेमा आलेखले व्याख्या गर्दैन । यातनापीडितका लागि राष्ट्रसंघीय स्वेच्छिक कोषको संरक्षक बोर्डलाई नै अन्ततोगत्वा आलेखको रोकथाम कोषको बोर्डका रूपमा कार्य गर्ने गरी हेरिएको थियो ।<sup>174</sup>

## ९. भाग ७ : अन्तिम प्रावधान

भाग सातमा ११ ओटा धारा छन् र यिनमा देहायबमोजिम सम्बन्धी व्यवस्था छन् :

- आलेखको कार्यान्वयन
- निकायबाट हट्न वा यसलाई संशोधन गर्न चाहने पक्षराष्ट्रले अपनाउनुपर्ने प्रक्रिया
- आलेखप्रति विमतिमा निषेध र
- अन्य सान्दर्भिक निकायसँग सहकार्यको आवश्यकतासम्बन्धी व्यवस्था

## धारा २७

1. महासचिय अनुमोदन गरेको कुनै पनि राष्ट्रलाई यो आलेखमा हस्ताक्षर गर्न खुल्ला गरिएको छ ।
2. महासचिय अनुमोदन गरिसकेको वा यसमा सम्मिलन जनाइसकेको राष्ट्रले यो आलेख अनुमोदन गर्नसक्नेछ । अनुमोदन गरेको कागजात संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिला गर्नुपर्नेछ ।

<sup>173</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1128.

<sup>174</sup> SPT, Second annual report, §46.

३. महासन्धि अनुमोदन गरिसकेका वा यसमा समिलन जनाइसकेका राष्ट्रले यस आलेखमा समिलन जनाउन जनाउन सक्नेछन् ।
४. समिलन जनाएको कागजात संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिला गरेपछि सो लागू भएको मानिनेछ ।
५. संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले आफूसमक्ष दाखिला भएका अनुमोदन वा समिलनका कागजातको बारेमा यो आलेखमा हस्ताक्षर गर्ने वा स्वीकृति जनाउने सबै राष्ट्रलाई सूचित गर्नेछन् ।

२

यातनाविस्तृको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

यातनाविस्तृको महासन्धिमा हस्ताक्षर, अनुमोदन गरिसकेको वा यसमा समिलन जनाइसकेको राष्ट्रले यो आलेख हस्ताक्षर, अनुमोदन गर्नसक्ने वा समिलन गर्नसक्ने तथ्यलाई धारा २७ ले स्थापित गर्दछ । धारा २७ विना आलेख यातनाविस्तृको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख नभई आफैमा पूर्ण स्वतन्त्र सन्धि हुनजान्छ ।<sup>175</sup> धारा २७ ले आलेखलाई यातनाविस्तृको महासन्धिको सन्दर्भमा लिखित रूपमै स्थान दिन्छ र यो क्रममा आलेखको ऐतिहासिक उद्गमलाई प्रमाणित गर्दछ । अन्तर्राष्ट्रिय निरीक्षण संयन्त्रको प्रस्ताव पहिलोचोटी यातनाविस्तृको महासन्धिका सम्झौतावार्ताका दौरान गरिएको थियो भन्ने कुरा यहाँ उल्लेख गर्नुपर्छ ।<sup>176</sup> धारा २७ ले यातनाविस्तृको महासन्धिका पक्षराष्ट्रलाई महासन्धिअन्तर्गतको यातना तथा अन्य दुर्व्यहार गर्ने दायित्वलाई अभ राम्रो गरी कार्यान्वयन गर्नका लागि सहयोग गर्ने आलेखको भूमिकामा जोड दिन्छ ।

यो धारामुताबिक पक्षराष्ट्रले आलेख र यातनाविस्तृको महासन्धिमा एकैचोटी हस्ताक्षर गर्नसक्छन् । दायित्वमा बाँधिने कार्य अनुमोदन वा समिलनका बखत हुन्छन्, हस्ताक्षरका समयमा होइन । हस्ताक्षरले चाहिँ आलेखको व्यवस्थामा औपचारिक रूपमा बाँधिनका लागि इच्छा जाहिर गरेको देखाउँछ । अभ, सन्धि कानुनसम्बन्धी भियना महासन्धिको धारा १८ मुताबिक पक्षराष्ट्रले एकैचोटी हस्ताक्षर गरेपछि असल नियत लिएर काम गरी सन्धिको लक्ष्य तथा उद्देश्यलाई नराम्रो असर पर्ने कार्यबाट बच्नुपर्छ ।<sup>177</sup> तर आलेखमा अनुमोदन वा समिलन गरेपछि मात्र पक्षराष्ट्रहरू यसका दायित्वमा लिखित रूपमा

<sup>175</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1137.

<sup>176</sup> See Section 4 of Chapter I of this manual; and the first version of this manual.

<sup>177</sup> Vienna Convention on the Law of Treaties, Article 18. For further information, see the UN Treaty Reference Guide: [www.untreaty.un.org](http://www.untreaty.un.org).

## यातनाविस्त्रको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

बाँधिन्छन् । यातनाविस्त्रको महासचिको आलेख सचिका अनुमोदन/सम्मिलनका प्रक्रिया फरकफरक भए पनि तिनका परिणाम भिन्न हुन्नन् किनकि प्रत्येक प्रक्रियाले पक्षराष्ट्रलाई समान रूपमा बाँध्दछन् ।

अनुमोदन सबभन्दा प्रचलित प्रक्रिया हो । अन्तर्राष्ट्रिय सचिलाई अनुमोदन गर्नुआघि कुनै पनि राज्यले सचिका प्रावधानमा बाँधिनका लागि राष्ट्रिय तहमा लिखित सहमति खोज्दछ ।<sup>178</sup> अनुमोदनका लागि आवश्यक कानुनी प्रक्रिया राज्यपिच्छे फरक पर्दछ । आलेख अनुमोदन गर्ने स्वीकृति राष्ट्रिय स्तरमा प्राप्त गरेपछि अनुमोदनको दस्तावेज राष्ट्रसंघीय महासचिवसमक्ष पेश गरिन्छ । सम्मिलन भने त्यस्तो प्रक्रिया हो जसद्वारा राज्यले कुनै विशेष सचिमा हस्ताक्षर नगरिकै त्यसका प्रावधानमा बाँधिनका लागि सहमति जनाउँदछ । यो अनुमोदनभन्दा कम प्रयोग गरिने प्रक्रिया हो र यो सम्बन्धित सचिले लिखित रूपमा व्यवस्था गरेको हुनु पर्दछ । तर यसको अनुमोदनजस्तिकै कानुनी प्रभाव हुन्छ ।

अझ, आलेखले प्रस्तु रूपमा नभनेपनि एउटा राज्यले क्रमैसँग आलेखलाई हस्ताक्षर, अनुमोदन वा सम्मिलन गर्नसक्छन् ।<sup>179</sup>

### धारा २८

१. २० ओटा राष्ट्रले अनुमोदन वा सम्मिलन गरेको कागजात संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिला गरेको ३०औं दिनबाट यो आलेख कार्यान्वयनमा आउनेछ ।
२. संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष यो आलेख अनुमोदन वा सम्मिलन गर्ने २०औं राष्ट्रले सोको कागजात पेश गरेपश्चात् यो आलेखको अनुमोदन सम्मिलन गर्ने राष्ट्रको हकमा अनुमोदन वा सम्मिलन गरेको ३०औं दिनबाट यो आलेख लागू हुनेछ ।

<sup>178</sup> Vienna Convention on the Law of Treaties, Articles 2(1)(b), 14(1) and 16.

<sup>179</sup> The principle of “succession of states” relates to the process via which a newly-created state replaces another state with regard to the responsibility for the international relations of a territory. For example, Serbia and Montenegro signed the OPCAT on 25 September 2003. Montenegro declared independence on 3 June 2006. Serbia ratified the OPCAT on 26 September 2006 and Montenegro became a signatory State by means of succession on 23 October 2006. Montenegro became a State Party to the OPCAT on 6 March 2009.

आलेखको कार्यान्वयन कार्यविधिलाई धारा २८ ले निर्धारण गर्दछ । (यसो भन्नाले यसका प्रावधान कानुनी तथा लिखित रूपमा बाध्यकारी हुने मिति भनी बुझ्नु पर्दछ ।) २० ओटा राष्ट्रले अनुमोदन गरेको ३०औं दिनबाट आलेख कार्यान्वयनमा आउनेछ भनी धारा २८ बोल्दछ । अन्य मानवअधिकार सञ्चिका ऐच्छिक आलेखले सञ्चि कार्यान्वयनमा आउनुअघि सामान्यतया दसओटा पक्षराष्ट्रमात्रले अनुमोदन वा सम्मिलन गर्नुपर्ने आवश्यकता औल्याउँछन् ।<sup>180</sup> धारा २८ अन्तर्गत अनुमोदनका तुलनात्मक रूपमा उच्च संख्याले आलेखको सम्पौतावार्ताका दौरान देखापरेका कठिनाइ तथा अवरोधलाई भल्काउँछन् । तर अन्त्यमा आवश्यक पक्षराष्ट्रको संख्याले आलेखको कार्यान्वयनलाई उल्लेखनीय रूपमा ढिलाइ गरेन । राष्ट्रसंघीय साधारणसभाले १८ डिसेम्बर २००२ मा स्वीकार गरेको सँडे तीन वर्षमै, २२ जुन २००६ मा, आलेख कार्यान्वयनमा आइहाल्यो । आलेख कार्यान्वयनमा आउनेबित्तिकै त्यसले रोकथाम उपसमिति सिर्जना गर्ने प्रक्रिया थाल्यो । रोकथाम उपसमितिका सदस्यको निर्वाचन गर्नका लागि पक्षराष्ट्रको पहिलो बैठक १८ डिसेम्बर २००६ मा बस्यो ।<sup>181</sup>

यो आलेख कार्यान्वयन भएपछि प्रत्येक राष्ट्रले अनुमोदन वा सम्मिलन गर्न सोको कागजात पेश गरेपश्चात् सो राष्ट्र अनुमोदन वा सम्मिलन गरेको ३०औं दिनबाट यो आलेखको व्यवस्थामा कानुनी रूपमा बाँधिनेछ भनी धारा २८ ले बताउँछ ।

## धारा २९

यस आलेखका प्रावधान संघीय राज्यका सबै भू-भागमा बेरोकटोक एवं एकनासले लागू हुनेछन् ।

संघीय व्यवस्था भएका पक्षराष्ट्रले आलेखको राष्ट्रिय कार्यान्वयन चौतर्फी रूपमा गर्नका लागि सबै प्रदेशमा आफ्ना दायित्व बराबरी रूपमा लागू गर्ने सुनिश्चितताको लक्ष्य धारा

<sup>180</sup> See the first Optional Protocol to the ICCPR, Article 9; Optional Protocol to the CEDAW, Article 16; Optional Protocol to the Convention on the Rights of Persons with Disabilities, Article 13; and Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1143.

<sup>181</sup> OPCAT, Article 7(1)(b).

२९ ले राख्दछ |<sup>182</sup> पक्षराष्ट्रले संघीय व्यवस्थाका आडमा आफ्ना दायित्व पूर्ण कार्यान्वयन गर्नबाट चुक्ने बहाना नबनाउन् भन्ने सिद्धान्तलाई यसले प्रतिबिम्बित गर्दछ । यो प्रावधानले आइसिसिपिआरको धारा ५० लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ र यो सचिको कानुनसम्बन्धी भियना महासचिको धारा २९ अनुरूप छ । धारा २९ अनुसार सचिको फरक उद्देश्य देखापरे वा यस्तो कुरा स्थापित भएबाहेक कुनै पनि सचिले प्रत्येक पक्षराष्ट्रको सम्पूर्ण क्षेत्रफललाई नै समेटेको हुन्छ |<sup>183</sup> व्यवहारमा भने संघीय राज्य वा अन्य स्वरूपको विकेन्द्रित राज्यमा आलेख कार्यान्वयन गर्दा अनेकौं चुनौती तेरिन्छन् ।

### धारा २९ : धाराको प्रभावक्षेत्र

धारा २९ मा आएको संघीय राज्यको सन्दर्भलाई सबै किसिमका विकेन्द्रित राज्यमा लागू हुने भनी व्याख्या गर्नु पर्दछ । केन्द्रीकृत संघीय सरकार र क्षेत्रीय वा प्रादेशिक सरकारका बीच अधिकारको संघीय विभाजन विकेन्द्रीकरणको सर्वाधिक प्रचलित स्वरूप हो । तर विकेन्द्रीकरणले अन्य रूपसमेत लिनसक्छन् र यसमा नगरपालिका वा स्थानीय सरकारलाई अत्यन्त सीमित जिम्मेवारी दिने कदमसमेत पर्दछन् ।<sup>184</sup> विकेन्द्रीकरणले अधिकारलाई परिभाषित भौगोलिक क्षेत्र र/वा विषयवस्तुका वर्गका आधारमा विभाजित गर्दछन् ।

### धारा २९ : संघीय राज्यमा आलेख कार्यान्वयन गर्ने जिम्मेवारी

संघीय राज्यमा सचिको बनाउने कार्य धेरैजसो संघीय सरकारको मात्र जिम्मेवारीमा पर्दछ । तर कुनै कुनै राज्यमा अनुमोदित सचिलाई संघीय सरकारमात्रैले कार्यान्वयन गर्नसक्दैन । सचिको सबै वा केही भागका विषयवस्तु क्षेत्रीय सरकारको क्षेत्रमा पर्दा तिनले सचिको कार्यान्वयनलाई कानुनी रूप दिने संघीय सरकारको सर्वोपरि र एकमात्र अधिकार नभएमा समेत यसको अधिकारक्षेत्रमा सचिको पर्दा भन्ने आधारमा उक्त सचिको कार्यान्वयन गर्ने पर्याप्त संवैधानिक अधिकार संघीय सरकारसँग हुनसक्छ । संघीय सरकारको यस्ता मामिला (उदाहरणका लागि, मानवअधिकार) मा विशाल जिम्मेवारी हुनसक्छ वा यो व्यापक रूपका

<sup>182</sup> For detailed information on the implementation of the OPCAT in federal States, see APT, *Implementation of the Optional Protocol to the UN Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment (OPCAT) in Federal and Decentralised States*, APT, Geneva, 2005. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>183</sup> Vienna Convention on the Law of Treaties, Article 29.

<sup>184</sup> APT, *Implementation of OPCAT in Federal States*, p.4.

विशिष्ट विषय (उदाहरणका लागि, कारागार, निरीक्षण र स्वारस्थ) का लागि जिम्मेवार हुनसक्छ ।<sup>185</sup>

संघीय सरकारले मानवअधिकार सञ्चिलाई एकलै कार्यान्वयन गर्न नसक्ने अवस्था आएमा क्षेत्रीय सरकारहरूबाट सहमति र काम लिने कुनै तरिका आवश्यक हुन्छ । आफ्ना मानवअधिकारसम्बन्धी दायित्व पूरा गर्नका लागि संघीय राज्यले संघीय-क्षेत्रीय सहकार्य र कार्यान्वयन निरीक्षण संयन्त्र स्थापना गर्ने दायित्व पूरा गर्नुपर्ने भनी मानवअधिकार समितिलगायतका अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार सम्बिनिकायले औल्याएका छन् ।<sup>186</sup> तदनुरूप आलेख कार्यान्वयनका लागि आवश्यक कानुन पारित गर्ने संवैधानिक अधिकार आफूसँग छ कि छैन भन्ने कुरालाई संघीय सरकारहरूले विचार गर्नु पर्दछ ।<sup>187</sup> आलेख पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन गर्नुअघि आलेखले बताएअनुसारका शक्ति तथा अधिकार रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा रहन्छन् भनी सुनिश्चित गर्ने कानुनी संशोधनलाई समेत पहिचान तथा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने हुनसक्छ ।<sup>188</sup>

**धारा २९ :** संघीय राज्यमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना तथा नियुक्ति आलेखको पक्षराष्ट्र भएका (वा हुन इच्छुक रहेका) सबै सरकारजस्तै संघीय सरकारले समेत विद्यमान थुना निरीक्षण संयन्त्रको समीक्षा गर्नु पर्दछ ताकि यस्ता कुनै पनि संयन्त्रलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्ति गर्नु वा नयाँ निकाय (वा निकायहरू) गठन गर्नु अभ राम्रो हो भन्ने सम्बन्धमा विचार पुऱ्याउन सकियोस् । राज्यको भूगोल र यसमा रहेका संस्थानको सन्दर्भमा भ्रमणको तीव्रता र अवधिलाई निश्चित गर्ने सम्बन्धमा विशेष ध्यान पुऱ्याउनु पर्दछ ।<sup>189</sup>

<sup>185</sup> APT, *Implementation of OPCAT in Federal States*, p.9.

<sup>186</sup> Human Rights Committee, Concluding observations of the Human Rights Committee on Germany, UN Doc. CCPR/CO/80/DEU, 4 May 2004, §12, quoted in APT, *Implementation of OPCAT in Federal States*, p.9: "The State Party is reminded of its responsibilities in relation to article 50 [federal States clause] of the Covenant; it should establish proper mechanisms between the federal and *Länder* levels to further ensure the full applicability of the Covenant".

<sup>187</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1147.

<sup>188</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1147.

<sup>189</sup> See also commentary on Article 3 in this chapter; APT, *Implementation of OPCAT in Federal States*, pp.7-13; and Walter Suntinger, 'National Visiting Mechanisms: Categories and Assessment', in *Visiting Places of Detention: Lessons Learned and Practices of Selected Domestic Institutions* (Report on an expert seminar), APT, Geneva, July 2003.

## यातनाविस्कृको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

संघीय राज्यमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू :

- भौगोलिकतामा आधारित : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई पूर्ण गर्न कुनै कुनै राज्यले भौगोलिक विभाजनका आधारमा अनेकौं निकाय गठन गर्नसक्छन्,
- क्षेत्राधिकारमा आधारित : (संघीय वा अन्य) विशिष्ट क्षेत्राधिकारअन्तर्गत पर्ने विभिन्न प्रकारका संस्थान वा विषयवस्तुसँग सम्बन्धित अनेकौं निकाय नियुक्त गर्ने निर्णय राज्यहरूले गर्नसक्छन्,
- विषयवस्तुमा आधारित : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्रियाकलाप सञ्चालनका लागि विशिष्ट विज्ञता (उदाहरणका लागि, बालबालिका, आप्रवासी वा प्रहरीका सम्बन्धमा) भएका अनेकौं निकाय नियुक्त गर्ने निर्णय कुनै कुनै राज्यले गर्नसक्छन्। आफ्नो विषयगत विज्ञताको क्षेत्र (उदाहरणका लागि, प्रहरी हिरासत इकाइ, बालबालिकालाई थुन्ने ठाउँ वा ज्येष्ठ नागरिकलाई राख्ने घर) मा पर्ने थुनास्थलको निरीक्षण गर्ने प्रत्येक संस्थान जिम्मेवार हुनेछ वा
- यी सबै विकल्पको सम्मिश्रणलाई प्रयोग गर्न सकिन्छ ।<sup>190</sup>

कुन किसिमको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र एउटा कुनै राज्यलाई सर्वाधिक सुहाउँदो हुन्छ भन्ने कुराको अन्तिम निर्णय वास्तवमै अनेकौं तत्वमा आधारित हुन्छ जसमा देशको आकार, विद्यमान निरीक्षण निकायको अस्तित्व र राज्यको राष्ट्रिय संवैधानिक अधिकारको प्रकृतिलगायत पर्दछन्।<sup>191</sup> जेभए पनि, यो सुनिश्चित गर्नु जस्ती हुन्छ :

- व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्रित गराई राखिएका सबै स्थान समेटिन्छन्,
- आलेखले निर्धारण गरेको विज्ञता, सबै अधिकार र प्रत्याभूति प्रत्येक भ्रमण संयन्त्रको हुन्छ, र
- सम्पूर्ण योजना प्रशासनिक रूपमा व्यवस्था गर्नसकिन्छ र सकारात्मक तथा निरन्तर परिणाम प्राप्त हुन्छ ।

<sup>190</sup> For further information, see Section 7 (especially 7.4) of Chapter IV of this manual.

<sup>191</sup> APT, *Implementation of OPCAT in Federal States*, p.12.

यससम्बन्धमा माथि धारा १७ मा उल्लेख गरिएजस्तै विद्यमान निकायको हल्काफुल्का जोडजाड गर्दा आलेखको आवश्यकतासँग त्यसलाई संयोजन गर्न गाहो हुनसक्छ ।<sup>192</sup>

## धारा ३०

यो आलेखमा (अनुमोदन गर्न) कुनै शर्त राखिनेछैन ।

आलेखका सम्बन्धमा कुनै किसिमका शर्त राख्न धारा ३० ले रोकेको छ । यो प्रावधान विशेषगरी महत्वपूर्ण छ किनकि अधिकांश अन्तर्राष्ट्रिय दस्तावेजले शर्त राख्न पाइने तरी सन्धिका लक्ष्य तथा उद्देश्यसँग अनुकूल हुनुपर्ने भनी व्यवस्था गरेका छन् । आलेखको हकमा भने यसका मस्यौदाकारले शर्तका सम्भावनालाई खारेज गर्नु आवश्यक ठाने किनकि आलेखले नयाँ तात्विक मापदण्ड सृजना गर्दैन बरू यसका व्यवस्थाले राष्ट्रसंघीय यातनाविरुद्धको महासन्धिअन्तर्गतका दायित्वलाई कार्यान्वयन गर्नका लागि मद्दत गर्न नयाँ संयन्त्रको सृजना गर्दछन् ।<sup>193</sup> त्यसैले कुनै पनि शर्तले आलेख निकायको कार्यादेश र/वा कार्यशैलीलाई अवश्यम्भावी रूपमा नियन्त्रण गर्दछ र यसो गर्दा सन्धिको लक्ष्य तथा उद्देश्यमा व्यवधान पुन्याउँछ ।<sup>194</sup> यो सन्धि कानुनसम्बन्धी भियना महासन्धिको धारा १९(ग) को विपरीत हुनजान्छ ।<sup>195</sup> अफ, रोकथाम उपसमिति वा राष्ट्रिय रोकथाम

---

<sup>192</sup> See commentary on Article 17 in this chapter. See also Section 7.4 of Chapter IV and Section 6.1 of Chapter V of this manual.

<sup>193</sup> The issue of allowing reservations was a particularly controversial aspect of OPCAT negotiations. Some States argued that it should be possible for a State to issue reservations, as is the case in relation to some other optional protocols, such as the two optional protocols to the UN Convention on the Rights of the Child. The majority, however, noted that recent practice in the field of human rights (e.g. in the 1998 Rome Statute of the International Criminal Court, and the 1999 Protocol to the 1979 Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination against Women) has been to disallow any reservations.

<sup>194</sup> Reports of the UN Working Group to Draft an Optional Protocol to UNCAT, UN Doc. E/CN.4/1993/28, 2 December 1992, §111-112, and UN Doc. E/CN.4/2000/58, 2 December 1999, §20-22.

<sup>195</sup> Article 19(c) of the Vienna Convention on the Law of Treaties states that “A State may, when signing, ratifying, accepting, approving or acceding to a treaty, formulate a reservation unless: (a) the reservation is prohibited by the treaty; (b) the treaty provides that only specified reservations, which do not include the reservation in question, may be made; or (c) in cases not falling under subparagraphs (a) and (b), the reservation is incompatible with the object and purpose of the treaty.”

संयन्त्रसम्बन्धी दायित्वबाट अस्थायी रूपमा पन्थिने अनुमति दिने धारा २४ ले पक्षराष्ट्रलाई आफ्ना दायित्व पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गर्न तयारीका लागि पर्याप्त छुट पहिले नै प्रदान गरेको छ ।

### धारा ३१

यस आलेखका कुनै पनि प्रावधानले पक्षराष्ट्रलाई कुनै पनि क्षेत्रीय महासम्भिबाट निःसृत भई थुनुवा/बन्दी राखिने स्थानको भ्रमण गर्न प्रणाली स्थापना गर्नुपर्ने दायित्वलाई असर पार्नेछैन । रोकथाम उपसमितिका र क्षेत्रीय व्यवस्थाअनुरूप स्थापना भएका त्यस्ता निकायका काम दोहोरिनबाट बच्न तथा यस आलेखका उद्देश्यको प्रवर्द्धन गर्न एकआपसमा परामर्श एवं सहयोग गर्न उत्साहित हुनेछन् ।

आलेखको रोकथाममूलक दृष्टिकोणको मुटुमा रहेको सहकार्यको सिद्धान्तलाई धारा ३१ ले उजागर गरेको छ । थुनास्थलको भ्रमण गर्ने क्षेत्रीय निकायको अस्तित्वलाई यो धाराले स्वीकार गर्दछ अनि रोकथाम उपसमितिले यी संयन्त्रका कामलाई रोकथाम उपसमितिले दोहोन्याएर गर्ने र यी संयन्त्रले रोकथाम उपसमितिका काम दोहोन्याउने रिथ्ति रहने भन्ने चिन्तालाई सम्बोधन पनि गर्दछ । विशेषगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको नियुक्ति, स्थापना र कार्यसम्बन्धी सङ्गतिपूर्ण मापदण्ड तथा सिफारिसलाई विभिन्न निकायले लागू गर्दछन् भन्ने सुनिश्चित गर्नका लागि सहकार्य आवश्यक हुन्छ ।<sup>196</sup> धारा ३१ अन्तर्गतको रोकथाम उपसमिति तथा अन्य क्षेत्रीय संयन्त्रबीचको सहकार्यले अनेकौं रूप लिनसक्छन् जसमा सूचना तथा असल अभ्याससम्बन्धी निर्देशन आदानप्रदान गर्ने, विशेष देशहरूमा भ्रमणको संयोजनात्मक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने र साभा सवालका विषयमाथि छलफल गर्ने द्विपक्षीय बैठकलगायत पर्दछन् ।

धारा ३१ ले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका बारेमा लिखित रूपमा उल्लेख नगरे पनि सम्बन्धित क्षेत्रीय निकायसँग कसरी परामर्श गर्ने र ती निकायले आफूसँग कसरी परामर्श गर्नसक्छन् भन्नेमा विचार गर्नु राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि उपयोगी हुन्छ । यसले पारस्परिक फाइदा पुऱ्याउँछ किनकि यसपछि प्रत्येक निकायले कुनै एक निकायको भ्रमणपछि संकलित सूचना र दिइएको सुभावमाथि काम गर्नसक्छन् ।

<sup>196</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1159. See also Section 5 of Chapter III of this manual for further information about the cooperation envisaged between the SPT and other preventive bodies.

## धारा ३२

१२ अगस्ट १९४९ का जेनेभा महासन्धि तथा तिनका ८ जुन १९७७ का अतिरिक्त आलेखको पक्षराष्ट्र बनेको आधारबाट सृजित दायित्व वहन गर्न यस आलेखका कुनै पनि प्रावधानले पक्षराष्ट्रलाई असर पुऱ्याउने छैनन् न त अन्तर्राष्ट्रिय कानुनले नसमेटेको अवस्थामा समेत रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिलाई थुनुवा/बन्दी राखिएको स्थानको भ्रमण अखिलायारी दिन बाधा पुऱ्याएको नै मानिनेछ ।

२

आलेखमा निहित सहकार्यको सिद्धान्तको महत्वलाई धारा ३२ ले थप बल पुऱ्याउँछ ।<sup>197</sup> चार जेनेभा महासन्धि तथा तिनका अतिरिक्त आलेखबाट निःसूत दायित्वलाई आलेखले सीमित गर्नेछैन वा त्यसमा हस्तक्षेप गर्नेछैन भनी यो धाराले बताउँछ । समग्रमा हेर्दा यी दस्तावेज अन्तर्राष्ट्रिय मानवीय कानुनको आधारका रूपमा रहन्छन् ।<sup>198</sup> । त्यसैले धारा ३२ ले पक्षराष्ट्रलाई अन्तर्राष्ट्रिय मानवीय कानुनको परिणामस्वरूप उज्जने दायित्वका पूरक दायित्वअन्तर्गत राख्दछ । आलेख निकायको कामले रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिका कामलाई परिपूर्ण गर्दै भनी धारा ३२ ले बताउँछ ।<sup>199</sup> आलेखको पाठबाट के जान्नु पर्दछ भने रोकथाम उपसमिति र सम्बन्धित राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू)लाई दिइएको थुनास्थल भ्रमणको सुविधालाई रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिले गर्ने भ्रमणलाई रोक्ने कदमलाई पुष्टि गर्ने अर्थमा लिन पाइँदैन र यो अर्को पाटोबाट पनि उत्तिकै सत्य हुन्छ । जेनेभा महासन्धिमुताबिक रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिले अन्तर्राष्ट्रिय सशस्त्र द्वन्द्वका दौरान युद्धबन्दी, थुनिएका नागरिक र अन्य सुरक्षित व्यक्तिलाई राखिएको वा राखिएको हुनसक्ने सबै थुनास्थलमा भ्रमण गर्ने अधिकार प्राप्त गरेको छ ।<sup>200</sup> गैरअन्तर्राष्ट्रिय सशस्त्र द्वन्द्व वा शान्तिका समयमा कुनै राज्यले रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिलाई थुनास्थलमा तदर्थमा आधारित भ्रमण गर्नका लागि अधिकार दिनसक्छ ।<sup>201</sup>

यातनाविष्वद्वको महासन्धिको आलेखमाथि टिप्पणी

<sup>197</sup> See OPCAT, Article 11(c).

<sup>198</sup> International humanitarian law involves the protection of persons during times of 203 armed conflict. For instance, it enables the ICRC to conduct visits to places of detention to visit prisoners of war.

<sup>199</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1165.

<sup>200</sup> For more information on the activities of the ICRC, see [www.icrc.org](http://www.icrc.org).

<sup>201</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1161. For a definition of ‘armed conflict’, see [www.icrc.org](http://www.icrc.org)

त्यसैले रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समिति र आलेख निकायका बीच काम दोहोरिने प्रशस्त सम्भावना रहन्छ । आलेख निकायको कार्यादेश तथा कार्यक्षेत्रलाई शासन गर्ने थुनास्थलको व्यापक परिभाषालाई यहाँ मतलब गरिएँदैन । कामलाई दोहोरिनबाट रोकनका लागि आलेख निकायले रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिसँग प्रभावकारी सहकार्य तथा सञ्चार गर्ने प्रणाली स्थापना गर्नु पर्दछ । प्रभावकारी सहकार्यका लागि सूचना आदानप्रदानसम्बन्धी कार्यविधि आवश्यक हुन्छ, विशेषगरी रोकथाम उपसमितिले गर्न देशभ्रमणको तयारीका बखत भ्रमण गरिने स्थानको छनोट गर्दा सूचना आदानप्रदानको महत्व रहन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र रेडक्रस अन्तर्राष्ट्रिय समितिबीच सहकार्यको सम्भावनालाई अभ्योतल्नु आवश्यक छ । तर धेरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भएका पक्षराष्ट्रलाई सहकार्यको सिद्धान्तले विशेष रूपमा जटिल चुनौती दिनसक्छ । यस्ता राष्ट्रले संयोजनकारी निकाय स्थापना गर्ने वा पहिचान गर्नेसम्बन्धमा विचार गर्नुपर्ने यो अर्को कारण हो ।<sup>202</sup>

### धारा ३३

१. यस आलेखको सदस्यता त्याग्न चाहने कुनै पनि पक्षराष्ट्रले कुनै पनि बखत संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवलाई लिखित जानकारी दिई आफ्नो सदस्यता त्याग्न सक्नेछन् । राष्ट्रसंघीय महासचिवले यसको लिखित जानकारी महासम्भिका तथा यस आलेखका पक्षराष्ट्रलाई दिनेछन् । महासचिवले यसरी सूचना पाएको मितिले एक वर्षपछि सदस्यता त्यागेको मानिनेछ ।
२. सदस्यता परित्याग गर्ने राष्ट्रले सदस्यता लागू हुने मितिअगावै आफू यस आलेखको पक्षराष्ट्र भएबाट उत्पन्न हुने दायित्वमोजिम गर्नुपर्ने काम वा विद्यमान अवस्थाबाट वा रोकथाम उपसमितिले सो पक्षराष्ट्रमाथि कुनै कारबाही गर्ने निर्णय हुनसक्ने अवस्थाबाट उन्मुक्ति पाउनेछैन, न त रोकथाम उपसमितिले विचार गरिरहेको कुनै विषयमा सदस्यता परित्यागले यो लागू हुनुपूर्व कुनै पूर्वाग्रही असर पुऱ्याउनेछ ।
३. सदस्यता परित्याग लागू भएपछि रोकथाम उपसमितिले परित्याग गर्ने राष्ट्रसँग सम्बन्धित कुनै पनि नयाँ विषयमा विचार गर्नेछैन ।

<sup>202</sup> APT, NPM Guide, p.91.

धारा ३३ ले यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा ३१ लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ । कुनै सन्धिबाट पक्षराष्ट्रले सदस्यता परित्याग गर्दा अपनाउनुपर्ने राष्ट्रसंघीय आम भाषा तथा कार्यविधिलाई यसले निर्धारण गर्दछ । सन्धिका दायित्वलाई छनोट गरी पालना गर्नका लागि आलेखको सदस्यता पक्षराष्ट्रले परित्याग नगरून् भनी अपनाइएका सुरक्षाउपाय यसमा निहित छन् । सन्धिको सदस्यता परित्याग गर्ने कार्य गम्भीर कदम हो ।

सदस्यता परित्यागको निवेदन दिएकैबेखत पक्षराष्ट्रको दायित्व सकिँदैन । परित्यागको सूचना पाएको एक वर्षपछिमात्र परित्याग भएको मानिन्छ । परित्यागको सूचना दिएको वर्ष पक्षराष्ट्रका रोकथाम उपसमितिलगायतका दायित्व कायम रहन्छन् । परित्याग सूचनाको एक वर्षभित्र रोकथाम उपसमितिले नियमित तथा अनुगमनकारी देशभ्रमण गर्न, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्पर्क बनाइराख्न र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई तालिम, सल्लाह तथा प्राविधिक सहायता प्रदान गर्नसक्छ ।<sup>203</sup> तर सदस्यता परित्यागको सूचना दिएपछि रोकथाम उपसमितिले नयाँ विषयमा विचार सुरु गर्नसक्दैन र यसपछि पक्षराष्ट्र नयाँ दायित्वबाट मुक्त हुन्छ । अर्कोतर्फ भने सदस्यता परित्याग लागू भएको मितिअगावै भएका काम वा उभिएका परिस्थितिजन्य दायित्वलाई पक्षराष्ट्रले कायम राख्दछन् । यस्ता मामिलामा रोकथाम उपसमितिले कार्यगत निरन्तरता दिनसम्म त्यसैले रोकथाम उपसमितिले पहिलेदेखि नै विचार गरिरहेको विषयमा उसलाई काम गर्नबाट रोक्न सदस्यता परित्यागको सूचनाको प्रयोग गर्न पाइँदैन । परिस्थिति भन्ने शब्दले विस्तृत स्थिति तथा विषय (उदाहरणका लागि, रोकथाम उपसमितिले पक्षराष्ट्रसँग पहिले उठाएका मुद्दा तथा रोकथाम कोषमार्फत् लगानी गरी रोकथाम उपसमितिका सिफारिसको कार्यान्वयन)लाई समेट्दैछ ।<sup>204</sup>

अझ, यो व्यवस्थाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको राष्ट्रिय कार्यमा कुनै कानुनी प्रभाव पार्दैन । आफ्ना राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कामलाई बन्द गर्नका लागि पक्षराष्ट्रले आवश्यक कानुनी तथा अन्य कदम चाल्नु पर्दछ (उदाहरणका लागि, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र गठन गर्ने कानुनलाई खारेज गर्ने) र यस्तो कदम राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्थापना गर्ने संवैधानिक वा कानुनी दस्तावेजमा विशिष्ट रूपमा उल्लिखित हुन्छ ।<sup>205</sup>

<sup>203</sup> Nowak and MacArthur, *The UNCAT*, pp.1170-1171.

<sup>204</sup> Nowak and MacArthur, *The UNCAT*, p.1170.

<sup>205</sup> Nowak and MacArthur, *The UNCAT*, p.1171.

## यातनाविरस्त्रको महासन्धिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

### धारा ३४

१. कुनै पनि पक्षराष्ट्रले यस आलेखउपर संशोधन प्रस्ताव गर्नसक्नेछन् र त्यस्तो प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष पेश गरिनेछ । महासचिवले प्रस्तावित संशोधनसहित यस्ता प्रस्तावमा पक्षराष्ट्रको सम्मेलन चाहन्छन् चाहाँदैनन् सोको जानकारी उपलब्ध गराउन अनुरोध गर्दै यस आलेखका पक्षराष्ट्रसँग पत्राचार गर्नेछन् । यसरी पत्राचार गरिएको चार महिनाभित्र कम्तीमा पनि एक तिहाइ पक्षराष्ट्रले सम्मेलन गरिनुपर्न जनाउ दिएमा महासचिवले संयुक्त राष्ट्रसंघको प्रचलित नियमको अधीनमा रही सम्मेलन आव्वान गर्नेछन् । सम्मेलनमा उपस्थित भई मतदान गरेका पक्षराष्ट्रमा दुई तिहाइको बहुमतले कुनै संशोधन प्रस्ताव अनुमोदन गरेमा संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले अनुमोदित प्रस्ताव स्वीकृतिका लागि सबै पक्षराष्ट्रसमक्ष पठाउनेछन् ।
२. यस धाराको उपधारा (१) बमोजिम अनुमोदन गरिएको संशोधन यस आलेखका दुई तिहाइ पक्षराष्ट्रले आ-आफ्नो सैवेणिक प्रक्रियामुताबिक स्वीकृत गरेपछि कार्यान्वयनमा आउनेछ ।
३. संशोधन कार्यान्वयनमा आएपछि सो संशोधन स्वीकार गर्ने पक्षराष्ट्रले संशोधित आलेखबाट तथा अन्य पक्षराष्ट्र यसै आलेखका प्रावधान तथा आफूले स्वीकार गरेका कुनै अधिल्ला संशोधनबाट बाँधिनेछन् ।

यातनाविरस्त्रको महासन्धिको धारा २९ लाई प्रतिबिम्बित गर्ने आलेखको धारा ३४ ले सन्धिको प्रावधानलाई संशोधन गर्ने प्रचलित राष्ट्रसंघीय भाषा तथा कार्यविधिलाई निर्धारण गर्दछ ।

### धारा ३५

रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई उनीहरूले गर्ने कामको स्वतन्त्र अभ्यास गर्न आवश्यक विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्रदान गरिनेछ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई १३ फेब्रुअरी १९४६ को संयुक्त राष्ट्रसंघीय विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति महासन्धिको धारा २३ मा उल्लिखित प्रावधानसँग सम्बन्धित हुनेगरी सोही महासन्धिको धारा २२ ले परिभाषित गरेका विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्राप्त हुनेछन् ।

**धारा ३५ :** रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई प्राप्त विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको काममा सरकारी (वा अन्य) हस्तक्षेपविरुद्धको थप सुरक्षाउपाय धारा ३५ ले प्रदान गर्दछ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई पनि संयुक्त राष्ट्रसंघीय विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति महासचिको धारा ६, दफा २२ मुताबिक संयुक्त राष्ट्रसंघीय कर्मचारी/प्रतिनिधिलाई दिइने विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्रदान गर्ने सुनिश्चितता यसले प्रदान गर्दछ :

२

यातनाविरुद्धको महासचिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

संयुक्त राष्ट्रका मिसनमा खटिएका विज्ञ (धारा ५ को कार्यक्षेत्रभन्दा बाहिर पर्ने अधिकारीबाहेकका)लाई यस्तो विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्रदान गरिनेछ । मिसनसँग सम्बन्धित यात्रामा खर्चिएका कामलगायत मिसनको अवधिमा आफ्ना काम स्वतन्त्रतापूर्वक गर्नका लागि उनीहरूलाई यो जरूरी हुन्छ । विशेषगरी उनीहरूलाई देहायका सुविधा दिइन्छ :

- (क) पक्राउ वा थुना अनि व्यक्तिगत सरसामान बरामद गर्नबाट उन्मुक्ति,
- (ख) मिसनका दौरान काम गर्दा उनीहरूले बोलेका वा लेखेका शब्द वा गरेका काममा कुनै किसिमको कानुनी प्रक्रियाबाट उन्मुक्ति । कानुनी प्रक्रियाबाट उन्मुक्ति पछिसम्म पनि कायम रहनेछ, भलै सम्बन्धित व्यक्ति संयुक्त राष्ट्रको मिसनमा कार्यरत नरहून्,
- (ग) सबै कागजात तथा दस्तावेजको सुरक्षा,
- (घ) संयुक्त राष्ट्रसँगको सञ्चारका लागि साड्केतिक भाषा प्रयोग गर्ने अधिकार र कुरियरमार्फत् वा सिलबन्द भोलामा राखिएका कागजात वा सूचना प्राप्त गर्ने अधिकार,
- (ड) अस्थायी आधिकारिक मिसनमा आएका विदेशी सरकारका प्रतिनिधिलाई दिइने मुद्रा स्टहीसम्बन्धी सुविधासरहकै सुविधा,
- (च) कूटनीतिक समूहका व्यक्तिलाई व्यक्तिगत सरसामानसम्बन्धी दिइने उन्मुक्ति तथा सुविधाअनुरूपकै उन्मुक्ति तथा सुविधा ।<sup>206</sup>

<sup>206</sup> Convention on the privileges and the immunities of the United Nations, UN Treaty Series No 15, 13 February 1946, Article VI, Section 22.

विज्ञाहरुलाई यी विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति उनीहरुको मिसनका अवधिमा दिइन्छ भनी दफा २२ ले बताउँछ । यो कुरा रोकथाम उपसमितिका सदस्यमा कडाइ गरी लगाउने हो भने विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति देशभ्रमणका क्रममा मात्र लागू हुन्छन् । तर दफा २२ सामान्यगरी विशिष्ट तथ्य अन्वेषणका वा अन्य भ्रमणका लागि नियुक्त विज्ञका सन्दर्भमा लगाइन्छ । यी विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिमध्ये बहुसंख्यक चाहिँ देशभ्रमणका बखत सान्दर्भिक हुने भएता पनि आलेखको धारा ३५ को शब्दावलीसँग संगति बनाउनका लागि दफा २२ लाई यसरी व्याख्या गर्नु पर्दछ जसअनुसार एउटा विज्ञले रोकथाम उपसमितिको सदस्यका रूपमा काम गरेभरिको अवधिका लागि यस्ता विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति पाउँदछ ।<sup>207</sup>

धारा १३(३) अन्तर्गत रही भ्रमणकारी रोकथाम उपसमिति टोलीको सदस्यका रूपमा रहेका थप विज्ञलाई दिनुपर्ने विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिका सम्बन्धमा धारा ३५ ले संकेत नगरे पनि थप विज्ञलाई देशभ्रमण मिसन अवधिभरिका लागि विज्ञका रूपमा हेरिनु पर्दछ र दफा २२ मा निर्धारण गरिएका विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिको हकदार उनीहरुलाई पनि बनाइनु पर्दछ ।<sup>208</sup>

विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिको दुर्स्पष्योगविस्त्र भ्रमणपूर्ण सुरक्षाउपायका रूपमा आलेखको धारा ३५ ले विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासचिको दफा २३ लाई विशेष रूपमा सन्दर्भ बनाउँछ । धारा २३ ले धारा २२ लाई प्रस्त्याउँदै बताएअनुसार धारा २२ अन्तर्गत कुनै व्यक्तिलाई दिइएको विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिलाई व्यक्तिगत फाइदाका लागि दुर्स्पष्योग गर्न मिल्दैन र तिनलाई राष्ट्रसंघको हितमा पूर्वाग्रहरहित भई हटाउन सकिन्छ । यी विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिलाई न्यायको बाटोमा अवरोध त्याउनसक्ने भन्ने विश्वास भएमा राष्ट्रसंघीय महासचिवले पनि हटाउन सक्छन् । उदाहरणका लागि, रोकथाम उपसमितिको कुनै सदस्यलाई आफ्ना कर्तव्य पालनका सिलसिलामा रोकथाम उपसमितिको कार्यादेशसँग असम्बन्धित अपराधमा फौजदारी अभियोग लाग्दा उक्त परिस्थितिमा कारबाहीबाट पाउने उन्मुक्तिलाई खारेज गर्न सम्बन्धमा राष्ट्रसंघीय महासचिवले निर्णय लिनसक्छन् ।<sup>209</sup>

<sup>207</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1182.

<sup>208</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1182.

<sup>209</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1182.

**धारा ३५ :** राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति धारा ३५ ले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई पनि विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्रदान गर्दछ किनकि उनीहरूको रोकथाममूलक कार्यादेश पूरा गर्नका लागि यी महत्वपूर्ण हुँच्छन् । आलेखले यस्ता विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिका प्रकृतिका सम्बन्धमा विशेष रूपमा उल्लेख नगरे पनि धारा ३५ अन्तर्गत रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई दिइएका यस्ता सुविधा नमुना हुनसक्छन् । तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई दिइने विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिको प्रकृति तथा मात्रालाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (वा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका प्रणाली) गठन गर्न राष्ट्रिय कानुनमा विशेषगरी उल्लेख गर्नु पर्दछ ।<sup>210</sup> पकाउ, थुना र व्यक्तिगत सरसामान बरामदगीबाट उन्मुक्ति र कागजात तथा दस्तावेजको बरामदगी वा निरीक्षणबाट उन्मुक्तिलाई यी व्यवस्थाले समेट्नु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कर्तव्य पालन गर्ने क्रममा संयन्त्रलका सदस्यले बोलेका वा लेखेका शब्द वा गरेका काममा कुनै किसिमको कानुनी प्रक्रियाबाट उन्मुक्ति पाउनु पर्दछ ।<sup>211</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यले गर्ने कामसँग सम्बन्धित सञ्चारमा कुनै हस्तक्षेप हुँदैन भन्ने प्रत्याभूति विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिसँग सम्बन्धित प्रावधानले दिनु पर्दछ ।

### धारा ३६

कुनै पक्षराष्ट्रको भ्रमण गर्दा उपसमितिका सदस्यले यस आलेखका प्रावधान तथा उद्देश्य साथै आफूलाई प्राप्त विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिसमेत प्रति पूर्वाग्रही नभई :

- (क) भ्रमण गरिएको राष्ट्रको नियम-कानुनलाई आदर गर्नेछन्,
- (ख) आफ्ना निष्पक्ष एवं अन्तर्राष्ट्रिय प्रकृतिका कर्तव्यसँग मेल नखाने कुनै पनि काम वा क्रियाकलापबाट टाढा रहनेछन् ।

धारा ३५ मुताबिक रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई दिइने विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिसँग यो प्रावधान प्रत्यक्ष रूपमा जोडिएको छ । देशभ्रमणका बखत रोकथाम उपसमितिको टोलीले पालना गर्नुपर्ने कर्तव्यलाई धारा ३६ ले निर्धारण गरेको छ । पक्षराष्ट्रको सामान्य राष्ट्रिय कानुन तथा नियमावलीलाई पालना गर्नबाट बच्नेगरी रोकथाम उपसमितिका

<sup>210</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1183.

<sup>211</sup> For further information, see APT, *NPM Guide*, pp.42-45.

## यातनाविस्त्रको महासम्भिको ऐच्छिक आलेखमाथि टिप्पणी

सदस्यले आफ्नो पदको दुरुपयोग नगर्ने सुनिश्चितता धारा ३६ ले गर्दछ । धारा ३६ को सम्बन्ध धारा २ सँग पनि छ जसअनुसार रोकथाम उपसमिति राष्ट्रसंघीय बडापत्र तथा निष्पक्षता र वस्तुगतताको सिद्धान्तबाट निर्देशित हुनु पर्दछ । धारा ३६ देशभ्रमणका बखतमात्र लागू हुन्छ भने धारा ३५ रोकथाम उपसमितिको पूरै समयमा व्यक्तिले काम गर्खजेलका लागि लागू हुन्छ भन्ने कुरा यहाँ विचारणीय छ ।

रोकथाम उपसमितिका सदस्यले राष्ट्रिय फौजदारी कानुन र धार्मिक वा परम्परागत चालचलनलाई सम्मान गर्नुपर्ने मात्र नभई सबै कारागार नियम, फौजदारी कायदिधि संहिता र यीजस्तै कानुनलाई सर्वसाधारणले सम्मान गरेअनुरूप नै सम्मान गर्नुपर्ने भन्ने अर्थ यो धारामा लगाउन सकिन्छ ।<sup>212</sup> तर धाराको यस्तो व्याख्याले व्यवहारमा रोकथाम उपसमितिको प्रभावकारी रोकथाममूलक भ्रमण सम्पन्न गर्नका लागि नकारात्मक असर पार्नसक्छ किनकि यसले उपसमितिको कार्यमा अवाञ्छित सीमितता थोपर्दछ । आलेखका धारा १४ जस्ता विशिष्ट प्रावधानबाट यो विपरीत हुनजान्छ (धारा १४ देशभ्रमणका दौरान रोकथाम उपसमितिलाई दिइने अधिकारसँग सम्बन्धित छ) । यसैअनुरूप रोकथाम उपसमितिको कार्यदेशमा विघ्न ल्याउनका लागि धारा ३६ को प्रयोग पक्षराष्ट्रहरूले गर्नुहुँदैन । आलेखअन्तर्गत दिइएको अधिकार, विशेषाधिकार र उभुक्तिलाई आफ्नो व्यक्तिगत फाइदाका लागि रोकथाम उपसमितिका सदस्यले दुरुपयोग गर्नुहुँदैन ।<sup>213</sup>

रोकथाम उपसमितिको देशभ्रमण मिसनमा सहभागी हुनसक्ने थप विज्ञका बारेमा धारा ३६ ले लिखित रूपमा केही बोलेको छैन । तर यो व्यवस्था उनीहरूका लागिसमेत हो भनी व्याख्या गरिनु पर्दछ । आफ्ना कर्तव्य पालन गर्दा रोकथाम उपसमितिका सदस्यले पाउनेजन्तिकै अधिकार र प्रत्याभूति उनीहरूले पनि पाउनु पर्दछ ।

### धारा ३७

१. अरबी, चिनियाँ, अंग्रेजी, फ्रान्सेली, रसी तथा स्पेनी भाषामा तयार पारिएका यस आलेखका पूर्ण पाठ समान रूपले मान्य हुनेछन् र यी संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिल रहनेछन् ।

<sup>212</sup> For a critical interpretation of Article 36, see Nowak and McArthur, *The UNCAT*, pp.1188-1189.

<sup>213</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1189.

२. यस आलेखका प्रमाणित प्रति संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले राज्यमा पठाउनेछन् ।

सबै राष्ट्रसंघीय सन्धिमा पाइने आदर्श भाषा धारा ३७ मा समावेश गरिएको छ र यसले आलेखलाई सबै आधिकारिक राष्ट्रसंघीय भाषामा अनुवाद गर्नुपर्ने र ती अनुवादले सन्धिका व्यवस्था तथा दायित्वलाई कुनै हालतमा फेरबदल गर्न नहुने सुनिश्चितता गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । तर माथि उल्लेख गरिएबमोजिम धारा २४ को फरकफरक भाषिक संस्करणले आलेखको सुसङ्गति र व्याख्याका सम्बन्धमा केही सवाल खडा गरेका छन् । धारा २४ को व्याख्यालाई अब आधिकारिक रूपमा प्रस्त्राइएको छ र मूल पाठमा संशोधनलाई अपनाइएको छ ।<sup>214</sup>

२

धारा ३७(२) ले यातनाविरुद्धको महासन्धिको धारा ३३ लाई प्रतिबिम्बित गर्दछ, यसरी कि राष्ट्रसंघीय बडापत्रको धारा १०२(१) र सन्धि कानुनसम्बन्धी भियना महासन्धिको धारा ८० को समनुरूपतामा राष्ट्रसंघीय महासचिवलाई आलेखको संरक्षकका रूपमा नियुक्त गरिएको छ ।<sup>215</sup>

<sup>214</sup> See commentary on Article 24 in this chapter.

<sup>215</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1192.

## अध्याय ३

### यातना रोकथाम उपसमिति

#### विषयसूची

१. परिचय
२. यातना रोकथाम उपसमितिको संक्षिप्त विवरण
३. परामर्श कार्य : आलेखको कार्यान्वयन र नीति निर्माण
४. सञ्चालनसम्बन्धी कार्य : हिरासत अनुगमन
५. बाह्य पक्षसँग सहकार्य
६. नागरिक समाजको उपसमितिसँग संलग्नता

## १. परिचय

यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमाजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम उपसमिति (एसपिटि) संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार संरचनामा एक नयाँ प्रकारको सन्धि निकाय हो । योसँग यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि दीर्घकालीन र सक्रिय पद्धतिमा केन्द्रित विशुद्ध रोकथामको अधिकार रहेको छ ।<sup>१</sup> यसले विशेष गरेर यातनाविरुद्धको समिति (CAT) र सामान्य रूपमा अन्य सन्धि निकाय र विशेषज्ञहरूको प्रतिक्रियात्मक पद्धतिलाई स्थापित गर्दै यी निकायको परिपूरक बन्ने उद्देश्य लिएको छ ।<sup>२</sup> उपसमितिको कार्य आलेखको धारा २(३) मा उल्लेख भएअनुसार गोपनीयता, निष्पक्षता, छनोटरहितता, सर्वव्यापकता र वस्तुपरकताको सिद्धान्तद्वारा निर्देशित छ । यसको दुईओटा अन्तःसम्बन्धित कार्यहरू छन् : परामर्श कार्य जसअन्तर्गत यसले आलेखको कार्यान्वयन र नीति निर्माणमा परामर्श दिने गर्दछ र सञ्चालनसम्बन्धी कार्य (operational function) जसअन्तर्गत यस उपसमितिले हिरासत अनुगमनको कार्य सञ्चालन गर्दछ । उपसमितिले स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षाको विषयलाई अभ मजबूत बनाउन पक्षराष्ट्र, रोकथाम संयन्त्र र यातना रोकथामको क्षेत्रमा सक्रिय अन्य राष्ट्रिय, अन्तर्राष्ट्रिय र क्षेत्रीय निकायसँग सहकार्य गर्नु पर्दछ ।<sup>३</sup>

३

उपसमिति  
रोकथाम उपसमिति  
यातना

जुन २००६ मा आलेख कार्यान्वयनमा आएपछि फेब्रुअरी २००७ मा उपसमितिले आफ्नो कार्य प्रारम्भ गन्यो । तसर्थ चाहे आफ्नै नीति र कार्यशैलीको विकास गर्ने सन्दर्भमा होस् वा आलेखको कार्यान्वयन र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाममा आफ्नो सामान्य नीति निर्देशनमा होस् उपसमिति अझै प्रारम्भिक चरणमा नै रहेको छ ।

यस अध्यायले आलेखमा आबद्ध पक्षराष्ट्र र हस्ताक्षरकर्ताका राष्ट्रिय स्तरका सरोकारवाला र अन्य इच्छुक निकायलाई यातना रोकथाम उपसमितिको बारेमा विस्तृत जानकारी प्रदान गर्ने उद्देश्य लिएको छ । त्यसकारण यस अध्यायले उपसमितिको कार्यादेश, यसको कार्यशैली, र यसको पक्षराष्ट्र, रोकथाम संयन्त्र, यातनाविरुद्धको महासन्धि, अन्य निकाय र विशेषज्ञ तथा नागरिक समाजका संघसंस्थासँगको सहयोगात्मक सम्बन्धलाई अन्वेषण गर्दछ । उपसमितिको कार्यसँग सम्बन्धित सूचनाका सार्वजनिक स्रोत सीमित छन् किनकि उपसमितिको कार्य समान्यतया गोपनीयताको सिद्धान्तले घेरिएको छ । यो अध्याय लेख्ने

<sup>1</sup> See Section 7.1 of Chapter I of this manual.

<sup>2</sup> See commentary on Articles 5-16 in Chapter II of this manual; and Section 2.1 of Chapter 1.

<sup>3</sup> See OPCAT, Articles 2(4), 11(c), 12(c), 20(f) and 31.

समयमा सार्वजनिक रूपमा उपलब्ध भएको सूचनालाई प्रयोग गरेर यसको प्रारूप तयार पारिएको हो । यसमा उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदन, प्रेस वक्तव्य र प्रकाशन भएका उपसमितिका अनुगमन प्रतिवेदन पनि समावेश गरिएको छ । यस अध्यायले उपसमितिको हालसालै विकास गरिएका कार्यका लागि पनि केही उपाय अधि सारेको छ ।

## २. यातना रोकथाम उपसमितिको संक्षिप्त विवरण

### २.१ रोकथाममुलक कार्यादेश

उपसमितिले आफ्नो मूलभूत उद्देश्य “यातनाको जोखिम पहिचान गर्ने” हो भन्ने कुराको घोषणा गरेको छ<sup>४</sup> उपसमितिले उल्लंघनका घटना घटिसकेपछि प्रतिक्रिया गर्नुभन्दा त्यस्ता घटनाहरू घट्न नै नदिने उद्देश्य लिएको हिरासत अनुगमनको नवीन प्रणालीको विकास गर्दछ । उपसमितिको रोकथामको अधिकार पक्षराष्ट्र र रोकथाम संयन्त्रसँगको सहयोगात्मक संवादमा आधारित छ । यस्तो संवाद आलेखले स्वीकार गरेजस्तै प्रायः जसो गोप्य रूपमा सञ्चालन गरिन्छ<sup>५</sup>

आलेखको धारा ११ ले उपसमितिको मुख्य रोकथामका कार्यादेशको व्यवस्था गर्नुका साथै यसको दुईओटा परिपूरक कार्यको संक्षेपमा वर्णन गर्दछ<sup>६</sup> उक्त कार्यमध्ये पहिलोमा उपसमितिले राय र सिफारिसको माध्यमबाट स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षाको लागि पक्षराष्ट्र र रोकथाम संयन्त्रहरूलाई परामर्श दिने रहेको छ । यस सन्दर्भमा उपसमितिले कानुनी, प्रशासनिक, न्यायिक र अन्य रोकथामका उपायको समीक्षा गर्नसक्दछ । यसले आलेखको आधिकारिक व्याख्या गर्नुका साथै आलेख कार्यान्वयनको परामर्श र बृहत् रूपमा यातनासँग सम्बन्धित मुद्दामा सामान्य अवलोकन गर्दछ । अन्तमा यसले रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र कार्यसञ्चालनमा पक्षराष्ट्र र संयन्त्रलाई परामर्श दिन्छ । संयन्त्रको कार्यसञ्चालनका सम्बन्धमा उपसमितिले प्रशिक्षण र प्राविधिक सहयोग प्रदान गर्नसक्दछ । उपसमितिको रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष सम्पर्कमा रहने दायित्व

<sup>4</sup> Statement upon presentation of the second annual SPT report to the Committee against Torture. See ‘Committee against Torture meets with Subcommittee on Prevention of Torture’ (press release), 12 May 2009: available at [www.unog.ch](http://www.unog.ch).

<sup>5</sup> OPCAT, Articles 2 and 11(b)(ii).

<sup>6</sup> Subsequent OPCAT Articles set out in more detail the rights and duties of the SPT and the correlative duties of States Parties: see Chapter II of this manual.

रहेको हुन्छ । रोकथाम संयन्त्रसँगको रचनात्मक सम्बन्धलाई विकास गर्दै लैजाने कार्य उपसमितिको अन्य कार्यजस्तैकै महत्वपूर्ण छ ।<sup>7</sup> दोस्रो कार्यअन्तर्गत उपसमितिले हिरासत अनुगमनको लागि आलेखअन्तर्गतका सबै पक्षराष्ट्रको भ्रमण गर्ने रहेको छ । यस्तो भ्रमणको तात्पर्य स्वतन्त्रताबाट वच्चित गरिएका प्रणालीको सुधार कसरी गर्ने भन्नेबारे सम्बन्धित पक्षराष्ट्र र उसको रोकथाम संयन्त्रलाई सुभाव र धारणा प्रदान गर्नका लागि गरिन्छ । अतः उपसमितिको परामर्शको कार्य र सञ्चालनसम्बन्धी कार्य अन्तःसम्बन्धित छ ।

यद्यपि केही बाध्यताको कारणले गर्दा उपसमितिले आफ्नो परामर्शको कार्यभन्दा सञ्चालनसम्बन्धी कार्यादेशको कार्यान्वयनमा विशेष ध्यान दिएको छ । उपसमितिले हाल आफ्नो अधिकारको व्यापक कार्यान्वयन भएको सुनिश्चित गर्न सृजनात्मक उपायहरू अन्वेषण गरिरहेको छ ।

३

यातना रोकथाम उपसमिति

## २.२ उपसमितिको सदस्यता

आलेखको धारा ६ ले उपसमितिको सदस्य मनोनयन प्रक्रियाको बारेमा उल्लेख गरेको छ ।<sup>8</sup> यस धाराले आलेखका पक्षराष्ट्रले मात्र उपसमिति सदस्यको लागि उम्मेदवार प्रस्तुत र मनोनयन गर्न सक्ने उल्लेख गरेको छ । आलेखले राष्ट्रिय स्तरमा पक्षराष्ट्रहरूले कसलाई उपसमितिको राष्ट्रिय उम्मेदवारको रूपमा अगाडि सार्वे भन्ने कुराको निर्णय लिन पक्षराष्ट्रले अवलम्बन गर्नुपर्ने त्यस्तो कुनै विशेष कार्यविधिको उल्लेख गरेको छैन । यद्यपि तल व्याख्या गरिएबमोजिम राष्ट्रिय छनोट प्रक्रियाले आलेखको धारा ५ मा उल्लेख गरिएअनुसारको उम्मेदवारसँग आवश्यक सिप, क्षमता, दक्षता, र स्वतन्त्रता हुनुपर्ने कुरा सुनिश्चित गर्नु पर्दछ ।<sup>9</sup> पक्षराष्ट्रले समावेशी र पारदर्शी छनोट प्रक्रियालाई कार्यान्वयन गराउनु महत्वपूर्ण हुन्छ ।<sup>10</sup> धारा ५ ले उपसमितिका सदस्यको निर्वाचन गर्दा ध्यान दिइनुपर्ने उपसमितिको गठनसँग सम्बन्धित धेरै महत्वपूर्ण तत्वको व्याख्या पनि गर्दछ ।

<sup>7</sup> See Article 11(b)(ii) of the OPCAT. For a detailed analysis of this article, see Chapter II of this manual.

<sup>8</sup> See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>9</sup> See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>10</sup> APT, *The Subcommittee on Prevention of Torture: Guidance on the selection of candidates and the election of members*, OPCAT Briefing, APT, Geneva, June 2010: available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch). See also commentary on Article 6 of the OPCAT in Chapter II of this manual.

## यातना रोकथाम उपसमिति

आफ्नो ५०औं अनुमोदनपश्चात् सदस्यको संख्या २५ सम्म पुन्याउनसक्ने व्यवस्था आलेखले गरेको भएता पनि सुरुमा उपसमितिमा १० सदस्यमात्र थिए।<sup>११</sup> उपसमितिको सदस्यताको वृद्धि यसको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने हेतुले तयार गरिएको हुन्छ जसअनुसार आलेखसम्बद्ध पक्षराष्ट्रको संख्या वृद्धि हुँदै जाँदा त्यही अनुपातमा पक्षराष्ट्रमा गरिने भ्रमण र रचनात्मक संवादले निरन्तरता पाउन सकोस्।<sup>१२</sup>

### २.२.१ स्वतन्त्रता

आलेखका पक्षराष्ट्र स्वतन्त्र हुने वा देखिने कुरालाई सन्धिमा नै जोड दिइएको छ। उपसमितिका सदस्यको नियुक्ति पक्षराष्ट्रबाट हुने भएता पनि आलेखको धारा ५(६) ले तिनीहरूले पक्षराष्ट्रको हस्तक्षेपविना आफ्नो कार्य स्वतन्त्र र निष्पक्ष ढङ्गले सम्पादन गर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ। उपसमितिले रोकथाम संयन्त्र, प्रत्येक पक्षराष्ट्रका अधिकारी, स्वतन्त्रताबाट विचित्र व्यक्ति, हिरासतभित्रका कर्मचारी र नागरिक समाजलगायतका सबै सम्बन्धित निकायसँग प्रभावकारी र आधिकारिक रूपले काम गर्न यो व्यवस्था आवश्यक छ। सोही अनुरूप आफ्ना अधिकारीबाट स्वतन्त्र रहेको उपसमितिका सदस्यको मनोनयन र निर्वाचन गर्ने दायित्व पक्षराष्ट्रको हुन्छ। यसका अतिरिक्त कुनै पनि पक्षराष्ट्रलाई उपसमितिका सदस्यलाई तिनीहरूको कार्य सम्पादनका दौरान प्रभाव पार्ने अनुमति दिइएको छैन।<sup>१३</sup> उपसमितिका सदस्यलाई आफूले उपसमितिको कार्यादेश कार्यान्वयन गर्ने सिलसिलामा स्वतन्त्रता प्रदर्शन गर्ने व्यक्तिगत जिम्मेवारी रहेको हुन्छ।

### २.२.२ सिप, दक्षता र उपलब्धता

आलेखले उपसमितिको सदस्य बन्नका लागि आवश्यक पर्ने मुख्य सिप र क्षमता यस्तै प्रकारको हुनुपर्छ भनी उल्लेख गर्दैन। यद्यपि सन्धिले रोकथामको कार्यले न्याय

<sup>११</sup> OPCAT, Article 5(1). Following Switzerland's ratification on 24 September 2009, the number of States Parties rose to 50; therefore, the number of SPT members will rise to 25 in February 2011. For a list of serving SPT members, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>.

<sup>१२</sup> See commentary on Article 5(1) of the OPCAT in Chapter II of this manual; and Manfred Nowak and Elizabeth McArthur, *The United Nations Convention against Torture: A Commentary*, Oxford Commentaries on International Law, Oxford University Press, 2008, p.946.

<sup>१३</sup> OPCAT, Articles 2, 14, 18, 21 and 35.

प्रशासनसँग सम्बन्धित बृहत् मुद्दालाई समावेश गर्दछ भन्ने कुरालाई स्वीकार गर्दछ । धारा ५(२) ले उपसमितिका सदस्यहरू :

उच्च नैतिक आचरण र न्याय प्रशासन विशेष गरेर फौजदारी कानुन, कारागार वा प्रहरी प्रशासन वा स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्तिको व्यवहारसँग सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्रमा पेशागत अनुभव हासिल गरेका व्यक्तिमध्येबाट छानिएको हुनु पर्दछ भनी व्यक्त गर्दछ ।

यातना रोकथाम र स्वतन्त्रताबाट विमुखताजस्ता क्षेत्रसँग सम्बन्धित विज्ञ देहायबमोजिमका हुनु पर्दछ :

- चिकित्सकीय दक्षता भएको
- कानुनी दक्षता भएको
- प्रहरीसम्बन्धी र/वा स्वतन्त्रताबाट विचित गरिएका ठाँउको प्रशासनमा दखल भएको
- समाजसेवी, मानवशास्त्री र शिक्षा तथा प्रशिक्षण विज्ञसहितको सम्बन्धित पेशाका व्यक्ति<sup>14</sup>

३

यातना रोकथाम उपसमिति

उपसमितिका सदस्यले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि समष्टिगत रूपमा समझदारी र प्रतिबद्धता प्रदर्शन गर्नु पर्दछ । तिनीहरू उपसमितिको कार्यादेशको भिजनलाई विकास गर्नका लागि सहयोग गर्न इच्छुक हुनु पर्दछ र साथसाथै तिनले उपसमितिको निरन्तर चलिरहेको विकास र आलेख कार्यान्वयनको लागि योगदान दिनु पर्दछ ।

आलेखको रोकथाम पद्धतिमा प्रतिबद्धता जनाउनुका अलावा उपसमितिमा देहायबमोजिमका कुराको सिफारिस गरिन्छ :

- राष्ट्रिय स्तरमा हिरासत अनुगमनको अनुभव
- अनुसन्धान, प्रतिवेदन लेखन, र सम्पादनको लागि मस्यौदा तयार पार्ने र विश्लेषणात्मक सिपको विकास
- उच्च पदस्थ सरकारी कर्मचारी, थुनामा राख्ने अधिकारी, स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्ति र कमजोर वा सीमान्तीकृत समूहलगायतका अन्य सरोकावालासँगको कार्यको अनुभव<sup>15</sup>

<sup>14</sup> See commentary on Article 5(2) of the OPCAT in Chapter II of this manual.

<sup>15</sup> APT, *Guidance on selection of SPT candidates and election of SPT members*, OPCAT Briefing, APT, Geneva, June 2010.

उपसमितिका सदस्यसँग निम्नलिखित थप सीप, क्षमता र दक्षता पनि होस् भन्ने सिफारिस गरिन्छ :

- व्यक्तिगत सीप, स्वतन्त्रताबाट विमुख व्यक्तिहरूप्रति समानुभूति, सांस्कृतिक संवेदनशीलता, टोली भावना र तनावपूर्ण परिस्थिति र वातावरणलाई सामना गर्नसक्ने क्षमता
- संयुक्त राष्ट्रसंघका भाषामा दक्षतासहितको सूचना आदानप्रदान गर्ने कला
- सम्झौतावार्ताको शैली

यसबाहेक उपसमितिको पहिलो वर्षको कार्यसञ्चालनले उपसमितिका सदस्य देहायबमोजिमका हुनुपर्ने देखियो :

- आग्रहअनुरूप प्रति वर्ष केही भ्रमण गर्न उपलब्ध हुनुपर्ने
- उपसमितिको जेनेभामा हुने तीन अधिवेशनमा सहभागी हुन उपलब्ध हुनुपर्ने<sup>16</sup>
- आर्थिक रूपले स्वतन्त्र<sup>17</sup>

3

### २.२.३ गरन

धारा ५(३) र ५(४) ले उपसमितिले विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र, “सम्यता” र कानुनी व्यवस्थालाई समान रूपले प्रतिनिधित्व गर्नेगरी र साथै सन्तुलित लेड्रिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित गर्नका लागि आवश्यक पर्ने कुराको चित्रण गरेको छ । यस आवश्यकताले संयुक्त राष्ट्रसंघको बडापत्रको संरचनालाई प्रतिबिम्बित गर्दछ जसले आलेखको धारा २ अन्तर्गत उपसमितिलाई मार्गदर्शन गर्दछ । यो सन्तुलनलाई प्राप्त गर्नु एक रणनीतिक चुनौती हो जुन उपसमितिका सदस्यहरूको निर्वाचन गर्दा ध्यान दिइनु पर्दछ ।

<sup>16</sup> SPT members are formally required to be available for three sessions per year, each lasting one week, and at least one in-country visit, lasting approximately two weeks, including preparation and follow-up. SPT members may also receive ad hoc invitations to participate in seminars, conferences and training related to the OPCAT. Therefore, SPT members should be available for approximately six to eight weeks per year.

<sup>17</sup> SPT members do not receive any fee for their participation in SPT sessions or in-country missions. However, they do receive travel expenses and a UN daily subsistence allowance for their participation in these specific activities.

उपसमितिसँग विशेष गरेर आलेखका पक्षराष्ट्रमा देशभ्रमणको माध्यमले संसारभरिका सबै क्षेत्रमा परिचालित हुनसक्दछ । आफ्नो कार्यादेश र सामान्य रूपमा यातना रोकथामको पद्धति कार्यान्वयनका दौरान उपसमितिलाई कुनै विशेष क्षेत्र वा राष्ट्रद्वारा नियन्त्रण गरिनुहुँदैन । तसर्थ उपसमितिका सदस्यको भौगोलिक वितरण यस निकायको विश्लेषणात्मक क्षमता, निष्पक्षता, र प्रभावकारिता अभिवृद्धिको लागि आवश्यक छ जुन कुरा आलेखको धारा ५ मा उल्लेख गरिएको छ । यस कारणले धारा ५(५) अन्तर्गत “कुनै दुई सदस्य उही पक्षराष्ट्रको नागरिक हुनुहुँदैन” । यसले उपसमिति कुनै एक पक्षराष्ट्र (वा निश्चित पक्षराष्ट्रहरूको समूह) को अधीनमा नरहेको अनि यस्तो अधीनताले कुनै पक्षपात नहुने (वा नभएको बुझिने) कुरा सुनिश्चित गर्नसकिन्छ । वास्तवमा संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासभाले मानवअधिकार सन्धि निकायको सदस्यतामा न्यायोचित भौगोलिक वितरण सुनिश्चित गर्ने आवश्यकतालाई जोड दिएको छ ।<sup>18</sup> पहिलो उपसमितिमा पश्चिम युरोपको तीन, पूर्वी युरोपको तीन र ल्याटिन अमेरिकाको चार सदस्यसहित गठन भएको थियो ।<sup>19</sup> आफ्नो “सदस्यतामा न्यायोचित भौगोलिक वितरणले उपसमितिको कार्यलाई समृद्ध बनाउनुका अलावा थप वैधानिकता र स्वीकृति प्रदान गर्दछ” भन्ने कुरा उपसमितिले पहिचान गरेको छ ।<sup>20</sup>

यसका अतिरिक्त अनुभवले यो कुरा पनि सिद्ध गर्दछ कि कुनै पनि मानवअधिकार सन्धि निकायको एक महत्वपूर्ण तत्वको रूपमा लिइएको लैडिक सन्तुलन प्रभावकारी रूपमा हिरासत अनुगमनका लागि अति आवश्यक रहेको हुन्छ । समानता र भेदभावरहितको सिद्धान्तलाई आत्मसात गर्दै आफ्नो गठनमा लैडिक सन्तुलनको मुद्दालाई उचित सोचविचार गर्न आलेख आफ्नो पक्षराष्ट्रलाई दृढतापूर्वक प्रोत्साहन गर्दछ ।<sup>21</sup> आलेखको यस्तो प्रावधानका बाबजुद पहिलो उपसमितिमा केवल दुईजना मात्र महिला थिए (ती दुईमध्ये एकजना अध्यक्ष बन्नुभएको थियो) । उपसमितिको पहिलो महिला अध्यक्षले सन् २००७ मा आफ्नो पदबाट राजिनामा दिएपछि उपसमितिको सुरुआतमा एकजनामात्र

<sup>18</sup> For instance, see UN General Assembly, Resolution on equitable geographical distribution in the membership of the human rights treaty bodies, UN Doc. A/RES/63/167, 19 February 2009.

<sup>19</sup> According to the geographical divisions used by the UN, including the General Assembly.

<sup>20</sup> SPT, Third annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, April 2009 to March 2010, CAT/C/44/2, 25 March 2010, §21.

<sup>21</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.986.

महिला रहनुभयो । तसर्थ आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले सन्तुलित लैङ्गिक प्रतिनिधित्वको कुरालाई जोड दियो ।<sup>22</sup>

अन्तमा विविध क्षेत्रमा दक्षता हासिल गरेका उपसमितिका सदस्यको नामावली छाने कुरालाई पक्षराष्ट्रले विशेष महत्वका साथ सोचविचार गर्नु पर्दछ । उदाहरणका लागि दुईजना स्वास्थ्यकर्मी भएता पनि पहिलो उपसमितिका बहुसंख्यक सदस्य कानुन व्यवसायी थिए । वास्तवमा आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले स्वास्थ्यलगायत अन्य क्षेत्रमा दक्षता हासिल गरेका विशेषज्ञ उपसमितिको सदस्य हुनुपर्ने कुरालाई जोड दिएको थियो ।<sup>23</sup>

यसका अतिरिक्त उपसमितिका सदस्यको मनोनयन गर्दा हिरासतमा विशेष जोखिममा रहेका समूह (जस्तै, शारीरिक अपाङ्गता भएका व्यक्ति, वृद्ध वा अल्पसंख्यक जाति)लाई बढी प्रोत्साहित गरिनु पर्दछ । त्यस्तैगरी पूर्व थुनुवा र/वा यातनापीडितलाई मनोनयन गर्न विशेष ध्यान दिइनु पर्दछ किनकि यस्ता व्यक्तिले निश्चित यातनासम्बन्धी मुद्दा र थुना प्रणालीमा आफ्नो समीक्षात्मक अन्तर्दृष्टि प्रस्तुत गर्न सक्दछन् जसबाट जोखिममा रहेका मुद्दाको लागि एक समष्टिगत समझदारीलाई प्रोत्साहन गर्दछ ।

## २.२.४ अन्य कार्यसँग सामज्जस्यता

उपसमितिको सदस्यका अन्य कार्यसँगको सामज्जस्यताको सवालमा आलेख मौन छ । धारा ५(६) ले उपसमितिका सदस्य “आफ्नो व्यक्तिगत क्षमताको आधारमा सेवा गर्दछन् र उपसमितिलाई रोकथाममा कुशलतापूर्वक सेवा गर्न उपलब्ध रहनेछन्” भन्ने कुरा व्यक्त गरेको छ । रोकथाम संयन्त्र र उपसमितिको दोहोरो सदस्यता र क्षेत्रीय अनुगमन निकाय (जस्तै, यातना रोकथामका लागि युरोपेली समिति<sup>24</sup>) को र उपसमितिबीचको दोहोरो सदस्यताजस्ता सम्बन्ध असङ्गतिलाई उपसमिति अगाडि बढ्दै जाँदा पत्ता लगाइनु पर्दछ । एकातिर सदस्यहरूको रोकथाम संयन्त्र र/वा क्षेत्रीय अनुगमन निकायमा काम गरेको अनुभवले उपसमितिका यस्ता निकायसँगको सहकार्यलाई मजबुत बनाउन मद्दत

<sup>22</sup> SPT, Third annual report, §6.

<sup>23</sup> SPT, Third annual report, §6.

<sup>24</sup> The European Committee for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment (CPT).

गर्नसकदछ । यस्तो सहकार्यले हिरासत अनुगमनको सर्वोत्तम अभ्यासलाई आदानप्रदान गर्न सहज बनाउँदै उपसमितिको कार्य र अधिकारप्रति यस्ता निकायको समझदारीलाई मजबुत पार्दछ । अर्कोतिर पक्षराष्ट्रले विद्यमान रोकथाम संयन्त्र र/वा क्षेत्रीय अनुगमन निकायका सदस्यबाट उपसमितिको उम्मेदवारका लागि छनोट गर्दा विशेष ध्यान दिनु पर्दछ । सन् २००७-२००८ का १० उपसमिति सदस्यमध्ये दुईजना यातना रोकथामका लागि युरोपेली समितिका (सिपिटि) विद्यमान र दुईजना पूर्व सदस्य थिए । यो अनुभवले क्षेत्रीय अनुगमन निकायमा सेवा गर्ने सदस्यको पद्धति निश्चित संस्थागत संस्कार र कार्यशैलीका लागि छानिएको हुन्छ भन्ने कुरा स्पष्ट पार्दछ । तसर्थ रोकथामको नै कार्यदेशका लागि भएता पनि क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय तहमा दुई अधिकारलाई मिलाउँदा चुनौतीपूर्ण हुनसकदछ किनकि त्यसमा काम गर्ने सदस्य आफ्नो भिन्न क्षमतामा, भिन्न विषयमा, भिन्न स्रोत र साधनका साथ र भिन्न (कहिलेकाहीं विरोधात्मक) परिप्रेक्षयमा कार्य गर्नुपर्ने हुन्छ । यसका अतिरिक्त उपसमितिका सदस्य देशभ्रमणमा भाग लिएर, उपसमितिका अधिवेशनमा र आलेखसँग सम्बन्धित अन्य क्रियाकलापमा सहभागी भएर उपसमितिमा सेवा गर्न तत्पर रहनु पर्दछ । यद्यपि उपसमितिका पहिला दस सदस्यमध्ये कसैले पनि रोकथाम संयन्त्रको उत्तरदायित्व ग्रहण गरेका थिएनन् । तसर्थ निकट भविष्यमा पनि रोकथाम संयन्त्रका सदस्य उपसमितिका सदस्यको रूपमा मनोनित हुनसक्ने कुरालाई नकार्न सकिँदैन । त्यसैले यो कुरा विचारणीय छ । रोकथाम संयन्त्रको सदस्यतामा अत्यधिक समय लाने भएकोले संयन्त्रका सदस्य उपसमितिका लागि उचित उम्मेदवार नहुने देखिन्छ । यसको मूल कारण दुवै निकायको कार्यभारले दुवैको कामको प्रभावकारितालाई चुनौती दिनसकदछ । यद्यपि रोकथाम संयन्त्र वा क्षेत्रीय अनुगमन निकायका पूर्व सदस्यले त्यस्तो दोहोरो अधिकार वहन गर्ने चुनौतीलाई सामना नगरिकन उपसमितिमा उपयोगी अनुभव भने भित्र्याउन सक्छन् ।

## २.३ उपसमितिको संगठनात्मक र प्रशासनिक कार्य

### २.३.१ उपसमिति कार्यविधि नियमावली

अन्य राष्ट्रसंघीय निकाय (जस्तै, यातनाविरुद्धको महासन्धि र मानवअधिकार समिति)<sup>25</sup> सरह उपसमितिसँग आफ्नो कार्यशैलीको व्याख्या आफैले गर्ने अधिकार रहेको छ । यस

<sup>25</sup> See UNCAT, Article 18; and International Covenant on Civil and Political Rights, Article 39(2).

उद्देश्यका लागि उपसमितिले आलेखको धारा १०(२) अन्तर्गत कार्यविधि नियमावलीको उक्त सूची तयार गरी अनुमोदन गरेको छ ।<sup>26</sup> सन्धि निकायलाई आफ्नो अधिकारको विस्तृत व्याख्या गर्न, आफ्नो कार्यशैली प्रदर्शन गर्न र आन्तरिक प्रक्रिया (विशेष गरेर निर्णय लिने प्रक्रिया)लाई स्पष्ट पार्न यो कार्यविधि एक महत्वपूर्ण साधन हो । उदाहरणको लागि महासन्धिको कार्यविधि नियमावलीले आफ्नो अधिवेशन, एजेन्डा, सार्वजनिक र निजी बैठक, प्रतिवेदन गर्ने प्रक्रिया र रिपोर्ट र अन्य दस्तावेज सम्बेषणलगायतका कुरालाई समेटेको छ । आलेखको धारा १०(२) ले उपसमितिलाई उसको कार्यविधि नियमावलीमा गणपूरक संख्या पूरा गर्नका लागि उपस्थित हुनुपर्ने सदस्यको संख्या र निर्णयको प्रक्रियामा आवश्यक पर्ने बहुमतजस्ता कुरा संलग्न गराउन बाध्य बनाएको छ ।

उपसमितिको कार्यविधि नियमावली सार्वजनिक गरिएमा इच्छुक निकायलाई उसको कार्यशैली र क्रियाकलापको बारेमा सूचना दिन एक उपयोगी साधन सिद्ध हुनसक्दछ । यद्यपि राष्ट्रसंघीय अन्य सन्धि निकायको अभ्यासभन्दा फरक र यस दस्तावेजको महत्वको बाबजुद उपसमितिको यस कार्यविधि नियमावलीलाई अझै सार्वजनिक गरिएको छैन ।

३

यातना रोकथाम उपसमिति

### २.३.२ उपसमितिको अधिवेशन

आलेखले उपसमितिको बैठक आफ्नो कार्यविधि नियमावलीमा उल्लेख भएको समयमा बस्नुपर्ने भन्ने कुरा निर्दिष्ट गरेको छ ।<sup>27</sup> व्यवहारमा उपसमितिको बैठक वर्षको तीनपटक (प्रायः जसो फेब्रुअरी, जुन र नोभेम्बरमा) स्वीट्जरल्याण्डको जेनेभामा बस्दछ । प्रत्येक अधिवेशन एक हप्तासम्म चल्दछ र यी अधिवेशनमध्ये एक अधिवेशन महासन्धिको अधिवेशन चलिरहेको समयमा हुनेगरी मिलाइएको हुन्छ ।<sup>28</sup> उपसमिको अधिवेशनको मिति उपसमितिको आफ्नो वेबसाइटमार्फत अवगत गराइन्छ । सो कुरा अवगत गराउँदा आगामी वर्ष विविध क्षेत्रमा गर्ने कार्यक्रम (देशभ्रमणसहित) पनि उल्लेख गरिन्छ ।

आलेखको धारा १२(२) को (ग) ले उपसमितिको बैठक गोप्य रूपमा (*in camera*) बस्नुपर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ । यो प्रावधानलाई धारा दुईअन्तर्गत पढिनु पर्दछ । यस

<sup>26</sup> See commentary on in Chapter II of this manual.

<sup>27</sup> OPCAT, Article 10(3).

<sup>28</sup> For further information, see Sections 5.1.2 and 5.1.3 of this chapter.

धाराले उपसमिति गोपनीयताको सिद्धान्तबाट परिचालित हुनु पर्दछ भन्ने कुरा व्यक्त गरेको छ । यस्तो सिद्धान्तको व्यवस्था यसको रोकथामको पद्धति र यसले वहन गर्ने देशभ्रमण मिसनजस्ता संवेदनशील प्रकृतिको कार्यले गर्दा गरिएको हो ।<sup>29</sup> महासभालगायत अन्य राष्ट्रसंघीय सचिको अभ्यासभन्दा भिन्न उपसमितिको अधिवेशनको कार्यसूचीहरू सार्वजनिक गरिएँदैन । आफ्नो कार्यकालको पहिलो वर्ष उपसमितिका अधिकांश अधिवेशन रणनीतिक योजना, भ्रमण गर्ने राष्ट्र छान्न मापदण्डहरू परिष्कृत बनाउन, स्थलगत कार्यको कार्यपद्धति विकास गर्न र प्रवर्तक सामग्री तथा भ्रमण प्रतिवेदनको मस्योदा तयार पार्ने छलफल गर्ने र ग्रहण गर्ने जस्ता भ्रमणको टिप्पणी संकलन गर्ने संरचनाको विकास गर्ने सहितको संगठनात्मक कार्यमा समर्पित थियो ।<sup>30</sup> आगामी वर्षमा उपसमितिको अधिवेशनको ध्यान देशभ्रमण (जस्तै, भ्रमणको योजना, र देशभ्रमण प्रतिवेदनको छलफल र स्वीकृति), रणनीतिक योजना र आलेख पक्षराष्ट्र तथा रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित सूचनाको छलफल इत्यादिमा केन्द्रित रहयो ।<sup>31</sup> आगामी वर्ष भ्रमण गरिने राष्ट्रको पहिचान गराउने उपसमितिको कार्यसूची प्रायः नोभेम्बरमा स्पष्ट पारिन्छ ।

### ३

- उपसमितिले आफ्नो अधिवेशन सहयोगात्मक कार्यादेश र विविध क्षेत्रका निकायसँग वैठक बस्नका लागि पनि कार्यान्वयन गर्दछ । उपसमितिले देहायबमोजिमका निकायसँग बैठक बस्दछ<sup>32</sup> :
- संयुक्त राष्ट्रसंघका लागि पक्षराष्ट्रका स्थायी मिसनका प्रतिनिधि (उपसमितिको आउदो देशभ्रमण मिसनको लागि तयार गर्ने)<sup>33</sup>
  - राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू<sup>34</sup>

<sup>29</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.981.

<sup>30</sup> SPT, First annual report, §58.

<sup>31</sup> SPT, Second annual report of the UN Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2008 to March 2009, UN Doc. CAT/C/42/2, 7 April 2009, §77; and SPT, Third annual report, §78.

<sup>32</sup> For further information on the cooperation of the SPT with other actors, see Section 5 of this chapter.

<sup>33</sup> SPT, Second annual report, §77; and SPT, Third annual report, §78.

<sup>34</sup> For instance, during its November 2007 session the SPT met with the Mexican NPM (the National Human Rights Commission) at its request: see SPT, First annual report, §26. In addition, during its 5th session (in June 2008) the SPT met with the Estonian NPM (the Chancellor of Justice); see SPT, Second annual report, §37.

- राष्ट्रसंघीय निकाय र संयन्त्रहरू (जस्तै यातनाविरुद्धको महासम्बिधि, यातनाविरुद्ध राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदक र राष्ट्रसंघीय शरणार्थीसम्बन्धी उच्च आयुक्त)<sup>35</sup>
- क्षेत्रीय संयन्त्र (जस्तै, यातना रोकथामका लागि युरोपेली समिति, अफ्रिकी मानवअधिकारका लागि विशेष प्रतिवेदक या मानव तथा जनताका अधिकारका लागि अफ्रिकी आयोग)<sup>36</sup>
- अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय संघसंस्थाहरू (जस्तै, अन्तर्राष्ट्रिय रेडक्रस समिति, युरोपेली परिषद् र the Organization for Security and Co-operation in Europe's Office for Democratic Institutions and Human Rights)<sup>37</sup> र
- आलेखको सम्पर्क समूह जस्तै नागरिक समाजका संघसंस्थाहरू<sup>38</sup>

३

### २.३.३ आन्तरिक संघसंस्था<sup>39</sup>

धारा १०(१) ले उपसमितिले आफ्ना अधिकारीलाई नवीकरण गर्न सकिनेगरी दुई वर्षको लागि निर्वाचित गर्नसक्ने कुरा व्यक्त गरेको छ । उपसमितिले १ जना अध्यक्ष र २ उपाध्यक्ष चयन गर्ने निर्णय लिएको छ । यद्यपि यो निर्णय उपसमितिको सदस्य संख्या २५ पुगेको अवस्थामा परिवर्तन पनि हुनसक्दछ । उपसमितिको कार्यलाई जेनेभास्थित

<sup>35</sup> During its sessions the SPT regularly holds meetings with the UN Special Rapporteur on Torture: see SPT, Second annual report, §48. During its 9th session (in November 2009), the SPT also met with the United Nations High Commissioner for Refugees: see SPT, Third annual report, §63.

<sup>36</sup> See SPT, Third annual report, §67.

<sup>37</sup> For instance, during its 8th session (in June 2009) the SPT met with the ICRC: see SPT, Third annual report, §64.

<sup>38</sup> The OPCAT Contact Group brings together individual organisations and academic institutions that support the ratification and implementation of the OPCAT: namely, Amnesty International, the Association for the Prevention of Torture, the Human Rights Implementation Centre of Bristol University, the International Federation of Actions by Christians for the Abolition of Torture, the Mental Disability Advocacy Centre, the World Organisation against Torture, Penal Reform International, and the Rehabilitation and Research Centre for Torture Victims. For further information on the OPCAT Contact Group organisations, see Section 5.5.1 of this Chapter.

<sup>39</sup> See Section 6 of Chapter IV of this manual.

राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार उच्च आयुक्तको कार्यालय (ओएचसिएचआर) को सचिवालयले समर्थन गर्दछ ।

उपसमितिको कार्यबाट उत्पन्न हुने गोप्य र संवेदनशील सूचना र तथ्यांकहरू सुरक्षित भएको सुनिश्चित गर्नका लागि उपसमितिका सदस्यलाई सुरक्षित वेबको सुविधा उपलब्ध गराइएको हुन्छ ।<sup>40</sup>

### ३. सुझाव दिने कार्यः आलेख कार्यान्वयन र नीति विकास

माथि छलफल गरिएअनुरूप<sup>41</sup> आलेखको कार्यादेशले दुईओटा अन्तःसम्बन्धित कार्यलाई समाविष्ट गरेको छ । उपसमितिको रोकथाम कार्यादेशको एक अपरिहार्य आयाम भनेको यसको परामर्शको कार्य हो । यसअन्तर्गत मुख्यतः प्रत्येक पक्षराष्ट्रमा आलेखको व्याख्या र आलेख कार्यान्वयन भए नभएको अनुगमन गर्ने रहेको छ । उपसमितिले नियमित रूपमा गर्ने देशभ्रमणको सन्दर्भमा आफ्नो परामर्शको कार्यलाई कार्यान्वयन गर्ने भएता पनि यसले त्यस्तो मिसन परामर्श दिनुपूर्व सञ्चालन नगरे पनि हुन्छ । उपसमितिको परामर्शको भूमिकाले भिन्न तर अन्तःसम्बन्धित क्रियाकलापलाई समावेश गरेको छ । यसअन्तर्गत उपसमितिले पक्षराष्ट्र र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई राय सल्लाह दिने र उनीहरूसँग सहकार्य गर्ने तथा यातनाविष्वद्वको महासन्धि र अन्य अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय निकायसँग सहकार्य गर्नेजस्ता फरक तर अन्तःसम्बन्धित कार्य गर्दै आइरहेको छ । उपसमितिले हालसालै आफ्नो कार्यादेशको यो पक्षलाई कार्यान्वयन गर्ने रचनात्मक तरिकाको अन्वेषण तथा विकास गर्दै गइरहेको छ । उपसमितिले प्रदान गर्ने मार्गदर्शन र परामर्श नै यसको यस्तो कार्यक्षेत्र हो जसबाट भविष्यमा पनि यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाममा यसको प्रभावकारिता रहनसक्दछ ।

#### ३.२ आलेखउपर सुझाव र यातना तथा अन्य प्रकारको दुर्व्यवहारमा सामान्य राय सल्लाह दिने

उपसमितिको परामर्शको भूमिकाको केन्द्र भागमा आलेखको आधिकारिक व्याख्या गर्ने कार्यादेश र यातनासँग सम्बन्धित मुद्दामा मार्गदर्शन र रायसल्लाह प्रदान गर्ने जस्ता कुरा

<sup>40</sup> SPT, First annual report, §65.

<sup>41</sup> See Section 2.1 of this chapter.

रहेका छन् । धारा १६(३) अनुसार उपसमितिले आफ्नो “कार्यको” सार्वजनिक वार्षिक प्रतिवेदन महासचिसमक्ष पेश गर्नुपर्ने हुन्छ । उपसमितिले प्रकाशन गर्ने रोकथामका कार्यको केही प्रतिवेदनमध्ये यो वार्षिक प्रतिवेदन पनि एक हो ।<sup>42</sup> तसर्थ उपसमितिले आफ्नो यो वार्षिक प्रतिवेदनले उसका क्रियाकलापको मात्र व्याख्या गर्नुभन्दा पनि अन्य बृहत् मुद्दाहरूको प्रतिनिधित्व गर्ने कुरा सुनिश्चित गर्दछ । वास्तवमा उपसमितिले आफ्नो प्रतिवेदनलाई आलेखको आफ्नो व्याख्या र आफ्नै कार्यादेशको सूचना र कायशैलीलाई सम्प्रेषण गर्न र आलेख कार्यान्वयनमा परामर्श गर्न एक साधनको रूपमा प्रयोग गरेको छ । उदाहरणका लागि आफ्नो प्रथम वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको जारी विकासमा प्रारम्भिक मार्गदर्शन दिनुका साथै आफ्नो रोकथामको कार्यादेशको क्षेत्र र त्यसको व्याख्याजस्ता सूचनाहरू समावेश गरेको थियो । दोस्रो प्रतिवेदनमा<sup>43</sup> भने रोकथामको साधनका रूपमा इस्तानबुल प्रोटोकल (Istanbul Protocol) को विस्तृत समीक्षा समावेश गरिएको थियो ।<sup>44</sup> आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले रोकथाम संयन्त्र, यातना रोकथामका लागि कानुनी र संस्थागत संरचना र थुनास्थलहरूमा दोहोरिने मुद्दासँग सम्बन्धित कुराको सिफारिसको सारांश प्रस्तुत गन्यो ।<sup>45</sup> तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उल्लेख गरिएजस्तै उपसमितिले भविष्यको वार्षिक प्रतिवेदनमा पनि आफ्नो टिप्पणी र राय सुझावलाई यसरी नै फैलाउने उद्देश्य लिएको छ ।<sup>46</sup>

आलेखको धारा १६(१) ले रथापना गरेको गोपनीयताको सिद्धान्तबमोजिम उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदनमा देशभ्रमणमार्फत पत्ता लगाइएका कुराको कुनै पनि विवरण दिइएको छैन । यद्यपि धारा ११(ख)(इ) अनुसार उपसमितिले आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदनलाई रोकथाम संयन्त्र र/वा स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका व्यक्तिको सुरक्षालाई मजबुत बनाउनेजस्ता मुद्दाको सिफारिस र सुझावलाई सम्प्रेषण गर्न प्रयोग गर्नसक्छ ।

<sup>42</sup> At the time of the writing, the SPT had published three annual reports. These are available at [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org).

<sup>43</sup> SPT, Second annual report, Annex VII.

<sup>44</sup> Office of the High Commissioner for Human Rights, Istanbul Protocol: Manual on the Effective Investigation and Documentation of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment, Professional training series n°8/Rev.1, United Nations, New York and Geneva, 9 August 1999.

<sup>45</sup> SPT, Third annual report, §31.

<sup>46</sup> SPT, Third annual report, §32.

सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले सार्वजनिक गरेको उपसमितिको देशभ्रमणको प्रतिवेदनमा व्यक्त गरिएजस्तै उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदनमा यातना रोकथामका लागि तीन तहको विषयगत विश्लेषण ग्रहण गरेको छ । यो तहले निम्नलिखित कुराहरु खोज्दछ :

१. पक्षराष्ट्रको कानुनी संरचना, नियम र व्यवस्थापन
२. पक्षराष्ट्रको संस्थागत संरचना, र
३. यातना तथा अन्य प्रकारको दुर्व्यवहारतर्फ उन्मुख गराउने अन्य अभ्यास वा व्यवहार<sup>47</sup>

### ३

**३.३ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकासको सन्दर्भमा सुभाव दिने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सन्दर्भमा उपसमितिको भूमिका उसको परामर्श कार्यको एक समालोचनात्मक तत्व हो । उपसमितिको रोकथामको कार्यादेशको यो पक्ष आलेखको प्रमुख उद्देश्य अर्थात् यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारविरुद्ध राष्ट्रिय संरक्षणात्मक उपायलाई मजबूत बनाउनेप्रति केन्द्रित रहेको छ । आलेखको यो उद्देश्यले “प्रत्येक भ्रमणको एक महत्वपूर्ण भाग बन्नेछ” भनी उपसमितिले स्वीकार गरेको छ ।<sup>48</sup> रोकथाम संयन्त्रको सन्दर्भमा उपसमितिको भूमिकाका चार प्रमुख आयाम छन् :**

- पक्षराष्ट्रलाई रोकथाम संयन्त्रको स्थापना वा नियुक्तिमा परामर्श गर्ने (धारा ११(ख) (अ)) अनुसार

<sup>47</sup> SPT, Second annual report, §12. See also SPT, Report on the visit of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment to the Maldives, UN Doc. CAT/OP/MDV/1, 26 February 2009, §17-64; SPT, Report on the visit of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment to Paraguay, UN Doc. CAT/OP/PRY/1, 7 June 2010, §21-55; SPT, Report on the visit of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment to Honduras, UN Doc. CAT/OP/HND/1, 10 February 2010, §75-138; and SPT, Report on the visit of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment to Mexico, UN Doc. CAT/OP/MEX/1, 31 May 2010, §34-82. Other key analytical tools include the APT’s holistic torture prevention approach, which identifies public policies, and administration and management of places of detention, as additional key elements: see Section 3.3 of Chapter V of this manual.

<sup>48</sup> SPT, First annual report, Annex V.

- रोकथाम संयन्त्रको क्षमता र अधिकारमा पक्षराष्ट्रसँग परामर्श गर्ने (धारा ११(ख)(घ) अनुसार)
- रोकथाम संयन्त्रलाई उसकै क्षमता अभिवृद्धि र कार्यका लागि प्रत्यक्ष (आवश्यक परे गोप्य रूपले) परामर्श गर्ने र तिनीहरूलाई प्राविधिक सहयोग र प्रशिक्षण प्रदान गर्ने (धारा ११(ख)(आ)), र
- थुनुवाहरुको सुरक्षालाई मजबूत बनाउन रोकथाम संयन्त्रसँग परामर्श गर्ने (धारा ११(ख)(इ))

**३.३.१ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठनमा पक्षराष्ट्रलाई सुझाव दिने देशभ्रमण मिसन र/वा फलोअप भ्रमणका दौरान वा पश्चात रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठनमा पक्षराष्ट्रलाई प्रत्यक्ष रूपमा सुझाव प्रदान गर्ने उपसमिति सक्षम छ । अतः उपसमितिको देशभ्रमण मुख्य रूपले हिरासत अनुगमनमा नै केन्द्रित रहेको छ । यद्यपि उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठन प्रक्रियामा संलग्न सबै निकायसँग भेट्न र यस्ता मुद्दा उच्चपदस्थ अधिकारीसँग छलफल गर्न भौतिक रूपमा नै आफू उक्त राष्ट्रमा उपस्थित रहने अवसर लिन्छ । उपसमितिका यस्ता धेरै सार्वजनिक गरिएको देशभ्रमण प्रतिवेदनले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठनसँग सम्बन्धित मुद्दाको छलफल गरेको छ ।<sup>49</sup>**

जे भएता पनि उपसमितिको परामर्शको व्यवस्थालाई देशभ्रमण मिसनसँग जोडिनुपर्दैन । यसको महत्वपूर्ण व्यवहारिक सार्थकता रहेको छ किनकि उपसमितिको देशभ्रमण मिसन सञ्चालन गर्ने क्षमता, स्रोत र साधनको कमीले गर्दा सीमित पारिएको हुन्छ । भ्रमणसँग सम्बन्धित परामर्शको व्यवस्थालाई स्रोत र साधनद्वारा सीमित पारिनाले आलेखद्वारा स्थापित रोकथाम प्रणालीको उद्देश्य कमजोर हुने देखिन्छ जसअन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय अङ्गले एक अर्कालाई बल प्रदान गर्ने आशा राखिएको हुन्छ ।

<sup>49</sup> Discussion of such issues in a visit report is largely dependent on the level of NPM development in the State Party. For instance, the SPT welcomed the adoption of legislation establishing a new body (the National Committee for the Prevention of Torture) as the NPM in Honduras. See SPT, Report on the visit to Honduras, §262-265. See also SPT, Report on the visit to Paraguay, §56-58.

उपसमितिले आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनमा दिशाबोध गर्नका लागि पनि प्रयोग गर्नथालेको छ । आफ्नो पहिलो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र त्यसको जारी विकासका लागि प्रारम्भिक मार्गदर्शन तयार गन्यो ।<sup>50</sup> यी मार्गदर्शनले रोकथाम संयन्त्रले आलेखको भाग चारमा उल्लिखित कुरालाई पूरा गर्ने कुरा सुनिश्चित गर्न आवश्यक स्वरूपमाथि प्रकाश पारेको छ । यी मार्गदर्शन निम्नलिखित पक्षलाई सहयोग गर्न तयार पारिएको छ :

- रोकथाम संयन्त्रको गठन प्रक्रियामा राष्ट्रिय निकायलाई
- स्वतन्त्र र प्रभावकारी रोकथाम संयन्त्रको स्थापनार्थ पक्षराष्ट्रलाई
- स्थापना चरणको दौरान राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई

### ३

उपसमिति  
यातना रोकथाम उपसमिति

उदाहरणका लागि “नागरिक समाज र यातना रोकथाममा संलग्न अन्य निकाय संलग्न एक सार्वजनिक र पारदर्शी प्रक्रियाद्वारा” राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्न उपसमितिको सुझावलाई आलेखसम्बद्ध पक्षराष्ट्र र हस्ताक्षरकर्तामा कार्यान्वयन गरिएको छ ।<sup>51</sup>

आलेखद्वारा उल्लिखित सहयोगात्मक वार्ताको सन्दर्भमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना वा गठनको बारेमा उपसमितिलाई जानकारी गराउन<sup>52</sup> र आफ्ना संयन्त्रसँगको सम्पर्कलाई सहज बनाउन<sup>53</sup> पक्षराष्ट्रहरूलाई प्रोत्साहन गरिन्छ ।

उपसमितिको आफ्नो पहिलो कार्यकालमा केही पक्षराष्ट्रले मात्र धारा १७ अन्तर्गतको आफ्नो दायित्व निर्वाह गरेका थिए । फलस्वरूप उपसमितिले प्रत्येक पक्षराष्ट्रलाई उसको रोकथाम संयन्त्रको अन्तिम स्थाद समाप्त हुने सन्दर्भमा नियमित रूपमा एक स्मरणपत्र पठाउने अभ्यासको थालनी गरेको छ ।<sup>54</sup> यसको फलस्वरूप उपसमितिले गठन भइसकेको रोकथाम संयन्त्रहरूको सूची सार्वजनिक गर्नुको साथै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन

<sup>50</sup> SPT, Preliminary guidelines for the on-going development of NPMs, First annual report, §28; see also Annex 2 of this manual.

<sup>51</sup> See APT, OPCAT Country Status, available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch); and Section 6 of Chapter IV of this manual, which provides further information and practical examples.

<sup>52</sup> Article 17 of the OPCAT.

<sup>53</sup> OPCAT, Article 20(f). For See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>54</sup> SPT, Second annual report, §34.

र स्थापना प्रक्रियामा सूचना प्रदान गर्ने पक्षराष्ट्रका अधिकारीबाट आउने खुल्ला सूचनालाई पनि सार्वजनिक गर्दछ ।<sup>55</sup> उदाहरणको लागि उपसमितिले सूचनाको लागि आग्रह गरेलगतै कम्बोडियाले पत्रमार्फत आदेशद्वारा रोकथाम संयन्त्रको स्थापनामा आफ्नो प्रगतिको बारेमा सूचित गरेको थियो ।<sup>56</sup>

उपसमितिका सदस्यले रोकथाम संयन्त्रको कार्यक्रम र क्षेत्रीय क्रियाकलापको राष्ट्रिय परामर्श बैठकमा पनि भाग लिएका छन् । आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले यस्तो प्रकारको १४ ओटो क्रियाकलापहरूमा भाग लिएको कुरा बतायो ।<sup>57</sup>

उपसमितिले संयन्त्रको कानुनको मर्यौदामा टिप्पणी वा आफ्नो सुझाव व्यक्त गर्नसक्दछ । यस्ता टिप्पणीले रोकथाम संयन्त्रको विकासको कठिन घडीमा राष्ट्रिय प्रक्रियालाई प्रभाव पार्नसक्दछ । तसर्थ यी टिप्पणी र सुझाव उपसमितिको आफ्नो परामर्शको अधिकारलाई कार्यान्वयन गर्न अति उपयोगी साधन बन्न सक्दछन् । यस्ता टिप्पणी र अभिमत राष्ट्रिय सरोकारवालाले छानेको संयन्त्रको निश्चित विकल्पको अनुरूपतामा भन्दा पनि सामान्यतया प्रस्तावित रोकथाम संयन्त्रको आलेखका आवश्यकतासँगको तादात्म्यमा केन्द्रित रहन्छ ।<sup>58</sup>

### ३.३.२ रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा सुभाव

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकास एक अनवरत रूपमा चलिरहने प्रक्रिया हो भन्ने धारणा उपसमितिको रहेको छ । उपसमितिले यस प्रक्रियालाई आफ्नो रोकथाम अधिकारको अभिन्न अङ्गको रूपमा अनुगमन गर्दछ ।<sup>59</sup> उपसमितिको राय सल्लाह दिने कार्यादेश यो पक्षलाई फराकिलो अर्थमा बुझिनु पर्दछ ।<sup>60</sup> रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा उपसमितिको सुभावको दुई मुख्य लाभान्वित हुने भनेका पक्षराष्ट्र र राष्ट्रिय रोकथाम

<sup>55</sup> For further information, see <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/mechanisms.htm>

<sup>56</sup> See Cambodia, Official Communication to the SPT, January 2009. Available at [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org)

<sup>57</sup> For example, in October 2009, the APT invited a SPT expert to join its mission to Benin to promote the designation and establishment of an effective NPM. SPT, Third annual report, §41 and Annex V.

<sup>58</sup> For further information, see Section 6.2 of Chapter IV of this manual.

<sup>59</sup> SPT, First annual report, §39.

<sup>60</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.995.

संयन्त्र नै हुन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठनमा जरै रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा सुभावको व्यवस्था केवल देशभ्रमण गरिएका पक्षराष्ट्रमा मात्र सीमित छैन ।

- **राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा सार्वभिक सूचना**

रोकथाम संयन्त्रको कार्यका लागि ठोस सिफारिस प्रदान गर्न उपसमितिले सार्वभिक सूचना संकलन गर्नु पर्दछ । आलेखको धारा १२(ख), १४(१)(क) र १४(१)(ख) अनुसार उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको कार्यका सन्दर्भमा पक्षराष्ट्र र रोकथाम संयन्त्रसँग निश्चित सूचना माग्ने व्यवस्थाको विकास गरेको छ । उपसमितिमा रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन पठाउने कार्य तिनीहरूले गर्ने कार्यको ठोस सूचना प्रदान गर्ने एक फलदायी तरिका बनेको छ<sup>६१</sup> ।

३

उपसमिति  
रोकथाम उपसमिति  
यातना

अन्य सूचनाका स्रोतमा विद्यमान अनुगमन संयन्त्र, राष्ट्रिय मानवअधिकार संरक्षा, नागरिक समाज र अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय संयन्त्र पर्दछन् । यी सरोकारवालाको प्रतिवेदन सूचनाको अमूल्य स्रोत बनेको छ ।

उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको देहायबमोजिमका कार्यमा सूचना संकलन गर्न चाहेको हुन्छ<sup>६२</sup> :

- कानुनी व्यवस्था
- कार्यादेश
- नियुक्ति प्रक्रिया
- विशेषज्ञहरू
- आन्तरिक संस्था
- स्रोतहरू
- कार्यशैली
- क्रियाकलाप र
- बाह्य निकायसँगको सम्बन्ध

<sup>६१</sup> NPM annual reports are made available on the SPT's website: [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org).

<sup>६२</sup> SPT, Third annual report, §39. See also Section 5.2 of Chapter IV of this manual.

यद्यपि उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रका तत्वमा निश्चित र व्यवहारिक सूचना संकलन गर्ने क्रममा चुनौतीको सामना गर्नसक्दछ । विशेषगरेर संयन्त्रहरूको कार्यशैली बाह्य र लिखित सूचनाका स्रोत संकलनमा मात्र निर्भर रहने खालको छ भने उपसमितिले चुनौतीको सामना गर्नु पर्दछ । उपसमितिले संयन्त्रको कार्यमा बनिबनाउ सुभाव दिने हो भने उसले रोकथाम संयन्त्रसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क गर्नु जस्ती हुन्छ ।

### • पक्षराष्ट्रलाई सुभाव

आलेखको अनुमोदनपश्चात् पक्षराष्ट्रले रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित विशेष दायित्व वहन गर्नु पर्दछ । यस्ता दायित्व देहायबमोजिमका कुरासँग सम्बन्धित छन् :

- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आवश्यक अधिकार र वचनबद्धता तथा पर्याप्त स्रोतहरू (मानवीय, आर्थिक र प्राविधिक) प्रदान गर्ने<sup>63</sup>
- संयन्त्रका सुभावउपर विचार गर्ने<sup>64</sup>
- आफ्ना रोकथाम संयन्त्रसँग सहयोगात्मक संवाद स्थापना गर्ने<sup>65</sup> र
- आफ्नो रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने<sup>66</sup> ।

यी माथि उल्लिखित दायित्वमध्ये एउटा पनि दायित्व कार्यान्वयन हुन नसकेमा रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा प्रत्यक्ष असर पर्न देखिन्छ जसको लागि पक्षराष्ट्र नै जिम्मेवार हुने देखिन्छ ।

कुनै पक्षराष्ट्रको राष्ट्रिय परिवेशअनुसार सबैभन्दा उचित तरिकाले उक्त राष्ट्रको क्रियाकलापमाथि टिप्पणी गर्न, राय सल्लाह व्यक्त गर्न वा सहयोग प्रदान गर्नका लागि उपसमितिले पक्षराष्ट्रसँग संवाद गर्ने आशा गरिएको छ । उपसमितिको यस्तो संलग्नताको मुख्य पद्धति देहायबमोजिमको हुनेछ :

- पक्षराष्ट्रका अधिकारीसँग दुई पक्षीय बैठक

<sup>63</sup> OPCAT, Articles 18-21. See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>64</sup> OPCAT, Article 22. See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>65</sup> OPCAT, Article 22.

<sup>66</sup> OPCAT, Article 23. See commentary in Chapter II of this manual; and Section 4.3 of Chapter V.

जेनेभामा आफ्नो अधिवेशनका दौरान आउने ९२ महिनामा आफूले भ्रमण गर्ने पक्षराष्ट्रहरूसँग उपसमिति संलग्न रहन्छ । देशभ्रमण र पक्षराष्ट्रका अधिकारी उपस्थित रहेको आलेखसँग सन्बन्धित क्रियाकलाप (जस्तै, राष्ट्रिय सेमिनार र कार्यशाला गोष्ठी) का दौरान उपसमिति पक्षराष्ट्रहरूसँग पनि संलग्न रहन्छ ।

- **देशभ्रमण मिसनको प्रतिवेदनलगायत अन्य कार्यमा सिफारिस र राय सल्लाह सम्बन्धित राष्ट्रमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन भइसकेको अवस्थामा उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदनमा रोकथाम संयन्त्रको कार्यको बनिबनाउ सिफारिस र राय सुभाव रहन्छ<sup>67</sup> यस्ता केही सुभाव प्रत्यक्ष रूपमा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई सम्बोधन गरिएको हुन्छ भने अन्य केहीले रोकथाम संयन्त्रलाई सम्बोधन गरेका हुन्छन् ।**

### ३

उपसमितिले आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदन रोकथाम संयन्त्रका कार्यको निश्चित मुद्दालाई मार्गदर्शन गर्नका लागि प्रयोग गर्दछ । संयन्त्रका यी मुद्दा आलेखका सबै पक्षराष्ट्र र हस्ताक्षरकर्ताका लागि चासोको विषय हो । उदाहरणको लागि आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनको एउटा पूरै परिच्छेद उपसमितिले “रोकथाम संयन्त्रको स्थापनासँग सम्बन्धित मुद्दा” मा समर्पित गन्यो । यसअन्तर्गत उपसमितिले विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन भएको अवस्थामा रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश वहन गर्नका निम्ति संयन्त्रको आफ्नै बजेट र कर्मचारीलाई प्रयोग गरेर एउटा छुटै रोकथाम संयन्त्रको एकाइ वा विभागको गठन गरिनुपर्ने भन्ने कुराको सिफारिस गन्यो<sup>68</sup>

- **राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सुभाव<sup>69</sup>**

उपसमितिलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यदक्षतामा प्रत्यक्ष रूपमा सुभाव दिने अधिकार रहनुका साथै आलेखको धारा ११(ख)(आ) र ११(ख)(इ) अनुसार थुनुवाहरूको संरक्षणलाई मजबुत पार्ने उपायको पहिचान गर्न सहयोग गर्नसकदछ । यस कार्यको

<sup>67</sup> This was the case in the Maldives. See, SPT, Report on the visit to the Maldives, §65-72. For further information, see also SPT, Report on the visit to Mexico, §24-32; and SPT, Report on the visit of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment to Sweden, UN Doc. CAT/OP/SWE/1, 10 September 2008, §19-42.

<sup>68</sup> SPT, Third annual report, §51.

<sup>69</sup> See Section 7.5 of Chapter IV of this manual.

प्रयोजनका लागि उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रबीच प्रत्यक्ष सम्पर्क हुनु आवश्यक छ । उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रतालाई संरक्षित गर्न पनि तिनीहरूबीचको सम्पर्क आवश्यक छ ।<sup>70</sup>

रोकथाम संयन्त्र र उपसमितिबीचको प्रत्यक्ष सम्पर्क मुख्यतः दुई पक्षीय बैठकमार्फत उपसमितिको देशभ्रमणका दौरान स्थापित गरिन्छ ।<sup>71</sup> हालसम्म रोकथाम संयन्त्रसँगको अन्य संलग्नतामा कुनै निश्चित बजेट नछुट्याइएको भएता पनि केही विकल्प भने रहेका छन् :

- उपसमितिको जेनेभा अधिवेशन बैठकका दौरान
- राष्ट्रिय स्तरको देशभ्रमण क्रियाकलापमा सहभागी भएर
- विशेषगरेर हिरासत अनुगमन कार्यपद्धतिमा अपनाइएका सर्वोत्तम अभ्यासको सन्दर्भमा सूचना आदानप्रदानमा केन्द्रित रोकथाम संयन्त्रको क्षेत्रीय भेलामा सहभागी भएर<sup>72</sup>
- लिखित सूचना आदानप्रदान गरेर

यसका अतिरिक्त उपसमितिले निम्नलिखित माध्यमद्वारा प्रत्यक्ष सम्पर्कमा नराहिकन पनि रोकथाम संयन्त्रलाई सुझाव प्रदान गर्नसक्दछ :

- प्रतिवेदनको समीक्षा गरेर (अर्थात रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन र भ्रमण प्रतिवेदनको नमुना)
- आफ्नो देशभ्रमण प्रतिवेदन र वार्षिक प्रतिवेदनद्वारा रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा सामान्य मार्गदर्शनका साथै विशेष सिफारिस प्रदान गरेर

<sup>70</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.997.

<sup>71</sup> See SPT, Report on the visit to Mexico; SPT, Report on the visit to Sweden; and SPT, Report on the visit to the Maldives.

<sup>72</sup> For instance, the European NPM Project of the Council of Europe (2010-2011) aims to strengthen the capacity of designated European NPMs to function effectively by providing thematic workshops and on-site training on detention monitoring methodologies for different types of places of detention. SPT members are involved in the project as experts. The APT is the implementing partner. For further information, see: [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

## ४. सञ्चालनसम्बन्धी कार्य : हिरासत अनुगमन गर्ने

उपसमितिको रोकथामको अर्को महत्वपूर्ण आयाम भनेको यसको सञ्चालनसम्बन्धी कार्य हो जुन आलेखसम्बद्ध पक्षराष्ट्रको हिरासत अनुगमनमा केन्द्रित रहन्छ । आलेखको धारा दुईले पक्षराष्ट्रको नियन्त्रण र क्षेत्राधिकारभित्रका सबै हिरासतमा उपसमितिको पहुँच सुनिश्चित गर्दछ । धारा ११(क) ले उपसमितिको हिरासत अनुगमनको कर्तव्य (धारा ४ मा उल्लेख गरिएअनुसार)लाई स्थापित गर्नुका साथै यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारविष्वद्व स्वतन्त्रताबाट वज्रित गरिएकाको संरक्षण गर्ने सन्दर्भमा पक्षराष्ट्रलाई सिफारिस गर्ने कुरा व्यक्त गरेको छ । धारा ४(१), १२(क) र १२(ख) ले उपसमितिको मिसन प्राप्त गर्नका लागि पक्षराष्ट्रलाई उपसमितिसँग पत्राचार गर्नुपर्ने अभिभारा तोक्नुका साथै सबै हिरासतको अनुगमन गर्न अनुमति दिने र उपसमितिलाई आफ्नो कार्यादेशलाई प्रभावकारी रूपले कार्यान्वयन गर्न सक्षम बनाउनका लागि उपसमितिले मागेको सबै सार्वभिक सूचना प्रदान गर्नेजस्ता कुरा व्यक्त गरेको छ । माथि छलफल गरिएजस्तै स्थापनाको पहिले वर्षमा आफ्नो कार्यशैली र भ्रमण कार्यपद्धतिको विकास गर्ने हेतुले उपसमितिले आफ्नो ध्यान सञ्चालनसम्बन्धी कार्यमा केन्द्रित गरेको थियो ।<sup>73</sup>

३

यातना रोकथाम उपसमिति

### ४.१ रोकथाम उपसमितिको मिसन हुने राष्ट्रहरूको छनोट

आलेखको धारा १३(१) मा व्यवस्था भएअनुरूप उपसमितिले भ्रमण गर्ने पहिलो पक्षराष्ट्र (मरिसस्, माल्डिभ्स्, र सिवडेन)लाई चरणबद्ध रूपमा छनोट गन्यो । त्यतिबेलादेखि नै उपसमितिले भ्रमण गर्ने राष्ट्रको छनोट गर्दा यी कुरालाई ध्यानमा राख्दै केही मापदण्ड तोकेको छ : अनुमोदन गरेको मिति, रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको स्थापना, भौगोलिक वितरण, पक्षराष्ट्रको आकार र जटिलता, क्षेत्रीय रोकथाम अनुगमन र रिपोर्ट गरिएका अति महत्वपूर्ण मुद्दाहरू ।<sup>74</sup> प्रत्येक वर्ष उपसमितिले आगामी वर्ष गर्ने देशभ्रमणको कार्यक्रम तय गर्दछ । यो कार्यक्रमलाई सो वर्षको अन्तिम अधिवेशनका दौरान (अर्थात् नोभेम्बरमा) सार्वजनिक गरिन्छ । उपसमितिले प्रायः देशभ्रमण मिसन पाउने राष्ट्रको नाम ओएचसिएचआरको वेबसाइटमार्फत सोही वर्ष सार्वजनिक गर्दछ । यद्यपि प्रत्येक मिसनको यथार्थ मिति भने गोप्य रहन्छ ।<sup>75</sup>

<sup>73</sup> See Section 2.1 in this chapter.

<sup>74</sup> SPT, Third annual report, §20.

<sup>75</sup> See the OHCHR's website for more information: [http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/spt\\_visits.htm](http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/spt_visits.htm)

आफ्नो कार्यकालको पहिलो वर्ष उपसमितिले बजेटमा समस्या सामना गर्नु पन्यो जसले गर्दा आफूले गर्नसक्ने अधिकांश देशभ्रमण मिसनलाई उपसमितिले सीमित गर्नुपन्यो ।<sup>76</sup> आफूले कार्य प्रारम्भ गरेको पहिलो चार वर्षमा उपसमितिले बेनिन, बोलिभिया, कम्बोडिया, होन्डुरस, लेबनान, लाइबेरिया, माल्डिभ्स, मरिसस, मेकिसको, पाराग्वे, र स्विडेन समिलित राष्ट्रहरूमा कुल ११ ओटा भ्रमण सम्पन्न गन्यो ।<sup>77</sup> यसले आलेखको धारा १ मा उल्लिखित “नियमित भ्रमण” प्रणालीको स्थापनासँग निकायहरूको क्षमताको तादत्यमाथि प्रश्न उठाएको छ । भ्रमणमा हुने कमीले रोकथाम संयन्त्रलाई दिइएको समर्थन र स्वतन्त्रताबाट वज्ञित गरिएका व्यक्तिका लागि गरिएको संरक्षणलाई नै खतरामा पार्नसकदछ भन्ने कुरा उपसमितिले व्यक्त गरेको छ ।<sup>78</sup> सन् २०११ मा हुने उपसमितिका सदस्यको वृद्धि (१० देखि २५ सम्म) ले उपसमितिको बजेटमा समानुपातिक वृद्धि हुनेछ भन्ने कुराको आशा गरिएको छ । यस्ता विकासले निकायहरूको क्षमता र उपसमितिले गर्ने भ्रमणको रणनीतिक योजना र परामर्श कार्यको कार्यान्वयनमा सकारात्मक प्रभाव हुने आशा गरिएको छ ।<sup>79</sup>

## ४.२ पहुँच : सहमति र सूचना

अनुमोदनपश्चात् पक्षराष्ट्रले उपसमितिको देशभ्रमण मिसनमा आफ्नो सामान्य सहमति दिएको हुन्छ भन्ने विश्वास गरिन्छ । यो आलेखको एउटा प्रमुख सिद्धान्त हो । धारा ४ र १२ ले देशभ्रमण सुरु गर्नुभन्दा पूर्व उपसमितिले पक्षराष्ट्रबाट विशेष निमन्त्रणा वा पक्षराष्ट्रको अन्य सहमति लिनुपर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ ।<sup>80</sup> उपसमितिको कार्यादेशको यो अनुपम पक्ष हो । यातनाविरुद्धको महासम्प्रदाय र राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदक लगायत राष्ट्रसंघका अन्य निकायले कुनै पक्षराष्ट्रको भू-भागमा प्रवेश गर्नुपूर्व उक्त राष्ट्रको निमन्त्रणा वा पूर्वसहमति लिनु पर्दछ ।

<sup>76</sup> SPT, Second annual report, §62-76.

<sup>77</sup> See the OHCHR's website for more information: [http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/spt\\_visits.htm](http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/spt_visits.htm)

<sup>78</sup> SPT, First annual report, §17.

<sup>79</sup> SPT, Third annual report, §21.

<sup>80</sup> For further analysis of these articles, see commentary in Chapter II of this manual, especially the commentary on Articles 4(1) and 12(a).

विना सहमति देशभ्रमण गर्ने अधिकारले सूचना गर्ने दायित्वलाई प्रतिस्तृत गर्दैन । उपसमितिले कुनै निश्चित वर्षको लागि आफ्नो देशभ्रमण मिसनको कार्यक्रम तय गरेपछि उसले आलेखको धारा १३(२) अनुसार सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई “विलम्ब नगरिकन” सोको जानकारी गराउनु पर्दछ<sup>८१</sup> व्यवहारमा उपसमितिले देशभ्रमणको तयारी गर्नका लागि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको स्थायी मिसन (permanent Missions) हरूसँग जेनेभामा बैठक बस्दछ । त्यसपछि उपसमितिले भ्रमणभन्दा कम्तीमा पनि ३ महिना अगाडि नै सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई आउँदो देशभ्रमण मिसनको बारेमा अवगत गराउँदछ । तर उपसमितिले भ्रमण गरिने थुनास्थलहरूको पहिचान भने गराउँदैन । उपसमितिले आफ्नो प्रतिनिधि मण्डलको गठनबारे लिखित रूपमा पक्षराष्ट्रलाई जानकारी गराउँदछ । उक्त प्रतिनिधि मण्डलमा उपसमितिका सदस्यको नामावली, प्रतिनिधि मण्डललाई समर्थन गर्ने ओएचसिएचआरका सदस्य र संलग्न रहने विज्ञको नाम समावेश गरिएको हुन्छ<sup>८२</sup> यस्तो जानकारी दिने प्रक्रियाले उपसमितिलाई आफ्नो गोष्य प्रकृतिको काममा जोड दिन सक्षम बनाउनुका साथै सबै सम्बन्धित अधिकारीलाई उपसमितिको अधिकार, क्षमता र दायित्वबारे जानकारी गराउन सबल बनाउँदछ । यसबाहेक आउँदो भ्रमणको पूर्व जानकारीले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई उपसमितिका सदस्यलाई प्रवेशाङ्गा र परिचय-पत्र जारी गर्न उपसमितिको लागि सूचना संकलन गर्न (तल विस्तृत रूपमा उल्लेख गरिएबमोजिमको) र उनीहरूको मिसनको लागि केन्द्रविन्दु किटान गर्नजस्ता कुराको तयारी गर्न सहयोग मिल्दछ<sup>८३</sup>

### ३

यातना रोकथाम उपसमिति

#### ४.३ रोकथाम उपसमितिको भ्रमण गर्ने प्रतिनिधि मण्डल

##### ४.३.१ रोकथाम उपसमितिको भ्रमण प्रतिनिधि मण्डलको गरन

आलेखको धारा १३(३) अनुसार<sup>८४</sup> कुनै पनि देशभ्रमण मिसन कम्तीमा पनि उपसमितिका २ सदस्य र आवश्यक परे नामावलीबाट उपसमितिद्वारा चुनिएका थप विशेषज्ञद्वारा

<sup>८१</sup> See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>८२</sup> SPT, First annual report, Annex V.

<sup>८३</sup> See Sections 4.2 and 4.4 of this chapter for further information on the arrangements that should be made prior to an in-country visit. For a detailed discussion of Article 13, see Chapter II of this manual; and also Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.933.

<sup>८४</sup> See commentary in Chapter II of this manual.

## यातना रोकथाम उपसमिति

सञ्चालन गरिन्छ । प्रत्येक अनुगमन गर्ने प्रतिनिधि मण्डलले दुईभन्दा बढी उपसमितिकै सदस्यहरू, कम्तीमा पनि २ थप विशेषज्ञहरू र उपसमिति सचिवालयका २ सदस्यहरू समावेश गर्नु पर्दछ भनी उपसमितिले सिफारिस गरेको छ ।<sup>85</sup> भ्रमण गरिने पक्षराष्ट्रको स्थितिको जटिलतालाई हेर्दा अहिलेसम्म प्रतिनिधि मण्डलहरूमा उपसमितिका २ देखि ६ र ओएचसिएचआरका २ देखि ४ सम्म सदस्य रहेको पाइएको छ । बजेटको अभावले उपसमितिको २००७ को स्विडेन भ्रमणपश्चात् कुनै पनि थप विशेषज्ञहरू उपसमितिको देशभ्रमणका लागि समावेश गरिएका छैनन् ।<sup>86</sup>

### ४.३.२ विशेषज्ञहरूको नामावली (*Roster of experts*)

आलेखको धारा १३(३) अन्तर्गत उपसमितिका सदस्य “आवश्यक पर्ने देखिएमा सम्बन्धित क्षेत्रमा पेशागत अनुभव प्रदर्शन गरेका विशेषज्ञद्वारा समिलित हुनसक्दछ” (सम्बन्धित क्षेत्र भन्नाले यातना रोकथाम वा सोसँग सम्बन्धित क्षेत्र भन्ने बुझिन्छ) । विशेषज्ञहरू बेनिन, मालिडभ्स र स्विडेन गरी उपसमितिको तीनोटा देशभ्रमणमा सहभागी भएका छन् ।<sup>87</sup> आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले “बजेट अभावका कारण भ्रमण गरिने राष्ट्रका प्रतिनिधि मण्डलमा स्वतन्त्र विशेषज्ञलाई समिलित गराउन सम्भव नरहेको” कुरा व्यक्त गर्न्यो ।<sup>88</sup>

उपसमितिको क्षेत्राधिकारभित्रका हिरासतमा प्रभावकारी र गहन अनुगमन गर्न विभिन्न पेशागत सीप र अनुभव भएका विशेषज्ञहरू समिलित एक अनुगमन प्रतिनिधि मण्डलको आवश्यकता पर्दछ ।<sup>89</sup> आलेखको धारा ५ अन्तर्गत उपसमितिको प्रतिनिधि मण्डलभित्र लैंडिक र भौगोलिक सन्तुलन कायम गर्ने उपसमितिको दायित्व पूरा गर्नका लागि विशेषज्ञहरू माध्यम हुन् ।<sup>90</sup> पेशागत दक्षताका अलावा विशेषज्ञहरूसँग उपसमितिका सदस्यसरह वर्गीय (generic) सीप र दक्षता पनि हुनु पर्दछ ।<sup>91</sup> तिनीहरूले आफ्नो

<sup>85</sup> SPT, First annual report, §51.

<sup>86</sup> APT interview with the SPT Chairperson, Victor Rodriguez Rescia, 21 June 2010.

<sup>87</sup> See SPT, First annual report, §63; and United Nations, ‘UN press release following SPT visit to Benin’, 26 May 2008, available at <http://www.unhchr.ch/hurricane/hurricane.nsf/0/222ECFC5807C7E55C1257456002F9863?opendocument>

<sup>88</sup> SPT, Third annual report, §34.

<sup>89</sup> See commentary on Articles 4 and 13(3) in Chapter II of this manual.

<sup>90</sup> See Section 2.2.3 in this chapter.

<sup>91</sup> See Section 2.2.2 in this chapter.

कार्य गोपनीयताको सिद्धान्तलाई आत्मसात गर्दै स्वतन्त्रतापूर्वक र निष्पक्ष ढङ्गले सम्पादन गर्नु पर्दछ ।<sup>92</sup>

अनुगमन गर्ने प्रतिनिधि मण्डलका सदस्यको कार्यदक्षतामा एकरूपता त्याउन उपसमितिका सदस्यलाई जस्तै प्रशिक्षण विशेषज्ञलाई पनि दिइनु पर्दछ भन्ने पनि सुझाव दिइन्छ । विशेषज्ञ भ्रमण गर्ने प्रतिनिधि मण्डलको एक अभिन्न अङ्ग भएकोले तिनीहरूसँग उपसमितिका सदस्यसरह अधिकार रहेको हुन्छ । आलेखको धारा ३५ अनुसार<sup>93</sup> तिनीहरूसँग UN Convention on Privileges and Immunities of the United Nations को सार्वभिक दफाहरूमा उल्लेख गरिएबमोजिमको राष्ट्रसंघीय भ्रमणको लागि विशेषज्ञको सुविधा, विशेषाधिकार र विमुक्तिको हकदार हुन्छन् ।<sup>94</sup>

### ३

विशेषज्ञहरूको मनोनयनका लागि आलेखले विशेष प्रक्रिया प्रदान गरेको छ ।<sup>95</sup> पक्षराष्ट्र, ओएचसिएचआर र अन्तर्राष्ट्रिय अपराध रोकथामका लागि राष्ट्रसंघीय केन्द्र (the UN Center for International Crime Prevention) जस्ता निकायले उपसमितिमा विशेषज्ञहरूको नामावली सूचीमा समावेश गर्नका लागि व्यक्तिहरूको नाम प्रस्ताव गर्नसक्दछ । विशेषज्ञ मनोनयनको यस्तै प्रावधान यातनाविष्वट्टको महासन्धिको कार्यविधि नियमावली<sup>96</sup> (Rules of Procedure of the Cat) र यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथामका लागि युरोपेली महासन्धि<sup>97</sup> (the European Convention for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment (ECPT)) को धारा ७(२) हरूमा पनि उल्लेख गरिएको छ । नामावलीमा समावेश गर्ने विशेषज्ञको संख्यामा कुनै पाबन्दी नभएता पनि धारा

<sup>92</sup> See European Convention for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, CPT Doc. Inf/C (2002) Strasbourg, 26.XI.1987, amended according to Protocols No 1 (European Treaty Series No 151) and No 2 (European Treaty Series No 152), Article 14(2); and CAT, Rules of Procedure, UN Doc. CAT/C/3/Rev.4, 9 August 2002, Rule 82-2.

<sup>93</sup> See commentary in Chapter II of this manual.

<sup>94</sup> UN Convention on the privileges and the immunities of the United Nations, UN Treaty Series No 15, 13 February 1946.

<sup>95</sup> See OPCAT, Article 13(3).

<sup>96</sup> CAT, Rules of procedure, Rule 82-1.

<sup>97</sup> Article 7(2) of the ECPT states that "As a general rule, the visits shall be carried out by at least two members of the Committee. The Committee may, if it considers it necessary, be assisted by experts and interpreters".

१३(३) अन्तर्गत पक्षराष्ट्रले अधिकतम पाँचओटा राष्ट्रिय विशेषज्ञको नाम प्रस्ताव गर्नसक्दछ । आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा ३० ओटा पक्षराष्ट्रले विशेषज्ञहरूको नामावली अगाडि सारेको कुरा उपसमितिले उल्लेख गन्यो । सन् २००८ मा राष्ट्रसंघले नामावलीमा कस्तो व्यक्तिको छनोट गर्ने भन्ने कुराको निर्णय लिन एक panel को स्थापना गन्यो ।<sup>98</sup>

यद्यपि देशभ्रमणमा सहभागी गर्न विशेषज्ञ चयन गर्ने प्रक्रिया र मापदण्डका लागि कुनै सार्वजनिक सूचना उपलब्ध छैन न त भ्रमणमा सहभागी विशेषज्ञहरूका लागि कुनै आर्थिक क्षतिपूर्तिको नै व्यवस्था रहेको छ ।

## ४.४ भ्रमणको तयारी

### ४.४.१ सूचना संकलन

उपसमितिको देशभ्रमण मिसनका लागि सूचनामा पहुँच हुनु अति आवश्यक हुन्छ । सम्बन्धित राष्ट्रको स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएको ठाउँहरूको स्थितिको यथार्थ चित्र तयार पार्न देशभ्रमण मिसन सुरु हुनुभन्ना पूर्व नै उपसमिति सचिवालय ठोस र अद्यावधिक सूचना संकलन गर्न विभिन्न स्रोतहरूमा निर्भर रहन्छ । अनुभवले यो कुरा पनि सिद्ध गर्दछ कि अन्य राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय निकायबाट प्राप्त हुने सूचना उपसमितिलाई देशभ्रमण मिसनको तयारीको लागि सहयोग गर्न अति उपयोगी हुन्छ ।<sup>99</sup>

स्वतन्त्रताको वज्चना यातनाविस्तृद्धको महासन्धि, मानवअधिकार समिति र बालअधिकार समिति (the Committee on the Rights of the Child) लगायतका अन्य सन्धि निकायको पनि चासोको विषय हो । यी निकाय र राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदक (जस्तै, यातनाविस्तृद्धको राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदक र स्वेच्छाचारी थुनाविस्तृद्धको राष्ट्रसंघीय कार्यदल)<sup>100</sup> र क्षेत्रीय संयन्त्रहरू (जस्तै सिपिटि, मानवअधिकारसम्बन्धी अफ्रिकी आयोगको प्रतिवेदक (the Rappoteurs of the African Commission on Human and Peoples' Rights) र मानवअधिकारसम्बन्धी अन्तर अमेरिकी आयोग (the Inter-American Commission on Human Rights) लगायतका निकायको सुभाव र

<sup>98</sup> See SPT, Third annual report, §33; and SPT, Second annual report, §30.

<sup>99</sup> See Section 6 of this chapter for further information.

<sup>100</sup> For further information, see Section 5.2 of this chapter.

प्रतिवेदनहरू उपसमितिको देशभ्रमण प्रतिवेदनमा प्रायः प्रयोग गरिन्छ ।<sup>101</sup> यस्ता सिफारिस र प्रतिवेदन उपसमितिको देशभ्रमण मिसनको तयारी र अनुपरीक्षणका दौरान पनि प्रयोग गरिन्छ । उदाहरणको लागि यातनाविरुद्धको राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदकले २००६ नोभेम्बरमा पाराग्वेको भ्रमण सम्पन्न गरी आफूले पत्ता लगाएका कुराको प्रतिवेदन प्रकाशित गन्यो ।<sup>102</sup> उपसमितिले पनि ३ वर्षपछि पाराग्वेको भ्रमण गन्यो । भ्रमण प्रतिनिधि मण्डलले विशेष प्रतिवेदकको सिफारिसको अनुपरीक्षण गर्ने अवसर लियो ।<sup>103</sup>

आलेखका प्रारूपकारले सूचनाको यो महत्वालाई विशेष ध्यान दियो । धारा १२(ख), १४(१)(क) र १४(१)(ख) ले पक्षराष्ट्रले सबै आवश्यक र सार्वभिक सूचनामा बेरोकटोक पहुँच प्रदान गर्नु पर्दछ भन्ने कुरालाई निर्दिष्ट गर्दै यो सामान्य दायित्वको विस्तृत व्याख्या गरेको छ ।<sup>104</sup>

### ३

यातना रोकथाम उपसमिति

कुनै पक्षराष्ट्रमा देशभ्रमण मिसन गर्नुपूर्व उपसमितिले आलेखको धारा ११(ख), १२(ग) र २०(च) अनुसार सम्बन्धित रोकथाम संयन्त्रसँग सम्पर्क स्थापना गर्नु अति जरूरी हुन्छ । यी धाराले उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूलाई विना हस्तक्षेप प्रत्यक्ष र आवश्यक परेको खण्डमा गोप्य सम्पर्क बनाउन सक्षम बनाउँदछ । आलेखको अति महत्वपूर्ण सहयोगको सिद्धान्तको यो आवश्यक पक्ष हो ।

केही विशेष परिस्थितिमा उपसमितिले आफूले योजना बनाएको देशभ्रमण मिसनभन्दा केही समय अगाडि विशेष क्रियाकलापमा भाग लिनसक्दछ । हालसम्म उपसमितिका भ्रमणको प्रारम्भिक क्रियाकलापलाई लेबनान, मेकिसको र पाराग्वेका नागरिक समाजका निकायले समर्थन र सहजीकरण गरेको पाइएको छ ।<sup>105</sup> यस्ता क्रियाकलापले उपसमितिलाई सम्बन्धित अधिकारी र (यदि गठन भइसकेको भए) रोकथाम संयन्त्रसँग संवादको प्रक्रिया सुरु गर्न सक्षम बनाउँदछ । यस्ता क्रियाकलापले उपसमितिलाई आफ्नो अधिकार र योजना गरिएको मिसनका बारेमा सम्बन्धित निकायलाई सूचित गर्ने अवसर प्रदान गर्नुका

<sup>101</sup> SPT, Second annual report, §50.

<sup>102</sup> Report of the UN Special Rapporteur on Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, Mission to Paraguay, UN Doc A/HRC/7/3/Add.3, 1 October 2007. Available at [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org).

<sup>103</sup> SPT, Report on the visit to Paraguay, §3.

<sup>104</sup> See commentary on Articles 12(b) and 14 in Chapter II in this manual.

<sup>105</sup> SPT, Second annual report, §21; SPT, Third annual report, Annex V. See also Section 6 of this chapter.

## यातना रोकथाम उपसमिति

साथै पक्षराष्ट्रहरूको यातना रोकथामका मुख्य चुनौती पहिचान गर्न मद्दत मिल्दछ । योजना गरिएको देशभ्रमण मिसन पूर्व (विशेष गरेर पक्षराष्ट्रमा उपसमितिको पहिलो भ्रमणभन्दा अगाडि) स्थापित सम्पर्क र संवाद उपसमितिलाई सम्बन्धित पक्षराष्ट्रभित्र आफ्नो भ्रमणको कार्यक्रममा केन्द्रित रहनको लागि चुस्तदुरुस्त सूचना संकलन गर्न आवश्यक हुन्छ ।

### **४.४.२ राष्ट्रिय प्रतिवेदन (*Country briefs*)**

उपसमिति सचिवालयबाट संकलित सूचना र सामग्रीहरू समावेश रहेका सबै सार्वभिक सूचनालाई राष्ट्रिय प्रतिवेदनमा संकलन र विश्लेषण गरिन्छ ।<sup>106</sup> राष्ट्रिय प्रतिवेदनले उपसमितिको प्रतिनिधि मण्डललाई देशभ्रमण मिसनको लागि तयार गर्न मद्दत गर्नुका साथै भ्रमण गर्ने स्थानलाई प्राथमिकतामा राख्न र व्यक्तिहरूको अन्तर्वार्ता लिनका लागि पनि मद्दत गर्दछ । राष्ट्रिय प्रतिवेदनले पक्षराष्ट्रहरूको राजनैतिक, कानूनी, प्रशासनिक, आर्थिक र सामाजिक स्थितिमा समझदारीको विकास गर्न मद्दत गर्दछ ।

### **४.५ देशभ्रमण मिसन सञ्चालन गर्ने**

#### **४.५.१ सम्बन्धित सरोकारवालासँग बैठक**

पक्षराष्ट्रहरूसँग रचनात्मक संवादको स्थापना नै उपसमितिको रोकथाम कार्यादेशलाई कार्यान्वयन गर्ने मुख्य साधन हो । भ्रमणको सुरूमा नै उपसमितिको प्रतिनिधि मण्डलले थुनास्थलका उच्चपदस्थ अधिकारीहरूसँग प्रारम्भिक बैठकको आयोजना गर्दछ । यस बैठकको मुख्य लक्ष्य भनेको उपसमितिको कार्यपद्धतिबारे सम्बन्धित सबैलाई अवगत गराउने र प्रारम्भिक मुद्दाहरू उठाउने हो । यस बैठकमा संलग्न रहने प्रमुख निकायमा कानुन लागू गर्ने दायित्व रहेका मन्त्रालय, पूर्वपुर्षका लागि व्यक्तिलाई राख्ने हिरासत, कारागार, सैनिक थुनास्थल, आप्रवासी थुनास्थल र मानसिक चिकित्सासम्बन्धी तथा सामाजिक स्याहार केन्द्र पर्दछन् । उक्त बैठकको सहजकर्ताका रूपमा उपसमितिलाई देशभ्रमण मिसनका दौरान सहयोग गर्न सरकारद्वारा नियुक्त गरिएको सम्पर्क अधिकृत वा अधिकारीहरू रहन्थन् ।<sup>107</sup>

<sup>106</sup> SPT, Third annual report, §23.

<sup>107</sup> SPT, First annual report, Annex E.

पक्षराष्ट्रमा थुनुवाहरूलाई गरिने व्यवहार र हिरासतको स्थितिबारे चुस्तदुरुस्त सूचना संकलन गर्न उपसमितिले रोकथाम संयन्त्र (वा रोकथाम संयन्त्र अझै स्थापना वा गठन गर्न बाँकी रहेका राष्ट्रमा संयन्त्र गठनमा संलग्न निकायहरू) र अन्य अनुगमन निकायसँग पनि बैठक गर्दछ । यो सूचनाले उपसमितिको प्रतिनिधि मण्डललाई निम्नलिखित कुराहरूमा सहयोग गर्दछ :

- देशभित्र व्याप्त यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको सामान्य जोखिमको निर्धारण गर्न
- भ्रमण गरिने निश्चित ठाँउहरूको पहिचान गर्न, र
- सम्बन्धित देशका रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूलाई सुझाव र सहयोग प्रदान गर्न

३

उपसमिति  
रोकथाम  
यातना

यसका अतिरिक्त राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठन, गैरसरकारी संस्थाहरू र यस क्षेत्रसँग सम्बन्धित सूचना राख्ने अन्य इच्छुक निकायहरू (जस्तै, न्यायापालिका र सर्वोच्च अदालतका प्रतिनिधि, थुनुवाका परिवार, चिकित्सक, कानुन व्यवसायी, यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारका साक्षी र शंकास्पद पीडित र पूर्व थुनुवाहरू) सँग पनि उपसमितिको बैठक बस्दछ ।<sup>108</sup>

दृढतापूर्वक भ्रमणको छलफल गर्न अन्त्यमा उपसमितिको अन्तिम बैठक उच्चपदस्थ अधिकारीहरूसँग बस्दछ । उपसमितिले यो भ्रमण आफ्नो प्रारम्भिक विचार र सुझाव प्रस्तुत गर्ने अवसरको लागि प्रयोग गर्दछ । तुरुत्त कारबाही गरिनुपर्ने मुद्दा र परिस्थिति जस्तै कानुन, थुनुवाहरूको सुरक्षालाई मजबुत पार्न रूपान्तरण गरिनुपर्ने प्रणाली र/वा अभ्यासहरूमा सम्बन्धित अधिकारीहरूको ध्यानाकर्षण गराइन्छ । सहयोगको सिद्धान्तअनुसार यो वार्ता दुईतर्फा हुन्छ किनकि सम्बन्धित अधिकारीहरूले उपसमितिका प्रतिनिधि मण्डललाई तत्काल प्रतिक्रिया दिन सक्दछन् ।

#### ४.५.२ हिरासतसम्मको पहुँच

आलेखको धारा (१४)(ग) ले उपसमितिलाई “सबै थुनास्थल, तिनीहरूको संस्थापन र सुविधासम्मको अप्रतिबन्धित पहुँच” गराइनु पर्दछ भन्ने कुरा व्यक्त गरेको छ । शब्दमा अव्यक्त “अप्रतिबन्धित पहुँच” भन्नाले धारा ४ मा उल्लेख भएबमोजिम उपसमितिले

<sup>108</sup> SPT, First annual report, Annex V.

## यातना रोकथाम उपसमिति

थुनास्थलको भ्रमण कुनै पनि समयमा विना जानकारी गर्नसक्ने भन्ने समझदारीलाई बुझाउँदछ । धारा ४, १२ र २० का साथै आलेखको धारा ९ मा उल्लिखित सम्पूर्ण रोकथामको उद्देश्यले उक्त व्यवस्थाको समर्थन गर्दछ जसलाई मस्यौदा प्रक्रियाको दौरान नै स्पष्ट रूपमा निर्दिष्ट गरिएको थियो ।<sup>109</sup> आलेखको अन्य व्याख्याले यसको रोकथामको उद्देश्यलाई गम्भीर रूपमा आँच पुऱ्याउछ ।<sup>110</sup> यो अधिकार हिरासतको अवस्थालाई लुकाउने प्रयासलाई निस्त्रिताहित गर्न र थुनास्थलको दैनिक कामकाजको अनुगमन गर्न छुट प्रदान गर्न महत्वपूर्ण रहेको छ ।<sup>111</sup>

आलेखको धारा ४ अन्तर्गत पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार र नियन्त्रणभित्र व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएको स्थानको भ्रमण गर्न उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रहरू सक्षम हुनु पर्दछ । उपसमितिसँग अत्यधिक विस्तृत थुनास्थलसम्मको पहुँच भएका कारणले आलेखको धारा ४ ले “क्षेत्राधिकार र नियन्त्रण” र “स्वतन्त्रताबाट विमुख” जस्ता शब्दको अति विस्तृत रूपमा व्याख्या गरेको छ ।<sup>112</sup> धारा ४ अन्तर्गत उपसमितिसँग कुनै व्यक्तिलाई उसको इच्छाविपरीत प्रत्यक्ष वा परोक्ष रूपमा कुन सार्वजनिक अधिकारीसँग राखिनसक्ने स्थानका साथै गोप्य वा अनधिकृत थुनास्थल र हिरासत वा निजी संस्थाबाट सञ्चालित सबैखाले स्थानहरूमा पहुँच पनि हुनु पर्दछ ।

धारा १४(ग) अनुसार भ्रमण गर्ने प्रतिनिधि मण्डलसँग थुनास्थलभित्रको सम्पूर्ण क्षेत्र र सुविधामा पनि अप्रतिबन्धित पहुँच रहेको हुन्छ ।<sup>113</sup>

हालसम्म उपसमितिले आफ्नो भ्रमण बन्दीगृह (पूर्पक्षपूर्व र दण्डित कैदी राख्ने) र प्रहरी हिरासत केन्द्रहरूमा केन्द्रित गरिरहेको छ । धेरैजसो प्रतिनिधि मण्डलले २ देखि ४ बन्दीगृह र ६ देखि १० प्रहरी हिरासत केन्द्रको भ्रमण गरेका छन् । यद्यपि उपसमितिले सैनिक बन्दीगृह र हिरासत केन्द्र, प्रशासनिक हिरासत केन्द्र, अदालतमा रहेको हिरासत

<sup>109</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.906 and p.1011.

<sup>110</sup> For further information on these Articles, see Chapter II of this manual; APT, Guide to the Establishment and Designation of NPMs ('NPM Guide'), APT, Geneva, 2006, pp.55-57; and APT, Application of OPCAT to a State Party's places of detention located overseas, Legal Briefing Series, APT, Geneva, October 2009: available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>111</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1042.

<sup>112</sup> See SPT, First annual report, Annex VII; and commentary on Article 4 in Chapter II of this manual.

<sup>113</sup> See commentary on Article 14(c) in Chapter II of this manual.

केन्द्र, बालगृह, मानसिक रोगीका लागि व्यवस्था गरिएका थुनास्थल, लागुपदार्थ पुनःस्थापना केन्द्र र सामाजिक सुरक्षा केन्द्रजस्ता थुनास्थलको पनि भ्रमण गरेको छ ।<sup>114</sup>

#### ४.५.३ गोप्य अन्तर्वर्ती

रोकथाम अनुगमन प्रक्रियाको केन्द्र भागमा गोप्य अन्तर्वार्ता सञ्चालन गर्ने कार्य रहेको छ । यस्तो गोप्य अन्तर्वार्ता स्वतन्त्रताबाट विचित गराइएका व्यक्तिको दृष्टिकोण, थुनुवाप्रतिको व्यवहार, थुनास्थलको स्थिति र त्यसको प्रशासन र व्यवस्थापनजस्ता कुराका लागि अति महत्वपूर्ण हुन्छ । यस्ता अन्तर्वार्ताले सम्बन्धित हिरासतमा हुने यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको जोखिमको यथार्थ चित्रण गर्न अनुगमन टोलीलाई सक्षम बनाउँदछ ।<sup>115</sup> आलेखको १४(घ) ले उपसमितिलाई उसले तोकेको व्यक्तिसँग गोप्य अन्तर्वार्ता लिन छुट दिने दायित्व पक्षराष्ट्रलाई प्रदान गरेको छ । यस्तो अन्तर्वार्ता लिने क्रममा उपसमितिले आवश्यक परे अनुवादक वा अन्य व्यक्ति राख्नसक्ने छ । गोप्य रूपमा सञ्चालन गरिने अन्तर्वार्ता थुनास्थलका कर्मचारी र स्वतन्त्रताबाट विमुख अन्य व्यक्तिले नसुन्ने वा सम्भवतः कसैले नदेख्नेगरी गरिन्छ ।<sup>116</sup>

सम्बन्धित अधिकारीद्वारा उक्त अन्तर्वार्ताका लागि छनोट गरिएका कुनै पनि स्थानलाई विशेष ध्यान दिइनु पर्दछ । त्यस्ता स्थानको छनोट गर्ने र आवश्यक परे विकल्प खोज्ने सम्पूर्ण अधिकार उपसमितिका प्रतिनिधि मण्डललाई हुनु पर्दछ । हुनत व्यवहारमा केही थुनास्थलमा पूर्ण रूपमा कर्मचारीहरूले नदेख्नेगरी अन्तर्वार्ता सञ्चालन गर्न असम्भव हुन्छ । यसर्थ प्रतिनिधि मण्डलले चियोचर्चोंको जोखिमलाई न्यूनीकरण गर्न त्यस्ता ठाउँको चयन गर्दा आफ्नो विवेक प्रयोग गर्नु पर्दछ ।<sup>117</sup>

अन्तर्वार्ता लिने कार्य सधै अन्तर्वार्ता दिने व्यक्तिको सहमतिमा गरिनु पर्दछ । यसका अतिरिक्त अन्तर्वार्ताको दौरान र अन्तर्वार्तापश्चात् अन्तर्वार्ता लिइने व्यक्तिप्रति प्रतिनिधि

<sup>114</sup> See SPT, First annual report, Annex III; SPT, Second annual report, Annex III; SPT, Third annual report, Annex III; and United Nations, 'Subcommittee on Prevention of Torture concludes mission to Lebanon' (press release), 2 June 2010: available at [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org).

<sup>115</sup> SPT, Third annual report, §26.

<sup>116</sup> See commentary on Article 14 in Chapter II of this manual.

<sup>117</sup> APT, *Monitoring Places of Detention: a practical guide*, APT, Geneva, April 2004, p.80.

मण्डल विशेष संवेदनशील रहनु पर्दछ ।<sup>118</sup> उपसमितिको अन्तर्वार्तामा भाग लिनको लागि प्रतिनिधि मण्डल वा अन्य अधिकारीले कुनै पनि व्यक्तिलाई दबाब दिनुहुँदैन । यसबाहेक आलेखको धारा १४ लाई तल उल्लिखित धाराहरूको सम्बन्धमा पढिनु पर्दछ :

- धारा १५, जसले उपसमितिसँग सम्पर्कमा रहने कुनै व्यक्ति वा संस्थाविरुद्ध हुनसक्ने प्रतिशोध वा अन्य दण्डनीय वा पूर्वाग्रही कार्यलाई प्रतिबन्ध गर्ने उद्देश्य लिएको छ
- धारा १६(२) जसले स्पष्ट सहमतिको अभावमा कुनै व्यक्तिगत विवरणको प्रकाशनलाई प्रतिबन्धित गर्दछ ।

आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उपसमितिले आफ्नो भ्रमणपश्चात् प्रतिशोधको जोखिमको सन्दर्भमा आफ्नो चासो निम्नानुसार व्यक्त गन्यो :

3

उपसमितिको प्रतिनिधि मण्डलले स्वतन्त्रताबाट विमुख व्यक्तिसँग अन्तर्वार्ता लिँदा उनीहरूले उक्त अन्तर्वार्तामा भएको कुराकानी नखोलेको खण्डमा धम्क्याइने वा प्रतिनिधि मण्डलसँग बोलेको आरोपमा सजाय गरिनेजस्ता प्रतिशोधका कार्य हुनसक्ने देखियो । यसबाहेक उपसमितिका प्रतिनिधि मण्डललाई केही पनि नभन्न स्वतन्त्रताबाट विमुख केही व्यक्तिलाई पहिले नै चेतावनी दिइनसक्ने कुराको जानकारी उपसमितिलाई भएको छ ।<sup>119</sup>

आलेखको धारा १५ अनुसार उपसमितिको भ्रमणको फलस्वरूप हुने कुनै पनि प्रतिशोधका घटना नहुने कुरालाई सुनिश्चित गर्न पक्षराष्ट्रलाई उपयुक्त कदम चाल्न सुझाव दिइन्छ । यसको अतिरिक्त उपसमितिले भ्रमण गरिएका पक्षराष्ट्रका सम्बन्धित अधिकारीबाट प्रतिशोधका घटना र सम्बन्धित व्यक्तिहरूको सुरक्षार्थ लिएको कदमका बारेमा सूचना सम्प्रेषण होस् भन्ने अपेक्षा राख्दछ । यस्ता मुद्दाका सम्बन्धमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले खेल्ने महत्वपूर्ण भूमिका पनि उपसमितिले स्वीकार गरेको छ ।<sup>120</sup> संयन्त्रको पक्षराष्ट्रमा हुने भ्रमण गरिने देशको अवस्थितिले गर्दा रोकथाम संयन्त्रहरू सम्बावित प्रतिशोधप्रति चासो राख्न र चिन्ता व्यक्त गर्न तथा उपसमितिसँग सोझौ सम्पर्क स्थापना गर्न प्रभावशाली स्थानमा रहेको कुरा सराहनीय छ ।

<sup>118</sup> APT, *Monitoring Places of Detention*, p.81; and Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1043.

<sup>119</sup> SPT, Third annual report, §35.

<sup>120</sup> SPT, Third annual report, §36.

## ४.६ हिरासत भ्रमणको अस्थायी स्थगन

कुनै पनि पक्षराष्ट्रले उपसमितिको भ्रमणलाई अस्वीकार गर्न नसके तापनि आलेखको धारा १४(२) मा व्यवस्था भएअनुरूप पक्षराष्ट्रले कुनै एक वा धेरै कारणको आधारमा अस्थायी रूपमा कुनै विशेष थुनास्थलको भ्रमणलाई स्थगन गर्नसक्दछ ।<sup>121</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सन्दर्भमा यस्तो व्यवरथा रहेको छैन ।

भ्रमणका लागि आपत्ति भ्रमणका सम्पूर्ण कार्यक्रमको लागि नभई कुनै विशेष थुनास्थलको सन्दर्भमा मात्र गरिनसकिने कुरा अति नै महत्वपूर्ण छ । यसले पक्षराष्ट्रहरूको क्षेत्राधिकार र नियन्त्रणभित्रका सबै थुनास्थलमा अप्रतिबन्धित पहुँच प्रदान गर्न अन्तर्निहित दायित्वलाई प्रतिबिन्धित गर्नुका साथै रोकथाम साधनको रूपमा आलेखको प्रभावशालितालाई पनि दर्शाउँदछ । धारा १४(२) ले पक्षराष्ट्रलाई उपसमितिले भ्रमण सञ्चालन गरेको समय र स्थानमा बाधा अड्चन खडा गर्ने वा निर्देशन गर्नेजस्ता कार्य गर्न प्रतिबन्ध लगाएको छ ।

३

धारा १४(२) को वाक्यांश “अत्यावश्यक र मजबुर तुल्याउने आधार” ले प्रत्येक परिस्थितिलाई एक एक मुद्दाको आधारमा लिइनु पर्दछ भन्ने तथ्यलाई जोड दिनुका साथै भ्रमणको स्थगनलाई समर्थन गर्नु असामान्य प्रकृतिको कार्य हुने कुरालाई पनि जोड दिएको छ । घोषित संकटकालको स्थिति पनि भ्रमणको कार्यक्रमलाई स्थगन वा आपत्ति जनाउनको लागि पर्याप्त हुदैन ।<sup>122</sup> यस्ता उदाहरणमा स्थगित भ्रमणलाई यथासक्य चाँडो अगाडि बढाउनका लागि उपाय खोज्दै सो कुरा सुनिश्चित गर्न प्रतिनिधि मण्डल र सम्बन्धित अधिकारीले नजिकको समपर्क बनाइरहनु पर्दछ । वास्तवमा संकटकालका बेला व्यक्तिको मौलिक र अहरणीय अधिकारलगायत बाँच्न पाउने र यातनाबाट मुक्त रहने अधिकार प्रायः जोखिममा पर्ने र त्यस्ता समयमा अन्य अधिकार तथा सुरक्षा अस्थायी रूपमा स्थगित हुने भएकाले रोकथाम भ्रमणहरू त्यस्तो समयमा अझ बढी महत्वपूर्ण रहने देखिन्छ । कुनै पक्षराष्ट्रले अस्थायी रूपमा स्थगन गरिएको भ्रमणको मिति पुनर्निर्धारण

<sup>121</sup> According to Article 14(2) of the OPCAT, “objections to a visit to a particular place of detention may be made only on urgent and compelling grounds of national defence, public safety, natural disaster or serious disorder in the place to be visited that temporarily prevent the carrying out of such a visit”. See commentary on Article 14(2) in Chapter II of this manual.

<sup>122</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1045. See also commentary on Article 14(2) in Chapter II of this manual.

## यातना रोकथाम उपसमिति

गर्न असहयोग गरेमा धारा १६(४) अन्तर्गत उपसमितिले बहुमतद्वारा महासचिलाई सार्वजनिक वक्तव्य जारी गर्न मञ्जुर हुन अनुरोध गर्नसकदछ ।<sup>123</sup>

आफूले हिरासत अनुगमनको पहुँचमा हालसम्म विरलै समस्यको सामना गर्नुपरेको कुरा उपसमितिले व्यक्त गरेको छ ।<sup>124</sup> यस्ता समस्या प्रायः सूचना आदानप्रदानमा हुने समस्याका कारणले उठ्ने गरेको र त्यस्ता समस्या सरकारी सम्पर्क अधिकारीको सहयोगमा समाधान पनि हुनेगरेको छ ।<sup>125</sup>

### ४.७ देशभ्रमणपश्चात्<sup>126</sup>

देशभ्रमणपश्चात् के हुन्छ भन्ने कुरा देशभ्रमणभन्दा बढी नभए पनि देशभ्रमण जत्तिकै महत्वपूर्ण हुन्छ । यस्ता भ्रमणले पक्षराष्ट्रका सम्बन्धित अधिकारी र रोकथाम संयन्त्रसँग रचनात्मक संवादको थालनी गर्न सहयोग गर्दछ । यस्तो संवाद निम्नलिखित कुराका लागि गरिन्छ :

- थुनुवाहरुको सुरक्षालाई मजबुत पार्न
- थुनास्थलको राष्ट्रिय प्रणालीमा सुधार गर्ने उपाय पहिचान गर्न
- रोकथाम संयन्त्रको गठन, स्थापना र कार्यसञ्चालनमा मार्गदर्शन गर्न

### ४.७.१ यथार्थपरक प्रेस वक्तव्य

भ्रमणको अन्त्यमा उपसमितिले प्रायः भ्रमणको वास्तविक सूचनामा केन्द्रित रही संक्षिप्त लिखित प्रेस वक्तव्य जारी गर्दछ । उक्त प्रेस वक्तव्यमा प्रायः भ्रमण सम्पन्न भएको, प्रतिनिधि मण्डल गठनको पहिचान र भ्रमण गरिएका हिरासतको सूची उल्लेख गरिएको हुन्छ । यसका अतिरिक्त सो प्रेस वक्तव्यले भ्रमणका दौरान उपसमितिले उच्चपदस्थ अधिकारी, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था, गैरसरकारी संस्था र

<sup>123</sup> See commentary on Article 16 in Chapter II of this manual.

<sup>124</sup> See SPT, Report on the visit to the Maldives, §257; SPT, Report on the visit to Sweden, §12; SPT, Report on the visit to Paraguay, §17; and SPT, Report on the visit to Honduras, §23.

<sup>125</sup> SPT, Report on the visit to Mexico, §20.

<sup>126</sup> See Section 11 of Chapter I of this manual.

अन्य सम्बन्धित निकायहरूसँग बसेको बैठकको सारांश प्रस्तुत गर्दछ ।<sup>127</sup> यद्यपि उक्त प्रेस वक्तव्यले सम्बन्धित राष्ट्रमा थुनास्थलको स्थिति कस्तो रहेको छ भन्नेबारे कुनै सूचना प्रदान गर्दैन ।

#### ४.७.२ भ्रमण प्रतिवेदनको मस्यौदा तयार पार्न

गोप्य रूपमा भ्रमण गरिएका स्थानसम्बन्धी प्रतिवेदनको मस्यौदा तयार पार्ने कार्य उपसमितिको भ्रमण कार्यक्रमको अर्को चरण हो । यसले भ्रमणमा पत्ता लगाइएका कुरा र सुझावमा उपसमितिको विश्लेषणलाई स्थापित गर्दछ । बृहत् मुद्दालाई समेट्नेगरी प्रतिवेदनको क्षेत्र फराकिलो हुनु पर्दछ जसले यातना रोकथाममा प्रभाव पार्न सकोस् ।<sup>128</sup> धारा २(२) अन्तर्गत भ्रमण प्रतिवेदनका साथै अन्य प्रतिवेदन र क्रियाकलापमा उपसमितिले सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रिय मान्यताको अनुसरण र प्रयोग गर्नु पर्दछ ।<sup>129</sup>

३

उपसमिति  
यातना रोकथाम उपसमिति

कुनै पनि राष्ट्रमा यातना तथा अन्य दुर्घटवहार रोकथामको स्थिति सुधार गर्ने उपाय अवलम्बन गर्न राष्ट्रिय अधिकारी र सम्बन्धित निकायसँग वार्ता र संवादको वातावरण सिर्जना गर्न यस्ता भ्रमण प्रतिवेदन आवश्यक साधन हुने गर्दछन् । धारा १२(घ) अन्तर्गत पक्षराष्ट्रलाई “उपसमितिको सुझावउपर छानबिन गरी सम्भावित कार्यान्वयनका उपायमा उपसमितिसँग संवाद” गर्ने दायित्व रहेको छ । तसर्थ उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदनको मस्यौदा तयार पारिसकेपछि गोप्य तरिकाले उक्त मस्यौदालाई पक्षराष्ट्रमा पठाउँदछ । प्रतिवेदन पेश गरिसकेपछि उपसमितिले आफ्नो सिफारिसउपर प्रत्युत्तर गर्न र आफ्नो भ्रमणपश्चात् भएका सुधारको सूचना पठाउन पक्षराष्ट्रलाई आग्रह गर्दछ । भ्रमण प्रतिवेदनमा पक्षराष्ट्रले पठाउनुपर्ने प्रत्युत्तरको अन्तिम मिति भने गोप्य राखिन्छ ।<sup>130</sup> पक्षराष्ट्रको प्रत्युत्तरलाई प्रतिवेदनको अन्तिम संस्करणमा विशेष मनन गरी समावेश पनि गर्नसकिन्छ । उदाहरणका लागि होन्डुरसका सम्बन्धित अधिकारीको प्रत्युत्तरलाई अन्तिम भ्रमण प्रतिवेदनमा समावेश गरिएको थियो । उक्त प्रतिवेदनको प्रत्येक सिफारिसमा

<sup>127</sup> The SPT's press releases are available on its website: <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/index.htm>. See also SPT, First annual report, Annex V.

<sup>128</sup> See the website of the OHCHR for relevant UN standards on the administration of justice: <http://www2.ohchr.org/english/law>

<sup>129</sup> See commentary on Article 2(2) in Chapter II of this manual.

<sup>130</sup> SPT, First annual report, Annex V.

अधिकारीहरूको प्रतिक्रिया र उपसमितिको सुझाव समावेश गरिएको थियो ।<sup>131</sup> प्रतिवेदनलाई अन्तिम रूप दिइसकेपछि त्यसलाई उपसमितिको अधिवेशनका दौरान छलफल र अनुमोदन गरिन्छ । त्यसपछि प्रतिवेदनमा पत्ता लगाइएका उपाय र सिफारिसको कार्यान्वयनमा सहकार्य र संवादलाई निरन्तरता दिन सो प्रतिवेदनलाई गोप्य रूपमा पक्षराष्ट्रका अधिकारीसमक्ष पठाइन्छ ।

उपसमितिले आफ्नो वेबसाइटमा भ्रमण प्रतिवेदनको स्थितिबारे चुस्तदुर्स्त सूचना (जस्तै, त्यस्ता सूचना सम्बन्धित पक्षराष्ट्रमा पठाइएको वा नपठाइएको र चालु अवस्थामा उक्त सूचना गोप्य रहेको वा सार्वजनिक गरिएको) प्रदान गर्दछ ।<sup>132</sup>

आलेखको धारा १६(१) ले उपसमितिलाई आफ्नो सिफारिस र विचारलाई गोप्य तवरले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई “उपयुक्त भएमा” सूचित गर्ने दायित्व प्रदान गरेको छ । पक्षराष्ट्रमा रोकथाम संयन्त्रको स्थायी अवस्थितिले तिनीहरूको सम्बन्धित अधिकारीहरूसँग चालु संवादलाई स्थापना गर्न सक्षम बनाउँदछ । तसर्थ उपसमितिको सुझावलाई अनुसरण गर्न र उपसमितिलाई नयाँ विकास र भ्रमणको प्रभावबारे जानकारी दिन रोकथाम संयन्त्र नै आदर्श स्थानमा रहेको छ । उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रबीचको सम्बन्ध पारस्परिक विश्वास र आस्थामा आधारित हुनु पर्दछ । उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदनलाई पूर्ण वा आंशिक रूपमा सञ्चार गरिनाले उपसमितिको भ्रमणको प्रभावलाई बढाउँदै रोकथाम संयन्त्रलाई मजबुत बनाउन सक्दछ । उदाहरणका लागि उपसमितिले मेकिसकोको भ्रमण सम्पन्न गरेपश्चात् मेकिसकोको राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोग (राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र) को अनुरोधमा उपसमितिले भ्रमण प्रतिवेदनको एक प्रति उक्त आयोगलाई पठाइदिएको थियो ।<sup>133</sup>

#### ४.७.३ देशभ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशित गर्ने

उपसमितिले आफ्नो विचार र सिफारिस गोप्य तवरले सम्बन्धित पक्षराष्ट्र र सान्दर्भिक देखिएमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सञ्चार गर्नुपर्ने भएता पनि ऐच्छिक आलेखले

<sup>131</sup> SPT, Report on the visit to Honduras.

<sup>132</sup> See [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org).

<sup>133</sup> APT interview with the SPT Chairperson, Victor Rodriguez Rescia, 21 June 2010.

उपसमितिको उक्त प्रतिवेदनको प्रकाशनमा तीनओटा सम्भाव्यताका आधारहरू प्रस्तुत गरेको छ ।

पहिलो सम्भावनाअन्तर्गत पक्षराष्ट्रले उपसमितिको प्रतिवेदन प्रकाशनका लागि स्वीकृति दिनसकदछ । उपसमिति आफैले सक्रिय रूपमा आफ्नो प्रतिवेदन प्रकाशन र सम्बन्धित अधिकारीबाट कुनै प्रत्युत्तरका लागि पक्षराष्ट्रलाई प्रोत्साहन गर्दछ ।<sup>134</sup> हालसम्म होन्डुरस, माल्दिभ्स, मेक्सिको र पाराग्वे गरी पाँचओटा त्यस्ता भ्रमण प्रतिवेदन सार्वजनिक गरिएका छन् ।<sup>135</sup> यस्ता प्रकाशन स्तरीय अभ्यास बन्ने छन् भन्ने आशा गरिएको छ । गोपनीयता आलेखको प्रमुख सिद्धान्त भएता पनि प्रतिवेदनको प्रकाशन यातना रोकथामका लागि सशक्त साधन बन्न सकदछ । यस्ता प्रकाशनले पक्षराष्ट्र पारदर्शितामा कटिबद्ध छ भन्ने सूचना सम्प्रेषण गर्नुका साथै पक्षराष्ट्र अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकारप्रतिको आफ्नो दायित्वलाई आत्मसात गर्दै उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूसँग सहकार्य गर्न इच्छुक रहेको कुरा दर्शाउँदछ । यस्ता प्रकाशनले राष्ट्रिय सतर्कता, थुनुवाप्रतिको व्यवहारमाथि छलफल र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथाम गर्ने कार्यलाई प्रोत्साहन गर्दछ । अन्तमा यस्ता प्रतिवेदन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलगायत राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय निकायद्वारा उपसमितिको सिफारिस कार्यान्वयनको अनुगमनलाई सहज पार्ने एक प्रभावकारी साधन पनि हो ।

### ३

उपसमिति  
रोकथाम उपसमिति  
यातना

दोस्रो सम्भाव्यताअन्तर्गत कुनै पक्षराष्ट्रले आशिक रूपमा प्रतिवेदन प्रकाशित गरिसकेको भए सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको स्वीकृतिविना नै त्यस्ता भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशित गर्नसकदछ । आलेखको धारा १६(२) अन्तर्गत प्रतिवेदनको आशिक प्रकाशनले पक्षराष्ट्रले उक्त प्रतिवेदनको बाँकी रहेको भागसँग सम्बन्धित गोपनीयताको आवश्यकतालाई छोडेको बुझिन्छ । त्यसपछि उपसमितिले उक्त प्रतिवेदनलाई पूर्ण वा आशिक रूपमा प्रकाशित गर्नसकदछ । यद्यपि हालसम्म यो प्रक्रियालाई प्रयोग गरिएको छैन ।

तेस्रो सम्भाव्यताअन्तर्गत पक्षराष्ट्रले असहयोग गरेको खण्डमा उपसमितिद्वारा नै भ्रमण प्रतिवेदनको प्रकाशन सम्भावना रहेको हुन्छ । कुनै पक्षराष्ट्रले विशेष गरेर धारा १२ र १४ मा उल्लिखित आफ्नो दायित्वसँग सम्बन्धित कुरामा उपसमितिलाई असहयोग गरेको

<sup>134</sup> SPT, Third annual report, §30.

<sup>135</sup> SPT, Report on the visit to Sweden; SPT, Report on the visit to the Maldives; SPT, Report on the visit to Honduras; SPT, Report on the visit to Mexico; and SPT, Report on the visit to Paraguay.

वा उपसमितिका सुझावलाई कार्यान्वयन गर्ने असफल रहेको अवस्थामा आलेखको धारा १६(४) अनुसार उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशित गर्नसक्दछ । यस्तो परिस्थितिमा प्रकाशनलाई स्वीकृति दिने अधिकार उपसमितिमा नभई यातनाविरुद्धको महासन्धिमा रहेको हुन्छ । उपसमितिको अनुरोधमा महासन्धिले बहुमतको रायलाई कदर गर्दै प्रकाशन गर्ने अनुमति दिने वा प्रतिबन्ध लगाउने कुराको निर्णय लिन्छ । महासन्धिले आलेखको पक्षराष्ट्रसम्बन्धी भागमा असहयोगसँग सम्बन्धित कुरामा सार्वजनिक वक्तव्य पनि जारी गर्नसक्दछ । महासन्धिले आफ्नो निर्णय लिनुभन्दा अगाडि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो विचार प्रस्तुत गर्ने अवसर दिनु पर्दछ । यस्तो मञ्जुरीको आधारमा हुने भ्रमण प्रतिवेदनको प्रकाशनको सम्भाव्यताले सहयोगको सिद्धान्तको महत्वलाई दर्शाउँदछ । यद्यपि यो कुरा स्पष्ट छ कि कुनै पनि पक्षराष्ट्रले यो सिद्धान्तलाई आलेखअन्तर्गतको आफ्नो दायित्वको कार्यान्वयनबाट छुटकारा पाउनको लागि दुरुपयोग गर्नुहुँदैन । हालसम्म यो प्रक्रियालाई पनि प्रयोग गरिएको छैन ।

#### ४.७४ उपसमितिको प्रतिवेदनलाई फलोअप गर्ने

उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदनको सूचना र/वा प्रकाशनपश्चात् पक्षराष्ट्रहरूबाट प्रत्युत्तर मान्ने अभ्यासको विकास गरेको छ । यद्यपि यस्तो अभ्यासको बारेमा आलेखमा कहीं केही उल्लेख गरिएको छैन । यस्तो प्रत्युत्तरले उपसमिति र पक्षराष्ट्रका बीच रचनात्मक संवाद सिर्जना गर्न मद्दत गर्नुका साथै उपसमितिलाई आफ्नो भ्रमण र आफूले भ्रमण गरेका स्थानमा स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका प्रणालीको सुधारको मूल्यांकन गर्न सक्षम बनाउँदछ । पक्षराष्ट्रको प्रत्युत्तरलाई पक्षराष्ट्रसँग अनुरोध गरेर सार्वजनिक गर्नसकिन्छ । उदाहरणका लागि उपसमितिको आफ्नो केही वर्षको कार्यकालमा तीनओटा पक्षराष्ट्रले अन्तिम भ्रमण प्रतिवेदनपश्चात् उपसमितिलाई प्रत्युत्तर प्रदान गरेका थिए । यीमध्ये दुईओटा (अर्थात् पारावे र स्विडेनका) प्रत्युत्तर सार्वजनिक गरिएका थिए ।<sup>136</sup>

औपचारिक प्रत्युत्तर मानुका अलावा उपसमितिले आफ्नो सिफारिसको कार्यान्वयनमा पनि सूचना माग गर्नसक्दछ । रोकथाम संयन्त्रको विकासको सन्दर्भमा सूचनाको अनुरोध गर्दै

<sup>136</sup> Mauritius, Sweden and Paraguay provided responses to the SPT following the communication of their respective final SPT in-country visit reports. These responses are available at [http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/spt\\_visits.htm](http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/spt_visits.htm)

पठाइएको पत्रले उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदनमा पहिचान गरिएका रोकथाम संयन्त्रका मुद्दाको फलोअपको लागि पनि अति राम्रो अवसर प्रदान गर्दछ ।<sup>137</sup>

#### ४.८ भ्रमण अनुगमन सञ्चालन गर्ने

आलेखको धारा १३(४) ले उपसमितिलाई छोटो फलोअप भ्रमण सञ्चालन गर्न सबल बनाएको छ । सिपिटिजस्ता क्षेत्रीय अनुगमन निकायले फलोअप भ्रमणको अभ्यास सञ्चालन गरिसकेका छन् । यस्ता भ्रमण निकै फलदायी रहेको प्रमाणित भएको छ । यद्यपि उपसमितिले यस्ता फलोअप भ्रमण गर्न बाँकी नै छ । यस्ता भ्रमणले उपसमितिका भ्रमण प्रतिनिधि मण्डललाई निम्नलिखित कुरामा सक्षम बनाउँदछ :

३

यातना रोकथाम उपसमिति

- विशेष चासोका मुद्दा (जस्तै, रोकथाम संयन्त्रको क्रियाकलाप) हरूमा ध्यान केन्द्रित गर्ने
- उपसमितिको सुझाव कर्ति कार्यान्वयन भयो भन्ने कुराको मूल्यांकन गर्ने, र
- विशेष परिस्थितिहरूमा प्रतिक्रिया दिने

उपसमितिले फलोअप भ्रमणलाई आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा उल्लेख गर्दछ । यस प्रतिवेदनमा उपसमितिले पाराग्वेका लागि फलोअप भ्रमणको योजना बनाएको कुरा उल्लेख गरेको छ ।<sup>138</sup>

#### ५. बाह्य निकायहरूसँग सहकार्य

सामान्य रूपमा यातना रोकथामको उद्देश्यका लागि आलेखको धारा ११(ग) ले उपसमितिलाई निम्नलिखित निकायसँग सहकार्य गर्ने दायित्व प्रदान गरेको छ :

सम्बन्धित राष्ट्रसंघीय निकाय र संयन्त्रका साथै यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमाजनक व्यवहार वा सजायविरुद्ध सबै व्यक्तिको सुरक्षालाई मजबूत गर्ने कार्यरत अन्तर्राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र राष्ट्रिय संस्थाहरू ।

<sup>137</sup> For further information, see Sections 3.3.1 and 3.3.2 of this chapter.

<sup>138</sup> See SPT, Third annual report, §24; and United Nations, 'Committee against Torture meets with Subcommittee on the Prevention of Torture to discuss synergies in their work' (press release), 11 May 2010: available at [www.unog.ch](http://www.unog.ch).

माथि छलफल गरिएअनुरूप<sup>139</sup> सहयोग र सहकार्य आलेखको एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त हो र उपसमितिसँग यातना तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहार रोकथामको प्रणालीलाई मजबुत गर्न उस्तै प्रकृतिका काम गर्ने संघसंस्थाहरूसँग सहयोगी सम्बन्ध स्थापना र संवादको वातावरण सिर्जना गर्ने विशेष दायित्व रहेको छ ।

#### ५.१ यातनाविरुद्धको समितिसँग सहकार्य

आलेखको प्रस्तावनामा उल्लेख गरिएअनुसार यस सन्धिले यातना तथा अन्य क्लूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको राष्ट्रसंघीय महासचिव<sup>140</sup> अन्तर्गतको पक्षराष्ट्रहरूलाई यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्ने प्रभावकारी उपाय अवलम्बन गर्न तिनीहरूको विद्यमान दायित्वको कार्यान्वयनमा सहयोग गर्ने उद्देश्य लिएको छ । यातनाविरुद्धको समिति (क्याट) एक महत्वपूर्ण निकाय भएकोले उपसमितिले यस निकायसँग सक्रिय एवं सहयोगी सम्बन्ध स्थापना गर्ने अपेक्षा राखिएको हुन्छ । ऐच्छिक आलेखले पनि दुवैलाई समान स्थान प्रदान गरी ती दुई निकायका बीच विशेष सम्बन्ध स्थापना गर्दछ । यसले आलेखअन्तर्गत यातनाविरुद्धको समितिलाई विशेष अधिकार प्रत्यायोजन गरी दुई निकायका बीच सूचना आदानप्रदानको कार्य (जस्तै, उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदनको समितिमा प्रस्तुतीकरण) सञ्चालन गर्दछ । यातनासँग सम्बन्धित मुद्दामा मात्र नभई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको विकासका मुद्दामा पनि यातनाविरुद्धको समिति (क्याट) यातना रोकथाम उपसमितिका लागि एक महत्वपूर्ण स्रोतका रूपमा रहिआएको छ । सन् २००३ मा यातनाविरुद्धको समितिले ऐच्छिक आलेखमा एक वक्तव्य अंगीकार गर्दै यातनाविरुद्धको समिति र रोकथाम उपसमितिबीच सहयोग र सहकार्य स्थापना गर्न व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान गन्यो ।<sup>141</sup> व्यवहारमा “उपसमिति” भनिएता पनि रोकथाम उपसमितिले यातनाविरुद्धको समितिलाई पूर्णता प्रदान गर्दछ: वास्तवमा यातनाविरुद्धको समितिले रोकथाम उपसमितिलाई एक स्वतन्त्र

<sup>139</sup> See Section 1 of this chapter.

<sup>140</sup> UNCAT, UN Doc. A/RES/39/46, 10 December 1984.

<sup>141</sup> CAT, Annual report, UN Doc. A/58/44, 1 September 2003, §14-17.

निकायको रूपमा स्वीकार गर्दछ ।<sup>142</sup> यद्यपि समितिले आलेखअन्तर्गत पक्षराष्ट्रका दायित्व कार्यान्वयनको सार्वजनिक रूपमा छानबिन गर्दछ ।<sup>143</sup>

केही व्यवहारिक कठिनाइका बाबजुद समिति र उपसमितिको दोहोरो सदस्यता सहयोग र सहकार्यका लागि सकारात्मक हुने ठहर समितिको रहेको छ ।<sup>144</sup> यद्यपि अनुभवले यो तथ्य पनि उजागर गरेको छ कि उपसमितिका सदस्य यातनाविस्तृको समितिको सदस्य पनि हुनुहुँदैन । यस्तो पार्थक्यले पक्षराष्ट्रको महासन्धिसँगको अनुपालनमा समितिको सार्वजनिक निगरानी र व्यक्तिगत उजुरीमा उसको चासोसँग सम्बन्धित दुवै निकायको भिन्न प्रकृतिका रोकथाम र अर्धन्यायिक पद्धतिमा आउनसक्ने भ्रमलाई रोकदछ । उपसमितिको पहिलो १० सदस्यमध्ये कोही पनि यातनाविस्तृको समितिको सदस्य थिएनन् ।

### ३

#### ५.१.१ आलेखको सम्बन्धमा यातनाविस्तृको समितिको अधिकार

आलेखको सम्बन्धमा यातनाविस्तृको समितिसँग दुई महत्वपूर्ण अधिकार रहेको छ ।

- धारा १६(४) अन्तर्गत उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने र सार्वजनिक वक्तव्य जारी गर्ने अधिकार

माथि छलफल गरिएनुसार<sup>145</sup> कुनै पक्षराष्ट्रले आफ्नो दायित्वको सन्दर्भमा उपसमितिलाई असहयोग गरेको खण्डमा आलेखले समितिलाई रोकथाम उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्न सक्ने व्यवस्था प्रदान गरेको छ । यो सन्दर्भमा आलेखले समितिलाई विशेष अधिकार प्रदान गरेको छ । कुनै पक्षराष्ट्रले विशेष गरेर धारा १२ र १४ अन्तर्गत आफ्नो दायित्वको सम्बन्धमा वा उपसमितिको सिफारिस कार्यान्वयनको सन्दर्भमा असहयोग गरेमा उपसमितिले आफ्नो अधिकार कार्यान्वयनमा चुनौतीहरूको सामना गर्नुपर्ने हुन्छ । यीमध्ये कुनै दायित्वमा असहयोग भएमा उपसमितिले यातनाविस्तृको समितिलाई सूचना गर्ने निर्णय लिनसक्दछ । त्यसपछि समितिले आफ्नो विचार छलफल गर्न पक्षराष्ट्रलाई

<sup>142</sup> CAT, Annual report 2003, §14(A)(3).

<sup>143</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.914. See also commentary on Articles 16 and 24 in Chapter II of this manual.

<sup>144</sup> CAT, Annual report 2003, §14(B).

<sup>145</sup> See Section 4.7.3 of this chapter.

अवसर प्रदान गर्नसकदछ । यसपछि समितिको सदस्यको बहुमतले रोकथामविरुद्धको उपसमितिको सम्बन्धित प्रतिवेदन र/वा उपसमितिको सार्वजनिक वक्तव्य प्रकाशन गर्ने अधिकार प्रदान गर्नसकदछ । यो व्यवस्थाले रोकथामविरुद्धको उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिलाई समान स्थान प्रदान गरी दुवै निकायबीचको सम्बन्धलाई अझ प्रबल बनाउँदछ ।

सहयोग गर्ने आफ्नो दायित्व पूरा गर्न अनिच्छुक कुनै पनि पक्षराष्ट्रले गोपनीयताको सिद्धान्तबाट कुनै प्रकारको फाइदा नलिउन् भन्ने उद्देश्यका लागि यो प्रक्रिया एक आवश्यक सुरक्षाको उपाय हो । गोपनीयताको सिद्धान्तको एकमात्र उद्देश्य भनेको पक्षराष्ट्रसँगको सहकार्य र रचनात्मक संवादका लागि उचित संरचना प्रदान गर्ने हो । उपसमितिले प्रभावकारी रूपमा कार्य सम्पादन गर्न अक्षम हुनुको पछाडि आफ्नै कुनै त्रुटिको फल नभई सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको असहयोगको कारणले गर्दा भएको हो भन्ने कुराको प्रदर्शन गर्नका लागि यो सिद्धान्त अति फलदायी रहेको छ ।<sup>146</sup> हुनत यो प्रक्रियालाई पनि अझैसम्म प्रयोग गरिएको छैन ।

- धारा २४(२) अन्तर्गत (आलेखको भाग ३ अन्तर्गत) रोकथाम उपसमिति वा (भाग ४ अन्तर्गत) राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूका सन्दर्भमा पक्षराष्ट्रको दायित्वको अस्थायी स्थगनलाई लम्ब्याउने अधिकार<sup>147</sup>

ऐच्छिक आलेखले सम्बिको पक्षराष्ट्र बन्न इच्छुक कुनै पनि राष्ट्रलाई थप समय प्रदान गर्न चाहेको हुन्छ । यही समयमा उक्त सम्बिका उल्लिखित दायित्वको सर्वोत्तम कार्यान्वयन कसरी गर्ने भन्ने कुरा मनन गर्न पनि सम्बिको पक्षराष्ट्र बन्न इच्छुक रहेका राष्ट्रहरूलाई अवसर मिल्दछ । धारा २४ अनुसार पक्षराष्ट्रहरूले सम्बिका अनुमोदनकै समयमा भाग ३ अन्तर्गत रोकमथाम उपसमिति वा भाग ४ अन्तर्गत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रप्रति आफ्नो दायित्वलाई अस्थायी रूपमा स्थगित गर्ने कुराको घोषणा गर्न सक्दछन् ।<sup>148</sup> हालसम्म जर्मनी, काजकस्तान, मोन्टेनेग्रो र रोमानिया गरी जम्मा चारओटा पक्षराष्ट्रले धारा २४

<sup>146</sup> For further explanation of this provision, see Ann-Marie Bolin Pennegard, *An Optional Protocol, Based on Prevention and Cooperation*, in Bertil Duner (ed.), *An End to Torture: Strategies for its Eradication*, Zed Books, London, 1998, p.48.

<sup>147</sup> See also Section 3 of Chapter IV of this manual; and the commentary on Article 24(2) in Chapter II.

<sup>148</sup> See commentary in Chapter II of this manual.

अन्तर्गत रोकथाम संयन्त्रको गठनको सन्दर्भमा आफ्नो दायित्वलाई स्थगित गर्ने घोषणा गरेका भएता पनि रोकथाम उपसमितिको सन्दर्भमा भने यस्तो निर्णय लिइएको छैन ।

स्थगनको समयावधि लम्ब्याउने अनुरोधको निर्णय यातनाविरुद्धको समितिको स्वीकृतिमा निर्भर रहन्छ । समितिले आफ्नो निर्णय रोकथाम उपसमितिसँगको परामर्शपश्चात् पक्षराष्ट्रको सूचनाका आधारमा लिनु पर्दछ । यस्तो समयावधि लम्ब्याउने कुराको निर्णय लिनुपूर्व छलफल र परामर्शको आवश्यकता रहने कुराले रोकथाम उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिबीचको सम्बन्धलाई अझ मजबुत तुल्याउन सहयोग गर्दछ । माथि उल्लिखित पक्षराष्ट्रहरू धारा २४ द्वारा प्रदत्त ३ वर्षे सुरुआती स्थगनकालमा नै रहेकाले हालसम्म कुनै पनि त्यस्तो स्थगनको समयावधि लम्ब्याउने अनुरोध प्रस्तुत गरिएको छैन ।

## ३

### ५.१.२ उपसमितिका वार्षिक प्रतिवेदन

आलेखको सम्बन्धमा यातनाविरुद्धको समितिलाई विशेष अधिकार दिइनुका अतिरिक्त यस सचिल्ले उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदनको सम्बन्धमा पनि विशेष प्रक्रिया स्थापित गरेको छ । धारा १६(३) ले उपसमितिलाई आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदन यातनाविरुद्धको समितिसमक्ष पेश गर्नुपर्ने उल्लेख गरेको छ । उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदन प्रायः सार्वजनिक रहने समितिको मे महिनाको अधिवेशनका दौरान प्रस्तुत गरिन्छ । उक्त अधिवेशन यातनाविरुद्धको समिति र रोकथाम उपसमितिका सदस्यका लागि आम चासोका मुद्दामा आफ्नो विचार आदानप्रदान गर्ने उपयुक्त अवसर भएकाले पनि उपसमितिका प्रतिवेदन त्यही समयमा प्रस्तुत गर्ने गरिन्छ ।<sup>149</sup>

ऐच्छिक आलेखको धारा १०(३) ले कम्तीमा पनि वर्षको एकपटक रोकथाम उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिको अधिवेशन एक साथ बस्नुपर्ने उल्लेख गरेको छ । यस्तो अधिवेशन प्रायः नोभेम्बरमा बस्ने गर्दछ । यस्ता अधिवेशनले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र, देशभ्रमण र तिनीहरूको समय तालिकाजस्ता आम चासोका मुद्दामा दुवै निकायका सदस्यबीच सूचना आदानप्रदान गर्ने अवसर प्रदान गर्दछ ।<sup>150</sup> यस अधिवेशनले शारीरिक रूपमा अशक्त व्यक्तिका अधिकार र यातनाविरुद्धको समिति र रोकथाम उपसमितिका

<sup>149</sup> SPT, Second annual report, §43.

<sup>150</sup> SPT, Second annual report, §43.

## यातना रोकथाम उपसमिति

लागि तिनीहरुको तात्पर्यजस्ता विशेष मुद्दामा छलफल गर्नका लागि पनि अवसर प्रदान गर्दछ ।<sup>151</sup>

यसका अतिरिक्त उपसमितिको अध्यक्षले उपसमितिको वार्षिक प्रतिवेदन अक्टोबरमा राष्ट्रसंघीय महासभाको तेस्रो समिति (Third Committee) मा प्रस्तुत गर्ने अभ्यास चलिरहेको छ । यातनाविरुद्धको समिति र यातनाविरुद्ध राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदकले पनि आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदन यही समयमा पेश गर्ने गरेका छन् ।

### ५.७.३ सूचना आदानप्रदान

सन् २००३ मा आलेखद्वारा रोकथाम उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिबीच सहकार्य र सहयोग “वाञ्छनीय र आवश्यक” रहेको भन्ने कुराको ठहर यातनाविरुद्धको समितिले गन्यो ।<sup>152</sup> सन् २००३ मा आफूले अनुमोदन गरेको नीति निर्देशनमा समितिले सहयोग र सूचना आदानप्रदानलाई सहज बनाउन ठोस उपायहरू प्रस्ताव गन्यो । पहिलो प्रस्तावअन्तर्गत समितिले आफ्नो एक वा केही सदस्यलाई उपसमितिको कार्यविधि नियमावलीको मस्यौदा तयार गर्ने र अनुमोदनमा समर्पित भएको उपसमितिको अधिवेशनमा पर्यवेक्षकको रूपमा सहभागी गराउने प्रस्ताव गन्यो ।<sup>153</sup> समितिले कार्यविधि नियमावलीलाई अन्तिम रूप दिन यस्ता छलफल संयुक्त बैठकद्वारा पालना गरिनुपर्ने भनी सुझाव दियो ।<sup>154</sup> सन् २००३ मा समितिले उपसमिति र समितिका सदस्य रहनेगरी एक “सहकार्यका लागि स्थायी समिति” को स्थापना हुनुपर्ने पनि सुझाव दियो ।<sup>155</sup> यसको फलस्वरूप रोकथाम उपसमिति र यातनाविरुद्धको समितिले सूचना आदानप्रदानलाई सहज पार्न प्रत्येक सन्धि निकायबाट दुई सदस्य रहनेगरी एक “सम्पर्क समूह” (contact group) को स्थापना गरेको छ ।<sup>156</sup>

यातनाका मुद्दामा मात्र नभई ऐच्छिक आलेख र रोकथाम संयन्त्रहरूसँग सम्बन्धित मुद्दामा पनि यातनाविरुद्धको समिति रोकथाम उपसमितिको लागि एक उपयोगी स्रोत सिद्ध भएको

<sup>151</sup> SPT, Third annual report, §54.

<sup>152</sup> CAT, Annual report 2003, §14(A)(3).

<sup>153</sup> CAT, Annual report 2003, §14(A)(3).

<sup>154</sup> APT interview with the SPT Chairperson, Victor Rodriguez Rescia, 21 June 2010.

<sup>155</sup> CAT, Annual report 2003, §14(A)(3).

<sup>156</sup> SPT, First annual report, §33.

छ भने रोकथाम उपसमिति पनि यातनाविरुद्धको समितिका लागि उत्तिकै उपयोगी रहेको छ । उदाहरणका लागि पक्षराष्ट्रले महासचिविन्तर्गत पेश गर्नुपर्ने प्रतिवेदनको अध्ययन गरिसकेपछि यातनाविरुद्धको समितिले ऐच्छिक आलेखको अनुमोदनका लागि रीतपूर्वक सिफारिस गर्ने नीति लिएको छ ।<sup>157</sup> यसका अतिरिक्त आलेखअन्तर्गतका पक्षराष्ट्रबाट राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन, स्थापना र क्रियाकलापमा सूचना मान्ने नीति पनि अवलम्बन गरेको छ । समितिले यस्ता मुद्दाको सिफारिस पनि प्रकाशित गर्ने गरेको छ ।<sup>158</sup> तसर्थ उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदनमा नियमित रूपमा यातनाविरुद्धको समितिलाई उद्धृत गर्दछ ।<sup>159</sup> यसका अलावा यातनाविरुद्धको समितिमा पेश भएका आलेख पक्षराष्ट्रका प्रतिवेदन र पक्षराष्ट्रलाई यातनाविरुद्धको समितिको सिफारिस यातना रोकथाम उपसमितिलाई विशेष गरेर देशभ्रमणको तयारीका लागि सूचनाको अति उपयोगी स्रोत बनेको छ ।<sup>160</sup> त्यसैगरी रोकथाम उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदन र गोप्य राष्ट्रिय प्रतिवेदन<sup>161</sup> (country briefs) हरू यातनाविरुद्धको समितिका आफ्नै क्रियाकलापका लागि अति उपयोगी रहेका छन् ।

## ५.२ राष्ट्रसंघीय अन्य निकाय र संयन्त्रहरूसँग सहकार्य

राष्ट्रसंघका अन्य सचिविन्तर्गत निकाय र विशेषज्ञहरूसँग पनि यस्तै यातना रोकथामका मुद्दा समाविष्ट भएको अधिकार रहेको छ । कालान्तरमा उपसमितिले सबैसँग नभएता पनि यस्ता धेरै निकायसँग सहयोगी सम्बन्ध विस्तार गर्ने अपेक्षा राखिएको छ ।

<sup>157</sup> CAT, Annual report 2003, §2. In 2009, the CAT recommended the ratification of the OPCAT to all non-States Parties to the OPCAT (including Chad, Israel, the Philippines, Colombia, El Salvador, Slovakia and Yemen). For further information, see [www.ohchr.org](http://www.ohchr.org).

<sup>158</sup> CAT, Annual report 2003, §2. For instance, the CAT provided Moldova with detailed recommendations on the functioning of its NPM. See CAT, Concluding observations of the Committee against Torture on Moldova, UN Doc. CAT/C/MDA/CO/2, 19 November 2009, §13.

<sup>159</sup> SPT, Third annual report, §62.

<sup>160</sup> For further information, see Section 4.4.1 of this chapter.

<sup>161</sup> The SPT has adopted the practice of sending its confidential country briefs to the CAT on a confidential basis. APT interview with the SPT Chairperson, Victor Rodriguez Rescia, 21 June 2010. For more information, see Section 4.4.2 of this chapter.

### ५.२.१ राष्ट्रसंघीय सन्धि निकायहरू

माथि छलफल गरिएअनुरूप<sup>162</sup> उपसमितिले आफ्नो भ्रमण प्रतिवेदनमा सम्बन्धित सन्धि निकायहरूको राय सुझावलाई नियमित रूपमा उद्धृत गर्ने गरेको छ |<sup>163</sup> व्यक्तिगत उजुरी प्राप्त गर्ने सन्धि निकायहरूको विधिशास्त्र र सन्धि निकायका लागि पक्षराष्ट्रका आवधिक प्रतिवेदन र त्यसको फलस्वरूप सन्धि निकायहरूबाट प्राप्त हुने राय सुझाव नै उपसमितिले सूचना प्राप्त गर्ने प्रमुख स्रोत हुन् । राष्ट्रसंघका विभिन्न सन्धि निकायले आफ्नै आधिकारअनुसार यातना तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहारसँग सम्बन्धित मुद्दामा छानबिन गर्ने गरेका छन् । निम्नलिखित निकायले यातनासँग सम्बन्धित मुद्दाको छानबिन गर्दछ :

- राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार समिति
- महिलाविरुद्ध सबै प्रकारका भेदभाव उन्मूलन गर्ने संयुक्त राष्ट्रसंघीय समिति (the UN Committee on the Elimination of All Forms of Discrimination against Women)
- शारीरिक विकलाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको अधिकारका लागि संयुक्त राष्ट्रसंघीय समिति (the UN Committee on the Rights of Persons with Disabilities) ।
- बालअधिकारका लागि संयुक्त राष्ट्रसंघीय समिति (the UN Committee on the Rights of the Child)

यी सन्धि निकायका बीच सम्पर्क सहज बनाउन र यिनीहरूको प्रणालीको प्रभावकारितालाई अभिवृद्धि गर्न संयुक्त राष्ट्रसंघका सबै सन्धि निकायका अध्यक्षको बैठकमा र अध्यक्ष तथा प्रत्येक सन्धि निकायका एक एकओटा सदस्यको उपस्थिति रहने नियमित अन्तर समिति बैठकमा रोकथाम उपसमितिले पनि भाग लिने गरेको छ ।

### ५.२.२ मानवअधिकार परिषद्को संयुक्त राष्ट्रसंघीय विशेष कार्यविधि (Special Procedure)

संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार परिषद्ले स्थापना गरेका केही विशेष कार्यविधिले यस्ता कार्यादेश अवलम्बन गरेको छ जुन रोकथाम उपसमितिको चासोका मुद्दासँग अति नै

<sup>162</sup> See Section 5.1.3 of this chapter.

<sup>163</sup> SPT, First annual report, §50.

सम्बद्ध छन् । आफ्नो क्रियाकलापअन्तर्गत यस्ता धेरै विशेष कार्यविधिले मानवअधिकार उल्लंघनको घटनाका केही विशेष आरोपको सूचना लिने र जोखिममा रहेको भनी सूचित गएका व्यक्तिका सन्दर्भमा जारी गरिएको अर्जन्ट अपिल (urgent appeal) र तिनीहरुको अधिकार उल्लंघनसँग सम्बन्धित घटनाहरुको सूचनासम्बन्धित राष्ट्रको सरकारलाई प्रेषित गर्दछ । यस्ता कार्यदेश प्राप्त व्यक्तिले राष्ट्रिय स्तरमा मानवअधिकारको स्थितिको अनुसन्धान गर्न देशभ्रमण पनि सञ्चालन गर्दछन् । यद्यपि यस्ता भ्रमण गर्नुपूर्व तिनीहरुलाई सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको निमन्त्रणा चाहिन्छ ।<sup>164</sup>

उपसमितिको कार्यसँग अति नै सम्बन्धित यस विशेष कार्यविधि यातनाविरुद्ध संयुक्त राष्ट्रसंघको विशेष प्रतिवेदक हो । यद्यपि अन्य विशेष कार्यविधि पनि यसको चासोअन्तर्गत पर्न सक्दछन् ।

### ३

यातना रोकथाम उपसमिति

- the UN Special Rapporteur on extrajudicial, summary or arbitrary executions,
- the UN Special Rapporteur on the independence of judges and lawyers
- the UN Speacial Rapporteur on the promotion, protection of human rights while countering terrorism,
- स्वेच्छाचारी थुनाविरुद्ध संयुक्त राष्ट्रसंघीय कार्यदल<sup>165</sup> (the UN Working Group on Arbitrary Detention), र
- बाध्यत्मक वा अस्वैच्छिक बेपत्ताविरुद्ध संयुक्त राष्ट्रसंघीय कार्यदल (the UN Working Group on Enforced or Involuntary Disappearances)

हालका वर्षमा यी विशेष कार्यविधिले आफ्नो एजेन्डाअनुसार आलेखका मुद्दा पनि हेर्न थालेका छन् ।

<sup>164</sup> For more information, see the Special Procedures' webpage: <http://www2.ohchr.org/english/bodies/chr/special/index.htm>

<sup>165</sup> In its preliminary observations, the UN Working Group on Arbitrary Detention made recommendations on the functioning of the NPM following its 2009 visit to Malta. See Working Group on Arbitrary Detention, Report of the Working Group on Arbitrary Detention, Mission to Malta (19 to 23 January 2009), UN Doc. A/HRC/13/30/Add.2, 18 January 2010, §69-70.

आलेख कार्यान्वयनमा आएको बखत यातनाविरुद्ध राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदक म्यानफ्रेड नोवाक “यो नयाँ दस्तावेज विश्वव्यापी रूपमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि सबैभन्दा प्रभावकारी र नवीन पद्धति हो”<sup>166</sup> भन्ने कुरा व्यक्त गर्दछन् । अन्तमा आफ्नो कार्यकालका दौरान भ्रमण गरेका राष्ट्रमध्ये सातओटा राष्ट्रले आलेख अनुमोदन गरेको तथा चारओटाले रोकथाम संयन्त्र स्थापना गरेको कुरा उहाँले व्यक्त गर्नुभयो ।<sup>167</sup> आफूले भ्रमण गरेका राष्ट्रमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्रियाकलापको सार्वजनिक सिफारिस गर्दै “रोकथाम संयन्त्रलाई ख्वतन्त्रताको अभाव र बन्देजले उनीहरूको कार्यमा गम्भीर रूपले अड्चन पुग्ने कुरा नोवाकले नियमित रूपमा जोड दिनुभयो ।”<sup>168</sup> आम चुनौती र कार्यशैलीउपर छलफल गर्न रोकथाम उपसमितिले विशेषगरेर यातनाविरुद्ध राष्ट्रसंघीय विशेष प्रतिवेदकसँग निकट सम्पर्क कायम राखेको छ । यी दुई बीचको बैठक जेनेभामा हुने उपसमितिको अधिवेशनका दौरान नियमित रूपमा बस्ने गर्दछ ।<sup>169</sup>

३

#### ५.२.३ संयुक्त राष्ट्रसंघका अन्य निकायसँग सहकार्य

सम्बन्धित राष्ट्रसंघीय निकाय र संयन्त्रसँग सहकार्य गर्न आलेखले रोकथाम उपसमितिका लागि विशेष दायित्व खडा गरेको छ ।<sup>170</sup> हालका वर्षमा यस्तो सहकार्य विशेष गरेर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनालाई समर्थन गर्ने सम्बन्धमा बढी रहेको छ । उदाहरणका लागि दुईपक्षीय बैठक र सूचना आदानप्रदानको फलस्वरूप रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनको अन्तराष्ट्रिय समन्वय समिति (आइसिसि) का बीच निरन्तर रूपमा अन्तर्क्रिया र सहकार्य बढिरहेको छ ।<sup>171</sup> संयुक्त अधिवेशन र औपचारिक मान्यताप्राप्त वा समीक्षा प्रक्रियाबाट गुजिरहेको रोकथाम संयन्त्रको रूपमा

<sup>166</sup> Report of the UN Special Rapporteur on Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, UN Doc. A/61/259, 14 August 2006, §66.

<sup>167</sup> Human Rights Council, Report of the Special Rapporteur on torture and other cruel, inhuman or degrading treatment or punishment: Study on the phenomena of torture, cruel, inhuman or degrading treatment or punishment in the world, including an assessment of conditions of detention, UN Doc. A/HRC/13/39/Add.5, 5 February 2010, §158.

<sup>168</sup> Report of the Special Rapporteur on Torture, Study on the phenomena of torture, §162.

<sup>169</sup> SPT, First annual report, §35.

<sup>170</sup> OPCAT, Article 11(c).

<sup>171</sup> SPT, Third annual report, §61.

गठन भएका राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनको गोप्य सूचना आदानप्रदानको माध्यमले राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनका Sub-Committee on Accreditation सँग आफ्नो प्रत्यक्ष सम्पर्क र अन्तक्रियालाई मजबुत बनाउने योजना रोकथाम उपसमितिको रहेको छ ।

पक्षराष्ट्रले आफ्ना रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाहुँ<sup>172</sup> पेरिस सिद्धान्त<sup>173</sup> लाई उचित सम्मान गरेस् भनी आलेखले सुझाव गर्न भएकाले यी माथि उल्लिखित कुराहरू अति महत्वपूर्ण रहेका छन् । यद्यपि आलेखको यो सुभावलाई पेरिस सिद्धान्तअन्तर्गत स्थापित राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनलाई स्वतः रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश प्रदान हुन्छ भन्नेगरी व्याख्या गरिनुहुँदैन ।<sup>174</sup> केही राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनहरूले रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश पनि ग्रहण गरेको तथ्यले राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठन र रोकथाम संयन्त्रको सम्बन्धनको मुद्दालाई उठाएको छ । The ICC Sub-committee on Accreditation ले राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनको कार्य पेरिस सिद्धान्तको भावनाअनुरूप भए नभएको मूल्यांकन गर्दछ । यस सन्दर्भमा “पेरिस सिद्धान्त अनुपालनको विज्ञप्ति” (स्वीकृति दिनका लागि अनुपालन मूल्यांकन गर्नका लागि मापदण्ड)<sup>175</sup> लाई रोकथाम संयन्त्रको जारी विकासका लागि उपसमितिको प्रारम्भिक मार्गदर्शनको अनुरूप रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनाजस्ता सूचना समावेश गर्नका लागि सन् २००९ को जुनमा अद्यावधिक गरियो । यद्यपि राष्ट्रिय मानवअधिकार संगठनलाई स्वीकृति दिने प्रक्रिया अनुपूरक संयन्त्रमात्र हो र यसलाई रोकथाम संयन्त्रलाई स्वीकृति दिनका लागि प्रयोग गरिनुहुँदैन<sup>176</sup>

सहयोगको त्यही उत्साहमा उपसमितिले “आप्रवासमा राखिएका व्यक्तिका लागि गरिने उपसमितिको भ्रमणलाई अभ बढी प्रभावकारी बनाउनका लागि” सूचना आदानप्रदान गर्न शरणार्थीसम्बन्धीय उच्च आयुक्तसँग संवाद स्थापित गरेको छ ।<sup>177</sup>

<sup>172</sup> Principles relating to the status and functioning of national institutions for the promotion and protection of human rights (the ‘Paris Principles’), UN Doc. GA Res 48/134, 20 December 1993.

<sup>173</sup> OPCAT, Article 18(4).

<sup>174</sup> For further information, see Section 7.2 of Chapter IV of this manual.

<sup>175</sup> For further information, see <http://nhri.net>.

<sup>176</sup> SPT, Third annual report, §61. See also OPCAT Research team: University of Bristol, Relationship between Accreditation by the International Coordinating Committee of National Human Rights Institutions and the Optional Protocol to the UN Convention Against Torture, University of Bristol, Bristol, November 2008.

<sup>177</sup> SPT, Third annual report, §63.

## ५.३ क्षेत्रीय निकायसँग सहकार्य<sup>१७८</sup>

आलेखको धारा ३१ ले हिरासत अनुगमन गर्ने क्षेत्रीय निकायहरूसँग परामर्श र सहकार्य गर्न उपसमितिलाई प्रोत्साहन गर्दछ । यस प्रावधानले रोकथामका प्रयासलाई दोहोरिनबाट रोकदै यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामको कार्यलाई अभ अगाडि बढाउने उद्देश्य लिएको छ । विशेषगरेर क्षेत्रीय अनुगमन संयन्त्रका सन्दर्भमा क्षेत्रीय सम्झौताअन्तर्गत पक्षराष्ट्रका दायित्वलाई आलेखको हस्ताक्षर, सहमति र अनुमोदनले कुनै असर पुऱ्याउँदैन । देरै क्षेत्रीय निकायसँग उपसमितिको जस्तै अनुगमनको कार्यादेश रहेको छ ।

### ● अफ्रिका

अफ्रिकाको यातना रोकथाम समितिसँग (सिपिटिए, जसलाई फलोअप कमिटि दु द रोबेन आइल्याप्ड गाइडलाइन्स भनेर चिनिन्थ्यो) यातना रोकथामको सन्दर्भमा उपसमितिसँग भन्दा बढी अधिकार रहेको छ र यो समिति अफ्रिकामा अवस्थित रोकथाम उपसमितिको प्रमुख साफेदार पनि हो ।<sup>१७९</sup>

उपसमिति र पूर्व RIG कमिटीले सन् २००९ मा सहकार्यको आधार सुरु गरे । उक्त आधारको सुरक्षात RIG कमिटीका अध्यक्षले आम चासोका मुद्दाउपर छलफल गर्न र सर्वोत्तम अभ्यास बाँड्ने हेतुले उपसमितिका सम्पूर्ण सदस्य उपरिथित हुने एउटा अधिवेशनका दौरान उपसमितिको भ्रमण गरेपश्चात् भएको हो ।<sup>१८०</sup> यो सहकार्यलाई यातना रोकथामका मुद्दामा केन्द्रित सन् २००९ को बेनिनको संयुक्त समर्थन भ्रमण (promotional visit) द्वारा मजबूत बनाइएको थियो । RIG कमिटीका सदस्यको साथमा उपसमितिको एक जना सदस्य पनि रहेको थियो जसले स्रोत व्यक्तिका रूपमा आफ्नो कार्य सम्पादन गरेको थियो ।<sup>१८१</sup> यस प्रकारको संयुक्त क्रियाकलापले यी दुई निकायका बीच संवाद र सहकार्यलाई अझ मजबूत पार्न सहयोग गर्दछ ।

<sup>१७८</sup> See Section 7.6 of Chapter V of this manual.

<sup>१७९</sup> For further information, see the website of the CPTA: [http://www.achpr.org/english/\\_info/index\\_RIG\\_Under\\_en.htm](http://www.achpr.org/english/_info/index_RIG_Under_en.htm). See also APT, *Africa torture prevention Conference (Discussion Document)*, 27-28 April 2010, Dakar: available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>१८०</sup> SPT, Third annual report, §67.

<sup>१८१</sup> See the website of the CPTA: [http://www.achpr.org/english/\\_info/index\\_RIG\\_Under\\_en.htm](http://www.achpr.org/english/_info/index_RIG_Under_en.htm)

हिरासत अनुगमन गर्नका लागि एउटा अर्को अफ्रिकी संयन्त्रको पनि स्थापना भएको छ । यस संयन्त्रको नाम the Special Rapporteur on Prisons and Conditions of Detention in Africa of the African Commission on Human and Peoples' Rights हो ।<sup>182</sup> वर्तमान सिपिटिएका अध्यक्ष नै यस संयन्त्रको विशेष प्रतिवेदक भएकाले उपसमितिसँगको सहकार्य सहज हुने देखिन्छ ।

### • अमेरिकी महाद्वीप

मानवअधिकारसम्बन्धी अन्तर अमेरिकी आयोग (आइएसिएचआर) ले thematic / country rapporteurships को स्थापना गरेको छ जसलाई अमेरिकी महाद्वीपका सबै राज्यमा भ्रमण सञ्चालन गर्ने अधिकार रहेको छ । स्वतन्त्रताबाट विमुख व्यक्तिका अधिकारका लागि विशेष प्रतिवेदक (the Rapporteur on the Rights of Persons Deprived of their Liberty) सँग थुनास्थलहरूमा अवलोकन भ्रमण सञ्चालन गर्ने विशेष अधिकार रहेको छ ।<sup>183</sup> सहकार्य र संवाद आइएसिएचआर र रोकथाम उपसमितिका सचिवबीचको नियमित सम्पर्कद्वारा र आइएसिएचआर रोकथाम उपसमितिको र उपसमिति आइएसिएचआरको अधिवेशनमा सहभागी भएर गरिन्छ । उदाहरणका लागि सन् २००९ मा आइएसिएचआरको सचिव जेनेभामा सम्पन्न रोकथाम उपसमितिको कार्यकारी बैठकमा सहभागी भए भने उपसमितिका सदस्यले वासिङ्गटनमा सम्पन्न आइएसिएचआरको सार्वजनिक सुनुवाइ र पूर्णाधिवेशनको कार्यक्रममा भाग लिएका थिए । यस्ता सम्पर्कले विशेषगरेर रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित सूचना आदानप्रदान र देशभ्रमण मिसनको योजना निर्माण गर्नेजस्ता कुरालाई सहज बनाएको थियो ।<sup>184</sup>

### • युरोप

इसिपिटिद्वारा स्थापित सिपिटिले ४७ ओटा युरोपेली परिषद्का सदस्य राष्ट्रको सबै हिरासतमा नियमित रूपमा रोकथाम भ्रमण सञ्चालन गर्दै आइरहेको छ । हालसम्म

<sup>182</sup> For further information, see the website of the Special Rapporteur on Prisons: [http://www.achpr.org/english/\\_info/index\\_prison\\_en.html](http://www.achpr.org/english/_info/index_prison_en.html)

<sup>183</sup> Other Rapporteurships may be of interest to the SPT, including the Rapporteur on the Rights of Women, the Rapporteur on the Rights of the Child, and the Rapporteur on the Rights of Migrant Workers and Their Families. For further information, see the website of the IACtHR: [www.cidh.oas.org](http://www.cidh.oas.org).

<sup>184</sup> See SPT, Third annual report, §66; and SPT, Second annual report, §53.

परिषद्का २७ सदस्य राष्ट्रले ऐच्छिक आलेखलाई पनि अनुमोदन गरिसकेका छन् ।<sup>185</sup> यी राष्ट्रहरूमा स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका स्थानको भ्रमण सिपिटि र रोकथाम उपसमिति दुवैले सञ्चालन गर्ने गरेका छन् । युरोपेली क्षेत्रमा रोकथामको अखिलयार पाएका यस्ता थुप्रै निकायको अस्तित्व रहेकाले विशेषगरेर सहकार्य, सूचनाको आदानप्रदान, सिफारिस कार्यान्वयन, कामको अनुलिपीकरण र मापदण्डको अनुरूपता जस्ता चुनौती देखा परेका छन् ।<sup>186</sup>

ऐच्छिक आलेख र इसिपिटि दुवैको पक्ष रहेका युरोपेली राष्ट्रले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको प्रत्युत्तर भएमा सोसहित सिपिटिको भ्रमण प्रतिवेदन गोप्य रूपमा तत्काल रोकथाम उपसमितिमा पठाउनु पर्दछ<sup>187</sup> भन्ने सोच सिपिटिको रहेको छ । यसले उपसमिति र सिपिटिबीचको परामर्श “सबै सम्बन्धित तथ्यको आधारमा भएको”<sup>188</sup> भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्न मद्दत गर्नुका साथै यसले मापदण्डहरूमा एकरूपता ल्याउन मद्दत गर्दछ । यद्यपि यो प्रस्ताव कार्यान्वयनका लागि पक्षराष्ट्रद्वारा इसिपिटिको संशोधन गरिनुपर्ने आवश्यकता नभएता पनि यो प्रक्रिया कार्यान्वयनका सन्दर्भमा कुनै सार्वजनिक सूचना उपलब्ध छैन ।<sup>189</sup>

सर्वोत्तम प्रयासहरूमा सूचना आदानप्रदान गर्न र देशभ्रमण मिसनको योजना समन्वय गर्ने हेतुले उपसमितिले सचिवालयहरू बीच नियमित सम्पर्क स्थापना गर्दै सिपिटिसँग नजिकको सम्बन्ध स्थापना गरेको छ । रोकथाम उपसमितिको कार्यकालको सुरक्षा वर्षमा उपसमितिका धेरै वर्तमान र निर्वर्तमान सदस्य सिपिटिका वर्तमान र निर्वर्तमान सदस्य पनि थिए भन्ने तथ्यले यी दुइबीचको सम्पर्क सहज बनाएको थियो । यी दुई निकायबीचको सम्बन्ध अहिले आएर औपचारिक र संस्थागत भएलगतै आलेख र इसिपिटिका पक्षराष्ट्रलाई दोहोरो सदस्यताले (double concurrent membership) उठाउने सम्भावित चुनौतीलाई उचित ध्यान दिन प्रोत्साहित गरिन्छ ।<sup>190</sup>

<sup>185</sup> More information is available via the APT's website: [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>186</sup> For further information, see ‘Background paper’, APT-CPT Conference: New Partnerships in Torture Prevention in Europe region, 6 November 2009, p.6. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>187</sup> CPT, 16th General Report on the CPT's activities, covering the period 1 August 2005 to 31 July 2006, CPT/Inf (2006) 35, 16 October 2006, Preface.

<sup>188</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1159.

<sup>189</sup> Nowak and McArthur, *The UNCAT*, p.1159.

<sup>190</sup> See Section 2.2.3 of this chapter.

क्षेत्रीय तहमा काम गर्ने अन्य निकायले पनि उपसमितिसँग सहकार्य गर्नु पर्दछ । उदाहरणका लागि उपसमितिले the Office for Democratic Institutions and Human Rights of the Organization for Security and Cooperation in Europe(OSCE) सँग सहकार्य गर्न खोजेको छ । ओएससिइ आफ्नो कार्य क्षेत्रभित्र आलेखसँग सम्बद्ध मुद्दामा सक्रिय रहिआएकाले यस क्षेत्रमा यसको उपस्थिति सरहानीय छ । ओएससिइ संसारको सबैभन्दा तुलो क्षेत्रीय सुरक्षा संस्था हो जसमा युरोप, मध्य एशिया र उत्तर अमेरिकाका गरी कुल ५६ संलग्न पक्षराष्ट्र रहेका छन् ।<sup>191</sup>

#### ५.४ अन्तर्राष्ट्रिय रेडक्रस समिति (आइसिआरसि) सँग सहकार्य

**३**  
अन्तर्राष्ट्रिय रेडक्रस समितिले ऐच्छिक आलेखलाई अस्तित्वमा ल्याउन अभिप्रेरित गरेको कुरालाई हृदयंगम गरी यो सन्धिले अन्तर्राष्ट्रिय मानवीय कानुनअन्तर्गत पक्षराष्ट्रका दायित्वहरू आलेखको हस्ताक्षर, अनुमोदन वा मञ्जुरीबाट अक्षुण्ण रहने कुरा स्पष्ट रूपले व्यक्त गरेको छ । जेनेभा महासन्धिहरू र यसका अतिरिक्त आलेखले<sup>192</sup> अन्तर्राष्ट्रिय मानवीय कानुनको आधारशील खडा गर्ने भएकाले यी महासन्धि र यिनका आलेखले सशस्त्र द्वन्द्वका दौरान व्यक्तिलाई सुरक्षा प्रदान गर्नुका साथै आइसिआरसिलाई हिरासत अनुगमन गर्न पनि सक्षम बनाउँदछ । जेनेभा महासन्धिअनुसार अन्तर्राष्ट्रिय सशस्त्र द्वन्द्वका समयमा आइसिआरसिलाई युद्धबन्दी, थुनामा राखिएका सर्वसाधारण, अन्य "संरक्षित व्यक्ति"लाई राखिएको वा राखिएको हुनसक्ने सबै थुनास्थलको अनुगमन

<sup>191</sup> For further information, see the OSCE's website: [www.osce.org](http://www.osce.org).

<sup>192</sup> Diplomatic Conference of Geneva of 1949, Convention (I) for the Amelioration of the Condition of the Wounded and Sick in Armed Forces in the Field, Geneva, 12 August 1949; Convention (II) for the Amelioration of the Condition of Wounded, Sick and Shipwrecked Members of Armed Forces at Sea, Geneva, 12 August 1949; Convention (III) Relative to the Treatment of Prisoners of War, Geneva, 12 August 1949; Convention (IV) Relative to the Protection of Civilian Persons in Time of War, Geneva, 12 August 1949; Protocol Additional to the Geneva Conventions of 12 August 1949, and relating to the Protection of Victims of International Armed Conflicts (Protocol I), 8 June 1977; Protocol Additional to the Geneva Conventions of 12 August 1949, and relating to the Protection of Victims of Non-International Armed Conflicts (Protocol II), 8 June 1977; and Protocol additional to the Geneva Conventions of 12 August 1949, and relating to the Adoption of an Additional Distinctive Emblem (Protocol III), 8 December 2005.

## यातना रोकथाम उपसमिति

गर्नसक्ने अधिकार रहेको छ ।<sup>193</sup> सशस्त्र गृहयुद्धका समयमा होस् वा शान्ति भएको बेला पक्षराष्ट्रले आइसिआरसिले गर्ने हिरासत अनुगमनलाई मञ्जुरी दिनसकदछ ।

तसर्थ थुनास्थलका सन्दर्भमा आलेखका निकायसँग बृहत् अधिकार भएता पनि आइसिआरसि र आलेखका निकायले गर्ने कार्य उल्लेख्य रूपमा मिल्दोजुल्दो हुने सम्भावना रहन्छ । आलेखको धारा ३२ ले आलेखका निकायले आइसिआरसिको कार्यलाई पूरा गर्ने र आफ्ना क्रियाकलाप दोहोरिने वा कमजोर हुने खालका कार्य हुन नदिने कुराको सुनिश्चित गर्ने उद्देश्य लिएको छ । उपसमिति र रोकथाम संयन्त्रहरूको हिरासतसम्बन्धको पैँहुचको अधिकारलाई पक्षराष्ट्रहरूले आइसिआरसिको भ्रमणलाई वजिच्च गर्ने बहानामा प्रयोग गर्नुहुँदैन । यद्यपि उपसमिति, पक्षराष्ट्र र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले कुनै पनि कार्य दोहोरिन नदिन आइसिआरसि र आलेखसम्बद्ध निकायहरू (विशेषगरेर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र) ले कसरी सहकार्य गर्दछन् भन्ने मनन गर्नु पर्दछ ।<sup>194</sup> उपसमितिले आइसिआरसिसँग सहयोगी सम्बन्ध विस्तार गरिसकेको छ । उदाहरणका लागि उपसमितिका सदस्यले आइसिआरसिले सञ्चालन गर्ने हिरासत अनुगमन प्रशिक्षण लिएका छन् ।<sup>195</sup> आलेखसम्बद्ध पक्षराष्ट्रमा आइसिआरसिको एक प्रतिनिधि मण्डल रहेको बखत उपसमितिको देशभ्रमण सुरु हुनुअगावै आइसिआरसिसँग प्रत्यक्ष अन्तर्क्रिया र रणनीतिक कार्ययोजनाका बारे छलफल हुनु आवश्यक हुन्छ ।

### ६. उपसमितिसँग नागरिक समाजको संलग्नता

आलेखको धारा ११(ग) अनुसार उपसमितिलाई “यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्ध व्यक्तिहरूको संरक्षणलाई मजबुत गर्न कार्यरत संघसंस्था” सँग सहकार्य गर्ने दायित्व रहेको छ । अन्तर्राष्ट्रिय र राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थाले आलेख निर्माणका दौरान उल्लेखनीय भूमिका निर्वाह गरेका थिए । अतः उपसमितिले राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय तहमा नागरिक समाजका संघसंस्थासँगको सहकार्यको महत्वलाई राम्ररी बुझेको छ ।<sup>196</sup>

<sup>193</sup> For more information on the activities of the ICRC, see [http://www.icrc.org/Web/Eng/siteeng0.nsf/htmlall/section\\_protection?OpenDocument](http://www.icrc.org/Web/Eng/siteeng0.nsf/htmlall/section_protection?OpenDocument).

<sup>194</sup> For more information, see commentary on Article 32 in Chapter II of this manual; and also APT, *NPM Guide*, p.91.

<sup>195</sup> SPT, First annual report, §40.

<sup>196</sup> SPT, First annual report, §60; and APT, *NPM Guide*, p.91.

## ६.१ रोकथाम उपसमितिको देशभ्रमणको सन्दर्भमा सहकार्य

हालका वर्षमा उपसमितिको भ्रमणपूर्व, भ्रमणका दौरान र भ्रमणपश्चात् उपसमिति र राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय निकायले एकअर्कसँग अन्तर्क्रिया गर्नुका साथै सहयोगी सम्बन्ध स्थापना गरेका छन् ।

### • उपसमितिको देशभ्रमण तयारी

उपसमितिले गर्ने भ्रमणको प्रभावकारितालाई बढाउनका लागि उपसमितिले आफ्नो भ्रमणको कार्यक्रम सार्वजनिक गरेपश्चात् (प्रायः कार्यक्रम सुरु हुनुभन्दा एक वर्ष पहिला नोभेम्बरमा) सम्बन्धित राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक समाजका निकायलाई तदारुकताका साथ उपसमिति सचिवालयसँग आफ्नो प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापना गर्ने प्रोत्साहित गरिन्छ । स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका स्थानको राष्ट्रिय स्थिति र यातना तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहार रोकथामका लागि राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थाबाट आउने यथार्थ, सत्य र स्वतन्त्र सूचना सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले दिएको सूचनाका लागि एक उपयोगी पूरक हुन्छ । अतः कुनै पनि देशभ्रमण गर्नुपूर्व उपसमिति सचिवालयले नागरिक समाजका सम्बन्धित निकायलाई पनि सम्पर्क गर्नु पर्दछ ।

सम्भव भएसम्म उपसमितिलाई दोहोरिएको वा विरोधाभासपूर्ण सूचना पठाउनबाट रोक्न नागरिक समाजका निकायले आफ्नो योगदानलाई समन्वय गरेको खण्डमा त्यस्तो प्रकारको त्रुटि हटाउन सहयोग मिल्दछ । उपसमितिलाई निम्नालिखित कुराको सूचना पठाइनु पर्दछ :

- यातना तथा अन्य प्रकारको दुर्व्यवहारको सम्भावित कारण र जोखिम
- आलेख कार्यान्वयनको मत अभिमतका सन्दर्भ
- उपसमितिलाई बैठकमा ध्यान दिनका लागि सुभावका सन्दर्भ
- उपसमितिलाई भ्रमण गर्न सिफारिस गर्दै पक्षराष्ट्रभित्रका हिरासतको जानकारी दिने<sup>197</sup>

<sup>197</sup> For further information, see APT, Role of civil society in preparation of SPT visits, APT Briefing Note 2, APT, Geneva, May 2008. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

आफूले पठाएको सूचना गोप्य राज्ञको लागि नागरिक समाजका संघसंस्थाले उपसमितिलाई अनुरोध गर्नसक्दछ ।<sup>198</sup> यसरी प्राप्त सूचना उपसमिति सचिवालद्वारा गोप्य राष्ट्रिय प्रतिवेदनमा संकलित गरिन्छ ।<sup>199</sup>

अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थालाई पनि उपसमितिसँग अन्तर्क्रिया गर्न प्रोत्साहित गर्दै उपसमितिसँग सम्बन्धित राष्ट्रको सूचना पठाउन आग्रह गरिन्छ । केही अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाले भ्रमण गरिनलागेको पक्षराष्ट्रमा उक्त भ्रमणपूर्व विभिन्न कुराहरुको व्यवस्थालगायतका काम गरेर उपसमितिको देशभ्रमणको तयारीका दौरान महत्वपूर्ण समर्थन र सहयोग गरेका छन् ।<sup>200</sup>

#### • उपसमितिको देशभ्रमणका दौरान सहकार्य

राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थाले उपसमितिको मिसनमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछन् । पक्षराष्ट्रहरुमा यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकथामको सूचना प्रदान गर्न यी संस्था सक्षम हुनुमा तिनीहरुको यस क्षेत्रमा बृहत् र गहिरो अनुभव सराहनीय छ । यस्ता सूचनाले उपसमितिलाई भ्रमण गर्न स्थानको पहिचान गर्न र (रोकथाम संयन्त्रको क्रियाकलापसँग सम्बन्धित सूचनालगायतका) मुख्य मुद्दाहरू छानबिन गर्न महत गर्दछ ।<sup>201</sup> अन्तमा उपसमितिले आफ्नो मिसनका दौरान प्रायः राष्ट्रिय स्तरका नागरिक समाजका संघसंस्थासँग बैठक गर्दछ । उदाहरणका लागि आफ्नो मालदिभ्स भ्रमणका दौरान “फौजदारी न्याय प्रशासनको कानुनी संरचनाको, थुनास्थलको र व्यवहारमा विद्यमान प्रणालीहरुले कसरी काम गरिरहेको छ भन्ने कुराको संक्षिप्त विवरण प्राप्त गर्न नागरिक समाजका सदस्यसँग बैठक बसेको कुरा”<sup>202</sup> उपसमितिले व्यक्त गरेको छ ।

#### • उपसमितिको देशभ्रमणको फलोअप

देशभ्रमणपश्चात् उपसमिति र नागरिक समाजका निकायबीचको अन्तर्क्रिया बढी अप्रत्यक्ष खालको हुनसक्दछ । यद्यपि नागरिक समाजका निकायले उपसमितिले गर्ने भ्रमणको फलोअपमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछन् । उदाहरणका लागि सम्बन्धित पक्षराष्ट्रद्वारा

<sup>198</sup> APT, *Role of Civil Society*, p.2.

<sup>199</sup> For further information, see Section 4.4.2 of this Chapter.

<sup>200</sup> SPT, Second annual report, §21; and SPT, Third annual report, Annex V. See also Section 4.4 of this chapter.

<sup>201</sup> See Sections 4.4.1-3 of this chapter.

<sup>202</sup> SPT, Report on the visit to the Maldives, §11.

तयार पारिएको उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदनको प्रकाशनमा अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थाले अभियान सञ्चालन गर्न सकदछन्।<sup>203</sup> यी संस्थाले उपसमितिको प्रतिवेदनका प्रत्युत्तरको मस्यौदा तयार गर्न र प्रकाशन गर्न पनि प्रोत्साहन गर्नसक्छन्। उपसमितिको भ्रमण प्रतिवेदन र त्यसमा पक्षराष्ट्रको प्रत्युत्तर सार्वजनिक गरिएमा नागरिक समाजका निकायले आफ्नै कार्यसँग सम्बन्धित क्षेत्रको नवीन तथ्य समावेश गरिएको सूचना प्रदान गर्दै ती दस्तावेजउपर आफूले टिप्पणी गर्नसक्दछन्। यसका अतिरिक्त तिनीहरूले निगरानीकर्ता (watchdog) को भूमिका निर्वाह गर्दै स्वतन्त्रताबाट वजित गरिएका स्थानको स्थिति र रोकथाम संयन्त्रहरूको विकासका सन्दर्भमा उपसमितिका सुझाव कार्यान्वयनको अनुगमन गर्नसक्दछन्।<sup>204</sup> यस सन्दर्भमा यी संस्थाले लिखित सूचनामार्फत उपसमिति सचिवालयलाई नियमित रूपमा नवीन तथ्य समाविष्ट सूचना प्रदान गर्नसक्दछन्।

### ३

यातना रोकथाम उपसमिति

यसका अतिरिक्त आलेखको धारा २६ द्वारा स्थापित विशेष कोषमार्फत देशभ्रमणको फलस्वरूप आएका उपसमितिका सुझाव कार्यान्वयन गर्न रकम उपलब्ध गराउन सकिने कुरालाई पनि ध्यान दिइनु पर्दछ।<sup>205</sup> नागरिक समाजका निकायले आलेखको विशेष कोषमा आर्थिक सहयोग गर्न<sup>206</sup> वा सो कोषबाट नै लाभान्वित हुने भन्ने कुराको निर्णय आफैले लिनसक्दछ।

**६.२ रोकथाम उपसमितिको परामर्शसम्बन्धी कार्यको सन्दर्भमा सहकार्य** आफ्नो तेस्रो वार्षिक प्रतिवेदनमा विशेषगरेर आफूले सीमित बजेटमा कार्य सम्पादन गरिरहेको बेला उपसमितिले आफ्नो परामर्शसम्बन्धी भूमिकाको कार्यान्वयनका सन्दर्भमा नागरिक समाजले निर्वाह गरेको महत्वपूर्ण योगदानको चर्चा गन्यो।<sup>207</sup> अन्तर्राष्ट्रिय तहमा आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनका मुद्दामा सक्रिय रूपमा कार्यरत गैरसरकारी संस्था र शैक्षिक संस्था आलेखको सम्पर्क समूह (OPCAT Contact Group) अन्तर्गत

<sup>203</sup> SPT, Third annual report, §30.

<sup>204</sup> See Sections 7.3 and 7.5.3 of Chapter V of this manual.

<sup>205</sup> See commentary in Chapter II of this manual; and also Nowak and McArthur, The UNCAT, p.998.

<sup>206</sup> OPCAT, Article 26(2).

<sup>207</sup> SPT, Third annual report, §61.

## यातना रोकथाम उपसमिति

आए<sup>208</sup> यातना रोकथामको धारणासँग सम्बन्धित सूचना आदानप्रदान गर्न, आलेखको व्याख्याको छलफल गर्न र रोकथाम संयन्त्रको दक्षता विकास गर्न रोकथाम उपसमितिले आलेखअन्तर्गतका सम्पर्क समूहसँग नियमित रूपमा गोप्य बैठकको आयोजना गर्दछ । आलेखको सम्पर्क समूहका संघसंस्थासँगको नियमित सम्पर्कले उपसमितिलाई रोकथाम संयन्त्रसँग संलग्न रहने पद्धतिको विकास गर्न र आफ्नै रोकथाम अधिकारको बारे गहिरो समझदारी अभिवृद्धि गर्न मद्दत गरेको छ भन्ने कुरा रोकथाम उपसमितिले स्वीकार गरेको छ ।

### • राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकासमा परामर्श

माथि उल्लेख गरिएबमोजिम रोकथाम संयन्त्रको विकासका सन्दर्भमा आफ्नो परामर्शको कार्यादेशलाई पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन गर्न सक्षम हुन उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको गठन, स्थापना र क्रियाकलापमा निश्चित सूचना संकलन गर्नु पर्दछ<sup>209</sup> यस्ता मुद्दामा सूचना प्रदान गर्नका लागि राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थाले रोकथाम उपसमितिसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापना गर्न सक्दछन्<sup>210</sup> चुस्तदुरुस्त सूचनाले उपसमितिलाई प्रभावकारी रूपमा राष्ट्रिय परिवेश र चुनौतीको विश्लेषण गर्न सक्षम बनाउँदछ । यस्तो सूचनाले गर्दा उपसमितिले पक्षराष्ट्र र रोकथाम संयन्त्रहरूलाई उचित सिफारिस र राय सल्लाह प्रदान गर्नसक्दछ ।

यसबाहेक राष्ट्रिय नागरिक समाजका निकायलाई रोकथाम संयन्त्रको विधान मर्योदा ऐच्छिक आलेखको भावनाअनुरूप भए नभएकोबारे टिप्पणीका लागि उपसमितिमा पठाउन अभिप्रेरित गरिन्छ<sup>211</sup>

अन्तमा नागरिक समाजका निकायले उपसमितिका सदस्य र रोकथाम संयन्त्रबीचको प्रत्यक्ष सम्पर्कलाई सहज पार्न आलेखसँग सम्बद्ध क्रियाकलापमा उपसमितिका सदस्यलाई संलग्न गराउन सक्दछ । उपसमितिको परामर्श कार्यलाई समर्थन गर्नका लागि यो एक अति सिर्जनशील तरिका हो । यसले उपसमितिलाई निम्नलिखित कुरामा मद्दत गरेको छ :

<sup>208</sup> See Section 2.3.2 of this chapter for a list of the OPCAT Contact Group organisations.

<sup>209</sup> See Sections 3.3.1 and 3.3.2 of this chapter.

<sup>210</sup> The role of civil society organisations in OPCAT ratification and implementation is discussed in detail in Sections 4, 6.1 and 7.3 of Chapter IV of this manual.

<sup>211</sup> For further information, see Section 3.3.1 of this chapter; and Section 6.2 of Chapter IV of this manual.

- आफ्नो रोकथामको कार्यादेशबारे आफ्नो समझदारी अभिवृद्धि गर्न
- राष्ट्रिय निकायहरूसँग रचनात्मक संवादको थालनी गर्न
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग संलग्न रहन, र
- सूचना आदानप्रदान गर्ने प्रणालीको स्थापना गर्न ।

उदाहरणका लागि उपसमितिले यस प्रकारका १४ ओटा क्रियकलापमा सहभागी भएको बतायो । उपसमितिको यस्तो बृहत् सहभागिताका लागि आलेखको सम्पर्क समूहलगायत धेरै संस्थाको समर्थन सराहनीय छ ।<sup>212</sup>

### ३

### ६.३ थप मुद्दा: रोकथाम उपसमितिको गठन<sup>213</sup>

उपसमितिको गठनका सन्दर्भमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक समाजका निकायको भूमिकालाई कम महत्व दिइनुहुँदैन । उपसमितिको निर्वाचन प्रत्येक दुई वर्षमा हुने गर्दछ र नागरिक समाजको वकालतले सदस्य मनोनयन/छनोट सुनिश्चित गर्ने प्रयासमा उल्लेख्य गति प्रदान गर्दछ जसले गर्दा उपसमितिको सदस्यका रूपमा स्वतन्त्र, निष्पक्ष र योग्य सदस्यको निर्वाचन हुने सुनिश्चित गर्न सकिन्छ ।

माथि उल्लेख गरिएअनुरूप<sup>214</sup> आलेखले रोकथाम उपसमितिको गठनका लागि केही निश्चित मापदण्ड तोकेको छ तर राष्ट्रिय तहमा उम्मेदवार मनोनयनका लागि भने कुनै विशेष प्रक्रिया उल्लेख गरेको छैन । तसर्थ राष्ट्रिय तहमा उपसमितिका उम्मेदवार चयन गर्न सहभागिमूलक, सार्वजनिक र पारदर्शी राष्ट्रिय प्रक्रियामा संलग्न हुन पक्षराष्ट्रहरूलाई प्रोत्साहन गरिन्छ । यस प्रक्रियाले उम्मेदवारका लागि सार्वजनिक आह्वानलाई आदर्शपूर्वक समावेश गर्नु पर्दछ<sup>215</sup> र साथै नागरिक समाजका संघसंस्थाहरूको प्रस्तावलाई पनि प्रोत्साहन गरिनु पर्दछ । राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्था उचित दक्षता, सीप र अनुभव भएका व्यक्तिको पहिचान गर्नका लागि अति आर्दश स्थानमा रहेका हुन्छन् ।<sup>216</sup>

<sup>212</sup> SPT, Third annual report, §41 and §71.

<sup>213</sup> See Sections 6.1 and 6.2 of Chapter IV of this manual.

<sup>214</sup> See Section 2.2 of this chapter.

<sup>215</sup> For a more detailed discussion, see commentary on Article 6 in Chapter II of this manual.

<sup>216</sup> See Section 6.1 of Chapter IV in this manual.

यसका अतिरिक्त यस्ताखाले असल अभ्यासले छनोट प्रक्रियाको जिम्मेवारी वहन गर्न खटिएका सम्बन्धित मन्त्रालयका प्रतिनिधिका साथै नागरिक समाजका सम्बन्धित क्षेत्रका विशेषज्ञको प्रतिनिधिलाई एकत्रित गरी छनोट समितिको स्थापना गर्न सुझाव दिन्छ ।<sup>217</sup> राष्ट्रिय नागरिक समाजका संघसंस्थाले राष्ट्रिय स्तरमा सार्वजनिक छनोट प्रक्रियालाई प्रोत्साहन गर्नु पर्दछ ।

रोकथाम उपसमितिका उम्मेदवारको छनोट र सदस्यको निर्वाचनमा एपिटिको मार्गदर्शन एक अति उपयोगी वकालतको साधन हो ।<sup>218</sup> सार्वजनिक छनोट प्रक्रियाले उपसमितिका प्रत्येक सदस्यको र पूर्ण रूपमा रोकथाम उपसमितिको नै स्वतन्त्रता, विश्वसनीयता र वैधानिकतालाई मजबूत बनाउने उद्देश्य लिएको छ ।

<sup>217</sup> APT, *The Subcommittee on Prevention of Torture: Guidance on the selection of candidates and elections of members*, OPCAT Briefing, APT, Geneva, June 2010. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>218</sup> APT, *Guidance on the selection of candidates and elections of SPT members*.



## अध्याय चार

### ऐच्छिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठन : राष्ट्रिय चुनौतीहरू

#### विषयसूची

१. परिचय
२. आलेख अनुमोदन किन गर्ने ?
३. आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनको समयावधि
४. आलेखलाई राजनैतिक एजेन्डामा राख्ने
५. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि पूर्वाधार
६. संवादलाई निरन्तर प्रवर्द्धन गर्ने
७. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको छनोट
८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको अधिकारलाई कानुनमा प्रतिष्ठापित गर्ने
९. ऐच्छिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठनतर्फको कदम

## १. परिचय

आलेख अनुमोदन एक राजनैतिक निर्णय हो जसले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकनका लागि पक्षराष्ट्रको तत्परता र स्पष्ट प्रतिबद्धताको प्रदर्शन गर्दछ । विश्वभर आलेख अनुमोदनको मुद्दाले गति लिइरहेको परिप्रेक्ष्यमा अधिकांश राष्ट्रले सन्धि अनुमोदन र कार्यान्वयनलाई सबैभन्दा उचित पद्धतिद्वारा कसरी सञ्चालन गर्ने भन्नेबारे आफ्नो ध्यानाकृष्ट गरिरहेका छन् । अनुमोदन र कार्यान्वयन गर्ने समयको निर्णय राजनैतिक वातावरण, कानुनी प्रणाली र संस्थागत संरचनाका साथै आलेखले निर्दिष्ट गरेको आवश्यकताजस्ता कुराबाट प्रभावित हुने गर्दछ ।

आलेखले विशेष रोकथामको अधिकारसम्पन्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (एनपिएम) जस्ता राष्ट्रिय निकायको स्थापनाको व्यवस्था गरेको छ ।<sup>१</sup> आलेखले रोकथाम संयन्त्रको सांगठनिक स्वरूप कस्तो हुने भन्ने बारे केही निर्धारण नगरेकाले प्रत्येक पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो राष्ट्रिय परिवेशअनुसार उपयुक्त हुने संयन्त्रको संरचना चुन्ने स्वतन्त्रता रहेको छ । कुनै एक प्रकारको निकायमात्र अन्तर्निहित रूपले मान्य हुँदैन । रोकथाम संयन्त्रहरूले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकनका लागि प्रभावकारी रूपमा गर्ने कार्य नै सर्वाधिक महत्वको विषय हो । रोकथाम संयन्त्रको जस्तोसुकै विशेष स्वरूप भएता पनि आलेखले रोकथाम संयन्त्रहरूका लागि कार्यात्मक स्वतन्त्रता, भिन्न प्रकारको गठन र विशेष अधिकार तथा जिम्मेवारीसहितको धेरै आधारभूत आवश्यकताको रूपरेखा प्रस्तुत गरेको छ ।

यस अध्यायले आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनको प्रक्रिया र त्यसका लागि लाग्ने समयको बारे मार्ग प्रशस्त गर्दै रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठनका सन्दर्भमा विशेष केन्द्रित रहन्छ । यसले रोकथाम संयन्त्रको सम्भावित विकल्पको विस्तृत विश्लेषण गर्दै यस सन्दर्भमा देखापरेका प्रमुख चुनौतीमाथि प्रकाश पार्दै आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनमा अपनाइएका असल अम्यासका केही गतिला उदाहरण प्रस्तुत गर्दछ । यस अध्यायमा कुनै विशेष पक्षराष्ट्रले प्रस्ताव गरेको वा विद्यमान रहेको रोकथाम संयन्त्रको समावेशलाई त्यो विशेष विकल्पको आलोचना वा समर्थनको रूपमा हेरिनुहुँदैन भन्ने कुरा बुझिनु पर्दछ । रोकथाम संयन्त्रको गठन प्रक्रियामा संलग्न र/वा गठन गर्ने सोच बनाइरहेका आलेखका विद्यमान र सम्भाव्य पक्षराष्ट्र र अन्य राष्ट्रिय निकायप्रति यस अध्याय लक्षित छ ।

<sup>1</sup> See Section 3.1 of Chapter V of this manual.

रोकथाम संयन्त्रको स्थापना र गठनका लागि एपिटिको गाइड<sup>2</sup> (एनपीएम गाइड) ले रोकथाम संयन्त्रको गठन प्रक्रियाबारे विस्तृत सूचना प्रदान गर्नुका साथै संयन्त्र स्थापनार्थ आवश्यक पर्ने कुराहरूको विश्लेषण पनि गर्दछ ।

## २. ऐच्छिक आलेखको अनुमोदन किन गर्ने ?

यातनाविरुद्ध राष्ट्रसंघीय महासमिले<sup>3</sup> यातना तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहार रोक्न पक्षराष्ट्रलाई कानुनी, प्रशासनिक, न्यायिक र अन्य उपाय अवलम्बन गर्नुपर्ने दायित्व तोकेको छ ।<sup>4</sup> आलेखको अनुमोदन र प्रभावकारी एवं स्वतन्त्र रोकथाम संयन्त्रको गठनले पक्षराष्ट्रहरूलाई महासमितिअन्तर्गत तिनीहरूको दायित्व निर्वाह गर्ने मद्दत गर्दछ ।<sup>5</sup>

धेरै कारणले गर्दा आलेख मानवअधिकारका सम्बन्ध निकायमध्ये प्रथम सम्बन्ध निकायका रूपमा स्थापित भएको छ ।

पहिलो कारण, अन्य अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका मानवअधिकार सम्बन्धको तुलनामा ऐच्छिक आलेखलाई कार्यकारी सम्बन्ध (operational treaty) को रूपमा हेरिएको छ । यस कारणले गर्दा आलेखका पक्षराष्ट्रले आलेख अनुमोदनका दौरान प्रतिवेदन तयार गर्ने दायित्व प्राप्त गर्दैनन् । आलेखअन्तर्गत तिनीहरूको मुख्य दायित्व आलेखको आवश्यकतासँग मेल खानेगरी एक वा धेरै रोकथाम संयन्त्रहरूको गठन गर्दै आलेखसम्बद्ध निकायहरूसँग सहयोगी संवाद स्थापना गर्ने र यस्ता निकायका सुझावउपर छानबिन गर्दै रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित गर्ने रहेको छ ।

दोस्रो कारण, सबै खाले हिरासतको नियमित भ्रमणजस्ता प्रतिरोधक प्रभावका माध्यमले यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार राकथाम गर्ने भूमिका आलेखलाई प्रदान गरिएको छ ।<sup>6</sup>

<sup>2</sup> APT, *NPM Guide*, APT, Geneva, 2006. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>3</sup> Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, UN Doc. A/RES/39/46, 10 December 1984.

<sup>4</sup> UNCAT, Articles 2, 10, 11 and 16. See also Committee against Torture (CAT), General Comment No 2, Implementation of article 2 by States Parties, UN Doc. CAT/C/GC/2, 24 January 2008.

<sup>5</sup> See Section 2.1 of Chapter I of this manual.

<sup>6</sup> See Sections 2.2-3, 5.1 and 7.2 of Chapter I of this manual; and the commentary on the OPCAT Preamble and Articles 1 and 19 in Chapter II.

## यातनाविस्त्रको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

आलेखनले दुवैखाले अन्तर्राष्ट्रिय रोकथाम निकाय (रोकथाम उपसमिति, एसपिटि)<sup>7</sup> र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (एनपिएम) को स्थापना गर्दछ । यी दुवै निकाय मिलेर आलेखद्वारा अपेक्षित उल्लंघनको भर्त्सनाभन्दा सहकार्य र रचनात्मक संवादको सिद्धान्तमा आधारित रोकथामको प्रणालीको एक भागको निर्माण गर्दछ<sup>8</sup> । रोकथाम उपसमितिले आफ्नो कार्य गोप्य रूपमा गरेता पनि<sup>9</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भने यो सिद्धान्तबाट बाँधिएको छैन । यद्यपि दुवै निकायले रोकथामको आफ्नो अधिकारलाई कार्यान्वयन गर्ने सिलसिलामा प्राप्त गरेका गोप्य सूचनालाई सुरक्षित गरी राख्नु पर्दछ<sup>10</sup> ।

तेस्रो कारण, रोकथाम संयन्त्रहरूले आलेखलाई अन्य अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि निकायभन्दा भिन्न रूपमा लिएको छ<sup>11</sup> । यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोकनका लागि विशेष अधिकार र जिम्मेवारीसहितको राष्ट्रिय निकायको स्थापना गर्ने यो ऐच्छिक आलेख पहिलो अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार निकाय हो । समग्रमा भन्नुपर्दा स्वतन्त्र र प्रभावकारी रोकथाम संयन्त्र रोकथाम उपसमिति र विद्यमान अन्तर्राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र राष्ट्रिय अनुगमन निकायले गर्ने धेरै कार्यको पूरक बन्न सक्दछ । संयन्त्रहरूको यातना रोकथामको क्षेत्रमा रहेको उपस्थितिले नै उनीहललाई नियमित रूपमा आफ्नो अनुगमनका कार्यलाई सञ्चालन गर्न सक्षम बनाएको छ जुन यसको सराहनीय पक्ष हो । पक्षराष्ट्रहरूमा तिनीहरूको स्थायी उपस्थितिले सम्बन्धित अधिकारीहरूसँग जारी संवादलाई स्थापना गर्न संयन्त्रलाई सक्षम बनाउँदछ । संयन्त्रको यो भूमिकाले विश्वासको वातावरण सिर्जना गर्न सहज बनाउँदछ । यसको अतिरिक्त रोकथाम संयन्त्रहरूलाई सार्वजनिक नीतिलगायत उनीहरूको आफ्नो राष्ट्रिय परिवेशको बारेमा राम्रो ज्ञान हुने भएकोले तिनीहरूले सम्बन्धित अधिकारीलाई रोकथामका ठोस उपाय प्रस्ताव र सुझाव गर्न सक्दछन् जुन उक्त राष्ट्रमा व्याप्त चुनौती र परिस्थितिलाई सम्बोधन गर्नका लागि उपयोगी हुन्छ । रोकथाम संयन्त्रहरूसँग

<sup>7</sup> Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment.

<sup>8</sup> For further information, see Chapter I of this manual, especially Sections 2.2-4 and 6.3; and the commentary on Articles 2 of the OPCAT in Chapter II.

<sup>9</sup> Under OPCAT, Articles 2(3) and 16.

<sup>10</sup> Under Articles 16(2) and 21(2) of the OPCAT, OPCAT bodies can only publish personal data with the express consent of the person(s) involved.

<sup>11</sup> See Section 2.2 of Chapter I of this manual; and Wilder Tayler, 'What is the added value of Prevention?', *Preventing Torture in the 21st Century: Essex Human Rights Review 6.1 (Special Issue 2009)*, p.26: available at [www.ehrr.org](http://www.ehrr.org).

उपसमितिलगायत अन्य अनुगमन निकायका सिफारिसको कार्यान्वयनको फलोअप गर्ने क्षमता पनि रहेको हुन्छ ।<sup>12</sup> अन्तमा रोकथाम संयन्त्रहरूले जोखिमका संकेतहरूको पहिचान पहिले नै गर्नसक्ने भएकाले उनीहरू हिरासतमा हुने दुर्व्यवहारलाई रोक्न सक्षम रहन्छन् ।<sup>13</sup>

चौथो कारणअन्तर्गत विधिको शासनलाई अभिवृद्धि गर्नेतर्फ लक्षित फौजदारी न्याय प्रणाली र संक्रमणकालीन प्रक्रियालाई परिचालन गर्न पनि यो ऐच्छिक आलेख एक महत्वपूर्ण साधन सिद्ध भएको छ। बन्दीहरूको मानवअधिकार उल्लंघन होस् वा राष्ट्रभित्र शासनव्यवस्थाको परिवर्तनका बखत होस्, आलेखले जनविश्वासको पुनःस्थापनाका लागि पनि सम्बन्धित अधिकारीलाई सहयोग गर्नसक्दछ । आलेखको अनुमोदन र प्रभावकारी कार्यान्वयनले स्वतन्त्रताबाट वज्रित पारिएका व्यक्तिजस्ता अत्यन्त जोखिममा रहेका समूहलगायत समाजका सम्पूर्ण सदस्यको सुरक्षा गर्न सरकारको प्रतिबद्धतालाई प्रदर्शित गर्न सक्षम बनाउँदछ ।

अत्यन्त कमसल तरिकाले सञ्चालित हिरासत र स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका स्थलको प्रभावहीन प्रणालीले बन्दीको स्वास्थ्य, राष्ट्रिय तथा सार्वजनिक सुरक्षा र यस्ता समस्याले फौजदारी न्याय प्रणालीमा पार्नसक्ने दबावजस्ता कुराको सम्बन्धमा उच्च लागत पैदा गर्दछ । यी खर्चलाई प्राय सर्वै कम महत्व दिइन्छ । स्वतन्त्रताबाट विमुख प्रणाली किन र कसरी खराब तवरले सञ्चालन हुन्छन् भन्ने कुराको पहिचान गर्नका लागि गरिने हस्तक्षेप र यस्ता जोखिमलाई मत्थर पार्न अवलम्बन गरिने ठोस उपायको योजना, पुनःस्थापना र कानुनी उपचार जस्ता क्षेत्रमा हुने<sup>14</sup> जथाभावी खर्चलाई कम गर्न वा पूर्णरूपमा हटाउन अत्यन्त प्रभावकारी सिद्ध हुन्छ ।

<sup>12</sup> See Section 6 of Chapter II of this manual for further exploration of the issues summarized in this paragraph.

<sup>13</sup> Tayler, ‘What is the added value of Prevention?’, p.26.

<sup>14</sup> See, for instance, CPT, Report to the Irish Government on the visit to Ireland carried out by the European Committee for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, CPT Doc. CPT/Inf (95) 14, 23 June 1994, §19. Following a visit to Ireland in 1993, the CPT reported that “in November 1992, a person who alleged that he had been ill-treated by police officers from Finglas Garda Station received an out-of-court settlement of £375,000 (plus costs). The person in question had sustained brain damage, allegedly as a result of having been kicked and struck repeatedly with a baton”. In addition, on 5 January 2010 the European Court of Human Rights ruled that Moldova had violated

रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशको महत्वपूर्ण भागमा जोखिमका तत्वको पहिचान गर्ने कुरासँग सम्बन्धित रहेको छ । संयन्त्रले आफ्नो ज्ञानको यो पक्षलाई मानवअधिकार उल्लंघनका घटना रोक्ने उपायको निर्माण गर्नका लागि प्रयोग गर्नु पर्दछ । यद्यपि एउटा स्वतन्त्र र प्रभावकारी रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्नु लागत-शून्य (cost-neutral) भने कदाचित् हुँदैन । ऐचिक आलेखको अनुमोदन र रोकथाम संयन्त्रको गठनलाई एक दीर्घकालीन लागतको रूपमा हेरिनु पर्दछ जसले प्रारम्भिक खर्चका बखत राम्रो प्रतिफल प्रदान गर्न सक्दछ । उदाहरणका लागि यस्ता क्षेत्रमा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासका दृष्टान्तले के कुरा प्रदर्शित गर्दछ भने अन्ततोगत्वा यातना रोकथामले पक्षराष्ट्रको नैतिक अधिकारमा टेवा पुग्ने देखिन्छ । अतः आलेखको अनुमोदन गर्नु र स्वतन्त्र एवं प्रभावकारी रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको स्थापना गर्नु महत्वपूर्ण कदम हुन् जुन पक्षराष्ट्रहरूले यातना र अन्य दुर्व्यवहार रोकथामका लागि चाल्न सक्छन् वा चाल्नु पर्दछ ।

### ३. आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनको समयावधि

यस सन्धिलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि आफूले आलेखलाई अनुमोदन गर्ने सोच बनाउनेबित्तिकै प्रत्येक पक्ष राष्ट्रले आफ्नो राष्ट्रिय परिवेशका लागि सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्रको विकल्पको बारेमा सोच्न सुरु गर्नु पर्दछ । रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापना प्रायः ढिलो प्रक्रिया हो जसका लागि अति सूक्ष्म विश्लेषण गरिनु पर्दछ । राष्ट्रिय परिवेशको आधारमा रोकथाम संयन्त्रको गठन आलेखको अनुमोदन पूर्व वा अनुमोदनपश्चात् हुनसक्दछ । आहिलेसम्म अपनाइएका सर्वोत्तम अभ्यासले के कुरा प्रदर्शित गर्दछ भने आलेखको अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि राष्ट्रिय तहमा रोकथामका उपायको कार्यान्वयन गर्ने सुनिश्चित गर्न रचनात्मक संवादद्वारा रोकथाममा केन्द्रित एक मानवअधिकार पद्धति ग्रहण गरिनु पर्दछ । तसर्थ सबै इच्छुक निकायबीच आलेख

---

Article 3 of the European Convention on Human Rights. It found that in the case of *Paduret v. Moldova* the authorities had failed to institute an effective criminal investigation into the man's allegations of abuse while in police custody in Bozieni in 2000. The complainant alleged that he was kicked, punched, suspended on a metal bar with his feet and hands tied together behind his back ('Palestinian hanging'), and had a glass bottle repeatedly inserted into his anus. The Court awarded him costs and •20,000 in damages.

अनुमोदनका लागि बहुत समर्थन छ भन्ने कुराको सुनिश्चित गर्नु आवश्यक हुन्छ । त्यसपछि आलेखलाई राष्ट्रिय स्तरमा कसरी कार्यान्वयन गर्ने भन्ने विषयमा छलफल गर्नका लागि सम्पूर्ण निकायलाई एकसाथ राखिनु पर्दछ । यो प्रक्रिया विशेषगरेर सङ्घीय वा विकेन्द्रित पक्षराष्ट्रहरूका लागि आवश्यक रहेको छ । यसका अलावा आलेख अनुमोदन गर्नका लागि राजनैतिक, कानूनी, भौगोलिक, संस्थागत र सांस्कृतिक जटिलताका कारण पहिले नै विद्यमान थुप्रै अनुगमन निकाय रहेको पक्षराष्ट्रका लागि पनि यो प्रक्रिया अति फलदायी रहेको छ ।<sup>15</sup>

आलेखको धारा १७ ले आलेख कार्यान्वयनका लागि अत्यन्त कडा समायवधि तोकदै पक्षराष्ट्रलाई आलेख अनुमोदन वा प्रवेश गरेको एक वर्षभित्र रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गरिसक्नुपर्ने कुरा व्यक्त गरेको छ ।<sup>16</sup> यद्यपि आलेखका मस्यौदाकर्ताहरूले पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो रोकथाम संयन्त्रको स्थापनार्थ लाग्नसक्ने अतिरिक्त समयको बारेमा पनि ध्यान पुऱ्याएका छन् । तसर्थ धारा २४ ले रोकथाम संयन्त्रको गठन थप ५ वर्षका लागि स्थगित गरिनसकिने छुट दिएको छ । पक्षराष्ट्रले आलेखको भाग ३ र ४ अन्तर्गत ३ वर्ष सम्मका लागि रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्ने आफ्नो दायित्वलाई स्थगित गर्ने घोषणा गर्नसक्दछन् । यातनाविस्तृद्ध राष्ट्रसंघीय समितिले (क्याट) यस्तो स्थगनको प्रस्तावलाई रोकथाम उपसमितिसँग परामर्श र पक्षराष्ट्रलाई अनुरोध गरी थप २ वर्षका लागि बढाउन सक्दछ ।<sup>17</sup> केही जटिल परिस्थितिमा (जस्तै, संघीय प्रणाली भएका पक्षराष्ट्रमा) प्रभावकारी रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको गठन र स्थापनाको लागि आवश्यक कदम

<sup>15</sup> See Section 7.4 of this chapter for further information.

<sup>16</sup> Article 17 states that “Each State Party shall maintain, designate or establish, at the latest one year after the entry into force of the present Protocol or of its ratification or accession, one or several independent national preventive mechanisms for the prevention of torture at the domestic level. Mechanisms established by decentralized units may be designated as national preventive mechanisms for the purposes of the present Protocol if they are in conformity with its provisions.”

<sup>17</sup> Article 24 states that “1. Upon ratification, States Parties may make a declaration postponing the implementation of their obligations under either part III or part IV of the present Protocol. 2. This postponement shall be valid for a maximum of three years. After due representations made by the State Party and after consultation with the Subcommittee on Prevention, the Committee against Torture may extend that period for an additional two years.” For further discussion of Articles 17 and 24, see Chapter II of this manual.

लिन ६ वर्ष (धारा १७ अन्तर्गत १ वर्ष र धारा २४ अन्तर्गत थप ५ वर्ष) लाग्नु केही आश्चर्यलाग्दो कुरा होइन ।

यस सन्दर्भमा अपनाइएका असल अभ्यासले रोकथाम संयन्त्रको गठन वा स्थापना गर्नुभन्दा पूर्व सबै थुनास्थलको पहिचान गरिनुपर्ने आवश्यकतालाई प्रदर्शित गरेको छ ।<sup>18</sup> यसका अलावा विद्यमान राष्ट्रिय अनुगमन संयन्त्रहरूको पूर्ण समीक्षा (जस्तै, तिनीहरूको कानुन निर्माण, अधिकार, कार्यक्षेत्र, स्वतन्त्रता, जिम्मेवारी र प्रभावकारितालगायत) गरिनुपर्ने कुरालाई पनि आलेखले व्यक्त गरेको छ ।<sup>19</sup> यस्ता प्रकृतिको समीक्षाले सबैभन्दा उचित स्वरूपको रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्ने सम्बन्धमा निर्णय प्रक्रियालाई सहज बनाउने भएता पनि यस्तो प्रक्रियालाई पूरा गर्न धेरै समय लाग्दछ । रोकथाम संयन्त्रको गठन एक दीर्घकालीन प्रक्रियाको रूपमा हेरिनुपर्ने आवश्यकता रहन्छ । यस प्रक्रियाका लागि राष्ट्रिय स्तरमा विद्यमान कानुनको संशोधन वा नयाँ कानुनको मस्यौदा तयार र ग्रहण गर्ने जस्ता कानुनी कार्य पनि गरिनुपर्ने हुनाले समय बढी लाग्दछ । रोकथाम संयन्त्रको कार्यकारी स्वरूप जस्तोसुकै भएता पनि यस क्षेत्रको अनुभवले यो कुरा सिद्ध गर्दछ कि रोकथाम अधिकारको उत्तरदायित्व वहन गर्न संस्थाहरूलाई समय लाग्दछ ।<sup>20</sup>

“रोकथाम संयन्त्रको विकास औपचारिक पक्ष र परिष्कृत एवं सुधारिएको कार्यशैलीको प्रबलीकरणसहितको एक निरन्तर चलिरहने दायित्वको रूपमा विचार गरिनुपर्छ”<sup>21</sup> भन्ने धारणा रोकथाम उपसमितिको रहेको छ । आलेखको कार्यान्वयन र यातना तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहार रोकथामका लागि समर्पण र दीर्घकालीन विचारको आवश्यकता पर्दछ । सबै सम्बन्धित राष्ट्रिय निकायसँग पर्याप्त समन्वय र सूचना आदानप्रदान गर्ने कार्यलाई तदारुकताका साथ अगाडि बढाइनु पर्दछ । समावेशी, पारदर्शी र राम्रोसँग प्रचारप्रसार गरिएको निर्णय प्रक्रिया र उपसमिति एवं अन्य सम्बन्धित दक्ष निकायको सुझाव रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाका लागि अति महत्वपूर्ण हुन्छन् ।

कुनै राष्ट्रको रोकथाम संयन्त्रको गठन वा स्थापनाका बारे गरिने राष्ट्रिय छलफलले यातना रोकथामसम्बन्धी बृहत् छलफललाई पुनः शक्ति प्रदान गर्न सक्दछ भन्ने कुरालाई

<sup>18</sup> See Section 5 of this chapter for further discussion.

<sup>19</sup> APT, NPM Guide, Chapter 10.

<sup>20</sup> For further information, see Sections 2, 3.1, 5.1 and 6.3 of Chapter V of this manual.

<sup>21</sup> SPT, First annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2007 to March 2008, UN Doc. CAT/C/40/2, 14 May 2008, §28.

बिसंनु हुँदैन । उदाहरणका लागि यातनालाई फौजदारी कसुरको रूपमा ठहर गर्नका लागि भएको असफल प्रयास वा महासच्चि र अन्य अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकारका सन्धिअन्तर्गतका अन्तर्राष्ट्रिय कानुनी दायित्वको कार्यान्वयनमा रहेका अन्तरलाई यस्तो कानुनको पुनरावलोकनले प्रकाश पार्दछ । केही पक्षराष्ट्रले आलेख<sup>22</sup> र महासच्चिले प्रस्ताव गरेको यातनाका मुद्दालाई सम्बोधन गर्न बहुपक्षीय पद्धति विकासका लागि यो राजनैतिक संवेगको फाइदा लिने निर्णय गर्न सक्दछन् भने अन्य केहीले विशेषगरेर रोकथाम संयन्त्रको स्थापनामा स्रोत र समयलाई केन्द्रित गर्न सक्दछन् ।

## ४. आलेखलाई राजनैतिक एजेन्डामा राख्ने

आलेखको अनुमोदन र प्रभावकारी कार्यान्वयन त्यस्ता राष्ट्रहरूमा हुन सक्दछ जहाँको उपयुक्त राजनीतिक वातावरण त्यहाँका सम्बन्धित अधिकारी र नागरिक समाजका संघसंस्थाहरूको कार्यक्षेत्रअन्तर्गतको यातना रोकथामको स्पष्ट चासोसँग सम्मिलित हुन्छ । थुनास्थलहरूको पारदर्शिता सुनिश्चित गर्ने प्रतिबद्धता र ती थुनास्थल अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय बाह्य छानबिनका लागि खुल्ला गरिने कार्य आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि उपयुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने मुख्य पक्ष हुन् ।

यद्यपि आलेख अनुमोदनका प्रमुख निकाय देशैपिच्छे फरकफरक हुने गर्दछन् । एकातिर कुनै राष्ट्रको सरकारले आलेखको अनुमोदनलाई मानवअधिकारको नीतिको एक भागअन्तर्गत प्रवर्द्धन गर्ने निर्णय लिनसक्दछ । उदाहरणका लागि ब्राजिलमा राष्ट्रपतिको मानवअधिकार सचिवालयले यातना रोकथामको प्रणाली स्थापना गर्न तयार पारिएको कानुनको मस्यौदामा जारी परामर्शको अगुवाइ गरिरहेको छ । अर्कातिर केही राष्ट्रमा आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि गरिने वकालत अत्यन्त उपयोगी कदम सिद्ध भएको छ । उदाहरणका लागि केही राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था (राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था) ले अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार निकायको अनुमोदन र कार्यान्वयनलाई प्रवर्द्धन गर्न अधिकारको एक भागअनुरूप आलेखको अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि वकालत गर्न अभियानलाई अगाडि सारेका छन् । यो घानाको स्थिति हो जहाँ रोकथाम संयन्त्र गठनका लागि छलफलको अगुवाइ त्यहाँको मानवअधिकार तथा प्रशासनिक न्याय

<sup>22</sup> OPCAT, Preamble.

## यातनाविष्फूको महासन्धिको ऐचिक आलेख

परिषद्ले गरिरहेको छ ।<sup>23</sup> नागरिक समाजका संघसंस्थाहरूले पनि आलेखको प्रवर्द्धनका लागि यस्ता अभियान सञ्चालन गर्न सक्दछन् । उदाहरणका लागि अरमेनियामा नागरिक समाजका संघसंस्थाहरूले आयोजना गरेको गोलमेच बैठकले आलेखमा प्रवेशका लागि प्रोत्साहन गरेको थियो । यस्तो बैठकमा सम्बन्धित मन्त्रालय र निर्णयकर्ता उपस्थित रहेका थिए । आलेखसँग सम्बन्धित दस्तावेजको अरमेनियाली अनुवाद र प्रकाशन विभिन्न मन्त्रालयलाई प्रदान गरी निर्णयकर्ताका बीच आलेखको बुझाइलाई बढाउने प्रक्रियामा एक प्रमुख गैरसरकारी संस्था संलग्न रहेको थियो ।

प्रायः एक विशेष निकाय (वा सँगै काम गरिरहेका केही निकाय) ले आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयन प्रक्रियाको प्रारम्भ गरी त्यसको अगुवाइ गर्दछ । यी “अगुवाइ गर्ने निकाय” परिवेशअनुसार फरकफरक हुच्छन् । सामान्यतया यस्ता निकायमा मन्त्रालय, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था (राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था), गैरसरकारी संस्थाको संलग्नता रहेको हुच्छ । यी निकायको प्रमुख दायित्व आलेखका केही प्रमुख पक्ष विशेषगरेर स्वतन्त्रताको महत्व, आलेखमा सहज फूह्य, गोपनीयता, सहकार्य र प्रतिशोधबाट संरक्षण जस्ता कुरामा सम्बन्धित सरोकारवालाबीच साझा अवधारणा हुने कुरा सुनिश्चित गर्ने हो । अगुवाइ गर्ने निकायले आलेखको विकासमा सूचनाको आदानप्रदान गर्दै सबै सम्बन्धित सरोकारवालाको चासोलाई सुरक्षित गर्ने कार्य गर्दछ । अन्तमा यी निकायले आलेखको अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि समर्थन जुटाउँदै यसमा गति प्रदान गर्ने कार्य गर्दछ । यस्ता प्रकृतिका कार्य गर्ने यी अगुवाइ गर्ने निकाय नभएको खण्डमा आलेखको अनुमोदन र कार्यान्वयनलाई प्रमुख राष्ट्रिय निकायबाट संस्थागत र राजनैतिक प्राथमिकता प्राप्त हुने थिएन ।

आलेख कार्यान्वयनमा लागू गरिएका असल अभ्यासले आलेख कार्यान्वयन र अनुमोदनलाई प्रवर्द्धन गर्नका लागि नागरिक समाजको सहकार्यलाई प्रश्न्य दिन सुझाव दिएको छ । यस्ता सहकार्यले सार्वजनिक अभियान, गोष्ठी र अन्य प्रवर्तक क्रियाकलापका माध्यमले आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनलाई थप गति प्रदान गर्नसक्दछ । नागरिक समाजबीचको सहकार्यले रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनाको छलफलका दौरान सरकारको वार्ताकारको रूपमा प्रतिनिधित्व गर्दछ । अन्तमा यस्ता सहकार्यले मानवीय र आर्थिक

---

<sup>23</sup> APT, *OPCAT Country Status Report*. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch). This source is also useful in relation to the OPCAT status of the countries referred to in this chapter as it provides detailed information on States' progress towards ratification, designation of NPMs, and establishment of functional NPMs.

स्रोत तथा विशेषज्ञ र समाचार प्रकाशनलाई बढाउने एक प्रभावकारी पद्धतिका रूपमा प्रतिनिधित्व गर्नाले यिनीहरूको प्रभाव विशेष संघसंस्थामा भन्दा आलेखको अनुमोदन र कार्यान्वयनमा बढी हुने गर्दछ । स्पेनमा एक गैरसरकारी संस्थाको सहकार्यलाई आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनका खातिर स्थापना गरिएको थियो । आलेखको बारेमा गरिने सार्वजनिक छलफल सन् २००४ मा सुरु गरिएको थियो जब ३७ ओटा गैरसरकारी संस्था अन्य कुरालगायत आलेखको दस्तावेज अनुमोदन र कार्यान्वयनलाई प्रवर्द्धन गर्न यातना रोकथामको सञ्जालमा आबद्ध भएका थिए ।<sup>24</sup>

अगुवाइ गर्ने निकाय सरकारी निकाय नभएको खण्डमा कुनै एक सरकारी विभाग वा मन्त्रालयले निम्नलिखित प्रणालीलाई सञ्चालन गर्न सुनिश्चित गरिनु आवश्यक हुन्छ :

- विशेषगरेर आलेख कार्यान्वयनका सन्दर्भमा सम्बन्धित मन्त्रालय/विभागका बीच उचित तरिकाले जिम्मेवारी बाँडफाँड गर्न, र
- सम्बन्धित मन्त्रालय/विभागका बीच आलेखसँग सम्बन्धित मुद्दाको प्रभावकारी रूपमा आन्तरिक सूचना आदानप्रदानलाई सहज पार्न ।

विशेषगरेर फौजदारी न्याय प्रणालीसँग सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकारका सम्बन्ध र soft law standards हरूलाई कार्यान्वयन गर्ने राज्यको कानुनी उत्तरदायित्व न्याय मन्त्रालयमा अन्तर्निहित रहने हुनाले यो भूमिका प्रायः न्याय मन्त्रालयले नै सम्पादन गर्दछ । अन्य मन्त्रालय हिसासतप्रति उत्तरदायी रहन्छन् र यी सबै कार्य आलेखद्वारा प्रत्यक्ष रूपमा प्रभावित हुन्छन् । स्वास्थ्य, रक्षा, आप्रवास, शिक्षा, बालबालिका र गृहसँग सम्बन्धित मन्त्रालय यसमा संलग्न हुने मन्त्रालय हुन् । आलेख अनुमोदनका आशयको उचित समझदारी सम्बन्धित विभागका बीच आदानप्रदान भएको छ भन्ने कुराको निश्चित गर्न अन्तर्रसरकारी समन्वय महत्वपूर्ण रहेको हुन्छ ।

## ५. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र छनोटका लागि पूर्वाधारहरू

आलेख अनुमोदन गर्ने मुद्दा विचाराधीन भइसकेपछि अर्को चरणअन्तर्गत सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको छनोटका लागि राष्ट्रिय छलफल सुरु गर्नु पर्दछ ।

<sup>24</sup> APT, *Civil society organisations and National Preventive Mechanisms*, APT, Geneva, June 2008, p.4. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्र छनोटको संवादलाई सहजीकरण गर्न यस सन्दर्भमा अपनाइने असल अभ्यासले निम्नलिखित कार्यभार ग्रहण गरिनुपर्ने सिफारिस गर्दछ :

- आलेखको मागअनुसार विद्यमान अनुगमन निकायको मूल्यांकन गर्ने, र
- सबै खाले थुनास्थलको पहिचान गर्न सहज पहुँचको प्रत्याभूति गर्ने ।

देशभित्रका थुनास्थलको अनुगमन गरिरहेका निकायले गर्ने कार्यको पनि व्यापक ज्ञान हुनु अति आवश्यक हुन्छ । आलेखअनुसार रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई कार्यान्वयन गर्ने विद्यमान संघसंस्थाहरूको खुबीको मूल्यांकन गर्न इच्छुक निकायलाई सक्षम बनाउन पनि यो आवश्यक रहेको छ । यस्ता खाले मूल्यांकनले हिरासत अनुगमनमा विद्यमान अन्तरको पहिचान गर्न राष्ट्रिय निकायलाई पनि सहयोग गर्न सक्दछन् किनकि यसले नयाँ निकायको गठन गर्दा राम्रो हुने वा विद्यमान संयन्त्रलाई नै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन गर्ने भन्ने कुराको संकेत प्रदान गर्नसक्दछ ।

## ५.१ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाका लागि आलेखले निर्दिष्ट गरेका आवश्यकता

रोकथाम संयन्त्रको स्वरूप जस्तोसुकै भएता पनि यसले आलेखका निम्नलिखित न्यूनतम आवश्यकता पूरा गर्नु पर्दछ :

- स्वतन्त्रता

रोकथाम संयन्त्रको प्रभावकारिता र विश्वसनीयतालाई यसको स्वतन्त्रताले टेवा दिन्छ । आलेखअन्तर्गत पक्षराष्ट्रहरूले रोकथाम संयन्त्रको कायकारी, आर्थिक र व्यक्तिगत स्वतन्त्रता<sup>25</sup> मानवअधिकारको प्रवर्द्धन र संरक्षण गर्ने राष्ट्रिय संस्थाको हैसियतसँग सम्बन्धित सिद्धान्तका आधारमा<sup>26</sup> सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । कार्यकारी स्वतन्त्रता भन्नाले रोकथाम संयन्त्रले विना कुनै हस्तक्षेप आफ्नो अधिकार प्रयोग गर्न सक्ने भन्ने बुझिन्छ ।

<sup>25</sup> OPCAT, Articles 18(1), 18(3) and 18(4). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; Section 5 of Chapter V; and APT, NPM Guide, pp.38-40.

<sup>26</sup> Principles relating to the status and functioning of national institutions for the promotion and protection of human rights (the ‘Paris Principles’), UN Doc. GA Res 48/134, 20 December 1993.

तसर्थ संयन्त्रहरूले परम्परागत प्रशासकीय संरचनाभन्दा बाहिर रही कार्य सम्पादन गर्नु पर्दछ<sup>27</sup> एउटा बलियो कानुनी आधार (संविधान वा कानुनमा उल्लिखित)<sup>28</sup> ले संयन्त्रको यो स्वायत्ततालाई सुनिश्चित गर्न योगदान दिन्छ<sup>29</sup> आर्थिक स्वायत्तताअन्तर्गत संयन्त्रको बजेटको मस्यौदा तयार पार्ने, त्यसलाई कार्यकारी सरकारको नियन्त्रणभन्दा बाहिर अनुमोदनको लागि पेश गर्ने र स्रोतहरूको उपयोग कसरी गर्न भन्नेबारे निर्णय लिने कुरा पर्दछन्<sup>30</sup> अन्तमा आलेखले प्रत्येक पक्षराष्ट्रलाई रोकथाम संयन्त्रका सदस्य र कर्मचारीको स्वतन्त्रता सुनिश्चित गर्ने दायित्व तोकेको छ । संयन्त्रका सदस्य व्यक्तिगत र संस्थागत रूपमा राज्यको अधिकारीबाट स्वतन्त्र रहन्छन्<sup>31</sup> रोकथाम संयन्त्रको कार्यकारी विधानले स्पष्ट रूपमा रोकथाम संयन्त्रको स्वायत्तता सुनिश्चित गर्ने प्रमुख तत्वको व्यञ्ज्या गर्नु आवश्यक हुन्छ<sup>32</sup>

- गठन<sup>33</sup>

रोकथाम संयन्त्रका सदस्यसँग आवश्यक दक्षता र पेशागत ज्ञान छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने विशेष अभिभारा पक्षराष्ट्रमा अन्तर्निहित छ<sup>34</sup> यसका अतिरिक्त रोकथाम उपसमिति जस्तै<sup>35</sup> रोकथाम संयन्त्र पनि बहुविषयक हुनु पर्दछ जसमा स्वतन्त्रताबाट विमुख गरिएका क्षेत्रका स्वतन्त्र विशेषज्ञ (जस्तै, मानवअधिकार, स्वास्थ्य स्थाहार र न्याय प्रशासन) समावेश भएको हुनु पर्दछ । केही सदस्यमा थुनास्थलको अनुगमन गरेको अनुभव पनि हुनु पर्दछ<sup>36</sup> व्यवहारमा केही संयन्त्रहरूले मात्र यस्तो बहुलवादी गठनको

<sup>27</sup> APT, *NPM Guide*, p.38.

<sup>28</sup> Paris Principles, Competence and responsibilities, §2.

<sup>29</sup> See Section 8 of this chapter for further discussion.

<sup>30</sup> APT, *NPM Guide*, p.39; and Paris Principles, Composition and guarantees of independence and pluralism, §2.

<sup>31</sup> OPCAT, Article 18(1); and APT, *NPM Guide*, pp.39-42.

<sup>32</sup> See section 8 of this chapter for further discussion.

<sup>33</sup> See Section 5.2 of Chapter V of this manual.

<sup>34</sup> OPCAT, Article 18(2). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; and APT, *NPM Guide*, p.50.

<sup>35</sup> OPCAT, Article 5(2). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; and Section 2.2 of Chapter III.

<sup>36</sup> APT, *NPM Guide*, pp.50-51.

## यातनाविष्फूको महासन्धिको ऐचिक आलेख

व्यवस्था गर्नसक्ने हुनाले तिनीहरू आफ्नो यो आवश्यकतालाई पूरा गर्न बाह्य विशेषज्ञमा निर्भर रहनपर्ने हुन्छ ।<sup>37</sup>

आलेखले आफ्नो संयन्त्रमा लैडिक समानता र पर्याप्त मात्रामा जातीय तथा अल्पसंख्यक समूहहरूको प्रतिनिधित्वलाई कायम राख्न प्रयासरत रहन प्रत्येक पक्षराष्ट्रलाई आहवान गर्दछ ।<sup>38</sup> विशेषगरेर हिरासतमा जोखिममा रहेका समूह (जस्तै, अपाङ्गता भएका व्यक्ति वा यातनापीडित) हरूको सहभागितालाई संयन्त्रको गठनमा प्रोत्साहित गरिनु पर्दछ किनकि त्यस्ता व्यक्तिले निश्चित हिरासतका मुद्दा र/वा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराइएका स्थानका सम्बन्धमा अनुभवी विचार प्रकट गर्न सक्दछन् ।<sup>39</sup>

### • स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका सबै स्थानमा सहज पहुँच

आलेखको धारा ४(१) अनुसार रोकथाम उपसमिति जस्तै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूलाई पनि व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएको वा गराइनसकिने सबै खाले स्थानमा सहज पहुँच दिइनु पर्दछ । यस्तो पहुँचमा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराइएका स्थानभित्रको प्रतिष्ठापन र सुविधाको अनुगमन पनि समावेश गरिनु पर्दछ ।<sup>40</sup> आलेखअन्तर्गत स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका स्थानमा प्रहरी कार्यालय, पूर्पक्षपूर्वका थुनाकेन्द्र, बाल थुनाकेन्द्र, आप्रवासी तथा शरणार्थी थुना केन्द्र, सामाजिक स्याहार केन्द्र, मानसिक

<sup>37</sup> The Public Defender of Rights of the Czech Republic was designated as the NPM. A specific department has been set up to undertake OPCAT-related work; this department comprises twelve lawyers, though it can hire external experts with specific expertise (e.g. medical doctors and psychologists) on a part-time basis to compensate for this lack of diversity. Experts are obliged to respect all the rules and the regulations of the Public Defender of Rights' Office, including in relation to confidentiality. For further information see APT, *OPCAT Country Status*.

<sup>38</sup> OPCAT, Article 18(3). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; and APT, *NPM Guide*, pp.51-52.

<sup>39</sup> For instance, in the United Kingdom Her Majesty's Inspectorate for Prisons, which acts as the UK NPM Coordinator, includes former detainees in some of its visits to places of detention. See also Section 2.2.3 of Chapter III of this manual.

<sup>40</sup> OPCAT, Article 20(c). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual.

## ऐच्छिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गरन

स्वास्थ्य केन्द्र र अनधिकृत थुनाकेन्द्र पर्दछन् ।<sup>41</sup> रोकथाम संयन्त्रसँग यी थुनास्थलमा अघोषित, नियमित र बारम्बार अनुगमन गर्ने अखिल्यार हुनु पर्दछ ।<sup>42</sup>

### • सूचनामा पहुँच

रोकथाम संयन्त्रसँग थुनास्थल, तिनीहरूको प्रशासन र स्वतन्त्रताबाट विच्छिन्न गराइएका व्यक्तिप्रतिको व्यवहार र तिनीहरूको स्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनामा सहज पहुँच हुनु पर्दछ । तसर्थे रोकथाम संयन्त्रसँग फाइल, बहीखाता, स्वास्थ्य जाँच रेकर्ड, खानपीनको व्यवस्था र अन्य आँकडाको अनुगमनमा पहुँच हुनु पर्दछ ।<sup>43</sup> संयन्त्रको यो अखिल्यार हिरासतको अवस्था र जोखिमका तत्वको व्यापक रूपले विश्लेषण गर्ने कुरा सुनिश्चित गर्नका लागि अति आवश्यक रहेको हुन्छ ।

### • स्वतन्त्रताबाट विच्छिन्न गराइएका व्यक्तिमा पहुँच

रोकथाम उपसमिति सरह<sup>44</sup> रोकथाम संयन्त्रहरूलाई पनि उनीहरूले छनोट गरेका व्यक्तिलाई उनीहरूले नै निर्धारण गरेको स्थानमा गोप्य अन्तर्वार्ता लिनसक्ने अखिल्यार दिइनु पर्दछ ।<sup>45</sup> गोप्य अन्तर्वार्ता हिरासत अनुगमनमा यातना रोकथामको प्रभावकारी माध्यम भएकाले यस्ता अन्तर्वार्ता सबै खाले रोकथाम संयन्त्रको कार्य पद्धतिका लागि अति आवश्यक तत्व हुन् ।<sup>46</sup> स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका व्यक्तिसँग गोप्य अन्तर्वार्ता लिनुबाहेक रोकथाम संयन्त्रले यस्ता स्थानमा कार्यरत कर्मचारी वा यस्तै प्रकृतिको कार्य गर्न अधिकार पाएका सम्बन्धित अन्य व्यक्तिसँग पनि अन्तर्वार्ता लिन सक्नु पर्दछ ।

<sup>41</sup> For further analysis of Article 4, see commentary in Chapter II of this manual; Section 9 of Chapter I; and APT, NPM Guide, pp.21-23.

<sup>42</sup> OPCAT, Article 19(a); and APT, NPM Guide, pp.55-57. For further information, see also Section 3.2 of Chapter IV of this manual; and commentary on Article 19(a) in Chapter II of this manual.

<sup>43</sup> OPCAT, Articles 20(a) and 20(b). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual.

<sup>44</sup> OPCAT, Articles 14(d) and 14(e). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual.

<sup>45</sup> OPCAT, Articles 20(d) and 20(e). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; Section 4.5.3 of Chapter III; and APT, NPM Guide, pp.59-60.

<sup>46</sup> See Section 3.2 of Chapter IV of this manual.

## • प्रतिवेदन र सिफारिस<sup>47</sup>

नियमित रूपमा हिरासत अनुगमन गर्ने कार्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाम अधिकारको केवल एक पक्ष हो । यस्ता अनुगमन भ्रमण स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराइएका प्रणालीको सुधार उपायका लागि प्रस्ताव गरिने प्रतिवेदन र सिफारिसको आधार बन्नु पर्दछ । सम्बन्धित अधिकारीसमक्ष गर्नसकिने सिफारिसको अधिकार समस्याग्रस्त अभ्यासको परिवर्तनका लागि अति आवश्यक रहने हुँदा यातना रोकथाम गर्ने कार्य सम्पादन गर्न पनि आवश्यक हुन्छ<sup>48</sup> आलेखले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसँग यी सुझावउपर छानबिन गर्न माग गर्दै सम्भावित कार्यान्वयनका उपाय पत्ता लगाउने हेतुले ती अधिकारीलाई उक्त राष्ट्रको रोकथाम संयन्त्रसँगको रचनात्मक संवादमा संलग्न गराउँदछ<sup>49</sup>

रोकथाम संयन्त्रहरूसँग आफ्नो क्रियाकलाप र यातना तथा अन्य प्रकारका दुर्व्यवहार रोकथामको स्थिति समेटिएको वार्षिक प्रतिवेदनको मस्यौदा तयार गर्नसक्ने अधिकार हुनु पर्दछ । आलेखले पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो संयन्त्र वा संयन्त्रहरूको वार्षिक प्रतिवेदनलाई प्रकाशन र सम्प्रेषण गर्नुपर्ने कुरा उल्लेख गरेको छ<sup>50</sup>

## • यातना रोकथामसँग सम्बन्धित कानुनमा राय सल्लाह दिने<sup>51</sup>



रोकथाम संयन्त्रसँग यातना रोकथामसँग सम्बन्धित विद्यमान कानुन वा मस्यौदाउपर प्रस्ताव र राय सल्लाह पेश गर्ने अधिकार हुनु पर्दछ<sup>52</sup> संयन्त्रको परामर्शसम्बन्धी कार्यको यो एक प्रमुख तत्व हो किनकि संयन्त्रको यो अस्तियारले स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिलाई संरक्षण गर्न सुरक्षाका उपायको सुधार गर्नका लागि सहयोग गर्दछ ।

<sup>47</sup> See also Section 4.2 and 4.3 of Chapter V of this manual.

<sup>48</sup> OPCAT, Article 19(b). For further information, see commentary in Chapter II of this manual; Section 4.2 of Chapter V; and APT, *NPM Guide*, pp.64-67.

<sup>49</sup> OPCAT, Article 22. For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual.

<sup>50</sup> OPCAT, Article 23. For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; and Section 4.3 of Chapter V.

<sup>51</sup> See Section 4.4 of Chapter V of this manual.

<sup>52</sup> OPCAT, Article 19(c). For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; Section 4.2 of Chapter V; and APT, *NPM Guide*, pp.64-67.

## • प्रतिशोधबाट संरक्षण, विमुक्ति र विशेषाधिकार

रोकथाम संयन्त्रका कार्मचारीलाई प्रभावकारी रूपमा आफ्नो रोकथामको कार्य सम्पादन गराउनका लागि यस आलेखले तिनीहरूका लागि आवश्यक पर्ने विशेषाधिकार र विमुक्तिको व्यवस्था गरेको छ । यस्ता केही विमुक्तिमा व्यक्तिगत गिरफ्तारी वा हिरासतबाट विमुक्तिलगायत व्यक्तिगत सम्मान, जफत र सूचनाको हस्तक्षेपबाट विमुक्ति आदि प्रमुख रहेका छन् ।<sup>53</sup> रोकथाम संयन्त्रहरूबाट प्राप्त सूचनालाई संरक्षण गर्ने सम्बन्धमा आलेखले संयन्त्रका सदस्य कर्मचारीहरूका लागि सामान्य अधिकार प्रत्यायोजन गरेको छ ।<sup>54</sup> सम्बन्धित व्यक्ति वा व्यक्तिहरूले कुनै गोप्य सूचना खोल्न स्पष्ट रूपमा सहमत नभएसम्म रोकथाम संयन्त्रद्वारा संकलित उक्त सूचना खोलिनुहुँदैन । सरकार, न्यायापालिका वा अन्य संघसंस्था वा व्यक्तिबाट सूचनालाई सुरक्षित राख्ने कुरा रोकथाम संयन्त्रको संस्थापन विधानमा नै उल्लेख गरिनु पर्दछ ।

अन्तमा रोकथाम संयन्त्रको सदस्य र/वा कर्मचारीसँग सूचना आदानप्रदान गर्ने व्यक्ति वा संघसंस्थाले प्रतिशोधविरूद्धको संरक्षणबाट फाइदा लिन्छन् र कुनै पनि किसिमको प्रतिशोधका कार्यबाट पीडित हुनुपर्दैन । यातना रोकथामका कार्यको प्रभावकारिता अभिवृद्धिका लागि यो अति महत्वपूर्ण छ किनकि यसले रोकथाम संयन्त्रहरू र तिनका वार्ताकारका बीच विश्वासको सम्बन्ध सुनिश्चित गर्दछ । यो व्यवस्थालाई पनि संयन्त्रको संस्थापन विधानमा समावेश गरिनु पर्दछ ।<sup>55</sup>

## • रोकथाम उपसमितिसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क

आलेखसम्बद्ध पक्षराष्ट्रहरूले रोकथाम उपसमिति र यसका सम्बन्धित संयन्त्रका बीच प्रत्यक्ष वा आवश्यक परे गोप्य सम्पर्कलाई सहज बनाउनु पर्दछ । यस्ता सम्पर्क बैठक, सूचना आदानप्रदान, र/वा प्रशिक्षण अधिवेशनका रूपमा हुन सक्दछन् । यस्तो प्रत्यक्ष

<sup>53</sup> OPCAT, Article 35. For further analysis, see commentary in Chapter II of this manual; and APT, *NPM Guide*, pp.42-43.

<sup>54</sup> OPCAT, Article 21. For further information, see commentary in Chapter II of this manual; and APT, *NPM Guide*, pp.43-45.

<sup>55</sup> OPCAT, Article 21. For further information, see commentary in Chapter II of this manual; and APT, *NPM Guide*, pp.61-62.

सम्पर्क पक्षराष्ट्र, रोकथाम संयन्त्र र रोकथाम उपसमितिका बीचको त्रिकोणात्मक सम्बन्धको केन्द्र भागमा रहेको छ ।<sup>56</sup>

**५.२ विद्यमान अनुगमन निकायको मूल्यांकन र थुनास्थलको पहिचान न्यूनतम रूपमा विद्यमान निकायहरूको मूल्यांकनका लागि प्रत्येक निकायमा निम्नलिखित कुरा हुनु पर्दछ :**

- कानुन वा स्थापनाका अन्य आधार
- अधिकार
- अधिकारक्षेत्र
- अधिकार
- उच्चता
- स्रोत साधन (मानवीय, आर्थिक, प्रबन्ध व्यवस्थापन)
- स्वायत्तता (वास्तविक र अनुभूत)
- सम्बन्धित अधिकारी वा अन्य निकायसँग सम्बन्ध, र
- कार्य पद्धति (उद्देश्य, भ्रमणका प्रकार र नियमितता तथा अनुगमन कार्यपद्धति)<sup>57</sup>

यसको अतिरिक्त विद्यमान अनुगमन निकायको प्रभावकारितालाई पनि ध्यान दिइनु पर्दछ । यस्तो मूल्यांकनले आलेखको आवश्यकतासँग मेल नखाने कानुनी, संरचनागत र अन्य विशेषताको विवादलाई प्रकाश पार्नुपर्दछ जसले गर्दा रोकथाम संयन्त्रमा कार्यगत स्वतन्त्रता हुनसकोस् । उदाहरणका लागि कुनै निकायसँग यस्तो अधिकार वा दायित्व हुनसक्छ जुन आलेखसँग प्रत्यक्ष रूपमा असङ्गत हुन्छ । जस्तै अनुगमन निकायको हिरासत पुनरावलोकन गर्ने वा फैसला सुनाउने अधिकार वा गोप्य सूचना खोल्ने दायित्व

<sup>56</sup> OPCAT, Article 20(f). For further information, see commentary in Chapter II of this manual; Section 3.3.2 of Chapter III; and Section 7.5 of Chapter V.

<sup>57</sup> NPM Assessment Tool, developed by the Association for the Prevention of Torture, on file with the authors.

आलेखको भावना विपरीतका कार्य हुन् । अर्को तिर निकायहरूलाई रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश कार्यान्वयनका लागि आवश्यक पर्ने अधिकारको कमी हुनसकदछ । उदाहरणका लागि, अनुगमन निकायलाई सम्बन्धित सबै सूचनामा पहुँचको पूर्ण अधिकार नहुनाले तिनीहरूको कामको प्रभावकारितामा छास आउने देखिन्छ । संरचनागत, प्रशासनिक वा बजेटसँग सम्बन्धित कुराहरूमा कार्यकारी वा सरकारका अन्य शाखाहरूमा निर्भर रहनुपर्ने मुद्दालाई पनि विश्लेषण गरिनु पर्दछ । कुनै अनुगमन निकायले यातनाको व्यक्तिगत उजुरी प्राप्त गरेपश्चात् त्यसको लेखाजोखा गरी आन्तरिक रूपमा नै फैसला गर्नेजस्तो रोकथाम र छानबिन बीचको भिन्नतालाई हटाउने कार्य सम्पादन गरिरहेको भए त्यसको पनि लेखाजोखा गरिनु पर्दछ । यसका अतिरिक्त आलेख कार्यान्वयनमा अपनाइएका राम्रा अभ्यासले यस्ता किसिमका मूल्यांकनले केही ठोस निष्कर्ष निकाल्दै निर्णय प्रक्रियालाई सहज बनाउन उचित रोकथाम संयन्त्रको छनोटको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नु पर्दछ भन्ने सुझाव गर्दछ ।

यस्ता प्रकारका मूल्यांकन धेरै राष्ट्रमा अपनाइएका छन् । दक्षिण अफ्रिकामा the Centre for the Study of Violence and Reconciliation नामक एक गैरसरकारी संस्थाले विद्यमान अनुगमन संयन्त्रहरूको आलेखले निर्दिष्ट गरेको आवश्यकताको आधारमा विश्लेषण गर्दै एक बृहत् सूची तयार गन्यो । यो मूल्यांकनले विशेष प्रकारका थुनास्थल, जस्तै आप्रवासी र शरणार्थीलाई राख्ने स्थानको अनुगमनमा रहेको भिन्नतालाई पहिचान गन्यो । यो मूल्यांकनले आलेखमाथिको राष्ट्रिय परामर्श सुरु गर्ने विन्दुको रूपमा दक्षिण अफ्रिकी रोकथाम संयन्त्रका लागि केही विकल्प प्रस्ताव गन्यो<sup>58</sup> अस्ट्रेलियामा रोकथाम संयन्त्रको गठनको प्रस्तावसहितको मूल्यांकनलाई अस्ट्रेलियाको मानवअधिकार आयोगद्वारा करारमा राखिएका विशेषज्ञद्वारा अनुमोदन गरिएको थियो । राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था (राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था), गैरसरकारी संस्थाहरू, विशेषज्ञस्ता विविध निकायहरूले यस्तै खाले थुप्रै सूची ब्राजिल, मेकिसको र सेनेगल लगायतका देशमा तयार पारेका छन् । यी मूल्यांकन सबैभन्दा उत्तम रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि निर्णय लिने प्रक्रियालाई सहज बनाउन अति उपयोगी सिद्ध भएको कुरालाई सामान्यतया स्वीकार गरिएको छ<sup>59</sup>

<sup>58</sup> Olivia Streater, *Review of Existing Mechanisms for the Prevention and Investigation of Torture and Cruel, Inhuman and Degrading Treatment or Punishment in South Africa*, Centre for the Study of Violence and Reconciliation, 2008. Available at [www.csvr.org.za](http://www.csvr.org.za).

<sup>59</sup> APT, NPM Guide, p.10.

- हिरासतका प्रकारका आधारमा तिनीहरूको वर्गीकरण (जस्तै, प्रहरी थाना, कारागार, हिरासत, मानसिक अस्पताल, लागुपदार्थ दुर्व्यसन उपचार केन्द्र, बाल सुधारगृह, इत्यादि),
- यी प्रत्येक थुनास्थल कसको अधिकारक्षेत्रअन्तर्गत पर्दछ भन्ने कुराको पहिचान । यो विशेषगरेर संघीय राज्यमा महत्वपूर्ण हुन्छ,
- प्रत्येक हिरासत रहेका स्थान र त्यसको आकार र क्षमतासम्बन्धी सूचना,
- ज्ञात भएका प्रत्येक थुनास्थलका थुनुवाको मुख्य विवरणजस्तै थुनुवाको संख्या, लिङ्, उमेर, र अन्य सार्वभिक सूचना (जस्तै, राष्ट्रियता र धर्म) जस्ता विषयमा सूचना प्रदान गर्नु पर्दछ ।

आलेख अनुमोदन गर्नुपूर्व फ्रान्सले रोकथाम संयन्त्रको थुप्रा विकल्प खोज्यो । फ्रान्सेली The Mediateur de la Republique (सुपरीवेक्षकको कार्यालय) ले हिरासतको प्रारम्भिक रेखाचित्र तयार गर्ने कार्य सञ्चालन गन्यो । यो अभ्यासले फ्रान्सभित्रको हिरासतका किसिमको पहिचान गर्दै कुल ५,७७८ यस्ता प्रकारका हिरासत रहेको कुरा बतायो ।<sup>61</sup>

<sup>60</sup> For further information on NPM resources, see Chapter V of this manual, especially Section 5.

<sup>61</sup> Médiateur de la République Française, *Lieux privatifs de liberté, garantir la dignité. Vers un mécanisme d'évaluation*, April 2007, pp.22-23. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

कुनै पनि रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्नो सूचीमा नभएको हिरासतको पनि अनुगमन गर्नसक्ने अधिकार रहेको कुरालाई ध्यानमा राखिनु अति जस्ती छ । यो किन हो भने आलेखको धारा ४ अन्तर्गत "थुनास्थल" को परिभाषाअनुसार रोकथाम संयन्त्रले कुनै पनि व्यक्तिलाई उसको इच्छाविपरीत तथ्यगत तथा कानुनतः रूपमा कथित गोप्य हिरासतसहित सार्वजनिक अधिकारीसमक्ष थुना गरिराखेको भनी शंका गरेमा संयन्त्रसँग त्यस्तो कुनै पनि ठाँउ सम्मको पैंच हुनु पर्दछ ।<sup>62</sup>

आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि अभियानरत प्रमुख निकायले यस्ता मूल्यांकन गर्ने कार्य थालनी गर्नसक्ने भएता पनि आलेख कार्यान्वयनका लागि सरकारी निकाय, थुनास्थलका कर्मचारीहरूको प्रतिनिधि, मानवअधिकार संस्था र नागरिक समाजका सदस्यहरूको समर्थन र सुझाव पनि अपरिहार्य हुन्छ । विद्यमान अनुगमन निकाय र थुनास्थलको मूल्यांकनले सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्रको छलफलका लागि राम्रो आधार खडा गर्दछ ।

## ६. निरन्तर संवादलाई प्रवर्द्धन गर्ने

ऐच्छिक आलेख अनुमोदनको सबैभन्दा प्रारम्भिक चरणमा नै सम्भावित रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि गहन विचार गरिनु पर्दछ । रोकथाम संयन्त्रको जारी विकासका लागि आफ्नो प्रारम्भिक विकासमा रोकथाम उपसमितिले निम्नलिखित सिफारिस गरेको छ :

यातना रोकथामको कार्यमा समर्पित नागरिक समाज र अन्य निकाय संलग्न रहेको समावेशी र पारदर्शी स्थापना प्रक्रियाद्वारा नै रोकथाम संयन्त्रको विकास सर्वसाधारणबाट गरिनु पर्दछ; विद्यमान निकायलाई नै रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गर्न सोच बनाइएको विषयलाई नागरिक समाज संलग्न रहेको छलफलका लागि खुल्ला गरिनु पर्दछ ।<sup>63</sup>

<sup>62</sup> See commentary on Article 4 of the OPCAT in Chapter II of this manual.

<sup>63</sup> SPT, First annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2007 to March 2008, UN Doc. CAT/C/40/2, IV.B, 14 May 2008.

## यातनाविष्फूको महासन्धिको ऐचिक आलेख

### ६.१ यातना रोकथाम गर्ने निकाय

आलेख अनुमोदन र सम्भावित रोकथाम संयन्त्रका विकल्पलाई आलेखको राष्ट्रिय स्तरमा हुने बृहत् संवादको एक संरचनाको रूपमा छलफल गरिनु पर्दछ । यस्तो प्रकृतिको छलफलमा विविध क्षेत्रका निकायलाई संलग्न गराइनु पर्दछ ।

#### • सरकारी अधिकारी

आलेखले परिभाषित गरेअनुसार व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएको वा पार्नसकिने आशंका भएका स्थानको जिम्मेवारी पाएका सम्बन्धित मन्त्रालयका (स्थानीय, प्रादेशिक र/वा राष्ट्रिय) प्रतिनिधिहरूलाई आलेख कार्यान्वयनको राष्ट्रिय परामर्शमा समावेश गरिनु पर्दछ । आलेखअन्तर्गत कुनै पनि थुनास्थललाई कारागार वा प्रहरी थानामा मात्र सीमित गरिएको छैन भन्ने कुरालाई ध्यानमा राखिनु पर्दछ । थुनास्थलका प्रशासक र कर्मचारीजस्तै यस क्षेत्रमा प्राविधिक विशेषज्ञता हासिल गरेका सम्बन्धित मन्त्रालयका स्थायी प्रशासकलाई पनि यस्तो राष्ट्रिय परामर्शमा सहभागी गराइनु पर्दछ । स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका व्यक्तिहरूको स्याहार र संरक्षणमा हिरासतका प्रशासक र कर्मचारीहरूको विशेष दायित्व रहने भएकाले यिनीहरूको संलग्नता अपरिहार्य छ र यी कर्मचारी संस्थागत तहमा आलेखको कार्यान्वयन गर्न कटिबद्ध रहन्छन्<sup>64</sup> । सुरुआती चरणबाट नै कर्मचारीहरूमा आलेखप्रति आदर र त्यसको कार्यान्वयन र अनुमोदनमा सक्रिय सहभागीताको ज्ञान भएमा यसले रोकथाम संयन्त्रको कार्यमा बृहत् रूपले प्रभावकारीता अभिवृद्धि गराउँदछ ।

#### • संसद सदस्यहरू

व्यवस्थापिकाको सदस्यको रूपमा संसद सदस्यहरूले राष्ट्रिय स्तरमा आलेखलाई कार्यान्वयन गर्नका लागि रोकथाम संयन्त्रको मस्यौदा तयार पर्ने र कानुन अनुमोदन गर्ने सिलसिलामा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछन् । यी संसद सदस्यलाई प्रारम्भिक चरणदेखि नै (अर्थात् संसदीय छलफल सुरु हुनुभन्दा पूर्व) छलफल प्रक्रियामा सहभागी गराइनु पर्दछ । यस्ता छलफलमा सम्बन्धित विशेषज्ञ समिति (जस्तै, मानवअधिकार,

<sup>64</sup> The working conditions of staff of places of detention have a direct impact on the conditions and treatment of detainees. There is a risk of abuse if the staff of places of detention are working in very bad conditions (e.g. if there is a high rate of staff turnover, poor training, and/or poor pay).

बालअधिकार, आप्रवासी, न्याय र सामाजिक सरोकार समिति)लाई पनि समावेश गराइनु पर्दछ ।

- **राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था (राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था)** र **सुपरीवेक्षक सम्भावित रोकथाम संयन्त्रको** रूपमा गठन गरिन विचाराधीन रहेका राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था र सुपरीवेक्षकको कार्यालय<sup>65</sup> लाई पनि यस्ता खाले राष्ट्रिय परामर्शमा संलग्न गराइनु पर्दछ ।<sup>66</sup> यस्ता संस्थाहरूसँग स्वतन्त्रताबाट वजित गरिएका व्यक्तिका मुद्दाको सन्दर्भमा प्रत्यक्ष अनुभव हुने भएकोले यिनीहरूको सहभागिता अपरिहार्य हुन्छ । यस्ता संस्थामध्ये धेरैसँग अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार समितिको अनुमोदनलाई प्रवर्द्धन गर्ने र पक्षराष्ट्रले कबुलियत गरेको अन्तर्राष्ट्रिय दायित्वको सम्मानलाई अनुगमन गर्ने अखित्यार रहेको छ । राष्ट्रिय परिवेशको आधारमा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थार मध्यस्थकर्तासँग अति विस्तृत व्यक्तिहरूसम्म पहुँच हुनसक्ने क्षमता भएकोले आलेखको अनुमोदन र प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि यिनीहरू उपयोगी साझेदार हुन्छन् ।
- **हिरासत अनुगमन गर्ने वा थुनुवाहरूलाई सेवा प्रदान गर्ने संघसंस्था** धेरै राज्यहरूमा (धार्मिक, स्वास्थ्यसम्बन्धी, कानुनी आदि) सेवा प्रदान गर्ने वा हिरासतको स्थिति र थुनुवाप्रतिको व्यवहारको मूल्यांकन गर्न विशेष संघसंस्थाहरूले थुनास्थलको अनुगमन भ्रमण गर्दछन् । यस्ता संघसंस्थाअन्तर्गत निरीक्षणालय, सजाय तोक्ने न्यायाधीश, समुदायमा आधारित अप्राविधिक अनुगमन योजना, परोपकारी संस्था र अन्य गैरसरकारी संस्था पर्दछन् । कुन विद्यमान निकायलाई सम्भावित रोकथाम संयन्त्रको रूपमा ग्रहण गर्ने भन्नेबारे सिफारिस गर्न होस् वा रोकथाम संयन्त्रका लागि उचित सदस्य वा विशेषज्ञ बन्न योग्य व्यक्तिको नाम सिफारिस गर्न होस्, यी संघसंस्थाको दक्षता आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनका लागि अति महत्वपूर्ण हुन्छ । यसको अतिरिक्त यिनीहरूको दैनिक कार्य,

<sup>65</sup> Many existing institutions use the title ‘ombudsman’ as an anglicised version of the original Swedish term. Since this can imply an assumption about the gender of the office-holder, in this manual the term ‘ombudsperson’ is used. The term ‘ombudsperson’ includes public defenders and/or similar institutions, whatever their formal name.

<sup>66</sup> For further details, see APT, *National Human Rights Commissions and Ombudspersons' Offices as National Preventive Mechanisms under the Optional Protocol to the Convention against Torture*, APT, Geneva, January 2008.

अधिकार र क्रियाकलापमा आलेखको प्रभाव रहने हुँदा यी संस्थालाई सुरुदेखि नै अनुगमनका कार्यमा संलग्न गराइनु विवेकशील हुन्छ ।<sup>67</sup>

#### • नागरिक समाजका संघसंस्था

नागरिक समाजलाई प्रतिनिधित्व गर्ने संघसंस्था र/वा व्यक्तिको छनोट नागरिक समाज आफैले वा नागरिक समाजका संघसंस्थाहरूको परामर्शमा गरिने कुरा अति महत्वपूर्ण छ । यस्तो छनोट कार्यकारी सरकारको एकपक्षीय निर्णयको फलस्वरूप हुनुहुँदैन ।<sup>68</sup> आलेखको आधारका रूपमा रहेका सहयोगात्मक सिद्धान्तभन्दा भिन्न रही एकपक्षीय रूपमा निर्णय लिँदा त्यसले राज्यसँग सापेक्षिक रूपमा विरलै अन्तर्क्रिया गर्ने तत्वलाई अलग्याउने भए पनि यस्ता तत्वको यातना रोकथाममा उल्लेख्य भूमिका रहनसक्छ । आलेखको छलफल र अन्तर्क्रियाले नागरिक समाजका सबै सम्बन्धित संघसंस्थालाई एकसाथ ल्याउनु पर्दछ ।

### गैरसरकारी संघसंस्था

नागरिक समाजले स्वतः मानवअधिकारसम्बन्धी मुख्य गैरसरकारी संस्थालाई संलग्न गराउँदछ । यद्यपि आलेखको धारा ४(१) मा उलिखित थुनास्थलको फराकिलो व्याख्याको आधारमा “नागरिक समाज”लाई उसको अति विस्तृत अर्थमा व्याख्या गरिनु पर्दछ । यस्तो संवादमा यातनापीडितका लागि पुनःस्थापना केन्द्र र बन्दी र/वा तिनका आफन्तको संघसंस्थाको संलग्नता पनि अति महत्वपूर्ण हुन्छ किनकि समावेशी निर्णय प्रक्रियाले थुनामा राखिएका र/वा यातना दिइएका व्यक्तिका लागि आवाज उठाउने मौका प्रदान गर्नु पर्दछ । यी संघसंस्था स्वतन्त्रताबाट विचित पारिएका व्यक्तिको संरक्षणमा देखापरेको कमीकमजोरीबारे विशेष राय (र यसको उचित समाधान) प्रदान गर्न सक्षम भएका छन् । अन्य सम्बन्धित संघसंस्थाअन्तर्गत बन्दीको समिति, धार्मिक समूह, शैक्षिक संस्था र शरणार्थी, आप्रवासी, महिला, बालबालिका, शारीरिक रूपमा अशक्त र जातीय वा सांस्कृतिक अल्पसंख्यकलाई प्रतिनिधित्व गर्ने संघसंस्था वा समूह पर्दछन् ।<sup>69</sup>

<sup>67</sup> See Section 7.3 of Chapter V of this manual.

<sup>68</sup> APT, NPM Guide, p.9.

<sup>69</sup> APT, NPM Guide, p.9.

## अन्य पेशागत संघसंस्था

सम्बन्धित पेशागत संघसंस्थाअन्तर्गत व्यापार संघ र/वा कानुनव्यवसायी, चिकित्सक, नर्स, मनोचिकित्सक, समाजिक कार्यकर्ता र थुनास्थलका विद्यमान र पूर्व कर्मचारीहरू पर्दछन् । व्यवहारमा यी संघसंस्थालाई पनि विद्यमान थुनास्थल र अनुगमन निकायको तालिका तयार गर्ने कार्यमा सहयोग पुन्याउन समावेश सकिन्छ ।<sup>70</sup> यी संघसंस्थाले विद्यमान कानुन वा त्यसको मस्यौदामा रहेको दरारको पहिचान गर्न महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्नसक्दछ ।

### • रोकथाम उपसमिति र अन्य अन्तर्राष्ट्रिय वा क्षेत्रीय संघसंस्था<sup>71</sup>

यातना रोकथाम गर्नका लागि क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्था र अन्तरसरकारी संघसंस्था पनि उपयोगी सहभागी हुनसक्दछन् । रोकथाम संयन्त्रको अधिकार र क्षमता अभिवृद्धि गराउने सन्दर्भमा पक्षराष्ट्रलाई सिफारिस र राय सुझाव दिँदै आलेखको धारा ११(१)(ख)(iv) अन्तर्गत रोकथाम उपसमितिले आफ्नो परामर्श दिने भूमिकालाई पूरा गर्ने इच्छा जाहेर गरेको छ । कुनै पनि पक्षराष्ट्रले देशभ्रमणको जानकारी पाएको वा नपाएको भएता पनि उपसमितिले पक्षराष्ट्रलाई राय सुझाव प्रदान गर्नसक्ने कुरा महत्वपूर्ण छ ।

**६.२ सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्रको विकल्पका लागि परामर्श** आलेखले मानवअधिकारको संरक्षण र संवर्द्धनका लागि विशेष पद्धति अवलम्बन गरियोस् भन्ने चाहन्छ । आलेखको यो पद्धतिले रोकथामका उपाय कार्यान्वयनका लागि रचनात्मक संवादलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेको छ । तसर्थ आलेख अनुमोदनका लागि सबै इच्छुक निकायहरूमा बृहत् समर्थन सुनिश्चित गर्न अपरिहार्य रहेको छ । यसको अलावा आलेखको सवालमा साझा समझदारी विकास गर्दै आलेखउपरका कुरामा सूचना आदानप्रदानको कार्यलाई प्रवर्द्धन गर्न पनि उत्कृत आवश्यक रहेको छ । आलेख र यसको तात्पर्यउपर छलफल गर्न सम्बन्धित सरोकारवालालाई एकसाथ जम्मा गरिनाले आलेख अनुमोदन प्रक्रियामा समर्थन निर्माण गर्न सहयोग मिल्नुका साथै सम्भावित अवरोधका क्षेत्रहरूको पहिचान गर्न पनि सहयोग मिल्दछ ।

<sup>70</sup> See Section 5 of this chapter.

<sup>71</sup> See Sections 7.5 and 7.6 of Chapter V of this manual.

## यातनाविश्वको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

सरकारी कर्मचारी, नागरिक समाज, बन्दीका साथै अन्य सम्बन्धित राष्ट्रिय निकायहरूले रोकथाम संयन्त्रको कार्यलाई प्रभावकारी बनाउन यसलाई एक विश्वसनीय र स्वतन्त्र निकायका रूपमा हेर्नुपर्दछ । यो त्यति बेलामात्र सम्भव हुन्छ जब रोकथाम संयन्त्रको छनोट प्रक्रिया विशुद्ध रूपले समावेशी र पारदर्शी हुन्छ । छनोट प्रक्रियाले संयन्त्रको यातना तथा अन्य दुर्व्यवहार रोक्ने दायित्वलाई प्रभावकारी रूपले सम्पादन गर्न सहयोग गर्नु पर्दछ ।

यस खण्डको सुरूमा नै छलफल गरिएअनुरूप उपसमितिले रोकथाम संयन्त्रको पारदर्शी, समावेशी र सहभागीमूलक छनोट प्रक्रियामा संलग्न हुन पक्षराष्ट्रलाई सिफारिस गर्दछ । यस क्षेत्रमा अवलम्बन गरिएका राम्रा अभ्यासले के देखाउँदछन् भने कुनै पनि पक्षराष्ट्रले आलेखलाई अनुमोदन गर्ने सोच बनाउनेबित्तिकै रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि व्यापक छलफल र परामर्श सुरु गर्नु पर्दछ । यसको अतिरिक्त राष्ट्रिय संवादमा भाग लिने सरोकारवालाको पहिचान एकपक्षीय निर्णयबाट भन्दा सुरुआती परामर्श प्रक्रियाबाट गरिनु पर्दछ । यी सबै परामर्शलाई राम्ररी प्रचारप्रसार गरिनु पर्दछ र यी परामर्शमा सबै सान्दर्भिक मुदाको छलफल गरिनका लागि पर्याप्त अवसर हुनु पर्दछ । त्यसैगरी सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको सरकारले रोकथाम संयन्त्रको आफ्नो छनोट प्रक्रियाको प्रचारप्रसार गर्दै सहभागिताको अवसरलाई घोषणा गर्नु पर्दछ । तिनीहरूले यस सन्दर्भमा निर्णय लिँदा खुलस्त रूपमा लिनु पर्दछ । अन्त्यमा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रका सरकारले रोकथाम संयन्त्रको गठनसँग सम्बन्धित अन्तिम निर्णयलगायत परामर्शका नतिजा प्रचार गर्नु पर्दछ ।

यस्ता परामर्श राष्ट्रिय गोलमेच सम्मेलन, सभा, सेमिनार, लिखित निवेदन वा क्षेत्रीय वैठकको रूपमा हुनसक्दछ ।<sup>72</sup>

### • राष्ट्रिय गोष्ठी र आलेखको कार्यदल

बैनिनमा सम्पन्न यस्तै परामर्शमा दुईओटा गैरसरकारी संस्थाहरूले आलेख अनुमोदनमा लागि एक राष्ट्रिय गोष्ठीको आयोजना गन्यो जसले एक बहुविषयक (multidisciplinary) कार्यदलको स्थापनामा अग्रसर रहँदै रोकथाम संयन्त्रको प्रस्तावको मस्यौदा तयार पाएयो ।

<sup>72</sup> APT, *Civil society and National Preventive Mechanisms*, APT, Geneva, June 2008, pp.3-5. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

## • लिखित निवेदन

अस्ट्रेलियामा यस्तो परामर्श लिखित निवेदनको रूपमा सञ्चालन गरियो । सन् २००८ को मे महिनामा त्यहाँको महान्यायाधिवक्ताको कार्यालयले सबै इच्छुक राष्ट्रिय निकायबाट लिखित निवेदन आह्वान गरेकोमा त्यहाँको मानवअधिकार आयोग र अस्ट्रेलियन परिषद्लगायत अन्य केही संघसंस्थाले पनि प्रत्युत्तर पठाएका थिए । अस्ट्रेलियाको रोकथाम संयन्त्रको छनोटको छलफलका लागि आयोजना गरिएको यो परामर्श बैठक अस्ट्रेलियाको विभिन्न राज्य र भू-भागहरूमा गोष्ठीका रूपमा सम्पन्न गरिएको थियो ।

## • क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय घटना

धेरै पक्षराष्ट्रले अन्य राष्ट्रको रोकथाम संयन्त्रको छनोटलाई अध्ययन गरिनुपर्ने कुरालाई अति महत्वका साथ हेरेका छन् । उचित रोकथाम संयन्त्रको छनोट गर्ने वा त्यसको रूपरेखा तयार पार्नेजस्ता मुद्दा वा चासो सोही क्षेत्रका अन्य पक्षराष्ट्रमा पनि उठने गर्दछ । अतः यस्ता चासोको विषयलाई निक्यौल गर्न क्षेत्रीय घटनाले आलेख कार्यान्वयन र रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि राम्रा अभ्यासमा सूचना आदानप्रदान गर्न सहज बनाउनसक्दछ । यसका अतिरिक्त यस्ता घटनाले पक्षराष्ट्रबीच सिर्जना गर्ने समकक्षीमूलक दबाबले राष्ट्रिय प्रक्रियालाई परिचालन गर्नसक्दछ । यद्यपि यस्ता घटना राष्ट्रिय प्रक्रिया सुरु भइसकेको अवस्थामा अझ बढी फलदायी हुने गर्दछ । आलेख अनुमोदनको पहिले क्षेत्रीय गोष्ठी सन् २००७ मा पाराग्वेमा सम्पन्न भयो । Southern Market Common States का प्रतिनिधिले आफ्ना सम्बन्धित राष्ट्रमा आलेख कार्यान्वयनका बारे सूचना आदानप्रदान गरेका थिए । त्यसमा उपसमिति र नागरिक समाजका सदस्यको पनि सहभागिता रहेको थियो । सन् २००८ मा एपिटिले सङ्घात्मक र विकेन्द्रित पक्षराष्ट्रहरूमा आलेख कार्यान्वयनका दौरान देखाएर चुनौतीका सन्दर्भमा अर्जन्टिनामा एक अन्तर्राष्ट्रिय गोष्ठीको सह-आयोजना गन्यो । उक्त गोष्ठीमा अमेरिकी महाद्वीप, युरोप र अस्ट्रेलियाका १० राज्यहरूको सहभागिता रहेको थियो ।

यस्तो प्रकारको राष्ट्रिय परामर्शमा क्षेत्रीय विशेषज्ञ (प्रायः सरकारी प्रतिनिधि, निश्चित राष्ट्रमा आलेखको वकालतलाई अगुवाइ गरिरहेका गैरसरकारी संस्थाका प्रतिनिधि र रथापना भइसकेको रोकथाम संयन्त्रका सदस्य/कर्मचारी)लाई आमन्त्रण गरिनाले छलफलको प्रभावकारिता अभिवृद्धि हुनसक्दछ । उदाहरणका लागि काजकस्तानले संयुक्त अधिराज्यमा त्यहाँको आलेखको प्रमुख राष्ट्रिय निकाय र विद्यमान अनुगमन निकायसँग भेटवार्ता गर्न

मन्त्रालयले आफ्नो संसारभरका दुतावासलाई सम्बन्धित राष्ट्रहरूमा भएको आलेख कार्यान्वयनको सूचना मिलान गर्न निर्देशन गरेको थियो ।

### • रोकथाम उपसमितिसँगको संलग्नता<sup>73</sup>

अन्तमा प्रत्येक विद्यमान वा सम्भावित पक्षराष्ट्रले अझ गहन प्राविधिक सल्लाह पाउनका लागि आफ्नो राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय बैठकमा रोकथाम उपसमितिलाई आमन्त्रण गर्न सोच बनाउनु पर्दछ । उपसमितिले पनि प्रभावकारी यातना रोकथामका लागि रोकथाम संयन्त्रसँग नै प्रत्यक्ष रूपमा कार्य गर्न आवश्यक ठानेको छ । “रोकथाम संयन्त्रको शुरूवाती चरणका दौरान संयन्त्रसँग काम गर्न सक्ने आफ्नो क्षमता हुनुपर्ने”<sup>74</sup> कुरालाई पनि उपसमितिले विशेष जोड दिएको छ । तसर्थ राष्ट्रिय निकायहरूले उपसमितिका सदस्यलाई रोकथाम संयन्त्रको छनोटको राष्ट्रिय परामर्शमा सहभागी हुन निमन्त्रणा गर्न सक्दछन् । रोकथाम संयन्त्रको विधान आलेखको भावनाअनुरूप भए नभएकोबारे टिप्पणी एवं राय सल्लाहको अपेक्षा गर्दै यी राष्ट्रिय निकायले उपसमितिका सदस्यलाई उक्त विधानको मस्यौदा उपलब्ध गराउँदछन् । पाराग्वेमा यातना रोक्नका निम्ति एउटा नयाँ राष्ट्रिय समितिलाई रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन गर्न बसेको विधान मस्यौदाको परामर्श बैठकमा रोकथाम उपसमितिलगायत त्यहाँको अन्तर्राष्ट्रिय एवं क्षेत्रीय संघसंस्थाको पनि संलग्नता रहेको थियो । उक्त विधानलाई त्यहाँको सदनमा २६ जुन २००७ मा पेश गरिएको थियो ।<sup>75</sup>

## ७. रोकथाम संयन्त्रको विकल्प

यी माथि उल्लिखित कदम चालिसकेपश्चात् रोकथाम संयन्त्रको छनोटका कुरा उठाइनु पर्दछ । यस सन्दर्भमा उठ्ने अर्को प्रश्न भनेको एक नयाँ रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्ने वा विद्यमान निकायलाई नै रोकथाम संयन्त्रका रूपमा विकास गर्ने वा नयाँ, विद्यमान वा दुवैको मिश्रण रहेको धेरै निकायबाट संयन्त्रको गठन गर्ने भन्ने हो । हिरासतको

<sup>73</sup> See also Section 3.3.1 of Chapter III of this manual.

<sup>74</sup> SPT, First annual report, §54.

<sup>75</sup> For more information on Paraguay, see APT, OPCAT Country Status. At the time of the writing, the draft law was under consideration by Parliament.

पुनरावलोकन र आलेखको मापदण्डअनुरूप विद्यमान अनुगमन निकायको मूल्यांकनजस्ता मापदण्डले राष्ट्रिय निकायलाई उचित रोकथाम संयन्त्रको विकल्पको मूल्यांकन गर्न सहयोग गर्नसक्दछ । उपसमितिले सबैभन्दा उचित रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्दा त्यस राष्ट्रको जटिलता, उसको प्रशासनिक र आर्थिक संरचना तथा उसको भौगोलिक स्थितिजस्ता कुरालाई ध्यान दिइनु पर्दछ भन्ने कुराको सिफारिस गर्दछ ।<sup>76</sup>

रोकथाम संयन्त्रले “यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारविरुद्धको संरक्षणको विद्यमान प्रणालीलाई पूरा गर्नु पर्दछ भन्ने कुरा उपसमितिले दिएको छ । नयाँ गठन हुने संयन्त्रले सरकारी वा गैरसरकारी निकायको अनुगमन, नियन्त्रण र निरीक्षण गर्न कुनै पनि कार्यलाई प्रतिस्थापन वा नक्कल गर्नुहुँदैन ।”<sup>77</sup>

रोकथाम संयन्त्रको कुनै एक छनोट प्रक्रिया अर्कोभन्दा कदाचित् उत्कृष्ट हुँदैन । जस्तोसुकै औपचारिक संरचना भएता पनि कुनै पनि रोकथाम संयन्त्रमा माथि उलिखित स्वायत्तता, भिन्न गठन र प्रभावकारी रूपमा हिरासत अनुगमनका लागि आवश्यक पर्ने अधिकार र जिम्मेवारी जस्ता कुराको अभावमा त्यसले प्रभावकारी रूपमा आफ्नो कार्य सम्पादन गर्नसक्दैन ।<sup>78</sup> यद्यपि रोकथाम संयन्त्रको गठन प्रक्रियामा देखापरेका अनुभवले के कुरा प्रदर्शित गरेको छ भने नयाँ र विद्यमान रोकथाम संयन्त्र वा कुनै ऐउटा निकाय वा विविध निकायलाई संयन्त्रको रूपमा गठन गरिने सम्बन्धमा विशेष चुनौती उठनसक्ने सम्भावना रहेको हुन्छ ।<sup>79</sup>

## ७.१ विशेष ज्ञानयुक्त नयाँ निकायहरू

विशेषगरेर रोकथाम संयन्त्रको कार्यदिशलाई सम्पादन गर्न पक्षराष्ट्रले नयाँ निकायको स्थापना गर्ने कुराको निर्णय लिनसक्दछ । यस्ता निकायमा स्पष्ट र रोकथाममा नै केन्द्रित रहेको अधिकार रहने हुनाले यिनीहरूले यातनासँग सम्बन्धित मुदालाई विशेष प्राथमिकता दिन सक्दछन् । तसर्थ यिनीहरूसँग बृहत् अधिकारसम्पन्न विद्यमान निकायभन्दा

<sup>76</sup> SPT, Third annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, April 2009 to March 2010, 25 March 2010, §49.

<sup>77</sup> SPT, Third annual report, §50.

<sup>78</sup> For further information, see Section 5.1 of this chapter.

<sup>79</sup> For a more detailed consideration of these issues, see APT, NPM Guide, Chapter 10.

## यातनाविवृद्धको महासन्धिको ऐचिक आलेख

बढी प्रभाव रहने देखिन्छ । पक्षराष्ट्रलाई पनि विद्यमान र चालु अवस्थामा रहेका निकायलाई संयन्त्रको रूपमा स्थापना गर्न विद्यानमा संशोधन गर्नुभन्दा नयाँ संयन्त्रको स्थापना गर्न नयाँ कानुन बनाउन सजिलो हुन्छ । यसका अतिरिक्त विद्यमान निकायभन्दा नयाँ विद्यानद्वारा स्थापित नयाँ निकाय आफ्नो अधिकार, स्वायतता र कर्मचारीको विविधताका सन्दर्भमा अझ बढी ऐचिक आलेखसँग मेल खाने खालको हुनसकदछ ।

हुनत रोकथाम संयन्त्रको छनोटको यो विकल्प चुनौतीरहित भने छैन । यस्ता नयाँ निकायलाई संयन्त्रको रूपमा स्थापना गरिनाले उसको आफ्नै कार्यको सन्दर्भमा यस्ता निकायले जनविश्वास स्थापनामा विभिन्न किसिमका अष्ट्याराको सामना गर्नसकदछ । यसका अतिरिक्त नयाँ निकायले संयन्त्रको रूपमा आफ्नो भूमिका निर्वाह गर्दा उसको आफ्नै वैधानिकता, विश्वसनीयता र एउटा स्वतन्त्र निकायका रूपमा ग्रहण गरिने सन्दर्भमा पनि थुप्रै चुनौतीको सामना गर्नुपर्ने हुन्छ । सबै खाले हिरासतमा समान पहुँच सुनिश्चित गर्नका लागि पनि नयाँ निकायलाई चुनौतीको सामना गर्नुपर्ने हुन्छ । यी सबै खाले चुनौती माथि विजय प्राप्त गर्न एकमात्र उपाय भनेको रोकथाम संयन्त्रको अधिकारबारे सम्बन्धित अधिकारी र नागरिक समाजप्रति लक्षित जनचेतना अभिवृद्धिका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नै हो । विशेष ज्ञान र दक्षतायुक्त नयाँ निकायको स्थापना गर्दा दीर्घकालीन परिदृश्यको आवश्यकता पर्दछ र यसका लागि त्यस निकायलाई पर्याप्त र दिगो मानवीय, व्यवस्थापकीय तथा आर्थिक स्रोत प्रदान गरिनु पर्दछ । जनचेतना अभिवृद्धिको कार्यबाहेक त्यस निकाय आफैले पनि सम्बन्धित अधिकारी, समानखालको अधिकार पाएका विद्यमान संस्था र नागरिक समाजका संघसंस्थासँग रचनात्मक संवाद सञ्चालन गर्नु वाञ्छनीय हुन्छ ।

नागरिक समाजलगायतका विभिन्न राष्ट्रिय निकायसँगको बृहत् परामर्श र विद्यमान अनुगमन निकायको प्रारम्भिक मूल्यांकनको फलस्वरूप सेनेगलको सरकारले रोकथाम संयन्त्रको अधिकार सम्पादन गर्न The General Observer of Places of Deprivation of Liberty नामक एक नयाँ निकायको गठन गर्ने निर्णय गरेको थियो ।

## ७.२ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था

पक्षराष्ट्रले आफ्नो मानवअधिकार संस्था (राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था)लाई रोकथाम संयन्त्रको अधिकार प्रत्यायोजन गर्ने निर्णय लिनसकदछ । राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाभन्नाले सामान्यतय "संविधान, कानुन, वा विशेष आदेशअन्तर्गत सरकारद्वारा स्थापित निकाय हुन्

जसको कार्य विशेषगरेर मानवअधिकारको संवर्द्धन र संरक्षणको आधारमा व्याख्या गरिएको छ ।<sup>80</sup> राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई प्रायः राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोग र सुपरीवेक्षकको कार्यालय गरी दुईओटा बृहत् श्रेणीमा विभाजन गरिएको छ ।

संयुक्त राष्ट्रसंघको सिद्धान्तसँग सम्बन्धित मानवअधिकारको संरक्षण र संवर्द्धनका (पेरिस सिद्धान्त) <sup>81</sup> लागि कटिबद्ध यस्ता राष्ट्रिय संस्थाको कार्य र हैसियतको पक्षराष्ट्रद्वारा उचित सम्मान होस् भन्ने आलेखले चाहेको हुन्छ ।<sup>82</sup> यद्यपि यो प्रावधानलाई कुनै पनि राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई स्वतः रोकथाम संयन्त्रको अखित्यार दिइने भन्ने कारणको रूपमा व्याख्या गरिनुहुँदैन । यो प्रावधानले त कुनै पनि रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनाका दौरान देखार्पनसक्ने प्रमुख मुद्दा र चुनौती निर्क्षेल गर्न मार्गदर्शकको रूपमा कार्य गर्नु पर्दछ ।

**७.२.१ विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था (राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था)**  
 विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा गठन गरिने<sup>83</sup> प्रावधानलाई पक्षराष्ट्रद्वारा आलेखअन्तर्गतको आफ्नो दायित्वलाई सस्तो तरिकाले कार्यान्वयन गर्न रूपमा हेरिनुहुँदैन । विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई थप अधिकार प्रत्यायोजन गरिए रामानवीय र आर्थिकजस्ता अन्य थप स्रोतको पनि आवश्यकता पर्दछ । उदाहरणका लागि राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको मानवअधिकारको सामान्य अखित्यार र रोकथाम संयन्त्रको विशेष प्रकृतिको रोकथामको अधिकारबीच भिन्नता हुनुपर्ने कुरा रोकथाम उपसमितिले व्यक्त गरेको छ ।<sup>84</sup> यद्यपि विद्यमान राष्ट्रिय

<sup>80</sup> United Nations, National Human Rights Institutions. A handbook on the establishment and strengthening of national institutions for the promotions and protection of human rights, Professional Training Series No 4, 1995, §39.

<sup>81</sup> Paris Principles, UN Doc. GA Res 48/134, 20 December 1993.

<sup>82</sup> OPCAT, Article 18(4).

<sup>83</sup> Albania, Armenia, Azerbaijan, Chile, Costa Rica, Cyprus, the Czech Republic, Denmark, Estonia, Georgia, the Former Yugoslav Republic of Macedonia, the Maldives, Mali, Mauritius, Mexico, Moldova, New Zealand, Poland, Spain, Sweden and Uruguay have all designated or established an NHRI as their NPM or part thereof. For further information see [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>84</sup> SPT, Second annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2008 to March 2009, UN Doc. CAT/C/42/2, 7 April 2009, §49.

## यातनाविष्फूलको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

मानवअधिकार संस्थालाई नै रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन गरिए दोषी फाइदा हुन्छ । राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले पहिले नै जनविश्वास प्राप्त गरिसकेको र एक प्रमुख मानवअधिकार निकायको रूपमा ख्याति कमाएको हुन्छ<sup>४५</sup> यसको अतिरिक्त कुनै राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थासँग त हिरासत अनुगमन गरिसकेको अनुभव पनि रहेको हुन्छ । तसर्थ केही पक्षराष्ट्रले यो विकल्पलाई राजनैतिक रूपमा वाच्छनीय रहेको र विद्यमान संस्थाले गरेको कामको नक्कल हुन नदिन सरल रहेको कुरा स्वीकारेका छन् ।

रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्नो कार्य सम्पादन गर्नका लागि स्वायत्तता अति आवश्यक हुन्छ र यस सन्दर्भमा भने राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको स्थिति फरकफरक हुनसक्दछ । केही राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था आफ्नो राष्ट्रको सरकारको कार्यकारी अङ्गबाट स्वतन्त्र रहेका हुन्छन् । विशेषगरेर राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको यो स्थिति त्यतिबेला हुन्छ जब उसको अधिकारलाई पेरिस सिद्धान्तसँग मेल खानेगरी राष्ट्रिय संविधानमा नै सुरक्षित राखिएको हुन्छ<sup>४६</sup> विशेष दक्षतायुक्त नयाँ निकायको रूपमा रोकथाम संयन्त्रलाई स्वतन्त्र, वैधानिक र विश्वसनीय निकायका रूपमा हेरिनु पर्दछ । यद्यपि केही विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था आलेखले निर्दिष्ट गरेका आवश्यकतासँग मेल न खाने खालका रहेका छन् । उदाहरणका लागि केही राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थासँग सरकारलाई मानवअधिकारका मुद्दाको नीति निर्माणमा सुझाव दिने अस्तियार रहने भएकाले तिनीहरूको सदस्यमा सरकारका प्रतिनिधि पनि रहेका हुन्छन् । यस्ताखाले राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थारोकथाम संयन्त्रको लागि आवश्यक पर्ने आलेखले निर्दिष्ट गरेको मापदण्डअन्तर्गत पर्दैनन्<sup>४७</sup>

विद्यमान र स्वतन्त्र राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन गर्दा संस्थाको अधिकार र कार्यपद्धतिका साथै उसको स्रोतसँग सम्बन्धित कुरामा विभिन्न किसिमका चुनौती देखा पर्दछन् ।

पहिले चुनौतीअन्तर्गत केही राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले अंगीकार गर्ने कानुनी पद्धति हो । राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको यो पद्धति विशेष प्रशासनिक कारबाही, उचित

<sup>४५</sup> APT, *National Human Rights Commission and Ombudsperson's Offices/ Ombudsmen as National Preventive Mechanisms under the Optional Protocol to the UN Convention against Torture*, APT, Geneva, January 2008. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>४६</sup> APT, *NPM Guide*, p.83.

<sup>४७</sup> APT, *NPM Guide*, p.82.

प्रशासनिक प्रक्रिया र/वा निष्पक्षताको मापदण्डअनुकूल छ वा छैन भन्ने कुराको निश्चय गर्न केन्द्रित रहेको छ । यस्तो पद्धति अंगीकार गरेका राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई आलेखद्वारा माग गरिएका नीतिगत पद्धतिलाई अंगीकार गर्न कठिन हुन्छ किनकि यस्तो पद्धतिअन्तर्गत राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले रोकथाम संयन्त्रको अधिकारसँग सम्बन्धित विद्यमान कानुन र मस्यौदा उपर टिप्पणी गर्ने गर्दछ ।<sup>88</sup>

दोस्रो, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको अधिकार अति व्यापक र बृहत् रहेको छ । यसको कार्यादेश कहिलेकाही मानवअधिकारको प्रवर्द्धनदेखि अर्धन्यायिक अधिकारसम्म विस्तारित हुन्छ । धेरै राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई उल्लंघनसम्बन्धी घटनाको व्यक्तिगत उजुरी सुन्ने र त्यस उपर छानबिन गर्ने अधिकार दिइएको हुन्छ । थुनारथलमा थुनुवालाई गरिएको वा भविष्यमा हुनसक्ने दुर्व्यवहार रोकनका लागि नियमित हिरासतको अनुगमन र दुर्व्यवहार गरिएका कुनै व्यक्तिविशेषको उत्तर दुर्व्यवहारउपर छानबिनका बीच आलेखले स्पष्ट रूपले फरक छुट्ट्याएको छ । हुनत व्यवहारमा यी दुई कार्यका बीच उल्लेख्य एकरूपता हुनसक्दछ तर पनि सत्यतथ्य पत्ता लगाइसकेपछि कुनै व्यक्तिविशेषका मुद्दाको छानबिनका लागि गरिने अनुगमनले प्रायः आलेखको उद्देश्य रहेको बृहत् रोकथाममूलक असरको प्राप्तिमा सहयोग गर्दैन । मुख्य रूपमा बन्दीलाई दुर्व्यवहारबाट जोगाउन गरिने अनुगमन र सामान्य निरीक्षण, आर्थिक वर्षमा सम्पादन गरिएका कार्यको पुनरावलोकन अथवा फौजदारी वा न्यायिक निर्णय प्रक्रियाको भागमा रहेको निष्पक्ष सत्यतथ्य पत्ता लगाउने अभियानजस्ता अन्य प्रयोजनका लागि गरिने अनुगमनका बीच पनि आलेखले स्पष्ट रूपले फरक छुट्ट्याएको छ ।<sup>89</sup> यी दुवै कार्यादेशलाई एकसाथ सञ्चालन गर्नु राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको लागि चुनौतीपूर्ण हुनसक्दछ ।

तेस्रो, धेरै राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले हिरासत अनुगमनको कार्यसञ्चालन गरिसकेका छन् । यद्यपि केही राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले व्यक्तिगत उजुरीउपर प्रतिक्रिया गर्ने र कार्य गर्ने गर्दछन् भने केहीले चाहिँ विषयगत मुद्दाको विश्लेषण गर्न हिरासत अनुगमन गर्नेजस्ता कार्य गर्दछन् । अतः आलेखको चाहनाबमोजिम सबै खाले हिरासतमा व्यवस्थित रोकथाम अनुगमन सञ्चालन गर्न राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था सक्षम छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने केवल हिरासत अनुगमनको पूर्व अनुभव पर्याप्त नहुनसक्छ ।<sup>90</sup>

<sup>88</sup> APT, *NPM Guide*, p.82.

<sup>89</sup> APT, *NHRIs and Ombudspersons as NPMs*, p.4.

<sup>90</sup> APT, *NPM Guide*, p.83.

## यातनाविष्फूको महासचिको ऐच्छिक आलेख

चौथो, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको काम गर्ने प्रकृति (विशेषगरेर सुपरीवेक्षकको कार्यालय) ले तिनीहरूको सदस्य र कर्मचारीमा अधिकांश कानुन व्यवसायी रहेको कुरा स्पष्ट हुन्छ । यद्यपि संयन्त्रको रोकथाम कार्यादेशका लागि भने स्वास्थ्य क्षेत्रलगायत अन्य विविध पेशागत पृष्ठभूमिका विशेषज्ञको आवश्यकता पर्दछ ।<sup>91</sup>

पाँचौ, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको रोकथामको कार्यको प्रकृतिअनुसार तिनीहरूलाई गोप्य सूचनासम्मको पहुँच आवश्यक हुन्छ जुन केवल विशेष अधिकारप्राप्त व्यक्तिमा मात्र सीमित हुनु पर्दछ ।<sup>92</sup> विशेषगरेर जब कुनै रोकथाम संयन्त्रको भूमिका संस्थाभित्रका नै विभिन्न विभागले सञ्चालन गर्दछन् तब यस्तो प्रकारको सूचनाको गोपनीयता कायम गर्न विद्यमान निकायका लागि अति चुनौतीपूर्ण हुन्छ ।

अन्तमा रोकथाम संयन्त्रको गठनको सन्दर्भमा अपनाइएका अनुभवले के कुरा स्पष्ट पार्दछन् भने नयाँ र विशेष खालको कार्यादेश विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई उसको निर्णय प्रक्रिया र संस्थाभित्र कार्य र जिम्मेवारी विभाजन गर्ने सन्दर्भमा एक चुनौतीको रूपमा खडा हुन सक्दछ । अतः यी सञ्चालनसम्बन्धी मुद्दालाई रोकथाम संयन्त्रको गठनका दौरान विशेष ध्यान दिइनु पर्दछ ।<sup>93</sup>

तसर्थ विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई नै रोकथाम संयन्त्रको भूमिकाको अभिभारा सुनिँदा विधानको संशोधन, कार्यपद्धतीय तथा संरचनागत परिवर्तन र थप मानवीय, कानूनी तथा आर्थिक स्रोतको प्रावधानको आवश्यकता सधैं पर्ने गर्दछ ।

यो समस्या समाधानको एक व्यवहारिक उपाय भनेको संस्थाको विद्यमान कार्यादेश र संयन्त्रको रोकथामको विशेष कार्यादेशबीचको अन्योल हटाउन राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाभित्र नै एउटा छुटै रोकथाम संयन्त्रको एकाइ गठन गर्नु हो ।<sup>94</sup> रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई भने समग्रमा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाका लागि एक संस्थागत अग्रताको रूपमा हेरिनु पर्दछ र यो कालान्तरसम्म दिगो रहनु पर्दछ ।

<sup>91</sup> APT, NPM Guide, p.83.

<sup>92</sup> OPCAT, Article 21. For more information, see commentary in Chapter II of this manual.

<sup>93</sup> For further information on this issue, see Section 6.3 of Chapter V of this manual.

<sup>94</sup> The SPT recommends that when existing institution is designated as NPM the NPM should be constituted as a separate unit or department, with its own staff and budget. See SPT, Third annual report, §51; and Section 6.1 of Chapter V of this manual.

मालिदभ्समा त्यहाँको राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोगले विभिन्न पेशागत पृष्ठभूमिका ५ सदस्य रहेको एक विशेष एकाइको गठन गन्यो । त्यो विशेष एकाइलाई नै पछि रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन गरियो । कार्य सम्पादनका दौरान देखार्पनसक्ने सम्भावित प्रतिलिपीकरण र त्रुटिहरू हटाउन अनि कार्य तथा जिम्मेवारीको प्रभावकारी विभाजन सुनिश्चित गर्नका लागि रोकथाम संयन्त्र र उजुरी गर्ने एकाइको प्रयासका बीच सामञ्जस्य त्याउन विशेष खालका प्रक्रियाको विकास गरिएको छ ।

मानवअधिकारको जनसंरक्षक (सुपरिवेक्षकको कार्यालय) नै चेक गणतन्त्रको रोकथाम संयन्त्र हो । बहुविषयक टोलीको आवश्यकता पूरा गर्न यस संयन्त्रले आशिक रूपमा मनोवैज्ञानिक र चिकित्सकलगायतका विशेषज्ञलाई आफ्नो अनुगमन टोलीको एक भागको रूपमा खटाएको छ । यी विशेषज्ञले सूचनाको गोपनीयतासँग सम्बन्धित कुरालगायत जनसंरक्षकका नियम कानुनको सम्मान गर्नु पर्दछ ।<sup>95</sup>

## ७.२.२ नयाँ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था

कैदौ परिस्थितिमा रोकथाम संयन्त्रको गठनका सम्बन्धमा हुने राष्ट्रिय छलफलमा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको अनुपरिस्थितिको उल्लेखनीय असर हुनेगर्दछ । आलेख र रोकथाम संयन्त्रको गठनउपरको राष्ट्रिय स्तरको छलफलको अवसरलाई सम्बन्धित राष्ट्रिय राष्ट्रिय कर्ताहरूले रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश वहन गर्ने राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको स्थापना गर्नका लागि उपयोग गर्नसक्छन् । यसको विपरीत राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको स्थापनार्थ हुने जारी राष्ट्रिय छलफलले रोकथाम संयन्त्रको गठनका लागि पनि छलफलको अवसर प्रदान गर्न सक्दछ । उदाहरणका लागि यस्तो परिस्थिति चिली, जापान र उझ्वेमा रहेको छ ।

राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको अभावका बाबजुद पक्षराष्ट्रले (जस्तै, स्वीट्जरल्याण्ड जसले सन् २००९ मा यातना रोकथाम आयोगको स्थापना गरेको थियो) रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनालाई उच्च प्राथमिकता दिने निर्णय गरेको छ । रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशको जिम्मेवारी वहन गर्ने सन्दर्भमा नयाँ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाले पाएसरहको चुनौतीको सामना गर्नुपर्ने भएता पनि नयाँ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको स्थापनालाई पूर्ण रूपमा आलेखको भावनाअनुरूपको

<sup>95</sup> APT, OPCAT Country Status.

संस्था स्थापना गर्ने अवसरको रूपमा हेरिनु पर्दछ । नयाँ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको स्थापनाले संयन्त्रको रोकथाम कार्यादेश र आरम्भदेखि नै विचार गरिनुपर्ने पद्धति निर्दिष्ट गर्नका लागि आवश्यक छुट प्रदान गर्दछ ।

रोकथाम संयन्त्रका रूपमा गठन हुने राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको स्वरूपका (जस्तै, सुपरीवेक्षकको कार्यालय, राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोग वा मानवअधिकार परामर्श निकाय) विषयमा निर्णय लिँदा नीति निर्माणकर्ताले अन्य मुद्दाका अलावा त्यसको स्वायत्ता र बहुविषयक गठनलाई पनि विचार पुऱ्याउनु पर्दछ । यस्ता तत्वले राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको कार्यादेश र संरचनाका साथै सदस्य र कर्मचारी छनोट प्रक्रियामा पनि प्रभाव पार्दछ । नयाँ निकायको स्थापनापश्चात् रोकथाम संयन्त्रका लागि आलेखले निर्दिष्ट गरेको थप आवश्यकता जर्तै, सबै खाले हिरासतसम्भको पहुँच; सबै सम्बन्धित सूचना र व्यक्तिसम्भको पहुँच; रोकथाम संयन्त्रका सदस्यका लागि उन्नुक्ति; रोकथाम संयन्त्रलाई सहयोग गरेको व्यक्ति र संघसंस्थालाई प्रतिशोधविवरण संरक्षण र विधान तथा नीतिमा राय सल्लाह दिनसक्ने क्षमतालागायत यी माथि उल्लिखित सबै मुद्दालाई पनि उक्त निकायको कार्यादेश र स्थापनार्थ बनाइएको विधानमा नै उल्लेख गर्नसकिन्छ ।

## ४

अन्तमा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको फराकिलो र रोकथाम संयन्त्रको विशेष कार्यादेशका बीचको दुविधालाई हटाउनका लागि संरचनागत र कार्यविधिसम्बन्धी प्रक्रियाको स्थापना गर्नु पर्दछ । उदाहरणका एक रोकथाम संयन्त्रको एकाइको स्थापना वा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाको संयन्त्रसम्बन्धी कार्यका लागि नै भनेर छुट्ट्याइने कोषको स्थापना गर्नु पर्दछ । विद्यमान राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई जस्तै नयाँ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाका लागि समेत संयन्त्रको कार्यादेश पनि पूर्ण रूपले एक दिगो संस्थागत प्राथमिकता हो भनी बुझिनु पर्दछ ।

### ७.३ राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाका र नागरिक समाजका संघसंस्था<sup>96</sup>

केही पक्षराष्ट्रले नागरिक समाजका संघसंस्थालाई संयन्त्रको विशेषगरेर रोकथाम अनुगमनका कार्यसँग सम्बन्धित कार्यादेशमा औपचारिक रूपमा सलग्न गराएर विद्यमान संस्थालाई नै रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन गर्ने निर्णय लिनसक्दछन् । यस्तो पद्धतिले धेरै विद्यमान

<sup>96</sup> See Section 6.2 of Chapter IV of this manual.

संस्थाले सामना गर्न सीमित स्रोत र/वा हिरासत अनुगमनसँग सम्बन्धित दक्षतालाई सम्बोधन गर्ने प्रभावकारी तरिका सिद्ध हुनसक्दछ । रोकथाम संयन्त्रको भूमिका पूरा गर्न नागरिक समाजका संघसंस्थाको छनोट प्रक्रिया समावेशी, पारदर्शी हुनु पर्दछ चाहे उक्त छनोट प्रक्रियामा सम्पूर्ण संस्थाले भाग लिने अपेक्षा राखिएको होस् चाहे केही विशेषज्ञमात्र नै किन नियुक्त नहोस् ।

नागरिक समाजका यस्ता संघसंस्थालाई संलग्न गराउनाले रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश र उसको विश्वसनीयतालाई एक संस्थाको रूपमा वैधानिकता प्रदान गर्न सहयोग मिल्दछ किनकि यस्ता संघसंस्था संरचनागत रूपमा सरकारी नियन्त्रणभन्दा बाहिर हुन्छन् । तिनीहरुको संलग्नताले राष्ट्रिय स्तरमा गरिने हिरासत अनुगमनको अभ विस्तृत रूपमा समेट्ने कुराको सुनिश्चित गर्नसक्दछ । राष्ट्रिय मानवाधिकार संस्था र नागरिक समाजको छनोट प्रक्रियामा नागरिक समाज प्रायः जसो हिरासत अनुगमनका कार्यक्रम र त्यसको प्रतिवेदन तयार गर्ने कार्यमा संलग्न हुन्छ । रोकथाम संयन्त्रले गर्ने कार्यको सम्बन्धमा नागरिक समाजका संघसंस्थाका अधिकार र कर्तव्यको व्याख्या गर्नका लागि स्पष्ट प्रक्रिया अवलम्बन र कार्यान्वयन गरिनु पर्दछ । यसको अतिरिक्त रोकथाम संयन्त्रका कार्यमा संलग्न रहेदा यस्ता संघसंस्थालाई आवश्यक पर्ने जिम्मेवारी, उन्मुक्ति र अधिकार प्रत्यायोजन गरिनु पर्दछ । अन्तमा यस्तो कार्यका दौरान गोपनीयता र सूचना आदानप्रदान जस्ता प्रक्रियाको स्थापना गरिनु पर्दछ ।

यद्यपि यस्ता कार्यमा नागरिक समाजको संलग्नता चुनौतीपूर्ण हुनसक्दछ । विशेषगरेर हिरासत अनुगमनका क्षेत्रमा आफ्नो दरिलो स्थान सिर्जना गरेको संस्थाको सरकारसँगको सम्बन्ध प्रतिकूल रहेको अवस्थामा यस्ता कार्य चुनौतीपूर्ण हुनसक्दछन् । यसको अतिरिक्त केही नागरिक समाजका निकायले आफ्नो र सरकारी अधिकारीका बीच रहेको आलोचनात्मक प्रवृत्तिमा आलेखले खोजेको जस्तो सहयोगात्मक संवादद्वारा सामज्जस्य स्थापित गर्ने सिलसिलामा कैयौं कठिनाइ भोग्नुपर्ने हुन्छ । यसको अलावा रोकथाम संयन्त्रमा औपचारिक रूपले संलग्न हुनु भनेको संयन्त्रको कानुनी अधिकार, संरचनागत र आर्थिक व्यवस्थासम्बन्धी दायित्व पनि वहन गर्नु हो । आफ्नै संगठनात्मक चासोबाट कार्य सञ्चालनसम्बन्धी लचकताको अभावमा अति कठिन हुन्छ<sup>97</sup> तसर्थ रोकथाम

<sup>97</sup> APT, *Civil society and National Preventive Mechanisms*, p.13.

संयन्त्रको मुख्य निकाय र आफूले संयन्त्रको कार्यादेश विभाजन गर्न नागरिक समाजका संघसंस्थाबीचको भूमिका र दायित्वको स्पष्ट विभाजन सुनिश्चित गर्नका लागि कानुन वा औपचारिक सहमतिद्वारा स्पष्ट प्रक्रिया सञ्चालनमा ल्याइनु पर्दछ ।

"रोकथाम संयन्त्रको दक्षता र कर्तव्य मानवअधिकार सुपरीवेक्षक र निजको सहमतिमा गैरसरकारी संस्थाले निर्वाह गर्न<sup>98</sup> कुरा आलेख अनुमोदनको समयमा स्लोभेनियाले व्यक्त गरेको थियो । स्लोभेनियामा दर्ता भएका सबै गैरसरकारी संस्थाका लागि खुल्ला गरिने सार्वजनिक टेन्डरको आधारमा त्यहाँको मानवअधिकार सुपरीवेक्षकले रोकथाम संयन्त्रको कर्तव्य पूरा गर्न गैरसरकारी संस्थाको छनोट गर्दछ । औपचारिक सहमति वार्षिक रूपमा मानवअधिकार सुपरीवेक्षक र छानिएका नागरिक समाजका संघसंस्थाका बीच सञ्चालन गरिन्छ<sup>99</sup> । त्यसपछि मात्र संयन्त्रको कार्यादेश वहन गर्न चुनिएका संघसंस्थाहरूले मानवअधिकार सुपरीवेक्षकको निर्देशन र नियमअनुसार कार्य गर्न कुराको सुनिश्चित गर्न स्पष्ट प्रक्रियाहरूको स्थापना गर्दछ<sup>100</sup> । हिरासत अनुगमन गर्ने कार्य मानवअधिकार सुपरीवेक्षकको कार्यालयका सदस्य र छनोट गरिएका तीनओटा नागरिक समाजका विशेषज्ञ रहेको मिश्रित टोलीद्वारा सम्पादन गरिन्छ ।

## ४

### ७.४ बहुमुखी निकाय

रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश विभाजन गर्न पक्षराष्ट्रहरूले अन्य केही संस्थाको पनि गठन गर्नसक्दछ । आलेखको धारा १७ ले प्रदान गरेको यो विकल्पको ग्रहण प्रायः विशाल भू-भाग र संघीय तथा विकेन्द्रित जस्ता जटिल संरचना भएका राष्ट्रहरूले गर्दछन् । पक्षराष्ट्रले संयन्त्रको कार्यादेश विभाजनका लागि विद्यमान निकायको नै छनोट गर्ने, एक वा सोभन्दा बढी संस्थाको स्थापना गर्ने वा दुवै खाले संस्थाको गठन गर्न भन्ने कुराको निर्णय आफैले लिन सकदछ । कस्तीमा पनि ४ प्रकारका यस्ता बहुमुखी संयन्त्र रहेका छन् ।

<sup>98</sup> Notification made by Slovenia under Article 17 of the OPCAT upon ratification. Available at <http://treaties.un.org>.

<sup>99</sup> The institutions selected are the Slovenian Red Cross, the Primus Institute, and the Legal Information Centre for NGOs (*Pravno-Informacijski Center Nevladnih Organizacij-Pic*). See APT, *OPCAT Country Status*.

<sup>100</sup> For further information, see Section 6.3 of Chapter V of this manual.

## ● भौगोलिकतामा आधारित रोकथाम संयन्त्र

केही पक्षराष्ट्रले भौगोलिक विभाजनअनुसार रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशको जिम्मेवारी वहन गराउन बहुमुखी निकायको गठन गर्दछ । यो विकल्प प्रायः विशाल र विकेन्द्रित राष्ट्रमा प्रयोग गरिन्छ ।

## ● क्षेत्राधिकारमा आधारित रोकथाम संयन्त्र

संघीय राज्यमा स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका स्थानको अवलोकन गर्न जिम्मेवारी धेरै निकायको क्षेत्राधिकार (जस्तै, संघीय र स्थानीय) भित्र पर्दछ । तसर्थ पक्षराष्ट्रहरूले बहुमुखी निकायको गठन गर्न निर्णय लिन सक्दछ र यी प्रत्येक निकायले आफ्नो सम्बन्धित क्षेत्राधिकारभित्र संयन्त्रको भूमिका निर्वाह गर्दछ । उदाहरणका लागि जर्मनीमा यस्तै दुईओटा निकायको गठन गरिएको थियो । यातना रोकथामका लागि संघीय एजेन्सी (Federal Agency for the Prevention of Torture) सँग संघीय क्षेत्राधिकारअन्तर्गतका सम्पूर्ण हिरासतको अनुगमन गर्न दायित्व रहेको छ भने The Joint-Commission of the Lander ल्यान्डर्सको क्षेत्राधिकारअन्तर्गतका हिरासतहरूको अनुगमन गर्न जिम्मेवार छन् ।<sup>101</sup>

## ● विषयवस्तुमा आधारित रोकथाम संयन्त्र

केही पक्षराष्ट्रले प्रत्येक संयन्त्रसँग विशिष्ट दक्षता रहेको (जस्तै बालबालिका, प्रवासी, प्रहरी आदिसँग सम्बन्धित) केही निकायको गठन गर्न निर्णय लिनसक्दछ । यी प्रत्येक निकाय आफ्नो दक्षताको विषयवस्तुमा पर्ने (जस्तै, प्रहरी हिरासतका एकाइ, बाल हिरासत वा वृद्धाश्रम) हिरासतको अनुगमन गर्न जिम्मेवार रहेका हुन्छन् । न्युजिल्याण्डले यो विकल्पको चयन गरी चारओटा विद्यमान निकायलाई संयन्त्रको रूपमा गठन गरेको थियो ।<sup>102</sup> यी निकायलाई न्युजिल्याण्डको मानवअधिकार आयोगले समन्वय गरेको छ जसले मुख्य रोकथाम संयन्त्रको रूपमा कार्य गर्दछ । बालबालिकासम्बन्धी आयुक्तको कार्यालय (the Office of the Children's Commissioner) ले बालबालिका र युवालाई राख्ने स्थानको अनुगमन गर्दछ; the Inspector of Service Penal

<sup>101</sup> APT, *OPCAT Country Status*.

<sup>102</sup> Office of the Ombudsman, Independent Police Conduct Authority, Office of the Children's Commissioner, and Inspector of Service Penal Establishments of the Office of the Judge Advocate General of the Armed Forces.

Establishments ले रक्षा an (Defence Force) का हिरासतको अनुगमन गर्दछ; the Independent Police Conduct Authority ले प्रहरी थानाअन्तर्गतका हिरासतको अनुगमन गर्दछ र सुपरीवेक्षकको कार्यालयले कारगार, आप्रवासी थुनास्थल, स्वास्थ्यसम्बन्धी र मानसिक रोगीलाई राख्ने थुनास्थल र युथ जस्टीस रेजिडेन्स लगायतका अन्य थुनास्थलको अनुगमन गर्ने अधिकार पाएको हुन्छ ।

### • यी तीनओटै विकल्पको संयोजन

यी माथि उल्लिखित तीनओटै निकायको संयोजन रहेको निकायलाई पनि रोकथाम संयन्त्रको रूपमा छनोट गर्नसकिन्छ । उदाहरणका लागि संयुक्त अधिराज्यले Her Majesty's Inspectorate of Prisons ले समन्वय गरेको १८ ओटा विद्यमान निकायसंयोजित रोकथाम संयन्त्रको गठन गन्यो । यी निकायलाई उनीहरूको विशेषज्ञता र क्षेत्राधिकारको दायराको आधारमा छनोट गरिएको थियो ।<sup>103</sup>

धेरै संस्थालाई संयन्त्रको कार्यादेश वहन गराउनका लागि गठन गरिँदा यस्ता संस्थाले हिरासतको विषय वस्तुपरक र क्षेत्रीय सूचनालाई अभ परिष्कृत रूपले प्राप्त गर्दछ । यद्यपि यो विकल्प पनि चुनौतीरहित भने छैन । यस्तो विकल्पलाई अवलम्बन गरिँदा यसैभित्रका संस्थामा राप्रो समन्वय हुनु अति जस्ती हुन्छ । यस्तो समन्वय संस्थाभित्र देखार्पन सक्ने दरार र/वा उही प्रकृतिका रोकथाम प्रयास दाहोरिने खतरालाई हटाउन र रोकथामका मापदण्ड र कार्यपद्धतिको यथोचित अनुरूपता सुनिश्चित गर्न आवश्यक रहेको छ । यसको समग्र योजना प्रशासनिक रूपमा प्रबन्धनीय हुनु पर्दछ र यसले प्रभावकारी एवं अनुकूल नतिजामा ल्याउनु पर्दछ । रोकथाम संयन्त्रका रूपमा गठन भएका सबै निकायले ऐचिक आलेखले निर्दिष्ट गरेको स्वायत्तता, स्रोत र साधन, अधिकार, जिम्मेवारी र उन्मुक्तिजस्ता सम्पूर्ण मापदण्ड पूरा गरेको हुनु पर्दछ ।

यसका अतिरिक्त कम्तीमा पनि एउटा निकायसँग सामान्यतया हिरासतका लागि प्रयोग नगरिने तर यथार्थमा भने सरकारको संलग्नता वा मौन सहमतिमा व्यक्तिलाई बन्दी बनाएर राख्नसकिने खालको स्थानको पनि अनुगमन गर्ने अस्तियार हुनु पर्दछ । कम्तीमा पनि एउटा निकायसँग स्पष्ट रूपमा समन्वयकारीको भूमिका निर्वाह गर्ने अधिकारका साथै प्रणालीगत वा क्षेत्रगत विश्लेषण र सिफारिस अभिवृद्धि गर्ने, वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने र रोकथाम उपसमितिसँग सम्पर्क स्थापना गर्ने जस्ता भूमिका पनि हुनु

<sup>103</sup> APT, OPCAT Country Status.

पर्दछ |<sup>104</sup> “उपसमिति र संयन्त्रका सम्पूर्ण एकाइका बीच सम्पर्क स्थापना” गराउने जिम्मेवारी पनि पक्षराष्ट्रले लिनु पर्दछ |<sup>105</sup>

## ७.५ अन्य निकाय

केही विद्यमान निकायले आफूले एकलै कार्य सम्पादन गर्दा रोकथामको कार्यादेशलाई प्रभावकारी रूपमा सम्पादन गर्नसक्दैन। यद्यपि यस्ता निकायले यातना रोकथामका लागि स्थानीय स्तरमा राष्ट्रको रोकथाम संयन्त्रलाई सूचना र सहयोग प्रदान गरेर वा रोकथाम संयन्त्रका कार्यलाई पूर्ण गरेर महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्नसक्दछ। यस्ता निकायअन्तर्गत केही निश्चित न्यायिक कार्यालय, समुदायमा आधारित स्वतन्त्र अनुगमन निकाय र गैरसरकारी संस्था पर्दछन्।

### ७.५.१ न्यायिक कार्यालय<sup>106</sup>

थुनास्थल वा थुनुवाको अनुगमनका लागि अपनाइने प्रणालीमा न्यायापालिकाको संलग्नताले न्यायिक कार्यालय रोकथाम संयन्त्र बन्नका लागि योग्य नहुने कुरालाई स्पष्ट पार्दछ। यो किन हो भने यस्ता थुना पारिएका प्रणालीका बारेमा निर्णय लिने अधिकार पाएका निकाय हिरासत अनुगमनमा पनि संलग्न हुने हुँदा यी दुई निकायका बीच वैचारिक द्वच्च उत्पन्न हुनसक्ने सम्भावना रहेको हुन्छ। आलेखको प्रस्तावनाको अन्तिम अनुच्छेदले रोकथाम संयन्त्रहरूले यातना रोकथामको “गैरन्यायिक पद्धति”लाई स्थापना गर्ने अभिप्राय लिएका छन् भन्ने कुरालाई जोड दिएको छ। यसको मतलब संयन्त्रको स्वायत्तता भनेको न्यायापालिकाका साथै कार्यपालिकाबाट पनि स्वतन्त्र रहनु हो।

संयन्त्रको गोप्य, स्वतन्त्र र गैरन्यायिक प्रकृतिका कार्यहरूले बन्दी र हिरासतका कर्मचारीमा आत्मीयताको वातावरण प्रादुर्भाव गराउने अपेक्षा गरिएको छ। कुनै हिरासतको अनुगमनबाट प्राप्त सूचनालाई कुनै न्यायिक अधिकारीले अन्य हिरासतमा अनुगमन गर्दा प्रमाणका रूपमा प्रयोगमा ल्याउने कुरा सुनिश्चित गर्न नसकेको खण्डमा उक्त हिरासतका बन्दीले आफैनै दुर्व्यवहार वा हिरासतको स्थितिबारे सूचना व्यक्त गर्न इच्छा नदेखाउने

<sup>104</sup> APT, *NPM Guide*, p.89.

<sup>105</sup> SPT, Third annual report, §53.

<sup>106</sup> APT, *NPM Guide*, p.86.

## यातनाविष्फूको महासन्धिको ऐचिक आलेख

वा हिरासतका कर्मचारीले पनि समस्या स्वीकार्न इच्छा व्यक्त नगर्ने जस्ता समस्या देखा पर्न सक्दछन्।<sup>107</sup> अतः न्याय क्षेत्रका अधिकारीले पनि रोकथाम संयन्त्रका कार्य सम्पादन गरेको खण्डमा यस्ता खाले वैचारिक विवाद देखा पर्न सक्दछन्। आलेखले थुनास्थल विविध विधाका विशेषज्ञको अवलोकन र विश्लेषणका लागि खुल्ला गर्ने आशय लिएको छ। यो रोकथाम वा नीतिगत पद्धति सत्यतथ्य पत्ता लगाएपश्चात् गरिने न्याय सम्पादनको पद्धतिभन्दा फरक रहेको छ। यस्तो पद्धतिले न्यायापालिकाको कार्यको चरित्र वित्रण गर्दछ। यस्ता न्यायिक निकायले सम्पादन गर्ने हिरासत अनुगमनका कार्य यातना रोकथामका लागि कोशेढुङ्गा सावित हुनसक्ने हुँदा यस्ता निकाय राष्ट्रिय स्तरमा रोकथाम संयन्त्रको अति उपयोगी साझेदार हुनसक्दछ।

### ७५.२ समुदायमा आधारित स्वतन्त्र अनुगमन निकाय<sup>108</sup>

रोकथाम संयन्त्रको रूपमा गठन हुनका लागि समुदायमा आधारित स्वतन्त्र अनुगमन निकाय पनि सुरक्षा उपयोगी हुन सक्दछन्। यस्ता निकायले समुदायका कुनै व्यक्तिद्वारा (ती मध्ये कोही स्वयसेवक पनि हुने) सञ्चालित हिरासत (प्रायः कारागार वा प्रहरी थाना) को निरीक्षणका कार्यलाई प्रवर्द्धन गर्दछ। यस निकायका अनुगमनकर्तालाई कुनै निश्चित हिरासतमा नियमित अनुगमन गर्न र उक्त हिरासतको उजुरी संकलन गर्न र बन्दीको स्थिति र उनीहरूप्रति गरिने व्यवहारको सूचना संकलन गर्नका लागि खटाइएका हुनाले तिनीहरूसँग त्यस्ता स्थानहरूको व्यस्थापन र स्वतन्त्रताबाट विमुख गराइएका व्यक्तिको स्थितिबारे राम्रो जानकारी हुन्छ।

यद्यपि अनुगमनको यो प्रक्रिया पनि आलेखका मापदण्डसँग सम्बन्धित कुरामा विवादरहित भने छैन। यस्ता समुदायमा आधारित स्वतन्त्र अनुगमन निकाय केवल निश्चित हिरासतमा मात्र संलग्न रहने हुँदा प्रणालीगत सिफारिस कार्यान्वयनको रचनात्मक संवादमा संलग्न रहनका लागि आवश्यक पर्ने निष्पक्षता र व्यवसायिक विशेषताबाट विमुख हुने गर्दछन्। यसको अतिरिक्त यस्ता निकायलाई प्रणालीगत विश्लेषणको विकास

<sup>107</sup> Note that, with the consent of the individual concerned, under Article 21(2) of the OPCAT an NPM may legitimately pass any information that it receives concerning allegations of torture to the competent authorities for action. For further information, see commentary in Chapter II of this manual.

<sup>108</sup> APT, *NPM Guide*, p.87.

गर्नभन्दा पनि अनुगमनको नियमिततामा केन्द्रित रहनका लागि डिजाइन गरिएको हुन्छ । तसर्थ यस निकायलाई मापदण्ड, कार्य पद्धति र सिफारिसहरूको अनुरूपता कायम गर्नु चुनौतीपूर्ण हुन्छ । यसका अतिरिक्त यस्ता कैयौं निकायले अदक्ष स्वयंसंवेकलाई अनुगमनको कार्यमा खटाउने हुनाले त्यस्ता व्यक्तिसँग आलेखले चाहेजस्तो विशेष अधिकार र उन्मुक्ति नहुन सक्दछ । अन्तमा यस्ता निकायसँग मस्यौदा र आलेख सम्बद्ध विद्यमान कानुनउपर राय सल्लाह वा टिप्पणी पेश गर्ने अधिकार हुँदैन ।

यस्ता योजनामा अनुगमनमा सहभागी हुनका लागि पेशागत दक्षतालाई पूर्वावश्यकताको रूपमा राखी परिवर्तन गरिंदा यसमा संलग्न हुनसक्ने धेरै व्यक्तिको संख्या घट्दछ । यस्तो परिवर्तन गरिंदा यस निकायको सूचना संकलन गर्ने र अनुगमनको नियमिततामा केन्द्रित रहने यसको उद्देश्यलाई पनि कमजोर तुल्याउँछ । यद्यपि समुदायका यस्ता अनुगमनकर्ता रोकथाम संयन्त्रका लागि अति उत्तम बाह्य सूचनाको माध्यम हुन सक्दछन् । यस्ता अनुगमनकर्ताले प्रायः रोकथाम संयन्त्रलाई उसको पेशागत ज्ञान, विशेषज्ञता र कानुनी अधिकारलाई रणनीतिक र प्रभावकारी रूपले निर्दिष्ट गर्न निगरानीको बाह्य सञ्जालको रूपमा सहयोग प्रदान गर्दछ ।

समुदायमा आधारित अनुगमनकर्ताले रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई सञ्चालन गर्न संलग्न रहेका व्यवसायिक अनुगमन निकायको कार्यलाई पूर्ण गर्न पनि सक्दछन् । यस्ता कार्यमा स्वतन्त्र अनुगमनकर्ताले बाहिरी निकायको पनि हिरासतमा संलग्नता छ भन्ने कुरा निश्चित गर्दै सन्बधित हिरासतको पारदर्शिता सुनिश्चित गर्न सहयोग गर्दछन् । यस्ता अनुगमनकर्ता प्रायः उजुरी संकलन गर्दै अन्य निकायलाई यसको जानकारी गराउने कार्यका लागि अति उपयुक्त रहेका हुन्छन् । अन्य निकायले यस्तो उजुरी प्राप्त गरेपछि त्यस्ता स्थानको अभ गहन अनुगमन सक्दछन् ।

दक्षिण अफ्रिकामा बन्दीउपर गरिने व्यवहार र थुनास्थलको अवस्थाबारे जानकारी गराउने कार्यादेश त्यहाँको Inspectorate of Prisons लाई रहेको छ । यस संस्थाले नियमित रूपमा Independent Correctional Center Visitors को नियुक्ति गर्दछ ।<sup>109</sup> यस्ता नियुक्ति सार्वजनिक आवानपश्चात् समुदायका संघसंस्थाको परामर्शमा गरिन्छ ।

<sup>109</sup> As of 31 March 2009, there were 191 Independent visitors appointed nationally on a three year contract. See Inspecting Judge of Prisons, Annual Report for the period 1 April 2008 to 31 March 2009. Available at <http://judicialinsp.pwv.gov.za/Annualreports/Annual%20Report%202008%20-%202009.pdf>.

## यातनाविष्फूको महासन्धिको ऐचिंक आलेख

अनुगमनकर्ताले बन्दीसँग गरिएको अन्तर्वार्तामार्फत उजुरी प्राप्त गर्दछन् र त्यसपछि विद्युतीय प्रणालीको माध्यमले उक्त उजुरी Office of the Inspecting Judge लाई जानकारी गराइन्छ जसले त्यसपश्चात् गहन अनुगमनको कार्यलाई निरन्तरता दिन्छ । यसरी संकलन गरिएको विवरणले उक्त कार्यालयलाई प्रणालीमा भएको समस्याको पहिचान गर्न पनि सक्षम बनाउँदछ ।

### **७.५.३ गैरसरकारी संस्था<sup>110</sup>**

यसो हेर्दा गैरसरकारी संस्था पनि रोकथाम संयन्त्रका लागि उचित उम्मेदवारका रूपमा देखिन्छन् । केही गैससहरूले हिरासतको अनुगमन गर्ने र रोकथामको कार्य गर्नेजस्तो दायित्व पनि वहन गर्न हुँदा सरकारबाट संरचतागत रूपमा स्वतन्त्र हुने गर्दछन् । यद्यपि रोकथाम संयन्त्रको गठनका लागि आवश्यक पर्ने कानुनी अधिकार, संरचनागत र आर्थिक पक्षहरूले रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश वहन गर्ने यस्ता संस्थाको दायित्वलाई पनि इडित गर्दछ । यस्ता कुरामा हुने लक्षकताको अभावलाई गैरसरकारी संस्थालाई स्वीकार गर्न कठिन हुने हुँदा उसले सार्वजनिक रूपमा गर्ने वकालतका कार्यलाई प्रभाव पार्ने देखिन्छ । यसको अतिरिक्त गैससहरूको सरकारी अधिकृतहरूसँग विरोधपूर्ण सम्बन्ध रहेको बखत यस्ता संस्थाले सरकारसँग सहयोगी वार्ताको नीतिलाई अवलम्बन गर्न सक्दैनन् । गैससहरू एकलै संयन्त्रको उचित विकल्प हुननसक्ने भएता पनि राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था र नागरिक समाजका संघसंस्थाद्वारा प्रदर्शित रोकथाम संयन्त्रका कार्यलाई समर्थन र पुरण गर्न भने सक्दछन् ।<sup>111</sup>

तसर्थ गैससहरू रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित अन्य कार्य गर्नका लागि उचित स्थानमा रहेका हुन्छन् । यस्ता कार्यअन्तर्गत रोकथाम संयन्त्रका सदस्यको छनोटमा हुने छलफलमा सहभागी हुने र संयन्त्रका भावी सदस्य र कर्मचारीका लागि प्रशिक्षण दिने कुरा पर्दछन् । गैरसरकारी संस्थाले प्रायः सुपरीवेक्षकको भूमिका निर्वाह गर्दछन् जसअन्तर्गत यिनीहरूले जवाफदेहिता सुनिश्चित गर्न सिफारिसको कार्यान्वयन भए नभएको अनुगमन तथा सम्बन्धित रोकथाम संयन्त्रको कार्यको विविध पक्षको समीक्षा गर्दै बाह्य छानबिन गर्ने

<sup>110</sup> APT, NPM Guide, p.84.

<sup>111</sup> For further information, see Section 7.3 of this chapter; Sections 6.3 and 7.3 of Chapter V of this manual; and APT, *Civil Society and National Preventive Mechanisms*.

गर्दछन् । रोकथाम संयन्त्रका कार्यको समीक्षा गर्दा गैससले देहायबमोजिमका कार्य गर्दछन् :

- सम्बन्धित व्यक्ति, स्थान र सूचनासम्म उसको पहुँच भए नभएको
- संयन्त्रको हिरासत अनुगमनका कार्य प्रभावकारीता समीक्षा गर्ने
- नागरिक समाज, स्वतन्त्रताबाट विचित गरिएका व्यक्ति र हिरासतका अधिकारीहरूले संयन्त्रको कार्यलाई कसरी हेरेका छन् भन्ने कुराको समीक्षा गर्ने

यस सन्दर्भमा गैससहरूले प्रदान गर्ने बाह्य मूल्यांकनको आधारमा संयन्त्रलाई आफ्नो कमीकमजोरीलाई सुधार्दे आफ्नो कामको प्रभावकारिता अभिवृद्धि गर्न उपाय अवलम्बन गर्न सक्षम बनाउँदछ । यस्तो समीक्षाबाट पता लगाइएका कुरालाई रोकथाम उपसमितिमा पनि प्रेषित गर्नसकिन्छ ।

रोकथाम संयन्त्रको गठन र स्थापनालाई गैसस र नागरिक समाजका अन्य संघसंस्थाद्वारा बाह्य अनुगमनको लागि हिरासतलाई बन्द गरिने अवसरका रूपमा हेरिनुहुँदैन भन्ने कुरा सर्वाधिक महत्वको कुरा हो ।

## ८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको अधिकारलाई कानुनमा प्रतिष्ठापित गर्ने

संयन्त्रको स्थापनार्थ गरिने राष्ट्रव्यापी परामर्श रोकथाम संयन्त्रलाई सांगठनिक स्वरूप दिने निर्णयसम्म उन्मुख भएपछि अर्को चरणमा रोकथाम संयन्त्रलाई कानुनद्वारा नै स्थापना गर्न संविधानमा नै वा विधेयकमा मस्योदा प्रस्ताव गर्ने हो ।<sup>112</sup> यस सन्दर्भमा सामान्य विधेयक वा अन्य आदेशभन्दा संवैधानिक आधार नै उपयुक्त मानिन्छ किनकि यसले रोकथाम संयन्त्रका रूपमा गठन हुने संस्थालाई थप स्वायत्तता प्रदान गर्दछ ।<sup>113</sup> रोकथाम संयन्त्रका भूमिका र दायित्व कानुनद्वारा नै निर्दिष्ट हुने कुरा अति महत्वपूर्ण छ । यसको महत्व रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश पूरा गर्न एक भन्दा बढी निकायको

<sup>112</sup> Paris Principles, Competence and Responsibilities, §2.

<sup>113</sup> APT, NPM Guide, p.39.

## यातनाविस्तृको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

स्थापना गर्ने सोच बनाएका बखत अभ बढी हुने गर्दछ । संयन्त्रको कार्यादेश नितान्त रोकथाममुखी हुनुपर्ने कुरा पनि स्पष्ट गरिनु पर्दछ ।

रोकथाम संयन्त्रको कार्य सम्पादन गराउन विद्यमान निकायलाई नै परिचालन गर्ने वा एउटा नयाँ निकायको स्थापना गर्ने भन्ने कुराको आधारमा विद्यमान कानुनलाई संशोधन गर्ने वा नयाँ विधान निर्माण गर्नेसम्बन्धमा कदम चालिनु पर्दछ । यी दुवै परिस्थितिमा रोकथाम संयन्त्रको स्थापनार्थ निर्माण हुने कानुनले ऐच्छिक आलेखले उल्लेख गरेका प्रमुख मुदालाई समेटेको हुनु पर्दछ । एपिटिले आफ्नो प्रकाशन एनपिएम गाइडमा यस्ता प्रावधानको विस्तृत व्याख्या गरेको छ । एक प्रभावकारी रोकथाम संयन्त्रको स्थापनार्थ आवश्यक पर्ने कुराको संक्षिप्त विवरणलाई निम्नलिखित बुँदाद्वारा प्रस्त॑याउन सकिन्छ<sup>114</sup>:

- कार्यादेश र अधिकार<sup>115</sup>— यदि कार्यकारी सरकारसँग कुनै पनि रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश, उसको गठन र अधिकारलाई परिवर्तन गर्ने वा सरकारको इच्छाबाबौजिम संयन्त्रलाई भङ्ग गर्ने वा प्रतिस्थापन गर्ने कानुनी अधिकार रहेको खण्डमा संयन्त्रको स्वायत्तालाई दुर्बल पार्दछ ।
- गठन<sup>116</sup>— रोकथाम संयन्त्रको स्थापनार्थ बन्ने विधेयकले संयन्त्रको कार्यभार वहन गर्ने निकाय गठन गर्ने सवालमा यातना रोकथामसँग सम्बन्धित बहुविषयक दक्षता भएको व्यक्ति, पुरुष र महिला सदस्यको सहभागिता र देशभित्रका प्रमुख जनजाति र अल्पसंख्यकको पर्याप्त मात्रामा प्रतिनिधित्व हुनेजस्ता कुरासहितको केही विशेष प्रावधान समावेश गर्नु पर्दछ ।
- आर्थिक सहायता<sup>117</sup>— कार्य सञ्चालनसम्बन्धी स्वायत्तता र स्वतन्त्र रूपमा निर्णय लिने प्रक्रियालाई सुनिश्चित गर्न स्वतन्त्र र पर्याप्त आर्थिक सहयोगले महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने हुँदा वार्षिक सहयोग विनियोजन प्रक्रिया, सार्वजनिक रिपोर्टिङ र लेखापरीक्षण प्रक्रिया अनि प्रशासनिक नियन्त्रणबाट स्वतन्त्र रहने जस्ता कुरा समावेश रहेको सहयोगको प्रकृति र स्रोतलाई संयन्त्रको विधानमा नै खुलाइनु पर्दछ ।

<sup>114</sup> See Section 5.1 of this chapter for a more detailed discussion of these issues. See also the commentary on the various Articles mentioned below in Chapter II of this manual.

<sup>115</sup> APT, NPM Guide, p.39.

<sup>116</sup> APT, NPM Guide, p.52.

<sup>117</sup> APT, NPM Guide, p.47.

- सदस्यका लागि उन्मुक्ति र विशेषाधिकार<sup>118</sup>— ऐच्छिक आलेखको धारा २१ र ३५ अन्तर्गत संयन्त्रको विधानले रोकथाम संयन्त्रका सदस्यका लागि सुरक्षाको व्यवस्था गर्नु पर्दछ । यस्तो सुरक्षामा विशेषगरेर व्यक्तिगत पक्राउ वा थुना र कागजपत्र तथा दस्तावेजहरूको कब्जा वा निगरानीबाट उन्मुक्ति; सूचना आदानप्रदानमा अहस्तक्षेप; र आफ्नो कार्य सम्पादनका दौरान लिखित वा मौखिक कानुनी कारबाहीबाट सुरक्षाजस्ता कुरा पर्दछन् ।
- संयन्त्रका सदस्यको पदावधि, नियुक्ति, निष्काशन र अपिल गर्ने प्रक्रिया तथा मापदण्ड<sup>119</sup>— संयन्त्रको स्वायत्तता सुनिश्चित गर्ने विधानले अन्य प्रावधानका अलावा सदस्यको छनोट प्रक्रिया; सदस्यको राज्यका अधिकारीबाट व्यक्तिगत र संस्थागत स्वतन्त्रता; कार्यहरूमा देखापर्ने असङ्गतिलाई निर्कोल गर्ने पद्धति; प्रशासनबाट हस्तक्षेप नहुने कुरा सुनिश्चित गर्ने पद्धति; पारदर्शिता र सम्बन्धित निकायसँगको परामर्शको आवश्यकता र कर्मचारी नियुक्ति गर्ने सन्दर्भमा हुनुपर्ने कार्यगत स्वायत्ताजस्ता कुरा पनि समाविष्ट गर्नु पर्दछ । रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई उनीहरूको कार्यकालका दौरान पर्याप्त सुरक्षा प्रदान गरिनुपर्ने कुरा पनि अति महत्वपूर्ण रहेको छ ।

कहिलेकाहीं संसदीय छलफल सुरु हुनुपूर्व नै संयन्त्रमाथिको परामर्श समाप्त भएका केही दृष्टान्त रहेको पाइएका छन् । संयन्त्रको कार्यभार ग्रहण गर्ने निकायले विधान मस्यौदा संसदमा पेश हुनुपूर्व र पेश भएको बखत संसदबाट अन्तमा पारित हुने कानुन मस्यौदा प्रस्तावसँग अस्वीकार्य हुने हदसम्म असङ्गत नहोस् भन्ने सुनिश्चित गर्न उक्त विधान मस्यौदाउपर टिप्पणी गर्नसक्नु पर्दछ । रोकथाम संयन्त्रका मस्यौदा प्रस्तावक उक्त प्रस्तावलाई सम्बन्धित संसदीय समितिले (जस्तै, मानवअधिकारसँग सम्बन्धित समिति) छानबिन गर्ने समयलगायत विधान समीक्षाको सम्पूर्ण चरणमा संलग्न रहनु पर्दछ ।

पाराग्वे र टोगोमा (विदेश मामिला तथा न्याय मन्त्रालयका प्रतिनिधिहरू, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था र नागरिक समाजका संघसंस्था रहेको) आलेखसम्बद्ध विधानको मस्यौदा तयार गर्नका लागि आलेखका कार्यदलको गठन गरिएको थियो । होन्दुरसमा

<sup>118</sup> APT, *NPM Guide*, p.42.

<sup>119</sup> APT, *NPM Guide*, p.41; and SPT, Third annual report, §52.

त्यहाँको राष्ट्रिय संसद (National Congress) ले राष्ट्रको रोकथाम संयन्त्रको स्थापनार्थ कानुनको मस्यौदा तयार पार्न विस्तृत र समावेशी प्रक्रियाको आवश्यकता पहिचान गरी एक औपचारिक उपाय अवलम्बन गरेको थियो । उक्त राष्ट्रिय संसदले रोकथाम संयन्त्रको कानुनको मस्यौदा तयार गर्ने प्रक्रियाका दौरान विविध क्षेत्रका सरोकारवालालाई संलग्न गराएको थियो । यो मस्यौदालाई सन २००८ को सेप्टेम्बरमा अनुमोदन गरिएको थियो ।<sup>120</sup> अर्जेन्टिनामा नागरिक समाजले तयार पारेको मस्यौदा प्रस्ताव त्यहाँको संसदका सदस्यमान विचाराधीन रहेको छ । अर्जेन्टिनाको संसदले छानबिन गरेको उक्त विधान मस्यौदामा अन्य सरोकारवालाले पेश गरेका दुईओटा अतिरिक्त प्रस्तावका केही तत्व पनि समावेश गरिएको छ ।

रोकथाम संयन्त्र एक पटक स्थापना भएपछि यसको विकासलाई अनवरत रूपमा सञ्चालन गर्ने अभिभारा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको हो । यससँग सम्बन्धित कानुन कार्यान्वयनमा आउँदा पक्षराष्ट्रले तत्काल रोकथाम उपसमितिलाई सूचित गर्नु पर्दछ । आलेखअन्तर्गत पक्षराष्ट्रको कर्तव्यको आधारमा गठित रोकथाम संयन्त्र र उपसमितिबीचको प्रत्यक्ष सम्पर्कलाई यस्तो सूचना आदानप्रदानको कार्यले सहज बनाउँदछ ।

विधेयकमा उल्लेख गरिएको विवरणको तहको आधारमा रोकथम संयन्त्रको भावी कार्यको व्यवहारिक पक्षलाई व्यवस्थित गर्ने कार्यान्वयन गरिने कानुन वा नीतिको आवश्यकता पर्नसक्वदछ । माथि छलफल गरिएअनुरूप<sup>121</sup> रोकथाम संयन्त्रलाई उसको कार्यादेश स्वतन्त्रतापूर्वक सञ्चालन गर्न सक्षम बनाउन संयन्त्रलाई आवश्यक पर्ने मानवीय, आर्थिक र व्यवस्थापकीय स्रोत पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध गराइनु पर्दछ । यो कुरा सुनिश्चित गर्नका लागि संयन्त्रको विधान मस्यौदाकर्ता र अन्य प्रमुख निकायलाई परिचालित गर्नु पर्दछ ।

## ९. ऐचिक आलेख अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको गठनतर्फको कदम

- आलेखलाई राजनैतिक एजेन्डामा राख्ने
- आलेख अनुमोदन र कार्यान्वयनको समयावधि तोक्ने
- विद्यमान अनुगमन निकायको मूल्यांकन गर्दै सबैखाले हिरासतको चित्रण गर्ने

४. इच्छुक निकायसँग देहायबमोजिमका तरिकाद्वारा निरन्तर संवादलाई प्रवर्द्धन गर्ने  
● यातना रोकथामका निकायलाई आलेखअन्तर्गतको राष्ट्रिय संवादमा संलग्न गराउने, र  
● उचित रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि परामर्श गर्ने
५. रोकथाम संयन्त्रको छनोटका लागि निम्नलिखित कुरामा विचार गर्ने  
● विशेष ज्ञानयुक्त नयाँ निकाय  
● राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था  
● राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थार नागरिक समाजका संघसंस्था  
● बहुमुखी निकाय
६. रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई कानुनमा प्रतिष्ठापन गर्ने

---

<sup>120</sup> Following drafting meetings with relevant actors, a law to create an NPM was produced in November 2007, debated by Congress, and finally adopted in September 2008.

<sup>121</sup> See Section 5.1 of this chapter; and also Section 5 of Chapter V in this manual.



# अध्याय पाँच

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

### विषयसूची

१. परिचय
२. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना : सुरक्षात
३. कार्यशैली
४. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्रियाकलाप
५. स्रोतसाधन
६. आन्तरिक संस्था
७. बाहिरी कर्तासँगको सम्बन्ध
८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्ने कामको असर

## १. परिचय

अधिल्लो अध्यायले आलेखको अनुमोदन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाको बारेमा चर्चा गरेको थियो । यो अध्यायले प्रक्रियाको अर्को चरणमा जोड दिन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना तथा कार्यसँग सम्बन्धित व्यवहारिक चुनौतीलाई परीक्षण गर्ने लक्ष्य यो अध्यायले राख्दछ । विशेषगरी आफ्नो कार्यादेशलाई कार्यान्वयन गर्न सुरु गरेका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि विद्यमान राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामका सञ्चालनात्मक पक्षलाई परीक्षण गर्नु उपयोगी हुन्छ । तिनीहरूका साथै अन्य बाह्य सरोकारवालालाई आफ्ना काम र व्यवहार मूल्यांकन गर्नलाई मद्दत गर्ने लक्ष्य यो अध्यायले लिएको छ । यसका साथै संयन्त्र निर्माणको चरणमा विद्यमान निकायलाई मूल्यांकन गर्ने र/वा नयाँ निकाय गठनका लागि मापदण्ड परिभाषित गर्ने अर्थमा समेत यो अध्याय उपयोगी साबित हुनसक्छ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको चालू विकासका लागि प्राथमिक निर्देशन (प्राथमिक निर्देशन)<sup>१</sup> भन्ने शीर्षकले संकेत गरेअनुरूप रोकथाम उपसमिति<sup>२</sup> ले प्रभावकारी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना समयक्रममा विकास हुने प्रक्रियाका रूपमा हेनूपछ भन्नेमा विचार गर्दछ । त्यसैले यो अध्यायले असल अभ्यासका उदाहरण खोज्दछ ताकि सम्भावित राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्नो काम अभ प्रभावकारी बनाउनका लागि उनीहरूको कार्यमा सुधार गर्नुपर्ने सक्ने पक्षको पहिचान गर्न उनीहरूलाई मद्दत पुगोस् । तर २००६ देखिमात्र सचिकार्यान्वयनमा आएकोले आलेखको कार्यान्वयन अझै पनि प्राथमिक चरणमै छ, त्यसैले सञ्चालनमा रहेका तुलनात्मक रूपमा थोरै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई मात्र परीक्षण गर्न मिल्छ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र सञ्चालनका महत्वपूर्ण पक्षमा विचार गर्नका लागि एपिटिले एउटा समग्रतामूलक विश्लेषणात्मक ढाँचा विकास गरेको छ<sup>३</sup> यो विश्लेषणात्मक साधन

<sup>1</sup> Principles relating to the status and functioning of national institutions for the promotion and protection of human rights (the ‘Paris Principles’), UN Doc. GA Res 48/134, 20 December 1993.

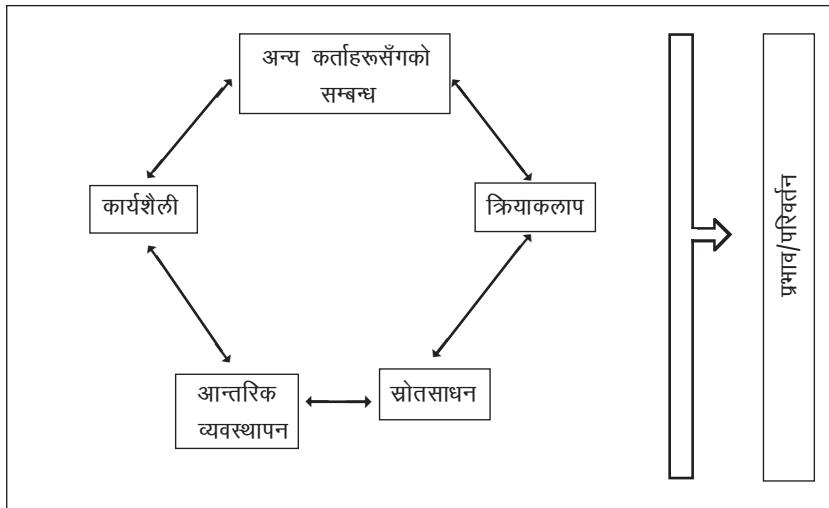
<sup>2</sup> Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment (SPT).

<sup>3</sup> The initial version of the tool was jointly developed by the APT and TC-Teamconsult, a company based in Switzerland and Germany that specialises in institutional development. It was further refined during a meeting in Geneva in March 2009.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

एकअर्कासँग सम्बन्ध राख्ने पाँच आयामबाट बनेको छ । स्वतन्त्रताको सवालले पाँचैओटा आयामलाई एकअर्कासँग जोडेको छ । यो निर्देशिकाको अध्याय चारमा चर्चा गरिएअनुरूप स्वतन्त्रतालाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कानुनी आधारका रूपमा प्रतिस्थापित गर्नु पर्दछ ।

### राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र सञ्चालनका तत्व



राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

५

**कार्यशैली :** रोकथाममूलक उपागम, भ्रमण पद्धति (एकान्तमा अन्तर्वार्ता, थुनुवा चयन, फाइल र बहीखातामा पहुँच, रुजु गर्ने प्रश्न इत्यादि), भ्रमणबाहेकका रोकथाममूलक विश्लेषण ।

**क्रियाकलाप :** भ्रमण, भ्रमण प्रतिवेदन, सिफारिस, वार्षिक प्रतिवेदन, विद्यमान वा मस्यौदा कानुनउपर अवलोकन ।

**स्रोतसाधन :** मानव (सदस्य, कर्मचारी, विज्ञ), आर्थिक (बजेट, बजेट पारित गर्ने कार्यविधि), व्यवस्थापकीय (कार्यालय, सरसामान) ।

**आन्तरिक :** ढाँचा, भूमिका तथा जिम्मेवारी, आन्तरिक कार्यविधि (यी कुरा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रकारमा भर पर्दछ : राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थान, अनेकौं राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र, राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थान र नागरिक समाज संस्था ।

**अन्य कर्तासँग:** अधिकारीहरू (राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रता, सहकार्यका सम्बन्धमा), सम्बन्ध सञ्चारमाध्यम, नागरिक समाज, रोकथाम उपसमिति, अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय संस्था, अन्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र ।

## २. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना : सुरुआत

अध्याय चारको अन्त्यमा चर्चा गरिएकै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र नियुक्त गर्ने काम पक्षराष्ट्रको सविधान वा कानुनमा स्थापित गर्नु पर्दछ । आफ्नो कार्यादेश पूरा गर्नका लागि आवश्यक प्रमुख प्रत्याभूति तथा अधिकार प्रदान गरिन्छ भन्ने सुनिश्चितता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कानुनी आधारले गनु पर्दछ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापनाद्वारा यो कानुनी आधारको कार्यान्वयन विशेषगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश पूरा गर्न नयाँ विशिष्ट निकाय सृजना गर्दाखेरि चुनौतीपूर्ण हुन्छ <sup>4</sup> । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यको छनोट विशेषगरी महत्वपूर्ण हुन्छ किनकि यसका सुरक्षा सदस्य नयाँ निकायको वैधता, विश्वसनीयता र स्वतन्त्रताका लागि जिम्मेवार हुन्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रभावकारी सञ्चालन सुनिश्चित गर्नका लागि सुरक्षा पर्याप्त लगानी गर्नु पर्दछ । सदस्यहरू छनोट भएपछि अनि लगानी सुनिश्चित भएपछि व्यवस्थापकीय स्रोतसाधन (कार्यालय, कर्मचारी), आन्तरिक संस्था र कार्यशैलीको विकासका सम्बन्धमा महत्वपूर्ण कदम चाल्नु पर्दछ । आन्तरिक कार्यविधिको ग्रहण र संलग्न पद्धतिसहित काम गराइको कार्यक्रमको सृजना विशेषगरी महत्वपूर्ण हुन्छन् ।

कुनै विद्यमान संस्थान राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्त गर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई संस्थानको विद्यमान कानुनी आधार, बजेट, ढाँचा र कायैशैलीमा रही प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न सकिन्छ भनी अनुमान गर्नुहुँदैन । अध्याय चार

<sup>4</sup> See Section 7.1 of Chapter IV of this manual.

(बुँदा ७.२.१) मा चर्चा गरिएभै विद्यमान संस्थानले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश अंगीकार गर्नका लागि आफ्नो कानुनी आधारलाई प्रायः जसो संशोधन गर्नुपर्ने हुन्छ र (कर्मचारी, लगानी, संस्थागत प्राथमिकता, कार्यपद्धति आदिका सम्बन्धमा) प्रमुख सञ्चालनात्मक परिवर्तन गर्नु पर्दछ । त्यसैले, संस्थानहरूले आलेखको आवश्यकताका परिप्रेक्ष्यमा आफ्ना कार्यको मूल्यांकन गर्नु पर्दछ र देहायबमोजिमका पक्षमा विशेष जोड दिनु पर्दछ :

- विशेषगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई छुट्ट्याइएको स्रोतसाधन र थप स्रोतसाधन (मानवीय, व्यवस्थापकीय र आर्थिक) को आवश्यकतालाई पहिचान गर्ने,
- संस्थानको आन्तरिक संस्था (ढाँचा)लाई परिभाषित गर्ने, कुन विभाग(हरू)ले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको काम सम्पन्न गर्ने हुन् भन्ने सम्बन्धमा विशेष जोड दिने,
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कार्यशैलीलाई परिभाषित गर्ने, विशेषगरी रोकथाममूलक दृष्टिकोण ग्रहण गर्दाको सम्बन्धमा ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्थापनाको सुरुआती चरण महत्वपूर्ण हुन्छ किनकि प्रक्रियाको यो चरणमा धेरै महत्वपूर्ण संस्थागत पक्षहरू परिभाषित तथा स्थापित हुन्छन् । यद्यपि, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकास बढोत्तरीको प्रक्रिया हो । स्थापनाको पहिलो दिनमै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू सञ्चालनमा आउँदैनन् । विश्लेषणात्मक ढाँचाका एकअर्कासँग जोडिएका पाँच आयाममा आधारित भई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका काम तथा क्रियाका विभिन्न पक्षको आवधिक समीक्षा विकासलाई निर्देशन दिनका लागि अपरिहार्य हुन्छन् ।

### ३. कार्यशैली

आलेखका धारा ३ र १७ अन्तर्गत<sup>५</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना यातना तथा अन्य किसिमका दुर्व्यवहारलाई राष्ट्रिय तहमा रोकथाम गर्नका लागि गरिन्छ । थुनास्थलको नियमित भ्रमण गरेर, प्रतिवेदन पेश गरेर अनि आलेखको धारा १९ अनुसार विद्यमान वा मस्यौदा कानुनउपर सुभाव दिएर यो कार्यादेशलाई उनीहरूले पूरा गर्दछन्<sup>६</sup> । त्यसैले

<sup>5</sup> See commentary on Articles 3 and 17 in Chapter II of this manual.

<sup>6</sup> See commentary on Article 19 in Chapter II of this manual.

यस्तो विशाल रोकथाममूलक दृष्टिकोण थुनास्थल भ्रमणभन्दा पनि अझ पर जान्छ भन्ने तथ्यलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कार्यशैलीले प्रतिबिम्बित गर्नु पर्दछ ।

### ३.१ रोकथाममूलक दृष्टिकोण

आलेखको धारा ४(१) अनुसार स्वतन्त्रताबाट वज्चित गराइएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहारबाट गरिने सुरक्षालाई सुदृढ गर्ने दृष्टिकोणका साथ भ्रमण सम्पन्न गरिन्छन् । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक दृष्टिकोण यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको खतरालाई प्रत्यक्ष वा परोक्ष रूपमा बढाउने वा घटाउने तत्वलाई पहिचान र विश्लेषण गर्नेतर्फ केन्द्रित रहन्छ । यसले खतराका तत्वलाई सुनियोजित रूपमा कम गर्ने वा निर्मल पार्ने तथा सुरक्षाका तत्व अनि सुरक्षाउपायलाई सुदृढ गर्ने चाहना राख्दछ । राष्ट्रिय स्तरमा यातनाका विस्त्र कार्यरत अन्य निकायभन्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश अनेकौ महत्वपूर्ण बुँदामा फरक हुन्छ ।

**विस्तृत मानवअधिकारवादी दृष्टिकोण :** राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सम्भव भएसम्मको सबभन्दा विस्तृत मानवअधिकारवादी दृष्टिकोणमार्फत् मानव गरिमाको सुरक्षा गरी यातना तथा दुर्व्यवहार रोकथाम गर्नु पर्दछ ।

**भविष्योन्मुखी :** गुनासो आएपछि अतीतमा जानाजानी वा भूलवस घटेका घटनाहरूलाई अभिलेखीकरण वा अनुसन्धान गर्नुभन्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक दृष्टिकोणले सम्भावित खतराको पहिचान गर्न र दुर्व्यवहार वा यातनाको तहमा भर्नसक्ने परिस्थितिका सुरक्षाती संकेतलाई पत्ता लगाउने चाहना राख्दछ ।

**प्रणालीकै :** व्यक्तिगत समस्याहरूलाई समाधान गर्नेखोज्नुभन्दा पनि राष्ट्रिय रोकथाम विश्लेषण संयन्त्रको रोकथाममूलक दृष्टिकोणले अधिकार उल्लंघनको मूल कारणलाई पहिचान गर्नका लागि थुनाका प्रणालीको विश्लेषण गर्दछ ।

**समन्वयकारी :** राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक दृष्टिकोणले परिस्थितिलाई दृष्टिकोण निन्दा गर्नेभन्दा पनि तिनलाई रचनात्मक संवाद, प्रस्तावित सुरक्षाउपाय तथा अन्य उपायमार्फत् सुधार गर्नेतर्फ केन्द्रित हुने लक्ष्य राख्दछ ।

समग्रतामूलक :थुनास्थलमात्र भन्दा पनि समग्र समाजमा नै रहेका खतराका तत्वको दृष्टिकोण समग्रतामूलक परीक्षणको संकेत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक दृष्टिकोणले अपनाउँछ ।

दीर्घकालीन : रोकथाममूलक दृष्टिकोणले समयको अपेक्षा गर्दछ, यसले दुर्लभै मात्र दृष्टिकोण तत्कालीन परिणाम तथा परिवर्तन पैदा गर्दछ ।

### ३.२ भ्रमण पद्धति<sup>7</sup>

थुनुवाप्रतिको व्यवहार, उनीहरूको अवस्था र थुनास्थलको सञ्चालनसम्बन्धी वास्तविकताको प्रत्यक्ष सूचना प्राप्त गर्नका लागि भ्रमण अद्वितीय उपाय हो । भ्रमणका दौरान राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू)ले थुनास्थलका सबै पक्षको परीक्षण गर्दछन् : भौतिक अवस्था, सुरक्षाउपाय, प्रक्रियाहरू, स्वास्थ्य सेवा, कर्मचारीलाई काम गर्ने वातावरण, थुनुवाहरूबीचको सम्बन्ध, कर्मचारी र थुनुवाबीचको सम्बन्ध आदि इत्यादि । प्रत्येक थुनास्थलमा व्यवस्थापन र नेतृत्वको भूमिका महत्वशाली हुन्छ र यसले संस्थानको वातावरण तथा सञ्चालनमा उल्लेखनीय प्रभाव पार्नसक्दछ । त्यसैले भ्रमणका बहुत प्रशासनको समेत विश्लेषण गर्नु पर्दछ । यो विश्लेषणले आन्तरिक नीति, निर्देशन, बहीखाता तथा अभिलेख, व्यवस्थापन प्रक्रिया, आन्तरिक सञ्चार, पदअनुसारको ढाँचा, तालिम तथा बढुवालाई समेत समेट्नु पर्दछ ।

थुनास्थलको भ्रमण सम्पन्न गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सबल बनाउने अधिकार तथा प्रत्याभूतिका शृंखलाको उल्लेख आलेखको पाठले गर्दछ । आफूले गर्ने भ्रमणका दौरान तथा अधिकारीहरूसँगको सम्बन्धमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले यी अधिकारलाई पूर्णरूपमा प्रयोग गर्नु पर्दछ । आलेखको धारा २०(ग) अनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट बजिचत गरी राखिएका सबै स्थानमा पहुँच पाउनु पर्दछ<sup>8</sup> अघोषित भ्रमण गर्ने अधिकारासमेत उनीहरूमा हुनु पर्दछ । यद्यपि व्यवहारिक कारणले गर्दा कुनै कुनै भ्रमणको घोषणा पहिले नै गरिन पनि सक्दछ (जस्तो,

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

<sup>7</sup> For more information on this issue, see APT, *Monitoring Places of Detention: a practical guide*, APT, Geneva, April 2004. Available at [www.apt.ch](http://www.apt.ch).

<sup>8</sup> See commentary on Article 20 in Chapter II of this manual.

संस्थानको कामकाज हेर्ने व्यक्तिको उपरिथितिलाई सुनिश्चित गर्न)। आलेखले निम्न व्यवस्था पनि गर्दछ :

- थुनुवासँग एकान्तमा अन्तर्वार्ता र अन्तर्वार्ता लिइने व्यक्तिको छनोट गर्ने स्वतन्त्रता (धारा २०(घ) र २०(ड) अन्तर्गत)
- थुनास्थलभित्रका सबै अधिष्ठान तथा प्रतिष्ठानमा पहुँच (धारा २०(ग) अन्तर्गत), र
- थुनास्थल र स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिसँग सम्बन्धित सबै सूचनामा पहुँच (धारा २०(ग) अन्तर्गत)।

स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिसँगको एकान्तमा लिइने अन्तर्वार्ता रोकथाममूलक निरीक्षण प्रक्रियाको प्राण हो। एकान्तमा लिइने अन्तर्वार्ता कर्मचारी र अन्य थुनुवाले नसुन्नेगरी र सम्भव भएसम्म उनीहरूले नदेख्नेगरी गर्नु पर्दछ<sup>९</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सामान्य सूचना संकलन गर्न तथा बहुसंख्यक थुनुवासँग अन्तर्क्रिया गर्नका लागि सामूहिक अन्तर्वार्ता पनि गर्नसक्छ। तर (उदाहरणका लागि, व्यवहार, थुनुवाका बीचको सम्बन्ध वा कर्मचारीसँगको थुनुवाको सम्बन्धजस्ता) संवेदनशील विषयलाई भने समूहमा चर्चा गर्नुहुँदैन। अन्तर्वार्ताका लागि व्यक्ति चयन गर्ने स्वतन्त्रता अन्तर्निहित अधिकार हो। अधिकारीले संकेत गरेका व्यक्ति वा अन्तर्वार्ताका लागि अनुरोध गर्ने व्यक्तिसँग मात्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले कुरा गर्ने नभई थप अन्तर्वार्ताका लागि उल्लेखनीय संख्याका स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिलाई सक्रियतापूर्वक तथा क्रमरहित रूपमा छनोट गर्नु पर्दछ<sup>10</sup>

भ्रमणका दौरान राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सबै सान्दर्भिक फाइल तथा बहीखातामा पहुँच पाउनुपर्छ।<sup>11</sup> व्यक्तिगत स्वास्थ्यसम्बन्धी फाइलमा पहुँचका लागि भने सम्बन्धित व्यक्तिको सहमति अनिवार्य हुन्छ। लेखापरीक्षणको दृष्टिकोणका सवालमा भने राष्ट्रिय रोकथाम

<sup>9</sup> See commentary on Article 14 in Chapter II of this manual; and Section 4.5.3 of Chapter III.

<sup>10</sup> For further information on the selection of detainees, see APT, *Detention Monitoring Briefing No 2: The Selection of Persons to Interview in the Context of Preventive Detention Monitoring*, APT, Geneva, 2009. Available at [www.apct.ch](http://www.apct.ch).

<sup>11</sup> OPCAT, Article 20.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

संयन्त्रले अनेकौं स्वास्थ्य फाइल हेर्नुपर्ने हुन्छ तर व्यक्तिगत विवरण गोप्य राख्ने शर्तलाई पालन गर्नुपर्छ । गोप्य सूचना तथा सम्भाव्य संवेदनशील सूचनालाई सुरक्षित गर्नुपर्छ ।<sup>12</sup> थुनास्थलमा रोकथाममूलक भ्रमण गर्दा अनुभवसिद्ध अवलोकनसहित एउटा स्रोतबाट उपलब्ध सूचनालाई अर्को स्रोतबाट प्राप्त सूचनासँग निरन्तर रख्नु गर्नुपर्ने हुन्छ । एकान्तमा लिइएको अन्तर्वर्ताबाट प्राप्त सूचनालाई फाइल र बहीखाताको परीक्षण, कर्मचारीसँगको अन्तर्वार्ता र आगन्तुकले गरेका प्रत्यक्ष अवलोकन (उनीहरूले सुँधेका, हेरेका, चाखेका, सुनेका र छोएका कुरा) मार्फत् रख्नु गर्नसकिन्छ । थुनास्थलभित्रका प्रक्रियालाई पनि परीक्षण गर्नु पर्दछ (उदाहरणका लागि, आगमन तथा अनुशासनात्मक कार्यविधि, भोजन वितरण, गुनासो कार्यविधि, आकस्मिकता र स्वास्थ्य सेवामा पहुँच) ।

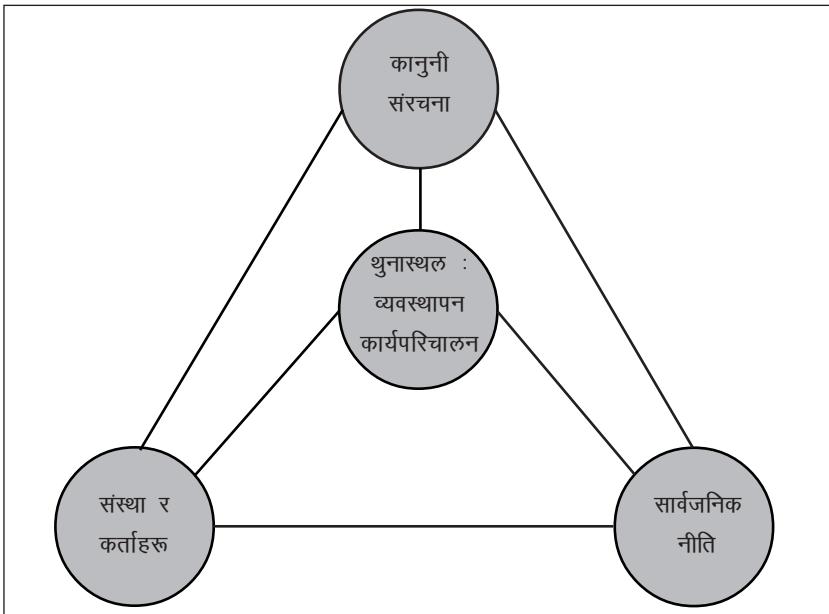
### ३.३ थुनास्थल भ्रमणभन्दा अधि

थुनास्थलको भ्रमणले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई प्रत्यक्ष सूचना संकलन गर्न सक्षम तुल्याउँछ । तर यस्तो भ्रमण समग्र रोकथाममूलक रणनीतिको पहिलो कदममात्र हो । समस्याका सम्भवतः मूल कारण र यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारका खतराको पहिचान गर्ने प्रयासस्वरूप राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले थुनास्थलमा प्राप्त तथ्यभन्दा अगाडि बढ्नुपर्ने हुन्छ । थुनास्थल भ्रमणका दौरान देखापरेको समस्या बाह्य तत्वको परिणाम हुनसक्छ र कानुनी ढाँचा, सार्वजनिक नीति तथा संलग्न संस्थान तथा कर्ताको विश्लेषण गर्नु राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि आवश्यक हुनसक्छ ।

---

<sup>12</sup> Article 21(2) of the OPCAT states that “Confidential information collected by the national preventive mechanisms shall be privileged. No personal data shall be published without the express consent of the person concerned”. For further information, see commentary on Article 21 of the OPCAT in Chapter II of this manual.

## यातना तथा अन्य दुर्घटहारको रोकथामका लागि समग्र दृष्टिकोण



राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

५

स्वतन्त्रताबाट विमुखता र न्याय सम्पादन दुवैको लागि राष्ट्रिय कानुनी ढाँचालाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले विश्लेषण गर्नुपर्ने हुन्छ । यसो गर्दा राज्यले निर्वाह गर्नुपर्ने अन्तर्राष्ट्रिय दायित्व र लागू हुने अन्य अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार मापदण्ड (भन्नाले, प्रथाजनित कानुनअन्तर्गतको दायित्व) को परीक्षण आवश्यक हुन्छ । राष्ट्रिय कानुनी ढाँचा (कानुन तथा नियमावली) अन्तर्राष्ट्रिय दायित्वसँग मिल्ने छ/छैन भनी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले विश्लेषण गर्नुपर्छ र सक्रियतापूर्वक संशोधन, परिवर्तन वा (आवश्यक भएमा) नयाँ कानुन प्रस्ताव गर्नुपर्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको यो अपरिहार्य पाटो हो ।

समग्रतामूलक विश्लेषणको एक भागका रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सार्वजनिक नीतिमा समेत विचार पुन्याउनुपर्ने हुन्छ किनकि यी नीतिको यातना रोकथाममा महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष प्रभाव रहनसक्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई स्वतन्त्र र गैरराजनीतिक

निकायका रूपमा हेरिनु पर्दछ । त्यसैले तिनीहरूले राजनीतिक बहसमा कुनै एक पक्षमा लाग्नुहुँदैन बरु थुनास्थलमा मानवअधिकारमाथि सकारात्मक वा नकारात्मक असर पार्नसक्ने विषयको विश्लेषण गर्नु पर्दछ । यो विश्लेषणले सम्भाव्य खतराका तत्व र यातना तथा अन्य किसिमका दुर्व्यवहारका मूल कारण पहिचान गर्ने रणनीतिको एक पाटोको रूप धारण गर्नु पर्दछ । सामान्य सार्वजनिक नीतिहरूको विश्लेषण गर्नु पर्दछ (जस्तै, प्रभावकारी राष्ट्रिय मानवअधिकार कार्योजना छ/छैन र छ भने यसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कामलाई कसरी प्रभाव पार्नसक्छ भनी निश्चित गर्नका लागि) । थुनालाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने विशिष्ट सार्वजनिक नीतिलाई पनि विश्लेषण गर्नु पर्दछ । यस्ता नीतिमा विशेषगरी अपराध (उदाहरणका लागि, शून्य सहिष्णुता नीति), लागूऔषध सेवन गर्नहरू, बालन्याय तथा आप्रवासीका सम्बन्धमा सार्वजनिक नीति पर्दछन् । थप रूपमा, यातना रोकथाम वा स्वतन्त्रताबाट विमुखतासँग अप्रत्यक्ष रूपमा मात्र सम्बन्धितजस्तो देखिने अन्य नीतिसमेत हेर्न योग्य हुनसक्छन् । जस्तै, मानसिक स्वास्थ्य तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति (उदाहरणका लागि, एचआइभि र एड्ससम्बन्धी) ।

कानुनी ढाँचा तथा सार्वजनिक नीति कार्यान्वयन गर्ने संस्थान तथा कर्तालाई पनि रोकथाममूलक दृष्टिकोणबाट परीक्षण गर्नु पर्दछ । एक एक थुनास्थल बृहत् प्रशासनिक निकायका अङ्ग हुन् (उदाहरणका लागि, प्रहरी, सुधारगृह, आप्रवास कार्यालय र/वा मनोविश्लेषणात्मक सेवा) । सरकारी नीतिको भुकावलाई परिभाषित गर्ने मन्त्रालयसँग यी सेवा/विभागहरू जोडिएका हुन्छन् । संस्थागत ढाँचाको विश्लेषणले सम्बन्धित सेवा र तीभन्दा माथि क्रमशः रहेका मन्त्रालय दुवैलाई समेट्नु पर्दछ र तिनले सेवा/मन्त्रालयका संस्थागत संस्कृति र दर्शन, तिनको आन्तरिक बनोट र सञ्चालन, तिनको कर्मचारी भर्ना र तालिमसम्बन्धी प्रक्रियाको कार्यविधि तथा विषय, आन्तरिक निरीक्षण संयन्त्रको अस्तित्व तथा सञ्चालन, तिनको संस्थागत निर्देशन, कार्यविधि तथा नियमावली र तिनको मानव, व्यवस्थापकीय तथा आर्थिक स्रोतमाथि समेत विचार पुऱ्याउनु पर्दछ । अन्य संस्थान तथा कर्ता, विशेषगरी न्यायापालिका तथा सरकारी वकिलका कार्यालय, लाई समेत हेर्नुपर्दछ । अन्त्यमा, विभिन्न संस्थानका बीचको (औपचारिक तथा अनौपचारिक दुवै) अन्तर्क्रियालाई पनि परीक्षण गर्नु पर्दछ ।

सारांशमा भन्नुपर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक रणनीतिले समग्रतापूर्ण दृष्टिकोणको आवश्यकता औल्याउँछ जुन थुनास्थलको वास्तविक अवस्था र सञ्चालनभन्दा अधि बढ्दछ र यसोगरी यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारका सम्भावित मूल कारणको विश्लेषण गर्नसक्छ ।

### **कार्यशैली : प्रमुख तत्त्व**

- भ्रमणमा अपनाइएको पद्धति, स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिसँग एकान्तमा लिइएको अन्तर्वर्ता, बहीखाता हेर्ने काम र सूचना रुजु गर्ने कामलगायत
- भ्रमणका दौरान थुनास्थलको व्यवस्थापन र प्रशासनको विश्लेषण
- सार्वजनिक नीति र कानुनी तथा संस्थागत ढाँचाको विश्लेषण

## **४. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्रियाकलाप**

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्रियाकलापले संयन्त्रका कामको देखिने परिणामलाई समेट्दछन् । आफ्नो कार्यादेशको कार्यान्वयनका सम्बन्धमा गर्ने सबै क्रियाकलापलाई समेट्दछन् । आलेखको धारा १९ लाई धारा १ र ४ को साहचर्यमा पढ्दा यीमुताबिक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले देहायका क्रियाकलाप सम्पन्न गर्नु पर्दछ :

- सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा पर्ने सबै स्थानमा नियमित भ्रमण गर्ने, ती स्थानमा व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्ति राखिएका हुन्छन् वा हुनसक्छन्,
- भ्रमण प्रतिवेदन तथा सिफारिस बनाउने,
- वार्षिक प्रतिवेदन बनाउने,
- सम्बन्धित कानुनउपर अवलोकन र सिफारिस गर्ने ।

### **४.१ भ्रमण**

सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको क्षेत्राधिकार तथा नियन्त्रणमा पर्ने, व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएकै वा राखिएको हुनसक्ने, सबै स्थानमा नियमित रोकथाममूलक भ्रमण गर्ने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको मुख्य क्रियाकलाप हो । भ्रमण गरिने स्थानको क्षेत्र व्यापक छ किनकि आलेखको धारा ४ मा गरिएको थुनास्थलको परिभाषा ज्यादै विस्तृत छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएका सबै स्थानको भ्रमण गर्नुपर्छ र यसमा पारम्परिक थुनास्थल (उदाहरणका लागि, प्रहरी चौकी, दण्ड सुनाइएका वा/र म्याद थप गरिएका कैदी राङ्गे कारागार) र गैरपारम्परिक थुनास्थल

(उदाहरणका लागि, अन्तर्राष्ट्रिय तट, सैनिक क्यान्पमा रहेका हिरासत केन्द्र, सामाजिक सेवागृह, आप्रवासी केन्द्र, मनोचिकित्सा संस्थान र सवारीसाधन) पर्दछन् ।

सीमित संख्याका थुनास्थल हुने साना देशमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रत्येक वर्ष प्रत्येक थुनास्थलमा नियमित तथा शीघ्र भ्रमण गर्न सक्षम हुनुपर्छ ।<sup>13</sup> तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्षेत्रमाथि विचार गर्दा अधिकांश राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई व्यक्तिलाई स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरी राखिएका सबै स्थानमा शीघ्र तथा नियमित भ्रमण गर्न असलिलो हुन्छ । त्यसैले, अधिकांश राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रत्येक वर्ष कुन स्थानको भ्रमण गर्ने हो भनी छनोट गर्नुपर्छ । तिनीहरूले प्रत्येक स्थान भ्रमण गर्नका लागि न्यूनतम अन्तराललाई पनि परिभाषित गर्नु पर्दछ । बहुसंख्यक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सन्दर्भमा विशेषगरी प्रत्येक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले विशिष्ट प्रकारको थुनास्थलमा जोड दिँदा प्रत्येक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्न थुनास्थल भ्रमणको संख्या सानो हुन्छ र यसै कारणले अभ व्यवस्थापित हुन्छ ।<sup>14</sup> तर बहुमत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले अभ पनि भ्रमण कार्यक्रम परिभाषित गर्नुपर्ने हुन्छ । यो कुरालाई आलेखको धारा २०(ङ) ले समेत बताएको छ जसअनुसार कुन स्थान भ्रमण गर्ने भनी छनोट गर्ने स्वतन्त्रता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू)को हुन्छ ।

भ्रमण कार्यक्रमको परिभाषा गर्दा त्यसले आदर्श रूपमा समग्रतापूर्ण रणनीतिक योजनाको अभ्यासको एक पाठोका रूपमा काम गर्दछ । विशेषगरी विकासको सुरक्षाती चरणमा प्रस्त उद्देश्य र रणनीति परिभाषित गर्ने र कार्ययोजना अंगीकार गर्ने काम राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि महत्वपूर्ण हुन्छ । कोस्टारिका र माल्डिव्सका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले संयन्त्रका कार्ययोजना भर्यौदाका लागि यस्ता रणनीतिक योजनाका अभ्यास सञ्चालन गरेका छन् ।<sup>15</sup>

<sup>13</sup> In Liechtenstein and Malta, for example, there is only one main prison and a few other places of detention.

<sup>14</sup> In New Zealand, there are four NPMs and a central NPM. One of the NPMs, the Inspector of Service Penal Establishments, is responsible for visiting defence force facilities (i.e. the Services Corrective Establishment) and the small number of holding cells in each base/camp.

<sup>15</sup> These processes were facilitated by the APT. A strategic planning workshop was conducted in Costa Rica in April 2009. In the Maldives, the NPM Action Plan 2009-2010 was drafted during a workshop in January 2009, then revised and finalized in July 2009. It was finally integrated into the National Human Rights Commission's Plan 2010-2013.

## यातनाविष्वद्वको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

महत्वपूर्ण प्राथमिक कदमका रूपमा भ्रमण कार्यक्रमको परिभाषाले देशमा रहेका सबै थुनास्थलको साङ्गोपाङ्गो भौगोलिक चित्रण वा सूची बनाउने आवश्यकता औल्याउँछ । आदर्श रूपमा यस्तो सूची संयन्त्र नियुक्तिको चरणमा बनाइएको हुन्छ र यो त्यतिखेरसम्म राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई उपलब्ध भइसकेको हुन्छ ।<sup>16</sup>

### **४.१.१ भ्रमण कार्यक्रमको परिभाषा**

भ्रमण कार्यक्रममा एउटा साधन हुन्छ जसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू)लाई आफ्ना कार्यादेश कार्यान्वयन गर्न तथा रोकथाममूलक भ्रमणका दुई महत्वपूर्ण उद्देश्य हासिल गर्न मद्दत गर्दछ :

- निवारक असर (थुनास्थलमा अघोषित रूपमै प्रवेश पाउनाले नै यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारको खतरालाई घटाउँछ),<sup>17</sup> र
- यातना तथा अन्य दुर्व्यवहारका खतरालाई पहिचान गर्ने र फलस्वरूप मूल कारणलाई सम्बोधन गर्ने लक्ष्य लिएको प्रणालीव्यापक विश्लेषण ।<sup>18</sup>

विकास भइरहेका परिस्थिति वा आवश्यकतामाथि प्रतिक्रिया दिनका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सक्षम बनाउन भ्रमण कार्यक्रम लचिलो हुनुपर्छ तर यसले योजना गरिएका भ्रमणका समग्र संख्या वा भ्रमण दिवसका संख्या, भ्रमण गरिने स्थान र प्रत्येक योजनाबद्व भ्रमणका प्रकारलाई परिभाषित गर्नु पर्दछ । कार्यक्रमले उपलब्ध स्रोतसाधनउपरसमेत विचार पुऱ्याउनु पर्दछ ।<sup>19</sup>

आलेखले अपेक्षा गरेअनुरूपको थुनास्थलमा गरिने रोकथाममूलक भ्रमणमा स्रोतसाधनमात्र नभई समय पनि आवश्यक हुन्छ । त्यसैले सीमित समय तथा स्रोतका बाबजुद राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि भ्रमणको नियमितता सुनिश्चित गर्न भ्रमण कार्यक्रमअन्तर्गत विभिन्न प्रकारका भ्रमण समावेश हुनु पर्दछ :

<sup>16</sup> See Section 5 of Chapter IV of this manual.

<sup>17</sup> See Sections 4 and 5.1 of Chapter I of this manual.

<sup>18</sup> See Section 5.2 of Chapter I of this manual.

<sup>19</sup> See Section 5 of this chapter.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

- गहन भ्रमण : यस्ता भ्रमण साधारणतया धेरै दिनसम्म रहन्छन् र यिनमा विशाल बहुविषयक टोली समावेश हुन्छन् । तिनीहरूको घोषणा पहिले नै गरिएको हुन्छ । गहन भ्रमणले थुनास्थल सञ्चालनका सबै पक्षमा ध्यान पुऱ्याउँछन् । उनीहरूको प्रमुख उद्देश्य स्थितिलाई विस्तारपूर्वक अभिलेख गर्नु, खतराका तत्वको विश्लेषण गर्नु र समस्या तथा असल अभ्यास दुवैको पहिचान गर्नु हो ।
- तदर्थ भ्रमण : यस्तो भ्रमण सानो टोली लिएर छोटो समयका लागि कुनै विशेष स्थानमा अधोषित रूपमा गर्ने हो । तदर्थ भ्रमणको प्राथमिक उद्देश्य भनेको निवारक असर पार्ने हो र त्यसैले गर्दा यो पूर्वानुमान गर्न नमिले हुनु पर्दछ । अन्य किसिमका भ्रमणका बीचमा यस्ता भ्रमण गर्न सकिन्छ जसबाट थुनास्थलमा बाह्य उपस्थिति सुनिश्चित हुन्छ । अपेक्षा नगरिएका स्थितिप्रति प्रतिक्रिया गर्नका लागिसमेत यस्ता भ्रमण गरिन सक्छन् – सिफारिसको कार्यान्वयनलाई परीक्षण गर्नका लागि अनुगमन भ्रमण वा विभिन्न थुनास्थलका विशिष्ट सवालको परीक्षण गर्न ।
- विषयगत भ्रमण : यस्ता भ्रमण अनेकौ स्थानमा सामान्यतया छोटा र केन्द्रित भ्रमण हुन् । साधारणतया यिनमा विशिष्ट टोली समावेश हुन्छन् । विषयगत भ्रमण अनेकौ थुनास्थलमा कि थुनाको एउटा विशिष्ट पक्ष (स्वास्थ्य सेवा वा अनुशासनात्मक उपाय) मा केन्द्रित हुन्छन् कि स्वतन्त्रताबाट विच्छिन्न व्यक्तिको एक विशिष्ट वर्ग (जस्तै, जन्मकैद काटिरहेका कैदी वा भर्खर आएका कैदी) मा केन्द्रित हुन्छन् । खतराका तत्व अनि असल र खराब अभ्यासको अन्तर्विभागीय विश्लेषण गर्नु उनीहरूको उद्देश्य हो ।

अलि कम सघनता अपनाइएको गहन भ्रमण र नियमित छोटो तदर्थ भ्रमणको मिश्रण गरिएको कार्यक्रम राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्नुपर्ने थुनास्थलको नियमित निरीक्षण र समग्रमा देशकै परिस्थितिको चालू प्रणालीगत विश्लेषणरूपी कामका लागि सबभन्दा प्रभावकारी हुन्छ । बेलायत र वेल्समा महारानी सरकारको थुना निरीक्षक कार्यालयले प्रत्येक पाँच वर्षमा प्रत्येक थुनामा कम्तीमा एउटा (एक हप्ता लामो) गहन भ्रमण सम्पन्न गर्दछ भने छोटा तदर्थ भ्रमण कम्तीमा दुई वर्षको एकचोटी गर्दछ ।

### ● भ्रमण गर्ने स्थानको चयन

भ्रमण गर्ने स्थानलाई रणनीतिक रूपमा छनोट गर्नका लागि माथि चर्चा गरिएको थुनास्थलको सूची राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रयोग गर्दछ । छनोटको रणनीति विशिष्ट प्राथमिकतामा आधारित हुन्छ वा त्यसमा थुनास्थलको अन्तर्विभागको संलग्नतातर्फ ढल्केको हुन्छ ।

## प्राथमिकतामा आधारित छनोट

निम्नलिखित आधारमा थुनास्थलका विशेष वर्गलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्राथमिकता दिनका लागि निर्णय गर्नसक्छन् :

- खतराका तत्व : दुर्व्यवहारको खतरा विशेष रूपमा उच्च भएका स्थानमा भ्रमण गर्ने निर्णय राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्नसक्छन् । थुनाको प्राथमिक चरणमा प्रयोग गरिएका स्थान – जहाँ सोधपुछ गरिन्छन् र जहाँ स्वतन्त्रताबाट विचित्र व्यक्तिहरूको उच्च संख्यामा आवागमन हुन्छ (जस्तै, प्रहरी चौकी र पूर्वपूर्फ्क्ष स्थल) – प्रचलित केन्द्र हुन् ।
- सूचनाको अभाव : सामान्यतया सार्वजनिक नजर वा बाह्य निरीक्षणका लागि खुल्ला नभएका थुनास्थल (जस्तै, मनोचिकित्सक संस्थान, सामाजिक सेवागृह वा आप्रवासी केन्द्र)<sup>20</sup> मा ध्यान एकाग्र गर्ने निर्णय राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्नसक्छ ।
- उपलब्ध सूचना : समस्या रहेको भनी सूचना पाइएका स्थान (उदाहरणका लागि, ताजा गुनासा, अन्य संस्था वा सञ्चारमाध्यमका प्रतिवेदन)लाई प्रायः भ्रमण प्राथमिकताका रूपमा विचार गरिन्छ ।

सबै किसिमका थुनास्थलमा नियमित भ्रमण गर्ने कार्यादेश पूरा गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्राथमिकीकरणलाई अनन्यताको अर्थ लगाउनु हुँदैन र भ्रमण कार्यक्रमको कार्यान्वयनमा केही लचकता रहनु पर्दछ । प्राथमिकतामा नपरेका स्थानको तदर्थ भ्रमणलाई पनि भ्रमण कार्यक्रममा संलग्न गर्नु पर्दछ । रोकथाममूलक र निवारक दृष्टिकोणबाट यस्तो प्रकृतिको सन्तुलन महत्वपूर्ण हुन्छ । अभ., भ्रमणका प्राथमिकतालाई परिभाषित गर्ने मापदण्डलाई नियमित रूपमा समीक्षा गर्नु पर्दछ । चेक गणतन्त्रमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (अधिकारको सार्वजनिक रक्षक – सुपरीवेक्षक)ले प्रत्येक वर्षको भ्रमण प्राथमिकताका लागि एक वा दुई स्थानको वर्गीकरण गर्दछ । अन्य स्थानको भ्रमण तर्दर्घवादमा आधारित भई गर्नसकिन्छ । सन् २००९ मा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले २५ ओटा मानसिक अपाङ्ग गृहको

---

<sup>20</sup> In New Zealand, the Ombudsmen decided to focus its attention on psychiatric institutions. During the NPM's first year of activity, it visited 74 mental health sites, 11 prisons, and 2 immigration centres. See Human Rights Commission, Annual Report of activities under the OPCAT, 1 July 2008 to 30 June 2009, p.12.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

भ्रमण गन्यो र थप रूपमा नौओटा पूर्वपूर्पक थुना अनि छओटा मानसिक अस्पतालको भ्रमण गन्यो (यी पछिल्लाको भ्रमण अनुगमन भ्रमण कार्यक्रमको एक अंशका रूपमा रहेको थियो) ।

### **स्थानहरूको Cross section**

समग्र देशको वा कुनै निश्चित क्षेत्रको परिस्थितिको अन्तर्विभागीय विश्लेषणका लागि अनेकौ थुनास्थलको भ्रमण गर्ने निर्णयसमेत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले गर्न सक्दछन् । पोल्याण्डमा सन् २००८ मा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (मानवअधिकार रक्षक) ले देशभरिका १५ किसिमका थुनास्थलमा ७६ ओटा भ्रमण सम्पन्न गरे ।<sup>21</sup> मैकिसकोमा राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोग (राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र)ले संघीय राज्यका विभिन्न प्रान्तमा मिसन सम्पन्न गर्दछ र यो क्रममा यसले प्रत्येक प्रान्तका अनेकौ स्थानको भ्रमण गर्दछ ।<sup>22</sup> यो अनेकताले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई विभिन्न थुनास्थलको सिंहावलोकन गर्न सक्षम बनाउँछ र न्यायिक थुनाका सन्दर्भमा पनि प्रहरीले सुरक्षा थुनामा राखेको समयदेखि दण्ड कार्यान्वयन गरेको समयसम्म समग्रमा थुना प्रणालीको सञ्चालनलाई बुझ्न पनि सक्षम बनाउँछ ।

### **४.१.२ नियमितता तथा पुनरावृत्ति**

थुनास्थल भ्रमणमा एक किसिमको नियमितता तथा पुनरावृत्ति हुन्छ भन्ने कुराको सुनिश्चितता भ्रमण कार्यक्रमले गर्नु पर्दछ । आफ्ना प्राथमिक निर्देशन<sup>23</sup>मा रोकथाम

---

<sup>21</sup> The Polish NPM visited the following places: 13 penal institutions, 15 remand centres, 1 external division remand centre, 2 sobering-up stations, 11 rooms in police premises for apprehended persons, 4 police emergency centres, 3 youth care centres, 1 youth socio-therapy centre, 3 juvenile detention centres, 4 refuges for minors, 1 quarter for persons detained at border guard centres, 4 quarters for foreigners set to be deported (under the jurisdiction of police or border guard authorities), 3 guarded centres for foreigners, 8 psychiatric hospitals, and 3 military places of detention. See Report of the Human Rights Defender on the activities of the National Preventive Mechanism in Poland in 2008, Warsaw, April 2009, pp.18-63.

<sup>22</sup> For example, during the visit to the state of Sinaloa in November 2009, the NPM visited 44 places of detention: detention facilities of the Public Ministry; a centre for juveniles; police stations; centres for the execution of sentences; a psychiatric hospital; and a centre for social reintegration of the mentally disabled. See [www.cndh.org.mx](http://www.cndh.org.mx).

<sup>23</sup> See Annex 2 of this manual for the full text of the SPT's Preliminary guidelines.

## यातनाविरुद्धको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

उपसमितिले बताएअनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्ने भ्रमणको आवधिकताले दुर्व्यवहारविरुद्धको सुरक्षाउपाय<sup>24</sup>का रूपमा थुनास्थलको प्रभावकारी निरीक्षणलाई सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । तर भ्रमणको सघनता देशको आकार, भ्रमण गरिने स्थानको संख्या, आकार र अवस्थिति, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्रोतसाधन र यसको ढाँचामा आधारित भई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रपिच्छे फरक पर्दछ । भ्रमणको संख्या (भन्नाले, संख्यात्मकता) र तिनका उद्देश्य (भन्नाले, गुणात्मकता) का बीचको सन्तुलनलाई सुनिश्चित गर्नु महत्वपूर्ण हुन्छ । सन्तुलन कायम राख्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले त्यस्ता रणनीति विकास गर्नु पर्दछ जसले उनीहरूलाई विभिन्न वर्गका थुनास्थलमा आइपर्ने सवाल र खतराउपर प्रतिक्रिया दिन अनुमति दिन्छ । विभिन्न प्रकारका भ्रमणलाई समेटेको मिश्रित कार्यक्रमले विभिन्न थुनास्थलको निरन्तर समीक्षाका साथै अभ बढी नियमित निरीक्षण आवश्यक हुने भनी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले पहिचान गरेका थुनास्थलमा भन् बढी शीघ्र भ्रमण गर्न सजिलो बनाउँछ ।<sup>25</sup>

### ४.२ भ्रमण प्रतिवेदन तथा सिफारिस

रोकथाममूलक निरीक्षण प्रक्रियामा भ्रमण पहिलो कदममात्र हो । भ्रमणका दौरान जम्मा गरिएका प्रत्यक्ष सूचनालाई प्रतिवेदन र सिफारिसको आधार बनाउनुअघि विश्लेषण गर्नु जस्ती हुन्छ । समस्या र कमीकमजोरीहरूको पहिचान गरिएका स्थानको अवस्थालाई सुधार गर्न उद्देश्य राखी प्रतिवेदनलाई अधिकारीकहाँ पठाउनु पर्दछ ।

#### ४.२.१ प्रतिवेदनका प्रकार

भ्रमणपश्चात्का प्रतिवेदन लेख्ने अभ्यास फरकफरक हुन्छन् तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले प्रायः देहायबमोजिमका प्रतिवेदन मस्यौदा गर्दछन् :

<sup>24</sup> SPT, First annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, February 2007 to March 2008, UN Doc. CAT/C/40/2, 14 May 2008, §28.

<sup>25</sup> The APT recommended that places with a high turnover of persons deprived of liberty be visited at least once per year and that other places be visited at least once every three years. APT, *NPM Guide*, APT, Geneva, 2006, p.33.

- आन्तरिक भ्रमण प्रतिवेदन : आदर्श प्रारूपमा आधारित आन्तरिक प्रतिवेदन अभिलेख राख्ने तथा अनुगमन भ्रमण गर्ने सवालमा महत्वपूर्ण हुन्छन् ।
- भ्रमण प्रतिवेदन : भ्रमणकारी टोलीको निष्कर्षलाई विश्लेषण, प्रतिक्रिया र सिफारिससहित यिनीहरूले उल्लेख गर्दछन् । भ्रमणको केही समयपश्चात् नै भ्रमण प्रतिवेदन पेश गर्नु पर्दछ । यसमा भ्रमण गरिएको स्थानको हर्ताकर्तालाई प्रत्यक्ष सम्बोधन गर्नु पर्दछ । यद्यपि यसका प्रति अन्य उच्च अधिकारीलाई समेत पठाउन सकिन्छ । आफ्ना प्राथमिक निर्देशनमा रोकथाम उपसमितिले सिफारिस गरेअनुसार भ्रमणको प्रतिवेदनमा सम्बन्धित संस्थालाई असल अभ्यास तथा सुरक्षामा रहेका खोटका सम्बन्धमा प्रतिक्रियासमेत सामेल गरी बुभाउन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई राज्यहरूले प्रोत्साहन गर्नुपर्छ र यसका साथै जिम्मेवार अधिकारीलाई अभ्यास, नीति तथा कानुनमा सुधार गर्नका लागि सिफारिससमेत समावेश गर्नु पर्दछ ।<sup>26</sup>
- विषयगत प्रतिवेदन : यस्ता प्रतिवेदनले अनेकौं थुनास्थलका बारेमा चर्चा गर्नसक्छन् तर यी एउटा विषयमा मात्र केन्द्रित हुन्छन् (उदाहरणका लागि, कारागारमा स्वारूप्य सेवा) । विषयगत प्रतिवेदन अन्य दुई प्रतिवेदनका तुलनामा बढी विश्लेषणात्मक हुन्छन् ।

मेकिसकोमा भ्रमण गरिएको प्रत्येक स्थानको आन्तरिक प्रतिवेदनलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको भ्रमणकारी टोलीले मर्यौदा गर्दछ । एउटा क्षेत्रको स्थानका शृंखला र/वा एउटा विशिष्ट अधिकारीमातहतका स्थानलाई समेट्ने संश्लेषणात्मक प्रतिवेदनको प्रारूपमा यी प्रतिवेदनलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रतिवेदन टोलीले संकलन गर्दछन् ।<sup>27</sup>

<sup>26</sup> See SPT, First annual report, §28; and also Annex 2 in this manual.

<sup>27</sup> See, for example, National Human Rights Commission, *Informe 1/2008 del Mecanismo Nacional de Prevención de la Tortura sobre los lugares de detención e Internamiento que dependen del Gobierno del Distrito Federal*, México DF, 27 February 2008 ; National Human Rights Commission, *Informe 4/2008 del Mecanismo Nacional de Prevención de la Tortura sobre los hospitales psiquiátricos que dependen del Gobierno Federal*, México DF, 27 June 2008; and National Human Rights Commission, *Informe 7/2008 del Mecanismo Nacional de Prevención de la Tortura sobre lugares de detención e internamiento que dependen del gobierno del Estado de Tabasco*, México DF, 25 September 2008.

## यातनाविष्वद्वको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

### ४.२.२ भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशन

रोकथाम उपसमितिका प्रतिवेदन गोप्य हुनुपर्ने भनी आलेखको पाठले प्रस्त रूपमा उल्लेख गरे पनि<sup>२८</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले निकाल्ने प्रतिवेदनको गोपनीयताका बारेमा यस्तै खालको कुनै प्रावधान छैन । त्यसैले आफ्ना भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशित गर्ने नगर्ने भनी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले निर्णय गर्नसक्छन् । यस्ता निर्णय राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको समग्र यगतचभबअज रणनीतिको अङ्ग हुनु पर्दछ ।<sup>२९</sup>

प्रतिवेदन प्रकाशनको निर्णय गर्दाखेरि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले पारदर्शिताको आवश्यकता, अधिकारीहरूसँग सहकार्यात्मक संवाद स्थापित गर्नुको महत्व र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको चालू विकासलाई विचार पुऱ्याउनु पर्दछ । अनेकौ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भएका पक्षराष्ट्रमा प्रत्येक संयन्त्रको फरकफरक संस्थागत संस्कृति हुनसक्छ र त्यसैले प्रतिवेदन प्रकाशनमा उनीहरूको फरकफरक अडान हुनसक्छ । त्यसकारण एउटा सार्वजनिक रणनीतिको विकासका बारेमा चर्चा गर्नु पर्दछ । भ्रमण प्रतिवेदनले थुनास्थल र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र आफैको पारदर्शिता र जवाफदेहितामा योगदान गर्दछ । प्रतिवेदनले थुनास्थलका लागि जिम्मेवार सबै अधिकारीलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका काम, कार्यपद्धति, अपेक्षा र अपनाइएका मापदण्डका बारेमा सूचना दिन्छ । तर सम्बन्धित व्यक्ति(हरू)को लिखित सम्पत्तिविना उनीहरूको व्यक्तिगत विवरण कहिल्यै पनि प्रकाशित गनुहुँदैन ।<sup>३०</sup>

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले भ्रमण प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने निर्णय लिँदा अधिकारीहरूसँग सहकार्यको दहो ढाँचा बनाउनका लागि प्रकाशनपूर्वका परामर्शको समय तथा प्रक्रिया महत्वपूर्ण हुन्छन् । असल अभ्यासले संकेत गरेअनुरूप भ्रमण प्रतिवेदन अधिकारीहरूले सुरूमा टिप्पणी दिन तथा तथ्यगत परीक्षण गर्नका लागि गोप्य रूपमा पठाउनु पर्दछ । त्यसपछि सार्वजनिक गरिने भ्रमण प्रतिवेदनमा अधिकारीहरूका कुनै किसिमका टिप्पणी समावेश गर्ने नगर्ने भनी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले निर्णय गर्नसक्छन् । यो अभ्यासले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सहकार्यात्मक सम्बन्धका लागि प्रोत्साहन गर्ने लचकता दिन्छ भने यससँगै पारदर्शिता र जवाफदेहितालाई प्रवर्द्धनसमेत गर्दछ ।

<sup>२८</sup> See commentary on Article 16(1) in Chapter II of this manual.

<sup>२९</sup> See Section 11 of Chapter I of this manual; and also the commentary on Article 22 in Chapter II.

<sup>३०</sup> See commentary on Articles 16(2) and 21(2) in Chapter II of this manual.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

फ्रान्समा थुनास्थलको महानिरीक्षकले आफ्ना खोजहरू समावेश गरिएको प्रतिवेदन सुरुमा तथ्यगत परीक्षण गर्नका लागि भ्रमण गरिएको थुनास्थलका हर्ताकर्तालाई सीधै पठाउँछन् । यो सालाखाला भ्रमणको २५ दिनपछि हुने गर्दछ । जवाफ प्राप्त भएपछि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सम्बन्धित मन्त्रालयलाई अद्यावधिक गरिएको भ्रमण प्रतिवेदन पठाउँछ र मन्त्रालयले यसउपर प्रतिक्रिया जनाउन एक महिनाको समय पाउँछ । अन्त्यमा महानिरीक्षकले प्रतिवेदन र मन्त्रालयको अवलोकनमा आधारित भएर एउटा सार्वजनिक सिफारिस मस्यौदा गर्ने निर्णय गर्नसक्छ । यिनलाई पछि आधिकारिक जर्नलमा प्रकाशित गरिन्छ ।<sup>31</sup> कुनै कुनै भ्रमण प्रतिवेदन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वेबसाइट र वार्षिक प्रतिवेदनको अनुसूचीमा समेत उदाहरणका रूपमा प्रकाशित गरिन्छन् ।<sup>32</sup>

### ४.३. वार्षिक प्रतिवेदन

आलेखको धारा २३ अन्तर्गत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित तथा वितरण गर्ने दायित्वमा पक्षराष्ट्रहरू बाँधिएका हुन्छन् । आफ्नो प्राथमिक निर्देशनमा रोकथाम उपसमितिले जोड दिएअनुसार वार्षिक प्रतिवेदन आलेखको धारा २३ मुताबिक प्रकाशित गर्नु पर्दछ ।<sup>33</sup>

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनले महत्वपूर्ण सञ्चार साधनको प्रतिनिधित्व गर्दछ र अनेकौं महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरा गर्दछ :

- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई देखिने बनाउने र यसको जवाफदेहितालाई सुनिश्चित गर्ने,
- सम्बन्धित कर्ता तथा आमजनतालाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्रियाकलाप र सञ्चालनका सम्बन्धमा सूचना दिने,
- यातना रोकथामसँग सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषय पहिचान तथा विश्लेषण गर्ने,
- सिफारिस प्रस्ताव गर्ने,

<sup>31</sup> *Contrôleur général des lieux de privation de liberté*, Rapport Annuel 2008, p.10. Available at [www.cgpl.fr](http://www.cgpl.fr).

<sup>32</sup> *Contrôleur général des lieux de privation de liberté*, Rapport Annuel 2008.

<sup>33</sup> SPT, First annual report, §28.

- यातना रोकथाममा भएका प्रगति (वा प्रगतिको अभाव)लाई मापन गर्ने, र
- अधिकारीहरूसँग निरन्तर संवाद स्थापना तथा कायम गर्ने ।

वार्षिक प्रतिवेदनको लक्षित समूह चौडा हुनसक्छ र यिनमा उच्च तहका सरकारी अधिकारीदेखि स्वतन्त्रताबाट विमुख भएका व्यक्तिसम्म पर्नसक्छन् । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सुरुआती लक्षित समूह प्रस्त रूपमा परिभाषित गर्नु पर्दछ र यसैअनुरूप वार्षिक प्रतिवेदनको शैली तथा प्रारूप अंगीकार गर्नु पर्दछ । आलेखले प्रतिवेदनसम्बन्धी कार्यविधि स्थापना गर्दैन त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनको लक्षित समूह रोकथाम उपसमिति होइन । तर वार्षिक प्रतिवेदनको एक प्रति रोकथाम उपसमितिलाई पठाउनु महत्वपूर्ण हुन्छ र यसलाई रोकथाम उपसमितिसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क कायम गरेको भन्ने अर्थमा हेरिनु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका वार्षिक प्रतिवेदन आफ्नो वेबसाइटमा प्रकाशन गर्ने अभ्यास रोकथाम उपसमितिले थालेको छ तर प्रतिवेदनको विषयकस्तुउपरको जिम्मेवारी यसले लिँदैन ।<sup>34</sup> सूचना बाँडने र विचारविमर्शलाई प्रोत्साहन गर्ने हिसाबले अन्य अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय निकायलाई आफ्ना वार्षिक प्रतिवेदन पठाउनु उपयोगी हुन्छ भन्नेमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले विचार गर्नसक्छन् ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा काम गर्ने भनी (वा एक भागका रूपमा रहने भनी) नियुक्ति लिएको विद्यमान संस्था छ भने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनलाई भिन्नै प्रतिवेदनको रूपमा प्रकाशित गर्नु पर्दछ वा कमसेकम संस्थानको समग्र वार्षिक प्रतिवेदनमा एउटा छुटै अध्यायका रूपमा समावेश गर्नु पर्दछ ।<sup>35</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रतिवेदन वा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसम्बन्धी अध्यायले कानुनका सम्बन्धमा अवलोकन र अधिकारी तथा अन्य कर्तासँगको सहकार्यलगायतका संयन्त्रका कामका सबै पक्षलाई समेट्नु पर्दछ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनले संयन्त्रको सञ्चालन र यसले गर्ने वर्षभरिका क्रियाकलापसम्बन्धी तथ्यगत सूचनामात्र समावेश नगरी यातना रोकथामका सवालमा गहकिलो विश्लेषणसमेत समावेश गर्नु पर्दछ । महत्वपूर्ण खतराका तत्व, विभिन्न किसिमका थुनास्थलमा रहेका सबभन्दा असल अभ्यास र स्वतन्त्रताबाट विमुखता तथा यातना रोकथामसँग सम्बन्धित अन्य सवालको गहन विश्लेषण गर्नका लागि राष्ट्रिय

<sup>34</sup> See <http://www2.ohchr.org/english/bodies/cat/opcat/annualreports.htm>.

<sup>35</sup> See discussion of Article 23 in Chapter II of this manual.

रोकथाम संयन्त्रहरू सर्वाधिक उपयुक्त हुन्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले पहिले नै गहकिलो सूचना सार्वजनिक गरेको नगरेको भन्नेमा प्रतिवेदनको विश्लेषणात्मक पाटोको विषयवस्तु भर पर्दछ । भ्रमण प्रतिवेदनहरू नियमित रूपमा प्रकाशित गर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनको गहकिलो अंशले विभिन्न प्रकारका थुनास्थलसँग सम्बन्धित महत्वपूर्ण सवाललाई संश्लेषण गर्नसक्छ वा यसले एकअर्कासँग सम्बन्धित विषयगत सवाललाई विश्लेषण गर्नसक्छ । भ्रमण प्रतिवेदनहरू सार्वजनिक नगर्दाको अवस्थामा वार्षिक प्रतिवेदनले भ्रमणका दौरान सामना गरिएका प्रमुख सवालसम्बन्धी सूचना समावेश गर्नु पर्दछ र यसपछिका वार्षिक प्रतिवेदनले अनुगमन कार्य, सिफारिस कार्यान्वयनको स्तर र यातना तथा अन्य किसिमका दुर्घटवहार रोकथाममा भएका प्रगतिको सामान्य मूल्यांकनलाई समावेश गर्नु पर्दछ ।

#### ४.४ कानुनको अध्ययन

आलेखको धारा १९(ग) ले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई मस्यौदा वा विद्यमान कानुनउपर गहन अध्ययन गरी संशोधन प्रस्ताव गर्न दिएको क्षमताले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको कार्यादेशको महत्वपूर्ण पक्ष ओगट्छ भने यसले भ्रमणको महत्वपूर्ण पूरकका रूपमा समेत काम गर्दछ : थुनास्थल भ्रमणका दौरान पहिचान भएका समस्या अपर्याप्त कानुन तथा नियमावलीको परिणाम हुनसक्छ । कानुनले दिने सुरक्षामा रहेका कमीकमजोरीउपर प्रतिक्रियाका लागि सुधारको प्रस्ताव गर्ने वा/र कानुनी सुरक्षाउपाय प्रस्ताव गर्ने क्षमता राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको महत्वपूर्ण साधन हो ।

सन् २००८ मा पोल्याण्डको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सुधारगृहहरूमा सिसिटिभि क्यामराको प्रयोगका सम्बन्धमा उपयुक्त कानुनी नियमावली तर्जुमा गर्न न्याय मन्त्रालयलाई अनुरोध गन्यो । यसले थुनुवा ओसारपसारका लागि प्रयोग गरिने वाहनको प्राविधिक आवश्यकताउपर एउटा अध्यादेश जारी गर्नसमेत गृह तथा प्रशासन मन्त्रालयलाई अनुरोध गन्यो ।

### क्रियाकलाप : महत्वपूर्ण तत्व

- थुनास्थलको सूची
- भ्रमण कार्यक्रम
- गरिएका भ्रमणको संख्या (स्थानका आधारमा)
- भ्रमणको सामान्य अवधि
- गरिएका भ्रमणको अनुपात (स्थानका आधारमा)
- गरिएका भ्रमणको सामान्य सघनता (स्थानका आधारमा)
- भ्रमण गरिएका स्थानका हर्ताकर्ता र उच्च अधिकारीहरूलाई पठाइएका भ्रमण प्रतिवेदन
- वार्षिक प्रतिवेदन, यातना रोकथामका सवाल र थुनास्थलको परिस्थितिसम्बन्धी चर्चा गरिएका गहकिला अध्यायलगायत
- विद्यमान वा मस्यौदा कानुनउपर टिप्पणी तथा अवलोकन

## ५. स्रोतसाधन

थुनास्थल भ्रमणको संख्या र सघनताका साथै प्रतिवेदनको प्रकाशन उपलब्ध स्रोतसाधनमा भर पर्दछन्। आलेखको धारा १८(३) अनुसार पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र सञ्चालनका लागि जस्ती स्रोतसाधन उपलब्ध गराउने आवश्यकता औल्याए पनि व्यवहारमा भने आदर्श रोकथाममूलक कार्यक्रमको सम्पन्न गर्नका लागि दिइएका (आर्थिक, मानव तथा व्यवस्थापकीय) स्रोतसाधन दुर्लभै रूपमा पर्याप्त हुन्छन्। स्रोतसाधनहरू समयान्तरमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकाससँगै सम्भवतः बढाउनुपर्नेछ भन्ने कुरामा विचार पुऱ्याउनु महत्वपूर्ण हुन्छ। राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले स्रोतसाधनको प्रयोग स्वतन्त्रतापूर्वक गर्ने पाउने स्वायत्तता उसलाई दिनु पनि महत्वपूर्ण हुन्छ।

### ५.१ आर्थिक स्रोतसाधन

सदस्य, कर्मचारी तथा विज्ञलाई तलब दिन तथा आफ्नो देशको भू-भागमा पर्ने सबै थुनास्थलमा नियमित भ्रमण गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई पर्याप्त बजेट आवश्यक

हुन्छ । एउटा विद्यमान निकायलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश दिँदा थप कार्य गर्नका लागि यसलाई सक्षम बनाउन तथा आलेखको रोकथाममूलक दृष्टिकोणको विशिष्टतालाई सम्मान गर्नका लागि अनुमति दिन संस्थानको बजेटमा वृद्धि गर्नु आवश्यक हुन्जान्छ । यस्ता परिस्थितिमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको बजेटलाई यसका लागि मात्र छुट्ट्याउने र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रता बजेट विनियोजन प्रक्रियासम्म विस्तार हुन्छ भन्ने सुनिश्चित गर्ने आवश्यकतालाई रोकथाम उपसमितिले जोड दिएको छ ।<sup>36</sup>

आर्थिक स्रोतसाधनको सवालले सञ्चालनात्मक स्वतन्त्रताको सवालसँग नजिकैको साइनो राख्दछ ।<sup>37</sup> राज्यले पर्याप्त बजेट छुट्ट्याउनुपर्ने मात्र नभई बजेट पारित गर्ने प्रक्रियाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रतालाई सम्मान गर्नु पर्दछ । व्यवहारमा यस्तो सिफारिस गरिन्छ :

- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफ्नो वार्षिक बजेट आफै मस्यौदा गर्दछ,
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको बजेट देशको संसदमा स्वीकृतिको लागि सीधै पेश गरिन्छ र
- संसदले स्वीकृत गरेको बजेट कसरी खर्च गर्ने भन्नेबारेमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले स्वायत्त रूपमा निश्चय गर्न पाउँछ ।

आर्थिक स्वायत्तता आर्थिक जवाफदेहितासँग हातेमालो गरेर अगाडि बढ्दछ त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले नियमित रूपमा सार्वजनिक आर्थिक प्रतिवेदन बुझाउने कार्य तथा लेखापरीक्षणका कार्यविधिलाई अपनाउनु पर्दछ ।

<sup>36</sup> Guideline G of the SPT Preliminary guidelines states that “Adequate resources should be provided for the specific work of national preventive mechanisms, in accordance with article 18.3 of the Optional Protocol; these should be ring-fenced, in terms of both budget and human resources.” SPT, First annual report, §28.

<sup>37</sup> The Paris Principles (Composition and guarantees of independence and pluralism, Section, Guideline 2) provide that “The national institution shall have an infrastructure which is suited to the smooth conduct of its activities, in particular adequate funding. The purpose of this funding should be to enable it to have its own staff and premises, in order to be independent of the Government and not subject to financial control which might affect its independence.”

## ५.२ मानव स्रोतसाधन

रोकथाममूलक निरीक्षण एक विशिष्ट कार्य हो र यसमा विशेष दक्षता आवश्यक हुन्छ । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि मानवस्रोत महत्वपूर्ण हुन्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सन्दर्भमा मानवस्रोतका तीन प्रमुख वर्ग छन् : राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्य, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कर्मचारी र बाह्य विज्ञ । सदस्यहरू संस्थानमा आधिकारिक तरिमा नियुक्त गरिन्छन् भने कर्मचारीलाई सदस्यले आफ्नो काममा सहयोग गर्नका लागि नियुक्त गर्दछन् । कहिलेकाहाँ (उदाहरणका लागि, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा जम्मा एउटा सदस्य हुँदा, सुपरीवेक्षकको कार्यालयमा जस्तो) सदस्य र कर्मचारीका बीचको फरक कम प्रस्त हुन्छ । जेसुकै भए पनि सदस्य, कर्मचारी र विज्ञहरू स्वतन्त्र हुनुपर्छ । आफ्ना कर्तव्यको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि आवश्यक व्यवसायिक विज्ञाता तथा दक्षतासमेत उनीहरूमा हुनु पर्दछ ।

### ५.२.१ राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्य

सदस्य छनोट तथा नियुक्ति प्रक्रियाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रतालाई सम्मान गर्नु पर्दछ । अझ, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कानुनी आधारमा प्रस्त रूपले पदावधिका बारेमा परिभाषित गर्नु पर्दछ<sup>38</sup> तिनीहरूका प्रकार र ढाँचाका आधारमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूमा एउटा मात्र सदस्य वा अनेकौ सदस्य हुनसक्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूमा एउटा मात्र सदस्य हुनसक्ने भनी आलेखले देखेको थिएन : आलेखको धारा १८(२) ले विज्ञका बारेमा कुरा गर्दछ र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको विश्वव्यापी बनावटको सन्दर्भ दिन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले लैङ्गिक सन्तुलन कायम राख्नुपर्ने र देशको जनजातीय तथा अल्पसंख्यक समूहको पर्याप्त प्रतिनिधित्व गराउनुपर्ने सम्बन्धमा पनि यो बोल्दछ । थप रूपमा, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यले फरकफरक व्यवसायिक पृष्ठभूमिको प्रतिनिधित्व गर्नुपर्छ ताकि भ्रमण टोलीको बहुमुखीयतालाई सुनिश्चित गर्न सकियोस् । एउटै मात्र व्यक्ति भएको निकायको हकमा यी आवश्यकतालाई कर्मचारीमा हस्तान्तरण गरिन्छ ।

सदस्यको स्वतन्त्रता महत्वपूर्ण मुद्दा हो<sup>39</sup> र यसले व्यक्तिगत तथा संस्थागत दुवै खालको स्वतन्त्रतासँग सरोकार राख्दछ । संस्थागत स्वतन्त्रताको आवश्यकताअनुसार

<sup>38</sup> See Section 8 of Chapter IV of this manual.

<sup>39</sup> For a detailed discussion, see Chapter IV of this manual, especially Sections 5.1, 7 and 8.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

भ्रमण टोलीको भ्रमण गरिएका संस्थानसँग कुनै किसिमको व्यवसायिक सम्पर्क हुनुहुँदैन ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको रोकथाममूलक कार्यादेश प्रभावकारी रूपमा सम्पन्न गर्नका लागि समय आवश्यक हुने हुनाले एपिटिको सुभावअनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि पूर्णकालीन काम नगर्ने सदस्यका लागि काम गर्ने दिनमा पारिश्रमिक दिनु उचित हुन्छ <sup>४०</sup> यस्तो पारिश्रमिक तलबसँग समान हुनुहुँदैन तर यसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रद्वारा तोकिएको खर्च (भन्नाले, बाटोखर्च र काम गर्ने दिनमा बसोबास तथा खानामा लाग्ने खर्च) का अलावा उचित ठहरिने रकमलाई प्रतिनिधित्व गर्नु पर्दछ । यस्ता पारिश्रमिकले सुनिश्चित गरेअनुसार सदस्यका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा दिगो काम गर्नु उपयुक्त हुन्छ र यसले पेन्सनमा बाँचेका सेवानिवृत्त व्यक्ति र/वा आर्थिक रूपमा स्वतन्त्र व्यक्तिहरूमा मात्र सदस्यता सीमित हुनबाट बचाउँछ <sup>४१</sup>

### ५.२.२ कर्मचारी

कुनै पनि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको ढाँचा जस्तो भए पनि निकायको कार्यादेशलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि कर्मचारीले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछन् । तर एकलो सदस्य भएको निकायमा कर्मचारीको भूमिका भन् महत्वपूर्ण हुन्छ, कहिलेकाहाँ कर्मचारीले नै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका अधिकांश काम सम्पन्न गर्दछन् । एउटा विद्यमान संस्थानलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्ति गर्दा रोकथाम उपसमितिको सुभावअनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आफैनै कर्मचारी छुट्ट्याउनु आवश्यक हुन्छ <sup>४२</sup> राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश राष्ट्रिय सन्दर्भमा प्रभावकारी रूपमा लागू

<sup>४०</sup> Working days should include days spent on visits and also those spent drafting reports and attending meetings.

<sup>४१</sup> Community-based independent visitors sometimes work on a purely voluntary basis. As discussed in Section 7.5.2 of Chapter IV of this manual, community-based visiting bodies are not suitable as NPMs, though they often have a vital role to play in supporting and complementing NPMs.

<sup>४२</sup> SPT, Third annual report of the Subcommittee on Prevention of Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, April 2009 to March 2010, 25 March 2010, §51.

गर्नका लागि संयन्त्रलाई सक्षम बनाउन कर्मचारीको संख्या पर्याप्त हुनु जस्ती हुन्छ । सदस्यलाई दिइएकै अधिकार, उन्नुक्ति र सुविधा कर्मचारीले समेत उपभोग गर्न पाउनु पर्दछ<sup>43</sup> कर्मचारीको स्वतन्त्रताउपरसमेत ध्यान दिएर विचार पुऱ्याउनु पर्दछ । उदाहरणका लागि, कर्मचारीलाई अधिकारीभन्दा दोस्रो दर्जामा राख्न उनीहरूको स्वतन्त्रतामा आधात पर्नसक्छ । साना देशमा व्यवहारमा स्वतन्त्रता सुनिश्चित गर्नु अभ अप्त्यारो हुन्छ । थुनास्थलका भूतपूर्व कर्मचारीलाई भर्ना गर्दा स्वार्थको द्वन्द्वले उज्जाउने खतरामाथि विचार पुऱ्याउनु पर्दछ किनकि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र स्वतन्त्र रहनु र स्वतन्त्र रहेको भनी लिइनु महत्वपूर्ण हुन्छ ।

#### ५.२.३ अन्य मानवस्रोत : विज्ञ तथा अनुवादक

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले बाहिरका विज्ञ नियुक्त गर्नसक्ने विषयमा आलेखले प्रस्त केही लेखेको छैन तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्बन्धित कानुनमा सामान्यतया यसको व्यवस्था हुन्छ । यसले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूलाई उचित खर्च गर्ने हिसाबमा विज्ञको संख्यालाई अरथायी रूपमा बढाउन सक्षम बनाउँछ । विज्ञहरूलाई सामान्यतया विशिष्ट स्थानको विशिष्ट भ्रमणका लागि तदर्थवादमा आधारित भई नियुक्त गरिन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको थुनास्थल भ्रमण टोलीलाई सम्बन्धित व्यवसायिक ज्ञान तथा दक्षता भएका व्यक्तिले परिपूर्ण बनाउँछन् । यसले टोलीलाई समग्रमा थुनास्थलको विशिष्ट आवश्यकता र/वा समस्याउपर प्रतिक्रिया जनाउन अनुमति दिन्छ र यसैअनुरूप भ्रमणका विशिष्ट उद्देश्य पूरा गराउँछ । आफ्ना विद्यमान विज्ञ तथा आवश्यकतामा आधारित भई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा, फरेन्सिक औषधोपचार, पोषण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, बालन्याय, सामाजिक सेवा तथा अन्य क्षेत्रका विज्ञ नियुक्त गर्नु आवश्यक हुनसक्छ । विज्ञहरूलाई पर्याप्त मात्रा पारिश्रमिक दिनु पर्दछ र उनीहरूले प्रस्त सेवा तथा शर्तमा रही काम गर्नु पर्दछ । भ्रमणकारी टोलीको अन्तर्निहित अङ्गका रूपमा रहनका लागि उनीहरूलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश र यसका कार्यशैलीसम्बन्धी प्राथमिक तालिम दिनु पर्दछ । विज्ञहरू भ्रमण गर्ने बेलामा मात्र संलग्न नभई भ्रमणको तयारीका साथै (आवश्यक भएमा) भ्रमण प्रतिवेदनको मस्यौदा तयार पार्दाको बेलामा समेत सहभागी हुनु पर्दछ । सेवा तथा शर्तले देहायका कुरा समावेश गर्नु पर्दछ :

<sup>43</sup> See commentary on Article 35 in Chapter II of this manual.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

- भ्रमणका विभिन्न पक्षका सम्बन्धमा विज्ञको भूमिका तथा जिम्मेवारी, र
- (व्यक्तिगत विवरणजस्ता) निश्चित सूचनाको गोप्यतालाई सम्मान गर्नुपर्ने विज्ञको दायित्व ।

विज्ञको चयन गर्दा उम्मेदवारको स्वतन्त्रता र कुनै सम्भाव्य स्वार्थको द्वन्द्वमा समेत ध्यान पुऱ्याउनु पर्दछ ।

कुनै कुनै अवसरमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिसँग एकान्तमा अन्तर्वार्ता लिनका लागि अनुवादकहरू नियुक्त गर्नुपर्ने हुनसक्छ । विज्ञहरूले जस्तै अनुवादकले पनि सम्बन्धित राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश र कार्यपद्धतिलाई बुझ्नु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामको गोपनीय प्रकृतिका बारेमा उनीहरूलाई पनि जानकारी दिनु पर्दछ ।<sup>44</sup>

### ५.३ व्यवस्थापकीय स्रोतसाधन

व्यवस्थापकीय स्रोतसाधनका बारेमा प्रायः विमर्श गरिन्न तर ती राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कामलाई प्रभावकारी रूपमा सम्पन्न गर्नका लागि महत्वपूर्ण हुन्छन् । सरकारबाट स्वतन्त्र हुनका लागि पेरिस सिद्धान्तको आधारअनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको आफै भवन हुनु पर्दछ । दुर्गम स्थानलगायत सबै स्थानका थुनास्थलमा भ्रमण गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई उपयुक्त हुने सवारीसाधन हुनु पर्दछ । आदर्श रूपमा भन्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको आफै सवारीसाधन हुनु पर्दछ । राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थान नै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा काम गरिरहेका छन् भने एक विभाग र इकाइले अर्को विभाग तथा इकाइको वाहन प्रयोग गर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको उद्देश्यका लागि गरिने यात्रालाई यसले अवाञ्छित रूपमा सीमित गर्नसक्छ (उदाहरणका लागि, कारहरू निश्चित दिनका लागि मात्र उपलब्ध हुन्छन् वा सवारीसाधन प्रयोग गर्नका लागि अनुरोध गर्दा जटिल प्रशासनिक कार्यविधि अपनाउनुपर्छ) । तर (कम्युनिट वा क्यामराजस्ता) प्राविधिक सरसामानको अभावले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यान्वयनलाई अवरोध पुऱ्याएको ठहरिँदैन तथापि स्रोतसाधनले भ्याए राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको आफै सरसामान हुनु उपयोगी हुन्छ ।

<sup>44</sup> APT, Detention Monitoring Briefing No 3: *Using interpreters in Detention Monitoring*, APT, Geneva, May 2009. Available at [www/apt.ch](http://www/apt.ch).

### स्रोतसाधन : प्रमुख तत्त्व

- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कुल बजेट (वा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थानजस्ता ठूला संस्थानको अङ्गका रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विशिष्ट बजेट)
- बजेट पारित गर्ने कार्यविधि
- कर्मचारी, सदस्य र बाहिरी विज्ञको संख्या, लिङ्ग तथा व्यवसायिक पृष्ठभूमि आफैनै भवन तथा सवारीका साधन

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

### ६. आन्तरिक संस्था

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको सांगठनिक प्रारूपको कुरा गर्दा यसका ढाँचा तथा आन्तरिक संस्थाका बारेमा आलेख मौन छ । धारा ३ र १७ ले एउटा वा अनेक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू हुनुपर्ने पक्षराष्ट्रको विकल्पका बारेमा मात्र उल्लेख गरेका छन् । यद्यपि धारा १७ ले विकेन्द्रीकृत इकाइले स्थापना गरेका संयन्त्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्त गर्न सकिन्छन् भनी समेत उल्लेख गरेको छ ।<sup>45</sup>

उनीहरूको सांगठनिक प्रारूप जस्तोसुकै भए पनि प्रस्त आन्तरिक संस्था हुनु राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि महत्वपूर्ण हुन्छ । यसैअनुरूप राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले देहायका कुरा स्थापना गर्नका लागि नीतिहरू परिभाषित तथा ग्रहण गर्नु पर्दछ :

५

- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि प्रस्त ढाँचा (भन्नाले, संस्थाको चित्र),
- कामको उपयुक्त विभाजन (भन्नाले, भ्रमण कसले गर्ने, मस्यौदा प्रतिवेदन कसले तयार पार्ने, कानुनउपर टिप्पणी कसले गर्ने र यो फरक पर्नसक्छ कि सक्नदैन भन्ने कुराको पहिचान गरेर),
- भूमिका तथा जिम्मेवारी (भन्नाले, कसले भ्रमण कार्यक्रम बनाउने, कसले सुधारको प्रस्ताव गर्ने र कसले अधिकारी तथा रोकथाम उपसमितिसँग सम्पर्क कायम गर्ने भन्ने कुराको पहिचान गरेर),

<sup>45</sup> Possible NPM options, and different organisational forms, are considered in detail in Section 7 of Chapter IV of this manual. See also APT, *NPM Guide*, Section 10.

- निर्णय प्रक्रियाहरू (उदाहरणका लागि, कसले भ्रमण कार्यक्रमको निर्णय दिने र प्रतिवेदन तथा सुभाग बनाउनमा कसको अन्तिम अधिकार हुने भन्ने कुराको पहिचान गरेर),
- आन्तरिक नियम तथा नियमावली (भन्नाले, कर्मचारीका नियमावली), र
- प्रशासनिक, व्यवस्थापकीय तथा मानव स्रोतसम्बन्धी आन्तरिक कार्यविधि ।

अनुभवले देखाएनुसार राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले प्रभावकारी रूपमा कार्यसञ्चालनका लागि तथा चुनौतीहरूको सामना गर्नका लागि यी तत्वलाई प्रस्त्रयाउनु आवश्यक हुन्छ । यी तत्वहरू सबै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा लागू हुने भए पनि कुनै कुनै चाहिँ विशेष प्रकारका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रमा अभि सान्दर्भिक हुन्छन् ।

## ६.१ प्रस्त ढाँचा

राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाहरूले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश सम्हालेका छन् भने प्रस्त आन्तरिक ढाँचा हुनु विशेषगरी महत्वपूर्ण हुन्छ । यस्तो बेलामा दुईओटा विकल्प सम्भव हुन्छन् : कि त कार्यादेश विभिन्न इकाइमा बाँडनपन्यो कि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश कार्यान्वयनका लागि भिन्नै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र इकाइ गठन गर्नपन्यो । अनेकौँ इकाइ (विशेषगरी विषयगत इकाइ)ले भ्रमण सम्पन्न गर्दा आन्तरिक कार्यविधि रहनु महत्वपूर्ण हुन्छ ताकि एउटै कार्यशैली, सूचनाको बाँडफाँड र प्रतिवेदन तथा सिफारिसको मस्यौदा बनाउँदा प्रस्त जिम्मेवारी तोक्ने कामको सुनिश्चितता रहोस् । यस्तो प्रकारको सांगठनिक ढाँचाको मुख्य चुनौती भनेको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश पूरा गर्ने जिम्मेवारी पाएको व्यक्तिले व्यक्तिगत गुनासाको अनुसन्धान गर्नेलगायतका अन्य कामसमेत गरिरहन्छन् । यसो भएमा अधिकारी तथा स्वतन्त्रताबाट विमुख भएका व्यक्ति दुवैलाई यसले भ्रममा पार्नसक्छ । त्यसैले एक भिन्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको इकाइ गठन गर्नका लागि सिफारिस गरिन्छ<sup>46</sup> यस्ता बेलामा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामहरू प्रायः जसो एउटा इकाइले गर्ने व्यवस्था गरे पनि पूरै संस्थानलाई नै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्त गरिएको हुन्छ न कि एउटा इकाइलाई मात्र । कोस्टारिकामा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश विभिन्न सुपरीवेक्षकको कार्यालयका

<sup>46</sup> See Section 7.2.1 of Chapter IV of this manual; and SPT, Third annual report, §51.

## यातनाविस्तृको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

विभिन्न विषयगत इकाइले कार्यान्वयन गर्ने भनी प्राथमिक विचार गरिएको भए पनि तीनजना कर्मचारी राखेर छुट्टै इकाइ गठन गर्नुलाई अन्ततोगत्वा अभ राम्रो विकल्पको रूपमा हेरियो ।

अनेकौं राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भएको बेलामा प्रत्येक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको आन्तरिक ढाँचा, कार्यविधि र काम, भूमिका तथा जिम्मेवारीको विभाजन प्रस्त पारिनु महत्वपूर्ण हुन्छ । थप रूपमा, समग्र प्रणालीको ढाँचा व्यवस्थायोग्य, सुसंगत र अधिकारी, स्वतन्त्रताबाट वजित व्यक्ति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू आफैलगायतका सबै कर्ताका लागि बुझिने हुनु पर्दछ । त्यसैले एउटा संयोजनकारी निकाय पहिचान गर्नु भनी असल अभ्यासले सुभाव दिन्छ । एउटा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले यो भूमिका खेलनसक्छ वा विशेष रूपमा यो कार्य पूरा गर्नका लागि अर्को निकाय गठन गर्नसकिन्छ । संघीय व्यवस्थाहरूमा राष्ट्रिय तहमा एक वा अनेक निकाय स्थानीय तहमा एक वा अनेक निकायका सहअस्तित्वमा रहनु सम्भव छ । यस्ता जटिल परिस्थितिमा प्रस्त र सुसंगत रूपमा ढाँचा बनाइएको प्रणालीको आवश्यकता अभ बढी महत्वपूर्ण हुन्छ<sup>47</sup>

### ६.२ आन्तरिक कार्यविधि तथा कार्यविभाजन

प्रस्तसँग परिभाषित गरिएका कार्यविभाजन (विशिष्ट भूमिका तथा जिम्मेवारीसँग सम्बन्धित लगायत) र आन्तरिक कार्यविधि (निर्णय प्रक्रियालगायत) कुनै पनि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका लागि आवश्यक हुन्छन् ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश पूरा गर्नका लागि राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाभित्र एउटा भिन्नै इकाइ गठन गरेको अवस्थामा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र इकाइ तथा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाका अन्य इकाइ/विभागका बीचको कार्यविभाजन प्रस्त हुनु पर्दछ । विशेषगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले गर्ने रोकथाममूलक भ्रमणका दौरान प्राप्त गर्नसक्ने व्यक्तिगत गुनासालाई कसरी सम्हाल्ने र संशोधित गर्ने भन्ने विषयमा प्रस्त हुनु जस्तै छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र इकाइले थुनुवाका व्यक्तिगत गुनासाउपर सुनुवाइ गर्ने इकाइलाई यस्ता गुनासा पठाउने प्रणालीमा व्यक्तिगत विवरणको गोपनीयतालाई सम्मान गर्नुपर्छ र यस्ता सूचना बाँड्दा वा अन्यत्र पठाउँदा संलग्न व्यक्तिको लिखित सहमति

---

<sup>47</sup> See Chapter IV of this manual, especially Section 7.4.

लिनु पर्दछ ।<sup>48</sup> कानुनउपर टिप्पणी गर्दासमेत कार्यविभाजन गर्नु आवश्यक हुनसक्छ । यस्तो कार्यको जिम्मेवारी प्रायः राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थाभित्रको कानुनी इकाइलाई सुम्पिइन्छ । देहायसँग सम्बन्धित निर्णय प्रक्रियालाई प्रस्त गर्न पनि यो महत्वपूर्ण हुन्छ :

- भ्रमणकारी टोलीको गठन,
- भ्रमण प्रतिवेदन, वार्षिक प्रतिवेदन तथा सुभाव मस्यौदा गर्ने, ग्रहण गर्ने तथा प्रकाशित गर्ने,
- अधिकारी तथा सञ्चारमाध्यमसँग सञ्चार गर्ने ।

नागरिक समाजसहितको राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थालाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा हेरिएंदा कार्य, जिम्मेवारी तथा कार्यविधिको प्रस्त विभाजन आवश्यक हुन्छ ।<sup>49</sup> नागरिक समाज वा नागरिक समाज संस्थाका सदस्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश कार्यान्वयनमा औपचारिक रूपमा संलग्न हुँदा (उदाहरणका लागि, थुनास्थल भ्रमणमा सहभागी भई) अनुभवले देखाएअनुसार देहायका विषयमा प्रस्त कार्यविधिको महत्वलाई भल्काएको छ :

- निर्णय प्रक्रिया,
- नागरिक समाज संस्था र/वा सदस्यको छनोट तथा पदच्यूत
- भ्रमण तथा प्रतिवेदन लेखनका प्रक्रियामा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था र नागरिक समाज संस्था/सदस्यका क्रमशः भूमिका तथा जिम्मेवारी,
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामका अन्य पक्षमा राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्था र नागरिक समाज संस्था/सदस्यका क्रमशः भूमिका तथा जिम्मेवारी (उदाहरणका लागि, कानुनउपर अवलोकन गर्ने, अधिकारी तथा रोकथाम उपसमितिसँग निरन्तर संवाद गर्ने र सञ्चारमाध्यमसँग सम्बन्ध स्थापित गर्ने),
- नागरिक समाज संस्था/सदस्यका कर्तव्य तथा अधिकार (उदाहरणका लागि, सूचनाको गोपनीयताका सम्बन्धमा) र
- नागरिक समाज संस्था/सदस्यलाई प्राप्त विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति ।

<sup>48</sup> See commentary on Article 21(2) in Chapter II of this manual.

<sup>49</sup> See Chapter IV of this manual, especially Section 7.3.

स्लोभेनियामा सुपरीवेक्षकले सार्वजनिक बोलपत्रका आधारमा तीनओटा गैरसरकारी संस्थाको छनोट गरी तिनको सहकार्यमा आफ्नो राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसम्बन्धी कार्यादेश पूरा गरेको छ । पारस्परिक सम्बन्धलाई नियमबद्ध गर्नका लागि प्रत्येक गैरसरकारी संस्थासँग एउटा सहकार्य सम्झौता सम्पन्न भएको थियो । थप रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग संलग्न हुनका लागि चुनिएका संस्थानका व्यक्तिले उनीहरू सुपरीवेक्षकको निर्देशन तथा नियमावलीअन्तर्गत काम गर्न तयार छन् भनी लिखित घोषणा गर्नु पर्दछ । संयुक्त टोलीले गर्ने भ्रमणका दौरान नागरिक समाज संस्थाका सदस्यको सुपरीवेक्षकको कार्यालयका सदस्यकै जस्तो कर्तव्य तथा अधिकार रहन्छ ।

कुनै कुनै बेलामा नागरिक समाजका संस्थालाई सल्लाहकार निकायमा भाग लिनका लागि औपचारिक रूपमा निमन्त्रण गरिन्छ । सामान्यतया उनीहरू राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई गहकिलो सल्लाह तथा सहयोगका लागि जिम्मेवार हुन्छन् तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशलाई साँच्चिकै कार्यान्वयन गर्ने काममा संलग्न हुँदैनन् । सल्लाहकार निकायका भूमिका तथा जिम्मेवारीलाई प्रस्तसँग परिभाषित गर्नु पर्दछ र यसो गर्दा आदर्श रूपमा उनीहरूको कानुनी आधार वा विशिष्ट सेवा तथा शर्तलाई आधार लिनु पर्दछ । विशेषगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र र सल्लाहकार निकायका बीच फरकफरक विचार उत्तन्न भएमा एउटा प्रस्त निर्णय प्रक्रिया अपनाउनु पर्दछ । अधिकारी, रोकथाम उपसमिति तथा सञ्चारमाध्यमसँग संवाद गर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई प्रतिनिधित्व गर्ने नागरिक समाज संस्थाको क्षमतालाई समेत परिभाषित गर्नु पर्दछ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश पूर्ण गर्नका लागि अनेकौं निकायको नियुक्ति भएको छ भने एउटा संयोजनकारी निकाय महत्वपूर्ण हुन्छ<sup>50</sup> तर यसको भूमिका प्रस्तसँग परिभाषित गर्नु पर्दछ । संलग्न निकायको प्रकृतिअनुसार यो भूमिकामा परिवर्तन आउँछ र यो नीति अथवा भ्रमणमुखी हुनसक्छ । सामान्यतया भ्रमणमुखी संयोजनकारी निकायको भूमिका भनेको थुनास्थल भ्रमणका सम्बन्धमा काम दोहोरिने वा त्यसमा कमीकमजोरी रहने अवस्थाबाट बचाउनु हो । संयोजनकारी निकायले कार्यपद्धति तथा सिफारिसमा सुसङ्गति र एकरूपतालाई सुनिश्चित गर्नु पर्दछ । रोकथाम उपसमितिसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क गरेर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिनिधित्व गर्ने क्षमतासमेत यसलाई दिनसकिन्छ । संयोजनकारी निकायको भूमिका तथा निर्णयको अधिकारलाई पनि

<sup>50</sup> See Section 7.4 of Chapter IV of this manual.

प्रस्टसँग परिभाषित गर्नु पर्दछ र कानुनउपर टिप्पणी, वार्षिक प्रतिवेदन र सञ्चारमाध्यमसम्बन्धी रणनीतिका सम्बन्धमा संयोजनकारी निकायविरुद्ध प्रत्येक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको जिम्मेवारीलाई पनि परिभाषित गर्नुपर्दछ । प्रत्येक निकाय मिलेर बनेका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले यी सवालका सम्बन्धमा सहमति राख्नु पर्दछ ।

### आन्तरिक संस्था : महत्वपूर्ण तत्व

- प्रस्टसँग परिभाषित ढाँचा
- काम, भूमिका, जिम्मेवारी तथा निर्णय प्रक्रियाको प्रस्टसँग परिभाषित विभाजन
- आन्तरिक नियम, नियमावली तथा कार्यविधि

## ७. बाहिरी कर्ताहरूसँगको सम्बन्ध

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू एकलकाँटे भई काम गर्दैनन् । अधिकारी, अन्य सरोकारवाला, नागरिक समाज, रोकथाम उपसमिति तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय मानवअधिकार संयन्त्रलगायतका अनेकौं कर्तासँग नजिकबाट अन्तर्क्रिया गर्ने अपेक्षा उनीहरूबाट राखिन्छ ।

### ७.१ अधिकारीसँगको सम्बन्ध

आफ्ना राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू)सम्बन्धी पक्षराष्ट्रहरूको दायित्वको शृंखलालाई आलेखले दृष्टिगत गर्दछ । आलेखको धारा १८(क) अन्तर्गत पक्षराष्ट्रले आफ्ना राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको काममा हस्तक्षेप गर्नुहुँदैन र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू)लाई कार्यसञ्चालनमा स्वतन्त्रताको प्रत्याभूति दिनु पर्दछ । धारा २० अन्तर्गत पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूलाई स्थान, व्यक्ति तथा सूचनासम्म पहुँच दिनुपर्छ र पहुँच पाउने अधिकारलाई सम्मान गर्नुपर्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेशमा तोकिएका दायित्वलाई विना अवरोध कार्यान्वयन गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सम्पर्कमा आउने व्यक्तिलाई हुने कुनै पनि कारबाहीका लागि आदेश, लागू, अनुमति वा सहन गर्नबाट बच्नुपर्ने आवश्यकता धारा २१(१) अन्तर्गत पक्षराष्ट्रको रहन्छ । अभ, धारा १२(ग) अन्तर्गत पक्षराष्ट्रले उनीहरूका राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र(हरू) तथा रोकथाम

उपसमितिका बीच प्रत्यक्ष सम्पर्कलाई प्रोत्साहन तथा सहजीकरण गर्नु पर्दछ । थप रूपमा धारा २२ अन्तर्गत राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सहकार्य गर्नुपर्ने सकारात्मक दायित्व अधिकारीहरूको रहन्छ । व्यवहारमा, यसो भन्नाले अधिकारीहरूले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सिफारिसलाई परीक्षण गर्नुपर्छ र संयन्त्रसँग सम्भाव्य कार्यान्वयन उपायसम्बन्धी संवाद गर्नु पर्दछ । अन्ततोगत्वा आफ्ना राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन तथा वितरण गर्ने दायित्व पक्षराष्ट्रको रहन्छ ।

अधिकारीहरूसँग सहकार्यात्मक सम्बन्ध बनाउनका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू सक्रिय हुनु पर्दछ । अधिकारीहरूसँग निरन्तर रचनात्मक संवादका लागि पारस्परिक विश्वास आवश्यक हुन्छ र यस्तो विश्वास प्रगतिशील रूपमा निर्माण गर्नु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका उद्देश्य, कार्यादेश तथा अधिकार सबै सम्बन्धित अधिकारीहरूले थाह पाउँछन् र बुझ्छन् भनी सुनिश्चित गर्न सचेतना जगाउने क्रियाकलाप सञ्चालन गरी सामान्यतया विश्वासको वातावरण बनाउन सकिन्छ । तर यससँगै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले आफ्नो स्वतन्त्रताको जगेन्ना गर्नु पर्दछ र आफ्नो अधिकारको पूरा उपयोग गर्नु पर्दछ । अग्रगामी परिवर्तन र परिणामको उत्पादनका लागि समय आवश्यक हुन्छ । त्यसैले एक दीर्घकालीन दृष्टिकोण आवश्यक हुन्छ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

## ५

### ७.२ अन्य राष्ट्रिय सरोकारवालासँगको सम्बन्ध

राष्ट्रिय स्तरमा अन्य भ्रमणकारी निकायको अस्तित्व भएमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले उनीहरूसँग औपचारिक सहकार्यात्मक सम्बन्ध स्थापित गर्नु महत्वपूर्ण हुन्छ । यसो गर्दा सम्भाव्य तालमेल पत्ता लगाउन तथा कामकाजको दोहोरिने र खट्टिने समस्यालाई निवारण गर्न सकिन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले देशको संसदसँग सकारात्मक सम्बन्ध स्थापना गर्नु पर्दछ र यसलाई यातना रोकथामका लागि महत्वपूर्ण साभेदारका रूपमा लिनु पर्दछ । वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुति, संसदीय नीति वा कानुनी बहसमा योगदान र (अन्य सवालमध्ये) यातना रोकथामका विशिष्ट उपायउपरका सुनुवाइमार्फत् सहकार्य स्थापना गर्न सकिन्छ । न्यायापालिकासँगको सम्बन्ध अभ जटिल हुनसक्छ किनकि (अत्यधिक भिडभाडजस्ता) थुनास्थलका समस्या अकर्मण्य न्यायापालिकाको परिणाम हुनसक्छ । न्यायापालिकाको जिम्मेवारीअन्तर्गत पर्ने स्थानमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले भ्रमण गर्ने र यी स्थानको परिस्थितिलाई सुधार गर्नका लागि सिफारिस पेश गर्ने हुनाले उनीहरूको कामको प्रत्यक्ष प्रभाव न्यायापालिकालाई पर्नसक्छ ।

### ७.३ नागरिक समाजसँगको सम्बन्ध<sup>५१</sup>

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यादेश कार्यान्वयनमा औपचारिक रूपमा संलग्न नभए पनि नागरिक समाज संस्थाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको काममा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्नसक्छन् । मानवअधिकार संस्था, बौद्धिक वर्ग, मजदुर संस्था, स्वतन्त्रताबाट विज्ञत व्यक्तिका समिति र जोखिममा परेका समूहका संघसंस्था सूचनाका महत्वपूर्ण स्रोत हुन् । यिनीहरू यस क्षेत्रका सम्भाव्य साफेदार पनि हुन् किनकि पाइएका तथ्य र सिफारिसलाई सम्बन्धित निकायसमक्ष पुन्याउन तथा प्रस्ताव गरिएका परिवर्तनलाई कार्यान्वयन गर्नका लागि अधिकारीहरूलाई दबाब दिन उनीहरू सक्षम हुन्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको काम, सञ्चालन र प्रभावलाई निरीक्षण गर्ने भूमिकासमेत नागरिक समाज संस्थाले खेल्नसक्छन् । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले थुनासम्बन्धी काममा सक्रिय नागरिक समाज संस्थासँग नियमित तथा तदर्थ दुवै सम्पर्क विकास गर्न सोच बनाउनु जस्ती छ ताकि औपचारिक र अनौपचारिक परामर्श तथा विमर्शलाई सहजीकरण गर्न सकियोस् ।

पोल्याण्डमा बौद्धिक वर्ग तथा गैरसरकारी संस्थाहरू मिलेर बनेको संस्था, आलेख कार्यान्वयन संघसँग राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र (मानवअधिकार रक्षक)ले प्रत्येक दुई वा तीन महिनामा एकचोटी बैठक गर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सञ्चालनसँग सम्बन्धित सवालमा विचार आदानप्रदान गर्न यस्ता बैठकले अवसर जुटाउँदछन् । सुधारगृहले भोगिरहेका समस्या यसमा छलफल गरिन्छन् । स्वतन्त्रताबाट विज्ञत व्यक्तिसँग राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको भ्रमणकारी टोलीले एकान्तमा लिने अन्तर्वर्ताका दौरान प्रयोग गरिएका प्रश्नावलीसमेत यी नियमित बैठकका दौरान चर्चा गरिन्छन् । अभ, संघले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई रकम संकलन प्रयासका लागि सहयोग प्रदान गर्दछ<sup>५२</sup>

### ७.४ सञ्चारमाध्यमसँगको सम्बन्ध

सञ्चारमाध्यम राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूका महत्वपूर्ण साफेदार हुनसक्छन् तर सञ्चारमाध्यमका उद्देश्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका उद्देश्यसँग मिले हुनैपर्छ भन्ने छैन । त्यसैले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले अधिकारीहरूसँग सहकार्यात्मक सम्बन्धलाई सहयोग

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

५

<sup>५१</sup> See Sections 6.1 and 7.5.3 of Chapter IV of this manual.

<sup>५२</sup> Report of the Human Rights Defender on the activities of the NPM in Poland in 2008, Warsaw, May 2009, pp.81-82.

पुग्ने गरी सञ्चारमाध्यमको हस्तक्षेपलाई लक्षित गरी एउटा सञ्चारमाध्यमसम्बन्धी रणनीति विकास गर्नु पर्दछ । भ्रमण प्रतिवेदन सञ्चारमाध्यममार्फत् प्रकाशन गर्दा रणनीतिक उपाय अपनाउनु पर्दछ । उदाहरणका लागि, अधिकारीहरूले सहकार्य नगरेकोसम्बन्धमा प्रतिक्रिया जनाउँदा यस्तो उपाय आवश्यक हुन्छ । (वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन गर्नेजस्ता) राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका विशिष्ट क्रियाकलाप सञ्चारमाध्यम अभियानको एउटा पाटो हुनसक्छ जसबाट राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका क्रियाकलाप, खोज र सिफारिसलाई समेट्ने काममा वृद्धि हुन्छ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

#### ७.५ रोकथाम उपसमितिसँग सम्बन्ध

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले रोकथाम उपसमितिसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क कायम राख्नु पर्दछ भने पक्षराष्ट्रहरूले यस्तो सम्पर्कलाई प्रोत्साहन तथा सहजीकरण गर्नु पर्दछ<sup>53</sup> अनेकौं राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू भएका पक्षराष्ट्रले रोकथाम उपसमिति र सबै राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र निकायका बीच प्रत्यक्ष सम्पर्क हुन्छ भनी प्रत्याभूति गर्नु पर्दछ<sup>54</sup> प्रत्यक्ष सम्पर्क भन्नाले कमसेकम लिखित सञ्चार आदानप्रदान बुझ्नु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले रोकथाम उपसमितिलाई सूचना, विशेषगरी वार्षिक प्रतिवेदन, पठाउनु जस्ती हुन्छ । जेनेभामा हुने रोकथाम उपसमितिको विस्तृत बैठकमा यसलाई भेट्ने निर्णय राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले गर्नसक्छन् ।

५

रोकथाम उपसमितिले गर्न देशभित्रको भ्रमणले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूसँग सम्पर्कका लागि महत्वपूर्ण अवसर प्रदान गर्नसक्छन् । भ्रमणको तयारी गर्दा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले रोकथाम उपसमितिलाई देशको परिस्थितिका बारेमा विस्तृत सूचना पठाउनु पर्दछ<sup>55</sup> भ्रमणका दौरान उनीहरू रोकथाम उपसमितिसँग वार्ता गर्न महत्वपूर्ण निकाय हुन् त्यसैले बैठक र विमर्शहरू पहिले नै मिलाउनु पर्दछ । भ्रमणपश्चात् प्रतिवेदनहरू अधिकारीलाई गोप्य रूपमा पठाउनु पर्दछ । तर आलेखको धारा १६(१) अन्तर्गत रोकथाम उपसमितिले आवश्यक भएमा आफ्ना प्रतिवेदन तथा सिफारिस पठाउनसक्दछ । रोकथाम उपसमितिको सिफारिसउपर कार्यान्वयन भए नभएको सम्बन्धमा अनुगमन गर्न

<sup>53</sup> See OPCAT, Articles 11(b)(ii) 12(c) and 20(f).

<sup>54</sup> SPT, Third annual report, §53.

<sup>55</sup> See Section 4.4 of Chapter III of this manual.

## राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्य परिचालन

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू सबभन्दा सक्षम हुन्छन् र उनीहरूले यससम्बन्धमा रोकथाम उपसमितिलाई सूचना दिनु पर्दछ ।<sup>56</sup> पक्षराष्ट्रहरूले प्रतिवेदन, सिफारिस र अनुगमनउपर गरेका प्रतिक्रियाका सम्बन्धमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको स्थानका बारेमा उनीहरूले रोकथाम उपसमितिलाई सल्लाह दिनसक्छन् ।

धारा ११(ख)(आ) र ११(ख)(इ) अन्तर्गत रोकथाम उपसमितिको कार्यादेशअनुसार उनीहरूले आवश्यकताको मूल्यांकन र स्वतन्त्रताबाट विचित व्यक्तिको सुरक्षालाई सुदृढ गर्नका लागि आवश्यक साधनमा (राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र)लाई सल्लाह दिने र सहयोग गर्नुपर्दछ अनि उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धिका लागि तालिम तथा प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउनु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको प्रभावकारी सञ्चालनका लागि यस्तो सल्लाह र सहयोग महत्वपूर्ण हुन्छ ।<sup>57</sup>

### ७.६ क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय कर्ताहरूसँगको सम्बन्ध

यातना रोकथाममा इच्छुक अन्य क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय मानवअधिकार संयन्त्रसँग राष्ट्रिय परिस्थितिका बारेमा वार्ता गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू प्रमुख भूमिका खेल्दछन् । थुनाको अवरथा र थुनुप्रतिको व्यवहारका सम्बन्धमा राष्ट्रसंघीय यातनाविरुद्धको समिति, मानवअधिकार समिति, मानवअधिकार परिषद् (विशेषगरी यसका विश्वव्यापी आवधिक समीक्षा कार्यविधि) र यातनासम्बन्धी विशेष प्रतिवेदकजस्ता निकायलाई प्रत्यक्ष, स्वतन्त्र विश्लेषण गर्ने अद्वितीय स्थानमा उनीहरू रहन्छन् ।<sup>58</sup> देहायका लगायत अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय निकायबाट प्राप्त सिफारिसउपरको कार्यान्वयनमाथि अनुगमन गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू सक्षम हुन्छन् :

<sup>56</sup> See Sections 4.7.2 and 4.7.4 of Chapter III of this manual.

<sup>57</sup> See commentary on in Chapter II of this manual; and also Chapter III, especially Sections 3, 4.5.1 and 4.7.

<sup>58</sup> Other special procedures (such as the Working Group on Arbitrary Detention; the Special Rapporteur on the promotion and protection of human rights while countering terrorism; the Working Group on Enforced or Involuntary Disappearances; the Special Rapporteur on the independence of judges and lawyers; and the Special Rapporteur on extrajudicial, summary or arbitrary executions) may also be interesting interlocutors for NPMs.

- अफ्रिकामा अफ्रिकी मानवअधिकार आयोग, विशेषगरी भर्खेरै नामकरण गरिएको अफ्रिकी यातना रोकथाम समिति र अफ्रिकी कारागार तथा थुनाको अवस्थासम्बन्धी विशेष प्रतिवेदक,
- युरोपमा यातना तथा अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम समिति, र
- अमेरिकी देशहरूमा अन्तर अमेरिकी मानवअधिकार आयोग र यसका विषयगत प्रतिवेदकहरू (विशेषगरी, थुनुवाको अधिकारसम्बन्धी प्रतिवेदक, आप्रवासी तथा तिनका परिवारको अधिकारसम्बन्धी प्रतिवेदक र महिला अधिकारसम्बन्धी प्रतिवेदक)।

#### **७.७ अन्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूसँगको सम्बन्ध**

अन्य राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूसँगको सम्बन्धले समेत एउटा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई आफ्नो अभ्यासको विकास गर्न तथा आफ्नो प्रभावकारितालाई वृद्धि गर्नका लागि सहयोग गर्नसक्छ । सम्बन्धहरूले अनौपचारिक द्विपक्षीय आदानप्रदान वा अध्ययन भ्रमण वा अभ्यासको बहुपक्षीय भेटघाट तथा बैठकको रूप लिनसक्छन्<sup>59</sup> विशेषगरी क्षेत्रीय वा उपक्षेत्रीय स्तरमा सहकर्मीहरूबीचको प्रत्यक्ष भेटघाट र सञ्जाल निर्माणले असल अभ्यास बाँड्न तथा आफ्ना अनुभवको चर्चा गर्न राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूलाई अवसर प्रदान गर्दछ ।

५

#### **बाहिरी कर्ताहरूसँगको सम्बन्ध : महत्वपूर्ण तत्व**

- अधिकारीहरूसँग सहकार्यात्मक संवाद सुनिश्चित गर्ने रणनीति
- रोकथाम उपसमितिसँग प्रत्यक्ष सम्पर्क (रोकथाम उपसमितिलाई पठाइएको राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदनलगायतका सूचना)
- सञ्चारमाध्यम तथा सञ्चार रणनीति

<sup>59</sup> At the European level, the Council of Europe is developing a European NPM Project aimed at creating an NPM network promoting exchange of information, thematic discussions and in-country training. The 2010-2011 European NPM Project is managed by the Council of Europe and funded by the European Commission, the Council of Europe and voluntary contributions. The APT is the implementing partner.

- नागरिक समाजसँग सम्पर्क
- अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय संयन्त्रसँग सम्बन्ध विकास गर्ने,
- पारदर्शिता

## ८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामको प्रभाव

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूसँग पर्याप्त स्रोतसाधन, प्रस्त आन्तरिक संस्था र प्रभावकारी रोकथाममूलक कार्यशैली भएमा उनीहरू (भ्रमण, प्रतिवेदन तथा कानुनउपर टिप्पणी समेटिएको) यातना रोकथामको व्यापक रणनीति कार्यान्वयन गर्ने र अधिकारी तथा अन्य कर्तासँग राम्रो सहकार्यात्मक सम्बन्ध स्थापना गर्न सक्षम हुन्छन् । यस्तो परिस्थितिमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले सकारात्मक परिवर्तनका लागि योगदान गर्नसक्छ र यसमा यातना तथा दुर्व्यवहारको खतरालाई घटाउने, सुरक्षाउपाय तथा थुनास्थलका अवस्थालाई सुधार्ने, स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिको सुरक्षालाई अझ सुनिश्चित गर्ने काम पर्दछन् ।

तर राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामको प्रभावलाई दीर्घकालीन दृष्टिकोणबाट विचार गरिनु पर्दछ । पहिलो, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकास एक बढोत्तरी हुने प्रक्रिया हो र माथि वर्णन गरिएसरि आफ्ना स्थापनाका सुरुक्का वर्षमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र विरलै रूपमा आदर्श अवस्थामा रहन्छन् । सुरुक्का बेलामा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूले नियमित भ्रमण तथा प्रतिवेदन र सिफारिस प्रकाशित गर्नसक्छन् तर प्रभावकारी कार्यशैलीको विकास र अधिकारीहरूसँग सकारात्मक सम्बन्धको स्थापनाका लागि समय आवश्यक हुन्छ । अझ, आफ्ना समग्रतापूर्ण रोकथाममूलक कार्यादेशलाई पूर्णतया कार्यान्वयन गर्नका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई प्रायः स्रोतसाधनहरूको अभाव हुन्छ । दोस्रो, खतराका तत्वलाई घटाउने रोकथाममूलक भ्रमण, प्रतिवेदन र सिफारिसले विरलै मात्र तत्कालीन नतिजा दिनसकदछन् । भौतिक अवस्था वा आधारभूत सुरक्षाउपायसँग सम्बन्धित केही ठोस, व्यवहारिक सिफारिसलाई कार्यान्वयन गर्न सजिलो होला तर ढाँचागत सवाल वा कानुनी सुधारसँग सम्बन्धित अधिकांश सिफारिसलाई कार्यान्वयन गर्न बढी समय तथा धैर्यता चाहिन्छ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको सिफारिसलाई परीक्षण गर्ने तथा सम्भाव्य कार्यान्वयनका उपायका सम्बन्धमा संयन्त्रसँग संवाद गर्ने दायित्व सम्बन्धित अधिकारीको हुन्छ । सकारात्मक संवादको स्थापनाले आफैमा परिणाम प्राप्तितर्फको महत्वपूर्ण पहिलो कदमलाई प्रतिनिधित्व गर्दछ ।

यसो हेर्दा रोकथाममूलक कार्यको प्रभाव यसकै आफ्नो प्रकृतिले गर्दा मापन गर्ने प्रायः गाहो हुन्छ किनकि सकारात्मक विकास र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कामका बीचमा प्रत्यक्ष कार्यकारण सम्बन्ध कायम राख्ने प्रायः गाहो हुन्छ ।

स्वतन्त्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू थुनारथलमा जातिखेर पनि प्रवेश गर्नसक्ने तथ्यको निवारक असर हुन्छ जसलाई कम मूल्यांकन गर्नुहुँदैन । तर यो बृहत् रोकथाममूलक दृष्टिकोणको एउटा पक्षमात्र हो । दीर्घकालीन रूपमा हेर्दा राष्ट्रिय सन्दर्भलाई सुहाउने सिफारिसरूपी परिणाम बोकेको रणनीतिक विश्लेषणकारी कामको विकास र अधिकारीहरूसँगको सहकार्यात्मक संवादले गरेको सहयोगले के निश्चित गर्नसक्छ भने यातना तथा दुर्व्यवहार रोकथामको अग्रगामी प्रयासका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरू महत्वपूर्ण हुन्छन् । यातना रोकथामको प्रणालीमा राष्ट्रिय निकाय (भन्नाले, राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र) को कामलाई एक अन्तर्राष्ट्रिय निकाय -भन्नाले, रोकथाम उपसमिति)ले परिपूर्ण गर्ने तथा सुदृढ गर्ने हुँदा यसले स्वतन्त्रताबाट वञ्चित व्यक्तिको अवस्था तथा व्यवहारमा उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन ल्याउने सम्भाव्यता बोकेको रोकथाममूलक उपायको अद्वितीय साहचर्यलाई समेटदैछ ।

## अनुसूची १

### धारा १

यस आलेखको उद्देश्य स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्ति राखिएका स्थानमा यातनाविरुद्धको महासच्चि तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार एवं सजायको रोकथाम गर्न स्वतन्त्र अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय निकायको जिम्मेवारीमा हुने नियमित भ्रमणको प्रणाली स्थापना गर्नु रहेको छ ।

### धारा २

१. यातनाविरुद्धको समितिको मातहतमा हुनेगरी एक यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजाय रोकथाम उपसमिति (यसपछि रोकथाम उपसमिति भनिएको) को स्थापना गरिनेछ र त्यस उपसमितिले यसै आलेखमा तोकिएबमोजिमका कार्य गर्नेछ ।
२. रोकथाम उपसमितिले संयुक्त राष्ट्रसंघीय बडापत्रको परिवृत्तभित्र रहेर आफ्ना कार्य गर्नुका साथै त्यहाँ उल्लिखित उद्देश्य एवं सिद्धान्तलगायत स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिलाई गरिने व्यवहारका संयुक्त राष्ट्रसंघीय मान्यताबाट उपसमिति निर्देशित हुनेछ ।
३. गोप्यता, निष्पक्षता, छनोट रहितता, विश्वव्यापकता तथा वस्तुपरकताका सिद्धान्तबाट पनि रोकथाम उपसमिति निर्देशित हुनेछ ।
४. यो आलेख कार्यान्वयन गर्न रोकथाम उपसमिति र पक्षराष्ट्रले एकआपसमा सहयोग गर्नेछन् ।

### धारा ३

प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथामको लागि राष्ट्रिय स्तरमा एक वा धेरै भ्रमणकारी निकाय (यसपछि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र भनिएको) को स्थापना, नियुक्ति वा व्यवस्था गर्नेछन् ।

## धारा ४

- प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यस आलेखबमोजिम धारा २ तथा ३ मा उल्लिखित संयन्त्रलाई आफ्नो क्षेत्राधिकार वा नियन्त्रणमा रहेर सार्वजनिक अखिलयारी भएका निकाय वा व्यक्तिको आदेश वा उक्साहट वा सहमति वा मौजुदगीमा स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका वा त्यसो गरिनसकिने व्यक्ति राखिने कुनै पनि स्थान (यसपछि हिरासत/कारागार भनिएको) को भ्रमण गर्न अनुमति दिनेछन् । यस्ता भ्रमण ती व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्ध गरिने सुरक्षा आवश्यक परेमा सुदृढ पार्न उद्देश्यले गरिनेछ ।
- यस आलेखको प्रयोजनका लागि स्वतन्त्रताबाट विमुखता भन्नाले कुनै पनि न्यायिक वा प्रशासनिक वा अन्य निकायको आदेशबाट कसैले आफ्नो इच्छाबमोजिम आफू थुनिएको वा बन्दी बनाइएको वा निजी वा सार्वजनिक प्रकृतिको स्थानमा हिरासतबाट मुक्त हुने अनुमति नपाएको अवस्थालाई बुझिन्छ ।

## धारा ५

- यो रोकथाम उपसमिति दस सदस्यीय हुनेछ । यस आलेखलाई अनुमोदन गर्ने वा यसमा सम्मिलन गर्ने राष्ट्रको संख्या पचास पुगेपछि भने यस उपसमितिका सदस्यको संख्या २५ हुनेछ ।
- यो रोकथाम उपसमितिका सदस्य उच्च नैतिक चरित्र भएका, न्याय प्रशासन विशेषगरी फौजदारी कानुन, कारागार वा प्रहरी प्रशासन वा स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिप्रतिको व्यवहारसँग सम्बन्धित विविध क्षेत्रमा काम गरी उच्च व्यवसायिक दक्षता आर्जन गरेका व्यक्तिमध्येबाट चुनिनेछन् ।
- यस रोकथाम उपसमितिको बनावटमा पक्षराष्ट्रको भौगोलिक हिसाबले समन्यायिक वितरण तथा विविध सम्यता एवं कानुनी प्रणालीको प्रतिनिधित्वउपर उचित ध्यान पुऱ्याइनेछ ।
- यस बनावटमा समानता एवं अविभेदका सिद्धान्तमा आधारित भई सन्तुलित लैङ्गिक प्रतिनिधित्वलाई समेत ध्यान दिइनेछ ।
- यस उपसमितिमा एउटै पक्षराष्ट्रका दुई सदस्य (एकभन्दा बढी) रहने छैनन् ।

६. उपसमितिका सदस्यले व्यक्तिगत क्षमताका आधारमा काम गर्नेछन्, उनीहरू काममा स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष रहनेछन् तथा उपसमितिमा दक्षतापूर्वक काम गर्न उपलब्ध हुनेछन् ।

## धारा ६

१. प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यस धाराको उपधारा (२) बमोजिम धारा ५ मा उल्लेख भए मुताबिकको योग्यता हासिल गरेका र आवश्यकतासँग मेल खाने दुईजनासम्मको नाम प्रस्तावित गर्न सक्नेछन् र त्यसो गर्दा त्यो राष्ट्रले प्रस्तावित व्यक्तिको योग्यताको विस्तृत विवरण उपलब्ध गराउनुपर्नेछ ।
२. (क) प्रस्ताव गरिएका व्यक्ति यस आलेखको कुनै एक पक्षराष्ट्रका नागरिक हुनुपर्नेछ ।  
 (ख) नाम प्रस्ताव गरिएका दुई व्यक्तिमध्ये कुनै एकजना पक्षराष्ट्रको नागरिक हुनुपर्नेछ ।  
 (ग) एउटा पक्षराष्ट्रका दुईभन्दा बढी व्यक्ति प्रस्तावित हुने छैनन् ।  
 (घ) कुनै एक पक्षराष्ट्रले अर्को पक्षराष्ट्रको व्यक्तिलाई प्रस्तावित गर्नुपर्दा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रको सहमति लिनुपर्नेछ ।
३. पक्षराष्ट्रको बैठक हुने मितिभन्दा पाँच महिना अगावै, जुन अवधिभित्र निर्वाचन सम्पन्न हुनेछ, संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले पक्षराष्ट्रलाई सम्बोधन गरी तीन महिनाभित्र नै आफ्ना उम्मेदवारको मनोनयन दाखिला गर्न एक पत्र पठाउनेछन् । यसरी मनोनयन गरिएका व्यक्तिको नामावली संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले मनोनयन गर्ने राष्ट्रको नामसहित वर्णानुक्रमअनुसार पेश गर्नेछन् ।

क्रमांक  
५

## धारा ७

१. सो रोकथाम उपसमितिका सदस्य देहायबमोजिमको प्रक्रियाबाट निर्वाचित हुनेछन् :  
 (क) प्रस्तावित व्यक्ति यस आलेखको धारा ५ मा उल्लेख भएनुसारका आवश्यकता, सीमाभित्र परे-नपरेको विषयलाई प्रमुखताका साथ विचार गरिनेछ ।

- (ख) प्रारम्भिक निर्वाचन यो आलेख कार्यान्वयनमा आएको ६ महिनाभित्र सम्पन्न भइसक्नेछ ।
- (ग) पक्षराष्ट्रले गोप्य मतदानमार्फत् रोकथाम उपसमितिका सदस्यको चयन गर्नेछन् ।
- (घ) सो रोकथाम उपसमितिका सदस्यको निर्वाचन संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले द्विवार्षिक रूपमा आह्वान गरिने पक्षराष्ट्रको बैठकबाट गरिनेछ । त्यस्तो बैठक बस्न दुई तिहाइ पक्षराष्ट्रको उपस्थितिलाई गणपूरक संख्या मानिनेछ र बैठकमा उपस्थित भई मतदान गरेका राष्ट्रमध्येबाट सर्वाधिक मत एवं बहुमत प्राप्त गर्ने व्यक्ति उपसमितिको सदस्यमा निर्वाचित हुनेछन् ।
२. निर्वाचन प्रक्रियाको दौरान एउटै पक्षराष्ट्रका दुई नागरिक उपसमितिको सदस्य बन्न योग्य भएको अवस्थामा भने ती दुई व्यक्तिमध्ये बढी मत पाउने व्यक्ति उपसमितिको सदस्य भई काम गर्नेछ । ती दुई व्यक्तिले प्राप्त गरेको मत बराबर भएको अवस्थामा भने देहायानुसारको प्रक्रिया अपनाइनेछ :
- (क) उक्त पक्षराष्ट्रको तरफबाट एकजनामात्रको मनोनयन परेको रहेछ भने त्यसरी मनोनयनमा परेको व्यक्ति रोकथाम उपसमितिको सदस्य भई काम गर्नेछ ।
- (ख) ती दुवै उम्मेदवार एउटै पक्षराष्ट्रका नागरिक रहेछन् भने तीमध्येबाट एक सदस्य निर्वाचित गर्न छुट्टै गोप्य मतदानको प्रक्रिया लागू हुनेछ ।
- (ग) ती दुवै उम्मेदवार आफू नागरिक भएको पक्षराष्ट्रबाट मनोनयनमा परेका रहेछन् भने पनि तीमध्येबाट एक सदस्य निर्वाचित गर्न छुट्टै गोप्य मतदानको प्रक्रिया लागू हुनेछ ।

## धारा ८

रोकथाम उपसमितिको कुनै सदस्यको मृत्यु भएमा वा निजले पदबाट राजिनामा दिएमा वा अन्य कुनै कारणले उपसमितिको सदस्यको रूपमा कार्य गर्न असमर्थ भएमा उक्त सदस्यलाई मनोनयन गर्ने पक्षराष्ट्रले यस आलेखको धारा ५ मा उल्लिखित प्रावधान एवं उपसमितिमा विविध क्षेत्र र विधामा दक्षता आर्जन गरेका व्यक्तिको उचित सन्तुलनसमेतलाई विचार गरी अर्को योग्य व्यक्तिको मनोनयन गर्नेछ । त्यसरी मनोनयन गरिएको व्यक्ति पक्षराष्ट्रको अर्को बैठकसम्मका लागि उपसमितिको सदस्य भई काम गर्नेछ र निजको

सदस्यता सो बैठकमा बहुमत पक्षराष्ट्रबाट अनुमोदनका लागि प्रस्तुत गरिनेछ । संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले प्रस्तावित नियुक्तिको सूचना दिएको ६ हप्ताभित्र पक्षराष्ट्रमध्ये आधा वा सोभन्दा बढीले सो प्रस्तावमा असहमति व्यक्त नगरेमा प्रस्ताव स्वीकृत भएको मानिनेछ ।

## धारा ९

रोकथाम उपसमितिका सदस्य चार वर्ष अवधिका लागि निर्वाचित हुनेछन् । पुनः मनोनयन परेमा उनीहरू फेरि निर्वाचित हुन योग्य मानिनेछन् । पहिलो निर्वाचनबाट छानिएका सदस्यमध्ये आधा सदस्यको पदावधि दुई वर्षपछि समाप्त हुनेछ । यसरी पदावधि समाप्त हुने सदस्यको नाम पहिलो निर्वाचन सम्पन्न भएलगतै धारा ७(१)(घ) बमोजिमका बैठकका अध्यक्षले गोलाप्रथाद्वारा तय गर्नेछन् ।

## धारा १०

१. रोकथाम उपसमितिले दुई वर्ष कार्यकाल हुने गरी आफ्ना अधिकृतको चयन गर्नेछ । उनीहरू पुनः नियुक्त हुनसक्नेछन् ।
२. उपसमितिले कार्य सम्पादन कार्यविधिका नियम आफै बनाउनेछ । अन्य कुराका अतिरिक्त ती नियम देहायबमोजिम उल्लेख हुनेछ :
  - (क) आधा सदस्य संख्यामा एक थपिएपछि गणपूरक संख्या पुग्नेछ,
  - (ख) उपसमितिका निर्णय बैठकमा उपस्थित सदस्य संख्याको बहुमतबाट लिइनेछन्,
  - (ग) उपसमितिको बैठक गोप्य रूपमा बस्नेछ ।
३. यस रोकथाम उपसमितिको प्रारम्भिक बैठक संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले आह्वान गर्नेछन् । यसपछि भने उपसमिति आफैले तय गरेको कार्यविधिगत नियमबमोजिम बैठक बस्नेछ । यो उपसमिति तथा यातनाविरुद्धको समितिले सँगसँगै जसो वर्षको कम्तीमा एकपटक बैठक सत्र सम्पन्न गर्नेछन् ।

## धारा ११

यस उपसमितिले :

(क) धारा ४ मा उल्लेख भएअनुसारका स्थानको भ्रमण गरी स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन सम्बन्धित पक्षराष्ट्रलाई सुझाव दिनेछ,

(ख) राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको सम्बन्धमा :

(अ) यी संयन्त्रको स्थापनार्थ पक्षराष्ट्रलाई सल्लाह प्रदान गर्ने एवं सहयोग गर्नेछ,

(आ) क्षमता अभिवृद्धि एवं सुदृढीकरण गर्ने राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई प्रत्यक्ष एवं आवश्यक परेमा गोप्य तवरले समेत सम्पर्क गर्ने तथा तालिम एवं अन्य प्राविधिक सहयोग प्रदान गर्नेछ,

(इ) स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट सुरक्षा दिने उद्देश्यले ती संयन्त्रलाई सुदृढ पार्ने आवश्यकता सोतसाधनको मूल्यांकनमा सल्लाह तथा सहयोग प्रदान गर्नेछ,

(ई) स्वतन्त्रताबाट वज्चित व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको क्षमता र कार्याधिकारलाई सशक्त बनाउन पक्षराष्ट्रसमक्ष सिफारिस प्रस्तुत गर्नेछ,

(ग) सामान्यतः यातनाको रोकथामको लागि सम्पूर्ण व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायबाट जोगाउन कार्यरत संयुक्त राष्ट्रसंघसम्बद्ध निकाय तथा संयन्त्रका साथै अन्य अन्तर्राष्ट्रिय, क्षेत्रीय र राष्ट्रिय संघसंस्थालाई सहयोग गर्नेछ ।

## धारा १२

रोकथाम उपसमितिलाई धारा ११ मुताबिक दिइएको कार्याधिकार सम्पन्न गर्न सबल तुल्याउनका लागि पक्षराष्ट्रले देहायबमोजिम गर्नेछन् :

- (क) रोकथाम उपसमितिलाई आफ्नो भू-भागमा सत्कार गर्ने र उसलाई यस आलेखको धारा ४ मा उल्लेख गरिएबमोजिमका हिरासत/कारागारसम्मको पहुँचलाई प्रत्याभूत गर्ने,
- (ख) स्वतन्त्रताबाट विचित्र व्यक्तिलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायाविरुद्ध दिइने सुरक्षालाई सुवृढ तुल्याउने आवश्यकता एवं अवलम्बन गर्नुपर्ने उपायको मूल्यांकन गर्न रोकथाम उपसमितिले मागनसक्ने सूचना उपलब्ध गराउने,
- (ग) रोकथाम उपसमिति र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबीच सम्बन्ध स्थापित गर्नका लागि उत्साहित गर्ने एवं त्यसलाई सहजीकरण गर्ने,
- (घ) रोकथाम उपसमितिले दिएका सिफारिस र सल्लाहको अध्ययन गरी यसको कार्यान्वयनका सम्भावित उपायका बारेमा उपसमितिसँग संवाद, परामर्श गर्ने ।

### धारा १३

१. रोकथाम उपसमितिले धारा ११ मा स्थापित आफ्नो कार्यादेश सम्पन्न गर्न सुरक्षा गोलाप्रथाद्वारा पक्षराष्ट्रको भ्रमणको कार्यक्रम निर्धारण गर्नेछ ।
२. परामर्शपछि उपसमितिले पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो भ्रमण कार्यक्रमबाटे सूचित गर्नेछ ताकि उपसमितिको भ्रमणको लागि आवश्यक व्यवहारिक व्यवस्थापन यथाशीघ्र हुनसकोस् ।
३. त्यस्तो भ्रमण उपसमितिका कस्तीमा पनि दुई सदस्यले गर्नेछन् । आवश्यक परेको बख्त भने उपसमितिका भ्रमणकारी सदस्यलाई यस आलेखले समेटेको क्षेत्र एवं विषयमा अनुभव तथा गहिरो दखल राख्ने विशेषज्ञले साथ दिनेछन् जो पक्षराष्ट्र, संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार उच्चायुक्तको कार्यालय तथा संयुक्त राष्ट्रसंघीय मानवअधिकार अपराध रोकथाम केन्द्रबाट प्रस्तावित गरेबमोजिम तयार पारिएको व्यक्तिको सूचीबाट छानिनेछन् । त्यस्तो सूची तयार गर्दा सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले बढीमा पाँचजना विशेषज्ञको नाम मात्र सिफारिस गर्नसक्नेछन् । भ्रमण गरिने पक्षराष्ट्रले भ्रमण दलमा कुनै विशिष्ट विशेषज्ञको समावेशउपर विरोध जनाउन सक्नेछ र त्यसो भएमा उपसमितिले अर्को विशेषज्ञलाई भ्रमण दलमा समावेश गर्नेछ ।
४. उपसमितिले उपयुक्त ठानेको खण्डमा उसले आफ्नो प्रत्येक नियमित भ्रमणपछि छोटो समयावधिको अनुगमन भ्रमणको प्रस्ताव गर्नसक्नेछ ।

## धारा १४

१. यस आलेखका पक्षराष्ट्र उपसमितिलाई प्राप्त कार्यादेश सम्पन्न गर्न सबल बनाउने उद्देश्यले निम्नानुसार प्रत्याभूति दिनेछन् :
  - (क) धारा ४ ले परिभाषित गरेमुताबिक हिरासत/कारागारमा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएका व्यक्तिको संख्या साथै त्यस्ता ठाउँको संख्या तथा अवस्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच,
  - (ख) ती व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरूको बन्दी अवस्थासँग सरोकार रहेको सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच,
  - (ग) देहायको उपधारा (२) सँग सम्बन्धित हुनेगरी बन्दी राखिने स्थान तथा सोसँग सम्बन्धित संरचना एवं सुविधासम्मको बेरोकटोक पहुँच,
  - (घ) स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्ति तथा उपसमितिले आफूले खोजेको सूचना दिनसक्छ भनी विश्वास गरिएका व्यक्तिसँग दोभाषेको आवश्यकता परेबाहेक अन्य व्यक्तिको अनुपस्थितिमा गोप्य अन्तर्वार्ता लिने अवसर,
  - (ङ) उपसमितिले आफूले भ्रमण गर्न तथा अन्तर्वार्ता लिन चाहेको स्थान तथा व्यक्ति छनोटको स्वतन्त्रता ।
२. राष्ट्रिय सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा, प्राकृतिक आपतविपत वा भ्रमण गर्ने भनिएको स्थानमा व्याप्त गम्भीर अव्यवस्थाको कारण अस्थायी रूपमा भ्रमण स्थगित गर्नुपर्ने तत्कालीन तथा बाध्यकारी अवस्थामा भने कुनै विशेष कारागार/हिरासतको भ्रमणमा असहमति जनाउन सकिनेछ । संकटकालको घोषणा गरी त्यस्तो अवस्था कायम रहेको बेला भने सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले प्रस्तावित भ्रमणमा असहमतिको आधार मान्न पाउने छैन ।

९  
अनुसूची

## धारा १४

१. यस आलेखका पक्षराष्ट्र उपसमितिलाई प्राप्त कार्यादेश सम्पन्न गर्न सबल बनाउने उद्देश्यले निम्नानुसार प्रत्याभूति दिनेछन् :

- (क) धारा ४ ले परिभाषित गरेमुताबिक हिरासत/कारागारमा स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरी राखिएका व्यक्तिको संख्या साथै त्यस्ता ठाउँको संख्या तथा अवस्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच,
  - (ख) ती व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरूको बन्दी अवस्थासँग सरोकार रहेको सम्पूर्ण सूचनासम्म बेरोकटोक पहुँच,
  - (ग) देहायको उपधारा (२) सँग सम्बन्धित हुनेगरी बन्दी राखिने स्थान तथा सोसँग सम्बन्धित संरचना एवं सुविधासम्मको बेरोकटोक पहुँच,
  - (घ) स्वतन्त्रताबाट वज्चित गरिएका व्यक्ति तथा उपसमितिले आफूले खोजेको सूचना दिनसकछ भनी विश्वास गरिएका व्यक्तिसँग दोभाषेको आवश्यकता परेबाहेक अन्य व्यक्तिको अनुपरिथितिमा गोप्य अन्तर्वार्ता लिने अवसर,
  - (ङ) उपसमितिले आफूले भ्रमण गर्न तथा अन्तर्वार्ता लिन चाहेको स्थान तथा व्यक्ति छनोटको स्वतन्त्रता ।
२. राष्ट्रिय सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा, प्राकृतिक आपतविपत वा भ्रमण गर्ने भनिएको स्थानमा व्याप्त गम्भीर अव्यवस्थाको कारण अस्थायी रूपमा भ्रमण स्थगित गर्नुपर्ने तत्कालीन तथा बाध्यकारी अवस्थामा भने कुनै विशेष कारागार/हिरासतको भ्रमणमा असहमति जनाउन सकिनेछ । संकटकालको घोषणा गरी त्यस्तो अवस्था कायम रहेको बेला भने सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले प्रस्तावित भ्रमणमा असहमतिको आधार मान्न पाउने छैन ।

अनुसूची  
०

## धारा १५

कुनै पनि निकाय वा पदाधिकारीले कुनै व्यक्ति विशेष वा संघसंस्थाले उपसमितिसँग सञ्चार सम्पर्क गरेको वा उसका प्रतिनिधिलाई सत्य वा असत्य कुनै सूचना उपलब्ध गराएको आधारमा मात्र कारबाही गर्न कुनै आदेश दिने छैनन्, त्यसको कार्यान्वयन गर्ने छैनन्, त्यसो गर्न अनुमति दिने छैनन् एवं त्यसो गरेमा सहने छैनन् साथै ती व्यक्ति वा संघसंस्थाप्रति कुनै पूर्वाग्रह राख्ने छैनन् ।

## धारा १६

१. रोकथाम उपसमितिले आफ्ना सुभाव एवं अवलोकन सम्बन्धित पक्षराष्ट्रसमक्ष गोप्य रूपमा प्रस्तुत गर्नेछ र सान्दर्भिकता हेरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई समेत यो उपलब्ध गराइनेछ ।
२. उपसमितिले सम्बन्धित पक्षराष्ट्रले अनुमोदन गरेबमोजिम त्यस पक्षराष्ट्रको कुनै टिप्पणी भए सोसहित आफ्नो कामको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्नेछ । सरोकारवाला पक्षराष्ट्रले सो प्रतिवेदन आंशिक प्रकाशन गरेमा उपसमितिले सो दस्ताबेजको बाँकी, आंशिक वा पूर्ण पाठ सार्वजनिक गर्नेछ । यद्यपि सम्बन्धित व्यक्तिको प्रस्त सहमतिबेगर कुनै पनि प्रकारका व्यक्तिगत विवरण भने सार्वजनिक गरिने छैन ।
३. रोकथाम उपसमितिले आफ्ना क्रियाकलापको सार्वजनिक वार्षिक प्रतिवेदन यातनाविरुद्धको समितिसमक्ष प्रस्तुत गर्नेछ ।
४. कुनै पक्षराष्ट्रले धारा १२ तथा १४ अनुसार रोकथाम उपसमितिलाई सहयोग गर्न अस्वीकार गरेमा वा उपसमितिले प्रस्तुत गरेका सुभावको आधारमा मौजुदा अवस्थामा सुधारका लागि आवश्यक पहल नगरेमा उपसमितिको अनुरोधमा आफ्ना सदस्यको बहुमत निर्णयले सरोकारवाला पक्षराष्ट्रलाई आफ्नो दृष्टिकोण राख्ने अवसर दिई यातनाविरुद्धको समितिले सम्बन्धित विषयवस्तुउपर सार्वजनिक मन्तव्य दिन वा रोकथाम उपसमितिको प्रतिवेदन सार्वजनिक गर्नसक्नेछ ।

०  
अनुसूची

## धारा १७

प्रत्येक पक्षराष्ट्रले यो आलेख कार्यान्वयनमा आएपछि वा अनुमोदन वा सम्मिलन गरेपछि राष्ट्रिय स्तरमा यातनाको रोकथाम गर्न ढिलोमा पनि एक वर्षभित्र एक वा धैरै स्वतन्त्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको व्यवस्था, नियुक्ति वा स्थापना गर्नेछन् । विकेन्द्रित इकाइहरूले यस आलेखका प्रावधानसँग तादात्प्य रहने किसिमले स्थापना गरेका संयन्त्रलाई समेत यस दस्ताबेजको प्रयोजनका लागि राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र मानिनेछ ।

## धारा १८

- पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूको कार्यगत स्वतन्त्रता तथा यिनका पदाधिकारीको स्वतन्त्रताको प्रत्याभूति प्रदान गर्नेछन् ।
- पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूमा रही काम गर्ने विशेषज्ञमा आवश्यक क्षमता तथा व्यवसायिक ज्ञान भएको सुनिश्चित गर्न आवश्यक उपायको अवलम्बन गर्नेछन् । उनीहरूले लैडिक सन्तुलनका साथै मुलुकमा रहेका जातीय एवं अल्पसंख्यक समूहको पर्याप्त प्रतिनिधित्वको लागि प्रयास गर्नेछन् ।
- पक्षराष्ट्रले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यका लागि आवश्यक स्रोत साधन उपलब्ध गराउनेछन् ।
- राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्दा पक्षराष्ट्रले मानवअधिकारको प्रवर्द्धन तथा सुरक्षा गर्ने हैसियत राख्ने राष्ट्रिय मानवअधिकार संस्थासम्बद्ध सिद्धान्तउपर पनि उचित ध्यान दिनेछन् ।

## धारा १९

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई न्यूनतम पनि देहायका अधिकार प्रदान गरिनेछ :

- (क) धारा ४ ले परिभाषित गरेअनुसार स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्ति राखिने स्थानमा उनीहरूलाई यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायविरुद्धको सुरक्षालाई आवश्यकतानुसार सुदृढ तुल्याउने उद्देश्यले ती स्थानको नियमित परीक्षण/अध्ययन भ्रमण गर्ने,
- (ख) संयुक्त राष्ट्रसंघका सान्दर्भिक मान्यतालाई समेत ध्यान दिँदै स्वतन्त्रताबाट वञ्चित गरिएका व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरूको अवस्थामा सुधार ल्याउने र यातना तथा अन्य क्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक व्यवहार वा सजायको रोकथाम गर्ने उद्देश्यले सम्बन्धित निकायसमक्ष सुभाव प्रस्तुत गर्ने,
- (ग) अस्तित्वमा रहेका तथा प्रस्तावित विधानको बारेमा प्रस्ताव तथा अवलोकन प्रस्तुत गर्ने ।

## धारा २०

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई तोकिएको कार्यादेश निर्वाह गर्न सबल बनाउने उद्देश्यका साथ पक्षराष्ट्रले देहायबमोजिम गर्नेछन् :

- (क) हिरासत/कारागारमा स्वतन्त्रताबाट बच्चित गरी राखिएका व्यक्तिको संख्या साथै त्यस्ता ठाउँको संख्या तथा अवस्थितिसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनासम्म पहुँच प्रदान गर्ने,
- (ख) ती व्यक्तिप्रति गरिने व्यवहार एवं उनीहरूको बन्दी अवस्थासँग सम्बन्धित सम्पूर्ण सूचनामा पहुँच दिने,
- (ग) थ्रुनुवा राखिने सम्पूर्ण स्थान तथा सोसँग सम्बन्धित संरचना एवं सुविधासम्मको पहुँच प्रदान गर्ने,
- (घ) स्वतन्त्रताबाट बच्चित गरिएका व्यक्ति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रले आफूले खोजेका सूचना दिनसक्छ भनी विश्वास गरिएका व्यक्तिसँग दोभाषेको आवश्यकता परेमा बाहेक अन्य व्यक्तिको गैरमौजुदगीमा गोप्य अन्तर्वार्ता लिने अवसर प्रदान गर्ने,
- (ड) आफूले भ्रमण गर्न तथा अन्तर्वार्ता लिन चाहेको स्थान तथा व्यक्ति छनोटको स्वतन्त्रता दिने,
- (च) रोकथाम उपसमितिसँग सम्पर्क राख्ने, यसलाई सूचना पठाउने र उपसमितिसँग भेटघाट गर्ने अधिकार प्रदान गर्ने ।

## धारा २१

१. कुनै पनि निकाय वा पदाधिकारीले कुनै व्यक्तिविशेष वा संघसंस्थाले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँग सम्पर्क गरेको वा उसका प्रतिनिधिलाई सत्य वा असत्य कुनै सूचना उपलब्ध गराएको आधारमा मात्र कारबाही गर्न कुनै आदेश दिने छैनन्, त्यसो गर्न अनुमति दिने छैनन् तथा त्यसो गरेमा सहन गर्ने छैनन् साथै यी व्यक्ति वा संस्थाप्रति कुनै पूर्वाग्रह राख्ने छैनन् ।
२. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबाट संकलित गोप्य सूचनालाई प्राथमिकता दिइनेछ । सम्बन्धित व्यक्तिको प्रस्त सहमतिबेगर कसैको पनि व्यक्तिगत विवरण सार्वजनिक गरिने छैन ।

### धारा २२

सम्बन्धित पक्षराष्ट्रका सक्षम निकायले राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रबाट प्राप्त सुभावको अध्ययन गर्नेछन् र तिनको कार्यान्वयनका लागि अवलम्बन गर्नसकिने सम्भावित उपायका बारेमा संयन्त्रसँग परामर्श गर्नेछन् ।

### धारा २३

यस आलेखका पक्षराष्ट्र राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित र वितरण गर्ने जिम्मा लिन्छन् ।

### धारा २४

१. अनुमोदनपश्चात् पक्षराष्ट्रले एक घोषणा गरी यस आलेखको भाग ३ वा ४ का दायित्व ढिलो गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने जानकारी दिनसक्ने छन् ।
२. यस्तो ढिलाई अधिकतम तीन वर्षसम्मको लागि मान्य हुनेछ । सरोकारवाला पक्षराष्ट्रले प्रतिनिधित्व जनाइसकेपश्चात् तथा रोकथाम उपसमितिसँग परामर्शपश्चात् यातनाविस्तृद्धको समितिले यो अवधिलाई अरु दुई वर्षसम्म लम्ब्याउन सक्नेछ ।

### धारा २५

१. यो आलेख कार्यान्वयन गर्ने रोकथाम उपसमितिले गर्ने व्ययको भार संयुक्त राष्ट्रसंघले वहन गर्नेछ ।
२. यस आलेखअन्तर्गतको रोकथाम उपसमितिलाई आफ्नो कामकारबाही प्रभावकारी रूपमा सम्पन्न गर्ने आवश्यक मानवस्रोत तथा सुविधा संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले उपलब्ध गराउने छन् ।

### धारा २६

१. संयुक्त राष्ट्रसंघीय महासभाका सान्दर्भिक कार्यविधिअनुसार संयुक्त राष्ट्रसंघकै आर्थिक प्रशासन नियमावली तथा अन्य निकायबाट शासित हुनेगरी रोकथाम उपसमितिका

सिफारिस कार्यान्वयन गर्न तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई शैक्षिक कार्यक्रम आयोजना गर्न सहायता पुऱ्याउने उद्देश्यले एक यातना रोकथाम कोष स्थापना हुनेछ ।

२. रोकथाम कोष सरकार, अन्तरसरकारी एवं गैरसरकारी संघसंस्था र अन्य व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक निकायले पुऱ्याउने स्वेच्छिक योगदानबाट सञ्चालित हुनेछ ।

## धारा २७

१. महासचिय अनुमोदन गरेको कुनै पनि राष्ट्रलाई यो आलेखमा हस्ताक्षर गर्न खुल्ला गरिएको छ ।
२. महासचिय अनुमोदन गरिसकेको वा यसमा समिलन जनाइसकेको राष्ट्रले यो आलेख अनुमोदन गर्नसक्ने छ । अनुमोदन गरेको कागजात संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिला गर्नुपर्नेछ ।
३. महासचिय अनुमोदन गरिसकेका वा यसमा समिलन जनाइसकेका राष्ट्रले यस आलेखमा समिलन जनाउन जनाउन सक्नेछन् ।
४. समिलन जनाएको कागजात संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिला गरेपछि सो लागू भएको मानिनेछ ।
५. संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले आफूसमक्ष दाखिला भएका अनुमोदन वा समिलनका कागजातको बारेमा यो आलेखमा हस्ताक्षर गर्ने वा स्वीकृति जनाउने सबै राष्ट्रलाई सूचित गर्नेछन् ।

अनुसूची  
०

## धारा २८

१. २० ओटा राष्ट्रले अनुमोदन वा समिलन गरेको कागजात संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिला गरेको ३० औं दिनबाट यो आलेख कार्यान्वयनमा आउनेछ ।
२. संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष यो आलेख अनुमोदन वा समिलन गर्ने २०औं राष्ट्रले सोको कागजात पेश गरेपश्चात् यो आलेखको अनुमोदन समिलन गर्ने राष्ट्रको हकमा अनुमोदन वा समिलन गरेको ३०औं दिनबाट यो आलेख लागू हुनेछ ।

### धारा २९

यस आलेखका प्रावधान संघीय राज्यका सबै भू-भागमा बेरोकटोक एवं एकनासले लागू हुनेछन् ।

### धारा ३०

यो आलेखमा (अनुमोदन गर्न) कुनै शर्त राखिने छैन ।

### धारा ३१

यस आलेखका कुनै पनि प्रावधानले पक्षराष्ट्रलाई कुनै पनि क्षेत्रीय महासचिवाट निःसृत भई थुनुवा/बन्दी राखिने स्थानको भ्रमण गर्ने प्रणाली स्थापना गर्नुपर्ने दायित्वलाई असर पार्नेछैन । रोकथाम उपसमितिका र क्षेत्रीय व्यवस्थाअनुरूप स्थापना भएका त्यस्ता निकायका काम दोहोरिनबाट बच्न तथा यस आलेखका उद्देश्यको प्रवर्द्धन गर्न एकआपसमा परामर्श एवं सहयोग गर्न उत्साहित हुनेछन् ।

### धारा ३२

१२ अगस्ट १९४९ का जेनेभा महासचिवी तथा तिनका ८ जुन १९७७ का अतिरिक्त आलेखको पक्षराष्ट्र बनेको आधारबाट सृजित दायित्व वहन गर्न यस आलेखका कुनै पनि प्रावधानले पक्षराष्ट्रलाई असर पुऱ्याउने छैनन् न त अन्तर्राष्ट्रिय कानुनले नसमेटेको अवस्थामा समेत रेडक्रसको अन्तर्राष्ट्रिय समितिलाई थुनुवा/बन्दी राखिएको स्थानको भ्रमण अखित्यारी दिन बाधा पुऱ्याएको नै मानिनेछ ।

अनुसूची  
१

### धारा ३३

१. यस आलेखको सदस्यता त्याग्न चाहने कुनै पनि पक्षराष्ट्रले कुनै पनि बखत संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवलाई लिखित जानकारी दिई आफ्नो सदस्यता त्याग्न सक्नेछन् । राष्ट्रसंघीय महासचिवले यसको लिखित जानकारी महासचिविका तथा यस आलेखका

पक्षराष्ट्रलाई दिनेछन् । महासचिवले यसरी सूचना पाएको मितिले एक वर्षपछि सदस्यता त्यागेको मानिनेछ ।

२. सदस्यता परित्याग गर्ने राष्ट्रले सदस्यता लागू हुने मितिअगावै आफू यस आलेखको पक्षराष्ट्र भएबाट उत्पन्न हुने दायित्वबमोजिम गर्नुपर्ने काम वा विद्यमान अवस्थाबाट वा रोकथाम उपसमितिले सो पक्षराष्ट्रमाथि कुनै कारबाही गर्ने निर्णय हुनसक्ने अवस्थाबाट उन्मुक्ति पाउनेछैन, न त रोकथाम उपसमितिले विचार गरिरहेको कुनै विषयमा सदस्यता परित्यागले यो लागू हुनुपूर्व कुनै पूर्वाग्रही असर पुऱ्याउनेछ ।
३. सदस्यता परित्याग लागू भएपछि रोकथाम उपसमितिले परित्याग गर्ने राष्ट्रसँग सम्बन्धित कुनै पनि नयाँ विषयमा विचार गर्नेछैन ।

## धारा ३४

१. कुनै पनि पक्षराष्ट्रले यस आलेखउपर संशोधन प्रस्ताव गर्नसक्नेछन् र त्यस्तो प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष पेश गरिनेछ । महासचिवले प्रस्तावित संशोधनसहित यस्ता प्रस्तावमा पक्षराष्ट्रको सम्मेलन चाहाँदैनन् सोको जानकारी उपलब्ध गराउन अनुरोध गर्दै यस आलेखका पक्षराष्ट्रसँग पत्राचार गर्नेछन् । यसरी पत्राचार गरिएको चार महिनाभित्र कस्तीमा पनि एक तिहाइ पक्षराष्ट्रले सम्मेलन गरिनुपर्ने जनाउ दिएमा महासचिवले संयुक्त राष्ट्रसंघको प्रचलित नियमको अधीनमा रही सम्मेलन आह्वान गर्नेछन् । सम्मेलनमा उपस्थित भई मतदान गरेका पक्षराष्ट्रमा दुई तिहाइको बहुमतले कुनै संशोधन प्रस्ताव अनुमोदन गरेमा संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले अनुमोदित प्रस्ताव स्वीकृतिका लागि सबै पक्षराष्ट्रसमक्ष पठाउने छन् ।
२. यस धाराको उपधारा (१) बमोजिम अनुमोदन गरिएको संशोधन यस आलेखका दुई तिहाइ पक्षराष्ट्रले आ-आफ्नो संवैधानिक प्रक्रियामुताबिक स्वीकृत गरेपछि कार्यान्वयनमा आउनेछ ।
३. संशोधन कार्यान्वयनमा आएपछि सो संशोधन स्वीकार गर्ने पक्षराष्ट्रले संशोधित आलेखबाट तथा अन्य पक्षराष्ट्र यसै आलेखका प्रावधान तथा आफूले स्वीकार गरेका कुनै अधिल्ला संशोधनबाट बाँधिने छन् ।

### धारा ३५

रोकथाम उपसमिति तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यलाई उनीहरूले गर्ने कामको स्वतन्त्र अभ्यास गर्न आवश्यक विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्रदान गरिनेछ । रोकथाम उपसमितिका सदस्यलाई १३ फेब्रुअरी १९४६ को संयुक्त राष्ट्रसंघीय विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति महासचिको धारा २३ मा उल्लिखित प्रावधानसँग सम्बन्धित हुनेगरी सोही महासचिको धारा २२ ले परिभाषित गरेका विशेषाधिकार तथा उन्मुक्ति प्राप्त हुनेछन् ।

### धारा ३६

कुनै पक्षराष्ट्रको भ्रमण गर्दा उपसमितिका सदस्यले यस आलेखका प्रावधान तथा उद्देश्य साथै आफूलाई प्राप्त विशेषाधिकार तथा उन्मुक्तिसमेत प्रति पूर्वाग्रही नभई :

- (क) भ्रमण गरिएको राष्ट्रको नियम-कानूनलाई आदर गर्नेछन्,
- (ख) आफ्ना निष्पक्ष एवं अन्तर्राष्ट्रिय प्रकृतिका कर्तव्यसँग मेल नखाने कुनै पनि काम वा क्रियाकलापबाट टाढा रहनेछन् ।

### धारा ३७

१. अरबी, चिनियाँ, अंग्रेजी, फ्रान्सेली, रस्सी तथा स्पेनी भाषामा तयार पारिएका यस आलेखका पूर्ण पाठ समान रूपले मान्य हुनेछन् र यी संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवसमक्ष दाखिल रहनेछन् ।
२. यस आलेखका प्रमाणित प्रति संयुक्त राष्ट्रसंघका महासचिवले राज्यमा पठाउने छन् ।

## अनुसूची २

यातना तथा त्रूर, अमानवीय वा अपमानजनक  
व्यवहार वा सजाय रोकथाम उपसमिति

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको चालू विकासका  
लागि प्राथमिक निर्देशन<sup>1</sup>

१. सामान्य रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रसँगको संवादलाई सहज तुल्याउन रोकथाम उपसमितिले नयाँ वा विद्यमान निकायको विकासद्वारा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्थापना गर्ने प्रक्रियासँग सम्बन्धित तथा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका महत्वपूर्ण पक्षसँग सम्बन्धित प्राथमिक निर्देशनतर्फ संकेत गर्न चाहन्छ ।
१. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका कार्यादेश तथा अधिकारलाई प्रस्त अनि विशेष गरी राष्ट्रिय कानूनअन्तर्गत संवैधानिक वा कानुनी दस्तावेजका रूपमा राख्नु पर्दछ । थुनास्थलका सम्बन्धमा आलेखले बताएअनुसारको व्यापक परिभाषालाई उक्त दस्तावेजमा भल्काउनु पर्दछ ।
२. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई सार्वजनिक, समावेशी र पारदर्शी स्थापनाको प्रक्रियामार्फत् विकसित गर्नु पर्दछ र यसमा यातना रोकथाममा संलग्न नागरिक समाज तथा अन्य कर्तालगायतलाई समावेश गर्नु पर्दछ । विद्यमान निकायलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका रूपमा नियुक्ति गर्नेतर्फ विचार गरिएको छ भने यो विषयलाई नागरिक समाजको संलग्नतामा बहसका लागि खुला छोड्नु पर्दछ ।
३. वास्तविक तथा कथित दुवै रूपमा राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको स्वतन्त्रतालाई सदर्श्य चयन तथा नियुक्तिमा पारदर्शी प्रक्रिया अपनाएर प्रोत्साहन गर्नु पर्दछ ।

---

<sup>1</sup> First annual report of the SPT (February 2007 to March 2008), UN Doc. CAT/C140/2, 14 May 2008.

सदस्यहरू स्वतन्त्र हुनु पर्दछ र तिनले स्वार्थको संघर्षसम्बन्धी सवाल खडा हुने पद ओगटेको हुनुहुँदैन ।

४. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको काम प्रभावकारी तथा निष्पक्ष रूपमा सम्पन्न गर्नका लागि अनुभव तथा विज्ञताका लागि तोकिएको मापदण्डमा आधारित भई सदस्यको चयन गर्नु पर्दछ ।
५. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका सदस्यमा लैडिक सन्तुलन हुनुपर्छ र जनजातीय, अल्पसंख्यक तथा आदिवासीय समूहको पर्याप्त मात्रामा प्रतिनिधित्व हुनु पर्दछ ।
६. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रका विज्ञ सदस्यमा आवश्यक क्षमता र व्यवसायिक ज्ञान छ भन्ने सुनिश्चित गर्नका लागि आवश्यक उपाय राज्यले अपनाउनु पर्दछ । राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई तालिमहरू प्रदान गर्नु पर्दछ ।
७. आलेखको धारा १८(३) मुताबिक राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विशिष्ट कार्य सम्पन्न गर्नका लागि पर्याप्त स्रोत साधन उपलब्ध गराउनु पर्दछ । यस्ता स्रोतसाधनलाई बजेट र मानवस्रोत दुवै अर्थमा यही प्रयोजनका लागि सीमित गराइनु पर्दछ ।
८. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यक्रमले सबै सम्भाव्य तथा वास्तविक थुनास्थललाई समेट्नु पर्दछ ।
९. दुर्व्यवहारविरुद्धको सुरक्षाउपायका सम्बन्धमा थुनास्थलको प्रभावकारी निरीक्षणलाई राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको भ्रमणको सामयिकताले सुनिश्चित गर्नु पर्दछ ।
१०. असल अभ्यास तथा सुरक्षामा रहेका कमीकमजोरीलाई पहिचान गर्नेगरी राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको कार्यशैलीको विकास तथा समीक्षा गर्नुपर्छ ।
११. भ्रमणको प्रतिवेदनमा सम्बन्धित संस्थालाई असल अभ्यास तथा सुरक्षामा रहेका खोटका सम्बन्धमा प्रतिक्रियासमेत सामेल गरी बुझाउन राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रलाई राज्यहरूले प्रोत्साहन गर्नुपर्छ र यसका साथै जिम्मेवार अधिकारीलाई अभ्यास, नीति तथा कानुनमा सुधार गर्नका लागि सिफारिससमेत समावेश गर्नु पर्दछ ।
१२. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्र तथा अधिकारीले धारा २२ मुताबिक निरन्तर संवाद गर्नु पर्दछ र यसमा भ्रमणपश्चात् गरिएको परिवर्तनसम्बन्धी सिफारिस र यी सिफारिसउपर प्रतिक्रिया दिन गरिएको कार्यलाई आधार बनाउनु पर्दछ ।

## यातनाविष्वद्वको महासन्धिको ऐच्छिक आलेख

१३. राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रहरूका वार्षिक प्रतिवेदन आलेखको धारा २३ मुताबिक प्रकाशित गर्नु पर्दछ ।

राष्ट्रिय रोकथाम संयन्त्रको विकासलाई निरन्तर दायित्वका रूपमा लिइनु पर्दछ जसमा औपचारिक पक्षको सुदृढीकरण हुन्छ तथा कार्यशैली बढ्दो रूपमा परिष्कृत तथा सुधारिएको हुन्छ ।

## **Annex 3**

States Parties and Signatories to the Convention against Torture  
and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or  
Punishment  
(10 December 1984) and its Optional Protocol (22 June 2006)<sup>2</sup>  
and  
Voting Record on the Optional Protocol to the UN Convention  
against Torture

अनुसूची  
३

---

<sup>2</sup> Current as of 11 October 2010.

## यातनाविरस्त्रको महासंघिको ऐच्छिक आलेख

| STATE                                  | UNCAT       |   | OPCAT       |   | VOTE AT THE GA                                 |   |
|--|-------------|---|-------------|---|--|---|
|  | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| <b>AFRICA</b>                          |             |   |             |   |  |   |
| Algeria                                | 26 Nov 1985 | 12 Sep 1989                                     |             |   | A  | A   |
| Benin                                  |             | 12 Mar 1992 a                                   | 24 Feb 2005 | 20 Sep 2006                                     | Y  | Y   |
| Botswana                               | 8 Sep 2000  | 8 Sep 2000                                      |             |   | Y  | Y   |
| Burkina Faso                           |             | 4 Jan 1999 a                                    | 21 Sep 2005 | 7 Jul 2010                                      | Y  | Y   |
| Burundi                                |             | 18 Feb 1993 a                                   |             |   | Y  | Y   |
| Cameroon                               |             | 19 Dec 1986 a                                   | 15 Dec 2009 |   | A  | A   |
| Cape Verde                             |             | 4 Jun 1992 a                                    |             |   | Y  | Y   |
| Chad                                   |             | 9 Jun 1995 a                                    |             |   |  |   |
| Comoros                                | 22 Sep 2000 |   |             |   |  |   |
| Congo                                  |             | 30 Jul 2003 a                                   | 29 Sep 2008 |   | Y  | Y   |
| Côte d'Ivoire                          |             | 18 Dec 1995 a                                   |             |   |  | Y   |
| Democratic<br>Republic of the<br>Congo |             | 18 Mar 1996 a                                   |             | 23 Sep 2010 a                                   | Y  | Y   |
| Djibouti                               |             | 5 Nov 2002 a                                    |             |   |  | A   |
| Egypt                                  |             | 25 Jun 1986 a                                   |             |   | A  | A   |

| STATE                     |             | UNCAT   |             | OPCAT   |  | VOTE AT THE GA                                |   |
|---------------------------|-------------|---|-------------|---|--|---|---|
|                           | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |   |
| Equatorial Guinea         |             | 8 Oct 2002 a                                    |             |   |  |   | Y |
| Ethiopia                  |             | 14 Mar 1994 a                                   |             |   |  |   | A |
| Gabon                     | 21 Jan 1986 | 8 Sep 2000                                      | 15 Dec 2004 | 22 Sep 2010                                     |  |   | Y |
| Gambia                    | 23 Oct 1985 |   |             |   | Y  |   | Y |
| Ghana                     | 7 Sept 2000 | 7 Sept 2000                                     | 6 Nov 2006  |   | Y  |   | Y |
| Guinea                    | 30 May 1986 | 10 Oct 1989                                     | 16 Sep 2005 |   |  |   | Y |
| Guinea-Bissau             | 12 Sep 2000 |   |             |   |  |   |   |
| Kenya                     |             | 21 Feb 1997 a                                   |             |   |  | A   | A |
| Lesotho                   |             | 12 Nov 2001 a                                   |             |   | Y  |   | Y |
| Liberia                   |             | 22 Sep 2004 a                                   |             | 22 Sep 2004 a                                   |  |   |   |
| Libyan Arab<br>Jamahiriya |             | 16 May 1989 a                                   |             |   | A  |   | A |
| Madagascar                | 1 Oct 2001  | 13 Dec 2005                                     | 24 Sep 2003 |   | Y  |   | Y |
| Malawi                    |             | 11 Jun 1996 a                                   |             |   | Y  |   | Y |
| Mali                      |             | 26 Feb 1999 a                                   | 19 Jan 2004 | 12 May 2005                                     | Y  |   | Y |
| Mauritania                |             | 17 Nov 2004 a                                   |             |   | A  |   | A |
| Mauritius                 |             | 9 Dec 1992 a                                    |             | 21 Jun 2005 a                                   | Y  |   | Y |

## यातनाविरक्तको महासंघिको ऐच्छिक आलेख

| STATE                    | UNCAT       |   | OPCAT         |   | VOTE AT THE GA                                 |   |
|--------------------------|-------------|---|---------------|---|--|---|
|                          | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature     | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| Morocco                  | 8 Jan 1986  | 21 Jun 1993                                     |               |   | Y  | Y   |
| Mozambique               |             | 14 Sep 1999 a                                   |               |   | Y  | Y   |
| Namibia                  |             | 28 Nov 1994 a                                   |               |   | Y  | Y   |
| Niger                    |             | 5 Oct 1998 a                                    |               |   |  |   |
| Nigeria                  | 28 Jul 1988 | 28 Jun 2001                                     | 27 Jul 2009 a |   | N  | N   |
| Rwanda                   |             | 15 Dec 2008 a                                   |               |   |  |   |
| Sao Tome and<br>Principe | 6 Sep 2000  |   |               |   |  | Y   |
| Senegal                  | 4 Feb 1985  | 21 Aug 1986                                     | 4 Feb 2003    | 18 Oct 2006                                     | Y  | Y   |
| Seychelles               |             | 5 May 1992 a                                    |               |   |  | Y   |
| Sierra Leone             | 18 Mar 1985 | 25 Apr 2001                                     | 26 Sep 2003   |   |  | Y   |
| Somalia                  |             | 24 Jan 1990 a                                   |               |   |  | A   |
| South Africa             | 24 Jan 1993 | 10 Dec 1998                                     | 20 Sep 2006   |   | Y  | Y   |
| Sudan                    | 4 Jun 1986  |   |               |   | A  | A   |
| Swaziland                |             | 26 Mar 2004 a                                   |               |   | Y  | Y   |
| Togo                     | 25 Mar 1987 | 18 Nov 1987                                     | 15 Sep 2005   | 20 Jul 2010                                     | A  | A   |
| Tunisia                  | 26 Aug 1987 | 23 Sep 1988                                     |               |   | A  | A   |

| STATE                       | Signature     | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57//L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>(18/12/02) | VOTE AT THE GA |
|-----------------------------|---------------|---|-------------|---|---|-------------------------------|----------------|
| Uganda                      | 3 Nov 1986 a  |   |             | Y   |   | Y                             |                |
| Zambia                      | 7 Oct 1998 a  | 27 Sep 2010                                     |             | Y   |   | Y                             |                |
| <b>ASIA AND THE PACIFIC</b> |               |   |             |   |   |                               |                |
| Australia                   | 10 Dec 1985   | 8 Aug 1989                                      | 19 May 2009 |   | A   |                               | A              |
| Bangladesh                  | 5 Oct 1998 a  |   |             |   | A   |                               | A              |
| Cambodia                    | 15 Oct 1992 a | 14 Sep 2005                                     | 30 Mar 2007 |   |   | Y                             |                |
| China                       | 12 Dec 1986   | 4 Oct 1988                                      |             |   | N   |                               | A              |
| India                       | 14 Oct 1997   |   |             |   | A   |                               | A              |
| Indonesia                   | 23 Oct 1985   | 28 Oct 1998                                     |             |   | Y   |                               | Y              |
| Japan                       |               | 29 Jun 1999 a                                   |             |   | N   |                               | A              |
| Republic of Korea           | 9 Jan 1995 a  |   |             |   | Y   |                               | Y              |
| Maldives                    |               | 20 Apr 2004 a                                   | 14 Sep 2005 | 15 Feb 2006                                     |   |                               |                |
| Mongolia                    |               | 24 Jan 2002 a                                   |             |   | Y   |                               | Y              |
| Nauru                       | 12 Nov 2001   |   |             |   | Y   |                               | Y              |
| Nepal                       |               | 14 May 1991 a                                   |             |   | A   |                               | A              |

यातनाविरस्त्रको महासंघिको ऐच्छिक आलेख

| STATE              | UNCAT       |   | OPCAT         |   | VOTE AT THE GA                                 |   |
|--------------------|-------------|---|---------------|---|--|---|
|                    | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature     | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| New Zealand        | 14 Jan 1986 | 10 Dec 1989                                     | 23 Sep 2003   | 14 Mar 2007                                     | Y  | Y   |
| Pakistan           | 17 Apr 2008 | 23 June 2010                                    |               |   | A  | A   |
| Philippines        |             | 18 Jun 1986 a                                   |               |   | A  | A   |
| Sri Lanka          |             | 3 Jan 1994 a                                    |               |   | Y  | Y   |
| Thailand           |             | 2 Oct 2007 a                                    |               |   | A  | A   |
| Timor-Leste        |             | 16 Apr 2003 a                                   | 16 Sep 2005   |   | Y  |   |
| <b>MIDDLE EAST</b> |             |   |               |   |  |   |
| Afghanistan        | 4 Feb 1985  | 01 April 1987                                   |               |   | Y  |   |
| Bahrain            |             | 6 Mar 1998 a                                    |               |   | A  | Y   |
| Israel             | 22 Oct 1986 | 3 Oct 1991                                      |               |   | N  | Y   |
| Jordan             |             | 13 Nov 1991 a                                   |               |   | Y  | Y   |
| Kuwait             |             | 8 Mar 1996 a                                    |               |   | A  | A   |
| Lebanon            |             | 5 Oct 2000 a                                    | 22 Dec 2008 a |   |  | Y   |
| Qatar              |             | 11 Jan 2000 a                                   |               |   | A  | A   |
| Saudi Arabia       |             | 23 Sep 1997 a                                   |               |   | A  | A   |

| STATE                | Signature     | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | OPCAT  | VOTE AT THE GA             |
|----------------------|---------------|---|-------------|---|--|----------------------------|
| Syrian Arab Republic |               | 19 Aug 2004 a                                   |             |   | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| Yemen                |               | 5 Nov 1991 a                                    |             |   | N  | A                          |
| <b>AMERICAS</b>      |               |   |             |   |  |                            |
| Antigua and Barbuda  | 19 Jul 1993 a |   |             |   | Y  | Y                          |
| Argentina            | 4 Feb 1985    | 24 Sep 1986                                     | 30 Apr 2003 | 15 Nov 2004                                     | Y  | Y                          |
| Bahamas              | 16 Dec 2008   |   |             |   | A  | A                          |
| Belize               | 17 Mar 1986 a |   |             |   | A  | A                          |
| Bolivia              | 4 Feb 1985    | 12 Apr 1999                                     | 22 May 2006 | 23 May 2006                                     | Y  | Y                          |
| Brazil               | 23 Sep 1985   | 28 Sep 1989                                     | 13 Oct 2003 | 12 Jan 2007                                     | Y  | Y                          |
| Canada               | 23 Aug 1985   | 24 Jun 1987                                     |             |   | Y  | Y                          |
| Chile                | 23 Sep 1987   | 30 Sep 1988                                     | 6 Jun 2005  | 12 Dec 2008                                     | Y  | Y                          |
| Colombia             | 10 Apr 1985   | 8 Dec 1987                                      |             |   | Y  | Y                          |
| Costa Rica           | 4 Feb 1985    | 11 Nov 1993                                     | 4 Feb 2003  | 1 Dec 2005                                      | Y  | Y                          |
| Cuba                 | 27 Jan 1986   | 17 May 1995                                     |             |   | N  | A                          |

यातनाविष्फट्काे महासंघिकाे ऐच्छिक आलेख

| STATE                            | UNCAT       |   | OPCAT       |   | VOTE AT THE GA                                 |   |
|----------------------------------|-------------|---|-------------|---|--|---|
|                                  | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature   | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| Dominican Republic               | 4 Feb 1985  |   |             |   | Y  | Y   |
| Ecuador                          | 4 Feb 1985  | 30 Mar 1988                                     | 24 May 2007 | 20 Jul 2010                                     | Y  | Y   |
| El Salvador                      |             | 17 Jun 1996 a                                   |             |   | Y  | Y   |
| Guatemala                        |             | 5 Jan 1990 a                                    | 25 Sep 2003 | 9 Jun 2008                                      | Y  | Y   |
| Guyana                           | 25 Jan 1988 | 19 May 1988                                     |             |   | A  | A   |
| Honduras                         |             | 5 Dec 1996 a                                    | 8 Dec 2004  | 23 May 2006                                     |  | Y   |
| Mexico                           | 18 Mar 1985 | 23 Jan 1986                                     | 23 Sep 2003 | 11 Apr 2005                                     | Y  | Y   |
| Nicaragua                        | 15 Apr 1985 | 5 Jul 2005                                      | 14 Mar 2007 | 25 Feb 2009                                     | Y  | Y   |
| Panama                           | 22 Feb 1985 | 24 Aug 1987                                     | 22 Sep 2010 |   | Y  | Y   |
| Paraguay                         | 23 Oct 1989 | 12 Mar 1990                                     | 22 Sep 2004 | 2 Dec 2005                                      | Y  | Y   |
| Peru                             | 29 May 1985 | 7 Jul 1988                                      |             | 14 Sep 2006 a                                   | Y  | Y   |
| Saint Vincent and the Grenadines |             | 1 Aug 2001 a                                    |             |   | Y  | Y   |
| United States of the Americas    | 18 Apr 1988 | 21 Oct 1994                                     |             |   | N  | N   |
| Uruguay                          | 4 Feb 1985  | 24 Oct 1986                                     | 12 Jan 2004 | 8 Dec 2005                                      | Y  | Y   |

| STATE                          | UNCAT<br>Signature | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | OPCAT<br>Signature | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>(18/12/02) | VOTE AT THE GA |
|--------------------------------|--------------------|---|--------------------|---|--|-------------------------------|----------------|
| Venezuela                      | 15 Feb 1985        | 29 Jul 1991                                     |                    |   | Y  | Y                             |                |
| <b>EUROPE AND CENTRAL ASIA</b> |                    |   |                    |   |  |                               |                |
| Albania                        |                    | 11 May 1994 a                                   |                    | 1 Oct 2003 a                                    | Y  | Y                             |                |
| Andorra                        | 5 Aug 2002         | 22 Sep 2006                                     |                    |   | Y  | Y                             |                |
| Armenia                        |                    | 13 Sep 1993 a                                   |                    | 14 Sep 2006 a                                   | Y  | Y                             |                |
| Austria                        | 14 Mar 1985        | 29 Jul 1987                                     | 25 Sep 2003        |   | Y  | Y                             |                |
| Azerbaijan                     |                    | 16 Aug 1996 a                                   | 15 Sep 2005        | 28 Jan 2009                                     | Y  | Y                             |                |
| Belarus                        | 19 Dec 1985        | 13 Mar 1987                                     |                    |   |  | Y                             |                |
| Belgium                        | 4 Feb 1985         | 25 Jun 1999                                     | 24 Oct 2005        |   | Y  | Y                             |                |
| Bosnia and Herzegovina         |                    | 1 Sep 1993 d                                    | 7 Dec 2007         | 24 Oct 2008                                     | Y  | Y                             |                |
| Bulgaria                       | 10 Jun 1986        | 16 Dec 1986                                     | 22 Sep 2010        |   | Y  | Y                             |                |
| Croatia                        |                    | 12 Oct 1992 d                                   | 23 Sep 2003        | 25 Apr 2005                                     | Y  | Y                             |                |
| Cyprus                         | 9 Oct 1985         | 18 Jul 1991                                     | 26 Jul 2004        | 29 Apr 2009                                     | Y  | Y                             |                |
| Czech Republic                 |                    | 22 Feb 1993 d                                   | 13 Sep 2004        | 10 Jul 2006                                     | Y  | Y                             |                |
| Denmark                        | 4 Feb 1985         | 27 May 1987                                     | 26 Jun 2003        | 25 Jun 2004                                     | Y  | Y                             |                |

यातनाविष्फूक को महासंघिको ऐच्छिक आलेख

| STATE         | UNCAT  | OPCAT  | VOTE AT THE GA                                  |  |   |
|---------------|--|--|---|--|---|
|               | Signature<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature<br>Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| Estonia       | 21 Oct 1991 a                                | 21 Sep 2004  | 18 Dec 2006                                     | Y  | Y   |
| Finland       | 4 Feb 1985                                   | 30 Aug 1989  | 23 Sep 2003                                     | Y  | Y   |
| France        | 4 Feb 1985                                   | 18 Feb 1986  | 16 Sep 2005                                     | 11 Nov 2008                                    | Y   |
| Georgia       |  | 26 Oct 1994 a  | 9 Aug 2005 a                                    | A  | Y   |
| Germany       | 13 Oct 1986                                  | 1 Oct 1990   | 20 Sep 2006                                     | 04 Dec 2008                                    | Y   |
| Greece        | 4 Feb 1985                                   | 6 Oct 1988   |   | Y  | Y   |
| Holy See      |  | 26 Jun 2002 a  |   |  |   |
| Hungary       | 28 Nov 1986                                  | 15 Apr 1987  |   | Y  | Y   |
| Iceland       | 4 Feb 1985                                   | 23 Oct 1996  | 24 Sep 2003                                     | Y  | Y   |
| Ireland       | 28 Sep 1992                                  | 11 Apr 2002  | 2 Oct 2007                                      | Y  | Y   |
| Italy         | 4 Feb 1985                                   | 12 Jan 1989  | 20 Aug 2003                                     | Y  | Y   |
| Kazakhstan    |  | 26 Aug 1998 a  | 25 Sep 2007                                     | 22 Oct 2008                                    | A   |
| Kyrgyzstan    |  | 5 Sep 1997 a   | 29 Dec 2008 a                                   | Y  | Y   |
| Latvia        |  | 14 Apr 1992 a  |   | Y  | Y   |
| Liechtenstein | 27 Jun 1985                                  | 2 Nov 1990   | 24 Jun 2005                                     | 3 Nov 2006                                     | Y   |
| Lithuania     |  | 1 Feb 1996 a   |   | Y  | Y   |
| Luxembourg    | 22 Feb 1985                                  | 29 Sep 1987  | 13 Jan 2005                                     | 19 May 2010                                    | Y   |

| STATE               | UNCAT  | OPCAT  | VOTE AT THE GA                                  |  |   |
|---------------------|--|--|---|--|---|
|                     | Signature<br>Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature<br>Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/I,30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| Malta               | 13 Sep 1990 a<br>6 Dec 1991 a                                | 24 Sep 2003<br>23 Oct 2006 a                                 | 24 Sep 2003<br>23 Oct 2006 Mar 2009<br>d        | Y<br>Y   | Y<br>Y  |
| Monaco              |  |  |   |  |   |
| Montenegro          |  |  |   |  |   |
| Netherlands         | 4 Feb 1985<br>4 Feb 1985                                     | 21 Dec 1988<br>9 Jul 1986                                    | 3 Jun 2005<br>24 Sep 2003                       | 28 Sep 2010                                    | Y<br>Y  |
| Norway              |  |  |   | Y  | Y   |
| Poland              | 13 Jan 1986<br>4 Feb 1985                                    | 26 Jul 1989<br>9 Feb 1989                                    | 5 Apr 2004<br>15 Feb 2006                       | 14 Sep 2005                                    | Y<br>Y  |
| Portugal            |  |  |   | Y  | Y   |
| FYR Macedonia       |  | 12 Dec 1994 d  | 1 Sep 2006                                      | 13 Feb 2009                                    | Y<br>Y  |
| Republic of Moldova |  | 28 Nov 1995 a  | 16 Sep 2005                                     | 24 Jul 2006                                    |   |
| Romania             | 18 Dec 1990 a  | 24 Sep 2003  | 2 Jul 2009                                      | Y  | Y   |
| Russian Federation  | 10 Dec 1985  | 3 Mar 1987   |   | A  | A   |
| San Marino          | 18 Sep 2002  | 27 Nov 2006  |   | Y  | Y   |
| Serbia              |  | 12 Mar 2001 d  | 25 Sep 2003                                     | 26 Sep 2006                                    |   |
| Slovakia            |  | 28 May 1993 d  |   | Y  | Y   |
| Slovenia            |  | 16 Jul 1993 a  | 23 Jan 2007 a                                   | Y  | Y   |

यातनाविष्फटको महासचिको ऐच्छिक आलेख

| STATE   | UNCAT  |   | OPCAT  |   | VOTE AT THE GA                                 |   |
|---|--|---|--|---|--|---|
|   | Signature<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Signature<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Ratification<br>Accession (a)<br>Succession (d) | Third Committee<br>A/C.3/57/L.30<br>(07/11/02) | Plenary session<br>A/RES/57/199<br>(18/12/02) |
| Spain   | 4 Feb 1985                                   | 21 Oct 1987                                     | 13 Apr 2005                                  | 4 Apr 2006                                      | Y  | Y   |
| Sweden  | 4 Feb 1985                                   | 8 Jan 1986                                      | 26 Jun 2003                                  | 14 Sep 2005                                     | Y  | Y   |
| Switzerland   | 4 Feb 1985                                   | 2 Dec 1986                                      | 25 Jun 2004                                  | 24 Sep 2009                                     | Y  | Y   |
| Tajikistan  | 11 Jan 1995 a                                |   |  |   |  | Y   |
| Turkey  | 25 Jan 1988                                  | 2 Aug 1988                                      | 14 Sep 2005                                  |   | Y  | Y   |
| Turkmenistan  | 25 Jun 1999 a                                |   |  |   |  |   |
| Ukraine   | 27 Feb 1986                                  | 24 Feb 1987                                     | 23 Sep 2005                                  | 19 Sep 2006                                     | Y  | Y   |
| United Kingdom<br>of Great Britain<br>and Northern<br>Ireland | 15 Mar 1985                                  | 8 Dec 1988                                      | 26 Jun 2003                                  | 10 Dec 2003                                     | Y  | Y   |
| Uzbekistan  |  |   |  |   | A  | A   |

## Annex 4

### Useful addresses

#### **Subcommittee on Prevention of Torture (SPT)**

Secretariat of the SPT  
Office of the UN High Commissioner for Human Rights  
UNOG – OHCHR  
Palais Wilson  
Rue des Pâquis, 52  
1211 Geneva  
Switzerland  
[www.ohchr.org](http://www.ohchr.org)  
[opcat@ohchr.org](mailto:opcat@ohchr.org)

#### **Association for the Prevention of Torture (APT)**

10 Route de Ferney  
P.O. Box 2267  
1211 Geneva 2  
Switzerland  
Tel: (41 22) 919 2170  
Fax: (41 22) 919 2180  
[apt@apt.ch](mailto:apt@apt.ch)  
[www.apt.ch](http://www.apt.ch)

#### **Inter-American Institute for Human Rights**

Box 10.081  
1000 San José  
Costa Rica  
Tel: (506) 2234 0404  
Fax: (506) 2234 0955  
[s.especiales@iagh.ed.cr](mailto:s.especiales@iagh.ed.cr)  
[www.iagh.ed.cr](http://www.iagh.ed.cr)

## Annex 5

### **Further reading on the Optional Protocol to the UN Convention against Torture**

#### **Books and articles**

AMNESTY INTERNATIONAL, *Combating Torture: A Manual for Action*, Amnesty International Publications, London, 2003.

AMNESTY INTERNATIONAL, *10 Guiding Principles for the Establishment of National Preventive Mechanisms*, IOR/51/009/2007, Amnesty International, London, 2007.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Detention Monitoring Briefing No 1: Making Effective Recommendations*, APT, Geneva, November 2008.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Detention Monitoring Briefing No 2: The Selection of Persons to Interview in the Context of Preventive Detention Monitoring*, APT, Geneva, April 2009.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Detention Monitoring Briefing No 3: Using Interpreters in Detention Monitoring*, APT, Geneva, May 2009.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Visiting Places of Detention - What role for physicians and other health professionals?*, APT, Geneva, September 2009.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Civil Society and National Preventive Mechanisms under the Optional Protocol to the UN Convention against Torture*, APT, Geneva, June 2008.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *National Human Rights Commissions and Ombudspersons' Offices/Ombudsmen as National Preventive Mechanisms under the Optional Protocol to the UN Convention against Torture*, APT, Geneva, January 2008.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE and CENTRE FOR JUSTICE AND INTERNATIONAL LAW, *Torture in International Law: A guide to jurisprudence*, APT, CEJIL, Geneva, 2008.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Letting in 5the Light, 30 years of Torture Prevention*, APT, Geneva, 2007.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Establishment and Designation of National Preventive Mechanisms*, APT, Geneva, 2006.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Implementation of the Optional Protocol to the Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment (OPCAT) in Federal and other Decentralized States*, APT, Sao Paolo, Brazil, June 2005.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Monitoring Places of Detention: A practical guide*, APT, Geneva, 2004.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *Prevenir la tortura: un desafío realista. Actas del seminar (Foz de Iguazú) sobre las condiciones de detención y la protección de las personas privadas de libertad en América latina*, Geneva, APT, 1995.

ASSOCIATION FOR THE PREVENTION OF TORTURE, *20 ans consacrés à la réalisation d'une idée, Recueil d'études en l'honneur de Jean-Jacques Gautier*, APT, Geneva, 1997.

BOLIN PENNEGARD, Anne-Marie, *An Optional Protocol, based on prevention and cooperation*, in Bertil Duner (ed.), *An End to Torture: Strategies for its Eradication*, Zed Books, London/New York, 1998.

DELAPLACE, Edouard, *La prohibition internationale de la torture et des peines ou traitements cruels, inhumains ou dégradants*, Thèse de Doctorat en Droit, Université de Nanterre-Paris X, December 2002.

EVANS, Malcolm D., and Rod MORGAN, *Protecting Prisoners: The standards of the European Committee for the Prevention of Torture and Inhuman or Degrading Treatment or Punishment*, Clarendon Press, Oxford, 1998.

GAUTIER, Jean-Jacques, Niall MACDERMOT, Eric MARTIN, and François DE VARGAS, *Torture - How to make the International Convention effective: a draft optional protocol*, International Commission of Jurists and Swiss Committee Against Torture, 1980 (out of print).

GRUPO DE TRABAJO CONTRA LA TORTURE, *Tortura, su prevención en las Américas, Visitas de control a las personas privadas de libertad*, Montevideo Colloquium, 6-9 April 1987, International Commission of Jurists and Swiss Committee against Torture, 1987 (out of print).

MARIÑO MENENDEZ, Fernando M, and Alicia CEBADA ROMERO, *La creación del mecanismo español de prevención de la tortura*, Portal Derecho S.A., Spain, 2009.

MURRAY, Rachel, *National Preventive Mechanisms under the Optional Protocol to the Torture Convention: One Size Does Not Fit All*, in *Netherlands Quarterly of Human Rights* 26.4, Netherlands Institute of Human Rights (SIM), The Netherlands, December 2008, pp.485-517.

NOWAK, Manfred, and Elizabeth McARTHUR, *The United Nations Convention against Torture: A commentary*, in *Oxford Commentaries on International Law*, Oxford University Press, 2008.

ODIO BENITO, Elizabeth, *Protocolo Facultativo a la Convención contra la Tortura*, in *Revista Costarricense de Política Exterior* 3, Costa Rica, 2002.

OPCAT Team (University of Bristol), *The Relationship Between Accreditation by the International Coordinating Committee of National Human Rights Institutions and the Optional Protocol*, University of Bristol, November 2008.

RODLEY, Nigel, *The Treatment of Prisoners Under International Law*, Clarendon Press, Oxford, 1999.

SUNTINGER, Walter, *National Visiting Mechanisms: Categories and Assessment*, in APT, *Visiting Places of Detention: Lessons Learned and Practices of Selected Domestic Institutions*, Report of an expert seminar, APT, Geneva, July 2003.

VILLAN DURAN, Carlos, *La práctica de la tortura y los malos tratos en el mundo. Tendencias actuales*, in *La prevención y erradicación de la tortura y malos tratos en los sistemas democráticos*, XXII Cursos de Verano en San Sebastián, XV Cursos Europeos, UPV/EHU 2003, Ararteko, 2004.

## UN Documents

CONVENTION AGAINST TORTURE AND OTHER CRUEL, INHUMAN OR DEGRADING TREATMENT OR PUNISHMENT, UN Doc. GA, Res 39/46, 1984.

COMMITTEE AGAINST TORTURE AND OTHER CRUEL, INHUMAN OR DEGRADING TREATMENT OR PUNISHMENT, General Comment No 2, Implementation of article 2 by States Parties, UN Doc. CAT/C/GC/2, 24 January 2008.

SUBCOMMITTEE ON PREVENTION OF TORTURE AND OTHER CRUEL, INHUMAN OR DEGRADING TREATMENT OR PUNISHMENT (SPT), First annual report of the SPT (February 2007 to March 2008), UN Doc. CAT/C/40/2, 14 May 2008.

SPT, Second annual report of the SPT (February 2008 to March 2009), UN Doc CAT/C/42/2, 7 April 2009.

SPT, Third annual report of the SPT (April 2009 to March 2010), UN Doc CAT/C/44/2, 25 March 2010.

SPT, Report on the Visit of the SPT to Sweden, CAT/OP/SWE/1, 10 September 2008.

SPT, Replies from Sweden to the Recommendations and Questions of the SPT in its report on the first periodic visit to Sweden, UN Doc. CAT/OP/SWE/1/Add. 26 January 2009.

SPT, Report on the Visit of the SPT to the Maldives, CAT/OP/MDV/1, 26 February 2009.

SPT, Report on the Visit of the SPT to Honduras, CAT/OP/HND/1, 10 February 2010.

यातनाविष्टको महासचिको ऐचिक आलेख

SPT, Report on the Visit of the SPT to Paraguay, CAT/OP/PRY/1, 7 June 2010.

SPT, Replies from Paraguay to the Recommendations and Questions of the SPT in its report on the first periodic visit to Paraguay, UN Doc. CAT/OP/PYR/1/Add.1, 10 June 2010.

SPT, Report on the Visit of the SPT to Mexico, CAT/OP/MEX/1, 31 May 2010.